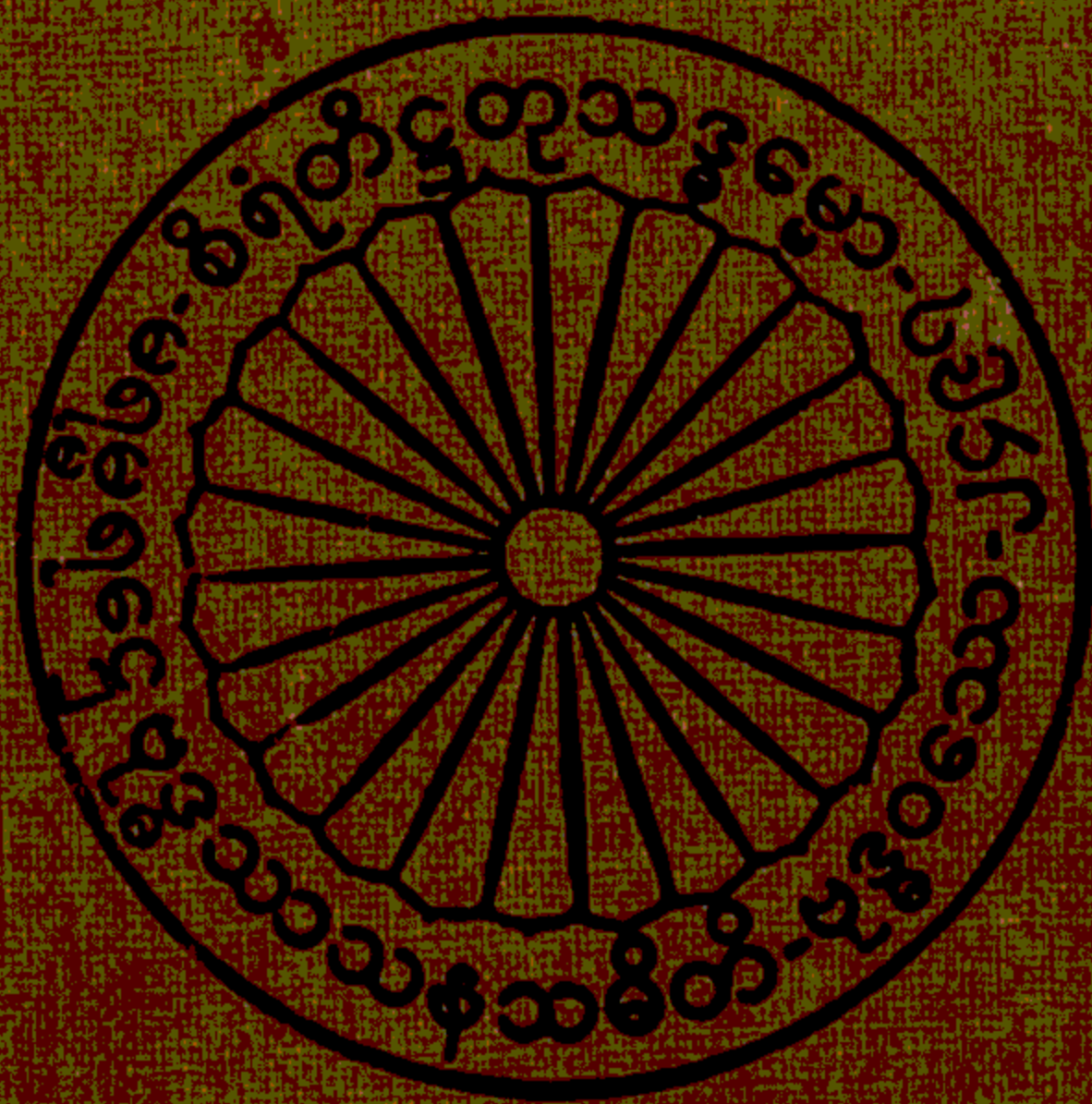


ဆဋ္ဌသင်္ဂဟပိဋကံ

အဘိဓမ္မပိဋကော

ကထာဝတ္ထု



မရပ္ပဝဇ္ဇေ ဗုဒ္ဓသာသနာသမိတိယာ  
ဗုဒ္ဓကယန္တရယေ ဗုဒ္ဓါဒိကာ

ဗုဒ္ဓဝဇ္ဇေ ၂၄၉၉

မရပ္ပဝဇ္ဇေ ၁၃၁၇

၁၉၅၆



### ၁၃၁၈-ခု၊ ကဆုန်လပြည့်နေ့

ဆဋ္ဌသံဂါယနာ မဟာဓမ္မသဘင် အောင်မြင်သည့် အထိမ်း  
အမှတ် ပူဇော်ပွဲကြီး၌—

ရန်ကုန်မြို့ နိုင်ငံတော်ဗုဒ္ဓသာသနာအဖွဲ့ ဥက္ကဋ္ဌကြီး သတိုး  
သီရိသုဓမ္မ သက်တော်ရှည် သူဌေးကြီး ဆာဦးသွင်နှင့် သူဌေး  
ကတော် ဒေါ်ဒေါ်သိန်း တို့က၊ ကျောင်းတိုက် ၅-တိုက်  
အတွက် နိကာယ်ငါးရပ် ပိဋကတ်တော် ၅-စုံတို့ကို အသီးသီး  
လှူဒါန်းရာတွင် စာရေးတံမဲ ကျသော သံဂီတိကာရက ဆရာ  
တော် ဦး ..... ၏ သီတင်းသုံးရာ ..... ခရိုင်  
..... မြို့ ..... ကျောင်းတိုက်အား  
နိဗ္ဗာန်ကို ရည်မှန်း၍ လှူဒါန်း ပူဇော်ပါသည်။

“ဗောဓိဉာဏဿ ပစ္စယော ဟောတု”



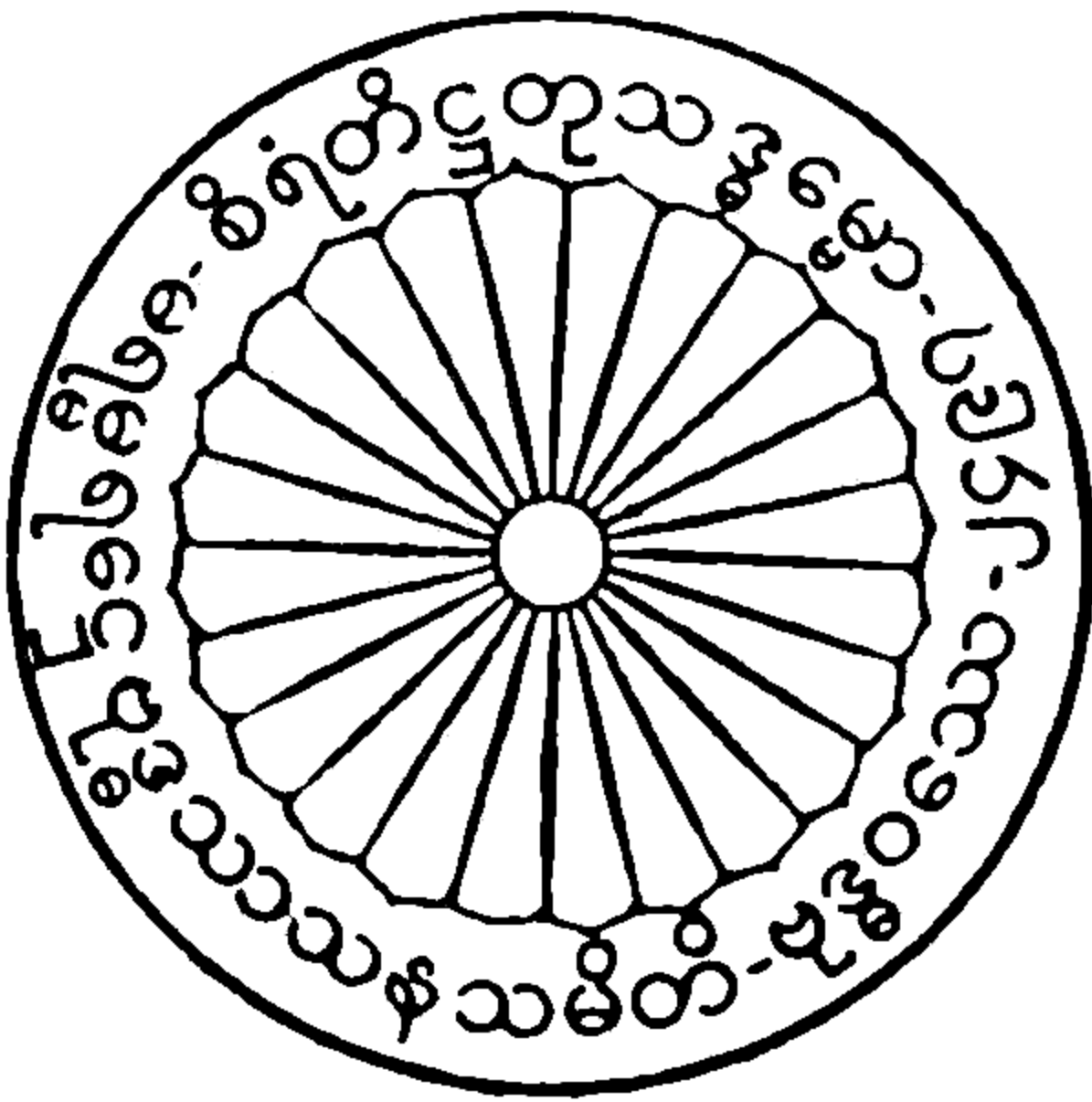
၁၁၇၉၃

ဆဋ္ဌသင်္ဂီတိပိဋကံ



အဘိဓမ္မပိဋကေ

# ကထာဝတ္ထုပြိုင်



မရဗုရဇ္ဇေ ဗုဒ္ဓသာသနသမိတိယာ  
ဗုဒ္ဓဏယန္တလယေ ဗုဒ္ဓါဝိတာ



# THE PĀḲI ALPHABET IN BURMESE AND ROMAN CHARACTERS

## VOWELS

အ a    အာ ā    ဣ i    ဤ ī    ဥ u    ဦ ū    ဧ e    ဩ o

## CONSONANTS WITH VOWEL "A"

|      |       |      |       |      |
|------|-------|------|-------|------|
| က ka | ခ kha | ဂ ga | ဃ gha | င ṇa |
| စ ca | ဆ cha | ဇ ja | ဈ jha | ည ña |
| တ ta | ဌ ṭha | ဉ da | ဍ dha | ဏ ṇa |
| ထ ta | ဏ tha | ဒ da | ဏ dha | န na |
| ပ pa | ဖ pha | ဘ ba | မ bha | မ ma |

ယ ya    ရ ra    လ la    ဝ va    ဆ sa    ဟ ha    ဣ ḷa    ၊ ṁ

## VOWELS IN COMBINATION

|       |        |        |        |        |        |        |         |
|-------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|---------|
| က ka  | ကာ kā  | ကိ ki  | ကီ kī  | ကု ku  | ကူ kū  | ကေ ke  | ကော ko  |
| ခ kha | ခါ khā | ခိ khi | ခီ khī | ခု khu | ခု khū | ခေ khe | ခေါ kho |

## CONJUNCT-CONSONANTS

|           |           |         |         |
|-----------|-----------|---------|---------|
| ကက kka    | ဏန ṇca    | ဂဂ dva  | မမ mba  |
| ကခ kkha   | ဏဆ ṇcha   | ဃဃ dhya | မဃ mbha |
| ကယ kya    | ဏည ṇja    | ဃမ dhva | မမ mma  |
| ကရ kri    | ဏည ဈ ṇjha | ဃဏ nta  | မဃ mya  |
| ကလ kla    | ဏတ ṭta    | ဃဏ ntva | မဃ mha  |
| ကလှ kva   | ဏတ ṭṭha   | ဃဏ ntha | မဃ yya  |
| ကလှာ khya | ဏဒ ḍda    | ဃဏ nda  | မဃ yha  |
| ကလှာ khva | ဏဒ ḍḍha   | ဃဏ ndra | မဃ lla  |
| ဂဂ gga    | ဏတ ṇṭā    | ဃဏ ndha | မဃ lya  |
| ဂဂှာ ggha | ဏတ ṇṭha   | ဃဏ nna  | မဃ lha  |
| ဂယ gya    | ဏဒ ṇḍa    | ဃဏ nya  | မဃ vha  |
| ဂရ gra    | ဏဒ ṇṇa    | ဃဏ nha  | မဃ sta  |
| ဂန ṇka    | ဏဒ ṇha    | ဃဏ ppa  | မဃ stra |
| ဂနခ ṇkha  | ဏတ ṭta    | ဃဏ ppha | မဃ sna  |
| ဂနာ ṇga   | ဏတ ṭṭha   | ဃဏ pya  | မဃ sya  |
| ဂနာ ṇgha  | ဏတ tva    | ဃဏ pla  | မဃ ssa  |
| ငင cca    | ဏတ tya    | ဃဏ bba  | မဃ sma  |
| ငငှာ ccha | ဏဒ tra    | ဃဏ bbha | မဃ sva  |
| ညည jja    | ဏဒ dda    | ဃဏ bya  | မဃ hma  |
| ညညှာ jjha | ဏဒ ddha   | ဃဏ bra  | မဃ hva  |
| ညညာ ṇṇa   | ဏဒ dya    | ဃဏ mpa  | မဃ lha  |
| ညညာ ṇha   | ဏဒ dra    | ဃဏ mpha |         |

ဘ- = ā; ဝ = i; ဝ = ī    ခ- = u; ခ- = ū; ဧ = e; ဧ- = o

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ၁ | ၂ | ၃ | ၄ | ၅ | ၆ | ၇ | ၈ | ၉ | ၀ |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 0 |



ကထာဝတ္ထုပါဠိ

| မာတိကာ                  |                    | ပိုဒ်     |
|-------------------------|--------------------|-----------|
|                         | ၁-ပုဂ္ဂလကထာ        |           |
| ၁-သုဒ္ဓသစ္စိကဋ္ဌ        | ....               | .... ၁- ၄ |
| ၂-ဩကာသသစ္စိကဋ္ဌ         | ....               | .... ၇- ၉ |
| ၃-ကာလသစ္စိကဋ္ဌ          | ....               | .... ၈-၁၀ |
| ၄-အဝယဝသစ္စိကဋ္ဌ         | ....               | .... ၈-၁၀ |
| ၅-သုဒ္ဓိကသံသန္ဓန        | ....               | .... ၁၁   |
| ၆-ဩပမ္ပသံသန္ဓန          | ....               | .... ၁၅   |
| ၇-စတုက္ကနယသံသန္ဓန       | ....               | .... ၂၁   |
| ၈-လက္ခဏယုတ္တိ           | ....               | .... ၂၅   |
| ၉-ဝစနသောဓန              | ....               | .... ၂၆   |
| ၁၀-ပညတ္တာနုယောဂ         | ....               | .... ၂၇   |
| ၁၁-ဂတိအနုယောဂ           | ....               | .... ၂၉   |
| ၁၂-ဥပါဒါပညတ္တာနုယောဂ    | ....               | .... ၃၄   |
| ၁၃-ပုရိသကာရာနုယောဂ      | ....               | .... ၄၁   |
| ၁၄-အဘိညာနုယောဂ          | ....               | .... ၅၀   |
| ၁၅-၁ဂ-ဉ္ဇတကာနုယောဂါဒိ   | ....               | .... ၅၀   |
| ၁၉-ပဋိဝေဓာနုယောဂ        | ....               | .... ၅၁   |
| ၂၀-သံဃာနုယောဂ           | ....               | .... ၅၂   |
| ၂၁-သစ္စိကဋ္ဌသဘာဝါနုယောဂ | ....               | .... ၅၃   |
|                         | ၂-ပရိဟာနိကထာ       | .... ၆၁   |
|                         | ၃-ဗြဟ္မစရိယကထာ (က) | .... ၈၀   |
|                         | ၃-ဩဓိသောကထာ (ခ)    | .... ၈၇   |
|                         | ၄-ဇဟတိကထာ          | .... ၉၂   |
|                         | ၅-သဗ္ဗမတ္တိတိကထာ   | .... ၉၆   |



| မာတိကာ |                      | ပိဋက     |
|--------|----------------------|----------|
|        | ၆-အတိတက္ခန္ဓာဒိကထာ   | .... ၁၁၅ |
|        | ၇-ကေဋ္ဌအတ္ထိတိကထာ    | .... ၁၁၉ |
|        | ၈-သတိပဋ္ဌာနကထာ....   | .... ၁၂၁ |
|        | ၉-ဟေဝတ္ထိကထာ ....    | .... ၁၂၄ |
|        | <b>၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ</b>   |          |
| (၁၀)   | ၁-ပရူပဟာရကထာ         | .... ၁၂၇ |
| (၁၁)   | ၂-အညာဏကထာ            | .... ၁၃၄ |
| (၁၂)   | ၃-ကင်္ခါကထာ          | .... ၁၄၀ |
| (၁၃)   | ၄-ပရိတာရဏကထာ         | .... ၁၄၅ |
| (၁၄)   | ၅-ဝစီဘေဒကထာ          | .... ၁၅၀ |
| (၁၅)   | ၆-ဒုက္ခာဟာရကထာ       | .... ၁၅၆ |
| (၁၆)   | ၇-စိတ္တဋ္ဌိတိကထာ     | .... ၁၅၆ |
| (၁၇)   | ၈-ကုက္ကုဋကထာ         | .... ၁၆၀ |
| (၁၈)   | ၉-အနုပုဗ္ဗာဘိသမယကထာ  | .... ၁၆၃ |
| (၁၉)   | ၁၀-ဝေါဟာရကထာ         | .... ၁၆၉ |
| (၂၀)   | ၁၁-နိရောဓကထာ         | .... ၁၇၃ |
|        | <b>၃-တတိယဝဂ္ဂ</b>    |          |
| (၂၁)   | ၁-ဗလကထာ              | .... ၁၇၄ |
| (၂၂)   | ၂-အရိယန္တိကထာ        | .... ၁၇၇ |
| (၂၃)   | ၃-ဝိမုတ္တိကထာ        | .... ၁၈၁ |
| (၂၄)   | ၄-ဝိမုစ္စမာနကထာ      | .... ၁၈၃ |
| (၂၅)   | ၅-အဋ္ဌမကကထာ          | .... ၁၈၅ |
| (၂၆)   | ၆-အဋ္ဌမကဿဇ္ဈန္ဒိယကထာ | .... ၁၈၇ |
| (၂၇)   | ၇-ဒိဗ္ဗစက္ခုကထာ      | .... ၁၉၀ |
| (၂၈)   | ၈-ဒိဗ္ဗသောတကထာ       | .... ၁၉၁ |
| (၂၉)   | ၉-ယထာကမ္မူပဂတဉာဏကထာ  | .... ၁၉၃ |



| မာတိကာ |                      |      | ပိဋက |
|--------|----------------------|------|------|
| (၃၀)   | ၁၀-သံဝရကထာ           | .... | ၁၉၄  |
| (၃၁)   | ၁၁-အသညကထာ            | .... | ၁၉၆  |
| (၃၂)   | ၁၂-နေဝသညာနာသညာယတနကထာ | .... | ၁၉၈  |

၄-စတုတ္ထဝဂ္ဂ

|      |                         |      |     |
|------|-------------------------|------|-----|
| (၃၃) | ၁-ဂိဟိဿအရဟတိကထာ         | .... | ၂၀၂ |
| (၃၄) | ၂-ဥပပတ္တိကထာ            | .... | ၂၀၃ |
| (၃၅) | ၃-အနာသဝကထာ              | .... | ၂၀၅ |
| (၃၆) | ၄-သမန္ဓာဂတကထာ           | .... | ၂၀၇ |
| (၃၇) | ၅-ဥပေက္ခာသမန္ဓာဂတကထာ    | .... | ၂၁၁ |
| (၃၈) | ၆-ဗောဓိယာဗုဒ္ဓေါတိကထာ   | ..   | ၂၁၂ |
| (၃၉) | ၇-လက္ခဏကထာ              | .... | ၂၁၄ |
| (၄၀) | ၈-နိယာမောက္ခန္တိကထာ     | .... | ၂၁၆ |
| (၄၁) | ၉-အပရာပိသမန္ဓာဂတကထာ     | .... | ၂၁၉ |
| (၄၂) | ၁၀-သဗ္ဗသံယောဇနပ္ပဟာနကထာ | .... | ၂၂၅ |

၅-ပဉ္စမဝဂ္ဂ

|      |                  |      |     |
|------|------------------|------|-----|
| (၄၃) | ၁-ဝိမုတ္တိကထာ    | .... | ၂၂၇ |
| (၄၄) | ၂-အသေခဉာဏကထာ     | .... | ၂၂၈ |
| (၄၅) | ၃-ဝိပရိတကထာ      | .... | ၂၂၉ |
| (၄၆) | ၄-နိယာမကထာ       | .... | ၂၃၁ |
| (၄၇) | ၅-ပဋိသန္တိဒါကထာ  | .... | ၂၃၃ |
| (၄၈) | ၆-သမ္မုတိဉာဏကထာ  | .... | ၂၃၃ |
| (၄၉) | ၇-စိတ္တာရမ္ပဏကထာ | .... | ၂၃၄ |
| (၅၀) | ၈-အနာဂတဉာဏကထာ    | .... | ၂၃၅ |
| (၅၁) | ၉-ပဋုပ္ပန္နကထာ   | .... | ၂၃၆ |
| (၅၂) | ၁၀-ဖလဉာဏကထာ      | .... | ၂၃၇ |



| မာတိကာ |                                |      | ပိုဒ် |
|--------|--------------------------------|------|-------|
|        | <b>၆-ဆဋ္ဌမဂ္ဂ</b>              |      |       |
| (၅၃)   | ၁-နိယာမကထာ                     | .... | ၂၃၉   |
| (၅၄)   | ၂-ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒကထာ            | .... | ၂၄၀   |
| (၅၅)   | ၃-သစ္စကထာ                      | .... | ၂၄၂   |
| (၅၆)   | ၄-အာရုပ္ပကထာ                   | .... | ၂၄၄   |
| (၅၇)   | ၅-နိရောဓသမာပတ္တိကထာ            | .... | ၂၄၅   |
| (၅၈)   | ၆-အာကာသကထာ                     | .... | ၂၄၆   |
| (၅၉)   | ၇-အာကာသောသနိဒဿနောတိကထာ         | .... | ၂၄၇   |
| (၆၀)   | ၈-ပထဝီဓာတုသနိဒဿနာတိအာဒိကထာ     | .... | ၂၄၈   |
| (၆၁)   | ၉-စက္ခုဋ္ဌိယံသနိဒဿနန္တိအာဒိကထာ | .... | ၂၄၉   |
| (၆၂)   | ၁၀-ကာယကမ္မံသနိဒဿနန္တိကထာ       | .... | ၂၄၉   |
|        | <b>၇-သတ္တမဂ္ဂ</b>              |      |       |
| (၆၃)   | ၁-သင်္ဂဟိတကထာ                  | .... | ၂၅၀   |
| (၆၄)   | ၂-သမ္ပယုတ္တကထာ                 | .... | ၂၅၂   |
| (၆၅)   | ၃-စေတသိကကထာ                    | .... | ၂၅၃   |
| (၆၆)   | ၄-ဒါနကထာ                       | .... | ၂၅၄   |
| (၆၇)   | ၅-ပရိဘောဂမယပုညကထာ              | .... | ၂၅၇   |
| (၆၈)   | ၆-ဣတောဒိန္နကထာ                 | .... | ၂၆၀   |
| (၆၉)   | ၇-ပထဝီကမ္မဝိပါကောတိကထာ         | .... | ၂၆၂   |
| (၇၀)   | ၈-ဇရာမရဏံဝိပါကောတိကထာ          | .... | ၂၆၄   |
| (၇၁)   | ၉-အရိယဓမ္မဝိပါကကထာ             | .... | ၂၆၆   |
| (၇၂)   | ၁၀-ဝိပါကောဝိပါကဓမ္မဓမ္မောတိကထာ | .... | ၂၆၇   |
|        | <b>၈-အဋ္ဌမဂ္ဂ</b>              |      |       |
| (၇၃)   | ၁-ဆဂတိကထာ                      | .... | ၂၆၈   |
| (၇၄)   | ၂-အန္တရာဘဝကထာ                  | .... | ၂၆၉   |
| (၇၅)   | ၃-ကာမဂုဏကထာ                    | .... | ၂၇၂   |



| မာတိကာ |                      |      | ပိဋက |
|--------|----------------------|------|------|
| (၇၆)   | ၄-ကာမကထာ             | .... | ၂၇၄  |
| (၇၇)   | ၅-ရူပဓာတုကထာ         | .... | ၂၇၅  |
| (၇၈)   | ၆-အရူပဓာတုကထာ        | .... | ၂၇၆  |
| (၇၉)   | ၇-ရူပဓာတုယာ အာယတနကထာ | .... | ၂၇၈  |
| (၈၀)   | ၈-အရူပေ ရူပကထာ       | .... | ၂၈၀  |
| (၈၁)   | ၉-ရူပံ ကမ္မန္တိကထာ   | .... | ၂၈၂  |
| (၈၂)   | ၁၀-ဇီဝိတိန္ဒြိယကထာ   | .... | ၂၉၁  |
| (၈၃)   | ၁၁-ကမ္မဟေတုကထာ       | .... | ၂၉၃  |

၉-နိမိတ်

|      |                              |      |     |
|------|------------------------------|------|-----|
| (၈၄) | ၁-အာနိသံသဒဿာဝိကထာ            | .... | ၂၉၄ |
| (၈၅) | ၂-အမတာရမ္မဏကထာ               | .... | ၂၉၅ |
| (၈၆) | ၃-ရူပံသာရမ္မဏန္တိကထာ         | .... | ၂၉၈ |
| (၈၇) | ၄-အနုသယာအနာရမ္မဏကထာ          | .... | ၂၉၉ |
| (၈၈) | ၅-ဉာဏ်အနာရမ္မဏန္တိကထာ        | .... | ၃၀၀ |
| (၈၉) | ၆-အတိတာနာဂတာရမ္မဏကထာ         | .... | ၃၀၁ |
| (၉၀) | ၇-ဝိတက္ကာနုပတိတကထာ           | .... | ၃၀၃ |
| (၉၁) | ၈-ဝိတက္ကဝိပ္ပာရသဒ္ဓကထာ       | .... | ၃၀၄ |
| (၉၂) | ၉-န ယထာစိတ္တဿဝါစာတိကထာ       | .... | ၃၀၄ |
| (၉၃) | ၁၀-န ယထာစိတ္တဿကာယကမ္မန္တိကထာ | .... | ၃၀၆ |
| (၉၄) | ၁၁-အတိတာနာဂတပစ္စုပ္ပန္နကထာ   | .... | ၃၀၇ |

၁၀-ဒဿမိ

|      |                                  |      |     |
|------|----------------------------------|------|-----|
| (၉၅) | ၁-နိရောဓကထာ                      | .... | ၃၀၈ |
| (၉၆) | ၂-ရူပမဂ္ဂေါတိကထာ                 | .... | ၃၀၉ |
| (၉၇) | ၃-ပဇ္ဇဝိညာဏသမင်္ဂိယမဂ္ဂကထာ       | .... | ၃၁၁ |
| (၉၈) | ၄-ပဇ္ဇဝိညာဏာကုသလာပိအကုသလာပိတိကထာ | .... | ၃၁၂ |
| (၉၉) | ၅-သာဘောဂါတိကထာ                   | .... | ၃၁၄ |



| မာတိကာ                            | ပိဋက |
|-----------------------------------|------|
| (၁၀၀) ၆-ဒွိဟိသီလေဟိကထာ            | ၃၁၅  |
| (၁၀၁) ၇-သီလံအစေတသိကန္တိကထာ        | ၃၁၇  |
| (၁၀၂) ၈-သီလံနိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိကထာ | ၃၁၉  |
| (၁၀၃) ၉-သမာဒါနဟေတုကထာ             | ၃၂၀  |
| (၁၀၄) ၁၀-ဝိညတ္တိသီလန္တိကထာ        | ၃၂၁  |
| (၁၀၅) ၁၁-အဝိညတ္တိဒုဿိလုန္တိကထာ    | ၃၂၂  |

၁၁-ကောဒသမဝဂ္ဂ

|                                    |     |
|------------------------------------|-----|
| (၁၀၆-၈) ၁-၃-တိဿောပိအနုသယကထာ        | ၃၂၃ |
| (၁၀၉) ၄-ဉာဏကထာ                     | ၃၂၇ |
| (၁၁၀) ၅-ဉာဏံစိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိကထာ | ၃၂၈ |
| (၁၁၁) ၆-ဣဒံဒုက္ခန္တိကထာ            | ၃၂၉ |
| (၁၁၂) ၇-ဣဒ္ဓိဗလကထာ                 | ၃၃၀ |
| (၁၁၃) ၈-သမာဓိကထာ                   | ၃၃၂ |
| (၁၁၄) ၉-ဓမ္မဋ္ဌိတတာကထာ             | ၃၃၃ |
| (၁၁၅) ၁၀-အနိစ္စတာကထာ               | ၃၃၄ |

၁၂-ဒွါဒသမဝဂ္ဂ

|                            |     |
|----------------------------|-----|
| (၁၁၆) ၁-သံဝရောကမ္မန္တိကထာ  | ၃၃၅ |
| (၁၁၇) ၂-ကမ္မကထာ            | ၃၃၆ |
| (၁၁၈) ၃-သဒ္ဓေါဝိပါကောတိကထာ | ၃၃၈ |
| (၁၁၉) ၄-သဠာယတနကထာ          | ၃၃၉ |
| (၁၂၀) ၅-သတ္တက္ခတ္တုပရမကထာ  | ၃၄၀ |
| (၁၂၁) ၆-ကောလံကောလကထာ       | ၃၄၁ |
| (၁၂၂) ၇-ဧကဗီဇိကထာ          | ၃၄၂ |
| (၁၂၃) ၈-ဇီဝိတာဝေါရောပနကထာ  | ၃၄၂ |
| (၁၂၄) ၉-ဒုဂ္ဂတိကထာ         | ၃၄၃ |
| (၁၂၅) ၁၀-သတ္တမဘဝိကကထာ      | ၃၄၄ |



မာတိကာ

ပိဋက

၁၃-တေရသမဝဂ္ဂ

|       |                               |      |      |     |
|-------|-------------------------------|------|------|-----|
| (၁၂၆) | ၁-ကပ္ပဋ္ဌကထာ                  | .... | .... | ၃၄၅ |
| (၁၂၇) | ၂-ကုသလပဋိလာဘကထာ               | .... | .... | ၃၄၆ |
| (၁၂၈) | ၃-အနန္တရာပယုတ္တကထာ            | .... | .... | ၃၄၇ |
| (၁၂၉) | ၄-နိယတဿနိယာမကထာ               | .... | .... | ၃၄၈ |
| (၁၃၀) | ၅-နိရုတကထာ                    | .... | .... | ၃၄၉ |
| (၁၃၁) | ၆-သမ္ဗုဒ္ဓိဘူတကထာ             | .... | .... | ၃၅၀ |
| (၁၃၂) | ၇-သမာပန္နောအဿာဒေတိကထာ         | .... | .... | ၃၅၁ |
| (၁၃၃) | ၈-အသာတရာဂကထာ                  | .... | .... | ၃၅၂ |
| (၁၃၄) | ၉-ဓမ္မတဏှာအဗျာကတာတိကထာ        | .... | .... | ၃၅၃ |
| (၁၃၅) | ၁၀-ဓမ္မတဏှာနဒုက္ခသမုဒယောတိကထာ | .... | .... | ၃၅၄ |

၁၄-စုဒ္ဓသမဝဂ္ဂ

|       |                                   |      |      |     |
|-------|-----------------------------------|------|------|-----|
| (၁၃၆) | ၁-ကုသလာကုသလပဋိသန္ဓဟနကထာ           | .... | .... | ၃၅၆ |
| (၁၃၇) | ၂-သဠာယတနုပ္ပတ္တိကထာ               | .... | .... | ၃၅၈ |
| (၁၃၈) | ၃-အနန္တရပစ္စယကထာ                  | .... | .... | ၃၅၉ |
| (၁၃၉) | ၄-အရိယရူပကထာ                      | .... | .... | ၃၆၁ |
| (၁၄၀) | ၅-အညောအနုသယောတိကထာ                | .... | .... | ၃၆၂ |
| (၁၄၁) | ၆-ပရိယုဠာနံစိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိကထာ | .... | .... | ၃၆၃ |
| (၁၄၂) | ၇-ပရိယာပန္နကထာ                    | .... | .... | ၃၆၄ |
| (၁၄၃) | ၈-အဗျာကတကထာ                       | .... | .... | ၃၆၅ |
| (၁၄၄) | ၉-အပရိယာပန္နကထာ                   | .... | .... | ၃၆၇ |

၁၅-ပန္နရသမဝဂ္ဂ

|       |                  |      |      |     |
|-------|------------------|------|------|-----|
| (၁၄၅) | ၁-ပစ္စယတာကထာ     | .... | .... | ၃၆၈ |
| (၁၄၆) | ၂-အညမညပစ္စယကထာ   | .... | .... | ၃၇၀ |
| (၁၄၇) | ၃-အဒ္ဓါကထာ       | .... | .... | ၃၇၁ |
| (၁၄၈) | ၄-ခဏလယမုဟုတ္တကထာ | .... | .... | ၃၇၂ |



| မာတိကာ |                     |      | ပိဋက |
|--------|---------------------|------|------|
| (၁၄၉)  | ၅-အာသဝကထာ           | .... | ၃၇၃  |
| (၁၅၀)  | ၆-ဇရာမရဏကထာ         | .... | ၃၇၃  |
| (၁၅၁)  | ၇-သညာဝေဒယိတကထာ      | .... | ၃၇၄  |
| (၁၅၂)  | ၈-ဒုတိယသညာဝေဒယိတကထာ | .... | ၃၇၄  |
| (၁၅၃)  | ၉-တတိယသညာဝေဒယိတကထာ  | .... | ၃၇၅  |
| (၁၅၄)  | ၁၀-အသညသတ္တုပိကကထာ   | .... | ၃၇၆  |
| (၁၅၅)  | ၁၁-ကမ္မုပစယကထာ      | .... | ၃၇၇  |

၁၆-သောဠသမဝဂ္ဂ

|       |                              |      |     |
|-------|------------------------------|------|-----|
| (၁၅၆) | ၁-နိဂ္ဂဟကထာ                  | .... | ၃၈၀ |
| (၁၅၇) | ၂-ပဂ္ဂဟကထာ                   | .... | ၃၈၁ |
| (၁၅၈) | ၃-သုခါနုပ္ပဒါနကထာ            | .... | ၃၈၃ |
| (၁၅၉) | ၄-အဓိဂယုမနသိကာရကထာ           | .... | ၃၈၃ |
| (၁၆၀) | ၅-ရူပံဟေတုတိကထာ              | .... | ၃၈၆ |
| (၁၆၁) | ၆-ရူပံသဟေတုကန္တိကထာ          | .... | ၃၈၇ |
| (၁၆၂) | ၇-ရူပံကုသလာကုသလန္တိကထာ       | .... | ၃၈၈ |
| (၁၆၃) | ၈-ရူပံဝိပါကောတိကထာ           | .... | ၃၈၉ |
| (၁၆၄) | ၉-ရူပံရူပါဝစရာရူပါဝစရန္တိကထာ | .... | ၃၉၀ |
| (၁၆၅) | ၁၀-ရူပါရူပဓာတုပရိယာပနန္တကထာ  | .... | ၃၉၁ |

၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ

|       |                                      |      |     |
|-------|--------------------------------------|------|-----|
| (၁၆၆) | ၁-အရဟတောပုညပစယကထာ                    | .... | ၃၉၃ |
| (၁၆၇) | ၂-နတ္ထိအရဟတောအကာလမစ္ဆူတိကထာ          | .... | ၃၉၄ |
| (၁၆၈) | ၃-သဗ္ဗမိဒ်ကမ္မတောတိကထာ               | .... | ၃၉၅ |
| (၁၆၉) | ၄-ဇုန္ဒိယဗဒ္ဓကထာ                     | .... | ၃၉၇ |
| (၁၇၀) | ၅-ဌပေတွာအရိယမဂ္ဂန္တိကထာ              | .... | ၃၉၈ |
| (၁၇၁) | ၆-နဝတ္တဗ္ဗသံသောဒက္ခိဏံပဋိဂ္ဂဏှာတိကထာ | .... | ၃၉၈ |

| မာတိကာ |                                         |      | ပိဋက |
|--------|-----------------------------------------|------|------|
| (၁၇၂)  | ၇-နဝတ္ထဗ္ဗိသံသောဒက္ခိဏံ။ပ။ကထာ           | .... | ၃၉၉  |
| (၁၇၃)  | ၈-နဝတ္ထဗ္ဗိသံသောဘုဉ္ဇတိတိကထာ            | .... | ၄၀၀  |
| (၁၇၄)  | ၉-နဝတ္ထဗ္ဗိ။ပ။မဟပ္ပလန္တိကထာ             | .... | ၄၀၁  |
| (၁၇၅)  | ၁၀-နဝတ္ထဗ္ဗိ ဗုဒ္ဓဿဒိန္နံ မဟပ္ပလန္တိကထာ | .... | ၄၀၃  |
| (၁၇၆)  | ၁၁-ဒက္ခိဏာဝိသုဒ္ဓိကထာ                   | .... | ၄၀၃  |

၁၈-အဋ္ဌာရသမဝဂ္ဂ

|       |                        |      |      |     |
|-------|------------------------|------|------|-----|
| (၁၇၇) | ၁-မနုဿလောကကထာ          | .... | .... | ၄၀၅ |
| (၁၇၈) | ၂-ဓမ္မဒေသနာကထာ         | .... | .... | ၄၀၆ |
| (၁၇၉) | ၃-ကရုဏာကထာ             | .... | .... | ၄၀၇ |
| (၁၈၀) | ၄-ဂန္ဓဇာတိကထာ          | .... | .... | ၄၀၈ |
| (၁၈၁) | ၅-ဧကမဂ္ဂကထာ            | .... | .... | ၄၀၉ |
| (၁၈၂) | ၆-ဈာနသင်္ကန္တိကထာ      | .... | .... | ၄၁၀ |
| (၁၈၃) | ၇-ဈာနန္တရိကကထာ         | .... | .... | ၄၁၂ |
| (၁၈၄) | ၈-သဒ္ဓိသုဏာတိတိကထာ     | .... | .... | ၄၁၄ |
| (၁၈၅) | ၉-စက္ခုနာရူပံပဿတိတိကထာ | .... | .... | ၄၁၅ |

၁၉-ဧကုနဝိသတိမဝဂ္ဂ

|       |                   |      |      |     |
|-------|-------------------|------|------|-----|
| (၁၈၆) | ၁-ကိလေသဇဟနကထာ     | .... | .... | ၄၁၇ |
| (၁၈၇) | ၂-သုညတာကထာ        | .... | .... | ၄၁၈ |
| (၁၈၈) | ၃-သာမညဖလကထာ       | .... | .... | ၄၁၉ |
| (၁၈၉) | ၄-ပတ္တိကထာ        | .... | .... | ၄၂၀ |
| (၁၉၀) | ၅-တထတာကထာ         | .... | .... | ၄၂၁ |
| (၁၉၁) | ၆-ကုသလကထာ         | .... | .... | ၄၂၂ |
| (၁၉၂) | ၇-အစ္စန္တနိယာမကထာ | .... | .... | ၄၂၃ |
| (၁၉၃) | ၈-ဣန္ဒြိယကထာ      | .... | .... | ၄၂၆ |



မာတိကာ

ပိဋက

## ၂၀-ဝိသတိမဝဂ္ဂ

|       |                |      |      |     |
|-------|----------------|------|------|-----|
| (၁၉၄) | ၁-အသပ္ပိစ္ဆကထာ | .... | .... | ၄၂၇ |
| (၁၉၅) | ၂-ဉာဏကထာ       | .... | .... | ၄၂၉ |
| (၁၉၆) | ၃-နိရယပါလကထာ   | .... | .... | ၄၃၀ |
| (၁၉၇) | ၄-တိရစ္ဆာန်ကထာ | .... | .... | ၄၃၂ |
| (၁၉၈) | ၅-မဂ္ဂကထာ      | .... | .... | ၄၃၃ |
| (၁၉၉) | ၆-ဉာဏကထာ       | .... | .... | ၄၃၄ |

## ၂၁-ဧကဝိသတိမဝဂ္ဂ

|       |               |      |      |     |
|-------|---------------|------|------|-----|
| (၂၀၀) | ၁-သာသနကထာ     | .... | .... | ၄၃၆ |
| (၂၀၁) | ၂-အဝိဝိတ္တကထာ | .... | .... | ၄၃၆ |
| (၂၀၂) | ၃-သံယောဇနကထာ  | .... | .... | ၄၃၇ |
| (၂၀၃) | ၄-ဣဒ္ဓိကထာ    | .... | .... | ၄၃၈ |
| (၂၀၄) | ၅-ဗုဒ္ဓကထာ    | .... | .... | ၄၃၉ |
| (၂၀၅) | ၆-သဗ္ဗဒိသာကထာ | .... | .... | ၄၃၉ |
| (၂၀၆) | ၇-ဓမ္မကထာ     | .... | .... | ၄၄၀ |
| (၂၀၇) | ၈-ကမ္မကထာ     | .... | .... | ၄၄၁ |

## ၂၂-ဗာဝိသတိမဝဂ္ဂ

|         |                  |      |      |     |
|---------|------------------|------|------|-----|
| (၂၀၈)   | ၁-ပရိနိဗ္ဗာန်ကထာ | .... | .... | ၄၄၂ |
| (၂၀၉)   | ၂-ကုသလဝိတ္တကထာ   | .... | .... | ၄၄၃ |
| (၂၁၀)   | ၃-အာနေဇ္ဇကထာ     | .... | .... | ၄၄၄ |
| (၂၁၁)   | ၄-ဓမ္မာဘိသမယကထာ  | .... | .... | ၄၄၄ |
| (၂၁၂-၄) | ၅-၇-တိဿောပိကထာ   | .... | .... | ၄၄၅ |
| (၂၁၅)   | ၈-အဗျာကတကထာ      | .... | .... | ၄၄၆ |
| (၂၁၆)   | ၉-အာသေဝနပစ္စယကထာ | .... | .... | ၄၄၆ |
| (၂၁၇)   | ၁၀-ခဏိကကထာ       | .... | .... | ၄၄၈ |

၂၃-တေဝိသတိမဝဂ္ဂ

|         |                       |      |      |     |
|---------|-----------------------|------|------|-----|
| (၂၁၈)   | ၁-ကောဓိပ္ပာယကထာ       | .... | .... | ၄၅၀ |
| (၂၁၉)   | ၂-အရဟန္တဝဏ္ဏကထာ       | .... | .... | ၄၅၀ |
| (၂၂၀-၄) | ၃-၇-ဣဿရိယကာမကာရိကာကထာ |      | .... | ၄၅၀ |
| (၂၂၅)   | ၈-ပတိရူပကထာ           | .... | .... | ၄၅၂ |
| (၂၂၆)   | ၉-အပရိနိပ္ပန္နကထာ     | .... | .... | ၄၅၃ |

ကထာဝတ္ထုပါဠိမာတိကာ နိဋ္ဌိတာ။



အဘိဓမ္မာပိဋက

# ကထာဝတ္ထုပါဠိ

နမော တဿ ဘဂဝတော အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ။

## ၁-ပုဂ္ဂလကထာ

### ၁-သုဒ္ဓသစ္စိကဋ္ဌ

### ၁-အနုလောမပစ္စနိက

၁။ \*ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ<sup>၁</sup>၊ အာမန္တာ။ ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-  
ပရမတ္ထေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော  
ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ  
ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ယော  
သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-  
ပရမတ္ထေနာ’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္ထဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော  
ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ<sup>၂</sup> ဝတ္ထဗ္ဗေ

---

\* ဣမိနာ လက္ခဏေန သကဝါဒီပုစ္ဆာ ဒဿိတာ။ ၁-သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ (သျှာ၊ ဣ၊ က-သိ)

၂-နော ဝတ ရေ (သျှာ၊ ဣ)

“ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-ပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။

အနုလောမပဉ္စကံ။

၂။ †ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။ အာမန္တာ။ ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-ပရမတ္ထေနာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ ပဋိကမ္ပံ—ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္ထဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-ပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။

ပဋိကမ္ပစတုက္ကံ။

၃။ တံ စေ ပန မညသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-ပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ တေန တဝံ တတ္ထ ဟေတာယ ပဋိညာယ ဟေဝံ ပဋိဇာနန္တံ ၂ ဟေဝံ နိဂ္ဂဟေတဗ္ဗေ၊ အထ တံ နိဂ္ဂဟာမ၊ သုနိဂ္ဂဟိတော စ ၃ ဟောသိ—

† ဣဒိနာ လက္ခဏေန ပရဝါဒိပုစ္ဆာ ဒသိတာ။

၂-ဋီကာ ဩလောကေတဗ္ဗာ။

၁-တံ(သျှာ) ဋီကာ ဩလောကေတဗ္ဗာ။

၃-သုနိဂ္ဂဟိတောဝ (သျှာ)



ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-ပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-ပရမတ္ထေနာ’တိ”။ ဣဒံ တေ မိစ္ဆာ။

နိဂ္ဂဟစတုက္ကံ။

၄။ ဧသေ စေ ဒုန္နိဂ္ဂဟိတေ ဟေဝမေဝံ<sup>၁</sup> တတ္ထ ဒက္ခ။ ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန”၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ နော စ မယံ တယာ တတ္ထ ဟေတာယ ပဋိညာယ ဟေဝံ ပဋိဇာနန္တာ ဟေဝံ နိဂ္ဂဟေတဗ္ဗာ၊ အထ မံ နိဂ္ဂဏှာသိ၊ ဒုန္နိဂ္ဂဟိတာ စ<sup>၂</sup> ဟောမ—

ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-ပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ယော

သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-  
ပရမတ္ထေနာ'တိ"။ ဣဒံ တေ မိစ္ဆာ။

ဥပနယနစတုက္ကံ။

၅။ န ဟေဝံ နိဂ္ဂဟေတဗ္ဗေ၊ တေန ဟိ ယံ နိဂ္ဂဟာသိ—ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော  
ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော  
ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ'တိ။  
ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊  
နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော  
ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ'တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော  
ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ'တိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ'တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ  
ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ယော  
သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-  
ပရမတ္ထေနာ'တိ”။ ဣဒံ တေ မိစ္ဆာ။ တေန ဟိ ယေ ကတေ နိဂ္ဂဟေ၊  
သေ နိဂ္ဂဟေ ဒုက္ကဋ္ဌေ။ သုကတေ ပဋိကဗ္ဗေ။ သုကတာ ပဋိပါဒနာတိ။

နိဂ္ဂမစတုက္ကံ။

ပဌမော နိဂ္ဂဟော။

၁-သုဒ္ဓသစ္စိကဋ္ဌ

၂-ပစ္စနိကာနုလောမ

၆။ †ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ယော  
သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-  
ပရမတ္ထေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန  
ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော  
နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ'တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ



‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္ထဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

ပစ္စနိကပဉ္စကံ။

၇။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

အဇ္ဇာနာဟိ ပဋိကမ္ပံ—ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္ထဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

ပဋိကမ္ပစတုက္ကံ။

၈။ တံ စေ ပန မညသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော



ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ တေန တဝ တတ္ထ ဟေတာယ ပဋိညာယ ဟေဝံ ပဋိဇာနန္တံ ဟေဝံ နိဂ္ဂဟေတဗ္ဗေ၊ အထ တံ နိဂ္ဂဏှာမ၊ သုနိဂ္ဂဟိတော စ ဟောသိ—

ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ ဣဒံ တေ မိစ္ဆာ။

နိဂ္ဂဟစတုက္ကံ။

၉။ ဧသေ စေ ဒုန္နိဂ္ဂဟိတေ ဟေဝမေဝံ တတ္ထ ဒက္ခ။ ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ “ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန”၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ နော စ မယံ တယာ တတ္ထ ဟေတာယ ပဋိညာယ ဟေဝံ ပဋိဇာနန္တံ ဟေဝံ နိဂ္ဂဟေတဗ္ဗာ၊ အထ မံ နိဂ္ဂဏှာသိ၊ ဒုန္နိဂ္ဂဟိတာ စ ဟောမ—

ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ယော

သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-  
ပရမတ္ထေနာ'တိ"။ ဣဒံ တေ မိစ္ဆာ။

ဥပနယနစတုက္ကံ။

၁၀။ န ဟေဝံ နိဂ္ဂဟေတဗ္ဗေ၊ တေန ဟိ ယံ နိဂ္ဂဏှာသိ—ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော  
နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော  
ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ'တိ"။  
ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊  
နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော  
နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ'တိ"။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “ယော သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော  
ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ'တိ"။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ'တိ"။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ  
ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ယော  
သစ္စိကဋ္ဌော ပရမတ္ထော၊ တတော သော ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ၊ သစ္စိကဋ္ဌ-  
ပရမတ္ထေနာ'တိ"။ ဣဒံ တေ မိစ္ဆာ။ တေန ဟိ ယေ ကတေ နိဂ္ဂဟေ သေ  
နိဂ္ဂဟေ ဒုက္ကဋ္ဌေ။ သုကတေ ပဋိကဗ္ဗေ၊ သုကတာ ပဋိပါဒနာတိ။

နိဂ္ဂမစတုက္ကံ။

ဒုတိယော နိဂ္ဂဟော။

## ၂-ဩကာသသစ္စိကဋ္ဌ

### ၁-အနုလောမပစ္စနိက

၁၁။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗတ္ထ  
ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗတ္ထ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေ-  
နာ'တိ"။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-  
ပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘သဗ္ဗတ္ထ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေ-  
နာ'တိ"။ မိစ္ဆာ။



နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗတ္ထ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေ-  
နာ”တိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေ-  
နာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-  
ပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘သဗ္ဗတ္ထ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-  
ပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။ ။ (ပေယျာလ။)

တတိယော နိဂ္ဂဟော။

## ၃-ကာလသစ္စိကဋ္ဌ

### ၁-အနုလောမပစ္စနိက

၁၂။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။ အာမန္တာ။ သဗ္ဗဒါ  
ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန  
ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗဒါ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ  
တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော  
စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘သဗ္ဗဒါ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗဒါ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ  
တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော  
စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘သဗ္ဗဒါ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။ ပ။

စတုတ္ထော နိဂ္ဂဟော။

## ၄-အဝယဝသစ္စိကဋ္ဌ

### ၁-အနုလောမပစ္စနိက

၁၃။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေသု  
ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗေသု ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘သဗ္ဗေသု ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗေသု ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-ပရမတ္ထေနာ”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-ပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘သဗ္ဗေသု ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။ပ။

ပဉ္စမော နိဂ္ဂဟော။

## ၂-ဩကာသသစ္စိကဋ္ဌ

### ၂-ပစ္စနိကာနုလောမ

၁၄။ † ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗတ္ထ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗတ္ထ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘သဗ္ဗတ္ထ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗတ္ထ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘သဗ္ဗတ္ထ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။ပ။

ဆဋ္ဌော နိဂ္ဂဟော။



## ၃-ကာလသစ္စိကဋ္ဌ

## ၂-ပစ္စနိကာနုလောမ

၁၅။ † ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗဒါ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဗ္ဗဒါ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘သဗ္ဗဒါ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဗ္ဗဒါ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘သဗ္ဗဒါ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”၊ မိစ္ဆာ။ ပ။

သတ္တမော နိဂ္ဂဟော။

## ၄-အဝယဝသစ္စိကဋ္ဌ

## ၂-ပစ္စနိကာနုလောမ

၁၆။ † ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေသု ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဗ္ဗေသု ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘သဗ္ဗေသု ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဗ္ဗေသု ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-ပရမတ္ထေနာ”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ

သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘သဗ္ဗေသု ပုဂ္ဂလော နပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-  
ပရမတ္ထေနာ’တိ”။ မိစ္ဆာ။ပ။

အဋ္ဌကနိဂ္ဂဟော။

### ၅-သုဒ္ဓိကသံသန္ဓန

၁၇။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ  
သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ရူပဉ္စ  
ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အညံ ရူပံ အညော  
ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-  
ပရမတ္ထေန၊ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’။ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘အညံ ရူပံ  
အညော’ ပုဂ္ဂလော’တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္ထဗ္ဗေ “အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ၊ နော စ ဝတ  
ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ  
သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ  
သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’။ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ  
‘အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”။ မိစ္ဆာ။ပ။

၁၈။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝေဒနာ စ ဥပလဗ္ဗတိ  
သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ပ။ သညာ စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ သင်္ခါရာ စ ဥပလဗ္ဗန္တိ။ပ။  
ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ဝိညာဏံ  
အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊  
ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အညံ  
ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော  
ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’။  
နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘အညံ ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”။ မိစ္ဆာ။



နော စေ ပန ဝတ္ထဗ္ဗေ “အညံ ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘အညံ ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”၊ မိစ္ဆာ။ ပ။

၁၉။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ စက္ခာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။ သောတာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဃာနာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဇိဝှိယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ကာယာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ရူပါယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ သဒ္ဓါယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဂန္ဓာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ရသာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ မနာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဓမ္မာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။

၂၀။ \* စက္ခုဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။ သောတဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဃာနဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဇိဝှိဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ကာယဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ရူပဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ သဒ္ဓဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဂန္ဓဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ရသဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဖောဠဗ္ဗဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ စက္ခုဝိညာဏဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ သောတဝိညာဏဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဃာနဝိညာဏဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဇိဝှိဝိညာဏဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ကာယဝိညာဏဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ မနောဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ မနောဝိညာဏဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဓမ္မဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။

၂၁။ \* စက္ခုဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။ သောတိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဃာနိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဇိဝှိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ကာယိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ မနိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဇိဝှိတိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဣတ္ထိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ပုရိသိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ သုခိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဒုက္ခိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ သောမနသိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဒေါမနသိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဥပေက္ခိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ သဒ္ဓိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ဝီရိယိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ သတိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ သမာဓိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ပညိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ အနညာတညဿာမိတိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ အညိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ အညာတာဝိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ အညာတာဝိဋ္ဌိယံ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟဉ္စိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညာတာဝိန္ဓိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ အညာတာဝိန္ဓိယံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညာတာဝိန္ဓိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညံ အညာတာဝိန္ဓိယံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ အညာတာဝိန္ဓိယံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညာ-တာဝိန္ဓိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညာတာဝိန္ဓိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညံ အညာတာဝိန္ဓိယံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”။ မိစ္ဆာ။ပ။

၂၂။ † ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝံတာ “အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”၊ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ ပဋိကမ္ပံ—ဟဉ္စိ ဝုတ္တံ ဘဂဝံတာ “အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တ-ဟိတာယ ပဋိပန္နော”၊ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝုတ္တံ ဘဂဝံတာ အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဝုတ္တံ ဘဂဝံတာ အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”၊ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝုတ္တံ ဘဂဝံတာ အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”။ မိစ္ဆာ။ပ။



၂၃။ † ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ “ဘဂဝတာ အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”၊ ဝေဒနာ စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ပ။ သညာ စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ပ။ သင်္ခါရာ စ ဥပလဗ္ဗန္တိ။ ပ။ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ ပဋိကမ္ပံ—ဟဉ္စိ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”၊ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ အညံ ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ ‘အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော’ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညံ ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”၊ မိစ္ဆာ။ ပ။

၂၄။ † ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”၊ စက္ခာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။ သောတာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ပ။ ဓမ္မာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။

၂၅။ † စက္ခါဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။ ကာယဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ပ။ ရူပဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ပ။ စက္ခဝိညာဏဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ပ။ မနောဝိညာဏဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ ပ။ ဓမ္မဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။

၂၆။ † စက္ခါနိဗ္ဗာနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။ သောတိနိဗ္ဗာနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။ အညိနိဗ္ဗာနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။

၂၇။ †.ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ “ဘဂဝတာ အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”၊ အညာတာဝိန္ဓိယဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ အညာတာဝိန္ဓိယံ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ ပဋိကမ္ပံ—ဟဉ္စိ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”၊ အညာတာဝိန္ဓိယဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ အညာတာဝိန္ဓိယံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ အညာတာဝိန္ဓိယဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညံ အညာတာဝိန္ဓိယံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ အညာတာဝိန္ဓိယံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ ‘အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော’၊ အညာတာဝိန္ဓိယဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ အညာတာဝိန္ဓိယဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညံ အညာတာဝိန္ဓိယံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”၊ မိစ္ဆာ။ ပ။

သုဒ္ဓိကသံသန္ဓနာ။

## ၆-ဩပဗ္ဗသံသန္ဓန

၂၈။ \* ရူပံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝေဒနာ စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ ရူပံ အညာ ဝေဒနာတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟဉ္စိ ရူပံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝေဒနာ စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ ရူပံ အညာ ဝေဒနာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ရူပံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝေဒနာ စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ ရူပံ အညာ ဝေဒနာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊





ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန'၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ 'အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလော'တိ"၊ မိစ္ဆာ။ပ။

၃၀။ \* ဝေဒနာ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သညာ စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ သင်္ခါရာ စ ဥပလဗ္ဗန္တိ။ပ။ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ပ။

၃၁။ \* သညာ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သင်္ခါရာ စ ဥပလဗ္ဗန္တိ။ပ။ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ ဝေဒနာ စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ပ။

၃၂။ \* သင်္ခါရာ ဥပလဗ္ဗန္တိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ ဝေဒနာ စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ သညာ စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ပ။

၃၃။ \* ဝိညာဏံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ရူပဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ ဝေဒနာ စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ သညာ စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ သင်္ခါရာစ ဥပလဗ္ဗန္တိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ ဝိညာဏံ အညော သင်္ခါရာတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟဉ္စိ ဝိညာဏံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သင်္ခါရာ စ ဥပလဗ္ဗန္တိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ ဝိညာဏံ အညော သင်္ခါရာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝိညာဏံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သင်္ခါရာ စ ဥပလဗ္ဗန္တိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ ဝိညာဏံ အညော သင်္ခါရာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညံ ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဝိညာဏံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သင်္ခါရာ စ ဥပလဗ္ဗန္တိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ ဝိညာဏံ အညော သင်္ခါရာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ



ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝိညာဏံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သင်္ခါရာ စ ဥပလဗ္ဗန္တိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ ဝိညာဏံ အညော သင်္ခါရာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘အညံ ဝိညာဏံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”၊ မိစ္ဆာ။ပ။

၃၄။ \* စက္ခာယတနံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သောတာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ ဓမ္မာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ပ။ သောတာယတနံ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ ဓမ္မာယတနံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ စက္ခာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ မနာယတနဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ပ။

၃၅။ \* စက္ခါဓာတု ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သောတဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ ဓမ္မဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ပ။ သောတဓာတု ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ ဓမ္မဓာတု ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ စက္ခါဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ မနောဝိညာဏဓာတု စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ပ။

၃၆။ \* စက္ခါန္ဒြိယံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သောတိန္ဒြိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ အညာတာဝိန္ဒြိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ပ။ သောတိန္ဒြိယံ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ အညာတာဝိန္ဒြိယံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ပ။ စက္ခါန္ဒြိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ။ပ။ အညိန္ဒြိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ အညာတာဝိန္ဒြိယံ အညံ အညိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညာတာဝိန္ဒြိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ အညာတာဝိန္ဒြိယံ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟဉ္စိ အညာတာဝိန္ဒြိယံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညိန္ဒြိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ အညာတာဝိန္ဒြိယံ အညံ အညိန္ဒြိယံ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညာတာဝိန္ဒြိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အညံ အညာတာဝိန္ဒြိယံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘အညာတာဝိန္ဒြိယံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညိန္ဒြိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ အညာတာဝိန္ဒြိယံ အညံ အညိန္ဒြိယံ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညာတာဝိန္ဒြိယဉ္စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘အညံ အညာတာဝိန္ဒြိယံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

• နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ အညာတာဝိန္ဓိယံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝံတ္တဗ္ဗေ “အညာတာဝိန္ဓိယံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညိန္ဓိယဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ အညာတာဝိန္ဓိယံ အညံ အညိန္ဓိယံ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညာတာဝိန္ဓိယဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘အညာတာဝိန္ဓိယံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညိန္ဓိယဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ အညာတာဝိန္ဓိယံ အညံ အညိန္ဓိယံ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညာတာဝိန္ဓိယဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညံ အညာတာဝိန္ဓိယံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”။ မိစ္ဆာ။ပ။

၃၇။ † ရူပံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝေဒနာ စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ ရူပံ အညာ ဝေဒနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”။ ရူပဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ ပဋိကမ္ပံ—ဟဉ္စိ ရူပံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝေဒနာ စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ ရူပံ အညာ ဝေဒနာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ ရူပဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ရူပံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝေဒနာ စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ ရူပံ အညာ ဝေဒနာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ ရူပဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝေဒနာ စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ ရူပံ အညာ ဝေဒနာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ ရူပဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ရူပံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝေဒနာ စ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ ရူပံ အညာ ဝေဒနာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ ရူပဉ္ဇ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”။ မိစ္ဆာ။ပ။



၃၈။ † ရူပံ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သညာ စ ဥပလက္ခတိ။ သင်္ခါရာ စ ဥပလက္ခန္တိ။ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။

၃၉။ † ဝေဒနာ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သညာ စ ဥပလက္ခတိ။ သင်္ခါရာ စ ဥပလက္ခန္တိ။ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလက္ခတိ။ ရူပဉ္စ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။

၄၀။ † သညာ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သင်္ခါရာ စ ဥပလက္ခန္တိ။ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလက္ခတိ။ ရူပဉ္စ ဥပလက္ခတိ။ ဝေဒနာ စ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။

၄၁။ † သင်္ခါရာ ဥပလက္ခန္တိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ဝိညာဏဉ္စ ဥပလက္ခတိ။ ရူပဉ္စ ဥပလက္ခတိ။ ဝေဒနာ စ ဥပလက္ခတိ။ သညာ စ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။

၄၂။ † ဝိညာဏံ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ ရူပဉ္စ ဥပလက္ခတိ။ ဝေဒနာ စ ဥပလက္ခတိ။ သညာ စ ဥပလက္ခတိ။ သင်္ခါရာ စ ဥပလက္ခန္တိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။

၄၃။ † စက္ခာယတနံ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သောတာယတနဉ္စ ဥပလက္ခတိ။ ပ။ ဓမ္မာယတနဉ္စ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။ သောတာယတနံ ဥပလက္ခတိ။ ပ။ ဓမ္မာယတနံ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ စက္ခာယတနဉ္စ ဥပလက္ခတိ။ ပ။ မနာယတနဉ္စ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။

၄၄။ † စက္ခါဓာတု ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သောတဓာတု စ ဥပလက္ခတိ။ ပ။ ဓမ္မဓာတု စ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။ သောတဓာတု ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။ ဓမ္မဓာတု ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ စက္ခါဓာတု စ ဥပလက္ခတိ။ ပ။ မနောဝိညာဏဓာတု စ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။

၄၅။ † စက္ခါဋ္ဌိယံ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ သောတိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလက္ခတိ။ ပ။ အညာတာဝိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန။ ပ။ သောတိဋ္ဌိယံ ဥပလက္ခတိ။ ပ။ အညာတာဝိဋ္ဌိယံ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ စက္ခါဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလက္ခတိ။ ပ။ အညိဋ္ဌိယဉ္စ ဥပလက္ခတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ

အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အညံ အညိဇ္ဇိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”၊ အညာတာဝိဇ္ဇိယန္တ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ ပဋိကမ္ပံ—ဟန္တိ အညာတာဝိဇ္ဇိယံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-ပရမတ္ထေန၊ အညိဇ္ဇိယန္တ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အညံ အညိဇ္ဇိယံ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ အညာတာဝိဇ္ဇိယန္တ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘အညာတာဝိဇ္ဇိယံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညိဇ္ဇိယန္တ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အညံ အညိဇ္ဇိယံ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ အညာတာဝိဇ္ဇိယန္တ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညံ အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော\*စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အညော ပုဂ္ဂလော”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အညာတာဝိဇ္ဇိယံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညိဇ္ဇိယန္တ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အညံ အညိဇ္ဇိယံ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ အညာတာဝိဇ္ဇိယန္တ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘အညာတာဝိဇ္ဇိယံ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညိဇ္ဇိယန္တ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ အညံ အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အညံ အညိဇ္ဇိယံ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ အညာတာဝိဇ္ဇိယန္တ ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညံ အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”၊ မိစ္ဆာ။ပ။

ဩပမ္ပသံသန္တနံ။

### ၇-စတုတ္ထနယသံသန္တန

၄၆။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၁၁၇၉၃



အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ  
‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ရူပံ  
ပုဂ္ဂလော’တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ ပုဂ္ဂလော”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ  
‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ရူပံ  
ပုဂ္ဂလော’တိ”။ မိစ္ဆာ။ပ။

၄၇။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပသ္မိံ  
ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြ ရူပါ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ ရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလသ္မိံ ရူပ”န္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ  
‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ပုဂ္ဂလသ္မိံ  
ရူပ’န္တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလသ္မိံ ရူပ”န္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော  
ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ပုဂ္ဂလော  
ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ပုဂ္ဂလသ္မိံ ရူပ’န္တိ”။ မိစ္ဆာ။ပ။

၄၈။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာ  
ပုဂ္ဂလော။ပ။ ဝေဒနာယ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြ ဝေဒနာယ ပုဂ္ဂလော။ပ။  
ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဝေဒနာ။ပ။

သညာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ သညာယ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြ သညာယ  
ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ သညာ။ပ။

သင်္ခါရာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ သင်္ခါရေသု ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြ သင်္ခါရေဟိ  
ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ သင်္ခါရာ။ပ။

ဝိညာဏံ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ဝိညာဏသ္မိံ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြ ဝိညာဏာ  
ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဝိညာဏ”န္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ

ခေါ် ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဝိညာဏ’န္တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဝိညာဏ”န္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ် ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဝိညာဏ’န္တိ”၊ မိစ္ဆာ။ ပ။

၄၉။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခာယတနံ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ စက္ခာယတနသ္မိံ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ အညတြိ စက္ခာယတနာ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ စက္ခာယတနံ။ ပ။ ဓမ္မာယတနံ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ ဓမ္မာယတနသ္မိံ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ အညတြိ ဓမ္မာယတနာ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဓမ္မာယတနံ။ ပ။

စက္ခာဓာတု ပုဂ္ဂလော။ ပ။ စက္ခာဓာတုယာ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ အညတြိ စက္ခာဓာတုယာ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ စက္ခာဓာတု။ ပ။ ဓမ္မဓာတု ပုဂ္ဂလော။ ပ။ ဓမ္မဓာတုယာ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ အညတြိ ဓမ္မဓာတုယာ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဓမ္မဓာတု။ ပ။

စက္ခန္တိယံ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ စက္ခန္တိယသ္မိံ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ အညတြိ စက္ခန္တိယာ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ စက္ခန္တိယံ။ ပ။ အညာတာဝိန္တိယံ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ အညာတာဝိန္တိယသ္မိံ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ အညတြိ အညာတာဝိန္တိယာ ပုဂ္ဂလော။ ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ အညာတာဝိန္တိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလသ္မိံ အညာတာဝိန္တိယ”န္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ် ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ပုဂ္ဂလသ္မိံ အညာတာဝိန္တိယ’န္တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလသ္မိံ အညာတာဝိန္တိယ”န္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ် ‘ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေန’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ပုဂ္ဂလသ္မိံ အညာတာဝိန္တိယ’န္တိ”၊ မိစ္ဆာ။ ပ။

၅၀။ † ပုဂ္ဂလော နပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။



အာဇာနာဟိ ပဋိကမ္ပံ—ဟန္တိ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ရူပံ ပုဂ္ဂလော’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ ပုဂ္ဂလော”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ရူပံ ပုဂ္ဂလော’တိ”၊ မိစ္ဆာ။ပ။

၅၁။ † ပုဂ္ဂလော နပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပသ္မိံ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြ ရူပါ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ ရူပံ။ပ။

ဝေဒနာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ဝေဒနာယ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြ ဝေဒနာယ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဝေဒနာ။ပ။

သညာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ သညာယ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြ သညာယ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ သညာ။ပ။

သင်္ခါရာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ သင်္ခါရေသု ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြ သင်္ခါရေဟိ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ သင်္ခါရာ။ပ။

ဝိညာဏံ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ဝိညာဏသ္မိံ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြ ဝိညာဏာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ ပဋိကမ္ပံ—ဟန္တိ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဝိညာဏ”န္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဝိညာဏ’န္တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဝိညာဏ”န္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဝိညာဏ’န္တိ”၊ မိစ္ဆာ။ပ။

၅၂။ † ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခာယတနံ ပုဂ္ဂလော။ပ။ စက္ခာယတနသ္မိံ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြိ စက္ခာယတနာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ စက္ခာယတနံ။ပ။ ဓမ္မာယတနံ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ဓမ္မာယတနသ္မိံ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြိ ဓမ္မာယတနာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဓမ္မာယတနံ။ပ။

စက္ခာဓာတု ပုဂ္ဂလော။ပ။ စက္ခာဓာတုယာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြိ စက္ခာဓာတုယာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ စက္ခာဓာတု။ပ။ ဓမ္မဓာတု ပုဂ္ဂလော။ပ။ ဓမ္မဓာတုယာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြိ ဓမ္မဓာတုယာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ ဓမ္မဓာတု။ပ။

စက္ခန္တိယံ ပုဂ္ဂလော။ပ။ စက္ခန္တိယသ္မိံ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြိ စက္ခန္တိယာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ စက္ခန္တိယံ။ပ။ အညာတာဝိန္တိယံ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညာတာဝိန္တိယသ္မိံ ပုဂ္ဂလော။ပ။ အညတြိ အညာတာဝိန္တိယာ ပုဂ္ဂလော။ပ။ ပုဂ္ဂလသ္မိံ အညာတာဝိန္တိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

အစဇာနာဟိ ပဋိကမ္ပံ—ဟဉ္စိ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလသ္မိံ အညာတာဝိန္တိယ”န္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ပုဂ္ဂလသ္မိံ အညာတာဝိန္တိယ’န္တိ၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလသ္မိံ အညာတာဝိန္တိယ”န္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘ပုဂ္ဂလသ္မိံ အညာတာဝိန္တိယ’န္တိ”၊ မိစ္ဆာ။ပ။

စတုက္ကနယသံသန္ဓနံ။

### ဂ-လက္ခဏယုတ္တိ

၅၃။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော သပ္ပစ္စယော။ပ။ ပုဂ္ဂလော အပ္ပစ္စယော။ ပုဂ္ဂလော သင်္ခတော။ ပုဂ္ဂလော အသင်္ခတော။ ပုဂ္ဂလော သဿတော။ ပုဂ္ဂလော အသဿတော။ ပုဂ္ဂလော သနိမိတ္တော။ ပုဂ္ဂလော အနိမိတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ။ (သံခိတ္တံ။)



၅၄။ † ပုဂ္ဂလော နုပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”တိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော သပ္ပစ္စယော။ ပုဂ္ဂလော အပ္ပစ္စယော။ ပုဂ္ဂလော သင်္ခတော။ ပုဂ္ဂလော အသင်္ခတော။ ပုဂ္ဂလော သဿတော။ ပုဂ္ဂလော အသဿတော။ ပုဂ္ဂလော သနိမိတ္တော။ ပုဂ္ဂလော အနိမိတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ။ (သံခိတ္တံ။)

လက္ခဏယုတ္တိကထာ။

### ၉-၀၀နသောဓန

၅၅။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ၊ ဥပလဗ္ဗတိ ပုဂ္ဂလောတိ? ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ၊ ဥပလဗ္ဗတိ ကေ ဟိ စိ ပုဂ္ဂလော ကေ ဟိ စိ န ပုဂ္ဂလောတိ။ ပုဂ္ဂလော ကေ ဟိ စိ ဥပလဗ္ဗတိ ကေ ဟိ စိ န ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၅၆။ \* ပုဂ္ဂလော သစ္စိကဋ္ဌော၊ သစ္စိကဋ္ဌော ပုဂ္ဂလောတိ? ပုဂ္ဂလော သစ္စိကဋ္ဌော၊ သစ္စိကဋ္ဌော ကေ ဟိ စိ ပုဂ္ဂလော ကေ ဟိ စိ န ပုဂ္ဂလောတိ။ ပုဂ္ဂလော ကေ ဟိ စိ သစ္စိကဋ္ဌော ကေ ဟိ စိ န သစ္စိကဋ္ဌောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၅၇။ \* ပုဂ္ဂလော ဝိဇ္ဇမာနော၊ ဝိဇ္ဇမာနော ပုဂ္ဂလောတိ? ပုဂ္ဂလော ဝိဇ္ဇမာနော၊ ဝိဇ္ဇမာနော ကေ ဟိ စိ ပုဂ္ဂလော ကေ ဟိ စိ န ပုဂ္ဂလောတိ။ ပုဂ္ဂလော ကေ ဟိ စိ ဝိဇ္ဇမာနော ကေ ဟိ စိ န ဝိဇ္ဇမာနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၅၈။ \* ပုဂ္ဂလော သံဝိဇ္ဇမာနော၊ သံဝိဇ္ဇမာနော ပုဂ္ဂလောတိ? ပုဂ္ဂလော သံဝိဇ္ဇမာနော၊ သံဝိဇ္ဇမာနော ကေ ဟိ စိ ပုဂ္ဂလော ကေ ဟိ စိ န ပုဂ္ဂလောတိ။ ပုဂ္ဂလော ကေ ဟိ စိ သံဝိဇ္ဇမာနော ကေ ဟိ စိ န သံဝိဇ္ဇမာနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၅၉။ \* ပုဂ္ဂလော အတ္ထိ၊ အတ္ထိ ပုဂ္ဂလောတိ? ပုဂ္ဂလော အတ္ထိ၊ အတ္ထိ ကေ ဟိ စိ ပုဂ္ဂလော ကေ ဟိ စိ န ပုဂ္ဂလောတိ။ ပုဂ္ဂလော ကေ ဟိ စိ အတ္ထိ ကေ ဟိ စိ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၆၀။ \* ပုဂ္ဂလော အတ္ထိ၊ အတ္ထိ န သဗ္ဗော ပုဂ္ဂလောတိ၊ အာမန္တာ။ ပ။ ပုဂ္ဂလော နတ္ထိ၊ နတ္ထိ န သဗ္ဗော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ။ (သံခိတ္တံ။)

၀၀နသောဓနံ။

## ၁၀-ပညတ္တာနုယောဂ

၆၁။ \* ရူပဓာတုယာ ရူပီ ပုဂ္ဂလောတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမဓာတုယာ ကာမီ ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၂။ \* ရူပဓာတုယာ ရူပိနော သတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမဓာတုယာ ကာမိနော သတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၃။ \* အရူပဓာတုယာ အရူပီ ပုဂ္ဂလောတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမဓာတုယာ ကာမီ ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၄။ \* အရူပဓာတုယာ အရူပိနော သတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမဓာတုယာ ကာမိနော သတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၅။ \* ရူပဓာတုယာ ရူပီ ပုဂ္ဂလော အရူပဓာတုယာ အရူပီ ပုဂ္ဂလော၊ အတ္ထိ စ ကောစိ ရူပဓာတုယာ စုတော အရူပဓာတုံ ဥပပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပီ ပုဂ္ဂလော ဥပစ္ဆိန္နော၊ အရူပီ ပုဂ္ဂလော ဇာတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၆။ \* ရူပဓာတုယာ ရူပိနော သတ္တာ အရူပဓာတုယာ အရူပိနော သတ္တာ၊ အတ္ထိ စ ကောစိ ရူပဓာတုယာ စုတော အရူပဓာတုံ ဥပပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပီ သတ္တော ဥပစ္ဆိန္နော၊ အရူပီ သတ္တော ဇာတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၇။ \* “ကာယော”တိ ဝါ “သရီရ”န္တိ ဝါ၊ “သရီရ”န္တိ ဝါ “ကာယော”တိ ဝါ ကာယံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဧသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ အာမန္တာ။ “ပုဂ္ဂလော”တိ ဝါ “ဇီဝေါ”တိ ဝါ၊ “ဇီဝေါ”တိ ဝါ “ပုဂ္ဂလော”တိ ဝါ ပုဂ္ဂလံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဧသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ အာမန္တာ။ အညော ကာယော အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ဇီဝံ အညံ သရီရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ “ကာယော”တိ ဝါ “သရီရ”န္တိ ဝါ၊ “သရီရ”န္တိ ဝါ “ကာယော”တိ ဝါ ကာယံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဧသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေ၊ “ပုဂ္ဂလော”တိ ဝါ “ဇီဝေါ”တိ ဝါ၊ “ဇီဝေါ”တိ ဝါ “ပုဂ္ဂလော”တိ ဝါ ပုဂ္ဂလံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဧသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေ၊ အညော ကာယော အညော ပုဂ္ဂလော။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အညံ ဇီဝံ အညံ သရီရ”န္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ



‘ကာယောတိ ဝါ သရီရန္တိ ဝါ, သရီရန္တိ ဝါ ကာယောတိ ဝါ ကာယံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေ၊ ပုဂ္ဂလောတိ ဝါ ဇီဝေါတိ ဝါ, ဇီဝေါတိ ဝါ ပုဂ္ဂလောတိ ဝါ ပုဂ္ဂလံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေ၊ အညော ကာယော အညော ပုဂ္ဂလော’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘အညံ ဇီဝံ အညံ သရီရ’န္တိ”၊ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္ထဗ္ဗေ “အညံ ဇီဝံ အညံ သရီရ”န္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ကာယောတိ ဝါ သရီရန္တိ ဝါ, သရီရန္တိ ဝါ ကာယောတိ ဝါ ကာယံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေ၊ ပုဂ္ဂလောတိ ဝါ ဇီဝေါတိ ဝါ, ဇီဝေါတိ ဝါ ပုဂ္ဂလောတိ ဝါ ပုဂ္ဂလံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေ၊ အညော ကာယော အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ကာယောတိ ဝါ သရီရန္တိ ဝါ, သရီရန္တိ ဝါ ကာယောတိ ဝါ ကာယံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေ၊ ပုဂ္ဂလောတိ ဝါ ဇီဝေါတိ ဝါ, ဇီဝေါတိ ဝါ ပုဂ္ဂလောတိ ဝါ ပုဂ္ဂလံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေ၊ အညော ကာယော အညော ပုဂ္ဂလော’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘အညံ ဇီဝံ အညံ သရီရ’န္တိ”၊ မိစ္ဆာ။ ပ။

၆၈။ † “ကာယော”တိ ဝါ “သရီရ”န္တိ ဝါ, “သရီရ”န္တိ ဝါ “ကာယော”တိ ဝါ ကာယံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”တိ၊ အာမန္တာ။ အညော ကာယော အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

အာဇာနာဟိ ပဋိကမ္ပံ—ဟဉ္စိ “ကာယော”တိ ဝါ “သရီရ”န္တိ ဝါ, “သရီရ”န္တိ ဝါ “ကာယော”တိ ဝါ ကာယံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေ၊ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အညော ကာယော အညော ပုဂ္ဂလော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ကာယောတိ ဝါ သရီရန္တိ ဝါ, သရီရန္တိ ဝါ ကာယောတိ ဝါ ကာယံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေ၊ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော’၊ နော စ ဝတ္ထဗ္ဗေ ‘အညော ကာယော အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

• နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “အညော ကာယော အညော ပုဂ္ဂလော”တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ကာယောတိ ဝါ သရီရန္တိ ဝါ၊ သရီရန္တိ ဝါ ကာယောတိ ဝါ ကာယံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဧသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေ၊ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘ကာယောတိ ဝါ သရီရန္တိ ဝါ၊ သရီရန္တိ ဝါ ကာယောတိ ဝါ ကာယံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဧသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေ၊ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အညော ကာယော အညော ပုဂ္ဂလော’တိ”။ မိစ္ဆာ။ ။ (သံခိတ္တံ။)

ပညတ္တာနုယောဂေါ။

### ၁၁-ဂတိအနုယောဂ

၆၉။ \* ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ သော ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၇၀။ \* ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ အညော ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၇၁။ \* ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ သော စ အညော စ သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၇၂။ \* ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ နေဝ သော သန္ဓာဝတိ၊ န အညော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



၇၃။ \* ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ, ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ သော ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ၊ အညော ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ၊ သော စ အညော စ သန္ဓာဝတိ၊ နေဝ သော သန္ဓာဝတိ၊ န အညော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ, ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၇၄။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ, ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကံ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သ သတ္တက္ခတ္တုပရမံ၊ သန္ဓာဝိတွာန ပုဂ္ဂလော။ ဒုက္ခဿန္တကရော ဟောတိ၊ သဗ္ဗသံယောဇနက္ခယာ”တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ, ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ။

၇၅။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ, ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကံ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အနမတဂ္ဂေါယံ၊ ဘိက္ခဝေ သံသာရော ပုဗ္ဗကောဋီ န ပညာယတိ၊ အဝိဇ္ဇာ- နိဝရဏာနံ သတ္တာနံ တဏှာသံယောဇနာနံ သန္ဓာဝတံ သံသရတ”န္တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ, ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ။

၇၆။ \* ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ, ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ, ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၇၇။ \* သွေဝ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ, ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ မနုဿော ဟုတွာ ဒေဝေါ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ မနုဿော သော ဒေဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၇၈။ \* သွေဝ မနုဿော သော ဒေဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ မနုဿော ဟုတွာ ဒေဝေါ ဟောတိ၊ ဒေဝေါ ဟုတွာ မနုဿော ဟောတိ၊ မနုဿဘူတော အညော၊ ဒေဝေါ အညော၊ မနုဿဘူတော သွေဝါယံ သန္ဓာဝတီတိ၊ မိစ္ဆာ။ ပ။

သစေ ဟိ သန္ဓာဝတိ သွေဝ ပုဂ္ဂလော ဣတော စုတော ပရံ လောကံ၊  
အနညော၊ ဟေဝံ မရဏံ န ဟေဟိတိ၊ ပါဏာတိပါတောပိ နုပလဗ္ဗတိ။ ကမ္မံ  
အတ္ထိ၊ ကမ္မဝိပါကော အတ္ထိ၊ ကတာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကော အတ္ထိ၊ ကုသလာ-  
ကုသလေ ဝိပစ္စမာနေ သွေဝါယံ သန္ဓာဝတိတိ၊ မိစ္ဆာ။

၇၉။ \* သွေဝ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ  
လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ မနုဿော ဟုတွာ  
ယက္ခော ဟောတိ။ ပေတော ဟောတိ။ နေရယိကော ဟောတိ။ တိရစ္ဆာန-  
ဂတော ဟောတိ။ ဩဠော ဟောတိ။ ဂေါဏော ဟောတိ။ ဂဒြဘော ဟောတိ။  
သုကရော ဟောတိ။ မဟိံသော<sup>၁</sup> ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ မနုဿော  
သော မဟိံသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၈၀။ \* သွေဝ မနုဿော သော မဟိံသောတိ၊ အာမန္တာ။ မနုဿော  
ဟုတွာ မဟိံသော ဟောတိ၊ မဟိံသော ဟုတွာ မနုဿော ဟောတိ၊  
မနုဿာတော အညော၊ မဟိံသော အညော၊ မနုဿာတော သွေဝါယံ  
သန္ဓာဝတိတိ၊ မိစ္ဆာ။ ပ။

သစေ ဟိ သန္ဓာဝတိ သွေဝ ပုဂ္ဂလော ဣတော စုတော ပရံ လောကံ၊  
အနညော၊ ဟေဝံ မရဏံ န ဟေဟိတိ၊ ပါဏာတိပါတောပိ နုပလဗ္ဗတိ။ ကမ္မံ  
အတ္ထိ၊ ကမ္မဝိပါကော အတ္ထိ၊ ကတာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကော အတ္ထိ၊ ကုသလာ-  
ကုသလေ ဝိပစ္စမာနေ သွေဝါယံ သန္ဓာဝတိတိ၊ မိစ္ဆာ။

၈၁။ \* သွေဝ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊  
ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ ခတ္ထိယော ဟုတွာ  
ဗြာဟ္မဏော ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ ခတ္ထိယော သော ဗြာဟ္မဏောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၈၂။ \* အတ္ထိ ကောစိ ခတ္ထိယော ဟုတွာ ဝေဿော ဟောတိ။ သုဒ္ဓေါ  
ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ ခတ္ထိယော သော သုဒ္ဓေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၈၃။ \* အတ္ထိ ကောစိ ဗြာဟ္မဏော ဟုတွာ ဝေဿော ဟောတိ။ သုဒ္ဓေါ  
ဟောတိ။ ခတ္ထိယော ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ ဗြာဟ္မဏော သော  
ခတ္ထိယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။



၈၄။ \* အတ္ထိ ကောစိ ဝေဿော ဟုတွာ သုဒ္ဓေါ ဟောတိ။ ခတ္ထိယော ဟောတိ။ မြာဟ္မဏော ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ ဝေဿော သော မြာဟ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၈၅။ \* အတ္ထိ ကောစိ သုဒ္ဓေါ ဟုတွာ ခတ္ထိယော ဟောတိ။ မြာဟ္မဏော ဟောတိ။ ဝေဿော ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ သုဒ္ဓေါ သော ဝေဿောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၈၆။ \* သွေဝ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟတ္ထိန္ဒော ဟတ္ထိန္ဒောဝ ဟောတိ။ ပါဒိန္ဒော ပါဒိန္ဒောဝ ဟောတိ။ ဟတ္ထပါဒိန္ဒော ဟတ္ထပါဒိန္ဒောဝ ဟောတိ။ ကဏ္ဍိန္ဒော။ နာသိန္ဒော။ ကဏ္ဍနာသိန္ဒော။ အင်္ဂုလိန္ဒော။ အဠိန္ဒော။ ကဏ္ဍရိန္ဒော။ ကုဏိဟတ္ထကော။ ဖဏဟတ္ထကော။ ကုဠိယော။ ဂဏ္ဍိယော။ ကိလာသိယော။ သောသိယော။ အပမာရိယော။ ဩဠော။ ဂေါဏော။ ဂဠိဘော။ သူကရော။ မဟိံသော မဟိံသောဝ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၈၇။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သွေဝ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောက”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန သောတာပန္နော ပုဂ္ဂလော မနုဿလောကာ စုတော ဒေဝလောကံ ဥပပန္နော၊ တတ္ထပိ သောတာပန္နောဝ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။

ဟဉ္စိ သောတာပန္နော ပုဂ္ဂလော မနုဿလောကာ စုတော ဒေဝလောကံ ဥပပန္နော၊ တတ္ထပိ သောတာပန္နောဝ ဟောတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သွေဝ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောက”န္တိ။

၈၈။ \* သောတာပန္နော ပုဂ္ဂလော မနုဿလောကာ စုတော ဒေဝလောကံ ဥပပန္နော၊ တတ္ထပိ သောတာပန္နောဝ ဟောတိတိ ကတွာ တေန စ ကာရဏေန သွေဝ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နော ပုဂ္ဂလော မနုဿလောကာ စုတော ဒေဝလောကံ ဥပပန္နော၊ တတ္ထပိ မနုဿော ဟောတိတိ ကတွာ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၈၉။ \* သွေဝ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ, ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနညော အဝိဂတော သန္ဓာဝတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၉၀။ \* အနညော အဝိဂတော သန္ဓာဝတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟတ္ထိန္ဒော ဟတ္ထိန္ဒောဝ ဟောတိ။ ပါဒိန္ဒော ပါဒိန္ဒောဝ ဟောတိ။ ဟတ္ထပါဒိန္ဒော ဟတ္ထပါဒိန္ဒောဝ ဟောတိ။ ကဏ္ဍိန္ဒော။ နာသိန္ဒော။ ကဏ္ဍနာသိန္ဒော။ အင်္ဂုလိန္ဒော။ အဠိန္ဒော။ ကဏ္ဍရိန္ဒော။ ကုဏိဟတ္ထကော။ ဖဏဟတ္ထကော။ ကုဠိယော။ ဂဠိယော။ ကိလာသိယော။ သောသိယော။ အပမာရိယော။ ဩဠော။ ဂေါဏော။ ဂဠိဘော။ သူကရော။ မဟိံသော မဟိံသောဝ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၉၁။ \* သွေဝ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ, ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ သရူပေါ သန္ဓာဝတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သရူပေါ သန္ဓာဝတိတိ၊ အာမန္တာ။ တံ ဇိဝံ တံ သရီရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

သဝေဒနော။ပ။ သသညော။ပ။ သသင်္ခါရော။ပ။ သဝိညာဏော သန္ဓာဝတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သဝိညာဏော သန္ဓာဝတိတိ၊ အာမန္တာ။ တံ ဇိဝံ တံ သရီရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၉၂။ \* သွေဝ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ, ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ အရူပေါ သန္ဓာဝတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရူပေါ သန္ဓာဝတိတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ဇိဝံ အညံ သရီရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အဝေဒနော။ပ။ အသညော။ပ။ အသင်္ခါရော။ပ။ အဝိညာဏော သန္ဓာဝတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဝိညာဏော သန္ဓာဝတိတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ဇိဝံ အညံ သရီရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၉၃။ \* သွေဝ ပုဂ္ဂလော သန္ဓာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ, ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ သန္ဓာဝတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပံ သန္ဓာဝတိတိ၊ အာမန္တာ။ တံ ဇိဝံ တံ သရီရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ပ။ သင်္ခါရာ။ပ။ ဝိညာဏံ သန္တာဝတီတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဝိညာဏံ သန္တာဝတီတိ၊ အာမန္တာ။ တံ ဇီဝံ တံ သရီရန္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၉၄။ \* သွေဝ ပုဂ္ဂလော သန္တာဝတိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ၊ ပရသ္မာ  
လောကာ ဣမံ လောကန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ န သန္တာဝတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
ရူပံ န သန္တာဝတီတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ဇီဝံ အညံ သရီရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ပ။ သင်္ခါရာ။ပ။ ဝိညာဏံ န သန္တာဝတီတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဝိညာဏံ န သန္တာဝတီတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ဇီဝံ အညံ သရီရန္တိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ (သံခိတ္တံ။)

ခန္ဓေသု ဘိဇ္ဇမာနေသု၊ သော စေ ဘိဇ္ဇတိ ပုဂ္ဂလော။  
ဥစ္ဆေဒါ ဘဝတိ ဒိဋ္ဌိ၊ ယာ ဗုဒ္ဓေန ဝိဝဇ္ဇိတာ။

ခန္ဓေသု ဘိဇ္ဇမာနေသု၊ နော စေ ဘိဇ္ဇတိ ပုဂ္ဂလော။  
ပုဂ္ဂလော သဿတော ဟောတိ၊ နိဗ္ဗာနေန သမသမောတိ။

ဂတိအနုယောဂေါ။

### ၁၂-ဥပါဒါပညတ္တနုယောဂ

၉၅။ \* ရူပံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ အနိစ္စံ သင်္ခတံ  
ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နံ ခယဓမ္မံ ဝယဓမ္မံ ဝိရာဂဓမ္မံ နိရောဓဓမ္မံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။  
ပုဂ္ဂလောပိ အနိစ္စော သင်္ခတော ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နော ခယဓမ္မော ဝယဓမ္မော  
ဝိရာဂဓမ္မော နိရောဓဓမ္မော ဝိပရိဏာမဓမ္မောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၉၆။ \* ဝေဒနံ ဥပါဒါယ။ သညံ ဥပါဒါယ။ သင်္ခါရေ ဥပါဒါယ။ ဝိညာဏံ  
ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိညာဏံ အနိစ္စံ သင်္ခတံ ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နံ  
ခယဓမ္မံ ဝယဓမ္မံ ဝိရာဂဓမ္မံ နိရောဓဓမ္မံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလောပိ  
အနိစ္စော သင်္ခတော ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နော ခယဓမ္မော ဝယဓမ္မော ဝိရာဂဓမ္မော  
နိရောဓဓမ္မော ဝိပရိဏာမဓမ္မောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၉၇။ \* ရူပံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ နီလံ ရူပံ ဥပါဒါယ  
နီလကဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပီတံ ရူပံ ဥပါဒါယ။

လောဟိတံ ရူပံ ဥပါဒါယ။ ဩဒါတံ ရူပံ ဥပါဒါယ။ သနိဒဿနံ ရူပံ ဥပါဒါယ။  
အနိဒဿနံ ရူပံ ဥပါဒါယ။ သပ္ပုဋ္ဌိဃံ ရူပံ ဥပါဒါယ။ အပ္ပုဋ္ဌိဃံ ရူပံ ဥပါဒါယ။  
အပ္ပုဋ္ဌိဃဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၉၈။ \* ဝေဒနံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလံ ဝေဒနံ  
ဥပါဒါယ ကုသလဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကုသလံ  
ဝေဒနံ ဥပါဒါယ ကုသလဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာ  
ဝေဒနာ သဖလာ သဝိပါကာ ဣဋ္ဌဖလာ ကန္တဖလာ မနုညဖလာ အသေစနက-  
ဖလာ သုခုဒြိယာ သုခဝိပါကာတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလောပိ ပုဂ္ဂလော သဖလော  
သဝိပါကော ဣဋ္ဌဖလော ကန္တဖလော မနုညဖလော အသေစနကဖလော  
သုခုဒြိယော သုခဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၉၉။ \* ဝေဒနံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလံ ဝေဒနံ  
ဥပါဒါယ အကုသလဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
အကုသလံ ဝေဒနံ ဥပါဒါယ အကုသလဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။  
အကုသလာ ဝေဒနာ သဖလာ သဝိပါကာ အနိဋ္ဌဖလာ အကန္တဖလာ အမနုည-  
ဖလာ သေစနကဖလာ ဒုက္ခုဒြိယာ ဒုက္ခဝိပါကာတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလောပိ  
ပုဂ္ဂလော သဖလော သဝိပါကော အနိဋ္ဌဖလော အကန္တဖလော အမနုညဖလော  
သေစနကဖလော ဒုက္ခုဒြိယော ဒုက္ခဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၀၀။ \* ဝေဒနံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အဗျာကတံ  
ဝေဒနံ ဥပါဒါယ အဗျာကတဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
အဗျာကတံ ဝေဒနံ ဥပါဒါယ အဗျာကတဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။  
အဗျာကတာ ဝေဒနာ အနိစ္စာ သင်္ခတာ ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နာ ခယဓမ္မော ဝယဓမ္မော  
ဝိရာဂဓမ္မော နိရောဓဓမ္မော ဝိပရိဏာမဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ အဗျာကတောပိ  
ပုဂ္ဂလော အနိစ္စော သင်္ခတော ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နော ခယဓမ္မော ဝယဓမ္မော ဝိရာဂ-  
ဓမ္မော နိရောဓဓမ္မော ဝိပရိဏာမဓမ္မောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၀၁။ \* သညံ ဥပါဒါယ။ သင်္ခါရေ ဥပါဒါယ။ ဝိညာဏံ ဥပါဒါယ  
ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလံ ဝိညာဏံ ဥပါဒါယ ကုသလဿ  
ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကုသလံ ဝိညာဏံ ဥပါဒါယ  
ကုသလဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလံ ဝိညာဏံ သဖလံ  
သဝိပါကံ ဣဋ္ဌဖလံ ကန္တဖလံ မနုညဖလံ အသေစနကဖလံ သုခုဒြိယံ



သုခဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလောပိ ပုဂ္ဂလော သမ္ပလော သုခဝိပါကော  
ဣဋ္ဌမလော ကန္တမလော မနုညမလော အသေစနကမလော သုခုဒ္ဓိယော  
သုခဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၁၀၂။ \* ဝိညာဏံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလံ  
ဝိညာဏံ ဥပါဒါယ အကုသလဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။  
အကုသလံ ဝိညာဏံ ဥပါဒါယ အကုသလဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။  
အကုသလံ ဝိညာဏံ သမ္ပလံ သုခဝိပါကံ အနိဋ္ဌမလံ အကန္တမလံ အမနုညမလံ  
သေစနကမလံ ဒုက္ခုဒ္ဓိယံ ဒုက္ခဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလောပိ ပုဂ္ဂလော  
သမ္ပလော သုခဝိပါကော အနိဋ္ဌမလော အကန္တမလော အမနုညမလော  
သေစနကမလော ဒုက္ခုဒ္ဓိယော ဒုက္ခဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၁၀၃။ \* ဝိညာဏံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အဗျာကတံ  
ဝိညာဏံ ဥပါဒါယ အဗျာကတဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။  
အဗျာကတံ ဝိညာဏံ ဥပါဒါယ အဗျာကတဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။  
အဗျာကတံ ဝိညာဏံ အနိစ္စံ သင်္ခတံ ပဋိစ္စသမုပ္ပန္တံ ခယဓမ္မံ ဝယဓမ္မံ ဝိရာဂဓမ္မံ  
နိရောဓဓမ္မံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဗျာကတောပိ ပုဂ္ဂလော အနိစ္စော  
သင်္ခတော ပဋိစ္စသမုပ္ပန္တော ခယဓမ္မော ဝယဓမ္မော ဝိရာဂဓမ္မော နိရောဓဓမ္မော  
ဝိပရိဏာမဓမ္မောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၁၀၄။ \* စက္ခု ဥပါဒါယ “စက္ခုမာ ပုဂ္ဂလော”တိ ဝတ္ထဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။  
စက္ခုမိ နိရုဒ္ဓေ “စက္ခုမာ ပုဂ္ဂလော နိရုဒ္ဓေါ”တိ ဝတ္ထဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သောတံ ဥပါဒါယ။ သာနံ ဥပါဒါယ။ ဇိဝံ ဥပါဒါယ။ ကာယံ  
ဥပါဒါယ။ မနံ ဥပါဒါယ “မနဝါ ပုဂ္ဂလော”တိ ဝတ္ထဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ မနမိ  
နိရုဒ္ဓေ “မနဝါ ပုဂ္ဂလော နိရုဒ္ဓေါ”တိ ဝတ္ထဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

၁၀၅။ \* မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိံ ဥပါဒါယ “မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိယော ပုဂ္ဂလော”တိ ဝတ္ထဗ္ဗောတိ၊  
အာမန္တာ။ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိယာ နိရုဒ္ဓါယ “မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိယော ပုဂ္ဂလော နိရုဒ္ဓေါ”တိ  
ဝတ္ထဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ မိစ္ဆာသင်္ကပ္ပံ ဥပါဒါယ။ မိစ္ဆာဝါစံ ဥပါဒါယ။  
မိစ္ဆာကမ္မန္တံ ဥပါဒါယ။ မိစ္ဆာအာဇီဝံ ဥပါဒါယ။ မိစ္ဆာဝါယာမံ ဥပါဒါယ။  
မိစ္ဆာသတိံ ဥပါဒါယ။ မိစ္ဆာသမာဓိံ ဥပါဒါယ “မိစ္ဆာသမာဓိယော  
ပုဂ္ဂလော”တိ ဝတ္ထဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ မိစ္ဆာသမာဓိမိ နိရုဒ္ဓေ “မိစ္ဆာသမာဓိ-  
ယော ပုဂ္ဂလော နိရုဒ္ဓေါ”တိ ဝတ္ထဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

၁၀၆။ \* သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဥပါဒါယ “သမ္မာဒိဋ္ဌိယော ပုဂ္ဂလော”တိ ဝတ္ထဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ \* သမ္မာဒိဋ္ဌိယာ နိရုဒ္ဓါယ “သမ္မာဒိဋ္ဌိယော ပုဂ္ဂလော နိရုဒ္ဓေါ”တိ ဝတ္ထဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ သမ္မာသင်္ကပ္ပံ ဥပါဒါယ။ သမ္မာဝါစံ ဥပါဒါယ။ သမ္မာကမ္မန္တံ ဥပါဒါယ။ သမ္မာအာဇီဝံ ဥပါဒါယ။ သမ္မာဝါယာမံ ဥပါဒါယ။ သမ္မာသတိံ ဥပါဒါယ။ သမ္မာသမာဓိံ ဥပါဒါယ “သမ္မာသမာဓိယော ပုဂ္ဂလော”တိ ဝတ္ထဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာသမာဓိမ္ပိ နိရုဒ္ဓေ “သမ္မာသမာဓိယော ပုဂ္ဂလော နိရုဒ္ဓေါ”တိ ဝတ္ထဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၁၀၇။ \* ရူပံ ဥပါဒါယ၊ ဝေဒနံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိန္နံ ခန္ဓာနံ ဥပါဒါယ ဒိန္နံ ပုဂ္ဂလာနံ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ရူပံ ဥပါဒါယ၊ ဝေဒနံ ဥပါဒါယ၊ သညံ ဥပါဒါယ၊ သင်္ခါရေ ဥပါဒါယ၊ ဝိညာဏံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ပဉ္စန္ဓံ ခန္ဓာနံ ဥပါဒါယ ပဉ္စန္ဓံ ပုဂ္ဂလာနံ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၁၀၈။ \* စက္ခာယတနံ ဥပါဒါယ သောတာယတနံ ဥပါဒါယ၊ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိန္နံ အာယတနာနံ ဥပါဒါယ ဒိန္နံ ပုဂ္ဂလာနံ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ စက္ခာယတနံ ဥပါဒါယ၊ သောတာယတနံ ဥပါဒါယ။ ပ။ ဓမ္မာယတနံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွါဒသန္တံ အာယတနာနံ ဥပါဒါယ ဒွါဒသန္တံ ပုဂ္ဂလာနံ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၁၀၉။ \* စက္ခုဇာတုံ ဥပါဒါယ သောတဇာတုံ ဥပါဒါယ၊ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိန္နံ ဇာတုနံ ဥပါဒါယ ဒိန္နံ ပုဂ္ဂလာနံ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ စက္ခုဇာတုံ ဥပါဒါယ၊ သောတဇာတုံ ဥပါဒါယ။ ပ။ ဓမ္မဇာတုံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌာရသန္တံ ဇာတုနံ ဥပါဒါယ အဋ္ဌာရသန္တံ ပုဂ္ဂလာနံ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၁၁၀။ \* စက္ခုန္ဓိယံ ဥပါဒါယ၊ သောတိန္ဓိယံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိန္နံ ဣန္ဒြိယာနံ ဥပါဒါယ ဒိန္နံ ပုဂ္ဂလာနံ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ စက္ခုန္ဓိယံ ဥပါဒါယ၊ သောတိန္ဓိယံ ဥပါဒါယ။ ပ။ အညာတာဝိန္ဓိယံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဗာဝိသတိနံ<sup>၁</sup> ဣန္ဒြိယာနံ ဥပါဒါယ ဗာဝိသတိနံ<sup>၂</sup> ပုဂ္ဂလာနံ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။



၁၁၁။ \* ကေဝေါကာရဘဝံ ဥပါဒါယ ကေဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ စတုဝေါကာရဘဝံ ဥပါဒါယ စတုန္တံ ပုဂ္ဂလာနံ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကေဝေါကာရဘဝံ ဥပါဒါယ ကေဿ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ပဉ္စဝေါကာရဘဝံ ဥပါဒါယ ပဉ္စန္တံ ပုဂ္ဂလာနံ ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကေဝေါကာရဘဝေ ဧကောဝ ပုဂ္ဂလောတိ၊ အာမန္တာ။ စတုဝေါကာရဘဝေ စတ္တာရောဝ<sup>၁</sup> ပုဂ္ဂလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကေဝေါကာရဘဝေ ဧကောဝ ပုဂ္ဂလောတိ၊ အာမန္တာ။ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေ ပဉ္စေဝ ပုဂ္ဂလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၁၂။ \* ယထာ ရုက္ခံ ဥပါဒါယ ဆာယာယ ပညတ္တိ၊ ဧဝမေဝံ ရူပံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ။ ( )<sup>၂</sup> ယထာ ရုက္ခံ ဥပါဒါယ ဆာယာယ ပညတ္တိ ရုက္ခောပိ အနိစ္စော ဆာယာပိ အနိစ္စော၊ ဧဝမေဝံ ရူပံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိ ရူပမ္ပိ အနိစ္စံ ပုဂ္ဂလောပိ အနိစ္စောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ယထာ ရုက္ခံ ဥပါဒါယ ဆာယာယ ပညတ္တိ အညော ရုက္ခော အညာ ဆာယာ၊ ဧဝမေဝံ ရူပံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိ အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၁၃။ \* ယထာ ဂါမံ ဥပါဒါယ ဂါမိကဿ ပညတ္တိ၊ ဧဝမေဝံ ရူပံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ။ ယထာ ဂါမံ ဥပါဒါယ ဂါမိကဿ ပညတ္တိ အညော ဂါမော အညော ဂါမိကော၊ ဧဝမေဝံ ရူပံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိ အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၁၄။ \* ယထာ ရဋ္ဌံ ဥပါဒါယ ရညော ပညတ္တိ၊ ဧဝမေဝံ ရူပံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ။ ယထာ ရဋ္ဌံ ဥပါဒါယ ရညော ပညတ္တိ အညံ-ရဋ္ဌံ အညော ရာဇာ၊ ဧဝမေဝံ ရူပံ ဥပါဒါယ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိ အညံ ရူပံ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၁၅။ \* ယထာ န နိဂဠော နေဂဠိကော၊ ယဿ နိဂဠော သော နေဂဠိကော၊ ဧဝမေဝံ န ရူပံ ရူပဝါ၊ ယဿ ရူပံ သော ရူပဝါတိ။ ယထာ န နိဂဠော နေဂဠိကော၊ ယဿ နိဂဠော သော နေဂဠိကော၊ အညော နိဂဠော အညော နေဂဠိကော၊ ဧဝမေဝံ န ရူပံ ရူပဝါ၊ ယဿ ရူပံ သော ရူပဝါ၊ အညံ ရူပံ အညော ရူပဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၁၆။ \* စိတ္တေ စိတ္တေ ပုဂ္ဂလဿ ပညတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ စိတ္တေ စိတ္တေ ပုဂ္ဂလော ဇာယတိ ဇီယတိ မီယတိ စဝတိ ဥပပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သော”တိ ဝါ “အညော”တိ ဝါတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ကုမာရကော”တိ ဝါ “ကုမာရိကာ”တိ ဝါတိ၊ ဝတ္ထဗ္ဗံ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သော”တိ ဝါ “အညော”တိ ဝါ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန န ဝတ္ထဗ္ဗံ ‘ကုမာရကော’တိ ဝါ ‘ကုမာရိကာ’တိ ဝါ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန န ဝတ္ထဗ္ဗံ ‘သော’တိ ဝါ ‘အညော’တိ ဝါ၊ ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန ဝတ္ထဗ္ဗံ ‘ကုမာရကော’တိ ဝါ ‘ကုမာရိကာ’တိ ဝါ’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

ဟန္တိ ဝါ ပန ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန ဝတ္ထဗ္ဗံ “ကုမာရကော”တိ ဝါ “ကုမာရိကာ”တိ ဝါ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန ဝတ္ထဗ္ဗံ ‘သော’တိ ဝါ ‘အညော’တိ ဝါ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန န ဝတ္ထဗ္ဗံ ‘သော’တိ ဝါ ‘အညော’တိ ဝါ ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန ဝတ္ထဗ္ဗံ ‘ကုမာရကော’တိ ဝါ ‘ကုမာရိကာ’တိ ဝါ’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

၁၁၇။ \* ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သော”တိ ဝါ “အညော”တိ ဝါတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ဣတ္ထိ”တိ ဝါ “ပုရိသော”တိ ဝါ “ဂဟဋ္ဌော”တိ ဝါ “ပဗ္ဗဇိတော”တိ ဝါ “ဒေဝေါ”တိ ဝါ “မနုဿော”တိ ဝါတိ၊ ဝတ္ထဗ္ဗံ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သော”တိ ဝါ “အညော”တိ ဝါ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန န ဝတ္ထဗ္ဗံ ‘ဒေဝေါ’တိ ဝါ ‘မနုဿော’တိ ဝါ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန န ဝတ္ထဗ္ဗံ ‘သော’တိ ဝါ ‘အညော’တိ ဝါ၊ ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန ဝတ္ထဗ္ဗံ ‘ဒေဝေါ’တိ ဝါ ‘မနုဿော’တိ ဝါ’တိ”၊ မိစ္ဆာ။

ဟန္တိ ဝါ ပန ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန ဝတ္ထဗ္ဗံ “ဒေဝေါ”တိ ဝါ “မနုဿော”တိ ဝါ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန ဝတ္ထဗ္ဗံ ‘သော’တိ ဝါ ‘အညော’တိ ဝါ”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန န ဝတ္ထဗ္ဗံ ‘သော’တိ ဝါ ‘အညော’တိ ဝါ၊ ဒုတိယေ စိတ္တေ ဥပ္ပန္နေန ဝတ္ထဗ္ဗံ ‘ဒေဝေါ’တိ ဝါ ‘မနုဿော’တိ ဝါ’တိ”၊ မိစ္ဆာ။ ပ။



၁၁၈။ † န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ယော ပဿတိ၊ ယံ ပဿတိ၊ ယေန ပဿတိ။ သော ပဿတိ၊ တံ ပဿတိ၊ တေန ပဿတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ယော ပဿတိ၊ ယံ ပဿတိ၊ ယေန ပဿတိ။ သော ပဿတိ၊ တံ ပဿတိ၊ တေန ပဿတိ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထုဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၁၁၉။ † န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ယော သုဏာတိ။ပ။ ယော ဃာယတိ။ ယော သာယတိ။ ယော ဖုသတိ။ ယော ဝိဇာနာတိ၊ ယံ ဝိဇာနာတိ၊ ယေန ဝိဇာနာတိ။ သော ဝိဇာနာတိ၊ တံ ဝိဇာနာတိ၊ တေန ဝိဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ယော ဝိဇာနာတိ၊ ယံ ဝိဇာနာတိ၊ ယေန ဝိဇာနာတိ။ သော ဝိဇာနာတိ၊ တံ ဝိဇာနာတိ၊ တေန ဝိဇာနာတိ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထုဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၁၂၀။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ယော န ပဿတိ၊ ယံ န ပဿတိ၊ ယေန န ပဿတိ။ သော န ပဿတိ၊ တံ န ပဿတိ၊ တေန န ပဿတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ယော န ပဿတိ၊ ယံ န ပဿတိ၊ ယေန န ပဿတိ။ သော န ပဿတိ၊ တံ န ပဿတိ၊ တေန န ပဿတိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထုဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ယော န သုဏာတိ။ပ။ ယော န ဃာယတိ။ ယော န သာယတိ။ ယော န ဖုသတိ။ ယော န ဝိဇာနာတိ၊ ယံ န ဝိဇာနာတိ၊ ယေန န ဝိဇာနာတိ။ သော န ဝိဇာနာတိ၊ တံ န ဝိဇာနာတိ၊ တေန န ဝိဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ယော န ဝိဇာနာတိ၊ ယံ န ဝိဇာနာတိ၊ ယေန န ဝိဇာနာတိ။ သော န ဝိဇာနာတိ၊ တံ န ဝိဇာနာတိ၊ တေန န ဝိဇာနာတိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထုဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၁၂၁။ † န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဂုတ္တံ ဘဂဝတာ “ပဿာမဟံ ဘိက္ခဝေ ဒိဗ္ဗေန စက္ခုနာ ဝိသုဒ္ဓေန အတိက္ကန္တမာနုသကေန သတ္တေ စဝမာနေ ဥပပဇ္ဇမာနေ ဟိနေ ပဏီတေ သုဝဏ္ဏေ ဒုဗ္ဗဏ္ဏေ သုဂတေ ဒုဂ္ဂတေ ယထာကမ္မူပဂေ သတ္တေ ပဇာနာမီ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။

၁၂၂။ \* ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ပဿာမဟံ ဘိက္ခဝေ ဒိဗ္ဗေန စက္ခုနာ ဝိသုဒ္ဓေန အတိက္ကန္တမာနုသကေန သတ္တေ စဝမာနေ ဥပပဇ္ဇမာနေ ဟိနေ ပဏီတေ သုဝဏ္ဏေ ဒုဗ္ဗဏ္ဏေ သုဂတေ ဒုဂ္ဂတေ ယထာကမ္မူပဂေ သတ္တေ ပဇာနာမိ”တိ ကတွာ တေနော ကာရဏေန ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဘတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဘဂဝါ ဒိဗ္ဗေန စက္ခုနာ ဝိသုဒ္ဓေန အတိက္ကန္တမာနုသကေန ရူပံ ပဿတိ ပုဂ္ဂလံ ပဿတိတိ၊ ရူပံ ပဿတိ။ ရူပံ ပုဂ္ဂလော၊ ရူပံ စဝတိ၊ ရူပံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ ရူပံ ယထာကမ္မူပဂန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

ဘဂဝါ ဒိဗ္ဗေန စက္ခုနာ ဝိသုဒ္ဓေန အတိက္ကန္တမာနုသကေန ရူပံ ပဿတိ ပုဂ္ဂလံ ပဿတိတိ၊ ပုဂ္ဂလံ ပဿတိ။ ပုဂ္ဂလော ရူပံ ရူပါယတနံ ရူပဓာတု နီလံ ဝီတကံ လောဟိတကံ ဩဒါတံ စက္ခုဝိညေယျံ စက္ခုသ္မိံ ပဋိဟညတိ၊ စက္ခုဿ အာပါထံ အာဂစ္ဆတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

ဘဂဝါ ဒိဗ္ဗေန စက္ခုနာ ဝိသုဒ္ဓေန အတိက္ကန္တမာနုသကေန ရူပံ ပဿတိ ပုဂ္ဂလံ ပဿတိတိ၊ ဥဘော ပဿတိ။ ဥဘော ရူပံ ရူပါယတနံ ရူပဓာတု၊ ဥဘော နီလာ၊ ဥဘော ဝီတကာ၊ ဥဘော လောဟိတကာ၊ ဥဘော ဩဒါတာ၊ ဥဘော စက္ခုဝိညေယျာ၊ ဥဘော စက္ခုသ္မိံ ပဋိဟညန္တိ၊ ဥဘော စက္ခုဿ အာပါထံ အာဂစ္ဆန္တိ၊ ဥဘော စဝန္တိ၊ ဥဘော ဥပပဇ္ဇန္တိ၊ ဥဘော ယထာကမ္မူပဂါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

ဥပါဒါပညတ္တာနုယောဂေါ။

### ၁၃-ပုရိသကာရာနုယောဂ

၁၂၃။ † ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဘန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဘတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၂၄။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဘန္တိတိ ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဘတိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဘတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၂၅။ \* တဿ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဘတိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ တဿေဝ နတ္ထိ ဒုက္ခဿ အန္တကိရိယာ၊ နတ္ထိ ဝဇ္ဇုပစ္ဆေဒေါ၊ နတ္ထိ အနုပါဒါ ပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



၁၂၆။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗန္တိတိ ကလျာဏပါပကာနံ  
ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိတိ  
ပုဂ္ဂလဿ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၁၂၇။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗန္တိတိ ကလျာဏပါပကာနံ  
ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ ဥပလဗ္ဗတိတိ  
နိဗ္ဗာနဿ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၂၀။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗန္တိတိ ကလျာဏပါပကာနံ  
ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ မဟာပထဝီ ဥပလဗ္ဗတိတိ  
မဟာပထဝီယာ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၁၂၉။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗန္တိတိ ကလျာဏပါပကာနံ  
 ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ မဟာသမုဒ္ဒေါ  
 ဥပလဗ္ဗတိတိ မဟာသမုဒ္ဓဿ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ  
 ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ ။

၁၃၀။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗတီတိ ကလျာဏပါပကာနံ  
 ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတီတိ၊ အာမန္တာ။ သိနေရပဗ္ဗတရာဇာ  
 ဥပလဗ္ဗတီတိ သိနေရဿ ပဗ္ဗတရာဇဿ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတီတိ၊  
 န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗ္ဗေ။ ပ။

၁၃၁။ \* ကလျာဏပါပကောနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗန္တိတိ ကလျာဏပါပကောနံ  
ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ အာပေါ ဥပလဗ္ဗတိတိ  
အာပဿ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတိတိ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၁၃၂။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗတီတိ၊ ကလျာဏပါပကာနံ  
ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတီတိ၊ အာမန္တာ။ တေဇော ဥပလဗ္ဗတီတိ  
တေဇဿ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၁၃၃။ \* ကလျာဏပါပကောနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗန္တိတိ ကလျာဏပါပကောနံ  
ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝါယော ဥပလဗ္ဗတိတိ  
ဝါယဿ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၁၃၄။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗန္တိတိ ကလျာဏပါပကာနံ  
ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဗ္ဗန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတယော

ဥပလဟ္မန္တိတိ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဟ္မတိတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၃၅။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဟ္မန္တိတိ ကလျာဏပါပကာနံ  
ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဥပလဟ္မတိတိ၊ အာမန္တာ။ အညော ကလျာဏ-  
ပါပကာနိ ကမ္မာနိ အညော ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၃၆။ † ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကော ဥပလဟ္မတိတိ၊ အာမန္တာ။  
ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကပဋိသံဝေဒိ ဥပလဟ္မတိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၃၇။ \* ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကော ဥပလဟ္မတိတိ ကလျာဏ-  
ပါပကာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကပဋိသံဝေဒိ ဥပလဟ္မတိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ  
ပဋိသံဝေဒိ ဥပလဟ္မတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၃၈။ \* တဿ ပဋိသံဝေဒိ ဥပလဟ္မတိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ တဿေဝ  
နတ္ထိ ဒုက္ခဿ အန္တကိရိယာ၊ နတ္ထိ ဝဇ္ဇုပစ္ဆေဒေါ၊ နတ္ထိ အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၃၉။ \* ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကော ဥပလဟ္မတိတိ ကလျာဏ-  
ပါပကာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကပဋိသံဝေဒိ ဥပလဟ္မတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော  
ဥပလဟ္မတိတိ ပုဂ္ဂလဿ ပဋိသံဝေဒိ ဥပလဟ္မတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၄၀။ \* ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကော ဥပလဟ္မတိတိ ကလျာဏ-  
ပါပကာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကပဋိသံဝေဒိ ဥပလဟ္မတိတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ  
ဥပလဟ္မတိတိ နိဗ္ဗာနဿ ပဋိသံဝေဒိ ဥပလဟ္မတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၄၁။ \* ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကော ဥပလဟ္မတိတိ ကလျာဏ-  
ပါပကာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကပဋိသံဝေဒိ ဥပလဟ္မတိတိ၊ အာမန္တာ။ မဟာပထဝီ  
ဥပလဟ္မတိတိ။ပ။ မဟာသမုဒ္ဒေါ ဥပလဟ္မတိတိ။ သိနေရုပဗ္ဗတရာဇော  
ဥပလဟ္မတိတိ။ အာပေါ ဥပလဟ္မတိတိ။ တေဇော ဥပလဟ္မတိတိ။ ဝါယော  
ဥပလဟ္မတိတိ။ပ။ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတယော ဥပလဟ္မန္တိတိ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ  
ပဋိသံဝေဒိ ဥပလဟ္မတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၁၄၂။ \* ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကော ဥပလဗ္ဘတီတိ ကလျာဏ-  
ပါပကာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဘတီတိ။ အာမန္တာ။ အညော  
ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ဝိပါကော။ အညော ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ  
ဝိပါကပဋိသံဝေဒီတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၄၃။ † ဒိဗ္ဗံ သုခံ ဥပလဗ္ဘတီတိ။ အာမန္တာ။ ဒိဗ္ဗဿ သုခဿ ပဋိသံဝေဒီ  
ဥပလဗ္ဘတီတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၄၄။ \* ဒိဗ္ဗံ သုခံ ဥပလဗ္ဘတီတိ ဒိဗ္ဗဿ သုခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဘတီတိ။  
အာမန္တာ။ တဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဘတီတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၄၅။ \* တဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဘတီတိ။ အာမန္တာ။ တဿ တဿေဝ နတ္ထိ  
ဒုက္ခဿ အန္တကိရိယာ။ နတ္ထိ ဝဇ္ဇုပစ္ဆေဒေါ။ နတ္ထိ အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနန္တိ။ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၄၆။ \* ဒိဗ္ဗံ သုခံ ဥပလဗ္ဘတီတိ ဒိဗ္ဗဿ သုခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဘတီတိ။  
အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဘတီတိ။ ပုဂ္ဂလဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဘတီတိ။  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၄၇။ \* ဒိဗ္ဗံ သုခံ ဥပလဗ္ဘတီတိ ဒိဗ္ဗဿ သုခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဘတီတိ။  
အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ ဥပလဗ္ဘတီတိ နိဗ္ဗာနဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဘတီတိ။ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၄၈။ \* ဒိဗ္ဗံ သုခံ ဥပလဗ္ဘတီတိ ဒိဗ္ဗဿ သုခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဘတီတိ။  
အာမန္တာ။ မဟာပထဝီ ဥပလဗ္ဘတီတိ။ မဟာသမုဒ္ဒေါ ဥပလဗ္ဘတီတိ။ သိနေရာ-  
ပဗ္ဗတရာဇော ဥပလဗ္ဘတီတိ။ အာပေါ ဥပလဗ္ဘတီတိ။ တေဇော ဥပလဗ္ဘတီတိ။  
ဝါယော ဥပလဗ္ဘတီတိ။ ပ။ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတယော ဥပလဗ္ဘန္တီတိ တိဏကဋ္ဌ-  
ဝနပ္ပတိနံ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဘတီတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၄၉။ \* ဒိဗ္ဗံ သုခံ ဥပလဗ္ဘတီတိ ဒိဗ္ဗဿ သုခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဘတီတိ။  
အာမန္တာ။ အညံ ဒိဗ္ဗံ သုခံ အညော ဒိဗ္ဗဿ သုခဿ ပဋိသံဝေဒီတိ။ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၅၀။ † မာနုသကံ သုခံ ဥပလဗ္ဘတီတိ။ အာမန္တာ။ မာနုသကဿ သုခဿ  
ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဘတီတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၅၁။ \* မာနသကံ သုခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ မာနသကဿ သုခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၅၂။ \* တဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ တဿေဝ နတ္ထိ ဒုက္ခဿ အန္တကိရိယာ၊ နတ္ထိ ဝဇ္ဇုပစ္ဆေဒေါ၊ နတ္ထိ အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၅၃။ \* မာနသကံ သုခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ မာနသကဿ သုခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိတိ ပုဂ္ဂလဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၅၄။ \* မာနသကံ သုခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ မာနသကဿ သုခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ ဥပလဗ္ဗတိတိ နိဗ္ဗာနဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၅၅။ \* မာနသကံ သုခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ မာနသကဿ သုခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ မဟာပထဝီ ဥပလဗ္ဗတိတိ။ ပ။ မဟာသမုဒ္ဒေါ ဥပလဗ္ဗတိတိ။ သိနေရူပဗ္ဗတရာဇာ ဥပလဗ္ဗတိတိ။ အာပေါ ဥပလဗ္ဗတိတိ။ တေဇော ဥပလဗ္ဗတိတိ။ ဝါယော ဥပလဗ္ဗတိတိ။ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတယော ဥပလဗ္ဗန္တိတိ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၅၆။ \* မာနသကံ သုခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ မာနသကဿ သုခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ မာနသကံ သုခံ အညော မာနသကဿ သုခဿ ပဋိသံဝေဒီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၅၇။ † အာပါယိကံ ဒုက္ခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ အာပါယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၅၈။ \* အာပါယိကံ ဒုက္ခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ အာပါယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၅၉။ \* တဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ တဿေဝ နတ္ထိ ဒုက္ခဿ အန္တကိရိယာ၊ နတ္ထိ ဝဇ္ဇုပစ္ဆေဒေါ၊ နတ္ထိ အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



၁၆၀။ \* အာပါယိကံ ဒုက္ခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ အာပါယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိတိ ပုဂ္ဂလဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၁၆၁။ \* အာပါယိကံ ဒုက္ခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ အာပါယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ ဥပလဗ္ဗတိတိ နိဗ္ဗာနဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၁၆၂။ \* အာပါယိကံ ဒုက္ခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ အာပါယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ မဟာပထဝီ ဥပလဗ္ဗတိတိ။ပ။ မဟာသမုဒ္ဒေါ ဥပလဗ္ဗတိတိ။ သိနေရူပဗ္ဗတရာဇာ ဥပလဗ္ဗတိတိ။ အာပေါ ဥပလဗ္ဗတိတိ။ တေဇော ဥပလဗ္ဗတိတိ။ ဝါယော ဥပလဗ္ဗတိတိ။ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတယော ဥပလဗ္ဗတိတိ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၁၆၃။ \* အာပါယိကံ ဒုက္ခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ အာပါယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ အာပါယိကံ ဒုက္ခံ၊ အညော အာပါယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၁၆၄။ † နေရယိကံ ဒုက္ခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ နေရယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

နေရယိကံ ဒုက္ခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ နေရယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၁၆၅။ \* တဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ တဿေဝ နတ္ထိ ဒုက္ခဿ အန္တကိရိယာ၊ နတ္ထိ ဝဇ္ဇုပစ္ဆေဒေါ၊ နတ္ထိ အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၁၆၆။ \* နေရယိကံ ဒုက္ခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ နေရယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိတိ ပုဂ္ဂလဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၁၆၇။ \* နေရယိကံ ဒုက္ခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ နေရယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ ဥပလဗ္ဗတိတိ နိဗ္ဗာနဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၁၆၈။ \* နေရယိကံ ဒုက္ခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ နေရယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ မဟာပထဝီ ဥပလဗ္ဗတိတိ။ ပ။ မဟာသမုဒ္ဒေါ ဥပလဗ္ဗတိတိ။ သိနေရုပဗ္ဗတရာဇာ ဥပလဗ္ဗတိတိ။ အာပေါ ဥပလဗ္ဗတိတိ။ တေဇော ဥပလဗ္ဗတိတိ။ ဝါယော ဥပလဗ္ဗတိတိ။ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတယော ဥပလဗ္ဗန္တိတိ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၆၉။ \* နေရယိကံ ဒုက္ခံ ဥပလဗ္ဗတိတိ နေရယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ နေရယိကံ ဒုက္ခံ၊ အညော နေရယိကဿ ဒုက္ခဿ ပဋိသံဝေဒီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၇၀။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗန္တိတိ ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဝိပါကပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ သော ကရောတိ သော ပဋိသံဝေဒေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၇၁။ \* သော ကရောတိ သော ပဋိသံဝေဒေတိတိ၊ အာမန္တာ။ သယံကတံ သုခဒုက္ခန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၇၂။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗန္တိတိ ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဝိပါကပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ အညော ကရောတိ အညော ပဋိသံဝေဒေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၇၃။ \* အညော ကရောတိ အညော ပဋိသံဝေဒေတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရံကတံ သုခဒုက္ခန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၇၄။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗန္တိတိ ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဝိပါကပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ သော စ အညော စ ကရေန္တိ သော စ အညော စ ပဋိသံဝေဒေန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၇၅။ \* သော စ အညော စ ကရေန္တိ သော စ အညော စ ပဋိသံဝေဒေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သယံကတဉ္စ ပရံကတဉ္စ သုခဒုက္ခန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၇၆။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗန္တိတိ ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဝိပါကပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ နေဝ



သော ကရောတိ န သော ပဋိသံဝေဒေတိ န အညော ကရောတိ န အညော ပဋိသံဝေဒေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၇၇။ \* နေဝ သော ကရောတိ န သော ပဋိသံဝေဒေတိ န အညော ကရောတိ န အညော ပဋိသံဝေဒေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အသယံကာရံ အပရံကာရံ အဓိစ္စသမုပ္ပန္နံ သုခဒုက္ခန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၇၈။ \* ကလျာဏပါပကာနိ ကမ္မာနိ ဥပလဗ္ဗန္တိတိ ကလျာဏပါပကာနံ ကမ္မာနံ ကတ္တာ ကာရေတာ ဝိပါကပဋိသံဝေဒီ ဥပလဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ သော ကရောတိ သော ပဋိသံဝေဒေတိ၊ အညော ကရောတိ အညော ပဋိသံဝေဒေတိ သော စ အညော စ ကရောန္တိ သော စ အညော စ ပဋိသံဝေဒေန္တိ နေဝ သော ကရောတိ န သော ပဋိသံဝေဒေတိ န အညော ကရောတိ န အညော ပဋိသံဝေဒေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၇၉။ \* သော ကရောတိ သော ပဋိသံဝေဒေတိ။ အညော ကရောတိ အညော ပဋိသံဝေဒေတိ။ သော စ အညော စ ကရောန္တိ သော စ အညော စ ပဋိသံဝေဒေန္တိ။ နေဝ သော ကရောတိ န သော ပဋိသံဝေဒေတိ။ န အညော ကရောတိ န အညော ပဋိသံဝေဒေတိတိ၊ အာမန္တာ။ သယံကတံ သုခဒုက္ခံ၊ ပရံကတံ သုခဒုက္ခံ၊ သယံကတဉ္စ ပရံကတဉ္စ သုခဒုက္ခံ၊ အသယံကာရံ အပရံကာရံ အဓိစ္စသမုပ္ပန္နံ သုခဒုက္ခန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၈၀။ † ကမ္မံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မကာရကော အတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၈၁။ \* ကမ္မံ အတ္တိတိ ကမ္မကာရကော အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ ကာရကော အတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၈၂။ \* တဿ ကာရကော အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ တဿေဝ နတ္ထိ ဒုက္ခဿ အန္တကိရိယာ၊ နတ္ထိ ဝဇ္ဇုပစ္ဆေဒေါ၊ နတ္ထိ အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁၈၃။ \* ကမ္မံ အတ္တိတိ ကမ္မကာရကော အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော အတ္တိတိ ပုဂ္ဂလဿ ကာရကော အတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

• ၁၈၄။ \* ကမ္မံ အတ္ထိတိ ကမ္မကာရကော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ အတ္ထိတိ နိဗ္ဗာနဿ ကာရကော အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၈၅။ \* ကမ္မံ အတ္ထိတိ ကမ္မကာရကော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ မဟာပထဝီ အတ္ထိတိ။ ပ။ မဟာသမုဒ္ဒေါ အတ္ထိတိ။ သိနေရုပဗ္ဗတရာဇာ အတ္ထိတိ။ အာပေါ အတ္ထိတိ။ တေဇော အတ္ထိတိ။ ဝါယော အတ္ထိတိ။ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတယော အတ္ထိတိ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ ကာရကော အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၈၆။ \* ကမ္မံ အတ္ထိတိ ကမ္မကာရကော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ကမ္မံ၊ အညော ကမ္မကာရကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၈၇။ † ဝိပါကော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိပါကပဋိသံဝေဒီ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၈၈။ \* ဝိပါကော အတ္ထိတိ ဝိပါကပဋိသံဝေဒီ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ ပဋိသံဝေဒီ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၈၉။ \* တဿ ပဋိသံဝေဒီ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ တဿေဝ နတ္ထိ ဒုက္ခဿ အန္တကိရိယာ၊ နတ္ထိ ဝဇ္ဇုပစ္ဆေဒေါ၊ နတ္ထိ အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဝိပါကော အတ္ထိတိ ဝိပါကပဋိသံဝေဒီ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော အတ္ထိတိ ပုဂ္ဂလဿ ပဋိသံဝေဒီ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၉၀။ \* ဝိပါကော အတ္ထိတိ ဝိပါကပဋိသံဝေဒီ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ အတ္ထိတိ နိဗ္ဗာနဿ ပဋိသံဝေဒီ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၉၁။ \* ဝိပါကော အတ္ထိတိ ဝိပါကပဋိသံဝေဒီ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ မဟာပထဝီ အတ္ထိတိ။ ပ။ မဟာသမုဒ္ဒေါ အတ္ထိတိ။ သိနေရုပဗ္ဗတရာဇာ အတ္ထိတိ။ အာပေါ အတ္ထိတိ။ တေဇော အတ္ထိတိ။ ဝါယော အတ္ထိတိ။ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတယော အတ္ထိတိ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ ပဋိသံဝေဒီ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁၉၂။ \* ဝိပါကော အတ္ထိတိ ဝိပါကပဋိသံဝေဒီ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အညော ဝိပါကော၊ အညော ဝိပါကပဋိသံဝေဒီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ။(သံခိတ္တံ။)

ကလျာဏဝဂ္ဂေါ ပဌမော။



## ၁၄-အဘိညာနုယောဂ

၁၉၃။ †န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကောစိ ဣဒ္ဓိံ ဝိကုဗ္ဗတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကောစိ ဣဒ္ဓိံ ဝိကုဗ္ဗတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-ပရမတ္ထေနာ”တိ။

၁၉၄။ †န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကောစိ ဒိဗ္ဗာယ သောတဓာတုယာ သဒ္ဓိံ သုဏာတိ။ ပ။ ပရစိတ္တံ ဝိဇာနာတိ။ ပုဗ္ဗေနိဝါသံ အနုဿရတိ။ ဒိဗ္ဗေန စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ။ အာသဝါနံ ခယံ သစ္စိကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကောစိ အာသဝါနံ ခယံ သစ္စိကရောတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၁၉၅။ \* အတ္ထိ ကောစိ ဣဒ္ဓိံ ဝိကုဗ္ဗတိတိ ကတွာ တေန စ ကာရဏေန ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ယော ဣဒ္ဓိံ ဝိကုဗ္ဗတိ၊ သွေဝ ပုဂ္ဂလော။ ယော ဣဒ္ဓိံ န ဝိကုဗ္ဗတိ၊ န သော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၁၉၆။ \* ယော ဒိဗ္ဗာယ သောတဓာတုယာ သဒ္ဓိံ သုဏာတိ။ ပ။ ယော ပရစိတ္တံ ဝိဇာနာတိ။ ယော ပုဗ္ဗေနိဝါသံ အနုဿရတိ။ ယော ဒိဗ္ဗေန စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ။ ယော အာသဝါနံ ခယံ သစ္စိကရောတိ၊ သွေဝ ပုဂ္ဂလော။ ယော အာသဝါနံ ခယံ န သစ္စိကရောတိ၊ န သော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

အဘိညာနုယောဂေါ။

## ၁၅-၁၈-ဥာတကာနုယောဂါဒိ

၁၉၇။ †န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန မာတာ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ မာတာ အတ္ထိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၁၉၈။ †န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ပိတာ အတ္ထိ။ ပ။ ဘာတာ အတ္ထိ။ ဘဂိနိ အတ္ထိ။ ခတ္ထိယော

အံတ္ထိ။ မြာဟ္မဏော အတ္ထိ။ ဝေဿော အတ္ထိ။ သုဒ္ဓေါ အတ္ထိ။ ဂဟဋ္ဌော အတ္ထိ။ ပဗ္ဗဇိတော အတ္ထိ။ ဒေဝေါ အတ္ထိ။ မနုဿော အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ ဟန္တိ မနုဿော အတ္ထိ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌ-ပရမတ္ထေနာ”တိ။

၁၉၉။ \* မာတာ အတ္ထိတိ ကတွာ တေန စ ကာရဏေန ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ န မာတာ ဟုတွာ မာတာ ဟောတိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ န ပုဂ္ဂလော ဟုတွာ ပုဂ္ဂလော ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အတ္ထိ ကောစိ န ဝိတာ ဟုတွာ။ ပ။ န ဘာတာ ဟုတွာ။ န ဘဂိနိ ဟုတွာ။ န ခတ္ထိယော ဟုတွာ။ န မြာဟ္မဏော ဟုတွာ။ န ဝေဿော ဟုတွာ။ န သုဒ္ဓေါ ဟုတွာ။ န ဂဟဋ္ဌော ဟုတွာ။ န ပဗ္ဗဇိတော ဟုတွာ။ န ဒေဝေါ ဟုတွာ။ န မနုဿော ဟုတွာ မနုဿော ဟောတိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ န ပုဂ္ဂလော ဟုတွာ ပုဂ္ဂလော ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၂၀၀။ \* မာတာ အတ္ထိတိ ကတွာ တေန စ ကာရဏေန ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ မာတာ ဟုတွာ န မာတာ ဟောတိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ ပုဂ္ဂလော ဟုတွာ န ပုဂ္ဂလော ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

အတ္ထိ ကောစိ ဝိတာ ဟုတွာ။ ဘာတာ ဟုတွာ။ ဘဂိနိ ဟုတွာ။ ခတ္ထိယော ဟုတွာ။ မြာဟ္မဏော ဟုတွာ။ ဝေဿော ဟုတွာ။ သုဒ္ဓေါ ဟုတွာ။ ဂဟဋ္ဌော ဟုတွာ။ ပဗ္ဗဇိတော ဟုတွာ။ ဒေဝေါ ဟုတွာ။ မနုဿော ဟုတွာ န မနုဿော ဟောတိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ ပုဂ္ဂလော ဟုတွာ န ပုဂ္ဂလော ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

### ၁၉-ပဋိဝေဓာနယောဂ

၂၀၁။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ အာမန္တာ။ နနု သောတာပန္နော အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ ဟန္တိ သောတာပန္နော အတ္ထိ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၂၀၂။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ အာမန္တာ။ နနု သကဒါဂါမီ အတ္ထိ။ ပ။ အနာဂါမီ အတ္ထိ။ အရဟာ အတ္ထိ။ ဥဘတောဘာဂိမုတ္တာ အတ္ထိ။ ပညာဝိမုတ္တာ အတ္ထိ။ ကာယသင်္ကံ အတ္ထိ။



ဒိဋ္ဌိပ္ပတ္တော အတ္ထိ။ သဒ္ဓါဝိမုတ္တော အတ္ထိ။ ဓမ္မာနုသာရိ အတ္ထိ။ သဒ္ဓါနုသာရိ အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ ဟန္တိ သဒ္ဓါနုသာရိ အတ္ထိ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၂၀၃။ \* သောတာပန္နော အတ္ထိတိ ကတွာ တေန စ ကာရဏေန ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ န သောတာပန္နော ဟုတွာ သောတာပန္နော ဟောတိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ န ပုဂ္ဂလော ဟုတွာ ပုဂ္ဂလော ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၂၀၄။ \* အတ္ထိ ကောစိ န သကဒါဂါမီ ဟုတွာ။ န အနာဂါမီ ဟုတွာ။ န အရဟတာ ဟုတွာ။ န ဥဘတောဘာဂဝိမုတ္တော ဟုတွာ။ န ပညာဝိမုတ္တော ဟုတွာ။ န ကာယသင်္ခါ ဟုတွာ။ န ဒိဋ္ဌိပ္ပတ္တော ဟုတွာ။ န သဒ္ဓါဝိမုတ္တော ဟုတွာ။ န ဓမ္မာနုသာရိ ဟုတွာ။ န သဒ္ဓါနုသာရိ ဟုတွာ သဒ္ဓါနုသာရိ ဟောတိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ န ပုဂ္ဂလော ဟုတွာ ပုဂ္ဂလော ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၂၀၅။ \* သောတာပန္နော အတ္ထိတိ ကတွာ တေန စ ကာရဏေန ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ သောတာပန္နော ဟုတွာ န သောတာပန္နော ဟောတိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ ပုဂ္ဂလော ဟုတွာ န ပုဂ္ဂလော ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

အတ္ထိ ကောစိ သကဒါဂါမီ ဟုတွာ။ အနာဂါမီ ဟုတွာ န အနာဂါမီ ဟောတိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ ပုဂ္ဂလော ဟုတွာ န ပုဂ္ဂလော ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

### ၂၀-သံဃာနုယောဂ

၂၀၆။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ အာမန္တာ။ နန စတ္တာရော ပုရိသယုဂါ အဋ္ဌ ပုရိသပုဂ္ဂလာ အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ ဟန္တိ စတ္တာရော ပုရိသယုဂါ အဋ္ဌ ပုရိသပုဂ္ဂလာ အတ္ထိ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၂၀၇။ \* စတ္တာရော ပုရိသယုဂါ အဋ္ဌ ပုရိသပုဂ္ဂလာ အတ္ထိတိ ကတွာ တေန စ ကာရဏေန ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။ အာမန္တာ။

စတ္တာရော ပုရိသယုဂါ အဋ္ဌ ပုရိသပုဂ္ဂလာ ဗုဒ္ဓပါတုဘာဝါ ပါတုဘဝန္တိတိ၊  
အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော ဗုဒ္ဓပါတုဘာဝါ ပါတုဘဝတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ပုဂ္ဂလော ဗုဒ္ဓပါတုဘာဝါ ပါတုဘဝတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော  
ပရိနိဗ္ဗုတေ ဥစ္ဆိန္နော ပုဂ္ဂလော၊ နတ္ထိ ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

### ၂၁-သစ္စိကဋ္ဌသဘာဝါနုယောဂ

၂၀၈။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။  
ပုဂ္ဂလော သင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပုဂ္ဂလော အသင်္ခတောတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပုဂ္ဂလော နေဝ သင်္ခတော နာသင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၀၉။ \* ပုဂ္ဂလော နေဝ သင်္ခတော နာသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ သင်္ခတဉ္စ  
အသင်္ခတဉ္စ ဌပေတွာ အတ္တညာ တတိယာ ကောဋီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၂၁၀။ \* သင်္ခတဉ္စ အသင်္ခတဉ္စ ဌပေတွာ အတ္တညာ တတိယာ ကောဋီတိ၊  
အာမန္တာ။ နနု ပုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဒွေမာ ဘိက္ခဝေ ဓာတုယော။ ကတမာ ဒွေ၊  
သင်္ခတာ စ ဓာတု အသင်္ခတာ စ ဓာတု။ ဣမာ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဒွေ  
ဓာတုယော”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ  
“သင်္ခတဉ္စ အသင်္ခတဉ္စ ဌပေတွာ အတ္တညာ တတိယာ ကောဋီ”တိ။

၂၁၁။ \* ပုဂ္ဂလော နေဝ သင်္ခတော နာသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ  
သင်္ခတံ၊ အညံ အသင်္ခတံ၊ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၂၁၂။ \* ခန္ဓာ သင်္ခတာ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတံ၊ ပုဂ္ဂလော နေဝ သင်္ခတော  
နာသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ အညော ခန္ဓာ၊ အညံ နိဗ္ဗာနံ၊ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၂၁၃။ \* ရူပံ သင်္ခတံ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတံ၊ ပုဂ္ဂလော နေဝ သင်္ခတော နာသင်္ခ-  
တောတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ရူပံ၊ အညံ နိဗ္ဗာနံ၊ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ဝေဒနာ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏံ သင်္ခတံ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတံ၊  
ပုဂ္ဂလော နေဝ သင်္ခတော နာသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ အညံ ဝိညာဏံ၊  
အညံ နိဗ္ဗာနံ၊ အညော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၂၁၄။ \* ပုဂ္ဂလဿ ဥပ္ပါဒေါ ပညာယတိ၊ ဝယော ပညာယတိ၊ ဌိတဿ အညထတ္တံ ပညာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော သင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “တိဏိမာနိ ဘိက္ခဝေ သင်္ခတဿ သင်္ခတလက္ခဏာနိ၊ သင်္ခတာနံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာနံ” ဥပ္ပါဒေါ ပညာယတိ၊ ဝယော ပညာယတိ၊ ဌိတာနံ အညထတ္တံ ပညာယတိ”တိ၊ ပုဂ္ဂလဿ ဥပ္ပါဒေါ ပညာယတိ၊ ဝယော ပညာယတိ၊ ဌိတဿ အညထတ္တံ ပညာယတိ၊ တေန ဟိ ပုဂ္ဂလော သင်္ခတောတိ။

၂၁၅။ \* ပုဂ္ဂလဿ န ဥပ္ပါဒေါ ပညာယတိ၊ န ဝယော ပညာယတိ၊ န ဌိတဿ အညထတ္တံ ပညာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလော အသင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “တိဏိမာနိ ဘိက္ခဝေ အသင်္ခတဿ အသင်္ခတလက္ခဏာနိ၊ အသင်္ခတာနံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာနံ န ဥပ္ပါဒေါ ပညာယတိ၊ န ဝယော ပညာယတိ၊ န ဌိတာနံ အညထတ္တံ ပညာယတိ”တိ၊ ပုဂ္ဂလဿ န ဥပ္ပါဒေါ ပညာယတိ၊ န ဝယော ပညာယတိ၊ န ဌိတဿ အညထတ္တံ ပညာယတိ၊ တေန ဟိ ပုဂ္ဂလော အသင်္ခတောတိ။

၂၁၆။ \* ပရိနိဗ္ဗုတော ပုဂ္ဂလော အတ္တတ္ထမိ၊ နတ္တတ္ထမိတိ၊ အတ္တတ္ထမိတိ။ ပရိနိဗ္ဗုတော ပုဂ္ဂလော သဿတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နတ္တတ္ထမိတိ။ ပရိနိဗ္ဗုတော ပုဂ္ဂလော ဥစ္ဆိန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၂၁၇။ \* ပုဂ္ဂလော ကိံ နိဿာယ တိဋ္ဌတိတိ၊ ဘဝံ နိဿာယ တိဋ္ဌတိတိ။ ဘဝေါ အနိစ္စော သင်္ခတော ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နော ခယဓမ္မော ဝယဓမ္မော ဝိရာဂဓမ္မော နိရောဓဓမ္မော ဝိပရိဏာမဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဂ္ဂလောပိ အနိစ္စော သင်္ခတော ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နော ခယဓမ္မော ဝယဓမ္မော ဝိရာဂဓမ္မော နိရောဓဓမ္မော ဝိပရိဏာမဓမ္မောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၂၁၈။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဘတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကောစိ သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော “သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယာမိ”တိ ပဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကောစိ သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော “သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယာမိ”တိ ပဇာနာတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဘတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။



၂၁၉။ †န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကောစိ ဒုက္ခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော။ပ။ အဒုက္ခမသုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော “အဒုက္ခမသုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယာမိ”တိ ပဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကောစိ အဒုက္ခမသုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော “အဒုက္ခမသုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယာမိ”တိ ပဇာနာတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၂၂၀။ \*အတ္ထိ ကောစိ သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော “သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယာမိ”တိ ပဇာနာတိတိ ကတွာ တေန စ ကာရဏေန ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ယော သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော “သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယာမိ”တိ ပဇာနာတိ၊ သွေဝ ပုဂ္ဂလော။ ယော သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော “သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယာမိ”တိ န ပဇာနာတိ၊ န သော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

ယော ဒုက္ခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော။ပ။ ယော အဒုက္ခမသုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော “အဒုက္ခမသုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယာမိ”တိ ပဇာနာတိ၊ သွေဝ ပုဂ္ဂလော။\*ယော အဒုက္ခမသုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော “အဒုက္ခမသုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယာမိ”တိ န ပဇာနာတိ၊ န သော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၂၂၁။ \*အတ္ထိ ကောစိ သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော “သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယာမိ”တိ ပဇာနာတိတိ ကတွာ တေန စ ကာရဏေန ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ အညာ သုခါဝေဒနာ၊ အညော သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော “သုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယာမိ”တိ ပဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အညာ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ။ပ။ အညာ အဒုက္ခမသုခါ ဝေဒနာ၊ အညော အဒုက္ခမသုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယမာနော “အဒုက္ခမသုခံ ဝေဒနံ ဝေဒိယာမိ”တိ ပဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၂၂၂။ †န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကောစိ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကောစိ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၂၂၃။ †န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကောစိ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ



ဝိဟရတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကောစိ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၂၂၄။ \* အတ္ထိ ကောစိ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိတိ ကတွာ တေန စ ကာရဏေန ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ယော ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ၊ သွေဝ ပုဂ္ဂလော။ ယော န ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ၊ န သော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

ယော ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ၊ သွေဝ ပုဂ္ဂလော။ ယော န ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ၊ န သော ပုဂ္ဂလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၂၂၅။ \* အတ္ထိ ကောစိ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိတိ ကတွာ တေန စ ကာရဏေန ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ အညော ကာယော၊ အညော ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အညော ဝေဒနာ။ အညံ စိတ္တံ။ အညေ ဓမ္မာ၊ အညော ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၂၂၆။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“သုညတော လောကံ အဝေက္ခဿု၊ မောဃရာဇ သဒါ သတော။  
အတ္တာနုဒိဋ္ဌိံ ဂြဟစ္စံ၊ ဧဝံ မစ္စုတရော သိယာ။  
ဧဝံ လောကံ အဝေက္ခန္တိ၊ မစ္စုရာဇာ န ပဿတိ”တိ ၂။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၂၂၇။ \* ပုဂ္ဂလော အဝေက္ခတိတိ၊ အာမန္တာ။ သဟ ရူပေန အဝေက္ခတိ၊ ဝိနာ ရူပေန အဝေက္ခတိတိ၊ သဟ ရူပေန အဝေက္ခတိတိ။ တံ ဇီဝံ တံ သရီရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဝိနာ ရူပေန အဝေက္ခတိတိ။ အညံ ဇီဝံ အညံ သရီရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



၂၂၀။ \*ပုဂ္ဂလော အဝေက္ခတိတိ၊ အာမန္တာ။ အပ္ပန္နရဂတော အဝေက္ခတိ၊ ဗဟိဒ္ဓါ နိက္ခမိတွာ အဝေက္ခတိတိ၊ အပ္ပန္နရဂတော အဝေက္ခတိတိ။ တံ ဇီဝံ တံ သရီရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဗဟိဒ္ဓါ နိက္ခမိတွာ အဝေက္ခတိတိ။ အညံ ဇီဝံ အညံ သရီရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၂၂၉။ †န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါ သစ္စဝါဒိ ကာလဝါဒိ ဘူတဝါဒိ တထဝါဒိ အဝိတထဝါဒိ အနညထဝါဒိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။

၂၃၀။ †န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါ သစ္စဝါဒိ ကာလဝါဒိ ဘူတဝါဒိ တထဝါဒိ အဝိတထဝါဒိ အနညထဝါဒိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဧကပုဂ္ဂလော ဘိက္ခဝေ လောကေ ဥပ္ပဇ္ဇမာနော ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဗဟုဇနဟိတာယ ဗဟုဇနသုခါယ လောကာနုကမ္မာယ အတ္တာယ ဗဟိတာယ သုခါယ ဒေဝမနုဿာန”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ။

၂၃၁။ \*ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါ သစ္စဝါဒိ ကာလဝါဒိ ဘူတဝါဒိ တထဝါဒိ အဝိတထဝါဒိ အနညထဝါဒိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သဗ္ဗေ ဓမ္မာ အနတ္တာ”တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၂၃၂။ \*ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါ သစ္စဝါဒိ ကာလဝါဒိ ဘူတဝါဒိ တထဝါဒိ အဝိတထဝါဒိ အနညထဝါဒိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဒုက္ခမေဝ ဥပ္ပဇ္ဇမာနံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဒုက္ခမေဝ နိရုဇ္ဈမာနံ နိရုဇ္ဈတိတိ န ကင်္ခတိ န ဝိစိကိစ္ဆတိ၊ အပရပ္ပစ္စယညာဏမေဝဿ ဧတ္ထ ဟောတိ။ ဧတ္တာဝတာ ခေါ ကစ္စာန သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဟောတိ”တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။



၂၃၃။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝဇိရာ ဘိက္ခုနီ မာရံ ပါပိမန္တံ တေဒဝေါစ—

“ကိန္နု သတ္တောတိ ပစ္စေသိ၊ မာရ ဒိဋ္ဌိဂတံ န တေ။  
သုဒ္ဓသင်္ခါရပုဇ္ဇောယံ၊ နယိမ သတ္တုပလဗ္ဗတိ။

ယထာ ဟိ<sup>၁</sup> အင်္ဂသမ္ဘာရာ၊ ဟောတိ သဒ္ဓေါ ‘ရထော’ ဣတိ။  
ဧဝံ ခန္ဓေသု သန္ဓေသု၊ ဟောတိ ‘သတ္တော’တိ သမ္မုတိ<sup>၂</sup>။

ဒုက္ခမေဝ ဟိ သမ္ဘောတိ၊ ဒုက္ခံ တိဋ္ဌတိ ဝေတိ စ။  
နာညတြိ ဒုက္ခာ သမ္ဘောတိ၊ နာညံ ဒုက္ခာ နိရုဇ္ဈတိ”တိ<sup>၃</sup>။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၂၃၄။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ နန အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—သုညော လောကော သုညော လောကောတိ ဘန္ဓေ ဝုစ္စတိ၊ ကိတ္တာဝတာ န ခေါ ဘန္ဓေ “သုညော လောကော”တိ ဝုစ္စတိတိ။ ယသ္မာ ခေါ အာနန္ဒ သုညံ အတ္တေန ဝါ အတ္တနိယေန ဝါ၊ တသ္မာ “သုညော လောကော”တိ ဝုစ္စတိ။ ကိဉ္ဇာနန္ဒ သုညံ အတ္တေန ဝါ အတ္တနိယေန ဝါ၊ စက္ခု ခေါ အာနန္ဒ သုညံ အတ္တေန ဝါ အတ္တနိယေန ဝါ၊ ရူပါ သုညာ။ပ။ စက္ခုဝိညာဏံ သုညံ။ စက္ခုသမ္ပယော သုညော။ ယမ္ပိဒံ စက္ခုသမ္ပယပ္ပယော ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဝေဒယိတံ သုခံ ဝါ ဒုက္ခံ ဝါ အဒုက္ခမသုခံ ဝါ၊ တမ္ပိ သုညံ အတ္တေန ဝါ အတ္တနိယေန ဝါ။ သောတံ သုညံ။ပ။ သဒ္ဓါ သုညာ။ ဃာနံ သုညံ။ ဂန္ဓာ သုညာ။ ဇိဝှါ သုညာ။ ရသာ သုညာ။ ကာယော သုညော။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာ သုညာ။ မနော သုညော။ ဓမ္မာ သုညာ။ မနောဝိညာဏံ သုညံ။ မနောသမ္ပယော သုညော။ ယမ္ပိဒံ မနောသမ္ပယပ္ပယော ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဝေဒယိတံ သုခံ ဝါ ဒုက္ခံ ဝါ အဒုက္ခမသုခံ ဝါ၊ တမ္ပိ သုညံ အတ္တေန ဝါ အတ္တနိယေန ဝါ။ ယသ္မာ ခေါ အာနန္ဒ သုညံ အတ္တေန ဝါ အတ္တနိယေန ဝါ၊ တသ္မာ “သုညော လောကော”တိ ဝုစ္စတိတိ<sup>၄</sup>၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။



၂၃၅။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါ သစ္စဝါဒီ ကာလဝါဒီ ဘူတဝါဒီ တထဝါဒီ အဝိတထဝါဒီ အနညထဝါဒီတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္တနိ ဝါ ဘိက္ခဝေ သတိ ‘အတ္တနိယံ မေ’တိ အဿာတိ၊ ဧဝံ ဘန္တေ။ အတ္တနိယေ ဝါ ဘိက္ခဝေ သတိ ‘အတ္တာ မေ’တိ အဿာတိ၊ ဧဝံ ဘန္တေ။ အတ္တနိ ၈ ဘိက္ခဝေ အတ္တနိယေ ၈ သစ္စတော ထေတတော အနုပလဗ္ဗိယမာနေ<sup>၁</sup> ယမ္ဗိဒံ၊<sup>၂</sup> ဒိဋ္ဌိဌာနံ သော လောကော သော အတ္တာ သော ပေစ္စ ဘဝိဿာမိ နိစ္စော ဓုဝေါ သဿတော အဝိပရိဏာမဓမ္မော သဿတိသမံ တထေဝ ဌဿာမီတိ၊ နန္ဒာယံ ဘိက္ခဝေ ကေဝလော ပရိပူရော ဗာလဓမ္မောတိ။ ကိဉ္စိ နော သိယာ ဘန္တေ၊ ကေဝလော ဟိ ဘန္တေ ပရိပူရော ဗာလဓမ္မော”တိ? အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၂၃၆။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါ သစ္စဝါဒီ ကာလဝါဒီ ဘူတဝါဒီ တထဝါဒီ အဝိတထဝါဒီ အနညထဝါဒီတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “တယောမေ သေနိယ သတ္တာရော သန္တော သံဝိဇ္ဇမာနံ<sup>၁</sup> လောကသ္မိံ။ ကတမေ တယော၊ ဣမ သေနိယ ဧကစ္စော သတ္တာ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ အတ္တာနံ သစ္စတော ထေတတော ပညာပေတိ၊ အဘိသမ္ပရာယဉ္စ အတ္တာနံ သစ္စတော ထေတတော ပညာပေတိ။

ဣမ ပန သေနိယ ဧကစ္စော သတ္တာ ဒိဋ္ဌေဝ ဟိ ခေါ ဓမ္မေ အတ္တာနံ သစ္စတော ထေတတော ပညာပေတိ၊ နော ၈ ခေါ အဘိသမ္ပရာယံ အတ္တာနံ သစ္စတော ထေတတော ပညာပေတိ။

ဣမ ပန သေနိယ ဧကစ္စော သတ္တာ ဒိဋ္ဌေဝ စေဝ ဓမ္မေ အတ္တာနံ သစ္စတော ထေတတော န ပညာပေတိ၊ အဘိသမ္ပရာယဉ္စ အတ္တာနံ သစ္စတော ထေတတော န ပညာပေတိ။

တတြ သေနိယ ယွာယံ သတ္တာ ဒိဋ္ဌေဝ စေဝ ဓမ္မေ အတ္တာနံ သစ္စတော ထေတတော ပညာပေတိ၊ အဘိသမ္ပရာယဉ္စ အတ္တာနံ သစ္စတော ထေတတော ပညာပေတိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ သေနိယ သတ္တာ သဿတဝါဒေါ။

၁-အနုပလဗ္ဗမာနေ (မ ၁-၁၉၁ ပိဋ္ဌေ။)

၂-ယမ္ဗိဒံ (သျှာ) ယမ္ဗိတံ (မ ၁-၁၉၁ ပိဋ္ဌေ။)

၃-မ ၁-၁၉၁ ပိဋ္ဌေ။



တတြ သေနိယ ယွာယံ သတ္တာ ဒိဋ္ဌေ ဟိ ခေါ ဓမ္မေ အတ္တာနံ သစ္စတော ထေတတော ပညာပေတိ၊ နော စ ခေါ အဘိသမ္ပရာယံ အတ္တာနံ သစ္စတော ထေတတော ပညာပေတိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ သေနိယ သတ္တာ ဥစ္ဆေဒဝါဒေါ။

တတြ သေနိယ ယွာယံ သတ္တာ ဒိဋ္ဌေ စေဝ ဓမ္မေ အတ္တာနံ သစ္စတော ထေတတော န ပညာပေတိ၊ အဘိသမ္ပရာယဉ္စ အတ္တာနံ သစ္စတော ထေတတော န ပညာပေတိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ သေနိယ သတ္တာ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ။ ဣမေ ခေါ သေနိယ တယော သတ္တာရော သန္တော သံဝိဇ္ဇမာနာ လောကသ္မိန္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တော”တိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၂၃၇။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါသစ္စဝါဒီ ကာလဝါဒီ ဘူတဝါဒီ တထဝါဒီ အဝိတထဝါဒီ အနညထဝါဒီတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သပ္ပိကုမ္ဘော”တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ သပ္ပိဿ ကုမ္ဘံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။

၂၃၈။ \* ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါ သစ္စဝါဒီ ကာလဝါဒီ ဘူတဝါဒီ တထဝါဒီ အဝိတထဝါဒီ အနညထဝါဒီတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “တေလကုမ္ဘော။ မရကုမ္ဘော။ ဖာဏိတကုမ္ဘော။ ဒီရကုမ္ဘော။ ဥဒကကုမ္ဘော။ ပါနိယထာလကံ။ ပါနိယကောသကံ။ ပါနိယသရာဝကံ။ နိစ္စဘတ္တံ။ ဓုဝယာဂူ”တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကာစိ ယာဂု နိစ္စာ ဓုဝါ သဿတာ အဝိပရိဏာမဓမ္မာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပုဂ္ဂလော ဥပလဗ္ဗတိ သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာ”တိ။ ။ (သံဒိတ္တံ။)

အဋ္ဌကနိဂ္ဂဟပေယျာလာ၊ သန္ဓာဝနိယာ ဥပါဒါယ။

စိတ္တေန ပဉ္စမံ ကလျာဏံ၊ ဣဒ္ဓိသုတ္တာဟရဏေန အဋ္ဌမံ။

ပုဂ္ဂလကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၂-ပရိဟာနိကဏ္ဍ

### ၁-ဝါဒယုတ္တိပရိဟာနိ

၂၃၉။ \* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗတ္ထ အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ သဗ္ဗတ္ထ အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗတ္ထ အရဟတော ပရိဟာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗဒါ အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ သဗ္ဗဒါ အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗဒါ အရဟတော ပရိဟာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေဝ အရဟန္တာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ သဗ္ဗေဝ အရဟန္တာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗသံယေဝ အရဟန္တာနံ ပရိဟာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယမာနော စတူဟိ ဖလေဟိ ပရိဟာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

† စတူဟိ သတသဟဿေဟိ သေဋ္ဌိ သေဋ္ဌိတ္တံ ကာရေန္တာ သတသဟဿေ ပရိဟိနေ သေဋ္ဌိတ္တာ ပရိဟိနော ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗသာပတေယျာ ပရိဟိနော ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* စတူဟိ သတသဟဿေဟိ သေဋ္ဌိ သေဋ္ဌိတ္တံ ကာရေန္တာ သတသဟဿေ ပရိဟိနေ ဘဗ္ဗေ သဗ္ဗသာပတေယျာ ပရိဟာယိတုန္တိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယမာနော ဘဗ္ဗေ စတူဟိ ဖလေဟိ ပရိဟာယိတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

### ၂-အရိယပုဂ္ဂလသံသန္တနပရိဟာနိ

၂၄၀။ \* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။



\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* န ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ န ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* န ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ န ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* န ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ န ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* န ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ န ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* န ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ န ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* န ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ န ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၂၄၁။ \* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယမာနော ကတ္ထ သဏ္ဌာတိတိ၊ အနာဂါမိဖလေတိ။ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာ ပရိဟာယမာနော ကတ္ထ သဏ္ဌာတိတိ၊ သကဒါဂါမိဖလေတိ။ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာ ပရိဟာယမာနော ကတ္ထ သဏ္ဌာတိတိ၊ သောတာပတ္တိဖလေတိ။ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာ ပရိဟာယမာနော ပုထုဇ္ဇနဘူမိယံ သဏ္ဌာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။



‘အာဇာနည်ဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယမာနော အနာဂါမိဖလေ သဏ္ဌာတိ၊ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာ ပရိဟာယမာနော သကဒါဂါမိဖလေ သဏ္ဌာတိ၊ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာ ပရိဟာယမာနော သောတာပတ္တိဖလေ သဏ္ဌာတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာ ပရိဟာယမာနော ပုထုဇ္ဇနဘူမိယံ သဏ္ဌာတိ”တိ။

\*အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယမာနော သောတာပတ္တိဖလေ သဏ္ဌာတိတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပတ္တိဖလဿ အနန္တရာ အရဟတ္တိယေဝ သစ္စိကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၂၄၂။ \* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကဿ ဗဟုတရာ ကိလေသာ ပဟိနာ အရဟတော ဝါ သောတာပန္နဿ ဝါတိ၊ အရဟတော။ ဟန္တိ အရဟတော ဗဟုတရာ ကိလေသာ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာ”တိ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကဿ ဗဟုတရာ ကိလေသာ ပဟိနာ အရဟတော ဝါ သကဒါဂါမိဿ ဝါတိ၊ အရဟတော။ ဟန္တိ အရဟတော ဗဟုတရာ ကိလေသာ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာ”တိ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကဿ ဗဟုတရာ ကိလေသာ ပဟိနာ အရဟတော ဝါ အနာဂါမိဿ ဝါတိ၊ အရဟတော။ ဟန္တိ အရဟတော ဗဟုတရာ ကိလေသာ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာ”တိ။

၂၄၃။ \* ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကဿ ဗဟုတရာ ကိလေသာ ပဟိနာ အနာဂါမိဿ ဝါ သောတာပန္နဿ ဝါတိ၊ အနာဂါမိဿ။ ဟန္တိ အနာဂါမိဿ ဗဟုတရာ ကိလေသာ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာ”တိ။



~~၂၄၃။~~ \* ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ကဿ ဗဟုတရာ ကိလေသာ ပဟိနာ အနာဂါမိဿ ဝါ သကဒါဂါမိဿ ဝါတိ၊ အနာဂါမိဿ။ ဟဉ္စိ အနာဂါမိဿ ဗဟုတရာ ကိလေသာ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာ”တိ။

\* ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ကဿ ဗဟုတရာ ကိလေသာ ပဟိနာ သကဒါဂါမိဿ ဝါ သောတာပန္နဿ ဝါတိ၊ သကဒါဂါမိဿ။ ဟဉ္စိ သကဒါဂါမိဿ ဗဟုတရာ ကိလေသာ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာ”တိ။

၂၄၄။ \* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ကဿ အဓိမတ္တာ မဂ္ဂဘာဝနာ အရဟတော ဝါ သောတာပန္နဿ ဝါတိ၊ အရဟတော။ ဟဉ္စိ အရဟတော အဓိမတ္တာ မဂ္ဂဘာဝနာ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာ”တိ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ကဿ အဓိမတ္တာ သတိပဋ္ဌာနဘာဝနာ။ ပ။ သမ္ပပ္ပဓာနဘာဝနာ။ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာ။ ဣန္ဒြိယဘာဝနာ။ ဗလဘာဝနာ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂဘာဝနာ အရဟတော ဝါ သောတာပန္နဿ ဝါတိ၊ အရဟတော။ ဟဉ္စိ အရဟတော အဓိမတ္တာ ဗောဇ္ဈင်္ဂဘာဝနာ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာ”တိ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ကဿ အဓိမတ္တာ မဂ္ဂဘာဝနာ။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂဘာဝနာ အရဟတော ဝါ သကဒါဂါမိဿ ဝါတိ၊ အရဟတော။ ဟဉ္စိ အရဟတော အဓိမတ္တာ ဗောဇ္ဈင်္ဂဘာဝနာ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာ”တိ။



• \* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကဿ အဓိမတ္တာ မဂ္ဂဘာဝနာ။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂဘာဝနာ အရဟတော ဝါ အနာဂါမိဿ ဝါတိ၊ အရဟတော။ ဟဉ္စိ အရဟတော အဓိမတ္တာ ဗောဇ္ဈင်္ဂဘာဝနာ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာ”တိ။

၂၄၅။ \* ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကဿ အဓိမတ္တာ မဂ္ဂဘာဝနာ။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂဘာဝနာ အနာဂါမိဿ ဝါ သောတာပန္နဿ ဝါတိ၊ အနာဂါမိဿ။ ဟဉ္စိ အနာဂါမိဿ အဓိမတ္တာ ဗောဇ္ဈင်္ဂဘာဝနာ၊ ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာ”တိ။

\* ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကဿ အဓိမတ္တာ မဂ္ဂဘာဝနာ။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂဘာဝနာ အနာဂါမိဿ ဝါ သကဒါဂါမိဿ ဝါတိ၊ အနာဂါမိဿ။ ဟဉ္စိ အနာဂါမိဿ အဓိမတ္တာ ဗောဇ္ဈင်္ဂဘာဝနာ၊ ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာ”တိ။

၂၄၆။ \* ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကဿ အဓိမတ္တာ မဂ္ဂဘာဝနာ။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂဘာဝနာ သကဒါဂါမိဿ ဝါ သောတာပန္နဿ ဝါတိ၊ သကဒါဂါမိဿ။ ဟဉ္စိ သကဒါဂါမိဿ အဓိမတ္တာ ဗောဇ္ဈင်္ဂဘာဝနာ၊ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာ”တိ။ပ။

၂၄၇။ \* အရဟတာ ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌံ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နေန ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌံ၊ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတာ သမုဒယော ဒိဋ္ဌော၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နေန သမုဒယော ဒိဋ္ဌော၊ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



\* အရဟတာ နိရောဓော ဒိဋ္ဌော၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နေန နိရောဓော ဒိဋ္ဌော၊ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတာ မဂ္ဂေါ ဒိဋ္ဌော၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နေန မဂ္ဂေါ ဒိဋ္ဌော၊ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတာ စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နေန စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတာ ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌံ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိနာ ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌံ၊ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမီ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတာ သမုဒယော ဒိဋ္ဌော။ပ။ နိရောဓော ဒိဋ္ဌော။ပ။ မဂ္ဂေါ ဒိဋ္ဌော။ပ။ စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိနာ စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမီ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတာ ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌံ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိနာ ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌံ၊ ပရိဟာယတိ အနာဂါမီ အနာဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတာ သမုဒယော ဒိဋ္ဌော။ပ။ နိရောဓော ဒိဋ္ဌော။ပ။ မဂ္ဂေါ ဒိဋ္ဌော။ပ။ စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိနာ စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ ပရိဟာယတိ အနာဂါမီ အနာဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၂၄၈။ \* အနာဂါမိနာ ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌံ၊ ပရိဟာယတိ အနာဂါမီ အနာဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နေန ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌံ၊ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂါမိနာ သမုဒယော ဒိဋ္ဌော။ပ။ နိရောဓော ဒိဋ္ဌော။ပ။ မဂ္ဂေါ ဒိဋ္ဌော။ပ။ စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ ပရိဟာယတိ အနာဂါမီ အနာဂါမိဖလာတိ၊







\* သောတာပန္နေန ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌိ။ပ။ စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ န ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိနာ ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌိ။ပ။ စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ န ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သကဒါဂါမိနာ ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌိ။ပ။ စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ န ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိနာ ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌိ။ပ။ စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ န ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သောတာပန္နေန ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌိ။ပ။ စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ န ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိနာ ဒုက္ခံ ဒိဋ္ဌိ။ပ။ စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ န ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၂၅၁။ \* အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ သီလဗ္ဗတပရာမာသော ပဟိနော။ပ။ အပါယဂမနိယော ရာဂေါ ပဟိနော။ပ။ အပါယဂမနိယော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ အပါယဂမနိယော မောဟော ပဟိနော၊ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ မောဟော ပဟိနော။ မာနော ပဟိနော။ ဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ ထိနံ<sup>၁</sup> ပဟိနံ။ ဥဒ္ဓစ္စံ ပဟိနံ။ အဟိရိကံ ပဟိနံ။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတော အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ သီလဗ္ဗတပရာမာသော ပဟိနော။ပ။ အပါယဂမနိယော ရာဂေါ ပဟိနော။ပ။ အပါယဂမနိယော



ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ အပါယဂမနိယော မောဟော ပဟိနော, ပရိဟာယတိ သောတာပနော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော, ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ, ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော, ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ သီလဗ္ဗတပရာမာသော ပဟိနော။ပ။ ဩဋ္ဌာရိကော ကာမရာဂေါ ပဟိနော။ ဩဋ္ဌာရိကော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော, ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ, ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။ပ။ ဩဋ္ဌာရိကော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော, ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိ-  
ဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အရဟံတော ရာဂေါ ပဟိနော, ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ, ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော, ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ သီလဗ္ဗတပရာမာသော ပဟိနော။ အဏုသဟဂတော ကာမရာဂေါ ပဟိနော။ အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော, ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ, ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။ပ။ အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော, ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိ-  
ဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၅၂။ \* အနာဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ, ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ, ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။



\* အနာဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိ-  
ဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ အပါယ-  
ဂမနိယော မောဟော ပဟိနော၊ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိ-  
ဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အနာဂါမိဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ  
ပဟိနော၊ ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာ-  
ပန္နဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။ပ။ အပါယဂမနိယော မောဟော ပဟိနော၊  
ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အနာဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိ-  
ဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ  
သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အနာဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိ-  
ဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ သီလဗ္ဗတ-  
ပရာမာသော ပဟိနော။ ဩဋ္ဌာရိကော ကာမရာဂေါ ပဟိနော။ ဩဋ္ဌာရိကော  
ဗျာပါဒေါ ပဟိနော၊ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အနာဂါမိဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ  
ပဟိနော၊ ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါ-  
ဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။ပ။ ဩဋ္ဌာရိကော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော၊  
ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၅၃။ \* သကဒါဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ  
သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ၊  
ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သကဒါဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ၊ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ  
သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။  
အပါယဂမနိယော မောဟော ပဟိနော၊ ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော  
သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သကဒါဂါမိဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ ဩဋ္ဌာရိကော ကာမရာဂေါ  
ပဟိနော။ ဩဋ္ဌာရိကော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော၊ ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ



သကဒါဂါမိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။ပ။ အပါယဂမနိယော မောဟော ပဟိနော၊ ပရိဟာယတိ သောတုပန္နော သောတာပတ္တိဖလတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၅၄။ \* သောတာပန္နဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ၊ န ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ န ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သောတာပန္နဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ၊ န ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ န ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သောတာပန္နဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ အပါယဂမနိယော မောဟော ပဟိနော၊ န ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ န ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၅၅။ \* သကဒါဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ၊ န ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ န ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သကဒါဂါမိဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ ဩဠာရိကော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော၊ န ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ န ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၅၆။ \* အနာဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ၊ န ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ န ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အနာဂါမိဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော၊ န ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ န ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။



၂၅၇။ \*သောတာပန္နဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ, န ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။ အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော, န ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\*သောတာပန္နဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ အပါယဂမနိယော မောဟော ပဟိနော, န ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။ပ။ အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော, န ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၅၈။ \*သကဒါဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ, န ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။ပ။ အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော, န ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\*သကဒါဂါမိဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ ဩဠာရိကော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော, န ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။ပ။ အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော, န ပရိဟာယတိ အနာဂါမိ အနာဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၅၉။ \*သောတာပန္နဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ, န ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။ပ။ ဩဠာရိကော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော, န ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\*သောတာပန္နဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ပ။ အပါယဂမနိယော မောဟော ပဟိနော, န ပရိဟာယတိ သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဿ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။ပ။ ဩဠာရိကော ဗျာပါဒေါ ပဟိနော, န ပရိဟာယတိ သကဒါဂါမိ သကဒါဂါမိဖလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၆၀။ \*ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော ဥစ္ဆန္ဓမူလော တာလာဝတ္ထုကတော အနဘာဝံကတော<sup>၁</sup> အာယတိ<sup>၂</sup> အနုပ္ပါဒဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော



ဥစ္ဆန္တမူလော တာလာဝတ္ထုကတော အနဘာဝံကတော အာယတိံ အနုပ္ပါဒ-  
ဓမ္မော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ”တိ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော  
ဒေါသော ပဟိနော။ ပ။ မောဟော ပဟိနော။ မာနော ပဟိနော။ ဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။  
ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ ထိနံ ပဟိနံ။ ဥဒ္ဓစ္စံ ပဟိနံ။ အဟိရိကံ ပဟိနံ။ အနောတ္တပ္ပံ  
ပဟိနံ ဥစ္ဆန္တမူလံ တာလာဝတ္ထုကတံ အနဘာဝံကတံ အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မန္တိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ ဥစ္ဆန္တမူလံ တာလာဝတ္ထုကတံ  
အနဘာဝံကတံ အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ”တိ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော ရာဂပ္ပ-  
ဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ  
မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ အရဟာ  
အရဟတ္တာ”တိ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော  
ရာဂပ္ပဟနာယ သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ။ ပ။ သမ္မပ္ပဓာနာ ဘာဝိတာ။ ဣဒ္ဓိပါဒါ  
ဘာဝိတာ။ ဣန္ဒြိယာ ဘာဝိတာ။ ဗလာ ဘာဝိတာ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော ရာဂပ္ပဟနာယ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ နော စ  
ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ”တိ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော  
ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ ပ။ အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ  
ဘာဝိတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ  
ဘာဝိတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ”တိ။

၂၆၁။ \* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟာ  
ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော ကတကရဏီယော ဩဟိတဘာရော  
အနုပ္ပတ္တသဒတ္တော ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနော သမ္မဒညာဝိမုတ္တော ဥက္ခိတ္တ-  
ပလိသော သံကိဏ္ဍပရိခေါ အဗ္ဗုဇ္ဇေသိကော နိရဂ္ဂဇ္ဇော အရိယော ပန္နဒ္ဓဇော  
ပန္နဘာရော ဝိသညတ္တော သုဝိဇိတဝိဇယော၊ ဒုက္ခံ တဿ ပရိညာတံ သမုဒယော  
ပဟိနော နိရောဓော သစ္စိကတော မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော အဘိညေယျံ အဘိညာတံ



ပရိညေယျံ ပရိညာတံ ပဟာတဗ္ဗံ ပဟိနံ ဘာဝေတဗ္ဗံ ဘာဝိတံ သစ္စိကာဟဗ္ဗံ သစ္စိကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အရဟာ ဝိတရာဂေါ 'ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ”တိ။

၂၆၂။ \* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ ( )<sup>၁</sup> သမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယတိ၊ အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာ န ပရိဟာယတိတိ။ သမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာ န ပရိဟာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ သမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာ န ပရိဟာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ ပရိဟာယတိ သမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အသမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ ပရိဟာယတိ အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ ပရိဟာယတိ သမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အသမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ ပရိဟာယတိ အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော၊ ပရိဟာယတိ သမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အသမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော၊ ပရိဟာယတိ အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ။ပ။ သမ္ပပ္ပဓာနာ ဘာဝိတာ။ ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝိတာ။ ဣန္ဒြိယာ ဘာဝိတာ။ ဗလာ ဘာဝိတာ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ ပရိဟာယတိ သမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အသမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ



သံတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ ပရိဟာယတိ အသမယ-  
ဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ပ။ အနောတ္တပ္ပ-  
ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ ပရိဟာယတိ  
သမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အသမယဝိမုတ္တဿ  
အရဟတော အနောတ္တပ္ပ ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ  
ဘာဝိတာ၊ ပရိဟာယတိ အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သမယဝိမုတ္တော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော  
ကတကရဏီယော ဩဟိတဘာရော အနုပ္ပတ္တသဒတ္တော ပရိက္ခိဏဘဝ-  
သံယောဇနော သမ္မဒညာဝိမုတ္တော ဥက္ခိတ္တပလိသော သံကိဏ္ဍပရိခေါ အဗ္ဗုဋ္ဌေ-  
သိကော နိရဂ္ဂဋ္ဌော အရိယော ပန္နဒ္ဓဇော ပန္နဘာရော ဝိသညတ္တော  
သုဝိဇိတဝိဇယော၊ ဒုက္ခံ တဿ ပရိညာတံ သမုဒယော ပဟိနော နိရောဓော  
သစ္စိကတော မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော အဘိညေယျံ အဘိညာတံ ပရိညေယျံ  
ပရိညာတံ•ပဟာတဗ္ဗံ ပဟိနံ ဘာဝေတဗ္ဗံ ဘာဝိတံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ၊  
ပရိဟာယတိ သမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အသမယ-  
ဝိမုတ္တော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သစ္စိ-  
ကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ၊ ပရိဟာယတိ အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၆၃။ \* အသမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ န ပရိဟာ-  
ယတိ အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သမယဝိမုတ္တဿ  
အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ န ပရိဟာယတိ သမယဝိမုတ္တော အရဟာ  
အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အသမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ  
ပဟိနံ၊ န ပရိဟာယတိ အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။  
သမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ န ပရိဟာယတိ သမယ-  
ဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အသမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။  
ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ န ပရိဟာယတိ 'အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ  
အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ



မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ န ပရိဟာယတိ သမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အသမယဝိမုတ္တဿ အရဟတော ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ပ။ အနောတ္တပ္ပ-  
ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ န ပရိဟာယတိ  
အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သမယဝိမုတ္တဿ  
အရဟတော အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ  
ဘာဝိတာ၊ န ပရိဟာယတိ သမယဝိမုတ္တော အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ ဝိတရာဂေါဝိတဒေါသဝိတမောဟော။ပ။  
သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ န ပရိဟာယတိ အသမယဝိမုတ္တော အရဟာ  
အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သမယဝိမုတ္တော အရဟာ ဝိတရာဂေါဝိတဒေါသ  
ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ န ပရိဟာယတိ သမယဝိမုတ္တော  
အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၂၆၄။ \* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ သာရိပုတ္တော  
ထေရော ပရိဟာယိတ္ထ အရဟတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော<sup>၁</sup>  
ထေရော။ မဟာကဿပေါ ထေရော။ မဟာကစ္စာယနော<sup>၂</sup> ထေရော။ မဟာ-  
ကောဠိကော<sup>၃</sup> ထေရော။ မဟာပန္နကော ထေရော ပရိဟာယိတ္ထ အရဟတ္တာတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သာရိပုတ္တော ထေရော န ပရိဟာယိတ္ထ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
သာရိပုတ္တော ထေရော န ပရိဟာယိတ္ထ အရဟတ္တာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ”တိ။

\* မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော ထေရော။ မဟာကဿပေါ ထေရော။ မဟာ-  
ကစ္စာယနော ထေရော။ မဟာကောဠိကော ထေရော။ မဟာပန္နကော ထေရော  
န ပရိဟာယိတ္ထ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ မဟာပန္နကော ထေရော န  
ပရိဟာယိတ္ထ အရဟတ္တာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ အရဟာ  
အရဟတ္တာ”တိ။

အရိယပုဂ္ဂလသံသန္ဓနံ။

၁-မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော (က)

၂-မဟာကစ္စာနော (မ ၁-၁၅၆-ပိဋ္ဌာဒီသု)

၃-မဟာကောဠိတော (သီ၊ သျှ၊ ကံ၊ ဣ)



## ၃-သုတ္တသမာဓနပရိဟာနိ

၂၆၅။ \* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“ဥစ္စာဝစာ ဟိ ပဋိပဒါ၊ သမဏေန ပကာသိတာ။  
န ပါရံ ဒိဂုဏံ ယန္တိ၊ နယိဒံ ဧကဂုဏံ မုတ”န္တိ ၂။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝုတ္တဗ္ဗံ “ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ”တိ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဆိန္ဓဿ ဆေဒိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝုတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ ဆိန္ဓဿ ဆေဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“ဝိတတဏှော အနာဒါနေ၊ ကိစ္စံ ယဿ န ဝိဇ္ဇတိ။  
ဆိန္ဓဿ ဆေဒိယံ နတ္ထိ၊ ဩဃပါသော သမူဟတော”တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝုတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ ဆိန္ဓဿ ဆေဒိယ”န္တိ။

၂၆၆။ \* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကတဿ ပတိစယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝုတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ ကတဿ ပတိစယောတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“တဿ သမ္မာ ဝိမုတ္တဿ၊ သန္တမိတ္တဿ ဘိက္ခုနေ၊  
ကတဿ ပတိစယော နတ္ထိ၊ ကရဏီယံ န ဝိဇ္ဇတိ။

သေလော ယထာ ဧကဋ္ဌနေ၊ ဝါတေန န သမီရတိ။  
ဧဝံ ရူပါ ရဿ သဒ္ဓါ၊ ဂန္ဓာ ဖဿာ စ ကေဝလာ။

ဣဋ္ဌာ ဓမ္မာ အနိဋ္ဌာ စ၊ နပ္ပဝေဓေန္တိ တာဒိနေ၊  
ဌိတံ စိတ္တံ ဝိပ္ပမုတ္တံ၊ ဝယံ စဿာနုပဿတိ”တိ ၃။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝုတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ ကတဿ ပတိစယော”တိ။



၂၆၇။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ”တိ။ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—ပဉ္စိမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ သမယဝိမုတ္တဿ ဘိက္ခုနော ပရိဟာနာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ ကမ္မာရာမတာ ဘဿာရာမတာ နိဒ္ဒါရာမတာ သင်္ဂဏိကာရာမတာ ယထာဝိမုတ္တံ စိတ္တံ န ပစ္စဝေက္ခတိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ ဓမ္မာ သမယဝိမုတ္တဿ ဘိက္ခုနော ပရိဟာနာယ သံဝတ္တန္တိတိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ။ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပရိဟာယတိ “အရဟာ အရဟတ္တာ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ကမ္မာရာမတာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ကမ္မာရာမတာတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော ရာဂေါကာမရာဂေါကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ ကာမရာဂသံယောဇနံ ကာမောသော ကာမယောဂေါ ကာမစ္ဆန္ဒနီဝရဏန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ဘဿာရာမတာ။ အတ္ထိ အရဟတော နိဒ္ဒါရာမတာ။ အတ္ထိ အရဟတော သင်္ဂဏိကာရာမတာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ အရဟတော သင်္ဂဏိကာရာမတာတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော ရာဂေါကာမရာဂေါကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ ကာမရာဂသံယောဇနံ ကာမောသော ကာမယောဂေါ ကာမစ္ဆန္ဒနီဝရဏန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၆၈။ \* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာတိ။ အာမန္တာ။ အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယမာနော ကိံ ပရိယုဋ္ဌတော ပရိဟာယတိတိ။ ရာဂပရိယုဋ္ဌတော ပရိဟာယတိတိ။ ပရိယုဋ္ဌာနံ ကိံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ။ အနုသယံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ။ အတ္ထိ အရဟတော အနုသယာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အနုသယာတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော ကာမရာဂါနုသယော ပဋိဃာနုသယော မာနာနုသယော ဒိဋ္ဌာနုသယော ဝိစိကိစ္ဆာနုသယော ဘဝရာဂါနုသယော အဝိဇ္ဇာနုသယောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

ဒေါသပရိယုဋ္ဌတော ပရိဟာယတိတိ။ ပ။ မောဟပရိယုဋ္ဌတော ပရိဟာယတိတိ။ ပရိယုဋ္ဌာနံ ကိံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ။ အနုသယံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ။ အတ္ထိ အရဟတော အနုသယာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အနုသယာတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော ကာမရာဂါနုသယော။ ပ။ အဝိဇ္ဇာနုသယောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။



\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော အရဟတ္တာ ပရိဟာယမာနဿ ကိံ ဥပစယံ ဂစ္ဆတိတိ၊ ရာဂေါ ဥပစယံ ဂစ္ဆတိတိ။ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ဥပစယံ ဂစ္ဆတိတိ။ ဝိစိကိစ္ဆာ ဥပစယံ ဂစ္ဆတိတိ။ သီလဗ္ဗတ-  
ပရာမာသောံ ဥပစယံ ဂစ္ဆတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ဒေါသော ဥပစယံ ဂစ္ဆတိတိ။ ပ။ မောဟော ဥပစယံ ဂစ္ဆတိတိ။ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ဥပစယံ ဂစ္ဆတိတိ။  
ဝိစိကိစ္ဆာ ဥပစယံ ဂစ္ဆတိတိ။ သီလဗ္ဗတပရာမာသော ဥပစယံ ဂစ္ဆတိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ အာစိနတိတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ အရဟာ အပစိနတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ အရဟာ  
ပဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ အရဟာ ဥပါဒိယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။  
အရဟာ ဝိသိနေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ အရဟာ ဥဿိနေတိတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ အရဟာ ဝိရူပေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ အရဟာ  
သန္ဓုပေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

နန အရဟာ နေဝါစိနတိ န အပစိနတိ အပစိနိတွာ ဌိတောတိ၊ အာမန္တာ။  
ဟဉ္စိ အရဟာ နေဝါစိနတိ န အပစိနတိ အပစိနိတွာ ဌိတော၊ နော စ ဝတ  
ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ”တိ။

နန အရဟာ နေဝ ပဇဟတိ န ဥပါဒိယတိ ပဇဟိတွာ ဌိတောတိ၊ အာမန္တာ။  
ဟဉ္စိ အရဟာ နေဝ ပဇဟတိ န ဥပါဒိယတိ ပဇဟိတွာ ဌိတော၊ နော စ ဝတ  
ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ”တိ။

နန အရဟာ နေဝ ဝိသိနေတိ န ဥဿိနေတိ ဝိသိနိတွာ ဌိတောတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ နေဝ ဝိသိနေတိ န ဥဿိနေတိ ဝိသိနိတွာ ဌိတော၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ”တိ။

နန အရဟာ နေဝ ဝိရူပေတိ န သန္ဓုပေတိ ဝိရူပေတွာ ဌိတောတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ နေဝ ဝိရူပေတိ န သန္ဓုပေတိ ဝိရူပေတွာ ဌိတော၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဟာယတိ အရဟာ အရဟတ္တာ”တိ။

ပရိဟာနိကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၃-ဗြဟ္မစရိယကထာ

### ၁-သုဒ္ဓဗြဟ္မစရိယကထာ

၂၆၉။ \* နတ္ထိ ဒေဝေသု ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေ ဒေဝါ ဇဠာ လေမူဂါ အဝိညူ ဟတ္ထသံဝါစိကာ ပုဂ္ဂိုဗလာ သုဘာသိတဒုဟ္တာသိတာနံ အတ္ထမညာတုံ၊ သဗ္ဗေ ဒေဝါ န ဗုဒ္ဓေ ပသန္တာ န ဓမ္မေ ပသန္တာ န သံဃေ ပသန္တာ၊ န ဗုဒ္ဓံ ဘဂဝန္တံ ပယိရုပါသန္တိ၊ န ဗုဒ္ဓံ ဘဂဝန္တံ ပဉ္စံ ပုစ္ဆန္တိ၊ န ဗုဒ္ဓေန ဘဂဝတာ ပဉ္စေ ဝိဿဇ္ဇိတေ အတ္တမနာ၊ သဗ္ဗေ ဒေဝါ ကမ္မာဝရဏေန သမန္တာဂတာ ကိလေသာဝရဏေန သမန္တာဂတာ ဝိပါကာဝရဏေန သမန္တာဂတာ အဿဒ္ဓါ အစ္ဆန္တိကာ ဒုပ္ပညာ အဘဗ္ဗာ နိယာမံ ဩက္ကမိတုံ ကုသလေသု ဓမ္မေသု သမ္ပတ္တံ၊ သဗ္ဗေ ဒေဝါ မာတုဃာတကာ ပိတုဃာတကာ အရဟန္တဃာတကာ ရဟိရုပ္ပါဒကာ သဃ်ဘေဒကာ၊ သဗ္ဗေ ဒေဝါ ပါဏာတိပါတိနော အဒိန္နာဒါယိနော ကာမေသုမိစ္ဆာစာရိနော မုသာဝါဒိနော ပိသုဏာဝါစာ ဖရုသာဝါစာ သမ္ပပ္ပလာပိနော အဘိဇ္ဈာလုနော ဗျာပန္နစိတ္တာ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

နန အတ္ထိ ဒေဝါ အဇဠာ အနေလမူဂါ ဝိညူ န ဟတ္ထသံဝါစိကာ ပုဂ္ဂိုဗလာ သုဘာသိတဒုဟ္တာသိတာနံ အတ္ထမညာတုံ၊ အတ္ထိ ဒေဝါ ဗုဒ္ဓေ ပသန္တာ ဓမ္မေ ပသန္တာ သံဃေ ပသန္တာ၊ ဗုဒ္ဓံ ဘဂဝန္တံ ပယိရုပါသန္တိ၊ ဗုဒ္ဓံ ဘဂဝန္တံ ပဉ္စံ ပုစ္ဆန္တိ၊ ဗုဒ္ဓေန ဘဂဝတာ ပဉ္စေ ဝိဿဇ္ဇိတေ အတ္တမနာ ဟောန္တိ၊ အတ္ထိ ဒေဝါ န ကမ္မာဝရဏေန သမန္တာဂတာ န ကိလေသာဝရဏေန သမန္တာဂတာ န ဝိပါကာဝရဏေန သမန္တာဂတာ သဒ္ဓါ ဆန္တိကာ ပညဝန္တော ဘဗ္ဗာ နိယာမံ ဩက္ကမိတုံ ကုသလေသု ဓမ္မေသု သမ္ပတ္တံ၊ အတ္ထိ ဒေဝါ န မာတုဃာတကာ န ပိတုဃာတကာ န အရဟန္တဃာတကာ န ရဟိရုပ္ပါဒကာ န သဃ်ဘေဒကာ၊ အတ္ထိ ဒေဝါ န ပါဏာတိပါတိနော န အဒိန္နာဒါယိနော န ကာမေသုမိစ္ဆာစာရိနော န မုသာဝါဒိနော န ပိသုဏာဝါစာ န ဖရုသာဝါစာ န သမ္ပပ္ပလာပိနော န အဘိဇ္ဈာလုနော အဗျာပန္နစိတ္တာ သမ္မာဒိဋ္ဌိကာတိ၊ အာမန္တာ။

ဟဉ္စိ အတ္ထိ ဒေဝါ အဇဠာ အနေလမူဂါ ဝိညူ န ဟတ္ထသံဝါစိကာ ပုဂ္ဂိုဗလာ သုဘာသိတဒုဟ္တာသိတာနံ အတ္ထမညာတုံ။ပ။ အတ္ထိ ဒေဝါ ဗုဒ္ဓေ ပသန္တာ။ပ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိကာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ ဒေဝေသု ဗြဟ္မစရိယဝါသော”တိ။



အဘိ ၄-၆



\* ဒေဝေသု သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ နုပုဇ္ဇန္တိတိ နတ္ထိ ဒေဝေသု ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ ယတ္ထ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ ဥပုဇ္ဇန္တိ၊ တတ္ထေဝ ဗြဟ္မစရိယဝါသော။ ယတ္ထ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ နုပုဇ္ဇန္တိ၊ နတ္ထိ တတ္ထ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ယတ္ထ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ ဥပုဇ္ဇန္တိ၊ တတ္ထေဝ ဗြဟ္မစရိယဝါသော။ ယတ္ထ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ နုပုဇ္ဇန္တိ၊ နတ္ထိ တတ္ထ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ လုမ္ဗိနိယာ ဘဂဝါ ဇာတော၊ ဗောဓိယာ မူလေ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါ၊ ဗာရာဏသီယံ ဘဂဝတာ ဓမ္မစက္ကံ ပဝတ္တိတံ၊ တတ္ထေဝ ဗြဟ္မစရိယဝါသော။ နတ္ထညတြ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဒေဝေသု ပစ္စေကသမ္ဗုဒ္ဓါ နုပုဇ္ဇန္တိတိ နတ္ထိ ဒေဝေသု ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ ယတ္ထ ပစ္စေကသမ္ဗုဒ္ဓါ ဥပုဇ္ဇန္တိ၊ တတ္ထေဝ ဗြဟ္မစရိယဝါသော။ ယတ္ထ ပစ္စေကသမ္ဗုဒ္ဓါ နုပုဇ္ဇန္တိ၊ နတ္ထိ တတ္ထ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ယတ္ထ ပစ္စေကသမ္ဗုဒ္ဓါ ဥပုဇ္ဇန္တိ၊ တတ္ထေဝ ဗြဟ္မစရိယဝါသော။ ယတ္ထ ပစ္စေကသမ္ဗုဒ္ဓါ နုပုဇ္ဇန္တိ၊ နတ္ထိ တတ္ထ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ မဇ္ဈိမေသု ဇနပဒေသု ပစ္စေကသမ္ဗုဒ္ဓါ ဥပုဇ္ဇန္တိ၊ တတ္ထေဝ ဗြဟ္မစရိယဝါသော။ နတ္ထညတြ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဒေဝေသု သာဝကယုဂံ နုပုဇ္ဇတိတိ နတ္ထိ ဒေဝေသု ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ ယတ္ထ သာဝကယုဂံ ဥပုဇ္ဇတိ၊ တတ္ထေဝ ဗြဟ္မစရိယဝါသော။ ယတ္ထ သာဝကယုဂံ နုပုဇ္ဇတိ၊ နတ္ထိ တတ္ထ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ယတ္ထ သာဝကယုဂံ ဥပုဇ္ဇတိ၊ တတ္ထေဝ ဗြဟ္မစရိယဝါသော။ ယတ္ထ သာဝကယုဂံ နုပုဇ္ဇတိ၊ နတ္ထိ တတ္ထ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ မဂဓေသု သာဝကယုဂံ ဥပုဇ္ဇံ၊ တတ္ထေဝ ဗြဟ္မစရိယဝါသော။ နတ္ထညတြ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၂၇၁။ † အတ္ထိ ဒေဝေသု ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗဒေဝေသု အတ္ထိ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ မနုဿေသု ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗမနုဿေသု အတ္ထိ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† အတ္ထိ ဒေဝေသု ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ အသညသတ္တေသု ဒေဝေသု အတ္ထိ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\*အတ္ထိ မနုဿေသု မြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စန္ဓိမေသု ဇနပဒေသု အတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသော မိလက္ခေသု<sup>၁</sup> အဝိညာတာရေသု၊ ယတ္ထ နတ္ထိ ဂတိ ဘိက္ခူနံ ဘိက္ခုနီနံ ဥပါသကာနံ ဥပါသိကာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

†အတ္ထိ ဒေဝေသု မြဟ္မစရိယဝါသောတိ? အတ္ထိ ယတ္ထ အတ္ထိ၊ အတ္ထိ ယတ္ထ နတ္ထိတိ။ အသညသတ္တေသု ဒေဝေသု အတ္ထိ ယတ္ထ အတ္ထိ၊ အတ္ထိ ယတ္ထ နတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသော၊ သညသတ္တေသု<sup>၂</sup> ဒေဝေသု အတ္ထိ ယတ္ထ အတ္ထိ၊ အတ္ထိ ယတ္ထ နတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

†ဒေဝေသု အတ္ထိ ယတ္ထ အတ္ထိ၊ အတ္ထိ ယတ္ထ နတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ ကတ္ထ အတ္ထိ၊ ကတ္ထ နတ္ထိတိ၊ အသညသတ္တေသု ဒေဝေသု နတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသော၊ သညသတ္တေသု<sup>၂</sup> ဒေဝေသု အတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသောတိ။ အသညသတ္တေသု ဒေဝေသု နတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ သညသတ္တေသု<sup>၂</sup> ဒေဝေသု နတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

†သညသတ္တေသု<sup>၂</sup> ဒေဝေသု အတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ အသညသတ္တေသု ဒေဝေသု အတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\*အတ္ထိ မနုဿေသု မြဟ္မစရိယဝါသောတိ? အတ္ထိ ယတ္ထ အတ္ထိ၊ အတ္ထိ ယတ္ထ နတ္ထိတိ။ ပစ္စန္ဓိမေသု ဇနပဒေသု အတ္ထိ ယတ္ထ အတ္ထိ၊ အတ္ထိ ယတ္ထ နတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသော မိလက္ခေသု အဝိညာတာရေသု ယတ္ထ နတ္ထိ ဂတိ ဘိက္ခူနံ ဘိက္ခုနီနံ ဥပါသကာနံ ဥပါသိကာနံ၊ မဇ္ဈိမေသု ဇနပဒေသု အတ္ထိ ယတ္ထ အတ္ထိ၊ အတ္ထိ ယတ္ထ နတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\*မနုဿေသု အတ္ထိ ယတ္ထ အတ္ထိ၊ အတ္ထိ ယတ္ထ နတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ ကတ္ထ အတ္ထိ၊ ကတ္ထ နတ္ထိတိ၊ ပစ္စန္ဓိမေသု ဇနပဒေသု နတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသော မိလက္ခေသု အဝိညာတာရေသု ယတ္ထ နတ္ထိ ဂတိ ဘိက္ခူနံ ဘိက္ခုနီနံ ဥပါသကာနံ ဥပါသိကာနံ၊ မဇ္ဈိမေသု ဇနပဒေသု အတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသောတိ။ ပစ္စန္ဓိမေသု ဇနပဒေသု နတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသော မိလက္ခေသု အဝိညာတာရေသု ယတ္ထ နတ္ထိ ဂတိ ဘိက္ခူနံ ဘိက္ခုနီနံ ဥပါသကာနံ ဥပါသိကာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ မဇ္ဈိမေသု ဇနပဒေသု နတ္ထိ မြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။



\* မဇ္ဈိမေသု ဇနပဒေသု အတ္ထိ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စန္ဓိမေသု ဇနပဒေသု အတ္ထိ ဗြဟ္မစရိယဝါသော မိလက္ခေသု အဝိညာတာရေသု ယတ္ထ နတ္ထိ ဂတိ ဘိက္ခူနံ ဘိက္ခုနီနံ ဥပါသကာနံ ဥပါသိကာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

† အတ္ထိ ဒေဝေသု ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “တိဟိ ဘိက္ခဝေ ဌာနေဟိ ဇမ္ဗုဒီပကာ မနဿာ ဥတ္တရကုရုကေ စ မနဿေ အဓိဂဏှန္တိ ဒေဝေ စ တာဝတိံသေ။ ကတမေဟိ တိဟိ၊ သူရာ သတိမန္တော ဣဓ ဗြဟ္မစရိယဝါသော”တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ နတ္ထိ ဒေဝေသု ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ။

\* သာဝတ္ထိယံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣဓ ဗြဟ္မစရိယဝါသော”တိ၊ အာမန္တာ။ သာဝတ္ထိယံယေဝ ဗြဟ္မစရိယဝါသော၊ နတ္ထိ အညတြ ဗြဟ္မစရိယဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၇၂။ \* အနာဂါမိဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဉ္စောရဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ ပဟိနာနိ၊ ပဉ္စုဒ္ဓဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ အပ္ပဟိနာနိ၊ ဣတော စုတဿ တတ္ထ ဥပပန္နဿ ကုဟိံ ဖလုပ္ပတ္တိတိ၊ တတ္ထေဝ။ ဟဉ္စိ အနာဂါမိဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဉ္စောရဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ ပဟိနာနိ ပဉ္စုဒ္ဓဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ အပ္ပဟိနာနိ ဣတော စုတဿ တတ္ထ ဥပပန္နဿ တဟိံ ဖလုပ္ပတ္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ ဒေဝေသု ဗြဟ္မစရိယဝါသော”တိ။

\* အနာဂါမိဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဉ္စောရဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ ပဟိနာနိ၊ ပဉ္စုဒ္ဓဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ အပ္ပဟိနာနိ၊ ဣတော စုတဿ တတ္ထ ဥပပန္နဿ ကုဟိံ ဘာရောဟရဏံ၊ ကုဟိံ ဒုက္ခပရိညာတံ၊ ကုဟိံ ကိလေသပ္ပဟာနံ၊ ကုဟိံ နိရောဓသစ္စိကိရိယာ၊ ကုဟိံ အကုပ္ပပဋိဝေဓောတိ၊ တတ္ထေဝ။ ဟဉ္စိ အနာဂါမိဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဉ္စောရဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ ပဟိနာနိ၊ ပဉ္စုဒ္ဓဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ အပ္ပဟိနာနိ။ ဣတော စုတဿ တတ္ထ ဥပပန္နဿ တဟိံ အကုပ္ပပဋိဝေဓော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ ဒေဝေသု ဗြဟ္မစရိယဝါသော”တိ။

\* အနာဂါမိဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဉ္စောရဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ ပဟိနာနိ၊ ပဉ္စုဒ္ဓဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ အပ္ပဟိနာနိ၊ ဣတော စုတဿ တတ္ထ ဥပပန္နဿ



တဟိံ ဖလုပ္ပတ္တိ တဟိံ ဘာရောဟရဏံ တဟိံ ဒုက္ခပရိညာတံ တဟိံ ကိလေ-  
သပ္ပဟာနံ တဟိံ နိရောဓသန္တိကိရိယာ တဟိံ အကုပ္ပပဋိဝေဓော၊ ကေနဋ္ဌေန  
ဝဒေသိ “နတ္ထိ ဒေဝေသု ဗြဟ္မစရိယဝါသော”တိ?။ ဟန္တ ဟိ အနာဂါမီ  
ပုဂ္ဂလော ဣဓ ဘာဝိတေန မဂ္ဂေန တတ္ထ ဖလံ သန္တိကရောတိတိ။

### ၂-သံသန္တနဗြဟ္မစရိယကထာ

၂၇၃။ အနာဂါမီ ပုဂ္ဂလော ဣဓ ဘာဝိတေန မဂ္ဂေန တတ္ထ ဖလံ  
သန္တိကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နော ပုဂ္ဂလော တတ္ထ ဘာဝိတေန  
မဂ္ဂေန ဣဓ ဖလံ သန္တိကရောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အနာဂါမီ ပုဂ္ဂလော ဣဓ ဘာဝိတေန မဂ္ဂေန တတ္ထ ဖလံ သန္တိကရောတိတိ၊  
အာမန္တာ။ သကဒါဂါမီ ပုဂ္ဂလော ဣဓ ပရိနိဗ္ဗာယိပုဂ္ဂလော ၂ တတ္ထ ဘာဝိတေန  
မဂ္ဂေန ဣဓ ဖလံ သန္တိကရောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သောတာပန္နော ပုဂ္ဂလော ဣဓ ဘာဝိတေန မဂ္ဂေန ဣဓ ဖလံ သန္တိ-  
ကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမီ ပုဂ္ဂလော တတ္ထ ဘာဝိတေန မဂ္ဂေန တတ္ထ  
ဖလံ သန္တိကရောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သကဒါဂါမီ ပုဂ္ဂလော ဣဓ ပရိနိဗ္ဗာယိပုဂ္ဂလော ဣဓ ဘာဝိတေန မဂ္ဂေန  
ဣဓ ဖလံ သန္တိကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမီ ပုဂ္ဂလော တတ္ထ ဘာဝိတေန  
မဂ္ဂေန တတ္ထ ဖလံ သန္တိကရောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဣဓ ဝိဟာယ နိဋ္ဌဿ ပုဂ္ဂလဿ မဂ္ဂေါ စ ဘာဝိယတိ၊ န စ ကိလေသာ  
ပဟိယန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ  
မဂ္ဂေါ စ ဘာဝိယတိ န စ ကိလေသာ ပဟိယန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဣဓ ဝိဟာယ နိဋ္ဌဿ ပုဂ္ဂလဿ မဂ္ဂေါ စ ဘာဝိယတိ၊ န စ ကိလေသာ  
ပဟိယန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမီဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ  
ပုဂ္ဂလဿ။ပ။ အရဟတ္တသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ မဂ္ဂေါ စ  
ဘာဝိယတိ၊ န စ ကိလေသာ ပဟိယန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သောတာပတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အပုဗ္ဗံ အစရိမံ  
မဂ္ဂေါ စ ဘာဝိယတိ၊ ကိလေသာ စ ပဟိယန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဣဓ ဝိဟာယ



နိဋ္ဌဿ ပုဂ္ဂလဿ အပုဗ္ဗံ အစရိမံ မဂ္ဂေါ စ ဘာဝိယတိ၊ ကိလေသာ စ ပဟိယန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

\* သကဒါဂါမိဖလသတ္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ။ပ။ အရဟတ္တသတ္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အပုဗ္ဗံ အစရိမံ မဂ္ဂေါ စ ဘာဝိယတိ၊ ကိလေသာ စ ပဟိယန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဣဓ ဝိဟာယ နိဋ္ဌဿ ပုဂ္ဂလဿ အပုဗ္ဗံ အစရိမံ မဂ္ဂေါ စ ဘာဝိယတိ၊ ကိလေသာ စ ပဟိယန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

\* အနာဂါမီ ပုဂ္ဂလော ကတကရဏီယော ဘာဝိတဘာဝနော တတ္ထ ဥပပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ ဥပပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

\* အရဟာ ဥပပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော ပုနဗ္ဗဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ပုနဗ္ဗဝေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ ဘဝေန ဘဝံ ဂစ္ဆတိ၊ ဂတိယာ ဂတိံ ဂစ္ဆတိ၊ သံသာရေန သံသာရံ ဂစ္ဆတိ၊ ဥပပတ္တိယာ ဥပပတ္တိံ ဂစ္ဆတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

\* အနာဂါမီ ပုဂ္ဂလော ကတကရဏီယော ဘာဝိတဘာဝနော အနောဟဋ္ဌဘာရော တတ္ထ ဥပပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဘာရောဟရဏာယ ပုန မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

\* အနာဂါမီ ပုဂ္ဂလော ကတကရဏီယော ဘာဝိတဘာဝနော အပရိညာတဒုက္ခော အပ္ပဟိနကိလေသော အသတ္တိကတနိရောဓော အပ္ပဋိဝိဒ္ဓါကုပ္ပေါ တတ္ထ ဥပပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ အကုပ္ပပဋိဝေဓာယ ပုန မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

\* အနာဂါမီ ပုဂ္ဂလော ကတကရဏီယော ဘာဝိတဘာဝနော အနောဟဋ္ဌဘာရော တတ္ထ ဥပပဇ္ဇတိ၊ န စ ဘာရောဟရဏာယ ပုန မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနောဟဋ္ဌဘာရော စ တတ္ထ ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

\* အနာဂါမီ ပုဂ္ဂလော ကတကရဏီယော ဘာဝိတဘာဝနော အပရိညာတဒုက္ခော အပ္ပဟိနကိလေသော အသတ္တိကတနိရောဓော အပ္ပဋိဝိဒ္ဓါကုပ္ပေါ တတ္ထ ဥပပဇ္ဇတိ၊ န စ အကုပ္ပပဋိဝေဓာယ ပုန မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အပ္ပဋိဝိဒ္ဓါကုပ္ပေါ စ တတ္ထ ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ၊ ယထာ မိဂေါ သလ္လေန ဝိဒ္ဓေါ ဒူရဗ္ဗိ ဂန္တာ ကာလံ ကရေတိ၊ ဧဝမေဝံ အနာဂါမီ ပုဂ္ဂလော ဣဓ ဘာဝိတေန မဂ္ဂေန တတ္ထ ဖလံ သတ္တိကရေတိတိ။



\* ယထာ မိဂေါ သလ္လေန ဝိဒ္ဓေါ ဒူရဗ္ဗိ ဂန္ဓာ သသလ္လောဝ ကာလံ ကရေတိ၊  
ဧဝမေဝံ အနာဂါမီ ပုဂ္ဂလော ဣဓ ဘာဝိတေန မဂ္ဂေန တတ္ထ သသလ္လောဝ  
ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ဗြဟ္မစရိယကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၃-ဩဇာသောကထာ

၂၇၄။ \* ဩဇာသောသော ကိလေသေ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာ-  
ပတ္တိဖလသတ္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒုက္ခဒဿနေန ကိံ ဇဟတိတိ၊  
သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ ဝိစိကိန္တံ သီလဗ္ဗတပရာမာသံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ  
ဧကဒေသေ ဇဟတိတိ။ ဧကဒေသံ သောတာပန္နော၊ ဧကဒေသံ န  
သောတာပန္နော၊ ဧကဒေသံ သောတာပတ္တိဖလပ္ပတ္တော<sup>၁</sup> ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော  
သတ္တိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ န  
ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ သတ္တက္ခတ္တုပရမော၊ ကောလံ-  
ကောလောံ၊ ဧကဗီဇိ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော၊ ဓမ္မေ။ပ။  
သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော၊ ဧကဒေသံ အရိယ-  
ကန္တေဟိ သီလေဟိ န သမန္နာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သမုဒယဒဿနေန ကိံ ဇဟတိတိ၊ သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ ဇဟတိ ဝိစိကိန္တံ သီလဗ္ဗ-  
တပရာမာသံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ ဧကဒေသေ ဇဟတိတိ။ ဧကဒေသံ  
သောတာပန္နော၊ ဧကဒေသံ န သောတာပန္နော။ပ။ ဧကဒေသံ အရိယကန္တေဟိ  
သီလေဟိ သမန္နာဂတော၊ ဧကဒေသံ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ န သမန္နာ-  
ဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နိရောဓဒဿနေန ကိံ ဇဟတိတိ၊ ဝိစိကိန္တံ သီလဗ္ဗတပရာမာသံ တဒေကဋ္ဌေ  
စ ကိလေသေ ဧကဒေသေ ဇဟတိတိ။ ဧကဒေသံ သောတာပန္နော၊ ဧကဒေသံ  
န သောတာပန္နော။ပ။ ဧကဒေသံ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော၊  
ဧကဒေသံ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ န သမန္နာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မဂ္ဂဒဿနေန ကိံ ဇဟတိတိ၊ သီလဗ္ဗတပရာမာသံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေ-  
သေ ဇဟတိတိ။ ဧကဒေသံ သောတာပန္နော၊ ဧကဒေသံ န သောတာပန္နော၊



ဧကဒေသံ သောတာပတ္တိဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သစ္စိကဟော ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ သတ္တက္ခတ္တုပရမော၊ ကောလံကောလော၊ ဧကဗီဇိ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေန သမန္နာဂတော၊ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော၊ ဧကဒေသံ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ န သမန္နာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၂၇၅။ \* သကဒါဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒုက္ခဒဿနေန ကိံ ဇဟတိတိ၊ ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ ဇဟတိ၊ ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ ဧကဒေသေ ဇဟတိတိ။ ဧကဒေသံ သကဒါဂါမိ၊ ဧကဒေသံ န သကဒါဂါမိ၊ ဧကဒေသံ သကဒါဂါမိဖလပ္ပတ္တော<sup>၁</sup> ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သစ္စိကဟော ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* သမုဒယဒဿနေန ကိံ ဇဟတိတိ၊ ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ ဇဟတိ၊ ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ ဧကဒေသေ ဇဟတိတိ။ ဧကဒေသံ သကဒါဂါမိ၊ ဧကဒေသံ န သကဒါဂါမိ၊ ဧကဒေသံ သကဒါဂါမိဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သစ္စိကဟော ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* နိရောဓဒဿနေန ကိံ ဇဟတိတိ၊ ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ ဇဟတိ၊ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ ဧကဒေသေ ဇဟတိတိ။ ဧကဒေသံ သကဒါဂါမိ၊ ဧကဒေသံ န သကဒါဂါမိ၊ ဧကဒေသံ သကဒါဂါမိဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သစ္စိကဟော ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* မဂ္ဂဒဿနေန ကိံ ဇဟတိတိ၊ ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ ဇဟတိ၊ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ ဇဟတိတိ။ ဧကဒေသံ သကဒါဂါမိ၊ ဧကဒေသံ န သကဒါဂါမိ၊ ဧကဒေသံ သကဒါဂါမိဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သစ္စိကဟော ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



၂၇၆။ \* အနာဂါမိဖလသတ္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒုက္ခဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ အဏုသဟဂတံ ကာမရာဂံ ဇဟတိ၊ အဏုသဟဂတံ ဗျာပါဒံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ ဧကဒေသေ ဇဟတီတိ။ ဧကဒေသံ အနာဂါမိ၊ ဧကဒေသံ န အနာဂါမိ၊ ဧကဒေသံ အနာဂါမိဖလပ္ပတ္တော<sup>၁</sup> ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သတ္တိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ၊ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ၊ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ၊ သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ၊ ဥဒ္ဓံသောတော အကနိဋ္ဌဂါမိ၊ ဧကဒေသံ န ဥဒ္ဓံသောတော အကနိဋ္ဌဂါမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သမုဒယဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ အဏုသဟဂတံ ကာမရာဂံ ဇဟတိ၊ အဏုသဟဂတံ ဗျာပါဒံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ ဧကဒေသေ ဇဟတီတိ။ ဧကဒေသံ အနာဂါမိ၊ ဧကဒေသံ န အနာဂါမိ။ ပ။ ဧကဒေသံ ဥဒ္ဓံသောတော အကနိဋ္ဌဂါမိ၊ ဧကဒေသံ န ဥဒ္ဓံသောတော အကနိဋ္ဌဂါမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* နိရောဓဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ အဏုသဟဂတံ ဗျာပါဒံ ဇဟတိ၊ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ ဧကဒေသေ ဇဟတီတိ။ ဧကဒေသံ အနာဂါမိ၊ ဧကဒေသံ န အနာဂါမိ။ ပ။ ဧကဒေသံ ဥဒ္ဓံသောတော အကနိဋ္ဌဂါမိ ဧကဒေသံ န ဥဒ္ဓံသောတော အကနိဋ္ဌဂါမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* မဂ္ဂဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ ဇဟတီတိ။ ဧကဒေသံ အနာဂါမိ၊ ဧကဒေသံ န အနာဂါမိ၊ ဧကဒေသံ အနာဂါမိ-ဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သတ္တိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ၊ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ၊ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ၊ သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ၊ ဥဒ္ဓံသောတော အကနိဋ္ဌဂါမိ၊ ဧကဒေသံ န ဥဒ္ဓံသောတော အကနိဋ္ဌဂါမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၂၇၇။ \* အရဟတ္တသတ္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒုက္ခဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ ရူပရာဂံ အရူပရာဂံ မာနံ ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇာံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ ဧကဒေသေ ဇဟတီတိ။ ဧကဒေသံ အရဟာ၊ ဧကဒေသံ န အရဟာ၊ ဧကဒေသံ



အရဟတ္တပ္ပတ္တော<sup>၁</sup> ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သစ္စိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊  
 ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊  
 ဧကဒေသံ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော ကတကရဏီယော  
 ဩဟိတဘာရော အနုပ္ပတ္တသဒတ္တော ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနော သမ္ပဒညာ-  
 ဝိမုတ္တော ဥက္ခိတ္တပလိသော သံကိဏ္ဍပရိခေါ အဗ္ဗုဇ္ဇေသိကော နိရဂ္ဂဇ္ဇော  
 အရိယော ပန္နဒ္ဓဇော ပန္နဘာရော ဝိသညတ္တော သုဝိဇိတဝိဇယော၊ ဒုက္ခံ တဿ  
 ပရိညာတံ သမုဒယော ပဟိနော နိရောဓော သစ္စိကတော မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော  
 အဘိညေယျံ အဘိညာတံ ပရိညေယျံ ပရိညာတံ ပဟာတဗ္ဗံ ပဟိနံ ဘာဝေတဗ္ဗံ  
 ဘာဝိတံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ (ဧကဒေသံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ) ၊  
 ဧကဒေသံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ န သစ္စိကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သမုဒယဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ ရူပရာဂံ အရူပရာဂံ ဇဟတိ၊ မာနံ  
 ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ ဧကဒေသေ ဇဟတီတိ။ ဧက-  
 ဒေသံ အရဟာ၊ ဧကဒေသံ န အရဟာ။ပ။ ဧကဒေသံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ  
 ဧကဒေသံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ န သစ္စိကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နိရောဓဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ မာနံ ဇဟတိ၊ ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇံ တဒေ-  
 ကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ ဧကဒေသေ ဇဟတီတိ။ ဧကဒေသံ အရဟာ၊ ဧကဒေသံ န  
 အရဟာ။ပ။ ဧကဒေသံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ ဧကဒေသံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ  
 န သစ္စိကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မဂ္ဂဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ  
 ဇဟတီတိ။ ဧကဒေသံ အရဟာ၊ ဧကဒေသံ န အရဟာ၊ ဧကဒေသံ  
 အရဟတ္တပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သစ္စိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊  
 ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊  
 ဧကဒေသံ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော ကတကရဏီယော  
 ဩဟိတဘာရော အနုပ္ပတ္တသဒတ္တော ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနော သမ္ပဒညာ-  
 ဝိမုတ္တော ဥက္ခိတ္တပလိသော သံကိဏ္ဍပရိခေါ အဗ္ဗုဇ္ဇေသိကော နိရဂ္ဂဇ္ဇော  
 အရိယော ပန္နဒ္ဓဇော ပန္နဘာရော ဝိသညတ္တော သုဝိဇိတဝိဇယော၊ ဒုက္ခံ တဿ  
 ပရိညာတံ သမုဒယော ပဟိနော နိရောဓော သစ္စိကတော မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော  
 အဘိညေယျံ အဘိညာတံ ပရိညေယျံ ပရိညာတံ ပဟာတဗ္ဗံ ပဟိနံ ဘာဝေတဗ္ဗံ



ဘာဝိတံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ ဧကဒေသံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ ဧက-  
ဒေသံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ န သစ္စိကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၂၇၈။ \* န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ဩဇာသောကထာ ကိလေသေ ဇဟတီ”တိ၊ အာမန္တာ။  
နန ဝတ္ထံ ဘဂဝတာ—

“အနုပုဗ္ဗေန မေဓာဝီ၊ ထောကံ ထောကံ ခဏေ ခဏေ။  
ကမ္မာရော ရဇတဿေဝ၊ နိဒ္ဒမေ မလမတ္တနော”တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ဩဇာသောကထာ  
ကိလေသေ ဇဟတီ”တိ။

\* ဩဇာသောကထာ ကိလေသေ ဇဟတီတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ  
ဘဂဝတာ—

“သဟာဝဿ ဒဿနသမ္ပဒါယ၊  
ဓာယဿ ဓမ္မာ ဇဟိတာ ဘဝန္တိ။  
သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ဝိစိကိစ္ဆိတဉ္စ၊  
သီလဗ္ဗတံ ဝါပိ ယဒတ္ထိ ကိဉ္စိ။  
စတူဟပါယေဟိ စ ဝိပ္ပမုတ္တော၊  
ဆစ္စာဘိဌာနာနိ အဘဗ္ဗ၊ ကာတု”န္တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ဩဇာသောကထာ  
ကိလေသေ ဇဟတီ”တိ။

\* ဩဇာသောကထာ ကိလေသေ ဇဟတီတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ ဘဂဝတာ  
“ယသ္မိ” ဘိက္ခဝေ သမယေ အရိယသာဝကဿ ဝိရဇံ ဝိတမလံ ဓမ္မစက္ခု ဥဒပါဒိ  
‘ယံ ကိဉ္စိ သမုဒယဓမ္မံ၊ သဗ္ဗံ တံ နိရောဓဓမ္မ’န္တိ၊ သဟ ဒဿနပုပ္ပါဒါ ဘိက္ခဝေ  
အရိယသာဝကဿ တိဏိ သံယောဇနာနိ ပဟိယန္တိ၊ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ဝိစိကိစ္ဆာ  
သီလဗ္ဗတပရာမာသော”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န  
ဝတ္ထဗ္ဗံ “ဩဇာသောကထာ ကိလေသေ ဇဟတီ”တိ။

ဩဇာသောကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၄-ဇဟတိကထာ

## ၁-နသုတ္တဘဟရဏကထာ

၂၇၉။ \*ဇဟတိ ပုထုဇ္ဇနော ကာမရာဂဗျာပါဒန္တိ၊ အာမန္တာ။ အစွန္တံ ဇဟတိ။ အနဝသေသံ ဇဟတိ။ အပ္ပုဋ္ဌိသန္ဓိယံ ဇဟတိ။ သမူလံ ဇဟတိ။ သတဏှံ ဇဟတိ။ သာနုသယံ ဇဟတိ။ အရိယေန ဉာဏေန ဇဟတိ။ အရိယေန မဂ္ဂေန ဇဟတိ။ အကုပ္ပံ ပဋိဝိဇ္ဈန္တော ဇဟတိ။ အနာဂါမိဖလံ သစ္စိကရောန္တော ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ဝိက္ခမ္ဘေတိ ပုထုဇ္ဇနော ကာမရာဂဗျာပါဒန္တိ၊ အာမန္တာ။ အစွန္တံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ အနဝသေသံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ အပ္ပုဋ္ဌိသန္ဓိယံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ သမူလံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ သတဏှံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ သာနုသယံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ အရိယေန ဉာဏေန ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ အရိယေန မဂ္ဂေန ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ အကုပ္ပံ ပဋိဝိဇ္ဈန္တော ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ အနာဂါမိဖလံ သစ္စိကရောန္တော ဝိက္ခမ္ဘေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ဇဟတိ အနာဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ကာမရာဂဗျာပါဒံ၊ သော စ အစွန္တံ ဇဟတိ။ အနဝသေသံ ဇဟတိ။ပ။ အနာဂါမိဖလံ သစ္စိကရောန္တော ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဇဟတိ ပုထုဇ္ဇနော ကာမရာဂဗျာပါဒံ၊ သော စ အစွန္တံ ဇဟတိ၊ အနဝသေသံ ဇဟတိ။ပ။ အနာဂါမိဖလံ သစ္စိကရောန္တော ဇဟတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ဝိက္ခမ္ဘေတိ အနာဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ကာမရာဂဗျာပါဒံ၊ သော စ အစွန္တံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ အနဝသေသံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ပ။ အနာဂါမိဖလံ သစ္စိကရောန္တော ဝိက္ခမ္ဘေတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိက္ခမ္ဘေတိ ပုထုဇ္ဇနော ကာမရာဂဗျာပါဒံ၊ သော စ အစွန္တံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ အနဝသေသံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ပ။ အနာဂါမိဖလံ သစ္စိကရောန္တော ဝိက္ခမ္ဘေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ဇဟတိ ပုထုဇ္ဇနော ကာမရာဂဗျာပါဒံ၊ သော စ န အစွန္တံ ဇဟတိ။ န အနဝသေသံ ဇဟတိ။ပ။ န အနာဂါမိဖလံ သစ္စိကရောန္တော ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဇဟတိ အနာဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ကာမရာဂဗျာပါဒံ၊ သော စ န အစွန္တံ ဇဟတိ။ပ။ န အနာဂါမိဖလံ သစ္စိကရောန္တော ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



\* ဝိက္ခမ္ဘေတိ ပုထုဇ္ဇနော ကာမရာဂဗျာပါဒံ၊ သော စ န အစ္စန္တံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ န အနဝသေသံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ ပ။ န အနာဂါမိဖလံ သစ္စိကရောန္တော ဝိက္ခမ္ဘေတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိက္ခမ္ဘေတိ အနာဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ကာမရာဂဗျာပါဒံ၊ သော စ န အစ္စန္တံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ န အနဝသေသံ ဝိက္ခမ္ဘေတိ။ ပ။ န အနာဂါမိဖလံ သစ္စိကရောန္တော ဝိက္ခမ္ဘေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဇာတိပုထုဇ္ဇနော ကာမရာဂဗျာပါဒန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကတမေန မဂ္ဂေနာတိ၊ ရူပါဝစရေန မဂ္ဂေနာတိ။ ရူပါဝစရော မဂ္ဂေါ နိဿာနိကော ခယဂါမီ ဗောဂါမီ အပစယဂါမီ အနာသဝေါ အသံယောဇနိယော အဂန္တနိယော အနောဃနိယော အယောဂနိယော အနိဝရဏိယော အပရာမဋ္ဌော အနုပါဒါနိယော အသံကိလေသိယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ နန ရူပါဝစရော မဂ္ဂေါ အနိဿာနိကော န ခယဂါမီ န ဗောဂါမီ န အပစယဂါမီ သာသဝေါ သံယောဇနိယော။ ပ။ သံကိလေသိယောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဋ္ဌိ ရူပါဝစရော မဂ္ဂေါ အနိဿာနိကော န ခယဂါမီ။ ပ။ သံကိလေသိယော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဇာတိ ပုထုဇ္ဇနော ရူပါဝစရေန မဂ္ဂေန ကာမရာဂဗျာပါဒ”န္တိ။

\* ဇာတိ အနာဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော အနာဂါမိမဂ္ဂေန ကာမရာဂဗျာပါဒံ၊ သော စ မဂ္ဂေါ နိဿာနိကော ခယဂါမီ ဗောဂါမီ အပစယဂါမီ အနာသဝေါ။ ပ။ အသံကိလေသိယောတိ၊ အာမန္တာ။ ဇာတိ ပုထုဇ္ဇနော ရူပါဝစရေန မဂ္ဂေန ကာမရာဂဗျာပါဒံ၊ သော စ မဂ္ဂေါ နိဿာနိကော ခယဂါမီ ဗောဂါမီ အပစယဂါမီ အနာသဝေါ။ ပ။ အသံကိလေသိယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဇာတိ ပုထုဇ္ဇနော ရူပါဝစရေန မဂ္ဂေန ကာမရာဂဗျာပါဒံ၊ သော စ မဂ္ဂေါ အနိဿာနိကော န ခယဂါမီ န ဗောဂါမီ န အပစယဂါမီ သာသဝေါ။ ပ။ သံကိလေသိယောတိ၊ အာမန္တာ။ ဇာတိ အနာဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော အနာဂါမိမဂ္ဂေန ကာမရာဂဗျာပါဒံ၊ သော စ မဂ္ဂေါ အနိဿာနိကော န ခယဂါမီ န ဗောဂါမီ န အပစယဂါမီ သာသဝေါ။ ပ။ သံကိလေသိယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၂၀၀။ \* ပုထုဇ္ဇနော ကာမေသု ဝိတရာဂေါ သဟ မ္မောဘိသမယာ အနာဂါမိဖလေ သဏ္ဌာတိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တေ သဏ္ဌာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



\* ပုထုဇ္ဇနော ကာမေသု ဝိတရာဂေါ သဟ ဓမ္မာဘိသမယာ အနာဂါမိဖလေ သဏ္ဌာတိတိ၊ အာမန္တာ။ အပုဗ္ဗံ အစရိမံ တယော မဂ္ဂေ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အပုဗ္ဗံ အစရိမံ တယော မဂ္ဂေ ဘာဝေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အပုဗ္ဗံ အစရိမံ တိဏိ သာမညဖလာနိ သစ္စိကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အပုဗ္ဗံ အစရိမံ တိဏိ သာမညဖလာနိ သစ္စိကရေတိတိ၊ အာမန္တာ။ တိဏ္ဏံ ဖဿာနံ တိဏ္ဏံ ဝေဒနာနံ တိဏ္ဏံ သညာနံ တိဏ္ဏံ စေတနာနံ တိဏ္ဏံ စိတ္တာနံ တိဏ္ဏံ သဒ္ဓါနံ တိဏ္ဏံ ဝီရိယာနံ တိဏ္ဏံ သတိနံ တိဏ္ဏံ သမာဓိနံ တိဏ္ဏံ ပညာနံ သမောဓာနံ ဟေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပုထုဇ္ဇနော ကာမေသု ဝိတရာဂေါ သဟ ဓမ္မာဘိသမယာ အနာဂါမိဖလေ သဏ္ဌာတိတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

သကဒါဂါမိမဂ္ဂေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ကတမေန မဂ္ဂေနာတိ၊ အနာဂါမိမဂ္ဂေနာတိ။ အနာဂါမိမဂ္ဂေန သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ ဝိစိကိန္တံ သီလဗ္ဗတ-ပရာမာသံ ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

### ၂-သုတ္တာဟရဏကထာ

၂၀၁။ \* အနာဂါမိမဂ္ဂေန သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ ဝိစိကိန္တံ သီလဗ္ဗတပရာမာသံ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု တိဏ္ဏံ သံယောဇနာနံ ပဟာနာ သောတာပတ္တိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ တိဏ္ဏံ သံယောဇနာနံ ပဟာနာ သောတာပတ္တိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနာဂါမိမဂ္ဂေန သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ ဝိစိကိန္တံ သီလဗ္ဗတပရာမာသံ ဇဟတိ”တိ။ အနာဂါမိမဂ္ဂေန ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အနာဂါမိမဂ္ဂေန ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ကာမရာဂဗျာပါဒါနံ တနုဘာဝါ သကဒါဂါမိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကာမရာဂဗျာပါဒါနံ တနုဘာဝါ သကဒါဂါမိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနာဂါမိမဂ္ဂေန ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ ဇဟတိ”တိ။

\* ပုထုဇ္ဇနော ကာမေသု ဝိတရာဂေါ သဟ ဓမ္မာဘိသမယာ အနာဂါမိဖလေ သဏ္ဌာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ယေ ကေစိ ဓမ္မံ အဘိသမေန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ သဟ ဓမ္မာဘိသမယာ အနာဂါမိဖလေ သဏ္ဌဟန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



† န ဝတ္ထုဗ္ဗံ. “ဇာတိ ပုထုဇ္ဇနော ကာမရာဂဗျာပါဒ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ ဘဂဝတာ—

“အဟေသုံ တေ<sup>၁</sup> အတိတံသေ၊ ဆ သတ္တာရော ယသသိနော။  
 နိရာမဂန္ဓာ ကရုဏေဓိမုတ္တာ<sup>၂</sup>၊ ကာမသံယောဇနာတိဂါ။  
 ကာမရာဂံ ဝိရာဇေတွာ၊ မြဟ္မလောကူပဂါ အဟု။  
 အဟေသုံ သာဝကာ တေသံ၊ အနေကာနိ သတာနိဝိ။  
 နိရာမဂန္ဓာ ကရုဏေဓိမုတ္တာ၊ ကာမသံယောဇနာတိဂါ။  
 ကာမရာဂံ ဝိရာဇေတွာ၊ မြဟ္မလောကူပဂါ အဟူ”တိ<sup>၃</sup>။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဇာတိ ပုထုဇ္ဇနော ကာမ-  
 ရာဂဗျာပါဒန္တိ။

\* ဇာတိ ပုထုဇ္ဇနော ကာမရာဂဗျာပါဒန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ ဘဂဝတာ  
 “သော ဟိ နာမ ဘိက္ခဝေ သုနေတ္တော သတ္တာ ဧဝံ ဒီဃာယုကော သမာနော  
 ဧဝံ စိရဋ္ဌိတိကော အပရိမုတ္တော အဟောသိ ဇာတိယာ ဇရာယ မရဏေန  
 သောကေဟိ ပရိဒေဝေဟိ ဒုက္ခေဟိ ဒေါမနသေဟိ ဥပါယာသေဟိ အပရိမုတ္တော  
 ဒုက္ခသွာတိ ဝဒါမိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ စတုန္တံ ဓမ္မာနံ အနနုဗောဓာ အပ္ပဋ္ဌိဝေဓာ။  
 ကတမေသံ စတုန္တံ၊ အရိယဿ သီလဿ အနနုဗောဓာ အပ္ပဋ္ဌိဝေဓာ။ အရိယဿ  
 သမာဓိဿ။ အရိယာယ ပညာယ။ အရိယာယ ဝိမုတ္တိယာ အနနုဗောဓာ အပ္ပဋ္ဌိ-  
 ဝေဓာ။ တယိဒံ ဘိက္ခဝေ အရိယံ သီလံ အနုဗုဒ္ဓံ ပဋိဝိဒ္ဓံ၊ အရိယော သမာဓိ  
 အနုဗုဒ္ဓေါ ပဋိဝိဒ္ဓေါ၊ အရိယာ ပညာ အနုဗုဒ္ဓေါ ပဋိဝိဒ္ဓေါ၊ အရိယာ ဝိမုတ္တိ အနုဗုဒ္ဓေါ  
 ပဋိဝိဒ္ဓေါ၊ ဥစ္စန္ဓာ ဘဝတဏှာ၊ ခိဏာ ဘဝနေတ္ထိ၊ နတ္ထိ ဒါနိ ပုနဗ္ဗဝေတိ။

သီလံ သမာဓိ ပညာ စ၊ ဝိမုတ္တိ စ အနုတ္တရာ။  
 အနုဗုဒ္ဓေါ ဣမေ ဓမ္မာ၊ ဂေါတမေန ယသသိနာ။  
 ဣတိ ဗုဒ္ဓေါ အဘိညာယ၊ ဓမ္မမက္ခာသိ ဘိက္ခုနံ။  
 ဒုက္ခဿန္တကရော သတ္တာ၊ စက္ခုမာ ပရိနိဗ္ဗုတော”တိ<sup>၄</sup>။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “ဇာတိ ပုထုဇ္ဇနော  
 ကာမရာဂဗျာပါဒ”န္တိ။

ဇာတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၁-အဟိံသကာ (အံ ၂-၃၂၇ ပိဋေ)

၂-အံ ၂-၃၂၇ ပိဋေ။

၂-ကရုဏာဓိမုတ္တာ (သီ၊က)

၄-အံ ၂-၄၇၇ ပိဋေ။



## ၅-သဗ္ဗမတ္တိတိကထာ

## ၁-ဝါဒယုတ္တိ

၂၀၂။ \* သဗ္ဗမတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗတ္ထ သဗ္ဗမတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ သဗ္ဗမတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗဒါ သဗ္ဗမတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ သဗ္ဗမတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေန သဗ္ဗံ သဗ္ဗမတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ သဗ္ဗမတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေသု သဗ္ဗမတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ သဗ္ဗမတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အယောဂန္တိ ကတွာ သဗ္ဗမတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ သဗ္ဗမတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ယမ္မိ နတ္ထိ၊ တမ္မတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ သဗ္ဗမတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗမတ္တိတိ ယာ ဒိဋ္ဌိ သာ ဒိဋ္ဌိ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိတိ၊ ယာ ဒိဋ္ဌိ သာ ဒိဋ္ဌိ သမ္မာဒိဋ္ဌိတိ ဟေဝမတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ။(သံခိတ္တံ)။ ။ဝါဒယုတ္တိ။

## ၂-ကာလသံသန္တန

၂၀၃။ \* အတိတံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ နန အတိတံ နိရုဒ္ဓံ ဝိဂတံ ဝိပရိဏတံ အတ္တိတံ အပ္ပတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတိတံ နိရုဒ္ဓံ ဝိဂတံ ဝိပရိဏတံ အတ္တိတံ အပ္ပတ္တိတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတိတံ အတ္တိ”တိ။

\* အနာဂတံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ နန အနာဂတံ အဇာတံ အဘူတံ အသဉ္ဇာတံ အနိဗ္ဗတ္တံ အနဘိနိဗ္ဗတ္တံ အပါတုဘူတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာဂတံ အဇာတံ အဘူတံ အသဉ္ဇာတံ အနိဗ္ဗတ္တံ အနဘိနိဗ္ဗတ္တံ အပါတုဘူတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနာဂတံ အတ္တိ”တိ။

\* ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္တိ ပစ္စုပ္ပန္နံ အနိရုဒ္ဓံ အဝိဂတံ အဝိပရိဏတံ န အတ္တိတံ န အပ္ပတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ အတ္တိ အတိတံ အနိရုဒ္ဓံ အဝိဂတံ အဝိပရိဏတံ န အတ္တိတံ န အပ္ပတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္တိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဇာတံ ဘူတံ သဉ္ဇာတံ နိဗ္ဗတ္တံ အဘိနိဗ္ဗတ္တံ ပါတုဘူတန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ အတ္တိ အနာဂတံ ဇာတံ ဘူတံ သဉ္ဇာတံ နိဗ္ဗတ္တံ အဘိနိဗ္ဗတ္တံ ပါတုဘူတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတိတံ အတ္တိ အတိတံ နိရုဒ္ဓံ ဝိဂတံ ဝိပရိဏတံ အတ္တိတံ အပ္ပတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္တိ ပစ္စုပ္ပန္နံ နိရုဒ္ဓံ ဝိဂတံ ဝိပရိဏတံ အတ္တိတံ အပ္ပတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အနာဂတံ အတ္တိ အနာဂတံ အဇာတံ



အဘူတံ အသဉ္ဇာတံ အနိဗ္ဗတ္တံ အနဘိနိဗ္ဗတ္တံ အပါတုဘူတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္ထိ ပစ္စုပ္ပန္နံ အဇာတံ အဘူတံ အသဉ္ဇာတံ အနိဗ္ဗတ္တံ အနဘိနိဗ္ဗတ္တံ အပါတုဘူတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၈၄။ \*အတိတံ ရူပံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အတိတံ ရူပံ နိရုဒ္ဓံ ဝိဂတံ ဝိပရိဏတံ အတ္တင်္ဂတံ အဗ္ဘတ္တင်္ဂတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတိတံ ရူပံ နိရုဒ္ဓံ။ ပ။ အဗ္ဘတ္တင်္ဂတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတိတံ ရူပံ အတ္ထိ”တိ။

\*အနာဂတံ ရူပံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အနာဂတံ ရူပံ အဇာတံ အဘူတံ အသဉ္ဇာတံ အနိဗ္ဗတ္တံ အနဘိနိဗ္ဗတ္တံ အပါတုဘူတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာဂတံ ရူပံ အဇာတံ။ ပ။ အပါတုဘူတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနာဂတံ ရူပံ အတ္ထိ”တိ။

\*ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ အတ္ထိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ အနိရုဒ္ဓံ အဝိဂတံ အဝိပရိဏတံ န အတ္တင်္ဂတံ န အဗ္ဘတ္တင်္ဂတန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ရူပံ အတ္ထိ အတိတံ ရူပံ အနိရုဒ္ဓံ အဝိဂတံ အဝိပရိဏတံ န အတ္တင်္ဂတံ န အဗ္ဘတ္တင်္ဂတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\*ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ အတ္ထိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ ဇာတံ ဘူတံ သဉ္ဇာတံ နိဗ္ဗတ္တံ အဘိနိဗ္ဗတ္တံ ပါတုဘူတန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ ရူပံ အတ္ထိ အနာဂတံ ရူပံ ဇာတံ ဘူတံ သဉ္ဇာတံ နိဗ္ဗတ္တံ အဘိနိဗ္ဗတ္တံ ပါတုဘူတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\*အတိတံ ရူပံ အတ္ထိ အတိတံ ရူပံ နိရုဒ္ဓံ ဝိဂတံ ဝိပရိဏတံ အတ္တင်္ဂတံ အဗ္ဘတ္တင်္ဂတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ အတ္ထိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ နိရုဒ္ဓံ ဝိဂတံ ဝိပရိဏတံ အတ္တင်္ဂတံ အဗ္ဘတ္တင်္ဂတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\*အနာဂတံ ရူပံ အတ္ထိ အနာဂတံ ရူပံ အဇာတံ အဘူတံ အသဉ္ဇာတံ အနိဗ္ဗတ္တံ အနဘိနိဗ္ဗတ္တံ အပါတုဘူတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ အတ္ထိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ အဇာတံ အဘူတံ အသဉ္ဇာတံ အနိဗ္ဗတ္တံ အနဘိနိဗ္ဗတ္တံ အပါတုဘူတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\*အတိတာ ဝေဒနာ အတ္ထိ။ ပ။ သညာ အတ္ထိ။ သင်္ခါရာ အတ္ထိ။ ဝိညာဏံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အတိတံ ဝိညာဏံ နိရုဒ္ဓံ ဝိဂတံ ဝိပရိဏတံ အတ္တင်္ဂတံ အဗ္ဘတ္တင်္ဂတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတိတံ ဝိညာဏံ နိရုဒ္ဓံ။ ပ။ အဗ္ဘတ္တင်္ဂတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတိတံ ဝိညာဏံ အတ္ထိ”တိ။



\* အနာဂတံ ဝိညာဏံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ နန အနာဂတံ ဝိညာဏံ အဇာတံ အဘူတံ အသဉ္ဇာတံ အနိဗ္ဗတ္တံ အနဘိနိဗ္ဗတ္တံ အပါတုဘူတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အနာဂတံ ဝိညာဏံ အဇာတံ။ပ။ အပါတုဘူတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနာဂတံ ဝိညာဏံ အတ္တိ”တိ။

\* ပစ္စုပ္ပန္နံ ဝိညာဏံ အတ္တိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဝိညာဏံ အနိရုဒ္ဓံ။ပ။ န အပ္ပတ္တိတန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ဝိညာဏံ အတ္တိ အတိတံ ဝိညာဏံ အနိရုဒ္ဓံ။ပ။ န အပ္ပတ္တိတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* ပစ္စုပ္ပန္နံ ဝိညာဏံ အတ္တိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဝိညာဏံ ဇာတံ။ပ။ ပါတုဘူတန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ ဝိညာဏံ အတ္တိ အနာဂတံ ဝိညာဏံ ဇာတံ။ပ။ ပါတုဘူတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အတိတံ ဝိညာဏံ အတ္တိ အတိတံ ဝိညာဏံ နိရုဒ္ဓံ။ပ။ အပ္ပတ္တိတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဝိညာဏံ အတ္တိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဝိညာဏံ နိရုဒ္ဓံ။ပ။ အပ္ပတ္တိတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ အနာဂတံ ဝိညာဏံ အတ္တိ အနာဂတံ ဝိညာဏံ အဇာတံ။ပ။ အပါတုဘူတန္တိ၊ အာမန္တာ။

\* ပစ္စုပ္ပန္နံ ဝိညာဏံ အတ္တိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဝိညာဏံ အဇာတံ။ပ။ အပါတုဘူတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၂၀၅။ \* “ပစ္စုပ္ပန္န”န္တိ ဝါ “ရူပ”န္တိ ဝါ, “ရူပ”န္တိ ဝါ “ပစ္စုပ္ပန္န”န္တိ ဝါ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ နိရုဇ္ဈမာနံ ပစ္စုပ္ပန္နဘာဝံ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပဘာဝံ ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* “ပစ္စုပ္ပန္န”န္တိ ဝါ “ရူပ”န္တိ ဝါ, “ရူပ”န္တိ ဝါ “ပစ္စုပ္ပန္န”န္တိ ဝါ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ နိရုဇ္ဈမာနံ ရူပဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† “ဩဒါတ”န္တိ ဝါ “ဝတ္ထ”န္တိ ဝါ, “ဝတ္ထ”န္တိ ဝါ “ဩဒါတ”န္တိ ဝါ ဩဒါတံ ဝတ္ထံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ အာမန္တာ။ ဩဒါတံ ဝတ္ထံ ရဇ္ဇမာနံ ဩဒါတဘာဝံ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝတ္ထဘာဝံ ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။



.†“ဩဒါတ”န္တိ ဝါ “ဝတ္ထ”န္တိ ဝါ, “ဝတ္ထ”န္တိ ဝါ “ဩဒါတ”န္တိ ဝါ ဩဒါတံ ဝတ္ထံ အပ္ပိယံ ကရိတွာ ဧသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ အာမန္တာ။ ဩဒါတံ ဝတ္ထံ ရဇ္ဇမာနံ ဝတ္ထဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဩဒါတဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၂၀၆။ \* ရူပံ ရူပဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ နိစ္စံ ဓုဝံ သဿတံ အဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ နန ရူပံ ရူပဘာဝံ န ဇဟတိတိ ရူပံ အနိစ္စံ အဓုဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ရူပံ အနိစ္စံ အဓုဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ရူပံ ရူပဘာဝံ န ဇဟတိ”တိ။

\* နိဗ္ဗာနံ နိဗ္ဗာနဘာဝံ န ဇဟတိတိ နိဗ္ဗာနံ နိစ္စံ ဓုဝံ သဿတံ အဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ရူပဘာဝံ န ဇဟတိတိ ၊ ရူပံ နိစ္စံ ဓုဝံ သဿတံ အဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ရူပံ ရူပဘာဝံ န ဇဟတိ ရူပံ အနိစ္စံ အဓုဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ နိဗ္ဗာနဘာဝံ န ဇဟတိ နိဗ္ဗာနံ အနိစ္စံ အဓုဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အတိတံ အတ္ထိ အတိတံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ အတ္ထိ အနာဂတံ အနာဂတဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ အတိတံ အတ္ထိ အတိတံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္ထိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ပစ္စုပ္ပန္နဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂတံ အတ္ထိ အနာဂတံ အနာဂတဘာဝံ ဇဟတိတိ ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ အတ္ထိ အတိတံ အတိတဘာဝံ ဇဟတိတိ ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္ထိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ပစ္စုပ္ပန္နဘာဝံ ဇဟတိတိ ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ အတ္ထိ အတိတံ အတိတဘာဝံ ဇဟတိတိ ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

\* အတိတံ အတ္ထိ အတိတံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ နိစ္စံ ဓုဝံ သဿတံ အဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန အတိတံ အနိစ္စံ အဓုဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတိတံ အနိစ္စံ အဓုဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတိတံ အတ္ထိ အတိတံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိ”တိ။



\* နိဗ္ဗာန် အတ္ထိ နိဗ္ဗာန် နိဗ္ဗာနဘာဝံ န ဇဟတိတိ နိဗ္ဗာန် နိစ္စံ ၊ ရဝံ သဿတံ အဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ အတ္ထိ အတိတံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိတိ အတိတံ နိစ္စံ ရဝံ သဿတံ အဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။

\* အတိတံ အတ္ထိ အတိတံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိ အတိတံ အနိစ္စံ အရဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာန် အတ္ထိ နိဗ္ဗာန် နိဗ္ဗာနဘာဝံ န ဇဟတိ နိဗ္ဗာန် အနိစ္စံ အရဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။

၂၀၇။ \* အတိတံ ရူပံ အတ္ထိ အတိတံ ရူပံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ ရူပံ အတ္ထိ အနာဂတံ ရူပံ အနာဂတဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။ အတိတံ ရူပံ အတ္ထိ အတိတံ ရူပံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ အတ္ထိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ ပစ္စုပ္ပန္နဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။

\* အနာဂတံ ရူပံ အတ္ထိ အနာဂတံ ရူပံ အနာဂတဘာဝံ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ရူပံ အတ္ထိ အတိတံ ရူပံ အတိတဘာဝံ ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။

\* ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ အတ္ထိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ ပစ္စုပ္ပန္နဘာဝံ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ရူပံ အတ္ထိ အတိတံ ရူပံ အတိတဘာဝံ ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။

\* အတိတံ ရူပံ အတ္ထိ အတိတံ ရူပံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိတိ အာမန္တာ။ အတိတံ ရူပံ နိစ္စံ ရဝံ သဿတံ အဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။ နန အတိတံ ရူပံ အနိစ္စံ အရဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတိတံ ရူပံ အနိစ္စံ။ ပ။ ဝိပရိဏာမဓမ္မံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗျေ “အတိတံ ရူပံ အတ္ထိ အတိတံ ရူပံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိ”တိ။

\* နိဗ္ဗာန် အတ္ထိ နိဗ္ဗာန် နိဗ္ဗာနဘာဝံ န ဇဟတိ၊ နိဗ္ဗာန် နိစ္စံ ရဝံ သဿတံ အဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ရူပံ အတ္ထိ အတိတံ ရူပံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိ၊ အတိတံ ရူပံ နိစ္စံ ရဝံ သဿတံ အဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။



\* အတိတံ ရူပံ အတ္ထိ အတိတံ ရူပံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိ အတိတံ ရူပံ အနိစ္စံ အဓုဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ အတ္ထိ နိဗ္ဗာနံ နိဗ္ဗာနဘာဝံ န ဇဟတိ နိဗ္ဗာနံ အနိစ္စံ အဓုဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတိတာ ဝေဒနာ အတ္ထိ။ အတိတာ သညာ အတ္ထိ။ အတိတာ သင်္ခါရာ အတ္ထိ။ အတိတံ ဝိညာဏံ အတ္ထိ အတိတံ ဝိညာဏံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ ဝိညာဏံ အတ္ထိ အနာဂတံ ဝိညာဏံ အနာဂတဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတံ ဝိညာဏံ အတ္ထိ အတိတံ ဝိညာဏံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဝိညာဏံ အတ္ထိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဝိညာဏံ ပစ္စုပ္ပန္နဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂတံ ဝိညာဏံ အတ္ထိ အနာဂတံ ဝိညာဏံ အနာဂတဘာဝံ ဇဟတိတိ၊<sup>၁</sup> အာမန္တာ။ အတိတံ ဝိညာဏံ အတ္ထိ အတိတံ ဝိညာဏံ အတိတဘာဝံ ဇဟတိတိ၊<sup>၂</sup> န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပစ္စုပ္ပန္နံ ဝိညာဏံ အတ္ထိ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဝိညာဏံ ပစ္စုပ္ပန္နဘာဝံ ဇဟတိတိ၊<sup>၃</sup> အာမန္တာ။ အတိတံ ဝိညာဏံ အတ္ထိ အတိတံ ဝိညာဏံ အတိတဘာဝံ ဇဟတိတိ၊<sup>၄</sup> န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတိတံ ဝိညာဏံ အတ္ထိ အတိတံ ဝိညာဏံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ဝိညာဏံ နိစ္စံ ဓုဝံ သဿတံ အဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန အတိတံ ဝိညာဏံ အနိစ္စံ အဓုဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတိတံ ဝိညာဏံ အနိစ္စံ အဓုဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတိတံ ဝိညာဏံ အတ္ထိ အတိတံ ဝိညာဏံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိ”တိ။

\* နိဗ္ဗာနံ အတ္ထိ နိဗ္ဗာနံ နိဗ္ဗာနဘာဝံ န ဇဟတိ၊<sup>၁</sup> နိဗ္ဗာနံ နိစ္စံ ဓုဝံ သဿတံ အဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ဝိညာဏံ အတ္ထိ အတိတံ ဝိညာဏံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိ၊<sup>၂</sup> အတိတံ ဝိညာဏံ နိစ္စံ ဓုဝံ သဿတံ အဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတိတံ ဝိညာဏံ အတ္ထိ အတိတံ ဝိညာဏံ အတိတဘာဝံ န ဇဟတိ အတိတံ ဝိညာဏံ အနိစ္စံ အဓုဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ အတ္ထိ

၁-န ဇဟတိ (ဗဟုသု) အနုလောမပဉ္စာယေဝ။

၂-န ဇဟတိ (?) ပုရိမပဉ္စေဟိ သံသန္တေတဗ္ဗံ။



နိဗ္ဗာနံ နိဗ္ဗာနဘာဝံ န ဇဟတိ နိဗ္ဗာနံ အနိစ္စံ အဓုဝံ အသဿတံ ဝိပရိဏာမ-  
ဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

### ၀၀နသောနော

၂၀၈။ \* အတိတံ နှုတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတိတံ နှုတ္တိ၊ အတိတံ အတ္ထိတိ  
မိစ္ဆာ။ ဟဉ္စိ ဝါ ပန အတ္ထိ နှာတိတံ၊ အတ္ထိ အတိတန္တိ မိစ္ဆာ။ အနာဂတံ  
နှုတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာဂတံ နှုတ္တိ၊ အနာဂတံ အတ္ထိတိ မိစ္ဆာ။ ဟဉ္စိ  
ဝါ ပန အတ္ထိ နှာနာဂတံ၊ အတ္ထိ အနာဂတန္တိ မိစ္ဆာ။

\* အနာဂတံ ဟုတွာ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ တညေဝ အနာဂတံ တံ  
ပစ္စုပ္ပန္နန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တညေဝ အနာဂတံ တံ ပစ္စုပ္ပန္နန္တိ၊ အာမန္တာ။  
ဟုတွာ ဟောတိ ဟုတွာ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဟုတွာ ဟောတိ  
ဟုတွာ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ န ဟုတွာ န ဟောတိ န ဟုတွာ န ဟောတိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပစ္စုပ္ပန္နံ ဟုတွာ အတိတံ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ တညေဝ' ပစ္စုပ္ပန္နံ တံ  
အတိတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တညေဝ ပစ္စုပ္ပန္နံ တံ အတိတန္တိ၊ အာမန္တာ။  
ဟုတွာ ဟောတိ ဟုတွာ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဟုတွာ ဟောတိ၊  
ဟုတွာ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ န ဟုတွာ န ဟောတိ န ဟုတွာ န ဟောတိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂတံ ဟုတွာ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဟောတိ၊ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဟုတွာ အတိတံ ဟောတိတိ၊  
အာမန္တာ။ တညေဝ အနာဂတံ တံ ပစ္စုပ္ပန္နံ တံ အတိတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
တညေဝ အနာဂတံ တံ ပစ္စုပ္ပန္နံ တံ အတိတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟုတွာ ဟောတိ၊  
ဟုတွာ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဟုတွာ ဟောတိ၊ ဟုတွာ ဟောတိတိ၊  
အာမန္တာ။ န ဟုတွာ န ဟောတိ၊ န ဟုတွာ န ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

### အတိတစက္ခုရူပါဒိကထာ

၂၀၉။ \* အတိတံ စက္ခု အတ္ထိ ရူပါ အတ္ထိ စက္ခုဝိညာဏံ အတ္ထိ အာလော-  
ကော အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတေန စက္ခုနာ အတိတံ  
ရူပံ ပဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတံ သောတံ အတ္ထိ သဒ္ဓါ အတ္ထိ  
သောတဝိညာဏံ အတ္ထိ အာကာသော အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။



အတိတေန သောတေန အတိတံ သဒ္ဓိ သုဏ္ဏာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
 အတိတံ ဃာနံ အတ္ထိ ဂန္ဓာ အတ္ထိ ဃာနဝိညာဏံ အတ္ထိ ဝါယော အတ္ထိ  
 မနသိကာရော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတေန ဃာနေန အတိတံ ဂန္ဓံ  
 ဃာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတာ ဇိဝှိ အတ္ထိ ရဿ အတ္ထိ ဇိဝှိ-  
 ဝိညာဏံ အတ္ထိ အာပေါ အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတာယ  
 ဇိဝှိယ အတိတံ ရသံ သာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတော ကာယော  
 အတ္ထိ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာ အတ္ထိ ကာယဝိညာဏံ အတ္ထိ ပထဝီ အတ္ထိ မနသိကာရော  
 အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတေန ကာယေန အတိတံ ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုသတိတိ၊ န  
 ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတော မနော အတ္ထိ ဓမ္မာ အတ္ထိ မနောဝိညာဏံ အတ္ထိ  
 ဝတ္ထု အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတေန မနေန အတိတံ  
 ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂတံ စက္ခု အတ္ထိ ရူပါ အတ္ထိ စက္ခုဝိညာဏံ အတ္ထိ အာလောကော  
 အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတေန စက္ခုနာ အနာဂတံ  
 ရူပံ ပဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အနာဂတံ သောတံ အတ္ထိ။ ဃာနံ အတ္ထိ။  
 ဇိဝှိ အတ္ထိ။ ကာယော အတ္ထိ။ မနော အတ္ထိ။ ဓမ္မာ အတ္ထိ။ မနောဝိညာဏံ  
 အတ္ထိ။ ဝတ္ထု အတ္ထိ။ မနသိကာရော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတေန မနေန  
 အနာဂတံ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပစ္စုပ္ပန္နံ စက္ခု အတ္ထိ ရူပါ အတ္ထိ စက္ခုဝိညာဏံ အတ္ထိ အာလောကော အတ္ထိ  
 မနသိကာရော အတ္ထိ၊ ပစ္စုပ္ပန္နေန စက္ခုနာ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ ပဿတိတိ၊ အာမန္တာ။  
 အတိတံ စက္ခု အတ္ထိ ရူပါ အတ္ထိ စက္ခုဝိညာဏံ အတ္ထိ အာလောကော အတ္ထိ  
 မနသိကာရော အတ္ထိ၊ အတိတေန စက္ခုနာ အတိတံ ရူပံ ပဿတိတိ၊ န ဟေဝံ  
 ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ သောတံ အတ္ထိ။ ဃာနံ အတ္ထိ။ ဇိဝှိ အတ္ထိ။ ကာယော အတ္ထိ။  
 မနော အတ္ထိ။ ဓမ္မာ အတ္ထိ။ မနောဝိညာဏံ အတ္ထိ။ ဝတ္ထု အတ္ထိ။ မနသိကာရော  
 အတ္ထိ၊ ပစ္စုပ္ပန္နေန မနေန ပစ္စုပ္ပန္နံ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတော  
 မနော အတ္ထိ ဓမ္မာ အတ္ထိ မနောဝိညာဏံ အတ္ထိ ဝတ္ထု အတ္ထိ မနသိကာရော  
 အတ္ထိ၊ အတိတေန မနေန အတိတံ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပစ္စုပ္ပန္နံ စက္ခု အတ္ထိ ရူပါ အတ္ထိ စက္ခုဝိညာဏံ အတ္ထိ အာလောကော အတ္ထိ  
 မနသိကာရော အတ္ထိ၊ ပစ္စုပ္ပန္နေန စက္ခုနာ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ ပဿတိတိ၊ အာမန္တာ။  
 အနာဂတံ စက္ခု အတ္ထိ ရူပါ အတ္ထိ စက္ခုဝိညာဏံ အတ္ထိ အာလောကော အတ္ထိ



မနသိကာရော အတ္ထိ၊ အနာဂတေန စက္ခုနာ အနာဂတံ ရူပံ ပဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ သောတံ အတ္ထိ။ သာနံ အတ္ထိ။ ဇိဝှါ အတ္ထိ။ ကာယော အတ္ထိ။ မနော အတ္ထိ ဓမ္မာ အတ္ထိ မနောဝိညာဏံ အတ္ထိ ဝတ္ထု အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိ၊ ပစ္စုပ္ပန္နေန မနေန ပစ္စုပ္ပန္နံ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတော မနော အတ္ထိ ဓမ္မာ အတ္ထိ မနောဝိညာဏံ အတ္ထိ ဝတ္ထု အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိ၊ အနာဂတေန မနေန အနာဂတံ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတိတံ စက္ခု အတ္ထိ ရူပါ အတ္ထိ စက္ခုဝိညာဏံ အတ္ထိ အာလောကော အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိ၊ န စ အတိတေန စက္ခုနာ အတိတံ ရူပံ ပဿတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ စက္ခု အတ္ထိ ရူပါ အတ္ထိ စက္ခုဝိညာဏံ အတ္ထိ အာလောကော အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိ၊ န စ ပစ္စုပ္ပန္နေန စက္ခုနာ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ ပဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အတိတံ သောတံ အတ္ထိ။ သာနံ အတ္ထိ။ ဇိဝှါ အတ္ထိ။ ကာယော အတ္ထိ။ မနော အတ္ထိ ဓမ္မာ အတ္ထိ မနောဝိညာဏံ အတ္ထိ ဝတ္ထု အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိ၊ န စ အတိတေန မနေန အတိတံ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နော မနော အတ္ထိ ဓမ္မာ အတ္ထိ မနောဝိညာဏံ အတ္ထိ ဝတ္ထု အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိ၊ န စ ပစ္စုပ္ပန္နေန မနေန ပစ္စုပ္ပန္နံ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* အနာဂတံ စက္ခု အတ္ထိ ရူပါ အတ္ထိ စက္ခုဝိညာဏံ အတ္ထိ အာလောကော အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိ၊ န စ အနာဂတေန စက္ခုနာ အနာဂတံ ရူပံ ပဿတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ စက္ခု အတ္ထိ ရူပါ အတ္ထိ စက္ခုဝိညာဏံ အတ္ထိ အာလောကော အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိ၊ န စ ပစ္စုပ္ပန္နေန စက္ခုနာ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ ပဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အနာဂတံ သောတံ အတ္ထိ။ သာနံ အတ္ထိ။ ဇိဝှါ အတ္ထိ။ ကာယော အတ္ထိ။ မနော အတ္ထိ ဓမ္မာ အတ္ထိ မနောဝိညာဏံ အတ္ထိ ဝတ္ထု အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိ၊ န စ အနာဂတေန မနေန အနာဂတံ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နော မနော အတ္ထိ ဓမ္မာ အတ္ထိ မနောဝိညာဏံ အတ္ထိ ဝတ္ထု အတ္ထိ မနသိကာရော အတ္ထိ၊ န စ ပစ္စုပ္ပန္နေန မနေန ပစ္စုပ္ပန္နံ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

### အတိတဉာဏာဒိကထာ

၂၉၀။ \* အတိတံ ဉာဏံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဉာဏေန ဉာဏကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ တေန ဉာဏေန ဉာဏကရဏီယံ







အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန် ဉာဏ် အတ္တိ၊ န စ တေန ဉာဏေန ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ၊ သမုဒယံ ပဇဟတိ၊ နိရောဓံ သစ္စိကရေတိ၊ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

### အရဟန္တာဒိကထာ

၂၉၁။ \* အရဟတော အတိတော ရာဂေါ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ တေန ရာဂေန သရာဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အရဟတော အတိတော ဒေါသော အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ တေန ဒေါသေန သဒေါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အရဟတော အတိတော မောဟော အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ တေန မောဟေန သမောဟောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အရဟတော အတိတော မာနော အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ တေန မာနေန သမာနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အရဟတော အတိတာ ဒိဋ္ဌိ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အရဟတော အတိတာ ဝိစိကိစ္ဆာ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ တာယ ဝိစိကိစ္ဆာယ သဝိစိကိစ္ဆောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အရဟတော အတိတံ ထိနံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ တေန ထိနေန သထိနေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အရဟတော အတိတံ ဥဒ္ဓစ္စံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ တေန ဥဒ္ဓစ္စေန သဥဒ္ဓတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အရဟတော အတိတံ အဟိရိကံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ တေန အဟိရိကေန သအဟိရိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အရဟတော အတိတံ အနောတ္တပ္ပံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ တေန အနောတ္တပ္ပေန သအနောတ္တပ္ပိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အနာဂါမိဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိ တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အနာဂါမိဿ အတိတာ ဝိစိကိစ္ဆာ အတ္တိ။ အတိတော သီလဗ္ဗတပရာမာသော အတ္တိ။ အတိ- တော အဏုသဟဂတော ကာမရာဂေါ အတ္တိ။ အတိတော အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိ တေန ဗျာပါဒေန ဗျာပန္နစိတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သကဒါဂါမိဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိ တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သကဒါဂါမိဿ အတိတာ ဝိစိကိစ္ဆာ အတ္တိ။ အတိတော သီလဗ္ဗတပရာမာသော အတ္တိ။



အတိတော ဩဋ္ဌာရိကော ကာမရာဂေါ အတ္ထိ။ အတိတော ဩဋ္ဌာရိကော ဗျာပါ-  
ဒေါ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမီ တေန ဗျာပါဒေန ဗျာပန္နစိတ္တောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သောတာပန္နဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာ-  
ပန္နော တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သောတာပန္နဿ  
အတိတာ ဝိစိကိစ္ဆာ အတ္ထိ။ အတိတော သီလဗ္ဗတပရာမာသော အတ္ထိ။  
အတိတော အပါယဂမနိယော ရာဂေါ အတ္ထိ။ အတိတော အပါယဂမနိ-  
ယော ဒေါသော အတ္ထိ။ အတိတော အပါယဂမနိယော မောဟော အတ္ထိတိ၊  
အာမန္တာ။ သောတာပန္နော တေန မောဟေန သမောဟောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၂၉၂။ \* ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတော ရာဂေါ အတ္ထိ၊ ပုထုဇ္ဇနော တေန ရာဂေန  
သရာဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော အတိတော ရာဂေါ အတ္ထိ၊ အရဟာ  
တေန ရာဂေန သရာဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတော  
ဒေါသော အတ္ထိ။ပ။ အတိတံ အနောတ္တပ္ပံ အတ္ထိ၊ ပုထုဇ္ဇနော တေန  
အနောတ္တပ္ပေန အနောတ္တပ္ပိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော အတိတံ အနောတ္တပ္ပံ  
အတ္ထိ၊ အရဟာ တေန အနောတ္တပ္ပေန အနောတ္တပ္ပိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္ထိ၊ ပုထုဇ္ဇနော တာယ ဒိဋ္ဌိယာ  
သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္ထိ၊  
အနာဂါမီ တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပုထုဇ္ဇနဿ  
အတိတာ ဝိစိကိစ္ဆာ အတ္ထိ။ပ။ အတိတော အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ  
အတ္ထိ၊ ပုထုဇ္ဇနော တေန ဗျာပါဒေန ဗျာပန္နစိတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဿ  
အတိတော အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ အတ္ထိ၊ အနာဂါမီ တေန ဗျာပါဒေန  
ဗျာပန္နစိတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္ထိ၊ ပုထုဇ္ဇနော တာယ  
ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ  
အတ္ထိ၊ သကဒါဂါမီ တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတာ ဝိစိကိစ္ဆာ အတ္ထိ။ အတိတော ဩဋ္ဌာရိကော ဗျာပါဒေါ  
အတ္ထိ၊ ပုထုဇ္ဇနော တေန ဗျာပါဒေန ဗျာပန္နစိတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။  
သကဒါဂါမိဿ အတိတော ဩဋ္ဌာရိကော ဗျာပါဒေါ အတ္ထိ၊ သကဒါဂါမီ  
တေန ဗျာပါဒေန ဗျာပန္နစိတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္ထိ၊ ပုထုဇ္ဇနော တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္ထိ၊ သောတာပန္နော တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတာ ဝိစိကိန္နာ အတ္ထိ။ပ။ အတိတော အပါယဂမနိယော မောဟော အတ္ထိ၊ ပုထုဇ္ဇနော တေန မောဟေန သမောဟောတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပန္နဿ အတိတော အပါယဂမနိယော မောဟော အတ္ထိ၊ သောတာပန္နော တေန မောဟေန သမောဟောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတော အတိတော ရာဂေါ အတ္ထိ၊ န စ အရဟာ တေန ရာဂေန သရာဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတော ရာဂေါ အတ္ထိ၊ န စ ပုထုဇ္ဇနော တေန ရာဂေန သရာဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရဟတော အတိတော ဒေါသော အတ္ထိ။ပ။ အတိတံ အနောတ္တပ္ပံ အတ္ထိ၊ န စ အရဟာ တေန အနောတ္တပ္ပေန အနောတ္တပ္ပိတိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတံ အနောတ္တပ္ပံ အတ္ထိ၊ န စ ပုထုဇ္ဇနော တေန အနောတ္တပ္ပေန အနောတ္တပ္ပိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂါမိဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္ထိ၊ န စ အနာဂါမီ တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္ထိ၊ န စ ပုထုဇ္ဇနော တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အနာဂါမိဿ အတိတာ ဝိစိကိန္နာ အတ္ထိ။ပ။ အတိတော အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ အတ္ထိ၊ န စ အနာဂါမီ တေန ဗျာပါဒေန ဗျာပန္နစိတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတော အဏုသဟဂတော ဗျာပါဒေါ အတ္ထိ၊ န စ ပုထုဇ္ဇနော တေန ဗျာပါဒေန ဗျာပန္နစိတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သကဒါဂါမိဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္ထိ၊ န စ သကဒါဂါမီ တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္ထိ၊ န စ ပုထုဇ္ဇနော တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သကဒါဂါမိဿ အတိတာ ဝိစိကိန္နာ အတ္ထိ။ပ။ အတိတော ဩဋ္ဌာရိကော ဗျာပါဒေါ အတ္ထိ၊ န စ သကဒါဂါမီ တေန ဗျာပါဒေန ဗျာပန္နစိတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတော ဩဋ္ဌာရိကော ဗျာပါဒေါ အတ္ထိ၊ န စ ပုထုဇ္ဇနော တေန ဗျာပါဒေန ဗျာပန္နစိတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သောတာပန္နဿ အတိတာ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္ထိ၊ န စ သောတာပန္နော တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတာ



သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အတ္ထိ၊ န စ ပုထုဇ္ဇနော တာယ ဒိဋ္ဌိယာ သဒိဋ္ဌိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သောတာပန္နဿ အတိတာ ဝိစိကိစ္ဆာ အတ္ထိ။ပ။ အတိတော အပါယဂမနိယော မောဟော အတ္ထိ၊ န စ သောတာပန္နော တေန မောဟေန သမောဟောတိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနဿ အတိတော အပါယဂမနိယော မောဟော အတ္ထိ၊ န စ ပုထုဇ္ဇနော တေန မောဟေန သမောဟောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

### အတိတဟတ္တာဒိကထာ

၂၉၃။ \*အတိတာ ဟတ္တာ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတေသု ဟတ္ထေသု သတိ အာဒါနနိက္ခေပနံ ပညာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတာ ပါဒါ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတေသု ပါဒေသု သတိ အဘိက္ခမပဋိက္ကမော ပညာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတာ ပဗ္ဗာ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတေသု ပဗ္ဗေသု သတိ သမိဉ္ဇနပသာရဏံ ပညာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတော ကုစ္ဆိ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတသ္မိံ ကုစ္ဆိသ္မိံ သတိ ဇိဃန္တာ ပိပါသာ ပညာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အတိတော ကာယော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတော ကာယော ပဂ္ဂဟနိဂ္ဂဟုပဂေါ ဆေဒနဘေဒနပဂေါ ကာကေဟိ ဂိဇ္ဈေဟိ ကုလလေဟိ သာဓာရဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတေ ကာယေ ဝိသံ ကမေယျ။ သတ္ထံ ကမေယျ။ အဂ္ဂိ ကမေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ လဗ္ဘာ အတိတော ကာယော အဗ္ဗုဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ ရဇ္ဇုဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ သင်္ခလိကဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ ဂါမဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ နိဂမဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ နဂရဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ ဇနပဒဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ ကဏ္ဍပဉ္စမေဟိ ဗန္ဓနေဟိ ဗန္ဓိတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အတိတော အာပေါ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ တေန အာပေန အာပကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတော တေဇော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ တေန တေဇေန တေဇကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတော ဝါယော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဝါယေန ဝါယကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

### အတိတက္ခန္ဓာဒိသမောဓေနကထာ

၂၉၄။ \*အတိတော ရူပက္ခန္ဓော အတ္ထိ။ အနာဂတော ရူပက္ခန္ဓော အတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန္နော ရူပက္ခန္ဓော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ တယော ရူပက္ခန္ဓာတိ၊ န ဟေဝံ



ဝတ္ထဗျေ။ပ။ အတိတာ ပဉ္စက္ခန္ဓာ အတ္ထိ။ အနာဂတာ ပဉ္စက္ခန္ဓာ အတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန္နာ ပဉ္စက္ခန္ဓာ အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ ပန္နရသက္ခန္ဓာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* အတိတံ စက္ခာယတနံ အတ္ထိ။ အနာဂတံ စက္ခာယတနံ အတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ စက္ခာယတနံ အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ တိဏိ စက္ခာယတနာနိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။ အတိတာနိ ဒွါဒသာယတနာနိ အတ္ထိ။ အနာဂတာနိ ဒွါဒသာယတနာနိ အတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန္နာနိ ဒွါဒသာယတနာနိ အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ ဆတ္ထိ-သာယတနာနိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* အတိတာ စက္ခုဓာတု အတ္ထိ။ အနာဂတာ စက္ခုဓာတု အတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန္နာ စက္ခုဓာတု အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ တိဿော စက္ခုဓာတုယောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။ အတိတာ အဋ္ဌာရသ ဓာတုယော အတ္ထိ။ အနာဂတာ အဋ္ဌာရသ ဓာတုယော အတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန္နာ အဋ္ဌာရသ ဓာတုယော အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ စတုပညာသ ဓာတုယောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* အတိတံ စက္ခုန္ဓိယံ အတ္ထိ။ အနာဂတံ စက္ခုန္ဓိယံ အတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ စက္ခုန္ဓိယံ အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ တိဏိ စက္ခုန္ဓိယာနိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။ အတိတာနိ ဗာဝိသတိန္ဓိယာနိ အတ္ထိ။ အနာဂတာနိ ဗာဝိသတိန္ဓိယာနိ အတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန္နာနိ ဗာဝိသတိန္ဓိယာနိ အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ ဆသဠိန္ဓိယာနိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* အတိတော ရာဇာ စက္ကဝတ္ထိ အတ္ထိ။ အနာဂတော ရာဇာ စက္ကဝတ္ထိ အတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန္နော ရာဇာ စက္ကဝတ္ထိ အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ တိဏ္ဍန္တံ ရာဇနံ စက္ကဝတ္ထိနံ သမ္ပုဒ္ဓိဘာဝေါ ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* အတိတော သမ္မာသမ္ပုဒ္ဓေါ အတ္ထိ။ အနာဂတော သမ္မာသမ္ပုဒ္ဓေါ အတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန္နော သမ္မာသမ္ပုဒ္ဓေါ အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ တိဏ္ဍန္တံ သမ္မာသမ္ပုဒ္ဓါနံ သမ္ပုဒ္ဓိဘာဝေါ ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

### ပဒသောဓနကထာ

၂၉၅။ \* အတိတံ အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အတိတန္တိ။ အတ္ထိ သိယာ အတိတံ၊ သိယာ နှာတိတန္တိ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟဉ္စိ အတိတံ အတ္ထိ အတ္ထိ သိယာ အတိတံ၊ သိယာ နှာတိတံ၊ တေနာတိတံ နှာတိတံ၊ နှာတိတံ အတိတန္တိ။ ယံ တတ္ထ



ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘အတိတံ အတ္ထိ အတ္ထိ သိယာ အတိတံ, သိယာ န္ဓာတိတံ၊ တေနာတိတံ န္ဓာတိတံ, န္ဓာတိတံ အတိတ’န္တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန အတိတံ န္ဓာတိတံ န္ဓာတိတံ, အတိတန္တိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတိတံ အတ္ထိ အတ္ထိ သိယာ အတိတံ, သိယာ န္ဓာတိတံ”န္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘အတိတံ အတ္ထိ အတ္ထိ သိယာ အတိတံ, သိယာ န္ဓာတိတံ၊ တေနာတိတံ န္ဓာတိတံ, န္ဓာတိတံ အတိတ’န္တိ”။ မိစ္ဆာ။

\* အနာဂတံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အနာဂတန္တိ၊ အတ္ထိ သိယာ အနာဂတံ, သိယာ န္ဓာနာဂတန္တိ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ အနာဂတံ အတ္ထိ အတ္ထိ သိယာ အနာဂတံ သိယာ န္ဓာနာဂတံ၊ တေနာနာဂတံ န္ဓာနာဂတံ န္ဓာနာဂတံ, အနာဂတန္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘အနာဂတံ အတ္ထိ အတ္ထိ သိယာ အနာဂတံ, သိယာ န္ဓာနာဂတံ၊ တေနာနာဂတံ န္ဓာနာဂတံ, န္ဓာနာဂတံ အနာဂတ’န္တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပနာနာဂတံ န္ဓာနာဂတံ, န္ဓာနာဂတံ အနာဂတန္တိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အနာဂတံ အတ္ထိ အတ္ထိ သိယာ အနာဂတံ, သိယာ န္ဓာနာဂတံ”န္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘အနာဂတံ အတ္ထိ အတ္ထိ သိယာ အနာဂတံ, သိယာ န္ဓာနာဂတံ၊ တေနာနာဂတံ န္ဓာနာဂတံ, န္ဓာနာဂတံ အနာဂတ’န္တိ”။ မိစ္ဆာ။

† ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ပစ္စုပ္ပန္နန္တိ၊ အတ္ထိ သိယာ ပစ္စုပ္ပန္နံ, သိယာ နော ပစ္စုပ္ပန္နန္တိ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္ထိ အတ္ထိ သိယာ ပစ္စုပ္ပန္နံ, သိယာ နော ပစ္စုပ္ပန္နံ၊ တေန ပစ္စုပ္ပန္နံ နော ပစ္စုပ္ပန္နံ, နော ပစ္စုပ္ပန္နံ ပစ္စုပ္ပန္နန္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္ထိ အတ္ထိ သိယာ ပစ္စုပ္ပန္နံ, သိယာ နော ပစ္စုပ္ပန္နံ၊ တေန ပစ္စုပ္ပန္နံ နော ပစ္စုပ္ပန္နံ, နော ပစ္စုပ္ပန္နံ ပစ္စုပ္ပန္န’န္တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ပစ္စုပ္ပန္နံ နော ပစ္စုပ္ပန္နံ, နော ပစ္စုပ္ပန္နံ ပစ္စုပ္ပန္နန္တိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္ထိ အတ္ထိ သိယာ ပစ္စုပ္ပန္နံ, သိယာ နော ပစ္စုပ္ပန္နံ”န္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္ထိ အတ္ထိ



သိယာ ပစ္စုပ္ပန်၊ သိယာ နော ပစ္စုပ္ပန်၊ တေန ပစ္စုပ္ပန် နော ပစ္စုပ္ပန်၊ နော ပစ္စုပ္ပန် ပစ္စုပ္ပန်'န္တိ"။ မိစ္ဆာ။

† နိဗ္ဗာန် အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္တိ နိဗ္ဗာနန္တိ၊ အတ္တိ သိယာ နိဗ္ဗာန်၊ သိယာ နော နိဗ္ဗာနန္တိ။

အာဇာနာဟိ နိဂ္ဂဟံ—ဟန္တိ နိဗ္ဗာန် အတ္တိ အတ္တိ သိယာ နိဗ္ဗာန်၊ သိယာ နော နိဗ္ဗာန်၊ တေန နိဗ္ဗာန် နော နိဗ္ဗာန်၊ နော နိဗ္ဗာန် နိဗ္ဗာနန္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘နိဗ္ဗာန် အတ္တိ အတ္တိ သိယာ နိဗ္ဗာန်၊ သိယာ နော နိဗ္ဗာန်၊ တေန နိဗ္ဗာန် နော နိဗ္ဗာန်၊ နော နိဗ္ဗာန် နိဗ္ဗာန'န္တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန နိဗ္ဗာန် နော နိဗ္ဗာန်၊ နော နိဗ္ဗာန် နိဗ္ဗာနန္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “နိဗ္ဗာန် အတ္တိ အတ္တိ သိယာ နိဗ္ဗာန်၊ သိယာ နော နိဗ္ဗာန'န္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္ထဗ္ဗေ ခေါ ‘နိဗ္ဗာန် အတ္တိ အတ္တိ သိယာ နိဗ္ဗာန်၊ သိယာ နော နိဗ္ဗာန်၊ တေန နိဗ္ဗာန် နော နိဗ္ဗာန်၊ နော နိဗ္ဗာန် နိဗ္ဗာန'န္တိ”။ မိစ္ဆာ။

### သုတ္တသမာဓန

၂၉၆။ † န ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတိတံ အတ္တိ၊ အနာဂတံ အတ္တိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ယံ ကိန္တိ ဘိက္ခဝေ ရူပံ အတိတာနာဂတပစ္စုပ္ပန် အဇ္ဈတ္တံ ဝါ ဗဟိဒ္ဓါ ဝါ ဩဋ္ဌာရိကံ ဝါ သုခုမံ ဝါ ဟိနံ ဝါ ပဏီတံ ဝါ ယံ ဒူရေ သန္တိကေ ဝါ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ရူပက္ခန္ဓော။ ယာ ကာစိ ဝေဒနာ။ ယာ ကာစိ သညာ။ ယေ ကေစိ သင်္ခါရာ။ ယံ ကိန္တိ ဝိညာဏံ အတိတာနာဂတပစ္စုပ္ပန် အဇ္ဈတ္တံ ဝါ ဗဟိဒ္ဓါ ဝါ ဩဋ္ဌာရိကံ ဝါ သုခုမံ ဝါ ဟိနံ ဝါ ပဏီတံ ဝါ ယံ ဒူရေ သန္တိကေ ဝါ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဝိညာဏက္ခန္ဓော”တိ” အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အတိတံ အတ္တိ၊ အနာဂတံ အတ္တိတိ။

\* အတိတံ အတ္တိ၊ အနာဂတံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—တယောမေ ဘိက္ခဝေ နိရုတ္တိပထာ အဓိဝစနပထာ ပညတ္တိပထာ အသံကိဏ္ဍာ အသံကိဏ္ဍပုဗ္ဗာ န သံကိယန္တိ န သံကိယိဿန္တိ အပ္ပင်္ဂုက္ခာ သမဏေဟိ ဗြာဟ္မဏေဟိ ဝိညူဟိ။ ကတမေ တယော၊ ယံ ဘိက္ခဝေ ရူပံ အတိတံ နိရုဒ္ဓံ ဝိဂတံ ဝိပရိဏတံ “အဟောသီ”တိ တဿ သင်္ခါ “အဟောသီ”တိ တဿ သမညာ “အဟောသီ”တိ တဿ ပညတ္တိ၊ န တဿ သင်္ခါ “အတ္တိ”တိ န တဿ သင်္ခါ “ဘဝိဿတိ”တိ။ ယာ ဝေဒနာ။ ပ။ ယာ သညာ။ ယေ သင်္ခါရာ။ ယံ



ဝိညာဏံ အတိတံ နိရုဒ္ဓံ ဝိဂတံ ဝိပရိဏတံ “အဟောသီ”တိ တဿ သင်္ခါ “အဟောသီ”တိ တဿ သမညာ “အဟောသီ”တိ တဿ ပညတ္တိ၊ န တဿ သင်္ခါ “အတ္ထိ”တိ န တဿ သင်္ခါ “ဘဝိဿတိ”တိ။

ယံ ဘိက္ခဝေ ရူပံ အဇာတံ အပါတုဘူတံ “ဘဝိဿတိ”တိ တဿ သင်္ခါ “ဘဝိဿတိ”တိ တဿ သမညာ “ဘဝိဿတိ”တိ တဿ ပညတ္တိ၊ န တဿ သင်္ခါ “အတ္ထိ”တိ န တဿ သင်္ခါ “အဟောသီ”တိ။ ယာ ဝေဒနာ။ပ။ ယာ သညာ။ ယေ သင်္ခါရာ။ ယံ ဝိညာဏံ အဇာတံ အပါတုဘူတံ “ဘဝိဿတိ”တိ တဿ သင်္ခါ “ဘဝိဿတိ”တိ တဿ သမညာ “ဘဝိဿတိ”တိ တဿ ပညတ္တိ၊ န တဿ သင်္ခါ “အတ္ထိ”တိ န တဿ သင်္ခါ “အဟောသီ”တိ။

ယံ ဘိက္ခဝေ ရူပံ ဇာတံ ပါတုဘူတံ “အတ္ထိ”တိ တဿ သင်္ခါ “အတ္ထိ”တိ တဿ သမညာ “အတ္ထိ”တိ တဿ ပညတ္တိ၊ န တဿ သင်္ခါ “အဟောသီ”တိ န တဿ သင်္ခါ “ဘဝိဿတိ”တိ။ ယာ ဝေဒနာ။ပ။ ယာ သညာ။ ယေ သင်္ခါရာ။ ယံ ဝိညာဏံ ဇာတံ ပါတုဘူတံ “အတ္ထိ”တိ တဿ သင်္ခါ “အတ္ထိ”တိ တဿ သမညာ “အတ္ထိ”တိ တဿ ပညတ္တိ၊ န တဿ သင်္ခါ “အဟောသီ”တိ န တဿ သင်္ခါ “ဘဝိဿတိ”တိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ တယော နိရုတ္တိပထာ အဓိဝစနပထာ ပညတ္တိပထာ အသံကိဏ္ဍာ အသံကိဏ္ဍပုဗ္ဗာ န သံကိယန္တိ န သံကိယိဿန္တိ အပ္ပဋိကုဋ္ဌာ သမဏေဟိ မြာဟ္မဏေဟိ ဝိညူဟိ။

ယေပိ တေ ဘိက္ခဝေ အဟောသုံ ဥက္ကလာ ဝဿဘညာ အဟေတုကဝါဒါ အကိရိယဝါဒါ နတ္ထိကဝါဒါ၊ တေပိမေ တယော နိရုတ္တိပထေ အဓိဝစနပထေ ပညတ္တိပထေ န ဂရဟိတဗ္ဗံ န ပဋိက္ခောသိတဗ္ဗံ အမညိံသု။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ နိန္ဒာဗျာရောသဥပါရမ္ဘဘယာတိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတိတံ အတ္ထိ အနာဂတံ အတ္ထိ”တိ။

\* အတိတံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ နန အာယသ္မာ ဖဂ္ဂုနော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—အတ္ထိ န ခေါ တံ ဘန္တေ စက္ခုယေန စက္ခုနာ အတိတေ ဗုဒ္ဓေ ပရိနိဗ္ဗုတေ ဆိန္ဒပပဉ္စေ ဆိန္ဒဝဋ္ဋုမေ ပရိယာဒိဏ္ဏဝဋ္ဋေ သဗ္ဗဒုက္ခဝိတိဝတ္တေ ပညာပယမာနော ပညာပေယျာတိ။ အတ္ထိ န ခေါ သာ ဘန္တေ ဇိဝှါ။ပ။ အတ္ထိ န ခေါ သော ဘန္တေ မနော ယေန မနေန အတိတေ ဗုဒ္ဓေ ပရိနိဗ္ဗုတေ ဆိန္ဒပပဉ္စေ ဆိန္ဒဝဋ္ဋုမေ ပရိယာဒိဏ္ဏဝဋ္ဋေ သဗ္ဗဒုက္ခဝိတိဝတ္တေ ပညာပယမာနော ပညာပေယျာတိ။



နတ္ထိ ခေါ် တံ ဖဂ္ဂန စက္ခု ယေန စက္ခုနာ အတိတေ ဗုဒ္ဓေ ပရိနိဗ္ဗုတေ ဆိန္ဒပပဉ္စေ ဆိန္ဒဝဋ္ဋုမေ ပရိယာဒိဏ္ဏဝဋ္ဋေ သဗ္ဗဒုက္ခဝိတိဝတ္ထေ ပညာပယမာနော ပညာပေယျ။ နတ္ထိ ခေါ် သာ ဖဂ္ဂန ဇိ၅။ ပ။ နတ္ထိ န ခေါ် သော ဖဂ္ဂန မနော ယေန မနေန အတိတေ ဗုဒ္ဓေ ပရိနိဗ္ဗုတေ ဆိန္ဒပပဉ္စေ ဆိန္ဒဝဋ္ဋုမေ ပရိယာဒိဏ္ဏဝဋ္ဋေ သဗ္ဗဒုက္ခဝိတိဝတ္ထေ ပညာပယမာနော ပညာပေယျာတိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အတိတံ အတ္ထိ”တိ။

\* အတိတံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ နန အာယသ္မာ နန္ဒကော ဧတဒဝေါစ— အဟု ပုဗ္ဗေ လောဘော၊ တဒဟု အကုသလံ၊ သော ဧတရဟိ နတ္ထိ၊ ဣစ္စေတံ ကုသလံ။ အဟု ပုဗ္ဗေ ဒေါသော။ အဟု ပုဗ္ဗေ မောဟော၊ တဒဟု အကုသလံ၊ သော ဧတရဟိ နတ္ထိ၊ ဣစ္စေတံ ကုသလန္တိ<sup>၂</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အတိတံ အတ္ထိ”တိ။

† န “ဝတ္ထဗ္ဗံ အနာဂတံ အတ္ထိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ— ကဗဠိကာရေ စေ ဘိက္ခဝေ အာဟာရေ အတ္ထိ ရာဂေါ၊ အတ္ထိ နန္ဒိ၊ အတ္ထိ တဏှာ၊ ပတိဋ္ဌိတံ တတ္ထ ဝိညာဏံ ဝိရုဋ္ဌံ။ ယတ္ထ ပတိဋ္ဌိတံ ဝိညာဏံ ဝိရုဋ္ဌံ၊ အတ္ထိ တတ္ထ နာမရူပဿ အဝက္ကန္တိ။ ယတ္ထ အတ္ထိ နာမရူပဿ အဝက္ကန္တိ၊ အတ္ထိ တတ္ထ သင်္ခါရာနံ ဝုဒ္ဓိ။ ယတ္ထ အတ္ထိ သင်္ခါရာနံ ဝုဒ္ဓိ၊ အတ္ထိ တတ္ထ အာယတိ<sup>၃</sup> ပုနတ္တဝါဘိနိဗ္ဗုတ္တိ။ ယတ္ထ အတ္ထိ အာယတိ<sup>၄</sup> ပုနတ္တဝါဘိနိဗ္ဗုတ္တိ၊ အတ္ထိ တတ္ထ အာယတိ<sup>၅</sup> ဇာတိဇရာမရဏံ။ ယတ္ထ အတ္ထိ အာယတိ<sup>၆</sup> ဇာတိဇရာမရဏံ၊ သသောကံ တံ ဘိက္ခဝေ သရဇံ<sup>၇</sup> သဥပါယာသန္တိ ဝဒါမိ။

ဖဿေ စေ ဘိက္ခဝေ အာဟာရေ။ မနောသဉ္စေတနာယ စေ ဘိက္ခဝေ အာဟာရေ။ ဝိညာဏေ စေ ဘိက္ခဝေ အာဟာရေ အတ္ထိ ရာဂေါ၊ အတ္ထိ နန္ဒိ။ ပ။ သရဇံ သဥပါယာသန္တိ ဝဒါမိတိ<sup>၈</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အနာဂတံ အတ္ထိတိ။

\* အနာဂတံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ— ကဗဠိကာရေ စေ ဘိက္ခဝေ အာဟာရေ နတ္ထိ ရာဂေါ၊ နတ္ထိ နန္ဒိ၊ နတ္ထိ တဏှာ၊ အပ္ပတိဋ္ဌိတံ တတ္ထ ဝိညာဏံ အဝိရုဋ္ဌံ။ ယတ္ထ ဝိညာဏံ အပ္ပတိဋ္ဌိတံ အဝိရုဋ္ဌံ၊ နတ္ထိ တတ္ထ နာမရူပဿ အဝက္ကန္တိ။ ယတ္ထ နတ္ထိ နာမရူပဿ အဝက္ကန္တိ၊ နတ္ထိ တတ္ထ သင်္ခါရာနံ ဝုဒ္ဓိ။ ယတ္ထ နတ္ထိ သင်္ခါရာနံ ဝုဒ္ဓိ၊ နတ္ထိ တတ္ထ အာယတိ<sup>၉</sup> ပုနတ္တဝါဘိနိဗ္ဗုတ္တိ။

၁-သံ ၂-၂၇၈ ပိဋေ။

၂-သဒရံ (သံ ၁-၃၂၅ ပိဋေ) တဒေဝ ယုတ္တတရံ။

၂-သံ ၂-၁၉၇ ပိဋေ သာဠသုတ္တေ။

၄-သံ ၁-၃၂၅ ပိဋေ။



ယတ္ထ နတ္ထိ အာယတိံ ပုနုပ္ပေါဘိနိဗ္ဗတ္တိ၊ နတ္ထိ တတ္ထ အာယတိံ ဇာတိဇရာမရဏံ။  
ယတ္ထ နတ္ထိ အာယတိံ ဇာတိဇရာမရဏံ၊ အသောကံ တံ ဘိက္ခဝေ အရဇံ  
အနုပါယာသန္တိ ဝဒါမိ။

ဗုဒ္ဓေ ဝေ ဘိက္ခဝေ အာဟာရေ။ မနောသဗ္ဗေတနာယ ဝေ ဘိက္ခဝေ  
အာဟာရေ။ ဝိညာဏေ ဝေ ဘိက္ခဝေ အာဟာရေ နတ္ထိ ရာဂေါ၊ နတ္ထိ နန္ဒိ။ ပ။  
အရဇံ အနုပါယာသန္တိ ဝဒါမိတိ။ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန  
ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အနာဂတံ အတ္ထိ”တိ။

သဗ္ဗမတ္ထိတိကထာ နိဋ္ဌိတာ

## ၆-အတိတက္ခန္ဓာဒိကထာ

### ၁-နသုတ္တသာဓန

၂၉၇။ †အတိတံ ခန္ဓာတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အတိတံ အာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အတိတံ ဓာတုတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အတိတံ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ အတ္ထိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

†အနာဂတံ ခန္ဓာတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အနာဂတံ အာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အနာဂတံ ဓာတုတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အနာဂတံ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ  
အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

†ပစ္စုပ္ပန္နံ ခန္ဓာ ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ခန္ဓာ အတိတံ  
အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ အာယတနံ ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။  
အတိတံ အာယတနံ အတိတံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဓာတု ပစ္စုပ္ပန္နံ  
အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ဓာတု အတိတံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။  
ပစ္စုပ္ပန္နံ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ ပစ္စုပ္ပန္နံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ခန္ဓာ  
ဓာတု အာယတနံ အတိတံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



† အတိတံ ခန္ဓာ အတိတံ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ခန္ဓာ ပစ္စုပ္ပန္နံ  
 နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတိတံ အာယတနံ အတိတံ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။  
 ပစ္စုပ္ပန္နံ အာယတနံ ပစ္စုပ္ပန္နံ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတိတံ ဓာတု အတိတံ  
 နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ဓာတု ပစ္စုပ္ပန္နံ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။  
 အတိတံ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ အတိတံ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ခန္ဓာ  
 ဓာတု အာယတနံ ပစ္စုပ္ပန္နံ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

† အနာဂတံ ခန္ဓာ အနာဂတံ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ခန္ဓာ ပစ္စုပ္ပန္နံ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။ အနာဂတံ အာယတနံ။ပ။ အနာဂတံ ဓာတု။ပ။ အနာဂတံ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ အနာဂတံ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ ပစ္စုပ္ပန္နံ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

† အတိတ်ံ ရူပံ ခန္ဓောတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတ်ံ ရူပံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတိတ်ံ ရူပံ အာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတိတ်ံ ရူပံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတိတ်ံ ရူပံ ဓာတူတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတ်ံ ရူပံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတိတ်ံ ရူပံ ခန္ဓာဓာတု အာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတိတ်ံ ရူပံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

† အနာဂတံ ရူပံ ခန္ဓောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ ရူပံ အတ္ထိတိ၊ န  
 ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အနာဂတံ ရူပံ အာယတနံ။ ပ။ အနာဂတံ ရူပံ ဓာတု။ ပ။  
 အနာဂတံ ရူပံ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ ရူပံ အတ္ထိတိ၊  
 န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

† ပစ္စုပ္ပန် ရူပံ ခန္ဓော ပစ္စုပ္ပန် ရူပံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ရူပံ  
ခန္ဓော အတိတံ ရူပံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန် ရူပံ အာယတနံ။ ပ။  
ပစ္စုပ္ပန် ရူပံ ဓာတု။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန် ရူပံ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ ပစ္စုပ္ပန် ရူပံ  
အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ရူပံ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ အတိတံ ရူပံ အတ္ထိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



† ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ ခန္ဓော ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။  
 အတိတံ ဝိညာဏံ ခန္ဓော အတိတံ ဝိညာဏံ အတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။  
 ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ အာယတနံ။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ ဓာတု။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ  
 ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ဝိညာဏံ  
 ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ အတိတံ ဝိညာဏံ အတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



† ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ ခန္ဓော ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။  
 အနာဂတံ ဝိညာဏံ ခန္ဓော အနာဂတံ ဝိညာဏံ အတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။  
 ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ အာယတနံ။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ ဓာတု။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ  
 ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ  
 ဝိညာဏံ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ အနာဂတံ ဝိညာဏံ အတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ  
 ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

† အတိတံ ဝိညာဏံ ခန္ဓော အတိတံ ဝိညာဏံ နတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။  
 ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ ခန္ဓော ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ နတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အတိတံ  
 ဝိညာဏံ အာယတနံ။ ပ။ အတိတံ ဝိညာဏံ ဓာတု။ ပ။ အတိတံ ဝိညာဏံ  
 ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ အတိတံ ဝိညာဏံ နတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ  
 ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ နတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အနာဂတံ  
 ဝိညာဏံ ခန္ဓော အနာဂတံ ဝိညာဏံ နတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ  
 ခန္ဓော ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ နတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အနာဂတံ ဝိညာဏံ  
 အာယတနံ။ ပ။ အနာဂတံ ဝိညာဏံ ဓာတု။ ပ။ အနာဂတံ ဝိညာဏံ  
 ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ အနာဂတံ ဝိညာဏံ နတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ  
 ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ ပစ္စုပ္ပန် ဝိညာဏံ နတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

### ၂-သုတ္တသမာဓန

၂၉၈။ \* န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတိတာနာဂတာ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ နတ္တိ  
 စေတေ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “တယောမေ ဘိက္ခဝေ နိရုတ္တိပထာ  
 အဓိဝစနပထာ ပညတ္တိ။ ပ။ ဝိညူဟိတိ။ ပ။” အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။  
 တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတိတာနာဂတာ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ နတ္တိ  
 စေတေ”တိ။

† အတိတာနာဂတာ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ နတ္တိ စေတေတိ၊ အာမန္တာ။  
 နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ယံ ကိဉ္စိ ဘိက္ခဝေ ရူပံ အတိတာနာဂတပစ္စုပ္ပန် အဇ္ဈတ္တံ  
 ဝါ ဗဟိဒ္ဓါ ဝါ ဩဠာရိကံ ဝါ သုခုမံ ဝါ ဟိနံ ဝါ ပဏီတံ ဝါ ယံ ဒူရေ  
 သန္တိကေ ဝါ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ရူပက္ခန္ဓော။ ယာ ကာစိ ဝေဒနာ။ ယာ ကာစိ သညာ။  
 ယေ ကေစိ သင်္ခါရာ။ ယံ ကိဉ္စိ ဝိညာဏံ အတိတာနာဂတပစ္စုပ္ပန်။ ပ။ အယံ  
 ဝုစ္စတိ ဝိညာဏက္ခန္ဓော”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န  
 ဝတ္တဗ္ဗံ “အတိတာနာဂတာ ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနံ နတ္တိ စေတေ”တိ။

အတိတက္ခန္ဓာဒိကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၇-ကေစွံအတ္ထိတိကထာ

၁-အတိတာဒိကေစကထာ

၂၉၉။ \*အတိတံ အတ္ထိတိ? ကေစွံ အတ္ထိ, ကေစွံ နတ္ထိတိ။ ကေစွံ နိရုဒ္ဓံ, ကေစွံ န နိရုဒ္ဓံ။ ကေစွံ ဝိဂတံ, ကေစွံ အဝိဂတံ။ ကေစွံ အတ္ထိဂံ, ကေစွံ န အတ္ထိဂံ။ ကေစွံ အပ္ပတ္ထိဂံ, ကေစွံ န အပ္ပတ္ထိဂံ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အတိတံ ကေစွံ အတ္ထိ, ကေစွံ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော ကေစွေ အတ္ထိ, ကေစွေ နတ္ထိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတံ ကေစွံ အတ္ထိ, ကေစွံ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ အတိတာ ဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော ကေစွေ အတ္ထိ, ကေစွေ နတ္ထိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတံ ကေစွံ အတ္ထိ, ကေစွံ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ အတိတာ အဝိပါကာ မ္မော ကေစွေ အတ္ထိ, ကေစွေ နတ္ထိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အတိတံ ကေစွံ အတ္ထိ ကေစွံ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ ကိံ အတ္ထိ, ကိံ နတ္ထိတိ။ အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော တေ အတ္ထိ။ အတိတာ ဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော တေ နတ္ထိတိ။ အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော တေ အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ အတိတာ ဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော တေ အတ္ထိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော တေ အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ အတိတာ အဝိပါကာ မ္မော တေ အတ္ထိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အတိတာ ဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော တေ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော တေ နတ္ထိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အတိတာ အဝိပါကာ၂ မ္မော တေ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ၃ မ္မော တေ နတ္ထိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော တေ အတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ နန အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော နိရုဒ္ဓါတိ။ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော နိရုဒ္ဓါ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော တေ၄ အတ္ထိ”တိ။

၁-အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မ္မော တေ နတ္ထိတိ (က)

၂-ဝိပက္ကဝိပါကာ (သျှာ)၊ အဝိပက္ကဝိပါကာ (က)

၃-အဝိပါကာ (သျှာ)

၄-မ္မော နိရုဒ္ဓါ တေ (သျှာ၊ က)



\* အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ နိရုဒ္ဓါ တေ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။  
 အတိတာ ဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ နိရုဒ္ဓါ တေ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
 အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ နိရုဒ္ဓါ တေ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတာ  
 အဝိပါကာ<sup>၁</sup> မေဃာ နိရုဒ္ဓါ တေ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ၊

\* အတိတာ ဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ နိရုဒ္ဓါ တေ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။  
 အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ နိရုဒ္ဓါ တေ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတိတာ အဝိပါကာ<sup>၂</sup> မေဃာ နိရုဒ္ဓါ တေ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။  
 အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ<sup>၃</sup> မေဃာ နိရုဒ္ဓါ တေ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ နိရုဒ္ဓါ တေ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။  
 အတိတာ ဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ နိရုဒ္ဓါ တေ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတာ  
 ဧကေသံ ဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ ဧကေသံ အဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ နိရုဒ္ဓါ တေ  
 ဧကေစ္စ အတ္ထိ၊ ဧကေစ္စ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ တေ အတ္ထိ”တိ၊ အာမန္တာ။  
 နန အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ ဝိပစ္စိဿန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
 အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ ဝိပစ္စိဿန္တိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
 “အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ တေ အတ္ထိ”တိ။

\* အတိတာ အဝိပက္ကဝိပါကာ မေဃာ ဝိပစ္စိဿန္တိတိ ကတွာ တေ အတ္ထိတိ၊  
 အာမန္တာ။ ဝိပစ္စိဿန္တိတိ ကတွာ ပစ္စုပ္ပန္နာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
 ဝိပစ္စိဿန္တိတိ ကတွာ ပစ္စုပ္ပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နာ မေဃာ နိရုဇ္ဈိဿန္တိတိ  
 ကတွာ တေ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

### ၂-အနာဂတဒိဇ္ဇေကထာ

၃၀၀။ အနာဂတံ အတ္ထိတိ? ဧကေစ္စ အတ္ထိ ဧကေစ္စ နတ္ထိတိ။ ဧကေစ္စ ဇာတံ၊  
 ဧကေစ္စ အဇာတံ။ ဧကေစ္စ သဉ္ဇာတံ၊ ဧကေစ္စ အသဉ္ဇာတံ။ ဧကေစ္စ နိဗ္ဗတ္တံ၊ ဧကေစ္စ  
 အနိဗ္ဗတ္တံ။ ဧကေစ္စ ပါတုဘူတံ၊ ဧကေစ္စ အပါတုဘူတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အနာဂတံ ဧကေစ္စ အတ္ထိ၊ ဧကေစ္စ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတာ  
 ဥပ္ပါဒိနော မေဃာ ဧကေစ္စ အတ္ထိ၊ ဧကေစ္စ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၁-အဝိပက္ကဝိပါကာ (သီ၊က)

၂-ဝိပက္ကဝိပါကာ (သျှာ)၊ အဝိပက္ကဝိပါကာ (က)

၃-အဝိပါကာ (သျှာ)



အနာဂတံ ကေစ္စံ အတ္ထိ၊ ကေစ္စံ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတာ အနုပ္ပါဒိနော  
ဓမ္မာ ကေစ္စေ အတ္ထိ၊ ကေစ္စေ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂတံ ကေစ္စံ အတ္ထိ၊ ကေစ္စံ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ကိံ အတ္ထိ၊ ကိံ  
နတ္ထိတိ၊ အနာဂတာ ဥပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ တေ အတ္ထိ၊ အနာဂတာ အနုပ္ပါဒိနော  
ဓမ္မာ တေ နတ္ထိတိ။ အနာဂတာ ဥပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ တေ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။  
အနာဂတာ အနုပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ တေ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
အနာဂတာ အနုပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ တေ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတာ  
ဥပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ တေ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂတာ ဥပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ တေ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ နန အနာဂတာ  
ဥပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ အဇာတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာဂတာ ဥပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ  
အဇာတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနာဂတာ ဥပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ တေ  
အတ္ထိ”တိ။

\* အနာဂတာ ဥပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ အဇာတာ တေ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။  
အနာဂတာ အနုပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ အဇာတာ တေ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
အနာဂတာ အနုပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ အဇာတာ တေ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတာ  
ဥပ္ပါဒိနော ဓမ္�ာ အဇာတာ တေ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “အနာဂတာ ဥပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ တေ အတ္ထိ”တိ၊ အာမန္တာ။  
နန အနာဂတာ ဥပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ ဥပ္ပဇ္ဇိဿန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာဂတာ  
ဥပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ ဥပ္ပဇ္ဇိဿန္တိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနာဂတာ ဥပ္ပါဒိနော  
ဓမ္မာ တေ အတ္ထိ”တိ။

\* အနာဂတာ ဥပ္ပါဒိနော ဓမ္မာ ဥပ္ပဇ္ဇိဿန္တိတိ ကတွာ တေ အတ္ထိတိ၊  
အာမန္တာ။ ဥပ္ပဇ္ဇိဿန္တိတိ ကတွာ ပစ္စုပ္ပန္နာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
ဥပ္ပဇ္ဇိဿန္တိတိ ကတွာ ပစ္စုပ္ပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နာ ဓမ္မာ နိရုဇ္ဈိဿန္တိတိ  
ကတွာ တေ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ကေစ္စံ အတ္ထိတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ဂ-သတိပဋ္ဌာနကထာ

၃၀၁။ \* သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိပဋ္ဌာနာတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိ၊  
သတိန္ဒြိယံ၊ သတိဗလံ၊ သမ္မာသတိ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေ၊ ကောယနမဂ္ဂေ၊ ခယဂါမိ



ဗောဓဂါမီ၊ အပစယဂါမီ၊ အနာသဝါ၊ အသံယောဇနိယာ၊ အဂန္တနိယာ၊ အနောဃနိယာ၊ အယောဂနိယာ၊ အနိဝရဏိယာ၊ အပရာမဋ္ဌာ၊ အနုပါဒါနိယာ၊ အသံကိလေသိကာ၊ သဗ္ဗေ ဓမ္မာ ဗုဒ္ဓါနုဿတိ၊ ဓမ္မာနုဿတိ၊ သံဃာနုဿတိ၊ သီလာနုဿတိ၊ စာဂါနုဿတိ၊ ဒေဝတာနုဿတိ၊ အာနာပါနုဿတိ၊ မရဏာနုဿတိ၊ ကာယဂတာသတိ၊ ဥပသမာနုဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိပဋ္ဌာနာတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခာယတနံ သတိပဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ စက္ခာယတနံ သတိပဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခာယတနံ သတိ၊ သတိန္ဒြိယံ၊ သတိဗလံ၊ သမ္မာသတိ၊ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေါ၊ ကောယနမဂ္ဂေါ၊ ခယဂါမီ၊ ဗောဓဂါမီ၊ အပစယဂါမီ၊ အနာသဝံ၊ အသံယောဇနိယံ။ ပ။ အသံကိလေသိကံ၊ စက္ခာယတနံ ဗုဒ္ဓါနုဿတိ၊ ဓမ္မာနုဿတိ၊ သံဃာနုဿတိ၊ သီလာနုဿတိ၊ စာဂါနုဿတိ၊ ဒေဝတာနုဿတိ၊ အာနာပါနုဿတိ၊ မရဏာနုဿတိ၊ ကာယဂတာသတိ၊ ဥပသမာနုဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ သောတာယတနံ။ ဃာနာယတနံ။ ဇိဝှိယတနံ။ ကာယာယတနံ။ ရူပါယတနံ။ သဗ္ဗါယတနံ။ ဂန္ဓာယတနံ။ ရသာယတနံ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနံ။ ရာဂေါ၊ ဒေါသော။ မောဟော။ မာနော။ ဒိဋ္ဌိ။ ဝိစိကိစ္ဆာ။ ထိနံ။ ဥဒ္ဓစ္စံ။ အဟိရိကံ။ အနောတ္တပ္ပံ။ သတိပဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အနောတ္တပ္ပံ သတိပဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနောတ္တပ္ပံ၊ သတိ၊ သတိန္ဒြိယံ၊ သတိဗလံ၊ သမ္မာသတိ။ ပ။ ကာယဂတာသတိ၊ ဥပသမာနုဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* သတိ သတိပဋ္ဌာနာ၊ သာ စ သတိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခာယတနံ သတိပဋ္ဌာနံ၊ တဉ္စ သတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ သတိ သတိပဋ္ဌာနာ၊ သာ စ သတိတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာယတနံ။ ပ။ ကာယာယတနံ။ ရူပါယတနံ။ ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနံ။ ရာဂေါ၊ ဒေါသော။ မောဟော။ ပ။ အနောတ္တပ္ပံ သတိပဋ္ဌာနံ၊ တဉ္စ သတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* စက္ခာယတနံ သတိပဋ္ဌာနံ၊ တဉ္စ န သတိတိ၊ အာမန္တာ။ သတိ သတိပဋ္ဌာနာ၊ သာ စ န သတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ သောတာယတနံ။ ပ။ ကာယာယတနံ။ ရူပါယတနံ။ ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနံ။ ရာဂေါ၊ ဒေါသော။ မောဟော။ ပ။ အနောတ္တပ္ပံ သတိပဋ္ဌာနံ၊ တဉ္စ န သတိတိ၊ အာမန္တာ။ သတိ သတိပဋ္ဌာနာ၊ သာ စ န သတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။



၃၀၂။ † န ဝတ္ထုဗွံ “သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိပဋ္ဌာနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန သဗ္ဗေ ဓမ္မေ အာရဟန္တ သတိ သန္တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သဗ္ဗေ ဓမ္မေ အာရဟန္တ သတိ သန္တိဋ္ဌတိတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထုဗ္ဗေ “သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိပဋ္ဌာနာ”တိ။

\*သဗ္ဗံ ဓမ္မံ အာရဟန္တ သတိ သန္တိဋ္ဌတိတိ သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိပဋ္ဌာနာတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗံ ဓမ္မံ အာရဟန္တ ဖဿော သန္တိဋ္ဌတိတိ သဗ္ဗေ ဓမ္မာ ဖဿပဋ္ဌာနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗ္ဗေ။ ပ။

\*သဗ္ဗံ ဓမ္မံ အာရဟန္တ သတိ သန္တိဋ္ဌတိတိ သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိပဋ္ဌာနာတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗံ ဓမ္မံ အာရဟန္တ ဝေဒနာ သန္တိဋ္ဌတိ။ သညာ သန္တိဋ္ဌတိ။ စေတနာ သန္တိဋ္ဌတိ။ စိတ္တံ သန္တိဋ္ဌတိတိ သဗ္ဗေ ဓမ္မာ စိတ္တပဋ္ဌာနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗ္ဗေ။ ပ။

\*သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိပဋ္ဌာနာတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေ သတ္တာ ဥပဋ္ဌိတသတိနော သတိယာ သမန္နာဂတာ သတိယာ သမောဟိတာ သဗ္ဗေသံ သတ္တာနံ သတိ ပစ္စုပဋ္ဌိတာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗ္ဗေ။ ပ။

၃၀၃။ \*သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိပဋ္ဌာနာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အမတံ တေ ဘိက္ခဝေ န ပရိဘုဉ္ဇန္တိ ယေ ကာယဂတာသတိံ န ပရိဘုဉ္ဇန္တိ၊ အမတံ တေ ဘိက္ခဝေ ပရိဘုဉ္ဇန္တိ ယေ ကာယဂတာသတိံ ပရိဘုဉ္ဇန္တိ”တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေ သတ္တာ ကာယဂတာသတိံ ပရိဘုဉ္ဇန္တိ ပဋိလဘန္တိ အာသေဝန္တိ ဘာဝေန္တိ ဗဟုလိကရောန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗ္ဗေ။ ပ။

\*သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိပဋ္ဌာနာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဧကာယနော အယံ ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ သောကပရိဒေဝါနံ သမတိက္ကမာယ ဒုက္ခဒေါမနဿာနံ အတ္တင်္ဂမာယ ဉ္ဈယဿ အဓိဂမာယ နိဗ္ဗာနဿ သစ္စိကိရိယာယ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ”တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေ ဓမ္မာ ဧကာယနမဂ္ဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗ္ဗေ။ ပ။

\*သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိပဋ္ဌာနာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ— “ရညော ဘိက္ခဝေ စက္ကဝတ္တိဿ ပါတုဘာဝေါ သတ္တန္တံ ရတနာနံ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ။ ကတမေသံ သတ္တန္တံ၊ စက္ကရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ ဟတ္ထိရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ အဿရတနဿ၊ မဏိရတနဿ၊ ဣတ္ထိရတနဿ၊ ဂဟပတိရတနဿ၊ ပရိဏာယကရတနဿ ပါတုဘာဝေါ



ဟောတိ။ ရညော ဘိက္ခဝေ စက္ကဝတ္တိဿ ပါတုဘာဝါ ဣမေသံ သတ္တန္တံ ရတနာနံ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ။

တထာဂတဿ ဘိက္ခဝေ ပါတုဘာဝါ အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂရတနာနံ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ။ ကတမေသံ သတ္တန္တံ၊ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ ဓမ္မဝိစယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ ဝီရိယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ ပီတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ။ တထာဂတဿ ဘိက္ခဝေ ပါတုဘာဝါ အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ ဣမေသံ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂရတနာနံ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ”တိ” အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တထာဂတဿ ပါတုဘာဝါ အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂရတနာဝ ဟောန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိပဋ္ဌာနာတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သမ္ဗုပ္ပဓာနာ။ ဣဒ္ဓိပါဒါ။ ဣန္ဒြိယာ။ ဗလာ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

သတိပဋ္ဌာနကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၉-ဟေဝတ္ထိကထာ

၃၀၄။ \*အတိတံ အတ္ထိတိ? ဟေဝတ္ထိ၊ ဟေဝ နတ္ထိတိ။ သေဝတ္ထိ၊ သေဝ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သေဝတ္ထိ၊ သေဝ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထဋ္ဌော နတ္ထဋ္ဌော၊ နတ္ထဋ္ဌော အတ္ထဋ္ဌော၊ အတ္ထိဘာဝေါ နတ္ထိဘာဝေါ၊ နတ္ထိဘာဝေါ အတ္ထိဘာဝေါ၊ အတ္ထိတိ ဝါ နတ္ထိတိ ဝါ၊ နတ္ထိတိ ဝါ အတ္ထိတိ ဝါ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*အနာဂတံ အတ္ထိတိ၊ ဟေဝတ္ထိ၊ ဟေဝ နတ္ထိတိ။ သေဝတ္ထိ၊ သေဝ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သေဝတ္ထိ၊ သေဝ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထဋ္ဌော နတ္ထဋ္ဌော၊ နတ္ထဋ္ဌော အတ္ထဋ္ဌော၊ အတ္ထိဘာဝေါ နတ္ထိဘာဝေါ၊ နတ္ထိဘာဝေါ အတ္ထိဘာဝေါ၊ အတ္ထိတိ ဝါ နတ္ထိတိ ဝါ၊ နတ္ထိတိ ဝါ အတ္ထိတိ ဝါ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



\* ပစ္စုပ္ပန် အတ္တိတိ? ဟေဝတ္ထိ, ဟေဝ နတ္ထိတိ။ သေဝတ္ထိ, သေဝ နတ္ထိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သေဝတ္ထိ, သေဝ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထဋ္ဌော နတ္ထဋ္ဌော။ပ။ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၀၅။ \* အတိတံ ဟေဝတ္ထိ, ဟေဝ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ ကိန္တုတ္ထိ, ကိန္တု နတ္ထိတိ။ အတိတံ “အတိတ” နှိ ဟေဝတ္ထိ။ အတိတံ “အနာဂတ” နှိ ဟေဝ နတ္ထိ။ အတိတံ “ပစ္စုပ္ပန်” နှိ ဟေဝ နတ္ထိတိ။ သေဝတ္ထိ, သေဝ နတ္ထိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သေဝတ္ထိ, သေဝ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထဋ္ဌော နတ္ထဋ္ဌော, နတ္ထဋ္ဌော အတ္ထဋ္ဌော, အတ္တိဘာဝေါ နတ္တိဘာဝေါ, နတ္တိဘာဝေါ အတ္တိဘာဝေါ, အတ္တိတိ ဝါ နတ္တိတိ ဝါ, နတ္တိတိ ဝါ အတ္တိတိ ဝါ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂတံ ဟေဝတ္ထိ, ဟေဝ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ ကိန္တုတ္ထိ, ကိန္တု နတ္ထိတိ။ အနာဂတံ “အနာဂတ” နှိ ဟေဝတ္ထိ။ အနာဂတံ “အတိတ” နှိ ဟေဝ နတ္ထိ။ အနာဂတံ “ပစ္စုပ္ပန်” နှိ ဟေဝ နတ္ထိတိ။ သေဝတ္ထိ, သေဝ နတ္ထိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သေဝတ္ထိ, သေဝ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထဋ္ဌော နတ္ထဋ္ဌော, နတ္ထဋ္ဌော အတ္ထဋ္ဌော။ပ။ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပစ္စုပ္ပန် ဟေဝတ္ထိ, ဟေဝ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ ကိန္တုတ္ထိ, ကိန္တု နတ္ထိတိ။ ပစ္စုပ္ပန် “ပစ္စုပ္ပန်” နှိ ဟေဝတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန် “အတိတ” နှိ ဟေဝ နတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန် “အနာဂတ” နှိ ဟေဝ နတ္ထိတိ။ သေဝတ္ထိ, သေဝ နတ္ထိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သေဝတ္ထိ, သေဝ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထဋ္ဌော နတ္ထဋ္ဌော။ပ။ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတိတံ ဟေဝတ္ထိ, ဟေဝ နတ္ထိ။ အနာဂတံ ဟေဝတ္ထိ, ဟေဝ နတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန် ဟေဝတ္ထိ, ဟေဝ နတ္ထိ” တိ။ အာမန္တာ။ အတိတံ “အနာဂတ” နှိ ဟေဝတ္ထိ။ အတိတံ “ပစ္စုပ္ပန်” နှိ ဟေဝတ္ထိ။ အနာဂတံ “အတိတ” နှိ ဟေဝတ္ထိ။ အနာဂတံ “ပစ္စုပ္ပန်” နှိ ဟေဝတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန် “အတိတ” နှိ ဟေဝတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန် “အနာဂတ” နှိ ဟေဝတ္ထိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ အတိတံ ဟေဝတ္ထိ, ဟေဝ နတ္ထိ။ အနာဂတံ ဟေဝတ္ထိ, ဟေဝ နတ္ထိ။ ပစ္စုပ္ပန် ဟေဝတ္ထိ, ဟေဝ နတ္ထိတိ။

၃၀၆။ \* ရူပံ အတ္တိတိ? ဟေဝတ္ထိ, ဟေဝ နတ္ထိတိ။ သေဝတ္ထိ, သေဝ နတ္ထိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သေဝတ္ထိ, သေဝ နတ္ထိတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထဋ္ဌော နတ္ထဋ္ဌော,



နတ္ထဋ္ဌော အတ္ထဋ္ဌော၊ အတ္ထိဘာဝေါ နတ္ထိဘာဝေါ၊ နတ္ထိဘာဝေါ အတ္ထိဘာဝေါ၊  
အတ္ထိတိ ဝါ နတ္ထိတိ ဝါ၊ နတ္ထိတိ ဝါ အတ္ထိတိ ဝါ ဒေသေသေ ဧကဋ္ဌေ သမေ  
သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဝေဒနာ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏံ အတ္ထိတိ? ဟေဝတ္ထိ၊ ဟေဝ နတ္ထိတိ။  
သေဝတ္ထိ၊ သေဝ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သေဝတ္ထိ၊ သေဝ နတ္ထိတိ၊  
အာမန္တာ။ အတ္ထဋ္ဌော နတ္ထဋ္ဌော။ပ။ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပံ ဟေဝတ္ထိ၊ ဟေဝ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ကိန္တုတ္ထိ၊ ကိန္တု နတ္ထိတိ။ ရူပံ  
“ရူပ”န္တိ ဟေဝတ္ထိ။ ရူပံ “ဝေဒနာ”တိ ဟေဝ နတ္ထိ။ပ။ ရူပံ “သညာ”တိ ဟေဝ  
နတ္ထိ။ပ။ ရူပံ “သင်္ခါရာ”တိ ဟေဝ နတ္ထိ။ပ။ ရူပံ “ဝိညာဏ”န္တိ ဟေဝ နတ္ထိတိ။  
သေဝတ္ထိ၊ သေဝ နတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သေဝတ္ထိ၊ သေဝ နတ္ထိတိ၊  
အာမန္တာ။ အတ္ထဋ္ဌော နတ္ထဋ္ဌော။ပ။ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဝေဒနာ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏံ ဟေဝတ္ထိ၊ ဟေဝ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။  
ကိန္တုတ္ထိ၊ ကိန္တု နတ္ထိတိ။ ဝိညာဏံ “ဝိညာဏ”န္တိ ဟေဝတ္ထိ။ ဝိညာဏံ “ရူပ”န္တိ  
ဟေဝ နတ္ထိ။ပ။ ဝိညာဏံ “ဝေဒနာ”တိ ဟေဝ နတ္ထိ။ပ။ ဝိညာဏံ “သညာ”တိ  
ဟေဝ နတ္ထိ။ပ။ ဝိညာဏံ “သင်္ခါရာ”တိ ဟေဝ နတ္ထိတိ။ သေဝတ္ထိ၊ သေဝ နတ္ထိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သေဝတ္ထိ၊ သေဝ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထဋ္ဌော  
နတ္ထဋ္ဌော။ပ။ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပံ ဟေဝတ္ထိ၊ ဟေဝ နတ္ထိ”တိ။ “ဝေဒနာ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။  
ဝိညာဏံ ဟေဝတ္ထိ၊ ဟေဝ နတ္ထိ”တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ “ဝေဒနာ”တိ ဟေဝတ္ထိ။ပ။  
ရူပံ “သညာ”တိ ဟေဝတ္ထိ။ပ။ ရူပံ “သင်္ခါရာ”တိ ဟေဝတ္ထိ။ပ။ ရူပံ  
“ဝိညာဏ”န္တိ ဟေဝတ္ထိ။ ဝေဒနာ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏံ “ရူပ”န္တိ  
ဟေဝတ္ထိ။ ဝိညာဏံ “ဝေဒနာ”တိ ဟေဝတ္ထိ။ ဝိညာဏံ “သညာ”တိ ဟေဝတ္ထိ။  
ဝိညာဏံ “သင်္ခါရာ”တိ ဟေဝတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ ရူပံ  
ဟေဝတ္ထိ၊ ဟေဝ နတ္ထိ။ ဝေဒနာ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏံ ဟေဝတ္ထိ၊ ဟေဝ  
နတ္ထိတိ။

ဟေဝတ္ထိကထာ နိဋ္ဌိတာ။



တသုဒ္ဓါနံ

ဥပလစ္ဆော ပရိဟာနိ၊ မြဟ္မစရိယဝါသော ဩဓိသော။  
ပရိညာ ကာမရာဂပ္ပဟာနံ၊ သဗ္ဗတ္ထိဝါဒေါ အာယတနံ။  
အတိတာနာဂတော သုဘဏိ<sup>၁</sup>၊ သဗ္ဗေ ဓမ္မာ သတိပဋ္ဌာနာ။

ဟေဝတ္ထိ ဟေဝ နတ္ထိတိ။

မဟာဝဂ္ဂေါ။

---

၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

(၁၀) ၁-ပရူပဟာရကထာ

၃၀၇။ \*အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ  
အရဟတော ရာဂေါ ကာမရာဂေါ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ ကာမရာဂသံယောဇနံ  
ကာမောဃော ကာမယောဂေါ ကာမစ္ဆန္တနိဝရဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*နတ္ထိ အရဟတော ရာဂေါ ကာမရာဂေါ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ ကာမရာဂ-  
သံယောဇနံ ကာမောဃော ကာမယောဂေါ ကာမစ္ဆန္တနိဝရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။  
ဟဋ္ဌိ နတ္ထိ အရဟတော ရာဂေါ ကာမရာဂေါ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ ကာမရာဂ-  
သံယောဇနံ ကာမောဃော ကာမယောဂေါ ကာမစ္ဆန္တနိဝရဏံ၊ နော စ ဝတ ရေ  
ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ”တိ။

\*အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ၊ အတ္ထိ တဿ ရာဂေါ ကာမရာဂေါ  
ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ ကာမရာဂသံယောဇနံ ကာမောဃော ကာမယောဂေါ  
ကာမစ္ဆန္တနိဝရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ၊ အတ္ထိ  
တဿ ရာဂေါ ကာမရာဂေါ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ။ပ။ ကာမစ္ဆန္တနိဝရဏန္တိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ၊ နတ္ထိ တဿ ရာဂေါ ကာမရာဂေါ  
ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ။ပ။ ကာမစ္ဆန္တနိဝရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ  
အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ၊ နတ္ထိ တဿ ရာဂေါ ကာမရာဂေါ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ။ပ။  
ကာမစ္ဆန္တနိဝရဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\*အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ ကေနဋ္ဌေနာတိ? ဟန္တ ဟိ မာရကာယိကာ ဒေဝတာ အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ ဥပသံဟရန္တိတိ။

\*မာရကာယိကာ ဒေဝတာ အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ ဥပသံဟရန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ မာရကာယိကာနံ ဒေဝတာနံ အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\*နတ္ထိ မာရကာယိကာနံ ဒေဝတာနံ အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဋ္ဌိ နတ္ထိ မာရကာယိကာနံ ဒေဝတာနံ အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ၊ နော စ ဝတရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “မာရကာယိကာ ဒေဝတာ အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ ဥပသံဟရန္တိ”တိ။

\*မာရကာယိကာ ဒေဝတာ အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ ဥပသံဟရန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ မာရကာယိကာ ဒေဝတာ အတ္တနော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ ဥပသံဟရန္တိ၊ အညေသံ အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ ဥပသံဟရန္တိ၊ တဿ အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ ဥပသံဟရန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\*မာရကာယိကာ ဒေဝတာ နေဝ အတ္တနော န အညေသံ န တဿ အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ ဥပသံဟရန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဋ္ဌိ မာရကာယိကာ ဒေဝတာ နေဝ အတ္တနော န အညေသံ န တဿ အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ ဥပသံဟရန္တိ၊ နော စ ဝတရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “မာရကာယိကာ ဒေဝတာ အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ ဥပသံဟရန္တိ”တိ။

\*မာရကာယိကာ ဒေဝတာ အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ ဥပသံဟရန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ လောမကူပေဟိ ဥပသံဟရန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၃၀၈။ \*မာရကာယိကာ ဒေဝတာ အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ ဥပသံဟရန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ကိံ ကာရဏာတိ၊ ဟန္တ ဟိ ဝိမတိံ ဂါဟယိဿာမာတိ။ အတ္ထိ အရဟတော ဝိမတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\*အတ္ထိ အရဟတော ဝိမတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော သတ္တရိ ဝိမတိ၊ ဓမ္မေ ဝိမတိ၊ သံဃေ ဝိမတိ၊ သိက္ခာယ ဝိမတိ၊ ပုဗ္ဗန္တေ ဝိမတိ၊ အပရန္တေ ဝိမတိ၊ ပုဗ္ဗန္တာပရန္တေ ဝိမတိ၊ ဣဒပ္ပစ္စယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု ဓမ္မေသု ဝိမတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။



\* နတ္ထိ အရဟတော သတ္တရိ ဝိမတိ၊ ဓမ္မေ ဝိမတိ၊ သံဃေ ဝိမတိ၊ သိက္ခာယ ဝိမတိ၊ ပုဗ္ဗန္တေ ဝိမတိ၊ အပရန္တေ ဝိမတိ၊ ပုဗ္ဗန္တာပရန္တေ ဝိမတိ၊ ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နေသု ဓမ္မေသု ဝိမတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ အရဟတော သတ္တရိ ဝိမတိ။ပ။ ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နေသု ဓမ္မေသု ဝိမတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော ဝိမတိ”တိ။

\* အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ဝိမတိ၊ အတ္ထိ တဿ သတ္တရိ ဝိမတိ။ပ။ ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နေသု ဓမ္မေသု ဝိမတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော ဝိမတိ အတ္ထိ တဿ သတ္တရိ ဝိမတိ။ပ။ ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နေသု ဓမ္မေသု ဝိမတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ဝိမတိ၊ နတ္ထိ တဿ သတ္တရိ ဝိမတိ။ပ။ ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နေသု ဓမ္မေသု ဝိမတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ဝိမတိ၊ နတ္ထိ တဿ သတ္တရိ ဝိမတိ။ပ။ ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နေသု ဓမ္မေသု ဝိမတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ ကိဿ နိဿန္ဓာတိ၊ အသိတပီတခါယိတသာယိတဿ နိဿန္ဓာတိ။ အရဟတော အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ အသိတပီတခါယိတသာယိတဿ နိဿန္ဓာတိ၊ အာမန္တာ။ ယေ ကေစိ အသန္တိ ပိဝန္တိ ခါဒန္တိ သာယန္တိ၊ သဗ္ဗေသံယေဝ အတ္ထိ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ယေ ကေစိ အသန္တိ ပိဝန္တိ ခါဒန္တိ သာယန္တိ၊ သဗ္ဗေသံယေဝ အတ္ထိ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒါရကာ အသန္တိ ပိဝန္တိ ခါဒန္တိ သာယန္တိ၊ အတ္ထိ ဒါရကာနံ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* ပဏ္ဍကာ အသန္တိ ပိဝန္တိ ခါဒန္တိ သာယန္တိ၊ အတ္ထိ ပဏ္ဍကာနံ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဒေဝါ အသန္တိ ပိဝန္တိ ခါဒန္တိ သာယန္တိ၊ အတ္ထိ ဒေဝတာနံ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၀၉။ \* အရဟတော အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ အသိတပီတခါယိတသာယိတဿ နိဿန္ဓာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တဿ အာသယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* အရဟတော ဥစ္စာရပဿာဝေါ အသိတပီတခါယိတသာယိတဿ နိဿန္တော၊ အတ္ထိ တဿ အာသယောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ အသိတပီတခါယိတသာယိတဿ နိဿန္တော၊ အတ္ထိ တဿ အာသယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ အသိတပီတခါယိတသာယိတဿ နိဿန္တော၊ နတ္ထိ တဿ အာသယောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော ဥစ္စာရ-  
ပဿာဝေါ အသိတပီတခါယိတသာယိတဿ နိဿန္တော၊ နတ္ထိ တဿ အာသယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၃၁၁။ \* အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ မေထုနံ ဓမ္မံ ပဋိသေဝေယျ၊ မေထုနံ ဥပ္ပါဒေယျ၊<sup>၁</sup> ပုတ္တသမ္မာဓသယနံ အဇ္ဈာဝသေယျ၊ ကာသိကစန္ဒနံ ပစ္စနဘဝေယျ၊ မာလာဂန္ဓဝိလေပနံ ဓာရေယျ၊ ဇာတရူပရဇတံ သာဒိယေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ၊ ပုထုဇ္ဇနော မေထုနံ ဓမ္မံ ပဋိသေဝေယျ၊ မေထုနံ ဥပ္ပါဒေယျ၊ ပုတ္တသမ္မာဓသယနံ အဇ္ဈာဝသေယျ၊ ကာသိကစန္ဒနံ ပစ္စနဘဝေယျ၊ မာလာဂန္ဓဝိလေပနံ ဓာရေယျ၊ ဇာတရူပရဇတံ သာဒိယေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ အရဟာ မေထုနံ ဓမ္မံ ပဋိသေဝေယျ၊ မေထုနံ ဥပ္ပါဒေယျ၊ ပုတ္တသမ္မာဓသယနံ အဇ္ဈာ-  
ဝသေယျ၊ ကာသိကစန္ဒနံ ပစ္စနဘဝေယျ၊ မာလာဂန္ဓဝိလေပနံ ဓာရေယျ၊ ဇာတရူပရဇတံ သာဒိယေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ၊ န စ အရဟာ မေထုနံ ဓမ္မံ ပဋိသေဝေယျ၊ မေထုနံ ဥပ္ပါဒေယျ၊ ပုတ္တသမ္မာဓသယနံ အဇ္ဈာဝသေယျ၊ ကာသိကစန္ဒနံ ပစ္စနဘဝေယျ၊ မာလာဂန္ဓဝိလေပနံ ဓာရေယျ၊ ဇာတရူပရဇတံ သာဒိယေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိ၊ န စ ပုထုဇ္ဇနော မေထုနံ ဓမ္မံ ပဋိသေဝေယျ၊ မေထုနံ ဥပ္ပါဒေယျ၊ ပုတ္တသမ္မာဓသယနံ အဇ္ဈာဝသေယျ၊ ကာသိကစန္ဒနံ ပစ္စနဘဝေယျ၊ မာလာဂန္ဓဝိလေပနံ ဓာရေယျ၊ ဇာတရူပရဇတံ သာဒိယေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကရိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော ဥစ္ဆိန္နမူလော တာလာဝတ္ထုကတော အနဘာဝံကတော



အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော ဥစ္ဆိန္နမူလော တာလာဝတ္ထုကတော အနဘာဝံကတော အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော အသုဗိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အသုဗိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ မောဟော ပဟိနော။ မာနော ပဟိနော။ ဒိဋ္ဌိ ပဟိနာ။ ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိနာ။ ထိနံ ပဟိနံ။ ဥဒ္ဓစ္စံ ပဟိနံ။ အဟိရိကံ ပဟိနံ။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ ဥစ္ဆိန္နမူလံ တာလာဝတ္ထုကတံ အနဘာဝံကတံ အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ ဥစ္ဆိန္နမူလံ တာလာဝတ္ထုကတံ အနဘာဝံကတံ အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော အသုဗိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ”တိ။

၃၁၁။ \* အတ္ထိ အရဟတော အသုဗိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော အသုဗိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အသုဗိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ။ပ။ သမ္မပ္ပဓာနာ ဘာဝိတာ။ ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝိတာ။ ဣန္ဒြိယာ ဘာဝိတာ။ ဗလာ ဘာဝိတာ။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော အသုဗိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အသုဗိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ပ။ မောဟပ္ပဟာနာယ။ပ။ အနောတ္တပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော အနောတ္တပ္ပဟာနာယ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော အသုဗိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အသုဗိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော ကတကရဏိယော ဩဟိတ-ဘာရော အနုပ္ပတ္တသဒတ္တော ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနော သမ္မဒညာဝိမုတ္တော ဥက္ခိတ္တပလိယော သံကိဏ္ဍပရိခေါ အဗ္ဗုဋ္ဌေသိကော နိရဂ္ဂဋ္ဌော အရိယော



ပန္နဒ္ဓဇော ပန္နဘာရော ဝိသညုတ္တော သုဝိဇိတဝိဇယော ဒုက္ခံ တဿ ပရိညာတံ သမုဒယော ပဟိနော နိရောဓော သစ္စိကတော မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော၊ အဘိညေယျံ အဘိညာတံ ပရိညေယျံ ပရိညာတံ ပဟာတဗ္ဗံ ပဟိနံ ဘာဝေတဗ္ဗံ ဘာဝိတံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော ကတကရဏီယော။ပ။ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ”တိ။

၃၁၂။ \* အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ? သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အတ္ထိ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ၊ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော နတ္ထိ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အတ္ထိ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အတ္ထိ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော နတ္ထိ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော နတ္ထိ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ အတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ အတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ မောဟော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ အတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ အတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ။ပ။ ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ပ။ မောဟပ္ပဟာနာယ။ပ။ အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ အတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ အတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ၊ အတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။



ပရဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ အတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ နတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ နတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ မောဟော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ နတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ နတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ။ပ။ ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ပ။ မောဟပ္ပဟာနာယ။ပ။ အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ နတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ နတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ နတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ နတ္ထိ တဿ အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၁၃။ \* အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ယေ တေ” ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ပုထုဇ္ဇနာ သီလသမ္ပန္နာ သတာ သမ္ပဇာနာ နိဒ္ဒံ ဩက္ကမန္တိ၊ တေသံ အသုစိ န မုစ္စတိ။ ယေပိ တေ ဘိက္ခဝေ ဗာဟိရကာ ဣသယော ကာမေသု ဝိတရာဂါ၊ တေသမ္ပိ အသုစိ န မုစ္စတိ။ အဋ္ဌာနမေတံ ဘိက္ခဝေ အနဝကာသော ယံ အရဟတော အသုစိ မုစ္စေယျာ”တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော အသုစိ သုက္ကဝိဿဋ္ဌိ”တိ။



† န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ပရူပဟာရော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော စိဝရိဏ္ဏပါတသေနာသနဂိလာနပစ္စယဘောသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ပရေ ဥပသံဟရေယျန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော စိဝရိဏ္ဏပါတသေနာသန-  
ဂိလာနပစ္စယဘောသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ပရေ ဥပသံဟရေယျ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ  
“အတ္ထိ အရဟတော ပရူပဟာရော”တိ။

\* အရဟတော စိဝရိဏ္ဏပါတသေနာသနဂိလာနပစ္စယဘောသဇ္ဇပရိက္ခာရံ  
ပရေ ဥပသံဟရေယျန္တိ အတ္ထိ အရဟတော ပရူပဟာရောတိ၊ အာမန္တာ။  
အရဟတော သောတာပတ္တိဖလံ ဝါ သကဒါဂါမိဖလံ ဝါ အနာဂါမိဖလံ ဝါ  
အရဟတ္တံ ဝါ ပရေ ဥပသံဟရေယျန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

ပရူပဟာရကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

### (၁၁) ၂-အညာဏကထာ

၃၁၄။ \* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော  
အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇောသော အဝိဇ္ဇာယောဂေါ အဝိဇ္ဇာနုသယော အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနံ  
အဝိဇ္ဇာသံယောဇနံ အဝိဇ္ဇာနိဝရဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ နတ္ထိ အရဟတော  
အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇောသော အဝိဇ္ဇာယောဂေါ အဝိဇ္ဇာနုသယော အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနံ  
အဝိဇ္ဇာသံယောဇနံ အဝိဇ္ဇာနိဝရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ အရဟတော  
အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇောသော အဝိဇ္ဇာယောဂေါ အဝိဇ္ဇာနုသယော အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနံ  
အဝိဇ္ဇာသံယောဇနံ အဝိဇ္ဇာနိဝရဏံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ  
အရဟတော အညာဏ”န္တိ။

\* အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အညာဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇောသော  
အဝိဇ္ဇာယောဂေါ အဝိဇ္ဇာနုသယော အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနံ အဝိဇ္ဇာသံယောဇနံ  
အဝိဇ္ဇာနိဝရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော အညာဏံ၊ အတ္ထိ တဿ  
အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇောသော အဝိဇ္ဇာယောဂေါ အဝိဇ္ဇာနုသယော အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနံ  
အဝိဇ္ဇာသံယောဇနံ အဝိဇ္ဇာနိဝရဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇောသော  
အဝိဇ္ဇာယောဂေါ အဝိဇ္ဇာနုသယော အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနံ အဝိဇ္ဇာသံယောဇနံ



အဝိဇ္ဇာနီဝရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အညာဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇာဃော အဝိဇ္ဇာယောဂေါ အဝိဇ္ဇာနုသယော အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနံ အဝိဇ္ဇာသံယောဇနံ အဝိဇ္ဇာနီဝရဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ အညာဏပကတော ပါဏံ ဟနေယျ။ အဒိန္နံ အာဒိယေယျ။ မုဿာ ဘဏေယျ။ ပိသုဏံ ဘဏေယျ။ ဖရသံ ဘဏေယျ။ သမ္ပံ ပလပေယျ။ သန္ဓိံ ဆိန္ဓေယျ။ နိလ္လောပံ ဟရေယျ။ ကောဂါရိယံ ကရေယျ။ ပရိပန္နေ တိဋ္ဌေယျ။ ပရဒါရံ ဂစ္ဆေယျ။ ဂါမဃာတံ ကရေယျ။ နိဂမဃာတံ ကရေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အညာဏံ ပုထုဇ္ဇနော အညာဏပကတော ပါဏံ ဟနေယျ။ အဒိန္နံ အာဒိယေယျ။ မုဿာ ဘဏေယျ။ ပ။ ဂါမဃာတံ ကရေယျ။ နိဂမဃာတံ ကရေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော အညာဏံ အရဟာ အညာဏပကတော ပါဏံ ဟနေယျ။ အဒိန္နံ အာဒိယေယျ။ ပ။ ဂါမဃာတံ ကရေယျ။ နိဂမဃာတံ ကရေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏံ န စ အရဟာ အညာဏပကတော ပါဏံ ဟနေယျ။ အဒိန္နံ အာဒိယေယျ။ ပ။ ဂါမဃာတံ ကရေယျ။ နိဂမဃာတံ ကရေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အညာဏံ၊ န စ ပုထုဇ္ဇနော အညာဏပကတော ပါဏံ ဟနေယျ။ အဒိန္နံ အာဒိယေယျ။ ပ။ ဂါမဃာတံ ကရေယျ။ နိဂမဃာတံ ကရေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော သတ္တရိ အညာဏံ၊ ဓမ္မေ အညာဏံ၊ သံဃေ အညာဏံ၊ သိက္ခာယ အညာဏံ၊ ပုဗ္ဗန္တေ အညာဏံ၊ အပရန္တေ အညာဏံ၊ ပုဗ္ဗန္တာပရန္တေ အညာဏံ၊ ဣဒပ္ပစ္စယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နေသု ဓမ္မေသု အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* နတ္ထိ အရဟတော သတ္တရိ အညာဏံ၊ ဓမ္မေ အညာဏံ၊ သံဃေ အညာဏံ၊ သိက္ခာယ အညာဏံ၊ ပုဗ္ဗန္တေ အညာဏံ၊ အပရန္တေ အညာဏံ၊ ပုဗ္ဗန္တာပရန္တေ အညာဏံ၊ ဣဒပ္ပစ္စယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နေသု ဓမ္မေသု အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ အရဟတော သတ္တရိ အညာဏံ၊ ဓမ္မေ အညာဏံ၊ သံဃေ အညာဏံ။ ပ။ ဣဒပ္ပစ္စယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နေသု ဓမ္မေသု အညာဏံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော အညာဏ”န္တိ။

\* အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အညာဏံ၊ အတ္ထိ တဿ သတ္တရိ အညာဏံ၊ ဓမ္မေ အညာဏံ၊ သံဃေ အညာဏံ။ ပ။ ဣဒပ္ပစ္စယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နေသု ဓမ္မေသု



အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော အညာဏံ၊ အတ္ထိ တဿ သတ္ထရိ အညာဏံ၊ ဓမ္မေ အညာဏံ၊ သံဃေ အညာဏံ။ပ။ ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နေသု ဓမ္မေသု အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏံ၊ နတ္ထိ တဿ သတ္ထရိ အညာဏံ၊ ဓမ္မေ အညာဏံ၊ သံဃေ အညာဏံ။ပ။ ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နေသု ဓမ္မေသု အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အညာဏံ၊ နတ္ထိ တဿ သတ္ထရိ အညာဏံ၊ ဓမ္မေ အညာဏံ၊ သံဃေ အညာဏံ။ပ။ ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နေသု ဓမ္မေသု အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၃၁၅။ \* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော ဥစ္ဆိန္နမူလော တာလာဝတ္ထုကတော အနဘာဝံကတော အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော ဥစ္ဆိန္နမူလော တာလာဝတ္ထုကတော အနဘာဝံကတော အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော အညာဏ”န္တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ မောဟော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ ဥစ္ဆိန္နမူလံ တာလာဝတ္ထုကတံ အနဘာဝံကတံ အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ ဥစ္ဆိန္နမူလံ တာလာဝတ္ထုကတံ အနဘာဝံကတံ အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော အညာဏ”န္တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော အညာဏ”န္တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ပ။ မောဟပ္ပဟာနာယ။ပ။ အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော အညာဏ”န္တိ။



\*အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အရဟာ ဝိတရာဂေါ။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော အညာဏ”န္တိ။

၃၁၆။ \*အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ? သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အတ္ထိ အညာဏံ၊ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော နတ္ထိ အညာဏန္တိ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အတ္ထိ အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အတ္ထိ အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော နတ္ထိ အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော နတ္ထိ အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ အတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ အတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ မောဟော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ အတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ၊ အတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါဘာဝိတာ၊ အတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ ဗောဇ္ဈင်္ဂါဘာဝိတာ၊ အတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ပ။ မောဟပ္ပဟာနာယ။ပ။ အနောတ္တပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါဘာဝိတာ၊ အတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အနောတ္တပ္ပဟာနာယ ဗောဇ္ဈင်္ဂါဘာဝိတာ၊ အတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*သဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ အတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ အတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော, နတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော, နတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ ပ။ မောဟော ပဟိနော။ ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ, နတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ, နတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ။ ပ။ ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ မောဟပ္ပဟာနာယ။ ပ။ အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ, နတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ, နတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ ပ။ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ, နတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ ပ။ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ, နတ္ထိ တဿ အညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၃၁၇။ \* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဇာနတောဟံ” ဘိက္ခဝေ ပဿတော အာသဝါနံ ခယံ ဝဒါမိ၊ နော အဇာနတော နော အပဿတော။ ကိဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ကိံ ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ၊ ‘ဣတိ ရူပံ, ဣတိ ရူပဿ သမုဒယော, ဣတိ ရူပဿ အတ္တင်္ဂမော။ ဣတိ ဝေဒနာ။ ပ။ ဣတိ သညာ။ ဣတိ သင်္ခါရာ။ ဣတိ ဝိညာဏံ, ဣတိ ဝိညာဏဿ သမုဒယော, ဣတိ ဝိညာဏဿ အတ္တင်္ဂမောတိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ဧဝံ ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ”တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော အညာဏ”န္တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဇာနတောဟံ ဘိက္ခဝေ ပဿတော အာသဝါနံ ခယံ ဝဒါမိ၊ နော အဇာနတော နော အပဿတော။ ကိဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ကိံ ပဿတော အာသဝါနံ



ခယော ဟောတိ၊ ‘ဣဒံ ဒုက္ခ’န္တိ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ပဿတော အာသဝါနံ  
 ခယော ဟောတိ၊ ‘အယံ ဒုက္ခသမုဒယော’တိ ဇာနတော ပဿတော အာသဝါနံ  
 ခယော ဟောတိ၊ ‘အယံ ဒုက္ခနိရောဓော’တိ ဇာနတော ပဿတော အာသဝါနံ  
 ခယော ဟောတိ၊ ‘အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ’တိ ဇာနတော ပဿတော  
 အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ဧဝံ ပဿတော  
 အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ”တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န  
 ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော အညာဏ”န္တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ  
 “သဗ္ဗံ ဘိက္ခဝေ အနဘိဇာနံ အပရိဇာနံ အဝိရာဇယံ အပ္ပဇဟံ အဘဗ္ဗော  
 ဒုက္ခက္ခယာယ၊ သဗ္ဗန္တ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဘိဇာနံ ပရိဇာနံ ဝိရာဇယံ ပဇဟံ  
 ဘဗ္ဗော ဒုက္ခက္ခယာယာ”တိ<sup>၂</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န  
 ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော အညာဏ”န္တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“သဟာဝဿ ဒဿနသမ္ပဒါယ၊  
 တယဿု ဓမ္မာ ဇဟိတာ ဘဝန္တိ။  
 သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ဝိစိကိစ္ဆိတဉ္စ၊  
 သီလဗ္ဗတံ ဝါပိ ယဒတ္ထိ ကိဋ္ဌိ။  
 စတူဟပါယေဟိ စ ဝိပ္ပမုတ္တော၊  
 ဆစ္စဘိဌာနာနိ အဘဗ္ဗ ကာတု”န္တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ  
 အရဟတော အညာဏ”န္တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ  
 “ယသ္မိံ ဘိက္ခဝေ သမယေ အရိယသာဝကဿ ဝိရဇံ ဝိတမလံ ဓမ္မစက္ခု ဥဒပါဒိ  
 ‘ယံ ကိဋ္ဌိ သမုဒယဓမ္မံ၊ သဗ္ဗံ တံ နိရောဓဓမ္မ’န္တိ။ သဟ ဒဿနပ္ပါဒါ ဘိက္ခဝေ  
 အရိယသာဝကဿ တိဏိ သံယောဇနာနိ ပဟိယန္တိ၊ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ဝိစိကိစ္ဆာ  
 သီလဗ္ဗတပရာမာသော”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ  
 န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော အညာဏ”န္တိ။



† န ဝတ္ထုဗွဲ့ “အတ္ထိ အရဟတော အညာဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟာ ဣတ္ထိပုရိသာနံ နာမဂေါတ္တံ န ဇာနေယျ၊ မဂ္ဂါမဂ္ဂံ န ဇာနေယျ၊ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ နာမံ န ဇာနေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ ဣတ္ထိပုရိသာနံ နာမဂေါတ္တံ န ဇာနေယျ၊ မဂ္ဂါမဂ္ဂံ န ဇာနေယျ၊ တိဏကဋ္ဌ-  
ဝနပ္ပတိနံ နာမံ န ဇာနေယျ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော  
အညာဏ”န္တိ။

\* အရဟာ ဣတ္ထိပုရိသာနံ နာမဂေါတ္တံ န ဇာနေယျ၊ မဂ္ဂါမဂ္ဂံ န ဇာနေယျ၊  
တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ နာမံ န ဇာနေယျာတိ အတ္ထိ အရဟတော အညာဏန္တိ၊  
အာမန္တာ။ အရဟာ သောတာပတ္တိဖလံ ဝါ သကဒါဂါမိဖလံ ဝါ အနာဂါမိဖလံ  
ဝါ အရဟတ္တံ ဝါ န ဇာနေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

အညာဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

### (၁၂) ၃-ကင်္ခါကထာ

၃၁၈။ \* အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော  
ဝိစိကိစ္ဆာ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ ဝိစိကိစ္ဆာသံယောဇနံ ဝိစိကိစ္ဆာနိဝရဏန္တိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* နတ္ထိ အရဟတော ဝိစိကိစ္ဆာ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ ဝိစိကိစ္ဆာသံယောဇနံ  
ဝိစိကိစ္ဆာနိဝရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ အရဟတော ဝိစိကိစ္ဆာ ဝိစိကိစ္ဆာ-  
ပရိယုဋ္ဌာနံ ဝိစိကိစ္ဆာသံယောဇနံ ဝိစိကိစ္ဆာနိဝရဏံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ  
“အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါ”တိ။

\* အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ကင်္ခါ၊ အတ္ထိ တဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ  
ဝိစိကိစ္ဆာသံယောဇနံ ဝိစိကိစ္ဆာနိဝရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော  
ကင်္ခါ၊ အတ္ထိ တဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ ဝိစိကိစ္ဆာသံယောဇနံ  
ဝိစိကိစ္ဆာနိဝရဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါ၊ နတ္ထိ တဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ  
ဝိစိကိစ္ဆာသံယောဇနံ ဝိစိကိစ္ဆာနိဝရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ကင်္ခါ၊



နတ္ထိ တဿ ဝိစိကိစ္ဆာ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ ဝိစိကိစ္ဆာသံယောဇနံ ဝိစိကိစ္ဆာ-  
နိဝရဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော သတ္ထရိ ကင်္ခါ၊  
ဓမ္မေ ကင်္ခါ၊ သံဃေ ကင်္ခါ၊ သိက္ခာယ ကင်္ခါ၊ ပုဗ္ဗန္တေ ကင်္ခါ၊ အပရန္တေ ကင်္ခါ၊ ပုဗ္ဗန္တာ-  
ပရန္တေ ကင်္ခါ၊ ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု ဓမ္မေသု ကင်္ခါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* နတ္ထိ အရဟတော သတ္ထရိ ကင်္ခါ ဓမ္မေ ကင်္ခါ။ပ။ ဣဒပ္ပတ္တယတာ-  
ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု ဓမ္မေသု ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ အရဟတော သတ္ထရိ  
ကင်္ခါ၊ ဓမ္မေ ကင်္ခါ။ပ။ ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု ဓမ္မေသု ကင်္ခါ၊ နော  
စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါ”တိ။

\* အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ကင်္ခါ၊ အတ္ထိ တဿ သတ္ထရိ ကင်္ခါ၊ ဓမ္မေ ကင်္ခါ။ပ။  
ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု ဓမ္မေသု ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော  
ကင်္ခါ၊ အတ္ထိ တဿ သတ္ထရိ ကင်္ခါ၊ ဓမ္မေ ကင်္ခါ။ပ။ ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု  
ဓမ္မေသု ကင်္ခါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါ၊ နတ္ထိ တဿ သတ္ထရိ ကင်္ခါ၊ ဓမ္မေ ကင်္ခါ။ပ။  
ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု ဓမ္မေသု ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ  
ကင်္ခါ၊ နတ္ထိ တဿ သတ္ထရိ ကင်္ခါ၊ ဓမ္မေ ကင်္ခါ။ပ။ ဣဒပ္ပတ္တယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု  
ဓမ္မေသု ကင်္ခါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၃၁၉။ \* အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အရဟတော ရာဂေါ  
ပဟိနော ဥစ္ဆိန္နမူလော တာလာဝတ္ထုကတော အနဘာဝံကတော အာယတိံ  
အနုပ္ပါဒဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော ဥစ္ဆိန္န-  
မူလော တာလာဝတ္ထုကတော အနဘာဝံကတော အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မော၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အရဟတော ဒေါသော  
ပဟိနော။ပ။ မောဟော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ။ပ။ ရာဂပ္ပဟာနာယ  
မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ။ပ။ ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ပ။  
အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ။ နနု  
အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သစ္စိကာတဗ္ဗံ  
သစ္စိကာတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတ-  
မောဟော။ပ။ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကာတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ  
အရဟတော ကင်္ခါ”တိ။



၃၂၀။ \* အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါတိ? သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အတ္ထိ ကင်္ခါ၊ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော နတ္ထိ ကင်္ခါတိ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အတ္ထိ ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အတ္ထိ ကင်္ခါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော နတ္ထိ ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော နတ္ထိ ကင်္ခါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ အတ္ထိ တဿ ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ အတ္ထိ တဿ ကင်္ခါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ မောဟော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ။ပ။ ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတော။ပ။ ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ပ။ မောဟပ္ပဟာနာယ။ပ။ အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတော။ပ။ သဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ အတ္ထိ တဿ ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလော အရဟာဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ အတ္ထိ တဿ ကင်္ခါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ နတ္ထိ တဿ ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ နတ္ထိ တဿ ကင်္ခါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ မောဟော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ။ပ။ ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတော။ပ။ ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ပ။ မောဟပ္ပဟာနာယ။ပ။ အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတော။ပ။ ပရဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ နတ္ထိ တဿ ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ နတ္ထိ တဿ ကင်္ခါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၃၂၁။ \* အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဇာနတောဟံ ဘိက္ခဝေ ပဿတော အာသဝါနံ ခယံ ဝဒါမိ၊ နော အဇာနတော



နော၊ အပဿတော။ ကိဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ကိံ ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ၊ ‘ဣတိ ရူပံ။ပ။ ဣတိ ဝိညာဏဿ အတ္တင်္ဂမော’တိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ဧဝံ ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဇာနတောဟံ ဘိက္ခဝေ ပဿတော အာသဝါနံ ခယံ ဝဒါမိ၊ နော အဇာနတော နော အပဿတော။ ကိဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ကိံ ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ၊ ‘ဣဒံ ဒုက္ခ’န္တိ ဘိက္ခဝေ။ပ။ ‘အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ’တိ ဇာနတော ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ဧဝံ ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သဗ္ဗံ ဘိက္ခဝေ အနဘိဇာနံ အပရိဇာနံ အဝိရာဇယံ အပ္ပဇဟံ အဘဗ္ဗော ဒုက္ခက္ခယာယ၊ သဗ္ဗန္တ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဘိဇာနံ ပရိဇာနံ ဝိရာဇယံ ပဇဟံ ဘဗ္ဗော ဒုက္ခက္ခယာယာ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သဟာ-ဝဿ ဒဿနသမ္ပဒါယ။ပ။ ဆစ္စဘိဌာနာနိ အဘဗ္ဗ ကာတု”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ယသ္မိံ ဘိက္ခဝေ သမယေ အရိယသာဝကဿ ဝိရဇံ ဝိတမလံ ဓမ္မစက္ခု ဥဒပါဒိ ‘ယံ ကိဉ္စ သမုဒယဓမ္မံ၊ သဗ္ဗံ တံ နိရောဓဓမ္မ’န္တိ။ သဟ ဒဿနုပ္ပါဒါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ တိဏိ သံယောဇနာနိ ပဟိယန္တိ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ဝိစိကိန္နာ သီလဗ္ဗတပရာမာသော”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“ယဒါ ဟဝေ ပါတုဘဝန္တိ ဓမ္မာ၊  
အာတာပိနော ဈာယတော ပြာဟ္မဏဿ။  
အထဿ ကင်္ခါ ဝပယန္တိ သဗ္ဗာ၊  
ယတော ပဇာနာတိ သဟေတုဓမ္မ”န္တိ။



“ယဒါ ဟဝေ ပါတုဘဝန္တိ ဓမ္မာ၊  
 အာတာပိနော ဈာယတော ပြာဟ္မဏဿ။  
 အထဿ ကင်္ခါ ဝပယန္တိ သဗ္ဗာ၊  
 ယတော ခယံ ပဇ္ဇယာနံ အဝေဒီ”တိ။

“ယဒါ ဟဝေ ပါတုဘဝန္တိ ဓမ္မာ၊  
 အာတာပိနော ဈာယတော ပြာဟ္မဏဿ။  
 ဝိရူပယံ တိဋ္ဌတိ မာရသေနံ၊  
 သူရိယောဝံ<sup>၁</sup> သြဘာသယမန္တလိက္ခ”န္တိ<sup>၂</sup>။

“ယာ ကာစိ ကင်္ခါ ဣဓ ဝါ ဟုရံ ဝါ၊  
 သကဝေဒိယာ ဝါ ပရဝေဒိယာ ဝါ။  
 ဈာယိနော<sup>၃</sup> တာ ပဇဟန္တိ သဗ္ဗာ၊  
 အာတာပိနော ပြဟ္မစရိယံ စရန္တာ”တိ<sup>၄</sup>။

“ယေ ကင်္ခါသမတိက္ကန္တာ၊ ကင်္ခါဘူတေသု ပါဏိသု။  
 အသံသယာ ဝိသံယုတ္တာ၊ တေသု ဒိန္တံ မဟပ္ပလ”န္တိ။

“ဧတာဒိသီ ဓမ္မပကာသနေတ္ထု၊  
 န တတ္ထ ကိံ ကင်္ခတိ ကောစိ သာဝကော။  
 နိတ္တိဏ္ဍဩဃံ<sup>၅</sup> ဝိစိကိစ္ဆဆိန္တံ၊  
 ဗုဒ္ဓံ နမဿာမ ဇိနံ ဇနိန္ဒာ”တိ<sup>၆</sup>။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါ”တိ။

† န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟာ ဣတ္ထိပုရိသာနံ နာမဂေါတ္ထေ ကင်္ခေယျ၊ မဂ္ဂါမဂ္ဂေ ကင်္ခေယျ၊ တိဏကဋ္ဌ-  
 ဝနပ္ပတိနံ နာမေ ကင်္ခေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အရဟာ ဣတ္ထိပုရိသာနံ  
 နာမဂေါတ္ထေ ကင်္ခေယျ၊ မဂ္ဂါမဂ္ဂေ ကင်္ခေယျ၊ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ နာမေ  
 ကင်္ခေယျ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါ”တိ။

၁-သူရိယောဝ (သီ၊ သျာ၊ ကံ၊ ဣ) ၂-ဝိ ၃-၂-ပိဋေ၊ ဥဒါနေ ပဌမ ဒုတိယ တတိယသုတ္တေသု စ။

၃-ယေ ဈာယိနော (ဥဒါနေ)

၄-ဥဒါနေ သောဏတ္ထေရဝဂ္ဂေ။

၅-နိတိဏ္ဍဩဃံ (သီ၊ က)၊ နိတ္တိဏ္ဍဩဃံ (သျာ၊ ကံ)

၆-ဒိ ၂-၂၁၉-ပိဋေ။



\* အရဟာ ဣတ္ထိပုရိသာနံ နာမဂေါတ္တေ ကင်္ခေယျ၊ မဂ္ဂါမဂ္ဂေ ကင်္ခေယျ၊ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ နာမေ ကင်္ခေယျာတိ အတ္ထိ အရဟတော ကင်္ခါတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ သောတာပတ္တိဖလေ ဝါ သကဒါဂါမိဖလေ ဝါ အနာဂါမိဖလေ ဝါ အရဟတ္တေ ဝါ ကင်္ခေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

ကင်္ခါကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

### (၁၃) ၄-ပရိတာရဏကထာ

၃၂၂။ \* အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ ပရနေယျော ပရပတ္တိယော ပရပစ္စယော ပရပဋိဗဒ္ဓဘူ၊ န ဇာနာတိ န ပဿတိ သမ္မုဇ္ဇော အသမ္မုဇာနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* နန အရဟာ န ပရနေယျော န ပရပတ္တိယော န ပရပစ္စယော န ပရပဋိဗဒ္ဓဘူ၊ ဇာနာတိ ပဿတိ အသမ္မုဇ္ဇော သမ္မုဇာနောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ န ပရနေယျော န ပရပတ္တိယော န ပရပစ္စယော န ပရပဋိဗဒ္ဓဘူ၊ ဇာနာတိ ပဿတိ အသမ္မုဇ္ဇော သမ္မုဇာနော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာ”တိ။

\* အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ပရိတာရဏာ၊ သော စ ပရနေယျော ပရပတ္တိယော ပရပစ္စယော ပရပဋိဗဒ္ဓဘူ၊ န ဇာနာတိ န ပဿတိ သမ္မုဇ္ဇော အသမ္မုဇာနောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာ၊ သော စ ပရနေယျော ပရပတ္တိယော ပရပစ္စယော ပရပဋိဗဒ္ဓဘူ၊ န ဇာနာတိ န ပဿတိ သမ္မုဇ္ဇော အသမ္မုဇာနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာ၊ သော စ န ပရနေယျော န ပရပတ္တိယော န ပရပစ္စယော န ပရပဋိဗဒ္ဓဘူ၊ ဇာနာတိ ပဿတိ အသမ္မုဇ္ဇော သမ္မုဇာနောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ပရိတာရဏာ၊ သော စ န ပရနေယျော န ပရပတ္တိယော န ပရပစ္စယော န ပရပဋိဗဒ္ဓဘူ၊ ဇာနာတိ ပဿတိ အသမ္မုဇ္ဇော သမ္မုဇာနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော သတ္တရိ ပရိတာရဏာ၊ ဓမ္မေ ပရိတာရဏာ၊ သံဃေ ပရိတာရဏာ၊



သိက္ခာယ ပရိတာရဏာ၊ ပုဗ္ဗန္တေ ပရိတာရဏာ၊ အပရန္တေ ပရိတာရဏာ၊ ပုဗ္ဗန္တာပရန္တေ ပရိတာရဏာ၊ ဣဒပ္ပစ္စယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု ဓမ္မေသု ပရိတာရဏာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* နတ္ထိ အရဟတော သတ္တရိ ပရိတာရဏာ၊ ဓမ္မေ ပရိတာရဏာ။ပ။ ဣဒပ္ပစ္စယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု ဓမ္မေသု ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ နတ္ထိ အရဟတော သတ္တရိ ပရိတာရဏာ၊ ဓမ္မေ ပရိတာရဏာ။ပ။ ဣဒပ္ပစ္စယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု ဓမ္မေသု ပရိတာရဏာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာ”တိ။

\* အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ပရိတာရဏာ၊ အတ္ထိ တဿ သတ္တရိ ပရိတာရဏာ၊ ဓမ္မေ ပရိတာရဏာ။ပ။ ဣဒပ္ပစ္စယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု ဓမ္မေသု ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာ၊ အတ္ထိ တဿ သတ္တရိ ပရိတာရဏာ၊ ဓမ္မေ ပရိတာရဏာ။ပ။ ဣဒပ္ပစ္စယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု ဓမ္မေသု ပရိတာရဏာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာ၊ နတ္ထိ တဿ သတ္တရိ ပရိတာရဏာ ဓမ္မေ ပရိတာရဏာ။ပ။ ဣဒပ္ပစ္စယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု ဓမ္မေသု ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ပရိတာရဏာ၊ နတ္ထိ တဿ သတ္တရိ ပရိတာရဏာ၊ ဓမ္မေ ပရိတာရဏာ။ပ။ ဣဒပ္ပစ္စယတာပဋိစ္စသမုပ္ပန္နသု ဓမ္မေသု ပရိတာရဏာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၃၂၃။ \* အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော ဥစ္ဆိန္နမူလော တာလာဝတ္ထုကတော အနဘာဝံကတော အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော ဥစ္ဆိန္နမူလော တာလာဝတ္ထုကတော အနဘာဝံကတော အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ မောဟော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ ဥစ္ဆိန္နမူလံ တာလာဝတ္ထုကတံ အနဘာဝံကတံ အာယတိံ အနုပ္ပါဒဓမ္မံ။ပ။ ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတော။ပ။ ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ပ။ အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတော။ပ။



\*နန အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာ”တိ။

၃၂၄။ \* အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာတိ? သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အတ္ထိ ပရိတာရဏာ၊ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော နတ္ထိ ပရိတာရဏာတိ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အတ္ထိ ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော အတ္ထိ ပရိတာရဏာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော နတ္ထိ ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော နတ္ထိ ပရိတာရဏာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ အတ္ထိ တဿ ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ အတ္ထိ တဿ ပရိတာရဏာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ပ။ မောဟော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ။ပ။ ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ။ပ။ ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ပ။ အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ။ပ။ သဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ အတ္ထိ တဿ ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ပရဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ အတ္ထိ တဿ ပရိတာရဏာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ နတ္ထိ တဿ ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ရာဂေါ ပဟိနော၊ နတ္ထိ တဿ ပရိတာရဏာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* ပရဓမ္မကုသလဿ အရဟတော ဒေါသော ပဟိနော။ မောဟော ပဟိနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဟိနံ။ပ။ ရာဂပ္ပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ။ပ။ ဒေါသပ္ပဟာနာယ။ပ။ အနောတ္တပ္ပပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ။ပ။ ပရဓမ္မကုသလော အရဟာ



ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ နတ္ထိ တဿ ပရဝိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ သဓမ္မကုသလော အရဟာ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ၊ နတ္ထိ တဿ ပရဝိတာရဏာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၃၂၅။ \* အတ္ထိ အရဟတော ပရဝိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဇာနတောဟံ ဘိက္ခဝေ ပဿတော အာသဝါနံ ခယံ ဝဒါမိ၊ နော အဇာနတော နော အပဿတော။ ကိဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ကိံ ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ၊ ‘ဣတိ ရူပံ။ပ။ ဣတိ ဝိညာဏဿ အတ္တင်္ဂမော’တိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ဧဝံ ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ပရဝိတာရဏာ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ပရဝိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဇာနတောဟံ ဘိက္ခဝေ ပဿတော အာသဝါနံ ခယံ ဝဒါမိ၊ နော အဇာနတော နော အပဿတော၊ ကိဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ကိံ ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ၊ ‘ဣဒံ ဒုက္ခ’န္တိ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ၊ ‘အယံ ဒုက္ခသမုဒယော’တိ။ပ။ ‘အယံ ဒုက္ခနိရောဓော’တိ။ပ။ ‘အယံ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိ ပဋိပဒါ’တိ ဇာနတော ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ဧဝံ ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ပရဝိတာရဏာ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ပရဝိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သဗ္ဗံ ဘိက္ခဝေ အနဘိဇာနံ အပရိဇာနံ အဝိရာဇယံ အပ္ပဇဟံ အဘဗ္ဗော ဒုက္ခက္ခယာယ။ သဗ္ဗန္တ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဘိဇာနံ ပရိဇာနံ ဝိရာဇယံ ပဇဟံ ဘဗ္ဗော ဒုက္ခက္ခယာယာ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ပရဝိတာရဏာ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ပရဝိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သဟာဝဿ ဒဿနသမ္ပဒါယ။ပ။ ဆစ္စဘိဌာနာနိ အဘဗ္ဗ ကာတု”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ပရဝိတာရဏာ”တိ။



\* အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ယသ္မိံ” ဘိက္ခဝေ သမယေ အရိယသာဝကဿ ဝိရဇံ ဝိတမလံ ဓမ္မစက္ခု ဥဒပါဒိ ‘ယံ ကိဉ္စိ သမုဒယဓမ္မံ၊ သဗ္ဗံ တံ နိရောဓဓမ္မ’န္တိ။ သဟ ဒဿနုပ္ပါဒါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ တိဏိ သံယောဇနာနိ ပဟိယန္တိ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ဝိစိကိစ္ဆာ သီလဗ္ဗတပရာမာသော”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာ”တိ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“နာဟံ သဟိဿာမိ” ပမောစနာယ၊  
ကထံကထိံ ဓောတက ကဉ္စိ ၂ လောကေ။  
ဓမ္မဉ္စ သေဋ္ဌံ အဘိဇာနမာနော၊  
ဧဝံ တုဝံ ဩဃမိမံ တရေသိ”တိ ၃။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာ”တိ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု အရဟတော ဣတ္ထိပုရိသာနံ နာမဂေါတ္တံ ပရေ ဝိတာရေယျံ၊ မဂ္ဂါမဂ္ဂံ ပရေ ဝိတာရေယျံ၊ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ နာမံ ပရေ ဝိတာရေယျန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော ဣတ္ထိပုရိသာနံ နာမဂေါတ္တံ ပရေ ဝိတာရေယျံ၊ မဂ္ဂါမဂ္ဂံ ပရေ ဝိတာရေယျံ၊ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ နာမံ ပရေ ဝိတာရေယျံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာ”တိ။

\* အရဟတော ဣတ္ထိပုရိသာနံ နာမဂေါတ္တံ ပရေ ဝိတာရေယျံ၊ မဂ္ဂါမဂ္ဂံ ပရေ ဝိတာရေယျံ၊ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိနံ နာမံ ပရေ ဝိတာရေယျန္တိ အတ္ထိ အရဟတော ပရိတာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော သောတာပတ္တိဖလံ ဝါ သကဒါ- ဂါမိဖလံ ဝါ အနာဂါမိဖလံ ဝါ အရဟတ္တံ ဝါ ပရေ ဝိတာရေယျန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

ပရိတာရဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

## (၁၄) ၅-ဝစီဘေဒကထာ

၃၂၆။ \*သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗတ္ထ သမာပန္နာနံ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗဒါ သမာပန္နာနံ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေသံ သမာပန္နာနံ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗသမာပတ္တိသု အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ကာယဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*သမာပန္နဿ နတ္ထိ ကာယဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝါစာ၊ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ကာယော၊ အတ္ထိ ကာယဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*သမာပန္နဿ အတ္ထိ ကာယော၊ နတ္ထိ ကာယဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝါစာ၊ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၃၂၇။ \*“ဒုက္ခ”န္တိ ဇာနန္တော “ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတိတိ၊ အာမန္တာ။ “သမုဒယော”တိ ဇာနန္တော “သမုဒယော”တိ ဝါစံ ဘာသတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*“ဒုက္ခ”န္တိ ဇာနန္တော “ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတိတိ၊ အာမန္တာ။ “နိရောဓော”တိ ဇာနန္တော “နိရောဓော”တိ ဝါစံ ဘာသတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*“ဒုက္ခ”န္တိ ဇာနန္တော “ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတိတိ၊ အာမန္တာ။ “မဂ္ဂေါ”တိ ဇာနန္တော “မဂ္ဂေါ”တိ ဝါစံ ဘာသတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



\* “သမုဒယော”တိ ဇာနန္တော န စ “သမုဒယော”တိ ဝါစံ ဘာသတိတိ၊ အာမန္တာ။ “ဒုက္ခ”န္တိ ဇာနန္တော န စ “ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* “နိရောဓော”တိ ဇာနန္တော န စ “နိရောဓော”တိ ဝါစံ ဘာသတိတိ၊ အာမန္တာ။ “ဒုက္ခ”န္တိ ဇာနန္တော န စ “ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* “မဂ္ဂေါ”တိ ဇာနန္တော န စ “မဂ္ဂေါ”တိ ဝါစံ ဘာသတိတိ၊ အာမန္တာ။ “ဒုက္ခ”န္တိ ဇာနန္တော န စ “ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၂၈။ \* သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဉာဏံ ကိဂ္ဂေါစရန္တိ၊ ဉာဏံ သစ္စဂေါစရန္တိ။ သောတံ သစ္စဂေါစရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ သောတံ ကိဂ္ဂေါစရန္တိ။ သောတံ သဒ္ဓဂေါစရန္တိ။ ဉာဏံ သဒ္ဓဂေါစရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ ဉာဏံ သစ္စဂေါစရံ၊ သောတံ သဒ္ဓဂေါစရန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဉာဏံ သစ္စဂေါစရံ၊ သောတံ သဒ္ဓဂေါစရံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ။

\* သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ ဉာဏံ သစ္စဂေါစရံ၊ သောတံ သဒ္ဓဂေါစရန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒိန္နံ ဖဿာနံ၊ ဒိန္နံ ဝေဒနာနံ၊ ဒိန္နံ သညာနံ၊ ဒိန္နံ စေတနာနံ၊ ဒိန္နံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

၃၂၉။ \* သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ အာပေါကသိဏံ။ပ။ တေဇောကသိဏံ။ ဝါယောကသိဏံ။ နီလကသိဏံ။ ပီတကသိဏံ။ လောဟိတကသိဏံ။ ဩဒါတကသိဏံ။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ။ ဝိညာဏဉ္စာယတနံ။ အာကိဉ္စညာယတနံ။ပ။ နေဝသညာနာသညာယတနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ။



\* အာပေါကသိဏံ။ တေဇောကသိဏံ။ ဝါယောကသိဏံ။ နီလကသိဏံ။ ဝိတကသိဏံ။ လောဟိတကသိဏံ။ ဩဒါတကသိဏံ။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ။ ဝိညာဏဉ္စာယတနံ။ အာကိဉ္စညာယတနံ။ နေဝသညာနာသညာယတနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နေဝသညာနာသညာယတနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ။

\* သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ လောကိယသမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ လောကိယံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ လောကိယံ ဒုတိယံ ဈာနံ။ တတိယံ ဈာနံ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* လောကိယံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ လောကိယံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ။

\* လောကိယံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ လောကိယံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ။

\* လောကိယံ ဒုတိယံ ဈာနံ။ တတိယံ ဈာနံ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ လောကိယံ စတုတ္ထံ ဈာနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ။

၃၃၀။ \* လောကုတ္တရံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ လောကိယံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* လောကုတ္တရံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ လောကိယံ ဒုတိယံ ဈာနံ။ တတိယံ ဈာနံ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* လောကီယံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* လောကီယံ ဒုတိယံ ဈာနံ။ တတိယံ ဈာနံ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၃၁။ \* လောကုတ္တရံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရံ ဒုတိယံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* လောကုတ္တရံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရံ တတိယံ ဈာနံ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* လောကုတ္တရံ ဒုတိယံ ဈာနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* လောကုတ္တရံ ဒုတိယံ ဈာနံ။ တတိယံ ဈာနံ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၃၂။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝိတက္ကဝိစာရာ ဝစီသင်္ခါရာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝိတက္ကဝိစာရာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဝိတက္ကဝိစာရာ ဝစီသင်္ခါရာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝိတက္ကဝိစာရာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ။

\* ဝိတက္ကဝိစာရာ ဝစီသင်္ခါရာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝိတက္ကဝိစာရာတိ။ အတ္ထိ တဿ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ ပထဝီကသိဏံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝိတက္ကဝိစာရာ၊ အတ္ထိ တဿ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* ဝိတက္ကဝိစာရာ ဝစီသင်္ခါရာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝိတက္ကဝိစာရာတိ အတ္ထိ တဿ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ အာပေါကသိဏံ တေဇောကသိဏံ။ ဝါယောကသိဏံ။ နီလကသိဏံ။ ပီတကသိဏံ။ လောဟိတကသိဏံ။ ဩဒါတကသိဏံ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝိတက္ကဝိစာရာ၊ အတ္ထိ တဿ ဝစီဘေဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝိတက္ကသမုဋ္ဌာနာ ဝါစာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝိတက္ကဝိစာရာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဝိတက္ကသမုဋ္ဌာနာ ဝါစာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝိတက္ကဝိစာရာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ။

\* ဝိတက္ကသမုဋ္ဌာနာ ဝါစာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝိတက္ကဝိစာရာတိ အတ္ထိ တဿ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ သညာသမုဋ္ဌာနာ ဝါစာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ ဒုတိယံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ သညာ၊ အတ္ထိ တဿ ဝိတက္ကဝိစာရာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဝိတက္ကသမုဋ္ဌာနာ ဝါစာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝိတက္ကဝိစာရာတိ အတ္ထိ တဿ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ သညာသမုဋ္ဌာနာ ဝါစာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ တတိယံ ဈာနံ။ပ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ။ ဝိညာဏဉ္စာယတနံ။ အာကိဉ္စညာယတနံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ သညာ၊ အတ္ထိ တဿ ဝိတက္ကဝိစာရာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၃၃။ \* သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ နန “ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ ဝါစာ နိရုဒ္ဓါ ဟောတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ “ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ ဝါစာ နိရုဒ္ဓါ ဟောတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ။

\* “ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ ဝါစာ နိရုဒ္ဓါ ဟောတိတိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တော”တိ အတ္ထိ တဿ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ “ဒုတိယံ ဈာနံ သမာပန္နဿ ဝိတက္ကဝိစာရာ နိရုဒ္ဓါ ဟောတိတိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တော”တိ အတ္ထိ တဿ ဝိတက္ကဝိစာရာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* “ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ ဝါစာ နိရုဒ္ဓါ ဟောတိတိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တော”တိ အတ္ထိ တဿ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ “တတိယံ ဈာနံ



သမာပန္နဿ ပီတိ နိရုဒ္ဓါ ဟောတိ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ သမာပန္နဿ အဿာသ-  
ပဿာသာ နိရုဒ္ဓါ ဟောန္တိ။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ သမာပန္နဿ ရူပသညာ  
နိရုဒ္ဓါ ဟောတိ။ ဝိညာဏဉ္စာယတနံ သမာပန္နဿ အာကာသာနဉ္စာယတန-  
သညာ နိရုဒ္ဓါ ဟောတိ။ အာကိဉ္စညာယတနံ သမာပန္နဿ ဝိညာဏဉ္စာယတန-  
သညာ နိရုဒ္ဓါ ဟောတိ။ နေဝသညာနာသညာယတနံ သမာပန္နဿ အာကိဉ္စ-  
ညာယတနသညာ နိရုဒ္ဓါ ဟောတိ။ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ  
သညာ စ ဝေဒနာ စ နိရုဒ္ဓါ ဟောန္တိတိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တော”တိ အတ္ထိ တဿ  
သညာ စ ဝေဒနာ စာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန  
ပဌမဿ ဈာနဿ သဒ္ဓေါ ကဏ္ဍကော<sup>၁</sup> ဝုတ္တော ဘဂဝတာတိ<sup>၂</sup>၊ အာမန္တာ။  
ဟဉ္စိ ပဌမဿ ဈာနဿ သဒ္ဓေါ ကဏ္ဍကော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ၊ တေန ဝတ  
ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ။

\* ပဌမဿ ဈာနဿ သဒ္ဓေါ ကဏ္ဍကော ဝုတ္တော ဘဂဝတာတိ သမာပန္နဿ  
အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုတိယဿ ဈာနဿ ဝိတက္ကဝိစာရာ  
ကဏ္ဍကော<sup>၁</sup> ဝုတ္တော ဘဂဝတာ။ တတိယဿ ဈာနဿ ပီတိ ကဏ္ဍကော  
ဝုတ္တော ဘဂဝတာ။ စတုတ္ထဿ ဈာနဿ အဿာသပဿာသာ ကဏ္ဍကော  
ဝုတ္တော ဘဂဝတာ<sup>၂</sup>။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ သမာပန္နဿ ရူပသညာ  
ကဏ္ဍကော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ။ ဝိညာဏဉ္စာယတနံ သမာပန္နဿ အာကာ-  
သာနဉ္စာယတနသညာ ကဏ္ဍကော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ။ အာကိဉ္စညာယတနံ  
သမာပန္နဿ ဝိညာဏဉ္စာယတနသညာ ကဏ္ဍကော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ။ နေဝ-  
သညာနာသညာယတနံ သမာပန္နဿ အာကိဉ္စညာယတနသညာ ကဏ္ဍကော  
ဝုတ္တော ဘဂဝတာ။ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ သညာ စ ဝေဒနာ  
စ ကဏ္ဍကော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ<sup>၃</sup>၊ အတ္ထိ တဿ သညာ စ ဝေဒနာ စာတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝစီဘေဒေါ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန  
ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သိဒ္ဓိဿ အာနန္ဒ ဘဂဝတော အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ  
အဘိဘူ နာမ သာဝကော မြဟ္မလောကေ ဌိတော ဒဿဟဿိလောကဓာတုံ  
သရေန ဝိညာပေသိ—

၁-ကဏ္ဍကော (သျှာ) အံ ၃-၃၆၃ ပိဋေ။ ၂-အံ ၃-၃၆၃ ပိဋေ ကဏ္ဍကသုတ္တံ နိဿာယ ပုစ္ဆတိ။  
၃-၄-အံ ၃-၃၆၃ ပိဋေ။



အာရဟံ နိက္ခမထ၊ ယုဉ္ဇထ ဗုဒ္ဓသာသနေး။  
 ဓုနာထ မစ္စုနော သေနံ၊ နဠာဂါရံဝ ကုဉ္ဇရော။  
 ယော ဣမသ္မိံ ဓမ္မဝိနယေ၊ အပ္ပမတ္တော ဝိဟဿတိ<sup>၁</sup>။  
 ပဟာယ ဇာတိသံသာရံ၊ ဒုက္ခဿန္တံ ကရိဿတိ<sup>၂</sup>”တိ ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ။ အာမန္တာ။ တေန ဟိ သမာပန္နဿ အတ္ထိ  
 ဝစီဘေဒေါတိ။

ဝစီဘေဒကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

### (၁၅) ၆-ဒုက္ခာဟာရကထာ

၃၃၄။ \* ဒုက္ခာဟာရော မဂ္ဂံ<sup>၁</sup> မဂ္ဂပရိယာပန္နန္တိ၊ အာမန္တာ။ ယေ ကေစိ  
 “ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

\* ယေ ကေစိ “ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တိတိ၊  
 အာမန္တာ။ ဗာလပုထုဇ္ဇနာ “ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသန္တိ၊ ဗာလပုထုဇ္ဇနာ မဂ္ဂံ  
 ဘာဝေန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ မာတုဃာတကော။ ပိတုဃာတကော။  
 အရဟန္တဃာတကော။ ရဟိရုပ္ပါဒကော<sup>၃</sup>။ သဃ်ဘေဒကော “ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ  
 ဘာသတိ၊ သဃ်ဘေဒကော မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

ဒုက္ခာဟာရကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

### (၁၆) ၇-စိတ္တဋ္ဌိတိကထာ

၃၃၅။ \* ဧကံ စိတ္တံ ဒိဝသံ တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပခုဒ္ဓိဝသော ဥပ္ပါ-  
 ဒက္ခဏော၊ ဥပခုဒ္ဓိဝသော ဝယက္ခဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

၁-ဝိဟေဿတိ (သီ၊ သျာ၊ ကံ)၊ ဝိဟရိဿတိ (က)

၂-အံ ၁-တိကနိပါတေ ၂၂၀ ပိဋေ၊ သံ ၁-၁၅၀ ပိဋေ စ။

၃-လောဟိတုပ္ပါဒကော (သီ၊ က) အညဋ္ဌာနေသု ပန ရဟိရုပ္ပါဒကောတွေဝ ဒိဿတိ။



\* ဧကံ စိတ္တံ ဒွေ ဒိဝသေ တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဝသော ဥပ္ပါဒက္ခဏော၊ ဒိဝသော ဝယက္ခဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* ဧကံ စိတ္တံ စက္ကာရော ဒိဝသေတိဋ္ဌတိ။ အဋ္ဌ ဒိဝသေတိဋ္ဌတိ။ ဒသ ဒိဝသေတိဋ္ဌတိ။ ဝိသတိ ဒိဝသေတိဋ္ဌတိ။ မာသံ တိဋ္ဌတိ။ ဒွေ မာသေတိဋ္ဌတိ။ စက္ကာရော မာသေတိဋ္ဌတိ။ အဋ္ဌ မာသေတိဋ္ဌတိ။ ဒသ မာသေတိဋ္ဌတိ။ သံဝစ္ဆရံ တိဋ္ဌတိ။ ဒွေ ဝဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ စက္ကာရိ ဝဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ အဋ္ဌ ဝဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ ဒသ ဝဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ ဝိသတိ ဝဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ တိံသ ဝဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ စက္ကာရိသ ဝဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ ပညာသ ဝဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ ဝဿသတံ တိဋ္ဌတိ။ ဒွေ ဝဿသတာနိ တိဋ္ဌတိ။ စက္ကာရိ ဝဿသတာနိ တိဋ္ဌတိ။ ပဉ္စ ဝဿသတာနိ တိဋ္ဌတိ။ ဝဿသဟဿံ တိဋ္ဌတိ။ ဒွေ ဝဿသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ စက္ကာရိ ဝဿသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ အဋ္ဌ ဝဿသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ သောဠသ ဝဿသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ ကပ္ပံ တိဋ္ဌတိ။ ဒွေ ကပ္ပေတိဋ္ဌတိ။ စက္ကာရော ကပ္ပေတိဋ္ဌတိ။ အဋ္ဌ ကပ္ပေတိဋ္ဌတိ။ သောဠသ ကပ္ပေတိဋ္ဌတိ။ ဗာတ္ထိံသ ကပ္ပေတိဋ္ဌတိ။ စတုသဋ္ဌိ ကပ္ပါနိ တိဋ္ဌတိ။ ပဉ္စ ကပ္ပသတာနိ တိဋ္ဌတိ။ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ ဒွေ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ စက္ကာရိ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ အဋ္ဌ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ သောဠသ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ ဝိသတိ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ စက္ကာရိသ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ သဋ္ဌိ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ စတုရာသီတိ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေစက္ကာရိသ ကပ္ပသဟဿာနိ ဥပ္ပါဒက္ခဏော၊ ဒွေစက္ကာရိသ ကပ္ပသဟဿာနိ ဝယက္ခဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* ဧကံ စိတ္တံ ဒိဝသံ တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထညေ ဓမ္မာ ဧကာဟံ ဗဟုမ္ပိ ဥပ္ပဇ္ဇိတွာ နိရုဇ္ဈန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ တေ ဓမ္မာ စိတ္တေန လဟုပရိဝတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* တေ ဓမ္မာ စိတ္တေန လဟုပရိဝတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “နာဟံ ဘိက္ခဝေ အညံ ဧကဓမ္မမ္ပိ သမနုပဿာမိ ဧဝံ လဟုပရိဝတ္တံ ယထယိဒံ စိတ္တံ၊ ယာဝဉ္စိဒံ ဘိက္ခဝေ ဥပမာပိ န သုကရာ ယာဝ လဟုပရိဝတ္တံ စိတ္တံ”န္တိ။ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တမ္ပံ “တေ ဓမ္မာ စိတ္တေန လဟုပရိဝတ္တာ”တိ။



\* တေ ဓမ္မာ စိတ္တေန လဟုပရိဝတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မက္ခဋ္ဌော အရညေ ပဝနေ စရမာနော သာဓံ ဂဏှတိ၊ တံ မုဇ္ဈိတွာ အညံ ဂဏှတိ၊ တံ မုဇ္ဈိတွာ အညံ ဂဏှတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယမိဒံ” ဝုစ္စတိ စိတ္တံ ဣတိပိ မနော ဣတိပိ ဝိညာဏံ . ဣတိပိ၊ တံ ရတ္ထိယာ စ ဒိဝသဿ စ အညဒေဝ ဥပ္ပဇ္ဇတိ အညံ နိရုဇ္ဈတိ”တိ ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “တေ ဓမ္မာ စိတ္တေန လဟု- ပရိဝတ္တာ”တိ။

၃၃၆။ \* ဧကံ စိတ္တံ ဒိဝသံ တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဝိညာဏံ ဒိဝသံ တိဋ္ဌတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ သောတဝိညာဏံ။ ပ။ သာနဝိညာဏံ။ ဇိဌာ- ဝိညာဏံ။ ကာယဝိညာဏံ။ အကုသလံ စိတ္တံ။ ရာဂသဟဂတံ။ ဒေါသသဟဂတံ။ မောဟသဟဂတံ။ မာနသဟဂတံ။ ဒိဋ္ဌိသဟဂတံ။ ဝိစိကိစ္ဆာသဟဂတံ။ ထိနသဟဂတံ။ ဥဒ္ဓစ္စသဟဂတံ။ အဟိရိကသဟဂတံ။ အနောတ္တပ္ပသဟဂတံ စိတ္တံ ဒိဝသံ တိဋ္ဌတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဧကံ စိတ္တံ ဒိဝသံ တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ ယေနေဝ စိတ္တေန စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ၊ တေနေဝ စိတ္တေန သောတေန သဒ္ဓိံ သုဏှာတိ။ ပ။ သာနေန ဂန္ဓံ သာယတိ။ ဇိဌာယ ရသံ သာယတိ။ ကာယေန ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုသတိ။ မနသာ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိ။ ပ။ ယေနေဝ စိတ္တေန မနသာ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိ၊ တေနေဝ စိတ္တေန စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ။ ပ။ သောတေန သဒ္ဓိံ သုဏှာတိ။ သာနေန ဂန္ဓံ သာယတိ။ ဇိဌာယ ရသံ သာယတိ။ ပ။ ကာယေန ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုသတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဧကံ စိတ္တံ ဒိဝသံ တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ ယေနေဝ စိတ္တေန အဘိက္ကမတိ၊ တေနေဝ စိတ္တေန ပဋိက္ကမတိ။ ယေနေဝ စိတ္တေန ပဋိက္ကမတိ၊ တေနေဝ စိတ္တေန အဘိက္ကမတိ။ ယေနေဝ စိတ္တေန အာလောကေတိ၊ တေနေဝ စိတ္တေန ဝိလောကေတိ။ ယေနေဝ စိတ္တေန ဝိလောကေတိ၊ တေနေဝ စိတ္တေန အာလောကေတိ။ ယေနေဝ စိတ္တေန သမိဇ္ဈေတိ၊ တေနေဝ စိတ္တေန ပသာရေတိ။ ယေနေဝ စိတ္တေန ပသာရေတိ၊ တေနေဝ စိတ္တေန သမိဇ္ဈေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



၃၃၇။ \* အာကာသာနဉ္စာယတနူပဂါနံ ဒေဝါနံ ဧကံ စိတ္တံ ယာဝတာယုကံ တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ မနုဿာနံ ဧကံ စိတ္တံ ယာဝတာယုကံ တိဋ္ဌတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အာကာသာနဉ္စာယတနူပဂါနံ ဒေဝါနံ ဧကံ စိတ္တံ ယာဝတာယုကံ တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ စာတုမဟာရာဇိကာနံ ဒေဝါနံ။ ပ။ တာဝတိံသာနံ ဒေဝါနံ။ ယာမာနံ ဒေဝါနံ။ တုသိတာနံ ဒေဝါနံ။ နိမ္မာနရတီနံ ဒေဝါနံ။ ပရနိမ္မိတဝသဝတ္တီနံ ဒေဝါနံ။ မြဟ္မပါရိသဇ္ဇာနံ ဒေဝါနံ။ မြဟ္မပုရောဟိတာနံ ဒေဝါနံ။ မဟာမြဟ္မာနံ ဒေဝါနံ။ ပရိတ္တာဘာနံ ဒေဝါနံ။ အပ္ပမာဏာဘာနံ ဒေဝါနံ။ အာဘဿရာနံ ဒေဝါနံ။ ပရိတ္တသုဘာနံ ဒေဝါနံ။ အပ္ပမာဏသုဘာနံ ဒေဝါနံ။ သုဘကိဏ္ဍာနံ ဒေဝါနံ။ ဝေဟပ္ပလာနံ ဒေဝါနံ။ အဝိဟာနံ ဒေဝါနံ။ အတပ္ပါနံ ဒေဝါနံ။ သုဒဿာနံ ဒေဝါနံ။ သုဒဿီနံ ဒေဝါနံ။ အကနိဋ္ဌာနံ ဒေဝါနံ ဧကံ စိတ္တံ ယာဝတာယုကံ တိဋ္ဌတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အာကာသာနဉ္စာယတနူပဂါနံ ဒေဝါနံ ဝိသတိ ကပ္ပသဟဿာနိ အာယုပ္ပမာဏံ၊ အာကာသာနဉ္စာယတနူပဂါနံ ဒေဝါနံ ဧကံ စိတ္တံ ဝိသတိ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ မနုဿာနံ ဝဿသတံ အာယုပ္ပမာဏံ မနုဿာနံ ဧကံ စိတ္တံ ဝဿသတံ တိဋ္ဌတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အာကာသာနဉ္စာယတနူပဂါနံ ဒေဝါနံ ဝိသတိ ကပ္ပသဟဿာနိ အာယုပ္ပမာဏံ၊ အာကာသာနဉ္စာယတနူပဂါနံ ဒေဝါနံ ဧကံ စိတ္တံ ဝိသတိ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ စာတုမဟာရာဇိကာနံ ဒေဝါနံ ပဉ္စဝဿသတာနိ အာယုပ္ပမာဏံ၊ စာတုမဟာရာဇိကာနံ ဒေဝါနံ ဧကံ စိတ္တံ ပဉ္စဝဿသတာနိ တိဋ္ဌတိ။ ဝဿသဟဿံ တိဋ္ဌတိ။ ဧဝံ ဝဿသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ စက္ကာရိ ဝဿသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ အဋ္ဌ ဝဿသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ သောဠသ ဝဿသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ ကပ္ပဿ တတိယဘာဂံ တိဋ္ဌတိ။ ဥပနုကပ္ပံ တိဋ္ဌတိ။ ဧကံ ကပ္ပံ တိဋ္ဌတိ။ ဒွေ ကပ္ပေ တိဋ္ဌတိ။ စက္ကာရေ ကပ္ပေ တိဋ္ဌတိ။ အဋ္ဌ ကပ္ပေ တိဋ္ဌတိ။ သောဠသ ကပ္ပေ တိဋ္ဌတိ။ ဗာတ္ထိံသ ကပ္ပေ တိဋ္ဌတိ။ စတုသဋ္ဌိ ကပ္ပေ တိဋ္ဌတိ။ ပဉ္စ ကပ္ပသတာနိ တိဋ္ဌတိ။ ကပ္ပသဟဿံ တိဋ္ဌတိ။ ဒွေ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ စက္ကာရိ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ အဋ္ဌ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိ။ အကနိဋ္ဌာနံ ဒေဝါနံ သောဠသ ကပ္ပသဟဿာနိ အာယုပ္ပမာဏံ၊ အကနိဋ္ဌာနံ ဒေဝါနံ ဧကံ စိတ္တံ သောဠသ ကပ္ပသဟဿာနိ တိဋ္ဌတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။



† အာကာသာနဉ္စာယတနူပဂါနံ ဒေဝါနံ စိတ္တံ မဟုတ္တံ မဟုတ္တံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊  
မဟုတ္တံ မဟုတ္တံ နိရုဇ္ဈတိတိ၊ အာမန္တာ။ အာကာသာနဉ္စာယတနူပဂါ ဒေဝါ  
မဟုတ္တံ မဟုတ္တံ စဝန္တိ၊ မဟုတ္တံ မဟုတ္တံ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

\* အာကာသာနဉ္စာယတနူပဂါနံ ဒေဝါနံ ဧကံ စိတ္တံ ယာဝတာယုကံ  
တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ အာကာသာနဉ္စာယတနူပဂါ ဒေဝါ ယေနော စိတ္တေန  
ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ တေနော စိတ္တေန စဝန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

စိတ္တဋ္ဌတိကထာ နိဋ္ဌတာ။

## ၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

### (၁၇) ဂ-ကုက္ကုဋ္ဌကထာ

၃၃၈။ \* သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိံ ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာတိ၊ အာမန္တာ။ နန  
အတ္ထိ သုခါ ဝေဒနာ ကာယိကံ သုခံ စေတသိကံ သုခံ ဒိဗ္ဗံ သုခံ မာနသကံ  
သုခံ လာဘသုခံ သက္ကာရသုခံ ယာနသုခံ သယနသုခံ ဣဿရိယသုခံ  
အာဓိပစ္စသုခံ ဂိဟိသုခံ သာမညသုခံ သာသဝံ သုခံ အနာသဝံ သုခံ  
ဥပဓိသုခံ နိရူပဓိသုခံ သာမိသံ သုခံ နိရာမိသံ သုခံ သပ္ပိတိကံ သုခံ နိပ္ပိတိကံ  
သုခံ ဈာနသုခံ ဝိမုတ္တိသုခံ ကာမသုခံ နေက္ခမ္မသုခံ ဝိဝေကသုခံ ဥပသမသုခံ  
သဗ္ဗောဓသုခန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ သုခါ ဝေဒနာ။ပ။ သဗ္ဗောဓသုခံ၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိံ ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာ”တိ။

\* သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိံ ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေ  
သင်္ခါရာ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ ကာယိကံ ဒုက္ခံ စေတသိကံ ဒုက္ခံ သောကပရိဒေဝဒုက္ခ-  
ဒေါမနဿဥပါယာသာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

† န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိံ ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာ”တိ၊ အာမန္တာ။  
နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သဗ္ဗံ ဘိက္ခဝေ အာဒိတ္တံ၊ ကိဉ္စ ဘိက္ခဝေ သဗ္ဗံ အာဒိတ္တံ၊  
စက္ခု ဘိက္ခဝေ အာဒိတ္တံ ရူပါ အာဒိတ္တာ စက္ခုဝိညာဏံ အာဒိတ္တံ စက္ခုသမ္ပယော  
အာဒိတ္တော။ ယမိဒံ<sup>၁</sup> စက္ခုသမ္ပယာပစ္စယာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဝေဒယိတံ သုခံ ဝါ ဒုက္ခံ ဝါ  
အဒုက္ခမသုခံ ဝါ၊ တမ္ပိ အာဒိတ္တံ။ ကေန အာဒိတ္တံ၊ ရာဂဂ္ဂိနာ ဒေါသဂ္ဂိနာ  
မောဟဂ္ဂိနာ အာဒိတ္တံ၊ ဇာတိယာ ဇရာယ မရဏေန သောကေဟိ ပရိဒေဝေဟိ



ဒုက္ခေဟိ ဒေါမနဿေဟိ ဥပါယာဿေဟိ အာဒိတ္တန္တိ ဝဒါမိ။ သောတံ အာဒိတ္တံ၊ သဒ္ဓါ အာဒိတ္တာ။ပ။ ဃာနံ အာဒိတ္တံ၊ ဂန္ဓာ အာဒိတ္တာ။ပ။ ဇိဝှါ အာဒိတ္တာ၊ ရဿာ အာဒိတ္တာ။ပ။ ကာယော အာဒိတ္တော၊ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာ အာဒိတ္တာ။ပ။ မနော အာဒိတ္တော၊ မဗ္ဗာ အာဒိတ္တာ။ မနောဝိညာဏံ အာဒိတ္တံ၊ မနောသမ္ပဿော အာဒိတ္တော။ယမိဒံ မနောသမ္ပဿပစ္စယာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဝေဒယိတံ သုခံ ဝါ ဒုက္ခံ ဝါ အဒုက္ခမသုခံ ဝါ၊ တမ္ပိ အာဒိတ္တံ။ ကေန အာဒိတ္တံ၊ ရာဂဂ္ဂိနာ ဒေါသဂ္ဂိနာ မောဟဂ္ဂိနာ အာဒိတ္တံ၊ ဇာတိယာ ဇရာယ မရဏေန သောကေဟိ ပရိဒေဝေဟိ ဒုက္ခေဟိ ဒေါမနဿေဟိ ဥပါယာဿေဟိ အာဒိတ္တန္တိ ဝဒါမိ”တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဝတ္ထဗ္ဗံ<sup>၂</sup> “သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိ” ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာ”တိ။

\* သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိ” ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ပဉ္စိမေ ဘိက္ခဝေ ကာမဂုဏာ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ စက္ခုဝိညေယျာ ရူပါ ဣဋ္ဌာ ကန္တာ မနာပါ ပိယရူပါ ကာမူပသံဟိတာ ရဇနီယာ၊ သောတဝိညေယျာ သဒ္ဓါ။ပ။ ဃာနဝိညေယျာ ဂန္ဓာ။ ဇိဝှါဝိညေယျာ ရဿာ။ ကာယဝိညေယျာ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာ ဣဋ္ဌာ ကန္တာ မနာပါ ပိယရူပါ ကာမူပသံဟိတာ ရဇနီယာ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ ကာမဂုဏာ”တိ<sup>၃</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိ” ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာ”တိ။

† န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိ” ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “လာဘာ ဝေါဘိက္ခဝေ သုလဒ္ဓံ ဝေါဘိက္ခဝေ ခဏော ဝေါ ပဋိလဒ္ဓေါ<sup>၄</sup>၊ ဗြဟ္မစရိယဝါသာယ။ ဒိဋ္ဌာ မယာ ဘိက္ခဝေ ဆ ဖဿာယတနိကာ နာမ နိရယာ။ တတ္ထ ယံ ကိဉ္စိ စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ၊ အနိဋ္ဌရူပညေဝ ပဿတိ နော ဣဋ္ဌရူပံ၊ အကန္တရူပညေဝ ပဿတိ နော ကန္တရူပံ၊ အမနာပရူပညေဝ ပဿတိ နော မနာပရူပံ။ ယံ ကိဉ္စိ သောတေန သဒ္ဓိံ သုဏာတိ။ပ။ ဃာနေန ဂန္ဓံ ဃာယတိ။ ဇိဝှါယ ရသံ သာယတိ။ ကာယေန ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုသတိ။ မနဿာ မေဗ္ဗံ ဝိဇာနာတိ။ အနိဋ္ဌရူပညေဝ ဝိဇာနာတိ နော ဣဋ္ဌရူပံ၊ အကန္တရူပညေဝ ဝိဇာနာတိ နော ကန္တရူပံ၊ အမနာပရူပညေဝ ဝိဇာနာတိ နော မနာပရူပ”န္တိ<sup>၅</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဝတ္ထဗ္ဗံ<sup>၆</sup> “သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိ” ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာ”တိ။

၁-ဝိ ၃-၄၄၊ သံ ၂-၂၅၁-ပိဋ္ဌေသု။

၃-မ ၁-၁၁၉၊ သံ ၂-၄၂၇-ပိဋ္ဌေ စ။

၅-သံ ၂-၃၄၁-ပိဋ္ဌေ။

အဘိ ၄-၁၁

၂-တေန ဟိ (သိ၊ သျှာ)၊ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ (က)

၄-ပဋိလဒ္ဓေါ (ဗဟုသု)

၆-တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ (သျှာ၊ က)



\* သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိံ ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “လာဘာ ဝေါ ဘိက္ခဝေ သုလဒ္ဓံ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ခဏော ဝေါ ပဋိ-  
လဒ္ဓေါ ပြဟ္မစရိယဝါသာယ။ ဒိဋ္ဌာ မယာ ဘိက္ခဝေ ဆ ဖဿာယတနိကာ နာမ  
သဂ္ဂါ။ တတ္ထ ယံ ကိဉ္စိ စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ၊ ဣဋ္ဌရူပညေဝ ပဿတိ နော  
အနိဋ္ဌရူပံ၊ ကန္တရူပညေဝ ပဿတိ နော အကန္တရူပံ၊ မနာပရူပညေဝ ပဿတိ  
နော အမနာပရူပံ။ ယံ ကိဉ္စိ သောတေန သဒ္ဓိ သုဏာတိ။ပ။ သာနေန ဂန္ဓံ  
သာယတိ။ ဇိဂ္ဂါယ ရသံ သာယတိ။ ကာယေန ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုသတိ။ မနသာ ဓမ္မံ  
ဝိဇာနာတိ။ ဣဋ္ဌရူပညေဝ ဝိဇာနာတိ နော အနိဋ္ဌရူပံ၊ ကန္တရူပညေဝ ဝိဇာနာတိ  
နော အကန္တရူပံ၊ မနာပရူပညေဝ ဝိဇာနာတိ နော အမနာပရူပံ” န္တိ အတ္ထေဝ  
သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိံ ကတွာ  
ကုက္ကုဋ္ဌာ”တိ။

† န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိံ ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာ”တိ၊ အာမန္တာ။  
နန ယဒနိစ္စံ တံ ဒုက္ခံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနိစ္စာတိ၊ အာမန္တာ။  
ဟဉ္စိ ယဒနိစ္စံ တံ ဒုက္ခံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနိစ္စာ၊ တေန ဝတ  
ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိံ ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာ”တိ။

\* သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိံ ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာတိ၊ အာမန္တာ။ ဒါနံ  
အနိဋ္ဌဖလံ အကန္တဖလံ အမနုညဖလံ သေစနကဖလံ ဒုက္ခုဒြိယံ ဒုက္ခဝိပါကန္တိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

သီလံ။ပ။ ဥပေါသထော။ပ။ ဘာဝနာ။ပ။ ပြဟ္မစရိယံ အနိဋ္ဌဖလံ အကန္တ-  
ဖလံ အမနုညဖလံ သေစနကဖလံ ဒုက္ခုဒြိယံ ဒုက္ခဝိပါကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

နန ဒါနံ ဣဋ္ဌဖလံ ကန္တဖလံ မနုညဖလံ အသေစနကဖလံ သုခုဒြိယံ  
သုခဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဒါနံ ဣဋ္ဌဖလံ ကန္တဖလံ မနုညဖလံ  
အသေစနကဖလံ သုခုဒြိယံ သုခဝိပါကံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဗ္ဗေ  
သင်္ခါရာ အနောမိံ ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာ”တိ။

နန သီလံ။ ဥပေါသထော။ ဘာဝနာ။ ပြဟ္မစရိယံ ဣဋ္ဌဖလံ ကန္တဖလံ  
မနုညဖလံ အသေစနကဖလံ သုခုဒြိယံ သုခဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပြဟ္မစရိယံ  
ဣဋ္ဌဖလံ ကန္တဖလံ မနုညဖလံ အသေစနကဖလံ သုခုဒြိယံ သုခဝိပါကန္တိ၊ နော  
စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိံ ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာ”တိ။



\*သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိံ ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“သုခေါ ဝိဝေကော တုဋ္ဌဿ၊ သုတဓမ္မဿ ပဿတော။  
အဗျာပဇ္ဇံ သုခံ လောကေ၊ ပါဏဘူတေသု သံယမော။  
သုခါ ဝိရာဂတာ လောကေ၊ ကာမာနံ သမတိက္ကမော။  
အသ္မိမာနဿ ယော ဝိနယော၊ ဧတံ ဝေ ပရမံ သုခံ။  
တံ သုခေန သုခံ ပတ္တံ၊ အစန္တသုခမေဝ တံ။  
တိဿော ဝိဇ္ဇာ အနုပ္ပတ္တာ၊ ဧတံ ဝေ ပရမံ သုခံ”န္တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနောမိံ ကတွာ ကုက္ကုဋ္ဌာ”တိ။

ကုက္ကုဋ္ဌကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

### (၁၈) ၉-အနုပုဗ္ဗဘိသမယကထာ

၃၃၉။ \* အနုပုဗ္ဗဘိသမယောတိ၊ အာမန္တာ။ အနုပုဗ္ဗေန သောတာပတ္တိမဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ အနုပုဗ္ဗေန သောတာပတ္တိမဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနုပုဗ္ဗေန သောတာပတ္တိဖလံ သစ္စိကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အနုပုဗ္ဗဘိသမယောတိ၊ အာမန္တာ။ အနုပုဗ္ဗေန သကဒါဂါမိမဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ အနုပုဗ္ဗေန သကဒါဂါမိမဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနုပုဗ္ဗေန သကဒါဂါမိဖလံ သစ္စိကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အနုပုဗ္ဗဘိသမယောတိ၊ အာမန္တာ။ အနုပုဗ္ဗေန အနာဂါမိမဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ အနုပုဗ္ဗေန အနာဂါမိမဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနုပုဗ္ဗေန အနာဂါမိဖလံ သစ္စိကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အနုပုဗ္ဗဘိသမယောတိ၊ အာမန္တာ။ အနုပုဗ္ဗေန အရဟတ္တမဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ အနုပုဗ္ဗေန အရဟတ္တမဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနုပုဗ္ဗေန အရဟတ္တဖလံ သစ္စိကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။



၃၄၀။ \* သောတာပတ္တိဖလသတ္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒုက္ခဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ ဝိစိကိန္တံ သီလဗ္ဗတပရာမာသံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ စတုဘာဂံ ဇဟတီတိ။ စတုဘာဂံ သောတာပန္နော စတုဘာဂံ န သောတာပန္နော စတုဘာဂံ သောတာပတ္တိဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သတ္တိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ စတုဘာဂံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ စတုဘာဂံ သတ္တက္ခတ္တုပရမော ကောလံကောလော ဧကဗ္ဗိဇီ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေန သမန္ဓာဂတော။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္ဓာဂတော စတုဘာဂံ န အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။

\* သမုဒယဒဿနေန။ပ။ နိရောဓဒဿနေန။ပ။ မဂ္ဂဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ ဝိစိကိန္တံ သီလဗ္ဗတပရာမာသံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ စတုဘာဂံ ဇဟတီတိ။ စတုဘာဂံ သောတာပန္နော စတုဘာဂံ န သောတာပန္နော စတုဘာဂံ သောတာပတ္တိဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သတ္တိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ။ စတုဘာဂံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ စတုဘာဂံ သတ္တက္ခတ္တုပရမော ကောလံကောလော ဧကဗ္ဗိဇီ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေန သမန္ဓာဂတော။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္ဓာဂတော စတုဘာဂံ န အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

၃၄၁။ \* သကဒါဂါမိဖလသတ္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒုက္ခဒဿ-  
နေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ တဒေကဋ္ဌေ စ  
ကိလေသေ စတုဘာဂံ ဇဟတီတိ။ စတုဘာဂံ သကဒါဂါမီ စတုဘာဂံ န  
သကဒါဂါမီ။ စတုဘာဂံ သကဒါဂါမိဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော  
သတ္တိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ။ စတုဘာဂံ  
န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။ သမုဒယဒဿနေန။ပ။  
နိရောဓဒဿနေန။ပ။ မဂ္ဂဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ  
ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ စတုဘာဂံ ဇဟတီတိ။ စတုဘာဂံ  
သကဒါဂါမီ စတုဘာဂံ န သကဒါဂါမီ စတုဘာဂံ သကဒါဂါမိဖလပ္ပတ္တော  
ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သတ္တိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ကာယေန ဖုဿိတွာ  
ဝိဟရတိ။ စတုဘာဂံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတီတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗျေ။ပ။



၃၄၂။ \* အနာဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒုက္ခဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ အဏုသဟဂတံ ကာမရာဂံ အဏုသဟဂတံ ဗျာပါဒံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ စတုဘာဂံ ဇဟတီတိ။ စတုဘာဂံ အနာဂါမိ စတုဘာဂံ န အနာဂါမိ စတုဘာဂံ အနာဂါမိဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သန္တိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ။ စတုဘာဂံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ။ စတုဘာဂံ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယိ။ပ။ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယိ။ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယိ။ သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယိ။ ဥဒ္ဓိသောတော အကနိဋ္ဌဂါမိ စတုဘာဂံ န ဥဒ္ဓိသောတော န အကနိဋ္ဌဂါမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သမုဒယဒဿနေန။ပ။ နိရောဓဒဿနေန။ပ။ မဂ္ဂဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ အဏုသဟဂတံ ကာမရာဂံ အဏုသဟဂတံ ဗျာပါဒံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ စတုဘာဂံ ဇဟတီတိ။ စတုဘာဂံ အနာဂါမိ စတုဘာဂံ န အနာဂါမိ စတုဘာဂံ အနာဂါမိဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သန္တိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ။ စတုဘာဂံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ။ စတုဘာဂံ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယိ။ပ။ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယိ။ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယိ။ သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယိ။ ဥဒ္ဓိသောတော အကနိဋ္ဌဂါမိ စတုဘာဂံ န ဥဒ္ဓိသောတော အကနိဋ္ဌဂါမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၄၃။ \* အရဟတ္တသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒုက္ခဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ ရူပရာဂံ အရူပရာဂံ မာနံ ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ စတုဘာဂံ ဇဟတီတိ။ စတုဘာဂံ အရဟာ စတုဘာဂံ န အရဟာ စတုဘာဂံ အရဟတ္တပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သန္တိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ။ စတုဘာဂံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ။ စတုဘာဂံ ဝိတရာဂေါ။ပ။ ဝိတဒေါသော။ ဝိတမောဟော။ပ။ ကတကရဏီယော ဩဟိတဘာရော အနုပ္ပတ္တသဒတ္တော ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနော သမ္ပဒညာဝိမုတ္တော ဥက္ခိတ္တပလိသော သံကိဏ္ဍပရိခေါ အဗ္ဗုဇ္ဇေသိင်္ကာ နိရုဂ္ဂဇ္ဇော အရိယော ပန္နဒ္ဓဇော ပန္နဘာရော ဝိသညတ္တော သုဝိဇ္ဇိတဝိဇ္ဇယော ဒုက္ခံ တဿ ပရိညာတံ သမုဒယော ပဟိနော နိရောဓော သန္တိကတော မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ အဘိညေယျံ အဘိညာတံ ပရိညေယျံ ပရိညာတံ ပဟာတဗ္ဗံ ပဟိနံ ဘာဝေတဗ္ဗံ ဘာဝိတံ။ပ။ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ။ စတုဘာဂံ သန္တိကာတဗ္ဗံ န သန္တိကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* သမုဒယဒဿနေန။ နိရောဓဒဿနေန။ မဂ္ဂဒဿနေန ကိံ ဇဟတီတိ၊ ရူပရာဂံ အရူပရာဂံ မာနံ ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇံ တဒေကဋ္ဌေ စ ကိလေသေ စတုဘာဂံ ဇဟတီတိ။ စတုဘာဂံ အရဟာ စတုဘာဂံ န အရဟာ စတုဘာဂံ အရဟတ္တပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သစ္စိကတော ဥပသမ္ပန္န ဝိဟရတိ။ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ။ စတုဘာဂံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ။ စတုဘာဂံ ဝိတရာဂေါ။ပ။ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော ကတကရဏီယော ဩဟိတဘာရော အနုပ္ပတ္တသဒတ္တော ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနော သမ္ပဒညာဝိမုတ္တော ဥက္ခိတ္တပလိဃော သံကိဏ္ဍပရိခေါ အဗ္ဗုဋ္ဌေသိကော နိရဂ္ဂဋ္ဌော အရိယော ပန္နဒ္ဓဇော ပန္နဘာရော ဝိသညတ္တော သုဝိဇ္ဇိတဝိဇ္ဇယော ဒုက္ခံ တဿ ပရိညာတံ သမုဒယော ပဟိနော နိရောဓော သစ္စိကတော မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ အဘိညေယျံ အဘိညာတံ ပရိညေယျံ ပရိညာတံ ပဟာတဗ္ဗံ ပဟိနံ ဘာဝိတဗ္ဗံ ဘာဝိတံ။ပ။ သစ္စိကာတဗ္ဗံ သစ္စိကတံ စတုဘာဂံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ န သစ္စိကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၄၄။ \* သောတာပတ္တိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒုက္ခံ ဒက္ခန္တော ပဋိပန္နကောတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုက္ခေ ဒိဋ္ဌေ ဖလေ ဌိတောတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ သမုဒယံ ဒက္ခန္တော။ပ။ နိရောဓံ ဒက္ခန္တော ပဋိပန္နကောတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ နိရောဓေ ဒိဋ္ဌေ ဖလေ ဌိတောတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သောတာပတ္တိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော မဂ္ဂံ ဒက္ခန္တော ပဋိပန္နကောတိ ဝတ္တဗ္ဗော၊ မဂ္ဂေ ဒိဋ္ဌေ ဖလေ ဌိတောတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုက္ခံ ဒက္ခန္တော ပဋိပန္နကောတိ ဝတ္တဗ္ဗော၊ ဒုက္ခေ ဒိဋ္ဌေ ဖလေ ဌိတောတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မဂ္ဂံ ဒက္ခန္တော ပဋိပန္နကောတိ ဝတ္တဗ္ဗော၊ မဂ္ဂေ ဒိဋ္ဌေ ဖလေ ဌိတောတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ သမုဒယံ ဒက္ခန္တော။ပ။ နိရောဓံ ဒက္ခန္တော ပဋိပန္နကောတိ ဝတ္တဗ္ဗော၊ နိရောဓေ ဒိဋ္ဌေ ဖလေ ဌိတောတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သောတာပတ္တိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒုက္ခံ ဒက္ခန္တော ပဋိပန္နကောတိ ဝတ္တဗ္ဗော၊ ဒုက္ခေ ဒိဋ္ဌေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဖလေ ဌိတောတိ ဝတ္တဗ္ဗော”တိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂံ ဒက္ခန္တော ပဋိပန္နကောတိ ဝတ္တဗ္ဗော၊ မဂ္ဂေ ဒိဋ္ဌေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဖလေ ဌိတောတိ ဝတ္တဗ္ဗော”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သမုဒယံ ဒက္ခန္တော။ နိရောဓံ ဒက္ခန္တော ပဋိပန္နကောတိ ဝတ္တဗ္ဗော၊ နိရောဓေ ဒိဋ္ဌေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဖလေ ဌိတောတိ ဝတ္တဗ္ဗော”တိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂံ ဒက္ခန္တော ပဋိပန္နကောတိ



ဝတ္တဗ္ဗော၊ မဂ္ဂေ ဒိဋ္ဌေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဖလေ ဌိတောတိ ဝတ္တဗ္ဗော”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သောတာပတ္တိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒုက္ခံ ဒက္ခန္တော ပဋိပန္နကောတိ ဝတ္တဗ္ဗော၊ ဒုက္ခေ ဒိဋ္ဌေ န ဝတ္တဗ္ဗံ ဖလေ ဌိတောတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ နိရတ္ထိယံ ဒုက္ခဒဿနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သမုဒယံ ဒက္ခန္တော။ ပ။ နိရောဓံ ဒက္ခန္တော ပဋိပန္နကောတိ ဝတ္တဗ္ဗော။ နိရောဓေ ဒိဋ္ဌေ န ဝတ္တဗ္ဗံ၊ ဖလေ ဌိတောတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ နိရတ္ထိယံ နိရောဓဒဿနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၃၄၅။ † ဒုက္ခေ ဒိဋ္ဌေ စတ္တာရိ သစ္စာနိ ဒိဋ္ဌာနိ ဟောန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုက္ခသစ္စံ စတ္တာရိ သစ္စာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ရူပက္ခန္ဓေ အနိစ္စတော ဒိဋ္ဌေ ပဉ္စက္ခန္ဓာ အနိစ္စတော ဒိဋ္ဌာ ဟောန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပက္ခန္ဓော ပဉ္စက္ခန္ဓာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* စက္ခာယတနေ အနိစ္စတော ဒိဋ္ဌေ ဋ္ဌါဒဿာယတနာနိ အနိစ္စတော ဒိဋ္ဌာနိ ဟောန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခာယတနံ ဋ္ဌါဒဿာယတနာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* စက္ခုဓာတုယာ အနိစ္စတော ဒိဋ္ဌာယ အဋ္ဌာရသ ဓာတုယော အနိစ္စတော ဒိဋ္ဌာ ဟောန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဓာတု အဋ္ဌာရသ ဓာတုယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* စက္ခုန္ဒြိယေ အနိစ္စတော ဒိဋ္ဌေ ဗာဝိသတိန္ဒြိယာနိ အနိစ္စတော ဒိဋ္ဌာနိ ဟောန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုန္ဒြိယံ ဗာဝိသတိန္ဒြိယာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* စတူဟိ ဉာဏေဟိ သောတာပတ္တိဖလံ သစ္စိကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။ စတ္တာရိ သောတာပတ္တိဖလာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အဋ္ဌဟိ ဉာဏေဟိ သောတာပတ္တိဖလံ သစ္စိကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌ သောတာပတ္တိဖလာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဋ္ဌါဒဿဟိ ဉာဏေဟိ သောတာပတ္တိဖလံ သစ္စိကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဋ္ဌါဒဿ သောတာပတ္တိဖလာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ စတုစတ္တာရိသာယ ဉာဏေဟိ သောတာပတ္တိဖလံ သစ္စိကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။ စတုစတ္တာရိသံ သောတာပတ္တိဖလာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သတ္တသတ္တတိယာ ဉာဏေဟိ သောတာပတ္တိဖလံ သစ္စိကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။ သတ္တသတ္တတိ သောတာပတ္တိဖလာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

† -ပရဝါဒိပုစ္ဆာလက္ခဏံ။ \* -သကဝါဒိပုစ္ဆာလက္ခဏံ။



၃၄၆။ †န ဝတ္တဗ္ဗံ အနုပုဗ္ဗာဘိသမယောတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—“သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မဟာသမုဒ္ဒေါ အနုပုဗ္ဗနိန္ဒော အနုပုဗ္ဗပေါဏော အနုပုဗ္ဗပတ္တာရော န အာယတကေနော ပပါတော။ ဧဝမေဝ ခေါဘိက္ခဝေ ဣမသ္မိံ ဓမ္မဝိနယေ အနုပုဗ္ဗသိက္ခာ အနုပုဗ္ဗကိရိယာ အနုပုဗ္ဗပဋိပဒါ န အာယတကေနော အညာပဋိဝေဓော”တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အနုပုဗ္ဗာဘိသမယောတိ။

†န ဝတ္တဗ္ဗံ အနုပုဗ္ဗာဘိသမယောတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“အနုပုဗ္ဗေန မေခာဝိ၊ ထောကံ ထောကံ ခဏေ ခဏေ။  
ကမ္မာရော ရဇတဿေဝ၊ နိဒ္ဒမေ မလမတ္တနော”တိ<sup>၂</sup>။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အနုပုဗ္ဗာဘိသမယောတိ။

\* အနုပုဗ္ဗာဘိသမယောတိ၊ အာမန္တာ။ နန္ဒာယသ္မာ ဂဝမ္ပတိ ထေရော ဘိက္ခု၊ တေဒဝေါစ—သမ္ဗုခါ မေတံ အာဝုသော ဘဂဝတော သုတံ သမ္ဗုခါ ပဋိဂ္ဂဟိတံ “ယော ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခံ ပဿတိ၊ ဒုက္ခသမုဒယမ္ပိ သော ပဿတိ၊ ဒုက္ခနိရောဓမ္ပိ ပဿတိ၊ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိံ ပဋိပဒမ္ပိ ပဿတိ။ ယော ဒုက္ခသမုဒယံ ပဿတိ၊ ဒုက္ခမ္ပိ သော ပဿတိ၊ ဒုက္ခနိရောဓမ္ပိ ပဿတိ၊ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိံ ပဋိပဒမ္ပိ ပဿတိ။ ယော ဒုက္ခနိရောဓံ ပဿတိ၊ ဒုက္ခမ္ပိ သော ပဿတိ၊ ဒုက္ခသမုဒယမ္ပိ ပဿတိ၊ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိံ ပဋိပဒမ္ပိ ပဿတိ။ ယော ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိံ ပဋိပဒံ ပဿတိ၊ ဒုက္ခမ္ပိ သော ပဿတိ၊ ဒုက္ခသမုဒယမ္ပိ ပဿတိ၊ ဒုက္ခနိရောဓမ္ပိ ပဿတိ”တိ<sup>၃</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ အနုပုဗ္ဗာဘိသမယောတိ။

\* အနုပုဗ္ဗာဘိသမယောတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“သဟာဝဿ ဒဿနသမ္ပဒါယ၊  
တယဿု ဓမ္မာ ဇဟိတာ ဘဝန္တိ။  
သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ဝိစိကိစ္ဆိတဉ္စ၊  
သီလဗ္ဗတံ ဝါပိ ယဒတ္ထိ ကိဋ္ဌိ။  
စတူဟပါယေဟိ စ ဝိပ္ပမုတ္တော၊  
ဆစ္စာဘိဌာနာနိ အဘဗ္ဗ ကာတု”န္တိ။



အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အနုပုဗ္ဗာဘိ-  
သမယော”တိ။

\* အနုပုဗ္ဗာဘိသမယောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ပုတ္တံ ဘဂဝတာ “ယသ္မိံ  
ဘိက္ခဝေ သမယေ အရိယသာဝကဿ ဝိရဇံ ဝိတမလံ ဓမ္မစက္ခု ဥဒပါဒိ ‘ယံ ကိဉ္စိ  
သမုဒယဓမ္မံ၊ သဗ္ဗံ တံ နိရောဓဓမ္မ’န္တိ။ သဟ ဒဿနုပ္ပါဒါ ဘိက္ခဝေ အရိယ-  
သာဝကဿ တိဏိ သံယောဇနာနိ ပဟိယန္တိ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ဝိစိကိစ္ဆာ  
သီလဗ္ဗတပရာမာသော”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န  
ဝတ္တဗ္ဗံ အနုပုဗ္ဗာဘိသမယောတိ။

အနုပုဗ္ဗာဘိသမယကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

### (၁၉) ၁၀-ဝေါဟာရကထာ

၃၄၇။ \* ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရေ လောကုတ္တရေတိ၊ အာမန္တာ။  
လောကုတ္တရေ သောတေ ပဋိဟညတိ နော လောကိယေ။ လောကုတ္တရေန  
ဝိညာဏေန ပဋိဝိဇာနန္တိ နော လောကိယေန။ သာဝကာ ပဋိဝိဇာနန္တိ နော  
ပုထုဇ္ဇနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နနု ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရေ လောကိယေ သောတေ  
ပဋိဟညတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရေ လောကိယေ  
သောတေ ပဋိဟညတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော  
ဝေါဟာရေ လောကုတ္တရေ”တိ။

\* နနု ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရံ လောကိယေန ဝိညာဏေန  
ပဋိဝိဇာနန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရံ လောကိယေန  
ဝိညာဏေန ပဋိဝိဇာနန္တိ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော  
ဝေါဟာရေ လောကုတ္တရေ”တိ။

\* နနု ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရံ ပုထုဇ္ဇနာ ပဋိဝိဇာနန္တိတိ၊ အာမန္တာ။  
ဟန္တိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရံ ပုထုဇ္ဇနာ ပဋိဝိဇာနန္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ  
ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရေ လောကုတ္တရေ”တိ။



၃၄၈။ \* ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကုတ္တရေတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါဖလံ နိဗ္ဗာနံ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ သောတာပတ္တိဖလံ သကဒါဂါမိမဂ္ဂေါ သကဒါဂါမိဖလံ အနာဂါမိမဂ္ဂေါ အနာဂါမိဖလံ အရဟတ္တမဂ္ဂေါ အရဟတ္တဖလံ။ သတိပဋ္ဌာနံ သမ္ပပ္ပဓာနံ ဣဒ္ဓိပါဒေါ ဣန္ဒြိယံ ဗလံ ဗောဇ္ဈင်္ဂေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကုတ္တရေတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကေဓိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရံ သုဏန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရော ဓမ္မော သောတဝိညေယျော၊ သောတသ္မိံ ပဋိဟညတိ၊ သောတဿ အာပါထံ အာဂစ္ဆတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* နနု လောကုတ္တရော ဓမ္မော န သောတဝိညေယျော၊ န သောတသ္မိံ ပဋိဟညတိ၊ န သောတဿ အာပါထံ အာဂစ္ဆတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ လောကုတ္တရော ဓမ္မော န သောတဝိညေယျော၊ န သောတသ္မိံ ပဋိဟညတိ၊ န သောတဿ အာပါထံ အာဂစ္ဆတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကုတ္တရေ”တိ။

၃၄၉။ \* ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကုတ္တရေတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကေဓိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရေ ရဇ္ဇေယျုန္တိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရော ဓမ္မော ရာဂဋ္ဌာနိယော ရဇနိယော ကမနိယော မဒနိယော ဗန္ဓနိယော မုစ္ဆနိယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* နနု လောကုတ္တရော ဓမ္မော န ရာဂဋ္ဌာနိယော န ရဇနိယော န ကမနိယော န မဒနိယော န ဗန္ဓနိယော န မုစ္ဆနိယောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ လောကုတ္တရော ဓမ္မော န ရာဂဋ္ဌာနိယော န ရဇနိယော န ကမနိယော န မဒနိယော န ဗန္ဓနိယော န မုစ္ဆနိယော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကုတ္တရေ”တိ။

\* ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကုတ္တရေတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကေဓိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရေ ဒုဿေယျုန္တိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရော ဓမ္မော ဒေါသဋ္ဌာနိယော ကောပဋ္ဌာနိယော ပဋိသဋ္ဌာနိယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* နနု လောကုတ္တရော ဓမ္မော န ဒေါသဋ္ဌာနိယော န ကောပဋ္ဌာနိယော န ပဋိသဋ္ဌာနိယောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ လောကုတ္တရော ဓမ္မော န ဒေါသဋ္ဌာနိယော



န ကောပဋ္ဌာနိယော န ပဋိသဋ္ဌာနိယော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကုတ္တရော”တိ။

\* ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကုတ္တရောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကေမိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရေ မုယေယျန္တိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရော ဓမ္မော မောဟဋ္ဌာနိယော အညာဏကရဏော အစက္ခကရဏော ပညာ-  
နိရောဓိကော ဝိသုဒ္ဓိပက္ခိကော အနိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နနု လောကုတ္တရော ဓမ္မော န မောဟဋ္ဌာနိယော န အညာဏကရဏော န အစက္ခကရဏော ပညာဝုဒ္ဓိကော အဝိသုဒ္ဓိပက္ခိကော နိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိ-  
ကောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဋ္ဌိ လောကုတ္တရော ဓမ္မော န မောဟဋ္ဌာနိယော န အညာဏကရဏော န အစက္ခကရဏော ပညာဝုဒ္ဓိကော အဝိသုဒ္ဓိပက္ခိ-  
ကော နိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိကော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကုတ္တရော”တိ။

၃၅၀။ \* ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကုတ္တရောတိ၊ အာမန္တာ။ ယေ ကေမိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရံ သုဏန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ယေ ကေမိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရံ သုဏန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဗာလပုထုဇ္ဇနာ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရံ သုဏန္တိ၊ ဗာလပုထုဇ္ဇနာ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မာတု-  
ဃာတကော မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ ပိတုဃာတကော။ အရဟန္တဃာတကော။ ရုဟိရုပ္ပါဒကော။ သံသဘေဒကော ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရံ သုဏာတိ၊ သံသဘေဒကော မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၅၁။ † လဟ္တာ သောဝဏ္ဏမယာယ လဋ္ဌိယာ ခညပုဇ္ဇောပိ သုဝဏ္ဏပုဇ္ဇောပိ အာစိက္ခိတုန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဝေမေဝံ ဘဂဝါ လောကုတ္တရေန ဝေါဟာရေန လောကိယမ္ပိ လောကုတ္တရမ္ပိ ဓမ္မံ ဝေါဟရတိတိ။

\* လဟ္တာ လေဏ္ဍိယာယ လဋ္ဌိယာ ခညပုဇ္ဇောပိ သုဝဏ္ဏပုဇ္ဇောပိ အာစိက္ခိ-  
တုန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဝေမေဝံ ဘဂဝါ လောကိယေန ဝေါဟာရေန လောကိယမ္ပိ လောကုတ္တရမ္ပိ ဓမ္မံ ဝေါဟရတိတိ။



၃၅၂။ \* ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကိယံ ဝေါဟရန္တဿ လောကိယော ဟောတိ၊ လောကုတ္တရံ ဝေါဟရန္တဿ လောကုတ္တရော ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ လောကိယံ ဝေါဟရန္တဿ လောကိယေ သောတေ ပဋိဟညတိ၊ လောကုတ္တရံ ဝေါဟရန္တဿ လောကုတ္တရေ သောတေ ပဋိဟညတိ၊ လောကိယံ ဝေါဟရန္တဿ လောကိယေန ဝိညာဏေန ပဋိဝိဇာနန္တိ၊ လောကုတ္တရံ ဝေါဟရန္တဿ လောကုတ္တရေန ဝိညာဏေန ပဋိဝိဇာနန္တိ၊ လောကိယံ ဝေါဟရန္တဿ ပုထုဇ္ဇနာ ပဋိဝိဇာနန္တိ၊ လောကုတ္တရံ ဝေါဟရန္တဿ သာဝကာ ပဋိဝိဇာနန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

† န ဝတ္ထဗ္ဗံ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကိယံ ဝေါဟရန္တဿ လောကိယော ဟောတိ၊ လောကုတ္တရံ ဝေါဟရန္တဿ လောကုတ္တရော ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါ လောကိယမ္ပိ လောကုတ္တရမ္ပိ ဓမ္မံ ဝေါဟရတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဘဂဝါ လောကိယမ္ပိ လောကုတ္တရမ္ပိ ဓမ္မံ ဝေါဟရတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကိယံ ဝေါဟရန္တဿ လောကိယော ဟောတိ၊ လောကုတ္တရံ ဝေါဟရန္တဿ လောကုတ္တရော ဟောတိ”တိ။

\* ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဝေါဟာရော လောကိယံ ဝေါဟရန္တဿ လောကိယော ဟောတိ၊ လောကုတ္တရံ ဝေါဟရန္တဿ လောကုတ္တရော ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂံ ဝေါဟရန္တဿ မဂ္ဂေါ ဟောတိ၊ အမဂ္ဂံ ဝေါဟရန္တဿ အမဂ္ဂေါ ဟောတိ၊ ဖလံ ဝေါဟရန္တဿ ဖလံ ဟောတိ၊ အဖလံ ဝေါဟရန္တဿ အဖလံ ဟောတိ၊ နိဗ္ဗာနံ ဝေါဟရန္တဿ နိဗ္ဗာနံ ဟောတိ၊ အနိဗ္ဗာနံ ဝေါဟရန္တဿ အနိဗ္ဗာနံ ဟောတိ၊ သင်္ခတံ ဝေါဟရန္တဿ သင်္ခတံ ဟောတိ၊ အသင်္ခတံ ဝေါဟရန္တဿ အသင်္ခတံ ဟောတိ၊ ရူပံ ဝေါဟရန္တဿ ရူပံ ဟောတိ၊ အရူပံ ဝေါဟရန္တဿ အရူပံ ဟောတိ၊ ဝေဒနံ ဝေါဟရန္တဿ ဝေဒနာ ဟောတိ၊ အဝေဒနံ ဝေါဟရန္တဿ အဝေဒနာ ဟောတိ၊ သညံ ဝေါဟရန္တဿ သညာ ဟောတိ၊ အသညံ ဝေါဟရန္တဿ အသညာ ဟောတိ၊ သင်္ခါရေ ဝေါဟရန္တဿ သင်္ခါရ ဟောန္တိ၊ အသင်္ခါရေ ဝေါဟရန္တဿ အသင်္ခါရ ဟောန္တိ၊ ဝိညာဏံ ဝေါဟရန္တဿ ဝိညာဏံ ဟောတိ၊ အဝိညာဏံ ဝေါဟရန္တဿ အဝိညာဏံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

ဝေါဟာရကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

(၂၀) ၁၁-နိရောဓကထာ

၃၅၃။ \* ခွေ နိရောဓာတိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ ဒုက္ခနိရောဓာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ခွေ ဒုက္ခနိရောဓာတိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ နိရောဓသစ္စာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ခွေ နိရောဓသစ္စာနိတိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ ဒုက္ခသစ္စာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ခွေ နိရောဓသစ္စာနိတိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ သမုဒယသစ္စာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ခွေ နိရောဓသစ္စာနိတိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ မဂ္ဂသစ္စာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ခွေ နိရောဓသစ္စာနိတိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ တာဏာနိ။ပ။ ခွေ လေဏာနိ။ ခွေ သရဏာနိ။ ခွေ ပရာယဏာနိ။ ခွေ အစ္စုတာနိ။ ခွေ အမတာနိ။ ခွေ နိဗ္ဗာနာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ခွေ နိဗ္ဗာနာနိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ခြံနံ နိဗ္ဗာနာနံ ဥစ္စနိစတာ ဟိနပဏီတတာ ဥက္ကံသာဝကံသော သိမာ ဝါ ဘောဒေါ ဝါ ရာဇိ ဝါ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ခွေ နိရောဓာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အပ္ပဋ္ဌိသင်္ခါနိရုဒ္ဓေ သင်္ခါရေ ပဋ္ဌိသင်္ခါ နိရောဓေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အပ္ပဋ္ဌိသင်္ခါနိရုဒ္ဓေ သင်္ခါရေ ပဋ္ဌိသင်္ခါ နိရောဓေန္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ခွေ နိရောဓာ”တိ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “ခွေ နိရောဓာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု အပ္ပဋ္ဌိသင်္ခါနိရုဒ္ဓါပိ သင်္ခါရာ အစ္စန္တဘဂ္ဂါ၊ ပဋ္ဌိသင်္ခါနိရုဒ္ဓါပိ သင်္ခါရာ အစ္စန္တဘဂ္ဂါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အပ္ပဋ္ဌိသင်္ခါနိရုဒ္ဓါပိ သင်္ခါရာ အစ္စန္တဘဂ္ဂါ၊ ပဋ္ဌိသင်္ခါနိရုဒ္ဓါပိ သင်္ခါရာ အစ္စန္တဘဂ္ဂါ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ခွေ နိရောဓာ”တိ။

\* ခွေ နိရောဓာတိ၊ အာမန္တာ။ ပဋ္ဌိသင်္ခါနိရုဒ္ဓါပိ<sup>၁</sup> သင်္ခါရာ အရိယမဂ္ဂံ အာဂမ္မ နိရုဒ္ဓါတိ၊ အာမန္တာ။ အပ္ပဋ္ဌိသင်္ခါနိရုဒ္ဓါ သင်္ခါရာ အရိယမဂ္ဂံ အာဂမ္မ နိရုဒ္ဓါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

---

၁-ပဋ္ဌိသင်္ခါနိရုဒ္ဓါ( ? )



\* ခွေ နိရောဓာတိ၊ အာမန္တာ။ ပဋိသင်္ခါနိရုဒ္ဓါ သင်္ခါရာ န ပုန ဥပ္ပဇ္ဇန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အပ္ပဋိသင်္ခါနိရုဒ္ဓါ သင်္ခါရာ န ပုန ဥပ္ပဇ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ခွေ နိရောဓာ”တိ။

နိရောဓကထာ နိဋ္ဌိတာ။

ဒုတိယော ဝဂ္ဂေါ။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ပရူပဟာရော အညာဏံ၊ ကင်္ခါ ပရိတိတရဏာ။  
ဝစီဘေဒေါ ဒုက္ခာဟာရော၊ စိတ္တဋ္ဌိတိ စ ကုတ္တုဋ္ဌာ။  
အနုပုဗ္ဗာဘိသမယော၊ ဝေါဟာရော စ နိရောဓကောတိ။

### ၃-တတိယဝဂ္ဂ

#### (၂၁) ၁-ဗလကထာ

၃၅၄။ \* တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ တထာဂတဗလံ သာဝကဗလံ၊ သာဝကဗလံ တထာဂတဗလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ တညေဝ တထာဂတဗလံ၊ တံ သာဝကဗလံ၊ တညေဝ သာဝကဗလံ၊ တံ တထာဂတဗလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ယာဒိသံ တထာဂတဗလံ၊ တာဒိသံ သာဝကဗလံ၊ ယာဒိသံ သာဝကဗလံ၊ တာဒိသံ တထာဂတဗလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ယာဒိသော တထာဂတဿ ပုဗ္ဗယောဂေါ ပုဗ္ဗစရိယာ ဓမ္မက္ခာနံ ဓမ္မဒေသနာ၊ တာဒိသော သာဝကဿ ပုဗ္ဗယောဂေါ ပုဗ္ဗစရိယာ ဓမ္မက္ခာနံ ဓမ္မဒေသနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ တထာဂတော ဇိနော သတ္တာ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ သဗ္ဗညု သဗ္ဗဒဿာဝီ ဓမ္မဿာမီ ဓမ္မပ္ပဋိသရဏောတိ၊



အာမန္တာ။ သာဝကော ဇိနော သတ္တာ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ သဗ္ဗညု သဗ္ဗဒဿာဝီ ဓမ္မဿာမီ ဓမ္မပ္ပဋိသရဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ တထာဂတော အနုပ္ပန္နဿ” မဂ္ဂဿ ဥပ္ပါဒေတာ အသဉ္ဇာတဿ မဂ္ဂဿ သဉ္ဇနေတာ အနက္ခာတဿ မဂ္ဂဿ အက္ခာတာ မဂ္ဂညူ မဂ္ဂဝိဒူ မဂ္ဂကောဝိဒေါတိ၊ အာမန္တာ။ သာဝကော အနုပ္ပန္နဿ မဂ္ဂဿ ဥပ္ပါဒေတာ အသဉ္ဇာတဿ မဂ္ဂဿ သဉ္ဇနေတာ အနက္ခာတဿ မဂ္ဂဿ အက္ခာတာ မဂ္ဂညူ မဂ္ဂဝိဒူ မဂ္ဂကောဝိဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*ဣန္ဒြိယပရောပရိယတ္တံ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝက-သာဓာရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ သာဝကော သဗ္ဗညု သဗ္ဗဒဿာဝီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၅၅။ †သာဝကော ဌာနာဌာနံ ဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သာဝကော ဌာနာဌာနံ ဇာနာတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဌာနာဌာနံ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏ”န္တိ။

†သာဝကော အတိတာနာဂတပစ္စုပ္ပန္နာနံ ကမ္မသမာဒါနာနံ ဌာနသော ဟေတုသော ဝိပါကံ ဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သာဝကော အတိတာ-နာဂတပစ္စုပ္ပန္နာနံ ကမ္မသမာဒါနာနံ ဌာနသော ဟေတုသော ဝိပါကံ ဇာနာတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတိတာနာဂတပစ္စုပ္ပန္နာနံ ကမ္မသမာဒါနာနံ ဌာနသော ဟေတုသော ဝိပါကံ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝက-သာဓာရဏ”န္တိ။

†သာဝကော သဗ္ဗတ္ထဂါမိနိံ ပဋိပဒံ ဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သာဝကော သဗ္ဗတ္ထဂါမိနိံ ပဋိပဒံ ဇာနာတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗတ္ထဂါမိနိံ ပဋိပဒံ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏ”န္တိ။

†သာဝကော အနေကဓာတုံ နာနာဓာတုံ လောကံ ဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သာဝကော အနေကဓာတုံ နာနာဓာတုံ လောကံ ဇာနာတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနေကဓာတုံ နာနာဓာတုံ လောကံ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏ”န္တိ။

†သာဝကော သတ္တာနံ နာနာမိမုတ္တိကတံ ဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သာဝကော သတ္တာနံ နာနာမိမုတ္တိကတံ ဇာနာတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ



“သတ္တာနံ နာနာဓိမုတ္တိကတံ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝက-  
သာဓာရဏ”န္တိ။

† သာဝကော ဈာနဝိမောက္ခသမာဓိသမာပတ္တိနံ သံကိလေသံ ဝေါဒါနံ  
ပုဋ္ဌာနံ ဇာနာတီတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ သာဝကော ဈာနဝိမောက္ခသမာဓိသမာ-  
ပတ္တိနံ သံကိလေသံ ဝေါဒါနံ ပုဋ္ဌာနံ ဇာနာတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“ဈာနဝိမောက္ခသမာဓိသမာပတ္တိနံ သံကိလေသံ ဝေါဒါနံ ပုဋ္ဌာနံ ယထာဘူတံ  
ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏ”န္တိ။

† သာဝကော ပုဗ္ဗေနိဝါသာနုဿတိံ ဇာနာတီတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ  
သာဝကော ပုဗ္ဗေနိဝါသာနုဿတိံ ဇာနာတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပုဗ္ဗ-  
ေနိဝါသာနုဿတိ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏ”န္တိ။

† သာဝကော သတ္တာနံ စုတူပပါတံ ဇာနာတီတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ သာ-  
ဝကော သတ္တာနံ စုတူပပါတံ ဇာနာတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သတ္တာနံ  
စုတူပပါတံ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏ”န္တိ။

† နနု တထာဂတဿာပိ အာသဝါ ဒီဏာ သာဝကဿာပိ အာသဝါ  
ဒီဏာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကိဉ္စိ နာနာကရဏံ တထာဂတဿ ဝါ သာဝကဿ  
ဝါ အာသဝက္ခယေန ဝါ အာသဝက္ခယံ၊ ဝိမုတ္တိယာ ဝါ ဝိမုတ္တိတိ၊ နတ္ထိ။ ဟန္တိ နတ္ထိ  
ကိဉ္စိ နာနာကရဏံ တထာဂတဿ ဝါ သာဝကဿ ဝါ အာသဝက္ခယေန ဝါ  
အာသဝက္ခယံ၊ ဝိမုတ္တိယာ ဝါ ဝိမုတ္တိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အာသဝါနံ  
ခယေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏ”န္တိ။

၃၅၆။ † အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝက-  
သာဓာရဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ  
သာဝကသာဓာရဏ”န္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာ-  
ရဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ သတ္တာနံ စုတူပပါတေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ  
သာဝကသာဓာရဏ”န္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝကအသာဓာ-  
ရဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ  
သာဝကအသာဓာရဏ”န္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



† သတ္တာနံ စုတူပပါတေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝက-  
အသာဓာရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ  
တထာဂတဗလံ သာဝကအသာဓာရဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† ဣန္ဒြိယပရောပရိယတ္တံ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝကအသာ-  
ဓာရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ  
သာဝကအသာဓာရဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† ဣန္ဒြိယပရောပရိယတ္တံ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝကအသာ-  
ဓာရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ပ။ အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတ-  
ဗလံ သာဝကအသာဓာရဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာရဏန္တိ၊  
အာမန္တာ။ ဣန္ဒြိယပရောပရိယတ္တံ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝက-  
သာဓာရဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ သာဝကသာဓာ-  
ရဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဣန္ဒြိယပရောပရိယတ္တံ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ  
သာဝကသာဓာရဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ဗလကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၃-တတိယဝဂ္ဂ

### (၂၂) ၂-အရိယန္တိကထာ

၃၅၇။ \* ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယန္တိ၊  
အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ ဖလံ နိဗ္ဗာနံ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ သောတာပတ္တိဖလံ၊  
သကဒါဂါမိမဂ္ဂေါ သကဒါဂါမိဖလံ၊ အနာဂါမိမဂ္ဂေါ အနာဂါမိဖလံ၊ အရဟတ္တ-  
မဂ္ဂေါ အရဟတ္တဖလံ၊ သတိပဋ္ဌာနံ သမ္မပ္ပဓာနံ ဣဒ္ဓိပါဒေါ ဣန္ဒြိယံ ဗလံ  
ဗောဇ္ဈင်္ဂေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယန္တိ၊ အာမန္တာ။  
သုညတာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သုညတာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။

၁-အယမေတ္ထ သာဓာရဏပက္ခံ သန္ဓာယ ပဋိက္ခေပေါ (ဋီကာ ဩလောကေတဗ္ဗာ)



ဌာနာဌာနဉ္စ မနသိ ကရေတိ၊ သုညတဉ္စ မနသိ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဌာနာဌာနဉ္စ မနသိ ကရေတိ၊ သုညတဉ္စ မနသိ ကရေတိတိ၊ အာမန္တာ။ ခြိန္တံ ဖဿာနံ ခြိန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနိမိတ္တာရမ္မဏံ။ပ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဌာနာဌာနဉ္စ မနသိ ကရေတိ၊ အပ္ပဏိဟိတဉ္စ မနသိ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဌာနာဌာနဉ္စ မနသိ ကရေတိ၊ အပ္ပဏိဟိတဉ္စ မနသိ ကရေတိတိ၊ အာမန္တာ။ ခြိန္တံ ဖဿာနံ ခြိန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၅၈။ \* သတိပဋ္ဌာနာ အရိယာ သုညတာရမ္မဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ သုညတာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သတိပဋ္ဌာနာ အရိယာ အနိမိတ္တာရမ္မဏာ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သမ္ပပ္ပဓာနာ။ ဣဒ္ဓိပါဒါ။ ဣန္ဒြိယာ။ ဗလာ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အရိယာ သုညတာရမ္မဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ သုညတာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဗောဇ္ဈင်္ဂါအရိယာ အနိမိတ္တာရမ္မဏာ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၅၉။ \* ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သုညတာရမ္မဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ သတိပဋ္ဌာနာ အရိယာ န ဝတ္တဗ္ဗာ “သုညတာရမ္မဏာ”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အနိမိတ္တာရမ္မဏံ။ပ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ သတိပဋ္ဌာနာ အရိယာ န ဝတ္တဗ္ဗာ “အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏာ”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\*ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သုညတာရမ္မဏံ။ ပ။ အနိမိတ္တာရမ္မဏံ။ ပ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏ”န္တိ။ အာမန္တာ။ သမ္ဗုဒ္ဓာနံ။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အရိယာ န ဝတ္တဗ္ဗာ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၃၆၀။ \*သတ္တာနံ စုတူပပါတေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယန္တိ။ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ ဖလံ နိဗ္ဗာနံ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ သောတာပတ္တိဖလံ။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*သတ္တာနံ စုတူပပါတေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယန္တိ။ အာမန္တာ။ သုညတာရမ္မဏန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သုညတာရမ္မဏန္တိ။ အာမန္တာ။ သတ္တာနံ စုတူပပါတဉ္စ မနသိ ကရေတိ။ သုညတဉ္စ မနသိ ကရေတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*သတ္တာနံ စုတူပပါတဉ္စ မနသိ ကရေတိ သုညတဉ္စ မနသိ ကရေတိတိ။ အာမန္တာ။ ခုန္တံ ဖဿာနံ ခုန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*သတ္တာနံ စုတူပပါတေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယန္တိ။ အာမန္တာ။ အနိမိတ္တာရမ္မဏံ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏန္တိ။ အာမန္တာ။ သတ္တာနံ စုတူပပါတဉ္စ မနသိ ကရေတိ။ အပ္ပဏိဟိတဉ္စ မနသိ ကရေတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*သတ္တာနံ စုတူပပါတဉ္စ မနသိ ကရေတိ။ အပ္ပဏိဟိတဉ္စ မနသိ ကရေတိတိ။ အာမန္တာ။ ခုန္တံ ဖဿာနံ ခုန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၃၆၁။ \*သတိပဋ္ဌာနာ အရိယာ သုညတာရမ္မဏာ။ ပ။ အနိမိတ္တာရမ္မဏာ။ ပ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏာတိ။ အာမန္တာ။ သတ္တာနံ စုတူပပါတေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*သမ္ဗုဒ္ဓာနံ။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အရိယာ သုညတာရမ္မဏာ။ ပ။ အနိမိတ္တာရမ္မဏာ။ ပ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏာတိ။ အာမန္တာ။ သတ္တာနံ စုတူပပါတေ ယထာဘူတံ ဉာဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



\* သတ္တာနံ စုတူပပါတေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သုညတာရမ္မဏံ။ ပ။ အနိမိတ္တာရမ္မဏံ။ ပ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ သတိပဋ္ဌာနာ အရိယာ န ဝတ္တဗ္ဗာ “အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏာ”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၃၆၂။ \* သတ္တာနံ စုတူပပါတေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သုညတာရမ္မဏံ။ ပ။ အနိမိတ္တာရမ္မဏံ။ ပ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ သမ္ပပ္ပဓာနာ။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အရိယာ န ဝတ္တဗ္ဗာ “အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏာ”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

† အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

† အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ သတ္တာနံ စုတူပပါတေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

† ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရိယ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရိယ”န္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

† သတ္တာနံ စုတူပပါတေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရိယ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရိယ”န္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

† အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ သုညတာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ သုညတာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

† အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ အနိမိတ္တာရမ္မဏံ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

† အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ သုညတာရမ္မဏံ။ ပ။ အနိမိတ္တာရမ္မဏံ။ ပ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပ။ သတ္တာနံ



စုတူပပါတေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ အပ္ပဏိဟိတာ-  
ရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ န ဝတ္တဗ္ဗံ  
“သုညတာရမ္မဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ  
တထာဂတဗလံ အရိယံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သုညတာရမ္မဏ”န္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† ဌာနာဌာနေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အနိ-  
မိတ္တာရမ္မဏံ။အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ  
ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏ”န္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† သတ္တာနံ စုတူပပါတေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ န  
ဝတ္တဗ္ဗံ “သုညတာရမ္မဏံ။ပ။ အနိမိတ္တာရမ္မဏံ။ပ။ အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏ”န္တိ၊  
အာမန္တာ။ အာသဝါနံ ခယေ ယထာဘူတံ ဉ္ဇဏံ တထာဂတဗလံ အရိယံ  
န ဝတ္တဗ္ဗံ “အပ္ပဏိဟိတာရမ္မဏ”န္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အရိယန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၃-တတိယဝဂ္ဂ

### (၂၃) ၃-ဝိမုတ္တိကထာ

၃၆၃။ \*သရာဂံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိတိ၊ အာမန္တာ။ ရာဂသဟဂတံ ရာဂသဟဇာတံ  
ရာဂသံသဋ္ဌံ ရာဂသမ္ပယုတ္တံ ရာဂသဟဘု ရာဂါနုပရိဝတ္တိ အကုသလံ လောကီယံ  
သာသဝံ သံယောဇနိယံ ဂန္ထနိယံ ဩဇာနိယံ ယောဂနိယံ နိဝရဏိယံ ပရာမဋ္ဌံ  
ဥပါဒါနိယံ သံကိလေသိယံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*သဗ္ဗေသံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ဖဿော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိတိ၊ အာမန္တာ။  
သရာဂံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ရာဂေါ စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*သဝေဒနံ။ပ။ သသညံ။ပ။ သစေတနံ။ပ။ သပညံ<sup>၁</sup> စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ပညာ  
စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သရာဂံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ရာဂေါ စ  
စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* သဖဿံ သရာဂံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ဖဿော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရာဂေါ စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဝေဒနံ သရာဂံ။ပ။ သသညံ သရာဂံ။ပ။ သစေတနံ သရာဂံ။ပ။ သပညံ သရာဂံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ပညာ စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရာဂေါ စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၆၄။ \* သဒေါသံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ အာမန္တာ။ ဒေါသသဟဂတံ ဒေါသသဟဇာတံ ဒေါသသံသဋ္ဌံ ဒေါသသမ္ပယုတ္တံ ဒေါသသဟဘု ဒေါသာနုပရိဝတ္တိ အကုသလံ လောကီယံ သာသဝံ။ပ။ သံကိလေသိယံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဖဿံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ဖဿော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ အာမန္တာ။ သဒေါသံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ဒေါသော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဝေဒနံ။ပ။ သသညံ။ပ။ သစေတနံ။ပ။ သပညံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ပညာ စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ အာမန္တာ။ သဒေါသံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ဒေါသော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဖဿံ သဒေါသံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ဖဿော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ အာမန္တာ။ သဒေါသံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ဒေါသော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဝေဒနံ သဒေါသံ။ သသညံ သဒေါသံ။ သစေတနံ သဒေါသံ။ သပညံ သဒေါသံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ပညာ စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒေါသော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၆၅။ \* သမောဟံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ အာမန္တာ။ မောဟသဟဂတံ မောဟသဟဇာတံ မောဟသံသဋ္ဌံ မောဟသမ္ပယုတ္တံ မောဟသဟဘု မောဟာနုပရိဝတ္တိ အကုသလံ လောကီယံ သာသဝံ။ပ။ သံကိလေသိယံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဖဿံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ဖဿော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ အာမန္တာ။ သမောဟံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ မောဟော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* သဝေဒနံ။ သသညံ။ သစေတနံ။ သပညံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ပညာ စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သမောဟံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ မောဟော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* သဖဿံ သမောဟံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ဖဿော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ မောဟော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* သဝေဒနံ သမောဟံ။ သသညံ သမောဟံ။ သစေတနံ သမောဟံ။ပ။ သပညံ သမောဟံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ပညာ စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ မောဟော စ စိတ္တဉ္စ ဥဘော ဝိမုစ္စန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* သရာဂံ သဒေါသံ သမောဟံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိတရာဂံ ဝိတဒေါသံ ဝိတမောဟံ နိက္ခိလေသံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သရာဂံ သဒေါသံ သမောဟံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ”တိ။

ဝိမုတ္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၃-တတိယဝဂ္ဂ

### (၂၄) ၄-ဝိမုစ္စမာနကထာ

၃၆၆။ \*ဝိမုတ္တံ ဝိမုစ္စမာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဧကဒေသံ ဝိမုတ္တံ၊ ဧကဒေသံ အဝိမုတ္တန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* ဧကဒေသံဝိမုတ္တံ၊ ဧကဒေသံအဝိမုတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဧကဒေသံ သောတာပန္နော၊ ဧကဒေသံ န သောတာပန္နော၊ ဧကဒေသံ သောတာပတ္တိဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သစ္စိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ သတ္တက္ခတ္တပရမော ကောလံကောလော ဧကဗ္ဗိဇီ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေန သမန္နာဂတော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော၊ ဧကဒေသံ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ န သမန္နာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* ဧကဒေသံ ဝိမုတ္တံ၊ ဧကဒေသံ အဝိမုတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဧကဒေသံ သကဒါဂါမီ၊ ဧကဒေသံ န သကဒါဂါမီ၊ ဧကဒေသံ သကဒါဂါမိဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သစ္စိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ဧကဒေသံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။



\* ကေဒေသံ ဝိမုတ္တံ, ကေဒေသံ အဝိမုတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကေဒေသံ အနာဂါမီ၊ ကေဒေသံ န အနာဂါမီ၊ ကေဒေသံ အနာဂါမီဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သန္တိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ကေဒေသံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ကေဒေသံ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ၊ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ၊ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ၊ သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ၊ ဥဒ္ဓိသောတော-အကနိဋ္ဌဂါမီ၊ ကေဒေသံ န ဥဒ္ဓိသောတောအကနိဋ္ဌဂါမီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ကေဒေသံ ဝိမုတ္တံ, ကေဒေသံ အဝိမုတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကေဒေသံ အရဟာ, ကေဒေသံ န အရဟာ, ကေဒေသံ အရဟတ္တပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သန္တိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ကေဒေသံ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ၊ ကေဒေသံ ဝိတရာဂေါ ဝိတဒေါသော ဝိတမောဟော။ ပ။ ကေဒေသံ သန္တိကာတဗ္ဗံ သန္တိကတံ, ကေဒေသံ သန္တိကာတဗ္ဗံ န သန္တိကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဝိမုတ္တံ ဝိမုစ္စမာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဥပ္ပါဒက္ခဏေ ဝိမုတ္တံ, ဘင်္ဂက္ခဏေ ဝိမုစ္စမာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၃၆၇။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဝိမုတ္တံ ဝိမုစ္စမာန”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “တဿ ဧဝံ ဇာနတော ဧဝံ ပဿတော ကာမာသဝါပိ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ဘဝါသဝါပိ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ အဝိဇ္ဇာသဝါပိ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ”တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဝတ္တဗ္ဗံ<sup>၂</sup> “ဝိမုတ္တံ ဝိမုစ္စမာန”န္တိ။

\* ဝိမုတ္တံ ဝိမုစ္စမာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သော ဧဝံ သမာဟိတေ စိတ္တေ ပရိသုဒ္ဓေ ပရိယောဒါတေ အနင်္ဂဏေ ဝိဂတူပက္ကိလေသေ မုဒုဘူတေ ကမ္မနိယေ ဌိတေ အာနေဉ္စပ္ပတ္တေ အာသဝါနံ ခယဉာဏာယ စိတ္တံ အဘိနိန္ဒာမေတိ”တိ<sup>၃</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဝိမုတ္တံ ဝိမုစ္စမာန”န္တိ။

\* အတ္ထိ စိတ္တံ ဝိမုစ္စမာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ စိတ္တံ ရဇမာနံ ဒုဿမာနံ မုယမာနံ ကိလိဿမာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ နန ရတ္တဉ္စေဝ အရတ္တဉ္စေ, ဒုဋ္ဌဉ္စေဝ အဒုဋ္ဌဉ္စေ, မူဠဉ္စေဝ အမူဠဉ္စေ, ဆိန္ဒဉ္စေဝ အဆိန္ဒဉ္စေ, ဘိန္ဒဉ္စေဝ အဘိန္ဒဉ္စေ, ကတဉ္စေဝ



အကတဉ္စာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ရတ္တဉ္စေဝ အရတ္တဉ္စ၊ ဒုဋ္ဌဉ္စေဝ အဒုဋ္ဌဉ္စ၊ မူဋ္ဌဉ္စေဝ အမူဋ္ဌဉ္စ၊ ဆိန္ဒဉ္စေဝ အဆိန္ဒဉ္စ၊ ဘိန္ဒဉ္စေဝ အဘိန္ဒဉ္စ၊ ကတဉ္စေဝ အကတဉ္စ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ စိတ္တံ ဝိမုစ္စမာန”န္တိ။

ဝိမုစ္စမာနကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၃-တတိယဝဂ္ဂ

(၂၅) ၅-အဋ္ဌမကကထာ

၃၆၈။ \* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟီနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကော ပုဂ္ဂလော သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလပ္ပတ္တော ပဋိလဒ္ဓေါ အဓိဂတော သစ္စိကတော ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟီနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကော ပုဂ္ဂလော သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလပ္ပတ္တော။ပ။ ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟီနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌာနုသယော ပဟီနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟီနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာနုသယော။ သီလဗ္ဗတပရာမာသော ပဟီနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟီနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာနုသယော ပဟီနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟီနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌာနုသယော။ သီလဗ္ဗတပရာမာသော ပဟီနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌာနုသယော အပ္ပဟီနောတိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ အပ္ပဟီနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌာနုသယော အပ္ပဟီနောတိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ အပ္ပဟီနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာနုသယော။ သီလဗ္ဗတပရာမာသော အပ္ပဟိနောတိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ အပ္ပဟိနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ သီလဗ္ဗတပရာမာသော အပ္ပဟိနောတိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ အပ္ပဟိနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၆၉။ \* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟိနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟိနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနပဟာနာယ သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ။ပ။ သမ္မပ္ပဓာနာ။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟိနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနပဟာနာယ မဂ္ဂေါ ဘာဝိတော။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနပဟာနာယ မဂ္ဂေါ အဘာဝိတောတိ၊ အာမန္တာ။ အမဂ္ဂေန ပဟိနံ လောကိယေန သာသဝေန။ပ။ သံကိလေသိယေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနပဟာနာယ သတိပဋ္ဌာနာ။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အဘာဝိတာတိ၊ အာမန္တာ။ အမဂ္ဂေန ပဟိနံ လောကိယေန သာသဝေန။ပ။ သံကိလေသိယေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနပဟာနာယ မဂ္ဂေါ အဘာဝိတော။ပ။ သတိပဋ္ဌာနာ။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အဘာဝိတာတိ၊ အာမန္တာ။ အမဂ္ဂေန ပဟိနံ လောကိယေန သာသဝေန။ပ။ သံကိလေသိယေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၇၀။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟိန”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဥပ္ပဇ္ဇိဿတိတိ? နုပ္ပဇ္ဇိဿတိ။ ဟဉ္စိ နုပ္ပဇ္ဇိဿတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟိန”န္တိ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟိန”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဥပ္ပဇ္ဇိဿတိတိ? နုပ္ပဇ္ဇိဿတိ။ ဟဉ္စိ နုပ္ပဇ္ဇိဿတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟိန”န္တိ။



\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ နုပ္ပဇ္ဇိဿတီတိ ကတွာ ပဟီနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌာနုသယော နုပ္ပဇ္ဇိဿတီတိ ကတွာ ပဟီနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ နုပ္ပဇ္ဇိဿတီတိ ကတွာ ပဟီနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာနုသယော။ သီလဗ္ဗတပရာမာသော နုပ္ပဇ္ဇိဿတီတိ ကတွာ ပဟီနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ နုပ္ပဇ္ဇိဿတီတိ ကတွာ ပဟီနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာနုသယော။ သီလဗ္ဗတပရာမာသော နုပ္ပဇ္ဇိဿတီတိ ကတွာ ပဟီနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ နုပ္ပဇ္ဇိဿတီတိ ကတွာ ပဟီနန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဂေါတြဘုနော ပုဂ္ဂလဿ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ နုပ္ပဇ္ဇိဿတီတိ ကတွာ ပဟီနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ နုပ္ပဇ္ဇိဿတီတိ ကတွာ ပဟီနန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဂေါတြဘုနော ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ နုပ္ပဇ္ဇိဿတီတိ ကတွာ ပဟီနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အဋ္ဌမကကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၃-တတိယဝဂ္ဂ

(၂၆) ၆-အဋ္ဌမကဿဇုန္ဒိယကထာ

၃၇၁။ \* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ သဒ္ဓါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ ဝီရိယိန္ဒိယံ။ပ။ နတ္ထိ သတိန္ဒိယံ။ပ။ နတ္ထိ သမာဓိန္ဒိယံ။ပ။ နတ္ထိ ပညိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ ပညာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သဒ္ဓါတိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ ဝီရိယံ။ပ။ အတ္ထိ သတိ။ အတ္ထိ သမာဓိ၊ အတ္ထိ ပညာတိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ ပညိန္ဒိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ မနော၊ အတ္ထိ မနိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သဒ္ဓါ၊ အတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ မနော, အတ္ထိ မနိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ ပညာ, အတ္ထိ ပညိန္ဒိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သောမနဿံ, အတ္ထိ သောမနဿိန္ဒိယံ။ အတ္ထိ ဇီဝိတံ, အတ္ထိ ဇီဝိတိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သဒ္ဓါ, အတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ ဇီဝိတံ, အတ္ထိ ဇီဝိတိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ။ဗ။ အတ္ထိ ပညာ, အတ္ထိ ပညိန္ဒိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သဒ္ဓါ, နတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ မနော, နတ္ထိ မနိန္ဒိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သဒ္ဓါ, နတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သောမနဿံ, နတ္ထိ သောမနဿိန္ဒိယန္တိ။ပ။ အတ္ထိ ဇီဝိတံ, နတ္ထိ ဇီဝိတိန္ဒိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ ပညာ, နတ္ထိ ပညိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ မနော, နတ္ထိ မနိန္ဒိယန္တိ။ အတ္ထိ သောမနဿံ, နတ္ထိ သောမနဿိန္ဒိယန္တိ။ အတ္ထိ ဇီဝိတံ, နတ္ထိ ဇီဝိတိန္ဒိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကော ပုဂ္ဂလော အဿဒ္ဓေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ ဝီရိယိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကော ပုဂ္ဂလော ကုသိတော ဟိနဝီရိယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ သတိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကော ပုဂ္ဂလော မုဋ္ဌဿတိ အသမ္ပဇာနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ သမာဓိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကော ပုဂ္ဂလော အသမာ-ဟိတော ဝိဗ္ဘန္တစိတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ ပညိန္ဒိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကော ပုဂ္ဂလော ဒုပ္ပညော လေမူဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သဒ္ဓါ သာ စ သဒ္ဓါ, နိယျာနိကာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သဒ္ဓါ, သာ စ သဒ္ဓါ နိယျာနိကာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယ” န္တိ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ ဝီရိယံ, တဉ္စ ဝီရိယံ နိယျာနိကံ။ အတ္ထိ သတိ, သာ စ သတိ နိယျာနိကာ။ အတ္ထိ သမာဓိ, သော စ သမာဓိ နိယျာနိကော။ အတ္ထိ ပညာ, သာ စ ပညာ နိယျာနိကာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အဋ္ဌမကဿ



ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ ပညာ, သာ စ ပညာ နိယျာနိကာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ ပညိန္ဒိယ”န္တိ။

၃၇၂။ \* သကဒါဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ  
သဒ္ဓါ, အတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယန္တိ။ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သဒ္ဓါ,  
အတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သကဒါဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ  
ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ ပညာ, အတ္ထိ ပညိန္ဒိယန္တိ။ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ  
ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ ပညာ, အတ္ထိ ပညိန္ဒိယန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ။ အရဟတ္တသစ္စိ-  
ကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သဒ္ဓါ, အတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယံ။ပ။ အတ္ထိ  
ပညာ, အတ္ထိ ပညိန္ဒိယန္တိ။ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ ပညာ, အတ္ထိ  
ပညိန္ဒိယန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သဒ္ဓါ, နတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယန္တိ။ အာမန္တာ။ သကဒါ-  
ဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သဒ္ဓါ, နတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယန္တိ။  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ ပညာ, နတ္ထိ ပညိန္ဒိယန္တိ။  
အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ  
ပညာ, နတ္ထိ ပညိန္ဒိယန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ သဒ္ဓါ, နတ္ထိ သဒ္ဓိန္ဒိယန္တိ။ပ။ အတ္ထိ ပညာ,  
နတ္ထိ ပညိန္ဒိယန္တိ။ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ  
ပုဂ္ဂလဿ။ အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ ပညာ, နတ္ထိ  
ပညိန္ဒိယန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ ပဉ္စိန္ဒိယာနိတိ။ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ  
“ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဇုန္ဒိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ။ သဒ္ဓိန္ဒိယံ, ဝီရိယိန္ဒိယံ, သတိန္ဒိယံ,  
သမာဓိန္ဒိယံ, ပညိန္ဒိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒိယာနိ။ ဣမေသံ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္တံ ဇုန္ဒိယာနံ သမတ္တာ ပရိပူရတ္တာ အရဟာ ဟေတိ။ တတော  
မုဒုတရေဟိ အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ဟေတိ။ တတော မုဒု-  
တရေဟိ အနာဂါမီ ဟေတိ။ တတော မုဒုတရေဟိ အနာဂါမိဖလ-  
သစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ဟေတိ။ တတော မုဒုတရေဟိ သကဒါဂါမီ  
ဟေတိ။ တတော မုဒုတရေဟိ သကဒါဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော  
ဟေတိ။ တတော မုဒုတရေဟိ သောတာပန္နော ဟေတိ။ တတော မုဒုတရေဟိ  
သောတာပတ္တိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ဟေတိ။ ယဿ ခေါ ဘိက္ခဝေ



ဣမာနိ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ သဗ္ဗေန သဗ္ဗံ သဗ္ဗထာ သဗ္ဗံ နတ္ထိ၊ တမဟံ ‘ဗာဟိရော ပုထုဇ္ဇနပက္ခေ ဌိတော’တိ ဝဒါမိ”တိ” အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ အဋ္ဌမကော ပုဂ္ဂလော ဗာဟိရော ပုထုဇ္ဇနပက္ခေ ဌိတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ တေန ဟိ အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိတိ။

အဋ္ဌမကဿ ဣန္ဒြိယကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၃-တတိယဝဂ္ဂ

### (၂၇) ၇-ဒိဗ္ဗစက္ခုကထာ

၃၇၃။ \* မံသစက္ခု မေဃုပတ္တဒ္ဓံ ဒိဗ္ဗစက္ခု ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ မံသစက္ခု ဒိဗ္ဗစက္ခု၊ ဒိဗ္ဗစက္ခု မံသစက္ခုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* မံသစက္ခု မေဃုပတ္တဒ္ဓံ ဒိဗ္ဗစက္ခု ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ယာဒိသံ မံသစက္ခု၊ တာဒိသံ ဒိဗ္ဗစက္ခု၊ ယာဒိသံ ဒိဗ္ဗစက္ခု၊ တာဒိသံ မံသစက္ခုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* မံသစက္ခု မေဃုပတ္တဒ္ဓံ ဒိဗ္ဗစက္ခု ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ တညေဝ မံသစက္ခု တံ ဒိဗ္ဗစက္ခု၊ တံ ဒိဗ္ဗစက္ခု တံ မံသစက္ခုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* မံသစက္ခု မေဃုပတ္တဒ္ဓံ ဒိဗ္ဗစက္ခု ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ယာဒိသော မံသစက္ခုဿ ဝိသယော အာနုဘာဝေါ ဂေါစရော၊ တာဒိသော ဒိဗ္ဗဿ စက္ခုဿ ဝိသယော အာနုဘာဝေါ ဂေါစရောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* မံသစက္ခု မေဃုပတ္တဒ္ဓံ ဒိဗ္ဗစက္ခု ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပါဒိဏ္ဏံ<sup>၂</sup> ဟုတွာ အနုပါဒိဏ္ဏံ ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဥပါဒိဏ္ဏံ ဟုတွာ အနုပါဒိဏ္ဏံ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမာဝစရံ ဟုတွာ ရူပါဝစရံ ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ကာမာဝစရံ ဟုတွာ ရူပါဝစရံ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပါဝစရံ ဟုတွာ အရူပါဝစရံ ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ရူပါဝစရံ ဟုတွာ အရူပါဝစရံ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိယာပနံ ဟုတွာ အပရိယာပနံ ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



၃၇၄။ \* မံသစက္ခု မေဃပတ္တိန္ဒြိယံ ဒိဗ္ဗစက္ခု ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဗ္ဗစက္ခု မေဃပတ္တိန္ဒြိယံ မံသစက္ခု ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မံသစက္ခု မေဃပတ္တိန္ဒြိယံ ဒိဗ္ဗစက္ခု ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဗ္ဗစက္ခု မေဃပတ္တိန္ဒြိယံ ပညာစက္ခု ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မံသစက္ခု မေဃပတ္တိန္ဒြိယံ ဒိဗ္ဗစက္ခု ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဗ္ဗစက္ခု မေဃပတ္တိန္ဒြိယံ မံသစက္ခု ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မံသစက္ခု မေဃပတ္တိန္ဒြိယံ ဒိဗ္ဗစက္ခု ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေဝ စက္ခုနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒွေဝ စက္ခုနီတိ၊ အာမန္တာ။ နနု တိဏိ စက္ခုနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ “မံသစက္ခု ဒိဗ္ဗစက္ခု ပညာစက္ခု”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ တိဏိ စက္ခုနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ မံသစက္ခု ဒိဗ္ဗစက္ခု ပညာစက္ခု၊ နော စ ဝတ ခေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဒွေဝ စက္ခုနီ”တိ။

\* ဒွေဝ စက္ခုနီတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “တိဏိမာနိ ဘိက္ခဝေ စက္ခုနိ။ ကတမာနိ တိဏိ၊ မံသစက္ခု ဒိဗ္ဗစက္ခု ပညာစက္ခုန္တိ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဏိ စက္ခုနီတိ။

မံသစက္ခု ဒိဗ္ဗစက္ခု၊ ပညာစက္ခု အနုတ္တရံ။  
တောနိ တိဏိ စက္ခုနိ၊ အက္ခာသိ ပုရိသုတ္တမော။  
မံသစက္ခုဿ ဥပ္ပါဒေါ၊ မဂ္ဂေါ ဒိဗ္ဗဿ စက္ခုနော။  
ယဒါ စ ဉ္ဇဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာစက္ခု အနုတ္တရံ။  
တဿ စက္ခုဿ ပဋိလာဘာ၊ သဗ္ဗဒုက္ခာ ပမုစ္စတိ”တိ”။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဒွေဝ စက္ခုနီ”တိ။  
ဒိဗ္ဗစက္ခုကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၃-တတိယဝဂ္ဂ

#### (၂၈) ဂ-ဒိဗ္ဗသောတကထာ

၃၇၅။ \* မံသသောတံ မေဃပတ္တိန္ဒြိယံ၊ ဒိဗ္ဗသောတံ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ မံသသောတံ ဒိဗ္ဗသောတံ၊ ဒိဗ္ဗသောတံ မံသသောတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* မံသသောတံ ဓမ္မုပတ္တဒ္ဓံ၊ ဒိဗ္ဗသောတံ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ယာဒိသံ မံသသောတံ၊ တာဒိသံ ဒိဗ္ဗသောတံ၊ ယာဒိသံ ဒိဗ္ဗသောတံ၊ တာဒိသံ မံသသောတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မံသသောတံ ဓမ္မုပတ္တဒ္ဓံ၊ ဒိဗ္ဗသောတံ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ တညေဝ မံသသောတံ တံ ဒိဗ္ဗသောတံ၊ တံ ဒိဗ္ဗသောတံ တံ မံသသောတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မံသသောတံ ဓမ္မုပတ္တဒ္ဓံ၊ ဒိဗ္ဗသောတံ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ယာဒိသော မံသသောတဿ ဝိသယော အာနုဘာဝေါ ဂေါစရော၊ တာဒိသော ဒိဗ္ဗဿ သောတဿ ဝိသယော အာနုဘာဝေါ ဂေါစရောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မံသသောတံ ဓမ္မုပတ္တဒ္ဓံ၊ ဒိဗ္ဗသောတံ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပါဒိဏ္ဏံ ဟုတွာ အနုပါဒိဏ္ဏံ ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဥပါဒိဏ္ဏံ ဟုတွာ အနုပါဒိဏ္ဏံ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမာဝစရံ ဟုတွာ ရူပါဝစရံ ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကာမာဝစရံ ဟုတွာ ရူပါဝစရံ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပါဝစရံ ဟုတွာ အရူပါဝစရံ ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပါဝစရံ ဟုတွာ အရူပါဝစရံ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိယာပန္နံ ဟုတွာ အပရိယာပန္နံ ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၇၆။ \* မံသသောတံ ဓမ္မုပတ္တဒ္ဓံ၊ ဒိဗ္ဗသောတံ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဗ္ဗသောတံ ဓမ္မုပတ္တဒ္ဓံ၊ မံသသောတံ ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မံသသောတံ ဓမ္မုပတ္တဒ္ဓံ၊ ဒိဗ္ဗသောတံ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ဧကံယေဝ သောတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဧကံယေဝ သောတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဒွေ သောတာနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ “မံသသောတံ ဒိဗ္ဗသောတံ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဒွေ သောတာနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ မံသသောတံ ဒိဗ္ဗသောတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဧကညေဝ သောတံ”န္တိ။

ဒိဗ္ဗသောတကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၃-တတိယဝဂ္ဂ

(၂၉) ၉-ယထာကမ္မူပဂတဉာဏကထာ

၃၇၇။ \* ယထာကမ္မူပဂတံ ဉာဏံ ခိဗ္ဗစက္ခန္တိ၊ အာမန္တာ။ ယထာကမ္မူပ-  
ဂတဉ္စ မနသိ ကရောတိ၊ ဒိဗ္ဗေန စက္ခန္တနာ ရူပံ ပဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ယထာကမ္မူပဂတဉ္စ မနသိ ကရောတိ၊ ဒိဗ္ဗေန စက္ခန္တနာ ရူပံ ပဿတိတိ၊  
အာမန္တာ။ ဦန္တံ ဖဿာနံ ဦန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ယထာကမ္မူပဂတံ ဉာဏံ ခိဗ္ဗစက္ခန္တိ၊ အာမန္တာ။ “ဣမေ ဝတ ဘောန္တော  
သတ္တာ”တိ စ မနသိ ကရောတိ၊ “ကာယဒုစ္စရိတေန သမန္ဓာဂတာ”တိ စ မနသိ  
ကရောတိ၊ “ဝစီဒုစ္စရိတေန သမန္ဓာဂတာ”တိ စ မနသိ ကရောတိ၊ “မနော-  
ဒုစ္စရိတေန သမန္ဓာဂတာ”တိ စ မနသိ ကရောတိ၊ “အရိယာနံ ဥပဝါဒကာ”တိ  
စ မနသိ ကရောတိ၊ “မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိကာ”တိ စ မနသိ ကရောတိ၊ “မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိကမ္မ-  
သမာဒါနာ”တိ စ မနသိ ကရောတိ၊ “တေ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ  
အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပန္နာ”တိ စ မနသိ ကရောတိ၊ “ဣမေ  
ဝါ ပန ဘောန္တော သတ္တာ”တိ စ မနသိ ကရောတိ၊ “ကာယသုစရိတေန  
သမန္ဓာဂတာ”တိ စ မနသိ ကရောတိ၊ “ဝစီသုစရိတေန သမန္ဓာဂတာ”တိ စ  
မနသိ ကရောတိ၊ “မနောသုစရိတေန သမန္ဓာဂတာ”တိ စ မနသိ ကရောတိ၊  
“အရိယာနံ အနုပဝါဒကာ”တိ စ မနသိ ကရောတိ၊ “သမ္မာဒိဋ္ဌိကာ”တိ စ  
မနသိ ကရောတိ၊ “သမ္မာဒိဋ္ဌိကမ္မသမာဒါနာ”တိ စ မနသိ ကရောတိ၊ “တေ  
ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပန္နာ”တိ စ  
မနသိ ကရောတိ။ ဒိဗ္ဗေန စက္ခန္တနာ ရူပံ ပဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* “တေ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပန္နာ”တိ  
စ မနသိ ကရောတိ။ ဒိဗ္ဗေန စက္ခန္တနာ ရူပံ ပဿတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဦန္တံ ဖဿာနံ  
ဦန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၃၇၈။ \* ယထာကမ္မူပဂတံ ဉာဏံ ခိဗ္ဗစက္ခန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ  
အဒိဗ္ဗစက္ခန္တကော ခိဗ္ဗစက္ခန္တံ အပ္ပုဋ္ဌိလဒ္ဓေါ အနဓိဂတော အသတ္တိကတော ယထာ-  
ကမ္မူပဂတံ ဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အတ္ထိ ကောစိ အဒိဗ္ဗစက္ခန္တကော



ဒိဗ္ဗစက္ခု၊ အပ္ပုဋ္ဌိလဒ္ဓေါ၊ အနဓိဂတော၊ အသစ္စိကတော၊ ယထာကမ္မူပဂတံ ဇာနာတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ယထာကမ္မူပဂတံ ဉာဏံ ဒိဗ္ဗစက္ခု”န္တိ။

\*ယထာကမ္မူပဂတံ ဉာဏံ ဒိဗ္ဗစက္ခုန္တိ၊ အာမန္တာ။ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ယထာကမ္မူပဂတံ ဉာဏံ ဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ယထာကမ္မူပဂတံ ဉာဏံ ဇာနာတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ယထာကမ္မူပဂတံ ဉာဏံ ဒိဗ္ဗစက္ခု”န္တိ။

\*ယထာကမ္မူပဂတံ ဉာဏံ ဒိဗ္ဗစက္ခုန္တိ၊ အာမန္တာ။ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ယထာကမ္မူပဂတံ ဉာဏံ ဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထာယသ္မတော သာရိပုတ္တဿ ဒိဗ္ဗစက္ခုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အတ္ထာယသ္မတော သာရိပုတ္တဿ ဒိဗ္ဗစက္ခုန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော တေဒဝေါစ—

“နေဝ ပုဗ္ဗေနိဝါသာယ၊ နပိ ဒိဗ္ဗဿ စက္ခုနော။  
စေတောပရိယာယ ဣဒ္ဓိယာ၊ သောတဓာတုဝိသုဒ္ဓိယာ။  
စုတိယာ ဥပပတ္တိယာ၊ ပဏိမိ မေ န ဝိဇ္ဇတိ”တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ယထာကမ္မူပဂတံ ဉာဏံ ဒိဗ္ဗစက္ခု”န္တိ။

ယထာကမ္မူပဂတဉာဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၃-တတိယဝဂ္ဂ

### (၃၀) ၁၀-သံဝရကထာ

၃၇၉။ \*အတ္ထိ ဒေဝေသု သံဝရေတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဒေဝေသု အသံဝရေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*နတ္ထိ ဒေဝေသု အသံဝရေတိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ ဒေဝေသု သံဝရေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* နန အသံဝရာ သံဝရော သီလံ, အတ္ထိ ဒေဝေသု သံဝရေတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဒေဝေသု အသံဝရော၊ ယမှာ အသံဝရာ သံဝရော သီလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အာဇာနည် နိဂ္ဂဟံ—ဟဉ္စိ အသံဝရာ သံဝရော သီလံ, အတ္ထိ ဒေဝေသု သံဝရော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ဒေဝေသု အသံဝရော၊ ယမှာ အသံဝရာ သံဝရော သီလ”န္တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘အသံဝရာ သံဝရော သီလံ, အတ္ထိ ဒေဝေသု သံဝရော’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အတ္ထိ ဒေဝေသု အသံဝရော၊ ယမှာ အသံဝရာ သံဝရော သီလ’န္တိ”။ မိစ္ဆာ။

နော စေ ပန ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ဒေဝေသု အသံဝရော၊ ယမှာ အသံဝရာ သံဝရော သီလ”န္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အသံဝရာ သံဝရော သီလံ, အတ္ထိ ဒေဝေသု သံဝရော”တိ။ ယံ တတ္ထ ဝဒေသိ “ဝတ္တဗ္ဗေ ခေါ ‘အသံဝရာ သံဝရော သီလံ, အတ္ထိ ဒေဝေသု သံဝရော’၊ နော စ ဝတ္တဗ္ဗေ ‘အတ္ထိ ဒေဝေသု အသံဝရော၊ ယမှာ အသံဝရာ သံဝရော သီလ’န္တိ”။ မိစ္ဆာ။

\* အတ္ထိ မနုဿေသု သံဝရော, အတ္ထိ တတ္ထ အသံဝရေတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဒေဝေသု သံဝရော, အတ္ထိ တတ္ထ အသံဝရေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ ဒေဝေသု သံဝရော, နတ္ထိ တတ္ထ အသံဝရေတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ မနုဿေသု သံဝရော, နတ္ထိ တတ္ထ အသံဝရေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၀၀။ \* အတ္ထိ ဒေဝေသု ပါဏာတိပါတာ ဝေရမဏီတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဒေဝေသု ပါဏာတိပါတေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ ဒေဝေသု သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနာ ဝေရမဏီတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဒေဝေသု သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နတ္ထိ ဒေဝေသု ပါဏာတိပါတေတိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ ဒေဝေသု ပါဏာတိ-ပါတာ ဝေရမဏီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နတ္ထိ ဒေဝေသု သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ ဒေဝေသု သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနာ ဝေရမဏီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ မနုဿေသု ပါဏာတိပါတာ ဝေရမဏိ, အတ္ထိ တတ္ထ ပါဏာတိ-ပါတေတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဒေဝေသု ပါဏာတိပါတာ ဝေရမဏိ, အတ္ထိ တတ္ထ ပါဏာတိပါတေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* အတ္ထိ မနုဿေသု သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနာ ဝေရမဏိ၊ အတ္ထိ တတ္ထ သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဒေဝေသု သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနာ ဝေရမဏိ၊ အတ္ထိ တတ္ထ သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတ္ထိ ဒေဝေသု ပါဏာတိပါတာ ဝေရမဏိ၊ နတ္ထိ တတ္ထ ပါဏာတိပါတောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ မနုဿေသု ပါဏာတိပါတာ ဝေရမဏိ၊ နတ္ထိ တတ္ထ ပါဏာတိပါတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတ္ထိ ဒေဝေသု သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနာ ဝေရမဏိ၊ နတ္ထိ တတ္ထ သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ မနုဿေသု သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနာ ဝေရမဏိ၊ နတ္ထိ တတ္ထ သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

† နတ္ထိ ဒေဝေသု သံဝရေတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေ ဒေဝါ ပါဏာတိပါတိနော အဒိန္နာဒါယိနော ကာမေသုမိစ္ဆာစာရိနော မုသာဝါဒိနော သုရမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာယိနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ တေန ဟိ အတ္ထိ ဒေဝေသု သံဝရေတိ။

သံဝရကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၃-တတိယဝဂ္ဂ

### (၃၁) ၁၁-အသညကထာ

၃၈၁။ \* အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ သညာဘဝေါ သညာဂတိ သညာသတ္တာဝါသော သညာသံသာရော သညာယောနိ သညတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

နန အသညဘဝေါ အသညဂတိ အသညသတ္တာဝါသော အသညသံသာရော အသညယောနိ အသညတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အသညဘဝေါ အသညဂတိ အသညသတ္တာဝါသော အသညသံသာရော အသညယောနိ အသညတ္တဘာဝပဋိလာဘော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိ”တိ။



\* အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ပဉ္စဝေါကာရတဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

နန ဧကဝေါကာရတဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဧကဝေါကာရတဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိ”တိ။

\* အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ တာယ သညာယ သညာကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၀၂။ \* မနုဿေသု သညာ အတ္ထိ၊ သော စ သညာဘဝေါ သညာဂတိ သညာသတ္တာဝါသော သညာသံသာရော သညာယောနိ သညတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိ၊ သော စ သညာဘဝေါ သညာဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မနုဿေသု သညာ အတ္ထိ၊ သော စ ပဉ္စဝေါကာရတဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိ၊ သော စ ပဉ္စဝေါကာရတဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မနုဿေသု သညာ အတ္ထိ၊ တာယ သညာယ သညာကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိ၊ တာယ သညာယ သညာကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိ၊ သော စ အသညဘဝေါ အသညဂတိ အသညသတ္တာဝါသော အသညသံသာရော အသညယောနိ အသညတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ မနုဿေသု သညာ အတ္ထိ၊ သော စ အသညဘဝေါ အသညဂတိ။ပ။ အသညတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိ၊ သော စ ဧကဝေါကာရတဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ မနုဿေသု သညာ အတ္ထိ၊ သော စ ဧကဝေါကာရတဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိ, န စ တာယ သညာယ သညာကရဏီယံ ကရေတီတိ၊ အာမန္တာ။ မနုဿေသု သညာ အတ္ထိ, န စ တာယ သညာယ သညာကရဏီယံ ကရေတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၈၃။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သန္တိ ဘိက္ခဝေ အသညသတ္တာ နာမ ဒေဝါ, သညပ္ပါဒါ စ ပန တေ ဒေဝါ တမှာ ကာယာ စဝန္တိ”တိ” အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိတိ။

\* အသညသတ္တေသု သညာ အတ္ထိတိ? ကိန္ဉိ၊ ကာလေ အတ္ထိ, ကိန္ဉိ ကာလေ နတ္ထိတိ။ ကိန္ဉိ ကာလေ သညသတ္တာ ကိန္ဉိ ကာလေ အသညသတ္တာ ကိန္ဉိ ကာလေ သညဘဝေါ ကိန္ဉိ ကာလေ အသညဘဝေါ ကိန္ဉိ ကာလေ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါ ကိန္ဉိ ကာလေ ဧကဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အသညသတ္တေသု သညာ ကိန္ဉိ ကာလေ အတ္ထိ, ကိန္ဉိ ကာလေ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ကံ ကာလံ အတ္ထိ, ကံ ကာလံ နတ္ထိတိ၊ စုတိကာလေ ဥပပတ္တိကာလေ အတ္ထိ, ဌိတိကာလေ နတ္ထိတိ။ စုတိကာလေ ဥပပတ္တိကာလေ သညသတ္တာ, ဌိတိကာလေ အသညသတ္တာ။ စုတိကာလေ ဥပပတ္တိကာလေ သညဘဝေါ, ဌိတိကာလေ အသညဘဝေါ။ စုတိကာလေ ဥပပတ္တိကာလေ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါ, ဌိတိကာလေ ဧကဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အသညကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၃-တတိယဝဂ္ဂ

(၃၂) ၁၂-နေဝသညာနာသညာယတနကထာ

၃၈၄။ \* နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ၊ အာမန္တာ။ အသညဘဝေါ အသညဂတိ အသညသတ္တာဝါသော အသညသံသာရေ အသညယောနိ အသညတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



နန သညာဘဝေါ သညာဂတိ သညာသတ္တာဝါသော သညာသံသာရော  
သညာယောနိ သညတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဋ္ဌိ သညာဘဝေါ  
သညာဂတိ။ပ။ သညတ္တဘာဝပဋိလာဘော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ ‘သညာ အတ္ထိ’တိ”။

\* နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ၊ အာမန္တာ။  
ဧကဝေါကာရဘဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

နန စတုဝေါကာရဘဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။  
ဟဋ္ဌိ စတုဝေါကာရဘဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘော၊ နော စ ဝထ  
ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ ‘သညာ အတ္ထိ’တိ”။

၃၈၅။ \* အသညသတ္တေသု န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”၊ သော စ အသည-  
ဘဝေါ အသညဂတိ အသညသတ္တာဝါသော အသညသံသာရော အသညယောနိ  
အသညတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ နေဝသညာနာသညာယတနေ  
န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”၊ သော စ အသညဘဝေါ အသညဂတိ အသညသတ္တာ-  
ဝါသော အသညသံသာရော အသညယောနိ အသညတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အသညသတ္တေသု န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”၊ သော စ ဧကဝေါကာရဘဝေါ  
ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ နေဝသညာနာသညာ-  
ယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”၊ သော စ ဧကဝေါကာရဘဝေါ ဂတိ  
သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”၊ သော စ  
သညာဘဝေါ သညာဂတိ။ပ။ သညတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။  
အသညသတ္တေသု န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”၊ သော စ သညာဘဝေါ  
သညာဂတိ။ပ။ သညတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”၊ သော စ  
စတုဝေါကာရဘဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။  
အသညသတ္တေသု န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”၊ သော စ စတုဝေါကာရဘဝေါ  
ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန နေဝသညာနာသညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နေဝသညာနာသညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ ‘သညာ အတ္ထိ’တိ”။

၃၈၆။ \* နေဝသညာနာသညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ၊ အာမန္တာ။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ အာကာသာနဉ္စာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နေဝသညာနာသညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ၊ အာမန္တာ။ ဝိညာဏဉ္စာယတနံ။ပ။ အာကိဉ္စညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ အာကိဉ္စညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အာကာသာနဉ္စာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ အတ္ထိ တတ္ထ သညာတိ၊ အာမန္တာ။ နေဝသညာနာသညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ အတ္ထိ တတ္ထ သညာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဝိညာဏဉ္စာယတနံ။ပ။ အာကိဉ္စညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ အတ္ထိ တတ္ထ သညာတိ၊ အာမန္တာ။ နေဝသညာနာသညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ အတ္ထိ တတ္ထ သညာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ ဝါ “နတ္ထိ”တိ ဝါတိ၊ အာမန္တာ။ နန နေဝသညာနာသညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နေဝသညာနာသညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ ဝါ “နတ္ထိ”တိ ဝါတိ။

\* နေဝသညာနာသညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ ဝါ “နတ္ထိ”တိ ဝါတိ၊ အာမန္တာ။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ။ပ။ ဝိညာဏဉ္စာယတနံ။ပ။ အာကိဉ္စညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ အာကိဉ္စညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ ဝါ “နတ္ထိ”တိ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၃-တတိယဝဂ္ဂ (၃၂) ၁၂-နေဝသညာနာသညာယတနကထာ ၂၀၁

\* အာကာသာနဉ္စာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ အတ္ထိ တတ္ထ သညာတိ၊ အာမန္တာ။ နေဝသညာနာသညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ အတ္ထိ တတ္ထ သညာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဝိညာဏဉ္စာယတနံ။ပ။ အာကိဉ္စညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ အတ္ထိ တတ္ထ သညာတိ၊ အာမန္တာ။ နေဝသညာနာသညာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါ၊ အတ္ထိ တတ္ထ သညာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ ဝါ “နတ္ထိ”တိ ဝါတိ၊ အာမန္တာ။ နန နေဝသညာနာသညာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ နေဝသညာနာသညာယတနံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ ဝါ “နတ္ထိ”တိ ဝါတိ။

\* နေဝသညာနာသညာယတနန္တိ ကတွာ နေဝသညာနာသညာယတနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာ အတ္ထိ”တိ ဝါ “နတ္ထိ”တိ ဝါတိ၊ အာမန္တာ။ အဒုက္ခမသုခါ ဝေဒနာတိ ကတွာ အဒုက္ခမသုခါယ ဝေဒနာယ ၂ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဝေဒနာ”တိ ဝါ “အဝေဒနာ”တိ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

နေဝသညာနာသညာယတနကထာ နိဋ္ဌိတာ။

တတိယော ဝဂ္ဂေါ။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဗလံ သာဓာရဏံ အရိယံ၊ သရာဂံ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ။  
ဝိမုတ္တံ ဝိမုစ္စမာနံ၊ အတ္ထိ စိတ္တံ ဝိမုစ္စမာနံ။

အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ၊ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ ပဟိနံ။  
အဋ္ဌမကဿ ပုဂ္ဂလဿ၊ နတ္ထိ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ စက္ခု။

သောတံ ဓမ္မပတ္ထဒ္ဓံ၊ ယထာကမ္မပဂတံ ဉာဏံ။  
ဒေဝေသု သံဝရော အသည—သတ္တေသု သညာ ဝေမေဝ ဘဝဂ္ဂန္တိ။



## ၄-၈၇၈

## (၃၃) ၁-ဂိဟိဿအရဟတိကထာ

၃၈၇။ \*ဂိဟိ'ဿ အရဟတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော ဂိဟိသံယောဇနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နတ္ထိ အရဟတော ဂိဟိသံယောဇနန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ အရဟတော ဂိဟိသံယောဇနံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဂိဟိ'ဿ အရဟာ”တိ။

\*ဂိဟိ'ဿ အရဟတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော ဂိဟိသံယောဇနံ ပဟိနံ ဥစ္ဆန္နမူလံ တာလာဝတ္ထုကတံ အနဘာဝံကတံ အာယတိ° အနုပ္ပါဒဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော ဂိဟိသံယောဇနံ ပဟိနံ ဥစ္ဆန္နမူလံ တာလာဝတ္ထုကတံ အနဘာဝံကတံ အာယတိ° အနုပ္ပါဒဓမ္မံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဂိဟိ'ဿ အရဟာ”တိ။

\*ဂိဟိ'ဿ အရဟတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ ဂိဟိ ဂိဟိသံယောဇနံ အပ္ပဟာယ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ ဒုက္ခဿန္တကရောတိ၊ နတ္ထိ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ ကောစိ ဂိဟိ ဂိဟိသံယောဇနံ အပ္ပဟာယ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ ဒုက္ခဿန္တကရော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဂိဟိ'ဿ အရဟာ”တိ။

\*ဂိဟိ'ဿ အရဟတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝစ္ဆဂေါတ္တော ပရိဗ္ဗာဇကော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—“အတ္ထိ န ခေါ ဘော ဂေါတမ ကောစိ ဂိဟိ ဂိဟိသံယောဇနံ အပ္ပဟာယ ကာယဿ ဘေဒါ ဒုက္ခဿန္တကရော”တိ။ နတ္ထိ ခေါ ဝစ္ဆ ကောစိ ဂိဟိ ဂိဟိသံယောဇနံ အပ္ပဟာယ ကာယဿ ဘေဒါ ဒုက္ခဿန္တကရောတိ° အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ဂိဟိ'ဿ အရဟာ”တိ။

\*ဂိဟိ'ဿ အရဟတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ မေထုနံ ဓမ္မံ ပဋိသေဝေယျ၊ မေထုနံ ဥပ္ပါဒေယျ၊ ပုတ္တသမ္မာဓေယနံ အဇ္ဈာဝသေယျ၊ ကာသိကစန္ဒနံ ပစ္စနဘဝေယျ၊ မာလာဂန္ဓဝိလေပနံ ဓာရေယျ၊ ဇာတရူပရဇတံ သာဒိယေယျ၊ အဇေဋ္ဌကံ ပဋိဂ္ဂဏေယျ၊ ကုက္ကုဋသုကရံ ပဋိဂ္ဂဏေယျ၊ ဟတ္ထိဂဝဿဝဋ္ဌဝံ ပဋိဂ္ဂဏေယျ၊ တိတ္ထိရဝနကမောရကပိဉ္ဇရံ ပဋိဂ္ဂဏေယျ၊ စိတ္တဝဏ္ဏဝါလမောဋ္ဌိ° ဓာရေယျ၊ ဩဒါတာနိ ဝတ္ထာနိ ဒိဃဒသာနိ ဓာရေယျ၊ ယာဝဇီဝံ အဂါရိယဘူတော အဿာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



† န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “ဂိဟိ”ဿ အရဟာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ယသော ကုလပုတ္တော၊ ဥတ္တိယော ဂဟပတိ၊ သေတု မာဏဝေါ၊ ဂိဟိဗျဉ္ဇနေန အရဟတ္တံ ပတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ယသော ကုလပုတ္တော၊ ဥတ္တိယော ဂဟပတိ၊ သေတု မာဏဝေါ၊ ဂိဟိဗျဉ္ဇနေန အရဟတ္တံ ပတ္တော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဂိဟိ”ဿ အရဟာ”တိ။

ဂိဟိဿ အရဟာတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၄-စတုတ္ထဝဂ္ဂ

#### (၃၄) ၂-ဥပပတ္တိကထာ

၃၈၈။ \* သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟာတိ၊ အာမန္တာ။ သဟ ဥပပတ္တိယာ သောတာပန္နော ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟာတိ၊ အာမန္တာ။ သဟ ဥပပတ္တိယာ သကဒါဂါမီ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟာတိ၊ အာမန္တာ။ သဟ ဥပပတ္တိယာ အနာဂါမီ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* သဟ ဥပပတ္တိယာ သောတာပန္နော န ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သဟ ဥပပတ္တိယာ သောတာပန္နော န ဟောတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟာ”တိ။

\* သဟ ဥပပတ္တိယာ သကဒါဂါမီ န ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သဟ ဥပပတ္တိယာ သကဒါဂါမီ န ဟောတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟာ”တိ။

\* သဟ ဥပပတ္တိယာ အနာဂါမီ န ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သဟ ဥပပတ္တိယာ အနာဂါမီ န ဟောတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟာ”တိ။

၃၈၉။ \* သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟာတိ၊ အာမန္တာ။ သာရိပုတ္တော ထေရော သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော



ထေရော။ပ။ မဟာကဿပေါ ထေရော။ပ။ မဟာကစ္စာနော ထေရော။ပ။  
မဟာကောဠိကော ထေရော။ပ။ မဟာပန္နကော ထေရော သဟ ဥပပတ္တိယာ  
အရဟတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သာရိပုတ္တော ထေရော န သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
သာရိပုတ္တော ထေရော န သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟတိ၊ နော စ ဝတ ရေ  
ဝတ္တဗ္ဗေ “သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟတိ”တိ။

\* မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော ထေရော။ပ။ မဟာကဿပေါ ထေရော။ပ။  
မဟာကစ္စာနော ထေရော။ပ။ မဟာကောဠိကော ထေရော။ပ။ မဟာ-  
ပန္နကော ထေရော န သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
မဟာပန္နကော ထေရော န သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟတိ၊ နော စ ဝတ ရေ  
ဝတ္တဗ္ဗေ “သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟတိ”တိ။

၃၉၀။ \* သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပပတ္တေသိယေန  
စိတ္တေန အရဟတ္တံ သဒ္ဓိကရေတိ လောကိယေန သာသဝေန။ပ။ သံကိလေသိ-  
ယေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပပတ္တေသိယံ စိတ္တံ နိဿျာနိကံ  
ခယဂါမိ ဗောဂေါမိ အပစယဂါမိ အနာသဝံ။ပ။ အသံကိလေသိယန္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နန ဥပပတ္တေသိယံ စိတ္တံ အနိဿျာနိကံ န ခယဂါမိ န ဗောဂေါမိ န  
အပစယဂါမိ သာသဝံ။ပ။ သံကိလေသိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဥပပတ္တေသိယံ  
စိတ္တံ အနိဿျာနိကံ န ခယဂါမိ န ဗောဂေါမိ န အပစယဂါမိ သာသဝံ။ပ။  
သံကိလေသိယံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟတိ”တိ။

\* သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန  
ရာဂံ ပဇဟတိ။ ဒေါသံ ပဇဟတိ။ မောဟံ ပဇဟတိ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဇဟတိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပပတ္တေသိယံ စိတ္တံ မဂ္ဂေါ  
သတိပဋ္ဌာနံ။ပ။ သမ္မပ္ပဓာနံ။ ဣဒ္ဓိပါဒေါ။ ဣန္ဒြိယံ။ ဗလံ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂေတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဒုက္ခံ  
ပရိဇာနာတိ၊ သမုဒယံ ပဇဟတိ၊ နိရောဓံ သဒ္ဓိကရေတိ၊ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊



န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟတိ၊ အာမန္တာ။ စုတိစိတ္တံ  
မဂ္ဂစိတ္တံ ဥပပတ္တေသိယံ စိတ္တံ ဖလစိတ္တန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ဥပပတ္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၄-စတုတ္ထဝဂ္ဂ

(၃၅) ၃-အနာသဝကထာ

၃၉၁။ \* အရဟတော သဗ္ဗေ ဓမ္မာ အနာသဝါတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ။ ဖလံ။  
နိဗ္ဗာနံ။ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ။ သောတာပတ္တိဖလံ။ သကဒါဂါမိမဂ္ဂေါ။ သက-  
ဒါဂါမိဖလံ။ အနာဂါမိမဂ္ဂေါ။ အနာဂါမိဖလံ။ အရဟတ္တမဂ္ဂေါ။ အရဟတ္တဖလံ။  
သတိပဋ္ဌာနံ။ သမ္မပ္ပဓာနံ။ ဣဒ္ဓိပါဒေါ။ ဣန္ဒြိယံ။ ဗလံ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အရဟတော သဗ္ဗေ ဓမ္မာ အနာသဝါတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော စက္ခု  
အနာသဝန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရဟတော စက္ခု အနာသဝန္တိ၊  
အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ။ ဖလံ။ နိဗ္ဗာနံ။ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ။ သောတာပတ္တိဖလံ။ပ။  
ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတော သောတံ။ပ။ အရဟတော သာနံ။ အရဟတော ဇိဝှါ။  
အရဟတော ကာယော အနာသဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရဟတော  
ကာယော အနာသဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ။ ဖလံ။ နိဗ္ဗာနံ။ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ။  
သောတာပတ္တိဖလံ။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတော ကာယော အနာသဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော  
ကာယော ပဂ္ဂဟနိဂ္ဂဟုပဂေါ ဆေဒနဘေဒနုပဂေါ ကာကေဟိ ဂိဇ္ဈေဟိ  
ကုလလေဟိ သာဓာရဏောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာသဝေါ ဓမ္မော ပဂ္ဂဟနိဂ္ဂ-  
ဟုပဂေါ ဆေဒနဘေဒနုပဂေါ ကာကေဟိ ဂိဇ္ဈေဟိ ကုလလေဟိ သာဓာရ-  
ဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတော ကာယေ ဝိသံ ကမေယျ၊ သတ္တံ ကမေယျ၊ အဂ္ဂိ ကမေယျာတိ၊  
အာမန္တာ။ အနာသဝေ ဓမ္မေ ဝိသံ ကမေယျ၊ သတ္တံ ကမေယျ၊ အဂ္ဂိ ကမေယျာတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* လဟ္တာ အရဟတော ကာယော အဗ္ဗုဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ ရဇ္ဇုဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ သင်္ခလိကဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ ဂါမဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ နိဂမဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ နဂရဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ ဇနပဒဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ ကဏ္ဍပဉ္စမေဟိ ဗန္ဓနေဟိ ဗန္ဓိတုန္တိ။ အာမန္တာ။ လဟ္တာ အနာသဝေါ ဓမ္မော အဗ္ဗုဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ ရဇ္ဇုဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ သင်္ခလိကဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ ဂါမ နိဂမ နဂရ ဇနပဒ ဗန္ဓနေန ဗန္ဓိတုံ၊ ကဏ္ဍပဉ္စမေဟိ ဗန္ဓနေဟိ ဗန္ဓိတုန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၃၉၂။ \* ယဒိ အရဟာ ပုထုဇ္ဇနဿ စိဝရံ ဒေတိ၊ အနာသဝံ ဟုတွာ သာသဝံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အနာသဝံ ဟုတွာ သာသဝံ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ တညေဝ အနာသဝံ တံ သာသဝန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ တညေဝ အနာသဝံ တံ သာသဝန္တိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ အနာသဝေါ ဟုတွာ သာသဝေါ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဖလံ။ သတိပဋ္ဌာနံ။ သမ္မပ္ပဓာနံ။ ဣဒ္ဓိပါဒေါ ဣန္ဒြိယံ။ ဗလံ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂေါ အနာသဝေါ ဟုတွာ သာသဝေါ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ယဒိ အရဟာ ပုထုဇ္ဇနဿ ပိဏ္ဍုပါတံ ဒေတိ၊ သေနာသနံ ဒေတိ၊ ဂိလာန-  
ပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒေတိ၊ အနာသဝေါ ဟုတွာ သာသဝေါ ဟောတိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အနာသဝေါ ဟုတွာ သာသဝေါ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။  
တညေဝ အနာသဝံ တံ သာသဝန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ တညေဝ အနာသဝံ တံ  
သာသဝန္တိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ အနာသဝေါ ဟုတွာ သာသဝေါ ဟောတိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဖလံ။ သတိပဋ္ဌာနံ။ သမ္မပ္ပဓာနံ။ ဣဒ္ဓိပါဒေါ။ ဣန္ဒြိယံ။ ဗလံ။  
ဗောဇ္ဈင်္ဂေါ အနာသဝေါ ဟုတွာ သာသဝေါ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ယဒိ ပုထုဇ္ဇနော အရဟတော စိဝရံ ဒေတိ၊ သာသဝံ ဟုတွာ အနာသဝံ  
ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သာသဝံ ဟုတွာ အနာသဝံ ဟောတိတိ၊  
အာမန္တာ။ တညေဝ သာသဝံ တံ အနာသဝန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ တညေဝ  
သာသဝံ တံ အနာသဝန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရာဂေါ သာသဝေါ ဟုတွာ အနာသဝေါ  
ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဒေါသော။ပ။ မောဟော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ  
သာသဝံ ဟုတွာ အနာသဝံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ယဒိ ပုထုဇ္ဇနော အရဟတော ပိဏ္ဍုပါတံ ဒေတိ၊ သေနာသနံ ဒေတိ၊  
ဂိလာနပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒေတိ၊ သာသဝေါ ဟုတွာ အနာသဝေါ  
ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သာသဝေါ ဟုတွာ အနာသဝေါ ဟောတိတိ  
အာမန္တာ။ တညေဝ သာသဝံ တံ အနာသဝန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ တညေဝ



သာသဝံ တံ အနာသဝန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရာဂေါ သာသဝေါ ဟုတွာ အနာသဝေါ  
ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဒေါသော။ပ။ မောဟော။ပ။ အနောတ္ထပုံ  
သာသဝံ ဟုတွာ အနာသဝံ ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

† န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အရဟတော သဗ္ဗေ ဓမ္မာ အနာသဝါ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု  
အရဟာ အနာသဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ အနာသဝေါ၊ တေန  
ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အရဟတော သဗ္ဗေ ဓမ္မာ အနာသဝါ”တိ။

အနာသဝကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၄-စတုတ္ထဝဂ္ဂ

(၃၆) ၄-သမန္တာဂဘကထာ

၃၉၃။ \* အရဟာ စတူဟိ ဖလေဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ  
စတူဟိ ဖဿေဟိ။ စတူဟိ ဝေဒနာဟိ။ စတူဟိ သညာဟိ။ စတူဟိ စေတနာဟိ။  
စတူဟိ စိတ္တေဟိ။ စတူဟိ သဒ္ဓါဟိ။ စတူဟိ ဝီရိယေဟိ။ စတူဟိ သတိဟိ။ စတူဟိ  
သမာဓိဟိ။ စတူဟိ ပညာဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂါမီတိဟိ ဖလေဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမီ တိဟိ  
ဖဿေဟိ။ပ။ တိဟိ ပညာဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* သကဒါဂါမီ ဒွိဟိ ဖလေဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမီ  
ဒွိဟိ ဖဿေဟိ။ပ။ ဒွိဟိ ပညာဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟာ သောတာပတ္တိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ  
သောတာပန္နော သတ္တက္ခတ္တုပရမော ကောလံကောလော ကေဗီဇီတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အရဟာ သကဒါဂါမီဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။  
အရဟာ သကဒါဂါမီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အရဟာ အနာဂါမီဖလေန  
သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ အနာဂါမီ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ၊ ဥပဟစ္စ-  
ပရိနိဗ္ဗာယီ၊ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ၊ သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ၊ ဥဒ္ဓိသောတော အကနိဋ္ဌ-  
ဂါမီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂါမီ သောတာပတ္တိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမီ  
သောတာပန္နော သတ္တက္ခတ္တုပရမော၊ ကောလံကောလော၊ ကေဗီဇီတိ၊ န ဟေဝံ



ဝတ္ထဗျေ။ပ။ အနာဂါမီ သကဒါဂါမိဖလေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမီ သကဒါဂါမီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* သကဒါဂါမီ သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမီ သောတာပန္နော သတ္တက္ခတ္တုပရမော၊ ကောလံကောလော၊ ကေမိဇိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

၃၉၄။ \* သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတော “သောတာပန္နော”တိ ဝတ္ထဗျောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ အရဟာ၊ သော သောတာပန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* သကဒါဂါမိဖလေန သမန္ဓာဂတော “သကဒါဂါမီ”တိ ဝတ္ထဗျောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ သကဒါဂါမိဖလေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ အရဟာ၊ သော သကဒါဂါမီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* အနာဂါမိဖလေန သမန္ဓာဂတော “အနာဂါမီ”တိ ဝတ္ထဗျောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ အနာဂါမိဖလေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ အရဟာ၊ သော အနာဂါမီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတော “သောတာပန္နော”တိ ဝတ္ထဗျောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမီ သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ အနာဂါမီ၊ သော သောတာပန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* သကဒါဂါမိဖလေန သမန္ဓာဂတော “သကဒါဂါမီ”တိ ဝတ္ထဗျောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမီ သကဒါဂါမိဖလေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ အနာဂါမီ၊ သော သကဒါဂါမီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

\* သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတော “သောတာပန္နော”တိ ဝတ္ထဗျောတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမီ သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ သကဒါဂါမီ၊ သော သောတာပန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ပ။

၃၉၅။ \* အရဟာ သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟာ သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္ထောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္ထော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗျေ “အရဟာ သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတော”တိ။



\* အရဟတာ သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတာ သောတာပတ္တိမဂ္ဂံ ဝိတိဝတ္တော၊ သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ၊ ဝိစိကိစ္ဆံ၊ သီလဗ္ဗတပရာမာသံ၊ အပါယဂမနိယံ ရာဂံ၊ အပါယဂမနိယံ ဒေါသံ၊ အပါယဂမနိယံ မောဟံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* အရဟတာ သကဒါဂါမိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အရဟတာ သကဒါဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတာ သကဒါဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အရဟတာ သကဒါဂါမိဖလေန သမန္တာဂတော”တိ။

\* အရဟတာ သကဒါဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတာ သကဒါဂါမိမဂ္ဂံ ဝိတိဝတ္တော၊ ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ၊ ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* အရဟတာ အနာဂါမိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အရဟတာ အနာဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတာ အနာဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အရဟတာ အနာဂါမိဖလေန သမန္တာဂတော”တိ။

\* အရဟတာ အနာဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတာ အနာဂါမိမဂ္ဂံ ဝိတိဝတ္တော၊ အဏုသဟဂတံ ကာမရာဂံ၊ အဏုသဟဂတံ ဗျာပါဒံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* အနာဂါမီ သောတာပတ္တိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အနာဂါမီ သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာဂါမီ သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အနာဂါမီ သောတာပတ္တိဖလေန သမန္တာဂတော”တိ။

\* အနာဂါမီ သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမီ သောတာပတ္တိမဂ္ဂံ ဝိတိဝတ္တော၊ သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ။ ပ။ အပါယဂမနိယံ မောဟံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* အနာဂါမီ သကဒါဂါမိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အနာဂါမီ သကဒါဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာဂါမီ သကဒါဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အနာဂါမီ သကဒါဂါမိဖလေန သမန္တာဂတောတိ။



\* အနာဂါမိ သကဒါဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိ သကဒါဂါမိမဂ္ဂံ ဝိတိဝတ္တော၊ ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ၊ ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သကဒါဂါမိ သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နန သကဒါဂါမိ သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သကဒါဂါမိ သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သကဒါဂါမိ သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတော”တိ။

\* သကဒါဂါမိ သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိ သောတာပတ္တိမဂ္ဂံ ဝိတိဝတ္တော၊ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ။ပ။ အပါယဂမနိယံ မောဟံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၃၉၆။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရဟတာ စတူဟိ ဖလေဟိ သမန္ဓာဂတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတာ စတ္တာရိ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတာ စတ္တာရိ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ တေဟိ စ အပရိဟိနော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတာ စတူဟိ ဖလေဟိ သမန္ဓာဂတော”တိ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “အနာဂါမိ တိဟိ ဖလေဟိ သမန္ဓာဂတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အနာဂါမိနာ တိဏိ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာဂါမိနာ တိဏိ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနာဂါမိ တိဟိ ဖလေဟိ သမန္ဓာဂတော”တိ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “သကဒါဂါမိ ဒွိဟိ ဖလေဟိ သမန္ဓာဂတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန သကဒါဂါမိနာ ဒွေ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သကဒါဂါမိနာ ဒွေ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ တေဟိ စ အပရိဟိနော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သကဒါဂါမိ ဒွိဟိ ဖလေဟိ သမန္ဓာဂတော”တိ။

\* အရဟတာ စတ္တာရိ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ အရဟတာ စတူဟိ ဖလေဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတာ စတ္တာရော မဂ္ဂါ ပဋိလဒ္ဓါ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ အရဟတာ စတူဟိ မဂ္ဂေဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂါမိနာ တိဏိ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ အနာဂါမိ တိဟိ ဖလေဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိနာ



တယော မဂ္ဂါ ပဋိလဒ္ဓါ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ အနာဂါမိ တိဟိ မဂ္ဂေဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*သကဒါဂါမိနာ ဒွေ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ သကဒါဂါမိ ဒွိဟိ ဖလေဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိနာ ဒွေ မဂ္ဂါ ပဋိလဒ္ဓါ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ သကဒါဂါမိ ဒွိဟိ မဂ္ဂေဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

သမန္တာဂတကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၄-စတုတ္ထဝဂ္ဂ

(၃၇) ၅-ဥပေက္ခာသမန္တာဂတကထာ

၃၉၇။ \*အရဟာ ဆဟိ ဥပေက္ခာဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ ဆဟိ ဖဿေဟိ။ ဆဟိ ဝေဒနာဟိ။ ဆဟိ သညာဟိ။ပ။ ဆဟိ ပညာဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အရဟာ ဆဟိ ဥပေက္ခာဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ စက္ခုနာ ရူပံ ပဿန္တော သောတေန သဒ္ဓိံ သုဏာတိ၊ ဃာနေန ဂန္ဓံ ဃာယတိ၊ ဇိဝှိယ ရသံ သာယတိ၊ ကာယေန ဖောဠဗ္ဗံ ဖုသတိ၊ မနသာ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိ။ပ။ မနသာ ဓမ္မံ ဝိဇာနန္တော စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ၊ သောတေန သဒ္ဓိံ သုဏာတိ၊ ဃာနေန ဂန္ဓံ ဃာယတိ၊ ဇိဝှိယ ရသံ သာယတိ၊ ကာယေန ဖောဠဗ္ဗံ ဖုသတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အရဟာ ဆဟိ ဥပေက္ခာဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သတတံ သမိတံ အဗ္ဗောကိဏ္ဏံ ဆဟိ ဥပေက္ခာဟိ သမန္တာဂတော သမောဟိတော၊ ဆ ဥပေက္ခာယော ပစ္စုပ္ပိတာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရဟာ ဆဟိ ဥပေက္ခာဟိ သမန္တာဂတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟာ ဆဠှုပေက္ခောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ ဆဠှုပေက္ခော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟာ ဆဟိ ဥပေက္ခာဟိ သမန္တာဂတော”တိ။ပ။

ဥပေက္ခာသမန္တာဂတကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၄-၈၇၈

## (၃၈) ၆-ဗောဓိယာဗုဒ္ဓေါတိကထာ

၃၉၈။ \*ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဗောဓိယာ နိရုဒ္ဓါယ ဝိဂတာယ ပဋိပဿဒ္ဓါယ အဗုဒ္ဓေါ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\*ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတိတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါတိ၊ အာမန္တာ။ တာယ ဗောဓိယာ ဗောဓိကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\*တာယ ဗောဓိယာ ဗောဓိကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ အာမန္တာ။ တာယ ဗောဓိယာ ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ၊ သမုဒယံ ပဇဟတိ၊ နိရောဓံ သစ္စိကရေတိ၊ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\*ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\*အနာဂတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါတိ၊ အာမန္တာ။ တာယ ဗောဓိယာ ဗောဓိကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\*တာယ ဗောဓိယာ ဗောဓိကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ အာမန္တာ။ တာယ ဗောဓိယာ ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ။ပ။ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\*ပစ္စုပ္ပန္နာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ တာယ ဗောဓိယာ ဗောဓိကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ တာယ ဗောဓိယာ ဗောဓိကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\*ပစ္စုပ္ပန္နာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ တာယ ဗောဓိယာ ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ၊ သမုဒယံ ပဇဟတိ၊ နိရောဓံ သစ္စိကရေတိ၊ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ တာယ ဗောဓိယာ ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ။ပ။ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\*ပစ္စုပ္ပန္နာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ တာယ ဗောဓိယာ ဗောဓိကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ တာယ ဗောဓိယာ ဗောဓိကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



\* ပစ္စုပ္ပန္နာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ တာယ ဗောဓိယာ ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ။ ပ။ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ တာယ ဗောဓိယာ ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ။ ပ။ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတိတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ န စ တာယ ဗောဓိယာ ဗောဓိကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ န စ တာယ ဗောဓိယာ ဗောဓိကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတိတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ န စ တာယ ဗောဓိယာ ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ။ ပ။ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ န စ တာယ ဗောဓိယာ ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ။ ပ။ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အနာဂတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ န စ တာယ ဗောဓိယာ ဗောဓိကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ န စ တာယ ဗောဓိယာ ဗောဓိကရဏီယံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အနာဂတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ န စ တာယ ဗောဓိယာ ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ။ ပ။ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ န စ တာယ ဗောဓိယာ ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ။ ပ။ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၃၉၉။ \* အတိတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ အနာဂတာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ ပစ္စုပ္ပန္နာယ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါတိ၊ အာမန္တာ။ တိဟိ ဗောဓိဟိ ဗုဒ္ဓေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* တိဟိ ဗောဓိဟိ ဗုဒ္ဓေါတိ၊ အာမန္တာ။ သတတံ သမိတံ အဗ္ဗောကိဏ္ဏံ တိဟိ ဗောဓိဟိ သမန္နာဂတော သမောဟိတော၊ တိဿော ဗောဓိယော ပစ္စုပ္ပန္နိတတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဗောဓိပဋိလာဘာ ဗုဒ္ဓေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဗောဓိပဋိလာဘာ ဗုဒ္ဓေါ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ”တိ။

\* ဗောဓိပဋိလာဘာ ဗုဒ္ဓေါတိ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဗောဓိပဋိလာဘာ ဗောဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၄-၈၇၈

## (၃၉) ၇-လက္ခဏကထာ

၄၀၀။ \* လက္ခဏသမန္တာဂတော ဗောဓိသတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ပဒေသ-  
လက္ခဏေဟိ သမန္တာဂတော ပဒေသဗောဓိသတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* လက္ခဏသမန္တာဂတော ဗောဓိသတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တိဘာဂလက္ခဏေဟိ  
သမန္တာဂတော တိဘာဂဗောဓိသတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* လက္ခဏသမန္တာဂတော ဗောဓိသတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပခုလက္ခဏေဟိ  
သမန္တာဂတော ဥပခုဗောဓိသတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* လက္ခဏသမန္တာဂတော ဗောဓိသတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ကဝတ္တိသတ္တော  
လက္ခဏသမန္တာဂတော၊ စက္ကဝတ္တိသတ္တော ဗောဓိသတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* စက္ကဝတ္တိသတ္တော လက္ခဏသမန္တာဂတော၊ စက္ကဝတ္တိသတ္တော ဗောဓိ-  
သတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ယာဒိသော ဗောဓိသတ္တဿ ပုဗ္ဗယောဂေါ ပုဗ္ဗစရိယာ  
ဓမ္မက္ခာနံ ဓမ္မဒေသနာ၊ တာဒိသော စက္ကဝတ္တိသတ္တဿ ပုဗ္ဗယောဂေါ ပုဗ္ဗစရိယာ  
ဓမ္မက္ခာနံ ဓမ္မဒေသနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၄၀၁။ \* ယထာ ဗောဓိသတ္တဿ ဇာယမာနဿ ဒေဝါ ပဌမံ ပဋိဂ္ဂဏှန္တိ  
ပစ္ဆာ မနုဿာ၊ ဝေမေဝံ စက္ကဝတ္တိသတ္တဿ ဇာယမာနဿ ဒေဝါ ပဌမံ  
ပဋိဂ္ဂဏှန္တိ ပစ္ဆာ မနုဿာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ယထာ ဗောဓိသတ္တဿ ဇာယမာနဿ စတ္တာရော နံ ဒေဝပုတ္တာ  
ပဋိဂ္ဂဟေတွာ မာတု ပုရတော ဌပေန္တိ “အတ္တမနာ ဒေဝိ ဟောဟိ၊  
မဟေသက္ခော တေ ပုတ္တော ဥပ္ပန္နော”တိ။ ဝေမေဝံ စက္ကဝတ္တိသတ္တဿ  
ဇာယမာနဿ စတ္တာရော နံ ဒေဝပုတ္တာ ပဋိဂ္ဂဟေတွာ မာတု ပုရတော  
ဌပေန္တိ “အတ္တမနာ ဒေဝိ ဟောဟိ၊ မဟေသက္ခော တေ ပုတ္တော ဥပ္ပန္နော”တိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ယထာ ဗောဓိသတ္တဿ ဇာယမာနဿ ဒွေ ဥဒကဿ ဓာရာ အန္တလိက္ခာ  
ပါတုဘဝန္တိ—ဧကာ သီတဿ ဧကာ ဥဏှဿ၊ ယေန ဗောဓိသတ္တဿ  
ဥဒကကိစ္စံ ကရေန္တိ မာတု စ။ ဝေမေဝံ စက္ကဝတ္တိသတ္တဿ ဇာယမာနဿ ဒွေ  
ဥဒကဿ ဓာရာ အန္တလိက္ခာ ပါတုဘဝန္တိ—ဧကာ သီတဿ ဧကာ ဥဏှဿ၊



ယေန စက္ကဝတ္ထိသတ္တဿ ဥဒကကိစ္ဆံ ကရောန္တိ မာတု စာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ယထာ သမ္ပတိဇာတော ဗောဓိသတ္တော သမေဟိ ပါဒေဟိ ပတိဋ္ဌဟိတွာ ဥတ္တရေန အဘိမုခေါ သတ္တပဒဝိတိဟာရေန ဂစ္ဆတိ သေတမ္ပိ ဆတ္တေ အနုဓာရိယမာနေ၊ သဗ္ဗာ စ ဒိဿာ ဝိလောကေတိ၊ အာသဘိဉ္ဇ ဝါစံ ဘာသတိ “အဂ္ဂေါဟမသ္မိ လောကဿ၊ ဇေဋ္ဌောဟမသ္မိ လောကဿ၊ သေဋ္ဌောဟမသ္မိ လောကဿ၊ အယမန္တိမာ ဇာတိ၊ နတ္ထိ ဒါနိ ပုနဗ္ဗဝေါ”တိ။ ဧဝမေဝံ သမ္ပတိဇာတော စက္ကဝတ္ထိသတ္တော သမေဟိ ပါဒေဟိ ပတိဋ္ဌဟိတွာ ဥတ္တရေန အဘိမုခေါ သတ္တပဒဝိတိဟာရေန ဂစ္ဆတိ သေတမ္ပိ ဆတ္တေ အနုဓာရိယမာနေ၊ သဗ္ဗာ စ ဒိဿာ ဝိလောကေတိ၊ အာသဘိဉ္ဇ ဝါစံ ဘာသတိ “အဂ္ဂေါဟမသ္မိ လောကဿ၊ ဇေဋ္ဌောဟမသ္မိ လောကဿ၊ သေဋ္ဌောဟမသ္မိ လောကဿ၊ အယမန္တိမာ ဇာတိ၊ နတ္ထိ ဒါနိ ပုနဗ္ဗဝေါ”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ယထာ ဗောဓိသတ္တဿ ဇာယမာနဿ မဟတော အာလောကဿ မဟတော ဩဘာသဿ မဟတော ဘူမိစာလဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ ဧဝမေဝံ စက္ကဝတ္ထိသတ္တဿ ဇာယမာနဿ မဟတော အာလောကဿ မဟတော ဩဘာသဿ မဟတော ဘူမိစာလဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ယထာ ဗောဓိသတ္တဿ ပကတိကာယော သမန္တာ ဗျာမံ ဩဘာသတိ၊ ဧဝမေဝံ စက္ကဝတ္ထိသတ္တဿ ပကတိကာယော သမန္တာ ဗျာမံ ဩဘာသတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ယထာ ဗောဓိသတ္တော မဟာသုပ္ပိနံ ပဿတိ၊ ဧဝမေဝံ စက္ကဝတ္ထိသတ္တော မဟာသုပ္ပိနံ ပဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၀၂။ † နဝတ္တဗ္ဗံ “လက္ခဏသမန္တာဂတော ဗောဓိသတ္တော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဒုတ္တိံသိမာနိ ဘိက္ခဝေ မဟာပုရိသဿ မဟာပုရိသ-လက္ခဏာနိ၊ ယေဟိ သမန္တာဂတဿ မဟာပုရိသဿ ဒွေဝ ဂတိယော ဘဝန္တိ အနညာ”။သစေ အဂါရံ အဇ္ဈာဝသတိ၊ ရာဇာ ဟောတိ စက္ကဝတ္ထိ ဓမ္မိကော ဓမ္မရာဇာ စာတုရန္တော ဝိဇိတာဝီ ဇနပဒတ္တာဝရိယပ္ပတ္တော သတ္တရတနသမန္တာ-ဂတော၊ တဿိမာနိ သတ္တ ရတနာနိ ဘဝန္တိ။သေယျထိဒံ၊ စက္ကရတနံ ဟတ္ထိရတနံ



အဿရတနံ မဏိရတနံ ဣတ္ထိရတနံ ဂဟပတိရတနံ ပရိဏာယကရတနမေဝ သတ္တမံ။ ပရောသဟဿံ ခေါ ပနဿ ပုတ္တာ ဘဝန္တိ သူရာ ဝီရင်္ဂရူပါ ပရသေနပ္ပမဒ္ဒနာ။ သော ဣမံ ပထဝီ သာဂရပရိယန္တံ အဒဏ္ဍေန အသတ္တေန ဓမ္မေန အဘိဝိဇိယ အဇ္ဈာဝသတိ၊ သစေ ခေါ ပန အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇတိ၊ အရဟံ ဟောတိ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ လောကေ ဝိဝဇ္ဇန္တဒေါ”တိ” အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ လက္ခဏသမန္တာဂတော ဗောဓိသတ္တောတိ။

လက္ခဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၄-၈၇၈

#### (၄၀) ဂ-နိယာမောက္ခန္တိကထာ

၄၀၃။ \* ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယောတိ၊ အာမန္တာ။ ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော သာဝကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော သာဝကောတိ၊ အာမန္တာ။ သာဝကော ဟုတွာ ဗုဒ္ဓေါ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သာဝကော ဟုတွာ ဗုဒ္ဓေါ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ အနုဿဝိယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အနုဿဝိယောတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါ သယန္တူတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဘဂဝါ သယန္တူ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနုဿဝိယော”တိ။

\* ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယောတိ၊ အာမန္တာ။ ဘဂဝတာ ဗောဓိယာ မူလေ တိဏှေဝ သာမညဖလာနိ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓါနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* နန ဘဂဝတာ ဗောဓိယာ မူလေ စတ္တာရိ သာမညဖလာနိ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓါနိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဘဂဝတာ ဗောဓိယာ မူလေ စတ္တာရိ သာမညဖလာနိ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓါနိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော”တိ။



၄၀၄။ \* ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယောတိ၊ အာမန္တာ။ ဗောဓိသတ္တော ဒုက္ကရကာရိယံ အကာသီတိ၊ အာမန္တာ။ ဒဿနသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒုက္ကရကာရိယံ ကရေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဗောဓိသတ္တော အပရန္တပံ<sup>၁</sup> အကာသိ၊ အညံ သတ္တာရံ ဥဒ္ဓိသီတိ၊ အာမန္တာ။ ဒဿနသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော အညံ သတ္တာရံ ဥဒ္ဓိသေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော၊ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝတော သာဝကောတိ၊ အာမန္တာ။ ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော၊ ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော သာဝကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* စိတ္တော ဂဟပတိ၊ ဟတ္ထကော အာဠဝကော ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော၊ စိတ္တော ဂဟပတိ၊ ဟတ္ထကော အာဠဝကော ဘဂဝတော သာဝကောတိ၊ အာမန္တာ။ ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော သာဝကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော၊ န စ ကဿပဿ ဘဂဝတော သာဝကောတိ၊ အာမန္တာ။ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော၊ န စ ဘဂဝတော သာဝကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော၊ န စ ကဿပဿ ဘဂဝတော သာဝကောတိ၊ အာမန္တာ။ စိတ္တော ဂဟပတိ ဟတ္ထကော အာဠဝကော ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော၊ န စ ဘဂဝတော သာဝကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော၊ န စ ကဿပဿ ဘဂဝတော သာဝကောတိ၊ အာမန္တာ။ သာဝကော ဇာတိ<sup>၂</sup> ဝိတိဝတ္တော အသာဝကော ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



၄၀၅။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ ဘဂဝတာ “ကဿပေ အဟံ အာနန္ဒ ဘဂဝတိ ဗြဟ္မစရိယံ အစရိံ အာယတိံ သမ္မော-ဓာယာ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော”တိ။

\* ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယောတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ ဘဂဝတာ—

“သဗ္ဗဘိဘူ သဗ္ဗဝိဒူဟမသ္မိ၊

သဗ္ဗေသု ဓမ္မေသု အနုပလိတ္တော။

သဗ္ဗဉ္စဟော တဏှာက္ခယေ ဝိမုတ္တော၊

သယံ အဘိညာယ ကမုဒ္ဒိသေယျံ။

န မေ အာစရိယော အတ္ထိ၊ သဒိသော မေ န ဝိဇ္ဇတိ။

သဒေဝကသ္မိံ လောကသ္မိံ၊ နတ္ထိ မေ ပဋိပုဂ္ဂလော။

အဟံ ဟိ အရဟာ လောကေ၊ အဟံ သတ္တာ အနုတ္တရော။

ဧကောမိ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ၊ သီတိဘူတောသ္မိ နိဗ္ဗုတော။

ဓမ္မစက္ကံ ပဝတ္ထေတုံ၊ ဂစ္ဆာမိ ကာသိနံ ပုရံ။

အန္ဓိဘူတသ္မိံ<sup>၁</sup> လောကသ္မိံ၊ အာဟဉ္ဇံ<sup>၂</sup> အမတဒုန္နဘိ”န္တိ<sup>၃</sup>။

ယထာ ခေါ တံ အာဝုသော ပဋိဇာနာသိ၊ အရဟသိ အနန္တဇိနောတိ။

“မာဒိသာ ဝေ ဇိနာ ဟောန္တိ၊ ယေ ပတ္တာ အာသဝက္ခယံ။

ဇိတာ မေ ပါပကာ ဓမ္မာ၊ တသ္မာဟံ ဥပက ဇိနော”တိ<sup>၄</sup>။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော”တိ။

\* ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယောတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ ဘဂဝတာ—“ဣဒံ ဒုက္ခံ အရိယ-သစ္စ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဣဏံ ဥဒပါဒိ၊

၁-အန္ဓိဘူတသ္မိံ (သီ၊ သျာ၊ ကံ၊ ဣ)

၂-အာဟဉ္ဇံ (က)

၂-အာဟဉ္ဇံ (က)

၄-မ ၁-၂၂၇-ဝိဇ္ဇေ။



ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ပရိညေယျ” န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ပရိညာတ” န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ။ ပ။ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ “ဣဒံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စ” န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ပဟာတဗ္ဗ” န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ပဟိန” န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ “ဣဒံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စ” န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ သစ္စိကာတဗ္ဗ” န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ သစ္စိကတ” န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ “ဣဒံ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စ” န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ ဘာဝေတဗ္ဗ” န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိတိ။ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “ဗောဓိသတ္တော ကဿပဿ ဘဂဝတော ပါဝစနေ ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော” တိ။

နိဿာမောက္ခနိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၄-၀၇၈၀၈

(၄၁) ၉-အပရာပိသမန္တာဂတကထာ

၄၀၆။ \* အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော တိဟိ ဖလေဟိ  
သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော  
စတူဟိ ဖဿေဟိ။ စတူဟိ ဝေဒနာဟိ။ စတူဟိ သညာဟိ။ စတူဟိ စေတနာဟိ။  
စတူဟိ စိတ္တေဟိ။ စတူဟိ သဒ္ဓါဟိ။ စတူဟိ ဝီရိယေဟိ။ စတူဟိ သတိဟိ။ စတူဟိ  
သမာဓိဟိ။ စတူဟိ ပညာဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* အနာဂါမိဖလသတ္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ခွဲဟိ ဖလေဟိ သမန္တာ-  
ဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဖလသတ္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော  
တိဟိ ဖဿေဟိ။ တိဟိ ဝေဒနာဟိ။ပ။ တိဟိ ပညာဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္ထုဗ္ဗေ။ပ။

၁-ဒုက္ခသမုဒယော (သျှာ၊ ကံ)

၂-ဒုက္ခနိရောဓော (သျှာ၊ကံ)

၃-၈ ၃-၁၅၊ သံ ၃-၃၆၉ ပိဋကေ စ။



\* သကဒါဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒွိဟိ ဖဿေဟိ။ ဒွိဟိ ဝေဒနာဟိ။ပ။ ဒွိဟိ ပညာဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတ္တသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပန္နော သတ္တက္ခတ္တုပရမော၊ ကောလံကောလော၊ ဧကမိဇ္ဇိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတ္တသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတ္တသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော အနာဂါမိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော အနာဂါမိ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ၊ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ၊ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ၊ သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ၊ ဥဒ္ဓိသောတော အကနိဋ္ဌဂါမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပန္နော သတ္တက္ခတ္တုပရမော၊ ကောလံကောလော၊ ဧကမိဇ္ဇိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သကဒါဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပန္နော သတ္တက္ခတ္တုပရမော၊ ကောလံကောလော၊ ဧကမိဇ္ဇိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၀၇။ \* သောတာပတ္တိဖလေန သမန္တာဂတော “သောတာပန္နော”တိ ဝတ္တဗ္ဗေတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော



၄၀၈။ \* အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာ-  
ပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ  
ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တော၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော  
သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတော”တိ။



\* အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိ-  
 ဝတ္တော တေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ  
 ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိမဂ္ဂံ ဝိတိဝတ္တော၊ သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ ဝိစိကိန္တံ  
 သီလဗ္ဗတပရာမာသံ အပါယဂမနိယံ ရာဂံ အပါယဂမနိယံ ဒေါသံ အပါယ-  
 ဂမနိယံ မောဟံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိဖလေန  
 သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော  
 ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတ္တသစ္စိ-  
 ကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တော၊ နော စ  
 ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါ-  
 ဂါမိဖလေန သမန္ဓာဂတော”တိ။

\* အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိဖလံ  
 ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ  
 ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိမဂ္ဂံ ဝိတိဝတ္တော၊ ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ  
 ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော အနာဂါမိဖလေန သမန္ဓာ-  
 ဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော အနာ-  
 ဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော  
 ပုဂ္ဂလော အနာဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတ္တ-  
 သစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော အနာဂါမိဖလေန သမန္ဓာဂတော”တိ။

\* အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော အနာဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တော  
 တေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော  
 ပုဂ္ဂလော အနာဂါမိမဂ္ဂံ ဝိတိဝတ္တော၊ အဏုသဟဂတံ ကာမရာဂံ အဏုသဟဂတံ  
 ဗျာပါဒံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၀၉။ \* အနာဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာ-  
 ပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နန အနာဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ  
 ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
 အနာဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိ-  
 ဝတ္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနာဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော  
 ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတော”တိ။



\* အနာဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္နာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိမဂ္ဂံ ဝိတိဝတ္တော၊ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ။ပ။ အပါယဂမနိယံ မောဟံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္နာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိဖလေန သမန္နာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အနာဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနာဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိဖလေန သမန္နာဂတော”တိ။

\* အနာဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိဖလံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္နာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သကဒါဂါမိမဂ္ဂံ ဝိတိဝတ္တော၊ ဩဠာရိကံ ကာမရာဂံ ဩဠာရိကံ ဗျာပါဒံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္နာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၁၀။ \* သကဒါဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလေန သမန္နာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု သကဒါဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သကဒါဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သကဒါဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလေန သမန္နာဂတော”တိ။

\* သကဒါဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္နာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဖလသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိမဂ္ဂံ ဝိတိဝတ္တော၊ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ။ပ။ အပါယဂမနိယံ မောဟံ ဝိတိဝတ္တော တေန သမန္နာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၁၁။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရဟတ္တသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော တိဟိ ဖလေဟိ သမန္နာဂတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု အရဟတ္တသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလေန တိဏိ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတ္တသစ္စာကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလေန တိဏိ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ၊



တေဟိ စ အပရိဟိနော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတ္တသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော တိဟိ ဖလေဟိ သမန္ဓာဂတော”တိ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “အနာဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒွိဟိ ဖလေဟိ သမန္ဓာဂတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အနာဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နေန ပုဂ္ဂလေန ခွေ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နေန ပုဂ္ဂလေန ခွေ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနာဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒွိဟိ ဖလေဟိ သမန္ဓာဂတော”တိ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “သကဒါဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန သကဒါဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နေန ပုဂ္ဂလေန သောတာပတ္တိဖလံ ပဋိလဒ္ဓံ၊ တေန စ အပရိဟိနောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သကဒါဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နေန ပုဂ္ဂလေန သောတာပတ္တိဖလံ ပဋိလဒ္ဓံ၊ တေန စ အပရိဟိနော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သကဒါဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလေန သမန္ဓာဂတော”တိ။

၄၁၂။ \* အရဟတ္တသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နေန ပုဂ္ဂလေန တိဏိ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ အရဟတ္တသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော တိဟိ ဖလေဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နေန ပုဂ္ဂလေန စတ္တာရော မဂ္ဂါ ပဋိလဒ္ဓါ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ အရဟတ္တသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော စတူဟိ မဂ္ဂေဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အနာဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နေန ပုဂ္ဂလေန ခွေ ဖလာနိ ပဋိလဒ္ဓါနိ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ အနာဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒွိဟိ ဖလေဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နေန ပုဂ္ဂလေန တယော မဂ္ဂါ ပဋိလဒ္ဓါ၊ တေဟိ စ အပရိဟိနောတိ အနာဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော တိဟိ မဂ္ဂေဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သကဒါဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နေန ပုဂ္ဂလေန သောတာပတ္တိဖလံ ပဋိလဒ္ဓံ၊ တေန စ အပရိဟိနောတိ သကဒါဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော



ပုဂ္ဂလော သောတာပတ္တိဖလေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိ-  
ဖလသတ္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နေန ပုဂ္ဂလေန ဒွေ မဂ္ဂါ ပဋိလဒ္ဓါ၊ တေဟိ စ  
အပရိဟိနောတိ၊ သကဒါဂါမိဖလသတ္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ပုဂ္ဂလော ဒွိဟိ  
မဂ္ဂေဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အပရာပိ သမန္တာဂတကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၄-စတုတ္ထဝဂ္ဂ

#### (၄၂) ၁၀-သဗ္ဗသံယောဇနပ္ပဟာနကထာ

၄၁၃။ \* သဗ္ဗသံယောဇနာနံ ပဟာနံ အရဟတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တ-  
မဂ္ဂေန သဗ္ဗေ သံယောဇနာ ပဟိယန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတ္တမဂ္ဂေန သဗ္ဗေ သံယောဇနာ ပဟိယန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တ-  
မဂ္ဂေန သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ ဝိစိကိန္တံ သီလဗ္ဗတပရာမာသံ ပဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတ္တမဂ္ဂေန သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ ဝိစိကိန္တံ သီလဗ္ဗတပရာမာသံ ပဇဟတိတိ၊  
အာမန္တာ။ နနု တိဏ္ဍံ သံယောဇနာနံ ပဟာနံ သောတာပတ္တိဖလံ ဝုတ္တံ  
ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ တိဏ္ဍံ သံယောဇနာနံ ပဟာနံ သောတာ-  
ပတ္တိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတ္တမဂ္ဂေန  
သဗ္ဗေ သံယောဇနာ ပဟိယန္တိ”တိ။

၄၁၄။ \* အရဟတ္တမဂ္ဂေန သဗ္ဗေ သံယောဇနာ ပဟိယန္တိတိ၊ အာမန္တာ။  
အရဟတ္တမဂ္ဂေန ဩဠာရိကံ ကာမရာဂံ ဩဠာရိကံ ဗျာပါဒံ ပဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၁၅။ \* အရဟတ္တမဂ္ဂေန ဩဠာရိကံ ကာမရာဂံ ဩဠာရိကံ ဗျာပါဒံ  
ပဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ကာမရာဂဗျာပါဒါနံ တနုဘာဝံ သကဒါဂါမိဖလံ  
ဝုတ္တံ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကာမရာဂဗျာပါဒါနံ တနုဘာဝံ သကဒါ-  
ဂါမိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတ္တမဂ္ဂေန သဗ္ဗေ  
သံယောဇနာ ပဟိယန္တိ”တိ။



\* အရဟတ္တမဂ္ဂေန သဗ္ဗေ သံယောဇနာ ပဟိယန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တမဂ္ဂေန အဏုသဟဂတံ ကာမရာဂံ အဏုသဟဂတံ ဗျာပါဒံ ပဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၁၆။ \* အရဟတ္တမဂ္ဂေန အဏုသဟဂတံ ကာမရာဂံ အဏုသဟဂတံ ဗျာပါဒံ ပဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ နန ကာမရာဂဗျာပါဒါနံ အနဝသေသပ္ပဟာနံ အနာဂါမိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကာမရာဂဗျာပါဒါနံ အနဝသေသပ္ပဟာနံ အနာဂါမိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတ္တမဂ္ဂေန သဗ္ဗေ သံယောဇနာ ပဟိယန္တိ”တိ။

\* အရဟတ္တမဂ္ဂေန သဗ္ဗေ သံယောဇနာ ပဟိယန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ နန ရူပရာဂအရူပရာဂ မာန ဥဒ္ဓစ္စ အဝိဇ္ဇာယ အနဝသေသပ္ပဟာနံ အရဟတ္တံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ရူပရာဂ အရူပရာဂ မာန ဥဒ္ဓစ္စ အဝိဇ္ဇာယ အနဝသေသပ္ပဟာနံ အရဟတ္တံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတ္တမဂ္ဂေန သဗ္ဗေ သံယောဇနာ ပဟိယန္တိ”တိ။

၄၁၇။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သဗ္ဗသံယောဇနာနံ ပဟာနံ အရဟတ္တ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အရဟတော သဗ္ဗေ သံယောဇနာ ပဟိနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော သဗ္ဗေ သံယောဇနာ ပဟိနာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗသံယောဇနာနံ ပဟာနံ အရဟတ္တ”န္တိ။

သဗ္ဗသံယောဇနပ္ပဟာနကထာ နိဋ္ဌိတာ။

စတုတ္ထော ဝဂ္ဂေါ။

### တသျဒ္ဓါနံ

ဂိဟိဿ အရဟာ၊ သဟ ဥပပတ္တိယာ အရဟာ၊ အရဟတော သဗ္ဗေ ဓမ္မာ အနာသဝါ၊ အရဟာ စတုဟိ ဖလေဟိ သမန္နာဂတော၊ ဧဝမေဝံ ဆဟိ ဥပေက္ခာဟိ၊ ဗောဓိယာ ဗုဒ္ဓေါ၊ သလက္ခဏသမန္နာဂတော၊ ဗောဓိသတ္တော ဩက္ကန္တနိယာမော စရိတဗြဟ္မစရိယော၊ ပဋိပန္နကော ဖလေန သမန္နာဂတော၊ သဗ္ဗသံယောဇနာနံ ပဟာနံ အရဟတ္တန္တိ။



(၄၃) ခ-မိမိကော

၄၂၀။ \*သောတာပတ္တိဖလသမင်္ဂါယ ပုဂ္ဂလဿ ဝိမုတ္တိဉာဏံ ဝိမုတ္တန္တံ စ ဖလံ  
ပတ္တဿ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ



ပုဂ္ဂလဿ ဝိမုတ္တိဉာဏံ ဝိမုတ္တန္တံ စ ဖလံ ပတ္တဿ ဉာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
 သကဒါဂါမိဖလသမင်္ဂဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိမုတ္တိဉာဏံ ဝိမုတ္တန္တံ စ ဖလံ ပတ္တဿ  
 ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ  
 ဝိမုတ္တိဉာဏံ ဝိမုတ္တန္တံ စ ဖလံ ပတ္တဿ ဉာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အနာဂါမိ-  
 ဖလသမင်္ဂဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိမုတ္တိဉာဏံ ဝိမုတ္တန္တံ စ ဖလံ ပတ္တဿ ဉာဏန္တိ၊  
 အာမန္တာ။ အနာဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိမုတ္တိဉာဏံ  
 ဝိမုတ္တန္တံ စ ဖလံ ပတ္တဿ ဉာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရဟတ္တဖလသမင်္ဂဿ  
 ပုဂ္ဂလဿ ဝိမုတ္တိဉာဏံ ဝိမုတ္တန္တံ စ ဖလံ ပတ္တဿ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။  
 အရဟတ္တသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိမုတ္တိဉာဏံ ဝိမုတ္တန္တံ စ ဖလံ  
 ပတ္တဿ ဉာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ဝိမုတ္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၅-ပဉ္စမဝဂ္ဂ

### (၄၄) ၂-အသေခဉာဏကထာ

၄၂၁။ \* သေခဿ အသေခံ ဉာဏံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ သေခေါ အသေခံ  
 ဓမ္မံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ဒိဋ္ဌံ ဝိဒိတံ သန္တိကတံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ကာယေန  
 ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန သေခေါ အသေခံ ဓမ္မံ  
 န ဇာနာတိ န ပဿတိ အဒိဋ္ဌံ အဝိဒိတံ အသန္တိကတံ န ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။  
 န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ သေခေါ အသေခံ ဓမ္မံ န  
 ဇာနာတိ န ပဿတိ အဒိဋ္ဌံ အဝိဒိတံ အသန္တိကတံ န ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊  
 န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သေခဿ  
 အသေခံ ဉာဏံ အတ္ထိ”တိ။

\* အသေခဿ အသေခံ ဉာဏံ အတ္ထိ အသေခေါ အသေခံ ဓမ္မံ ဇာနာတိ  
 ပဿတိ၊ ဒိဋ္ဌံ ဝိဒိတံ သန္တိကတံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ကာယေန ဖုဿိတွာ  
 ဝိဟရတိတိ၊ အာမန္တာ။ သေခဿ အသေခံ ဉာဏံ အတ္ထိ သေခေါ အသေခံ ဓမ္မံ  
 ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ဒိဋ္ဌံ ဝိဒိတံ သန္တိကတံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ ကာယေန ဖုဿိတွာ  
 ဝိဟရတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၄၂၂။ \* သေခဿ အသေခံ ဉာဏံ အတ္တိံ သေခေါ အသေခံ ဓမ္မံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ။ အဒိဋ္ဌံ အဝိဒိတံ အသန္တိကတံ န ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိတိ။ အာမန္တာ။ အသေခဿ အသေခံ ဉာဏံ အတ္တိံ အသေခေါ အသေခံ ဓမ္မံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ အဒိဋ္ဌံ အဝိဒိတံ အသန္တိကတံ န ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ န ကာယေန ဖုဿိတွာ ဝိဟရတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သေခဿ အသေခံ ဉာဏံ အတ္တိတိ။ အာမန္တာ။ ဂေါတြဘုနော ပုဂ္ဂလဿ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေ ဉာဏံ အတ္တိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သောတာပတ္တိဖလ-သန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ သောတာပတ္တိဖလေ ဉာဏံ အတ္တိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သကဒါဂါမိဖလ။ အနာဂါမိဖလ။ အရဟတ္တသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အရဟတ္တေ ဉာဏံ အတ္တိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၄၂၃။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သေခဿ အသေခံ ဉာဏံ အတ္တိ”တိ။ အာမန္တာ။ နန အာယသ္မာ အာနန္ဒော သေခေါ “ဘဂဝါ ဥဠာရော”တိ ဇာနာတိ။ “သာရိပုတ္တော ထေရော၊ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော ထေရော ဥဠာရော”တိ ဇာနာတိတိ။ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အာယသ္မာ အာနန္ဒော သေခေါ “ဘဂဝါ ဥဠာရော”တိ ဇာနာတိ။ “သာရိပုတ္တော ထေရော၊ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော ထေရော ဥဠာရော”တိ ဇာနာတိ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သေခဿ အသေခံ ဉာဏံ အတ္တိ”တိ။

အသေခဉာဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၅-ပဉ္စမဝဂ္ဂ

### (၄၅) ၃-ဝိပရိတကထာ

၄၂၄။ \* ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ<sup>၁</sup> သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏန္တိ။ အာမန္တာ။ အနိစ္စေ “နိစ္စ”န္တိ ဝိပရိယေသောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဒုက္ခေ “သုခ”န္တိ။ ပ။ အနတ္တနိ “အတ္တာ”တိ။ ပ။ အသုဘေ “သုဘ”န္တိ ဝိပရိယေသောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၁-ပထဝီကသိဏသမာပတ္တိံ (သီက)



\* ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နနု ကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကုသလံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏ”န္တိ။

\* အနိစ္စေ “နိစ္စ”န္တိ ဝိပရိယေသော၊ သော စ အကုသလောတိ၊ အာမန္တာ။ ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏံ တဉ္စ အကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒုက္ခေ “သုခ”န္တိ။ပ။ အနတ္တနိ “အတ္တာ”တိ။ပ။ အသုဘော “သုဘန္တိ” ဝိပရိယေသော၊ သော စ အကုသလောတိ၊ အာမန္တာ။ ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏံ တဉ္စ အကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၂၅။ \* ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏံ၊ တဉ္စ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနိစ္စေ “နိစ္စ”န္တိ ဝိပရိယေသော၊ သော စ ကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏံ၊ တဉ္စ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒုက္ခေ “သုခ”န္တိ။ပ။ အနတ္တနိ “အတ္တာ”တိ။ပ။ အသုဘော “သုဘ”န္တိ ဝိပရိယေသော၊ သော စ ကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၂၆။ \* ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတာ ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပဇ္ဇေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတာ ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပဇ္ဇေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏ”န္တိ။

\* ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏံ၊ အရဟတာ ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပဇ္ဇေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော ဝိပရိယေသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ အရဟတော ဝိပရိယေသောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရဟတော သညာဝိပရိယေသော စိတ္တဝိပရိယေသော ဒိဋ္ဌိဝိပရိယေသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နတ္ထိ အရဟတော သညာဝိပရိယေသော စိတ္တဝိပရိယေသော ဒိဋ္ဌိဝိပရိယေသောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ အရဟတော သညာဝိပရိယေသော



စိတ္တဝိပရိယေသော ဒိဋ္ဌိဝိပရိယေသော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော ဝိပရိယေသော”တိ။

၄၂၇။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပဇ္ဇန္တဿ သဗ္ဗေဝ ပထဝီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏန္တိ။

\* ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ပထဝီ အတ္ထိ၊ အတ္ထိ စ ကောစိ ပထဝီ ပထဝီတော သမာပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပထဝီ အတ္ထိ၊ အတ္ထိ စ ကောစိ ပထဝီ ပထဝီတော သမာပဇ္ဇတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏ”န္တိ။

\* ပထဝီ အတ္ထိ၊ ပထဝီ ပထဝီတော သမာပဇ္ဇန္တဿ ဝိပရိတံ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ အတ္ထိ၊ နိဗ္ဗာနံ နိဗ္ဗာနတော သမာပဇ္ဇန္တဿ ဝိပရိတံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ ဝိပရိတေ ဉာဏ”န္တိ။

ဝိပရိတကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၅-ပဉ္စမဝဂ္ဂ

### (၄၆) ၄-နိယာမကထာ

၄၂၈။ \* အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ အတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နိယတဿ အနိယာမဂမနာယ အတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* နိယတဿ အနိယာမဂမနာယ နတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ နတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ အတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နိယတဿ နိယာမဂမနာယ အတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* နိယတဿ နိယာမဂမနာယ နတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ နတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



\* အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ အတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနိယတဿ အနိယာမဂမနာယ အတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနိယတဿ အနိယာမဂမနာယ နတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ နတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၂၉။ \* အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ အတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ အတ္ထိ နိယာမောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ အတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ အတ္ထိ သတိပဋ္ဌာနာ။ သမ္ပပ္ပဓာနာ။ ဣဒ္ဓိပါဒါ။ ဣန္ဒြိယာ။ ဗလာ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ နတ္ထိ နိယာမောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ နတ္ထိ နိယာမော၊ နော ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ အတ္ထိ ဉာဏ”န္တိ။

\* အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ နတ္ထိ သတိပဋ္ဌာနာ။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ နတ္ထိ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ၊ နော ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ အတ္ထိ ဉာဏ”န္တိ။

၄၃၀။ \* အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ အတ္ထိ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဂေါတြဘုနော ပုဂ္ဂလဿ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေ ဉာဏံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သောတာပတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ သောတာပတ္တိဖလေ ဉာဏံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရဟတ္တသန္တိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အရဟတ္တေ ဉာဏံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၃၁။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ အတ္ထိ ဉာဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါဇာနာတိ “အယံ ပုဂ္ဂလော သမ္ပတ္တနိယာမံ ဩက္ကမိဿတိ၊ ဘဗ္ဗော အယံ ပုဂ္ဂလော ဓမ္မံ အဘိသမေတု”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ဘဂဝါဇာနာတိ “အယံ ပုဂ္ဂလော သမ္ပတ္တနိယာမံ ဩက္ကမိဿတိ၊ ဘဗ္ဗော အယံ ပုဂ္ဂလော ဓမ္မံ အဘိသမေတု”၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနိယတဿ နိယာမဂမနာယ အတ္ထိ ဉာဏ”န္တိ။

နိယာမကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၅-ပဉ္စမဝဂ္ဂ

## (၄၇) ၅-ပဋိသန္တိဒါကထာ

၄၃၂။ \* သဗ္ဗံ ဉာဏံ ပဋိသန္တိဒါတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္ဗုဒ္ဓိဗျာကကထာ ပဋိသန္တိဒါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗျေ။ပ။ သမ္ဗုဒ္ဓိဗျာကကထာ ပဋိသန္တိဒါတိ၊ အာမန္တာ။ ယေ ကေမိ သမ္ဗုဒ္ဓိဗျာကကထာ ဇာနန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ပဋိသန္တိဒါပတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗျေ။ပ။ သဗ္ဗံ ဉာဏံ ပဋိသန္တိဒါတိ၊ အာမန္တာ။ စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ ပဋိသန္တိဒါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗျေ။ပ။ စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ ပဋိသန္တိဒါတိ၊ အာမန္တာ။ ယေ ကေမိ ပရိယာယေ ဇာနန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ပဋိသန္တိဒါပတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗျေ။ပ။

\* သဗ္ဗံ ဉာဏံ ပဋိသန္တိဒါတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗာ ပညာ ပဋိသန္တိဒါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗျေ။ပ။ သဗ္ဗာ ပညာ ပဋိသန္တိဒါတိ၊ အာမန္တာ။ ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ပညာ၊ သာ ပညာ ပဋိသန္တိဒါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗျေ။ပ။ အာပေါကသိဏံ။ပ။ တေဇောကသိဏံ။ပ။ ဝါယောကသိဏံ။ပ။ နီလကသိဏံ။ပ။ ပီတကသိဏံ။ပ။ လောဟိတကသိဏံ။ပ။ ဩဒါတကသိဏံ။ပ။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ။ပ။ ဝိညာဏဉ္စာယတနံ။ပ။ အာကိဉ္စညာယတနံ။ပ။ နေဝသညာနာသညာယတနံ သမာပန္နဿ။ပ။ ဒါနံ ဒဒန္တဿ။ပ။ စီဝရံ ဒဒန္တဿ။ပ။ ပိဏ္ဍပိတံ ဒဒန္တဿ။ပ။ သေနာသနံ ဒဒန္တဿ။ပ။ ဂိလာန-ပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒဒန္တဿ အတ္ထိ ပညာ၊ သာ ပညာ ပဋိသန္တိဒါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗျေ။ပ။

၄၃၃။ † န ဝတ္ထုဗျေ “သဗ္ဗံ ဉာဏံ ပဋိသန္တိဒါ”တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ လောကုတ္တရာ ပညာ၊ သာ ပညာ န ပဋိသန္တိဒါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗျေ။ပ။ တေန ဟိ သဗ္ဗံ ဉာဏံ ပဋိသန္တိဒါတိ။

ပဋိသန္တိဒါကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၅-ပဉ္စမဝဂ္ဂ

## (၄၈) ၆-သမ္ဗုဒ္ဓိဗျာကကထာ

၄၃၄။ † န ဝတ္ထုဗျေ “သမ္ဗုဒ္ဓိဗျာကကထာ သစ္စာရမ္မဏညေဝ န အညာရမ္မဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဉာဏံ၊



ပထဝီကသိဏန္တ သမ္မုတိသစ္စမှိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဉာဏံ၊ ပထဝီကသိဏန္တ သမ္မုတိသစ္စမှိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမ္မုတိဉာဏံ သစ္စာရမ္မဏညေဝ န အညာရမ္မဏ”န္တိ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “သမ္မုတိဉာဏံ သစ္စာရမ္မဏညေဝ န အညာရမ္မဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ပ။ နန အာပေါကသိဏံ။ပ။ တေဇောကသိဏံ။ပ။ ဂိလနပစ္စယ-ဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒဒန္တဿ အတ္ထိ ဉာဏံ၊ ဂိလနပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရော စ သမ္မုတိသစ္စမှိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ဂိလနပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒဒန္တဿ အတ္ထိ ဉာဏံ၊ ဂိလနပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရော စ သမ္မုတိသစ္စမှိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမ္မုတိဉာဏံ သစ္စာရမ္မဏညေဝ န အညာရမ္မဏ”န္တိ။

၄၃၅။ \* သမ္မုတိဉာဏံ သစ္စာရမ္မဏညေဝ န အညာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဉာဏေန ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ။ သမုဒယံ ပဇဟတိ။ နိရောဓံ သစ္စိကရေတိ။ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

သမ္မုတိဉာဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၅-ပဉ္စမဝဂ္ဂ

### (၄၉) ၇-စိတ္တာရမ္မဏကထာ

၄၃၆။ \* စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ စိတ္တာရမ္မဏညေဝ န အညာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကောစိ “သရာဂံ စိတ္တံ သရာဂံ စိတ္တ”န္တိ ပဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အတ္ထိ ကောစိ “သရာဂံ စိတ္တံ သရာဂံ စိတ္တ”န္တိ ပဇာနာတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ စိတ္တာရမ္မဏညေဝ န အညာရမ္မဏ”န္တိ။

\* နန အတ္ထိ ကောစိ ဝိတရာဂံ စိတ္တံ။ပ။ သဒေါသံ စိတ္တံ၊ ဝိတဒေါသံ စိတ္တံ၊ သမောဟံ စိတ္တံ၊ ဝိတမောဟံ စိတ္တံ၊ သံခိတ္တံ စိတ္တံ၊ ဝိက္ခိတ္တံ စိတ္တံ၊ မဟဂ္ဂတံ စိတ္တံ၊ အမဟဂ္ဂတံ စိတ္တံ၊ သဥတ္တရံ စိတ္တံ၊ အနုတ္တရံ စိတ္တံ၊ သမာဟိတံ စိတ္တံ၊ အသမာဟိတံ စိတ္တံ၊ ဝိမုတ္တံ စိတ္တံ။ပ။ အဝိမုတ္တံ စိတ္တံ “အဝိမုတ္တံ စိတ္တ”န္တိ ပဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အတ္ထိ ကောစိ “အဝိမုတ္တံ စိတ္တံ အဝိမုတ္တံ စိတ္တ”န္တိ ပဇာနာတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ စိတ္တာရမ္မဏညေဝ န အညာရမ္မဏ”န္တိ။



၄၃၇။ \* ဖဿာရမ္ပဏေ ဉာဏံ ဝတ္တဗ္ဗံ “စေတောပရိယာယေ ဉာဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဖဿာရမ္ပဏေ ဉာဏံ ဝတ္တဗ္ဗံ စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ စိတ္တာရမ္ပဏညေဝ န အညာရမ္ပဏ”န္တိ၊ ဝေဒနာရမ္ပဏေ ဉာဏံ။ပ။ သညာရမ္ပဏေ ဉာဏံ၊ စေတနာရမ္ပဏေ ဉာဏံ၊ စိတ္တာရမ္ပဏေ ဉာဏံ၊ သဒ္ဓါရမ္ပဏေ ဉာဏံ၊ ဝီရိယာရမ္ပဏေ ဉာဏံ၊ သတာရမ္ပဏေ ဉာဏံ၊ သမာဓာရမ္ပဏေ ဉာဏံ၊ ပညာရမ္ပဏေ ဉာဏံ၊ ရာဂါရမ္ပဏေ ဉာဏံ၊ ဒေါသာရမ္ပဏေ ဉာဏံ၊ မောဟာရမ္ပဏေ ဉာဏံ။ပ။ အနောတ္တပ္ပါရမ္ပဏေ ဉာဏံ ဝတ္တဗ္ဗံ “စေတောပရိယာယေ ဉာဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနောတ္တပ္ပါရမ္ပဏေ ဉာဏံ ဝတ္တဗ္ဗံ စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ စိတ္တာရမ္ပဏညေဝ န အညာရမ္ပဏ”န္တိ။

\* ဖဿာရမ္ပဏေ ဉာဏံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “စေတောပရိယာယေ ဉာဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဖဿပရိယာယေ ဉာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဝေဒနာရမ္ပဏေ ဉာဏံ။ပ။ သညာရမ္ပဏေ ဉာဏံ။ပ။ အနောတ္တပ္ပါရမ္ပဏေ ဉာဏံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “စေတောပရိယာယေ ဉာဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ အနောတ္တပ္ပပရိယာယေ ဉာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၃၈။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ စိတ္တာရမ္ပဏညေဝ န အညာရမ္ပဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု စေတောပရိယာယေ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ စိတ္တာရမ္ပဏညေဝ န အညာရမ္ပဏ”န္တိ။

စိတ္တာရမ္ပဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၅-ပဉ္စမဝဂ္ဂ

### (၅၀) ဂ-အနာဂတဉာဏကထာ

၄၃၉။ \* အနာဂတေ ဉာဏံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ မူလတော ဇာနာတိ၊ ဟေတုတော ဇာနာတိ၊ နိဒါနတော ဇာနာတိ၊ သမ္ဘဝတော ဇာနာတိ၊ ပဘဝတော ဇာနာတိ၊ သမုဋ္ဌာနတော ဇာနာတိ၊ အာဟာရတော



ဇာနတ်၊ အာရမ္မဏတော ဇာနတ်၊ ပစ္စယတော ဇာနတ်၊ သမုဒယတော ဇာနတ်၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂတေ ဉာဏံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတံ ဟေတုပစ္စယတံ ဇာနတ်၊ အာရမ္မဏပစ္စယတံ ဇာနတ်၊ အဓိပတိပစ္စယတံ ဇာနတ်၊ အနန္တရပစ္စယတံ ဇာနတ်၊ သမနန္တရပစ္စယတံ ဇာနတ်၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂတေ ဉာဏံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဂေါတြဘုနော ပုဂ္ဂလဿ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေ ဉာဏံ အတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သောတာပတ္တိဖလ-သစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ သောတာပတ္တိဖလေ ဉာဏံ အတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သကဒါဂါမိ။ပ။ အနာဂါမိ။ပ။ အရဟတ္တသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အရဟတ္တေ ဉာဏံ အတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၄၀။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အနာဂတေ ဉာဏံ အတ္တိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္တံ ဘဂဝတာ “ပါဠိပုတ္တဿ ခေါ အနန္တ တယော အန္တရာယာ ဘဝိဿန္တိ အဂ္ဂိတော ဝါ ဥဒကတော ဝါ ဖိထုဘေဒါ ဝါ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အနာဂတေ ဉာဏံ အတ္တိတိ။

အနာဂတဉာဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၅-ပဉ္စမဝဂ္ဂ

### (၅၁) ၉-ပဋုပ္ပန္နကထာ

၄၄၁။ \* ပဋုပ္ပန္နံ ဉာဏံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဉာဏေန တံ ဉာဏံ၊ ဇာနတ်၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဉာဏေန တံ ဉာဏံ ဇာနတ်၊ အာမန္တာ။ တေန ဉာဏေန တံ ဉာဏံ “ဉာဏ”န္တိ ဇာနတ်၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဉာဏေန တံ ဉာဏံ “ဉာဏ”န္တိ ဇာနတ်၊ အာမန္တာ။ တံ ဉာဏံ တဿ ဉာဏဿ အာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* တံ ဉာဏံ တဿ ဉာဏဿ အာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဖဿေန တံ ဖဿံ ဖုသတိ။ တာယ ဝေဒနာယ တံ ဝေဒနံ ဝေဒေတိ။ တာယ သညာယ တံ သညံ သညာနာတိ။ တာယ စေတနာယ တံ စေတနံ စေတေတိ။ တေန စိတ္တေန တံ စိတ္တံ စိန္တေတိ။ တေန ဝိတက္ကေန တံ ဝိတက္ကံ ဝိတက္ကေတိ။ တေန ဝိစာရေန တံ ဝိစာရံ ဝိစာရေတိ။ တာယ ဝီတိယာ တံ ဝီတိံ ဝီယာယတိ။ တာယ သတိယာ တံ သတိံ သရေတိ။ တာယ ပညာယ တံ ပညံ ပဇာနာတိ။ တေန ခဂ္ဂေန တံ ခဂ္ဂံ ဆိန္တေတိ။ တေန ဖရသုနာ တံ ဖရသု တစ္ဆေတိ။ တာယ ကုဓာရိယာ တံ ကုဓာရိံ တစ္ဆေတိ။ တာယ ဝါသိယာ တံ ဝါသိံ တစ္ဆေတိ။ တာယ သူစိယာ တံ သူစိံ သိဗ္ဗေတိ။ တေန အင်္ဂုလဂ္ဂေန တံ အင်္ဂုလဂ္ဂံ ပရာမသတိ။ တေန နာသိကဂ္ဂေန တံ နာသိကဂ္ဂံ ပရာမသတိ။ တေန မတ္တကေန တံ မတ္တကံ ပရာမသတိ။ တေန ဂူထေန တံ ဂူထံ ဓောဝတိ။ တေန မုတ္တေန တံ မုတ္တံ ဓောဝတိ။ တေန ခေဋ္ဌေန တံ ခေဋ္ဌံ ဓောဝတိ။ တေန ပုဗ္ဗေန တံ ပုဗ္ဗံ ဓောဝတိ။ တေန လောဟိတေန တံ လောဟိတံ ဓောဝတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၄၄၂။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပဋုပ္ပန္န ဉာဏံ အတ္ထိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန သဗ္ဗသင်္ခါရေ အနိစ္စတော ဒိဋ္ဌေ တမ္ပိ ဉာဏံ အနိစ္စတော ဒိဋ္ဌံ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သဗ္ဗသင်္ခါရေ အနိစ္စတော ဒိဋ္ဌေ တမ္ပိ ဉာဏံ အနိစ္စတော ဒိဋ္ဌံ ဟောတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပဋုပ္ပန္န ဉာဏံ အတ္ထိ”တိ။

ပဋုပ္ပန္နဉာဏကထာ<sup>၁</sup> နိဋ္ဌိတာ။

## ၅-ပဉ္စမဝဂ္ဂ

### (၅၂) ၁၀-ဖလဉာဏကထာ

၄၄၃။ \* သာဝကဿ ဖလေ ဉာဏံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ သာဝကော ဖလဿကတံ ပညာပေတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သာဝကဿ ဖလေ ဉာဏံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ သာဝကဿ ဖလပရောပရိယတ္တိ ဣန္ဒြိယပရောပရိယတ္တိ ပုဂ္ဂလပရောပရိယတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



\* သာဝကဿ ဖလေ ဉာဏံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္တိ သာဝကဿ ခန္ဓပညတ္တိ အာယတနပညတ္တိ ဓာတုပညတ္တိ သစ္စပညတ္တိ ဣန္ဒြိယပညတ္တိ ပုဂ္ဂလ-  
ပညတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သာဝကဿ ဖလေ ဉာဏံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သာဝကော ဇိနော သတ္တာ  
သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ သဗ္ဗညူ သဗ္ဗဒဿာဝိ ဓမ္မဿာမီ ဓမ္မပ္ပဋိသရဏောတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သာဝကဿ ဖလေ ဉာဏံ အတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သာဝကော အနုပ္ပန္နဿ  
မဂ္ဂဿ ဥပ္ပါဒေတာ အသဉ္ဇာတဿ မဂ္ဂဿ သဉ္ဇနေတာ အနက္ခာတဿ  
မဂ္ဂဿ အက္ခာတာ မဂ္ဂညူ မဂ္ဂဝိဒူ မဂ္ဂကောဝိဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၄၄။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သာဝကဿ ဖလေ ဉာဏံ အတ္တိ”တိ၊ အာမန္တာ။  
သာဝကော အညာဏီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ သာဝကဿ  
ဖလေ ဉာဏံ အတ္တိတိ။ပ။

ဖလဉာဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

ပဉ္စမော ဝဂ္ဂေါ။

### တသုဒ္ဓါနံ

ဝိမုတ္တိဉာဏံ ဝိမုတ္တံ၊ သေခဿ အသေခံ ဉာဏံ၊ ဝိပရိတေ ဉာဏံ၊ အနိယတဿ  
နိယာမဂမနာယ အတ္တိ ဉာဏံ၊ သဗ္ဗံ ဉာဏံ ပဋိသန္တိဒါတိ၊ သမ္မုတိဉာဏံ၊  
စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ၊ အနာဂတေ ဉာဏံ၊ ပဋုပ္ပန္နေ ဉာဏံ၊  
သာဝကဿ ဖလေ ဉာဏန္တိ။

မဟာပဏ္ဏာသကော။

### တဿာမိ ဥဒ္ဓါနံ

သတ္တုပလဒ္ဓိံ၊ ဥပဟရတော၊ ဗလံ၊ ဂိဟိဿ အရဟာ စ၊ ဝိမုတ္တိပဉ္စမန္တိ။



၆-ဆဋ္ဌဝဂ္ဂ

(၅၃) ၁-နိယာမကထာ

၄၄၅။ \*နိယာမော အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ တာဏံ လေဏံ သရဏံ ပရာယနံ အစူတံ အမတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*နိယာမော အသင်္ခတော၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*ခွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ တာဏာနိ ခွေ လေဏာနိ ခွေ သရဏာနိ ခွေ ပရာယနာနိ ခွေ အစူတာနိ ခွေ အမတာနိ ခွေ နိဗ္ဗာနာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*ခွေ နိဗ္ဗာနာနီတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ခိန္တံ နိဗ္ဗာနာနံ ဥစ္စနိဝတာ ဟိနပဏီတတာ ဥက္ကံသာဝကံသော သီမာ ဝါ ဘေဒေါ ဝါ ရာဇိ ဝါ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*နိယာမော အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကေစိ နိယာမံ ဩက္ကမန္တိ ပဋိလဘန္တိ ဥပ္ပါဒေန္တိ သမုပ္ပါဒေန္တိ ဥဋ္ဌာပေန္တိ သမုဋ္ဌာပေန္တိ နိဗ္ဗတ္တေန္တိ အဘိ-  
နိဗ္ဗတ္တေန္တိ ဇနေန္တိ သဉ္ဇနေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကေစိ အသင်္ခတံ ဩက္ကမန္တိ ပဋိလဘန္တိ ဥပ္ပါဒေန္တိ သမုပ္ပါဒေန္တိ ဥဋ္ဌာပေန္တိ သမုဋ္ဌာပေန္တိ နိဗ္ဗတ္တေန္တိ အဘိ-  
နိဗ္ဗတ္တေန္တိ ဇနေန္တိ သဉ္ဇနေန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၄၆။ \*နိယာမော အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ အသင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*မဂ္ဂေါ သင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ နိယာမော သင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*သောတာပတ္တိနိယာမော အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ အသင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ သင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပတ္တိနိယာမော သင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*သကဒါဂါမိနိယာမော။ပ။ အနာဂါမိနိယာမော။ပ။ အရဟတ္တနိယာမော အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တမဂ္ဂေါ အသင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ



ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အရဟတ္တမဂ္ဂေါ သင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တနိယာမော သင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* သောတာပတ္တိနိယာမော အသင်္ခတော။ပ။ အရဟတ္တနိယာမော အသင်္ခတော နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပဉ္စ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ပဉ္စ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ပဉ္စ တာဏာနိ။ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* နိယာမော အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ မိစ္ဆတ္တနိယာမော အသင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ မိစ္ဆတ္တနိယာမော သင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္ပတ္တ- နိယာမော သင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၄၄၇။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “နိယာမော အသင်္ခတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နိယာမေ ဥပ္ပဇ္ဇ နိရုဒ္ဓေ အနိယတော ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ နိယာမော အသင်္ခတောတိ။ မိစ္ဆတ္တနိယာမေ ဥပ္ပဇ္ဇ နိရုဒ္ဓေ အနိယတော ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ မိစ္ဆတ္တနိယာမော အသင်္ခတောတိ။

နိယာမကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၆-ဆဋ္ဌဝဂ္ဂ

### (၅၄) ၂-ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒကထာ

၄၄၈။ \* ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ တာဏံ လေဏံ သရဏံ ပရာယနံ အဇ္ဈတံ အမတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ အသင်္ခတော၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ အသင်္ခတာ- နီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဒွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ တာဏာနိ ဒွေ လေဏာနိ ဒွေ သရဏာနိ ဒွေ ပရာယနာနိ ဒွေ အဇ္ဈတာနိ ဒွေ အမတာနိ ဒွေ နိဗ္ဗာနာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဒွေ နိဗ္ဗာနာနီတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ခြိန္နံ နိဗ္ဗာနာနံ ဥစ္စနိစတာ ဟိနပဏီတတာ ဥက္ကံသာဝကံသော သီမာ ဝါ ဘေဒေါ ဝါ ရာဇိ ဝါ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၄၄၉။ \* ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ အဝိဇ္ဇာ အသင်္ခ- တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အဝိဇ္ဇာ သင်္ခတာတိ၊ အာမန္တာ။ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ



သင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ အဝိဇ္ဇာပစ္စယာ သင်္ခါရာ အသင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အဝိဇ္ဇာပစ္စယာ သင်္ခါရာ သင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ သင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ သင်္ခါရပစ္စယာ ဝိညာဏံ အသင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သင်္ခါရပစ္စယာ ဝိညာဏံ သင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ သင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိညာဏပစ္စယာ နာမရူပံ အသင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဝိညာဏပစ္စယာ နာမရူပံ သင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ သင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဇာတိပစ္စယာ ဇရာမရဏံ အသင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဇာတိပစ္စယာ ဇရာမရဏံ သင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ သင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၄၅၀။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ အသင်္ခတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဇာတိပစ္စယာ ဘိက္ခဝေ ဇရာမရဏံ ဥပ္ပါဒေါ ဝါ တထာဂတာနံ အနုပ္ပါဒေါ ဝါ တထာဂတာနံ ဌိတာဝ သာ ဓာတု ဓမ္မဋ္ဌိတတာ ဓမ္မနိယာမတာ ဣဒပ္ပစ္စယတာ၊ တံ တထာဂတော အဘိသမ္ဗုဇ္ဈတိ အဘိသမေတိ၊ အဘိသမ္ဗုဇ္ဈိတွာ အဘိသမေတွာ အာစိက္ခတိ ဒေသေတိ ပညပေတိ ပဋ္ဌပေတိ ဝိဝရတိ ဝိဘဇတိ ဥတ္တာနိ” ကရေတိ။ ပဿထာတိ စာဟ။ ဇာတိပစ္စယာ ဘိက္ခဝေ ဇရာမရဏံ။ ဘဝပစ္စယာ ဘိက္ခဝေ ဇာတိ။ ပ။ အဝိဇ္ဇာပစ္စယာ ဘိက္ခဝေ သင်္ခါရာ ဥပ္ပါဒေါ ဝါ တထာဂတာနံ အနုပ္ပါဒေါ ဝါ တထာဂတာနံ ဌိတာဝ သာ ဓာတု။ ပ။ ပဿထာတိ စာဟ။ အဝိဇ္ဇာပစ္စယာ ဘိက္ခဝေ သင်္ခါရာ ဣတိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယာ တတြ တထတာ အဝိတထတာ အနညထတာ ဣဒပ္ပစ္စယတာ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ”တိ” အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ အသင်္ခတောတိ။

၄၅၁။ \* အဝိဇ္ဇာပစ္စယာ သင်္ခါရာတိ ယာ တတ္ထ ဓမ္မဋ္ဌိတတာ ဓမ္မနိယာမတာ အသင်္ခတာ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဒွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ တာဏာနိ။ ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



\* အဝိဇ္ဇာပစ္စယာ သင်္ခါရာတိ ယာ တတ္ထ မေဋ္ဌိတတာ မေဋ္ဌိယာမတာ အသင်္ခတာ၊ သင်္ခါရပစ္စယာ ဝိညာဏန္တိ ယာ တတ္ထ မေဋ္ဌိတတာ မေဋ္ဌိယာမတာ အသင်္ခတာ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ တိဏိ အသင်္ခတာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ တိဏိ အသင်္ခတာနိတိ၊ အာမန္တာ။ တိဏိ တာဏာနိ။ ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အဝိဇ္ဇာပစ္စယာ သင်္ခါရာတိ ယာ တတ္ထ မေဋ္ဌိတတာ မေဋ္ဌိယာမတာ အသင်္ခတာ၊ သင်္ခါရပစ္စယာ ဝိညာဏန္တိ ယာ တတ္ထ မေဋ္ဌိတတာ မေဋ္ဌိယာမတာ အသင်္ခတာ။ ပ။ ဇာတိပစ္စယာ ဇရာမရဏန္တိ ယာ တတ္ထ မေဋ္ဌိတတာ မေဋ္ဌိယာမတာ အသင်္ခတာ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒွါဒသ အသင်္ခတာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဒွါဒသ အသင်္ခတာနိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွါဒသ တာဏာနိ၊ ဒွါဒသ လေဏာနိ။ ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၆-ဆဋ္ဌဝဂ္ဂ

### (၅၅) ၃-သစ္စကထာ

၄၅၂။ \* စက္ကာရိ သစ္စာနိ အသင်္ခတာနိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ကာရိ တာဏာနိ စက္ကာရိ လေဏာနိ စက္ကာရိ သရဏာနိ စက္ကာရိ ပရာယနာနိ စက္ကာရိ အစူတာနိ စက္ကာရိ အမတာနိ စက္ကာရိ နိဗ္ဗာနာနိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ စက္ကာရိ နိဗ္ဗာနာနိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ စတုနံ နိဗ္ဗာနာနံ ဥစ္စနိစတာ ဟိနပဏီတတာ ဥက္ကံသာဝကံသော သီမာ ဝါ ဘေဒေါ ဝါ ရာဇိ ဝါ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဒုက္ခသစ္စံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒုက္ခံ အသင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဒုက္ခသစ္စံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကာယိကံ ဒုက္ခံ စေတသိကံ ဒုက္ခံ သောက-ပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿဥပါယာသာ အသင်္ခတာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သမုဒယသစ္စံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ သမုဒယော အသင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သမုဒယသစ္စံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကာမတဏှာ ဘဝတဏှာ ဝိဘဝတဏှာ အသင်္ခတာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ မဂ္ဂသစ္စံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ အသင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ မဂ္ဂသစ္စံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ အသင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



\* ဒုက္ခံ သင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒုက္ခသစ္စံ သင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကာယိကံ ဒုက္ခံ စေတသိကံ ဒုက္ခံ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿဥပါယာသာ သင်္ခတတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုက္ခသစ္စံ သင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သမုဒယော သင်္ခတတိ၊ အာမန္တာ။ သမုဒယသစ္စံ သင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကာမတဏှာ ဘဝတဏှာ ဝိဘဝတဏှာ သင်္ခတတိ၊ အာမန္တာ။ သမုဒယသစ္စံ သင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ မဂ္ဂေါ သင်္ခတတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂသစ္စံ သင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ သင်္ခတတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂသစ္စံ သင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၄၅၃။ \* နိရောဓသစ္စံ အသင်္ခတံ၊ နိရောဓော အသင်္ခတတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုက္ခသစ္စံ အသင်္ခတံ၊ ဒုက္ခံ အသင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နိရောဓသစ္စံ အသင်္ခတံ၊ နိရောဓော အသင်္ခတတိ၊ အာမန္တာ။ သမုဒယသစ္စံ အသင်္ခတံ၊ သမုဒယော အသင်္ခတတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နိရောဓသစ္စံ အသင်္ခတံ၊ နိရောဓော အသင်္ခတတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂသစ္စံ အသင်္ခတံ၊ မဂ္ဂေါ အသင်္ခတတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ဒုက္ခသစ္စံ အသင်္ခတံ၊ ဒုက္ခံ သင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နိရောဓသစ္စံ အသင်္ခတံ၊ နိရောဓော သင်္ခတတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သမုဒယသစ္စံ အသင်္ခတံ၊ သမုဒယော သင်္ခတတိ၊ အာမန္တာ။ နိရောဓသစ္စံ အသင်္ခတံ၊ နိရောဓော သင်္ခတတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ မဂ္ဂသစ္စံ အသင်္ခတံ၊ မဂ္ဂေါ သင်္ခတတိ၊ အာမန္တာ။ နိရောဓသစ္စံ အသင်္ခတံ၊ နိရောဓော သင်္ခတတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၄၅၄။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “စက္ကာရိ သစ္စာနိ အသင်္ခတာနိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ ဘဂဝတာ “စက္ကာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ တထာနိ အဝိတထာနိ အနညထာနိ။ ကတမာနိ စက္ကာရိ၊ ‘ဣဒံ ဒုက္ခ’န္တိ ဘိက္ခဝေ တထမေတံ အဝိတထမေတံ အနညထမေတံ။ပ။ ‘အယံ ဒုက္ခသမုဒယော’တိ။ပ။ ‘အယံ ဒုက္ခနိရောဓော’တိ။ပ။ ‘အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ’တိ တထမေတံ အဝိတထမေတံ အနညထမေတံ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စက္ကာရိ တထာနိ အဝိတထာနိ အနညထာနိ”တိ။ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ စက္ကာရိ သစ္စာနိ အသင်္ခတာနိတိ။

သစ္စကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၆-ဆဋ္ဌဝဂ္ဂ

## (၅၆) ၄-အာရပ္ပကထာ

၄၅၅။ \* အာကာသာနဉ္စာယတနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ တာဏံ လေဏံ သရဏံ ပရာယနံ အစူတံ အမတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ အသင်္ခတံ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ တာဏာနီ။ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အာကာသာနဉ္စာယတနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ ဘဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခတံ ဘဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္တိ အာကာသာနဉ္စာယတနူပဂံ ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္တိ အသင်္ခတူပဂံ ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္တိ အာကာသာနဉ္စာယတနူပဂါ သတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္တိ အသင်္ခတူပဂါ သတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အာကာသာနဉ္စာယတနေ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခတေ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အာကာသာနဉ္စာယတနေ အတ္တိ ဝေဒနာ၊ သညာ၊ သင်္ခါရာ၊ ဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခတေ အတ္တိ ဝေဒနာ၊ သညာ၊ သင်္ခါရာ၊ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ စတုဝေါကာရဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခတံ စတုဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၅၆။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “စတ္တာရော အာရပ္ပါ အသင်္ခတာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန စတ္တာရော အာရပ္ပါ အနေဇာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ စတ္တာရော အာရပ္ပါ အနေဇာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စတ္တာရော အာရပ္ပါ အသင်္ခတာ”တိ။

အာရပ္ပကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၆-ဆဋ္ဌဝဂ္ဂ

(၅၇) ၅-နိရောဓသမာပတ္တိကထာ

၄၅၇။ \* နိရောဓသမာပတ္တိ အသင်္ခတာတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ တာဏံ လေဏံ သရဏံ ပရာယနံ အစူတံ အမတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နိရောဓသမာပတ္တိ အသင်္ခတာ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ တာဏာနိ။ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နိရောဓသမာပတ္တိ အသင်္ခတာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကေဓိ နိရောဓံ သမာပဇ္ဇန္တိ ပဋိလဘန္တိ ဥပ္ပါဒေန္တိ သမုပ္ပါဒေန္တိ ဥဋ္ဌပေန္တိ သမုဋ္ဌပေန္တိ နိဗ္ဗတ္တေန္တိ အဘိနိဗ္ဗတ္တေန္တိ ဇနေန္တိ သဇ္ဇနေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကေဓိ အသင်္ခတံ သမာပဇ္ဇန္တိ ပဋိလဘန္တိ ဥပ္ပါဒေန္တိ သမုပ္ပါဒေန္တိ ဥဋ္ဌပေန္တိ သမုဋ္ဌပေန္တိ နိဗ္ဗတ္တေန္တိ အဘိနိဗ္ဗတ္တေန္တိ ဇနေန္တိ သဇ္ဇနေန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၅၈။ \* နိရောဓာ ဝေါဒါနံ ဝုဋ္ဌာနံ ပညာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခတာ ဝေါဒါနံ ဝုဋ္ဌာနံ ပညာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နိရောဓံ သမာပဇ္ဇန္တဿ ပဌမံ နိရုဇ္ဈတိ ဝစီသင်္ခါရော၊ တတော ကာယသင်္ခါရော၊ တတော စိတ္တသင်္ခါရောတိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခတံ သမာပဇ္ဇန္တဿ ပဌမံ နိရုဇ္ဈတိ ဝစီသင်္ခါရော၊ တတော ကာယသင်္ခါရော၊ တတော စိတ္တသင်္ခါရောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နိရောဓာ ဝုဋ္ဌဟန္တဿ ပဌမံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စိတ္တသင်္ခါရော၊ တတော ကာယသင်္ခါရော၊ တတော ဝစီသင်္ခါရောတိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခတာ ဝုဋ္ဌဟန္တဿ ပဌမံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စိတ္တသင်္ခါရော၊ တတော ကာယသင်္ခါရော၊ တတော ဝစီသင်္ခါရောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နိရောဓာ ဝုဋ္ဌိတံ တယော ဖဿာ ဖုသန္တိ၊ သုညတော ဖဿော၊ အနိမိတ္တော ဖဿော၊ အပ္ပဏိဟိတော ဖဿောတိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခတာ ဝုဋ္ဌိတံ တယော ဖဿာ ဖုသန္တိ၊ သုညတော ဖဿော၊ အနိမိတ္တော ဖဿော၊ အပ္ပဏိဟိတော ဖဿောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နိရောဓာ ဝုဋ္ဌိတဿ ဝိဝေကနိန္ဒံ စိတ္တံ ဟောတိ ဝိဝေကပေါဏံ ဝိဝေကပဗ္ဘာရန္တိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခတာ ဝုဋ္ဌိတဿ ဝိဝေကနိန္ဒံ စိတ္တံ ဟောတိ ဝိဝေကပေါဏံ ဝိဝေကပဗ္ဘာရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၄၅၉။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “နိရောဓသမာပတ္တိ အသင်္ခတာ”တိ၊ အာမန္တာ။  
သင်္ခတာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ နိရောဓသမာပတ္တိ အသင်္ခတာတိ။  
နိရောဓသမာပတ္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၆-ဆဋ္ဌဝဂ္ဂ

#### (၅၈) ၆-အာကာသကထာ

၄၆၀။ \* အာကာသော အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ တာဏံ  
လေဏံ သရဏံ ပရာယနံ အစ္စုတံ အမတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အာကာသော  
အသင်္ခတော၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဒွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ တာဏာနီ။ပ။ အန္တရိကာ  
ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အာကာသော အသင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကေဓိ အနာကာသံ  
အာကာသံ ကရေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကေဓိ သင်္ခတံ အသင်္ခတံ  
ကရေန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ကေဓိ အာကာသံ အနာကာသံ  
ကရေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကေဓိ အသင်္ခတံ သင်္ခတံ ကရေန္တိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အာကာသေပက္ခိနော ဂစ္ဆန္တိ၊ စန္ဒိမသုရိယာ ဂစ္ဆန္တိ၊ တာရကရူပါနိ ဂစ္ဆန္တိ၊  
ဣဒ္ဓိံ ဝိကုဗ္ဗန္တိ၊ ဗာဟုံ စာလေန္တိ၊ ပါဏိံ စာလေန္တိ၊ လေဉ္စု ခိပန္တိ၊ လဂုဠံ ခိပန္တိ၊  
ဣဒ္ဓိံ ခိပန္တိ၊ ဥသုံ ခိပန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခတေ ပက္ခိနော ဂစ္ဆန္တိ၊ စန္ဒိမ-  
သုရိယာ ဂစ္ဆန္တိ၊ တာရကရူပါနိ ဂစ္ဆန္တိ၊ ဣဒ္ဓိံ ဝိကုဗ္ဗန္တိ၊ ဗာဟုံ စာလေန္တိ၊  
ပါဏိံ စာလေန္တိ၊ လေဉ္စု ခိပန္တိ၊ လဂုဠံ ခိပန္တိ၊ ဣဒ္ဓိံ ခိပန္တိ၊ ဥသုံ ခိပန္တိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၄၆၁။ \* အာကာသံ ပရိဝါရေတွာ သရာနိ ကရေန္တိ ကောဋ္ဌာနိ  
ကရေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခတံ ပရိဝါရေတွာ သရာနိ ကရေန္တိ ကောဋ္ဌာနိ  
ကရေန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



၆-ဆဋ္ဌဝဂ္ဂ (၅၉) ၇-အာကာသောသနိဒဿနောတိကထာ ၂၄၇

\*ဥဒပါနေ ခညမာနေ အနာကာသော အာကာသော ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ သင်္ခတံ အသင်္ခတံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*တုစ္ဆဥဒပါနေ ပူရိယမာနေ တုစ္ဆကောဠေ ပူရိယမာနေ တုစ္ဆကုမ္ဘိယာ ပူရိယမာနာယ အာကာသော အန္တရဓာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခတံ အန္တရဓာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၆၂။ †န ဝတ္တဗ္ဗံ “အာကာသော အသင်္ခတော”တိ၊ အာမန္တာ။ အာကာသော သင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ အာကာသော အသင်္ခတောတိ။

အာကာသကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၆-ဆဋ္ဌဝဂ္ဂ

(၅၉) ၇-အာကာသောသနိဒဿနောတိကထာ

၄၆၃။ \*အာကာသော သနိဒဿနောတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ရူပါယတနံ ရူပဓာတု နီလံ ပီတကံ လောဟိတကံ ဩဒါတံ စက္ခုရိညေယျံ စက္ခုသ္မိံ ပဋိဟညတိ စက္ခုဿ အာပါယံ အာဂစ္ဆတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အာကာသော သနိဒဿနောတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ အာကာသဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ အာကာသဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ အာကာသဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝံ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ ၊ အတ္ထေဝံ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝံ သုတ္တန္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ အာကာသဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ။

၄၆၄။ †န ဝတ္တဗ္ဗံ “အာကာသော သနိဒဿနော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ပဿတိ ခြိန္တံ ရုက္ခာနံ အန္တရံ ခြိန္တံ ထမ္ဘာနံ အန္တရံ တာဠုန္တိ ဝါတပါနန္တိဒန္တိ။



အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပဿတိ ခြိန္တံ ရုက္ခာနံ အန္တရံ ခြိန္တံ ထမ္ဘာနံ အန္တရံ တာဠုန္တိန္ဒြိ  
ဝါတပါနန္တိန္ဒြိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အာကာသော သနိဒဿနော”တိ။

အာကာသော သနိဒဿနောတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၆-ဆဋ္ဌဝဂ္ဂ

#### (၆၀) ဂ-ပထဝီဓာတုသနိဒဿနာတိအာဒိကထာ

၄၆၅။ \*ပထဝီဓာတု သနိဒဿနာတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ရူပါယတနံ ရူပဓာတု  
နီလံ ဝီတကံ လောဟိတကံ ဩဒါတံ စက္ခုရိညေယျံ စက္ခုသ္မိံ ပဋိဟညတိ  
စက္ခုဿ အာပါယံ အာဂစ္ဆတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*ပထဝီဓာတု သနိဒဿနာတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ပထဝီဓာတုဉ္စ  
ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ပထဝီဓာတုဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ “စက္ခုဉ္စ  
ပဋိစ္စ ပထဝီဓာတုဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။  
“စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ  
သုတ္တန္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ပထဝီဓာတုဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ  
စက္ခုရိညာဏ”န္တိ။

၄၆၆။ †န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပထဝီဓာတု သနိဒဿနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု  
ပဿတိ ဘူမိံ ပါသာဏံ ပဗ္ဗတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပဿတိ ဘူမိံ ပါသာဏံ  
ပဗ္ဗတံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပထဝီဓာတု သနိဒဿနာ”တိ။ပ။

†န ဝတ္တဗ္ဗံ “အာပေါဓာတု သနိဒဿနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ပဿတိ  
ဥဒကန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပဿတိ ဥဒကံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အာပေါ-  
ဓာတု သနိဒဿနာ”တိ။ပ။

†န ဝတ္တဗ္ဗံ “တေဇောဓာတု သနိဒဿနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ပဿတိ  
အဂ္ဂိံ ဇလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပဿတိ အဂ္ဂိံ ဇလန္တိ၊ တေန ဝတ ရေ  
ဝတ္တဗ္ဗေ “တေဇောဓာတု သနိဒဿနာ”တိ။ပ။



† န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “ဝါယောဓာတု သနိဒဿနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ပဿတိ ဝါတေန ရုက္ခေ သဗ္ဗာလိယမာနေတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပဿတိ ဝါတေန ရုက္ခေ သဗ္ဗာလိယမာနေ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထုဗ္ဗေ “ဝါယောဓာတု သနိဒဿနာ”တိ။ ပ။  
ပထဝီဓာတု သနိဒဿနာတိအာဒိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၆-ဆဋ္ဌဝဂ္ဂ

(၆၁) ၉-စက္ခုန္တိယံသနိဒဿနန္တိ အာဒိကထာ

၄၆၇။ \* စက္ခုန္တိယံ သနိဒဿနန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ရူပါယတနံ ရူပဓာတု။ ပ။  
စက္ခုဿ အာပါယံ အာဂစ္ဆတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗ္ဗေ။ ပ။

\* စက္ခုန္တိယံ သနိဒဿနန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ စက္ခုန္တိယဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗ္ဗေ။ ပ။

\* စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ စက္ခုန္တိယဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ စက္ခုန္တိယဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထုဗ္ဗေ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ စက္ခုန္တိယဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ။

၄၆၈။ † န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ သနိဒဿနာနိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ပဿတိ စက္ခုံ၊ သောတံ၊ ဃာနံ၊ ဇိဝံ၊ ကာယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပဿတိ စက္ခုံ၊ သောတံ၊ ဃာနံ၊ ဇိဝံ၊ ကာယံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထုဗ္ဗေ “ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ သနိဒဿနာနိ”တိ။ ပ။

စက္ခုန္တိယံ သနိဒဿနန္တိအာဒိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၆-ဆဋ္ဌဝဂ္ဂ

(၆၂) ၁၀-ကာယကမ္မံသနိဒဿနန္တိကထာ

၄၆၉။ \* ကာယကမ္မံ သနိဒဿနန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ရူပါယတနံ ရူပဓာတု နီလံ ပီတကံ လောဟိတကံ ဩဒါတံ စက္ခုရိညေယျံ စက္ခုသ္မိံ ပဋိဟညတိ စက္ခုဿ အာပါယံ အာဂစ္ဆတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗ္ဗေ။ ပ။



\* ကာယကမ္မံ သနိဒဿနန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ကာယကမ္မဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ကာယကမ္မဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ကာယကမ္မဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ကာယကမ္မဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏ”န္တိ။

၄၇၀။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ကာယကမ္မံ သနိဒဿန”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ပဿတိ အဘိက္ကမန္တံ ပဋိက္ကမန္တံ အာလောကေန္တံ ဝိလောကေန္တံ သမိဉ္ဇေန္တံ ပဿာရေန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ပဿတိ အဘိက္ကမန္တံ ပဋိက္ကမန္တံ အာလောကေန္တံ ဝိလောကေန္တံ သမိဉ္ဇေန္တံ ပဿာရေန္တိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ကာယကမ္မံ သနိဒဿန”န္တိ။

ကာယကမ္မံ သနိဒဿနန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

ဆဋ္ဌော ဝဂ္ဂေါ။

### တသုဒ္ဓါနံ

နိယမော အသင်္ခတော၊ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ အသင်္ခတော၊ စက္ကာရိ သစ္စာနိ အသင်္ခတာနိ၊ စက္ကာရော အာရပ္ပါ အသင်္ခတာ၊ နိရောဓသမာပတ္တိ အသင်္ခတာ၊ အာကာသော အသင်္ခတော၊ အာကာသော သနိဒဿနော၊ စက္ကာရော မဟာဘူတာ၊ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ၊ တထေဝ ကာယကမ္မန္တိ။

### ၇-သတ္တမဝဂ္ဂ

#### (၆၃) ၁-သင်္ခဟိတကထာ

၄၇၁။ \* နတ္ထိ ကေဝိ ဓမ္မာ ကေဟိဝိ ဓမ္မေဟိ သင်္ခဟိတာတိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကေဝိ ဓမ္မာ ကေဟိဝိ ဓမ္မေဟိ ဂဏနံ ဂစ္ဆန္တိ ဥဒ္ဓေသံ ဂစ္ဆန္တိ ပရိယာပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အတ္ထိ ကေဝိ ဓမ္မာ ကေဟိဝိ ဓမ္မေဟိ ဂဏနံ



ဂစ္ဆန္တိ ဥဒ္ဓေသံ ဂစ္ဆန္တိ ပရိယာပန္နာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ ကေဓိ ဓမ္မာ ကေဟိဓိ ဓမ္မေဟိ သင်္ဂဟိတာ”တိ။

\* စက္ခာယတနံ ကတမက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ၊ ရူပက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ။ ဟဉ္စိ စက္ခာယတနံ ရူပက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စက္ခာယတနံ ရူပက္ခန္ဓေန သင်္ဂဟိတ”န္တိ။ သောတာယတနံ။ပ။ သာနာယတနံ။ပ။ ဇိဝှါယတနံ။ပ။ ကာယာယတနံ ကတမက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ၊ ရူပက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ၊ ဟဉ္စိ ကာယာယတနံ ရူပက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ကာယာယတနံ ရူပက္ခန္ဓေန သင်္ဂဟိတ”န္တိ။

\* ရူပါယတနံ။ပ။ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ ဂန္ဓာယတနံ။ပ။ ရသာယတနံ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနံ ကတမက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ၊ ရူပက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ။ ဟဉ္စိ ဖောဠဗ္ဗာယတနံ ရူပက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဖောဠ-ဗ္ဗာယတနံ ရူပက္ခန္ဓေန သင်္ဂဟိတ”န္တိ။

\* သုခါ ဝေဒနာ ကတမက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ၊ ဝေဒနာက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ။ ဟဉ္စိ သုခါ ဝေဒနာ ဝေဒနာက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သုခါ ဝေဒနာ ဝေဒနာက္ခန္ဓေန သင်္ဂဟိတာ”တိ၊ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ။ပ။ အဒုက္ခမသုခါ ဝေဒနာ ကတမက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ၊ ဝေဒနာက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ၊ ဟဉ္စိ အဒုက္ခမသုခါ ဝေဒနာ ဝေဒနာက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အဒုက္ခမသုခါ ဝေဒနာ ဝေဒနာက္ခန္ဓေန သင်္ဂဟိတာ”တိ။

\* စက္ခုသမ္ပဿဇာ သညာ ကတမက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ၊ သညာက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ၊ ဟဉ္စိ စက္ခုသမ္ပဿဇာ သညာ သညာက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စက္ခုသမ္ပဿဇာ သညာ သညာက္ခန္ဓေန သင်္ဂဟိတာ”တိ။ သောတသမ္ပဿဇာ သညာ။ပ။ မနောသမ္ပဿဇာ သညာ ကတမက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ၊ သညာက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ။ ဟဉ္စိ မနောသမ္ပဿဇာ သညာ သညာက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “မနောသမ္ပဿဇာ သညာ သညာက္ခန္ဓေန သင်္ဂဟိတာ”တိ။

\* စက္ခုသမ္ပဿဇာ စေတနာ။ပ။ မနောသမ္ပဿဇာ စေတနာ ကတမက္ခန္ဓ-ဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ၊ သင်္ခါရက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ။ ဟဉ္စိ မနောသမ္ပဿဇာ စေတနာ သင်္ခါရက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “မနောသမ္ပဿဇာ စေတနာ သင်္ခါရက္ခန္ဓေန သင်္ဂဟိတာ”တိ။



\* စက္ခုဝိညာဏံ။ပ။ မနောဝိညာဏံ ကတမက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ၊ ဝိညာဏက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိတိ။ ဟဉ္စိ မနောဝိညာဏံ ဝိညာဏက္ခန္ဓဂဏနံ ဂစ္ဆတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “မနောဝိညာဏံ ဝိညာဏက္ခန္ဓေန သင်္ဂဟိတ”န္တိ။

၄၇၂။ † ယထာ ဒါမေန ဝါ ယောက္ခေန ဝါ ဒွေ ဗလီဗဒ္ဓါ သင်္ဂဟိတာ၊ သိက္ခာယ ပိဏ္ဍပါတော သင်္ဂဟိတော၊ သာ ဂဒ္ဓုလေန သင်္ဂဟိတော။ ဧဝမေဝ တေ ဓမ္မာ တေဟိ ဓမ္မေဟိ သင်္ဂဟိတာတိ။<sup>၁</sup> ဟဉ္စိ ဒါမေန ဝါ ယောက္ခေန ဝါ ဒွေ ဗလီဗဒ္ဓါ သင်္ဂဟိတာ၊ သိက္ခာယ ပိဏ္ဍပါတော သင်္ဂဟိတော၊ သာ ဂဒ္ဓုလေန သင်္ဂဟိတော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ကေဓိ ဓမ္မာ ကေဟိဓိ ဓမ္မေဟိ သင်္ဂဟိတာ”တိ<sup>၂</sup>။

သင်္ဂဟိတကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၇-သတ္တမဝဂ္ဂ

### (၆၄) ၂-သမ္ပယုတ္တကထာ

၄၇၃။ \* နတ္ထိ ကေဓိ ဓမ္မာ ကေဟိဓိ ဓမ္မေဟိ သမ္ပယုတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကေဓိ ဓမ္မာ ကေဟိဓိ ဓမ္မေဟိ သဟဂတာ သဟဇာတာ သံသဋ္ဌာ ကေုပ္ပါဒါ ကေနိရောဓာ ကေဝတ္ထုကာ ကောရမ္မဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကေဓိ ဓမ္မာ ကေဟိဓိ ဓမ္မေဟိ သဟဂတာ သဟဇာတာ သံသဋ္ဌာ ကေုပ္ပါဒါ ကေနိရောဓာ ကေဝတ္ထုကာ ကောရမ္မဏာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ ကေဓိ ဓမ္မာ ကေဟိဓိ ဓမ္မေဟိ သမ္ပယုတ္တာ”တိ။

\* ဝေဒနာက္ခန္ဓော သညာက္ခန္ဓေန သဟဇာတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဝေဒနာက္ခန္ဓော သညာက္ခန္ဓေန သဟဇာတော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဝေဒနာက္ခန္ဓော သညာက္ခန္ဓေန သမ္ပယုတ္တော”တိ။

\* ဝေဒနာက္ခန္ဓော သင်္ခါရက္ခန္ဓေန။ ဝိညာဏက္ခန္ဓေန သဟဇာတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဝေဒနာက္ခန္ဓော ဝိညာဏက္ခန္ဓေန သဟဇာတော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဝေဒနာက္ခန္ဓော ဝိညာဏက္ခန္ဓေန သမ္ပယုတ္တော”တိ။



\* သညာက္ခန္ဓော။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော။ ဝိညာဏက္ခန္ဓော ဝေဒနာက္ခန္ဓေန။ သညာက္ခန္ဓေန။ သင်္ခါရက္ခန္ဓေန သဟဇာတောတိ။ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ဝိညာဏက္ခန္ဓော သင်္ခါရက္ခန္ဓေန သဟဇာတော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဝိညာဏက္ခန္ဓော သင်္ခါရက္ခန္ဓေန သမ္ပယုတ္တော”တိ။

၄၇၄။ † ယထာ တိလမ္ပိ တေလံ အနဂတံ အနုပဝိဋ္ဌံ၊ ဥစ္ဆုမ္ပိ ရသော အနဂတော အနုပဝိဋ္ဌော။ ဧဝမေဝ တေ ဓမ္မာ တေဟိ ဓမ္မေဟိ အနဂတာ အနုပဝိဋ္ဌာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

သမ္ပယုတ္တကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၇-သတ္တမဝဂ္ဂ

### (၆၅) ၃-စေတသိကကထာ

၄၇၅။ \* နတ္ထိ စေတသိကော ဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကေမိ ဓမ္မာ စိတ္တေန သဟဂတာ သဟဇာတာ သံသဋ္ဌာ သမ္ပယုတ္တာ ဧကုပ္ပါဒါ ဧကနိရောဓာ ဧကဝတ္ထုကာ ဧကာရမ္မဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အတ္ထိ ကေမိ ဓမ္မာ စိတ္တေန သဟဂတာ သဟဇာတာ သံသဋ္ဌာ သမ္ပယုတ္တာ ဧကုပ္ပါဒါ ဧကနိရောဓာ ဧကဝတ္ထုကာ ဧကာရမ္မဏာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ စေတသိကော ဓမ္မော”တိ။

\* ဖဿော စိတ္တေန သဟဇာတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ဖဿော စိတ္တေန သဟဇာတော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဖဿော စေတသိကော”တိ။ ဝေဒနာ။ ပ။ သညာ။ စေတနာ။ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။ သမာဓိ။ ပညာ။ ရာဂေါ။ ဒေါသော။ မောဟော။ ပ။ အနောတ္တပ္ပံ စိတ္တေန သဟဇာတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အနောတ္တပ္ပံ စိတ္တေန သဟဇာတံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနောတ္တပ္ပံ စေတသိက”န္တိ။

၄၇၆။ † စိတ္တေန သဟဇာတာတိ ကတွာ စေတသိကာတိ၊ အာမန္တာ။ ဖဿေန သဟဇာတာတိ ကတွာ ဖဿသိကာတိ၊ အာမန္တာ။ စိတ္တေန



သဟဇာတာတိ ကတွာ စေတသိကာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာယ။ သညာယ။  
စေတနာယ။ သဒ္ဓါယ။ ဝီရိယေန။ သတိယာ။ သမာဓိနာ။ ပညာယ။  
ရာဂေန။ ဒေါသေန။ မောဟေန။ ပ။ အနောတ္တပ္ပေန သဟဇာတာတိ ကတွာ  
အနောတ္တပ္ပါသိကာတိ၊ အာမန္တာ။

၄၇၇။ \* နတ္ထိ စေတသိကော ဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“စိတ္တဉ္စိံ စေတသိကာ စ ဓမ္မာ၊  
အနတ္တတော သံဝိဒိတဿ ဟောန္တိ။  
ဟိနပ္ပဏီတံ တဒုဘယေ ဝိဒိတွာ၊  
သမ္ပဒ္ဓဿော ဝေဒိ ပလောကဓမ္မ”န္တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အတ္ထိ စေတသိကော ဓမ္မောတိ။

\* နတ္ထိ စေတသိကော ဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣဓ  
ကေဝဇ္ဇ ဘိက္ခု၊ ပရသတ္တာနံ ပရပုဂ္ဂလာနံ စိတ္တဗ္ဗိ အာဒိသတိ စေတသိကဗ္ဗိ  
အာဒိသတိ ဝိတက္ကိတဗ္ဗိ အာဒိသတိ ဝိစာရိတဗ္ဗိ အာဒိသတိ။ ဧဝံ တေ မနော  
ဣတ္တဗ္ဗိ တေ မနော ဣတိပိ တေ စိတ္တ”န္တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။  
တေန ဟိ အတ္ထိ စေတသိကော ဓမ္မောတိ။

စေတသိကကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၇-သတ္တမဝဂ္ဂ

### (၆၆) ၄-ဒါနကထာ

၄၇၈။ \* စေတသိကော ဓမ္မော ဒါနန္တိ၊ အာမန္တာ။ လဟ္တာ စေတသိကော  
ဓမ္မော ပရေသံ ဒါတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ လဟ္တာ စေတသိကော ဓမ္မော  
ပရေသံ ဒါတုန္တိ၊ အာမန္တာ။ လဟ္တာ ဖဿော ပရေသံ ဒါတုန္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ လဟ္တာ ဝေဒနာ။ ပ။ သညာ။ စေတနာ။ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။  
သမာဓိ။ ပညာ ပရေသံ ဒါတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



၄၇၉။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “စေတသိကော ဓမ္မော ဒါန”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒါနံ အနိဋ္ဌဖလံ အကန္တဖလံ အမနုညဖလံ သေဝနကဖလံ ဒုက္ခုဒ္ဓိယံ ဒုက္ခဝိပါကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန ဒါနံ ဣဋ္ဌဖလံ ကန္တဖလံ မနုညဖလံ အသေဝနကဖလံ သုခုဒ္ဓိယံ သုခဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဒါနံ ဣဋ္ဌဖလံ ကန္တဖလံ မနုညဖလံ အသေဝနကဖလံ သုခုဒ္ဓိယံ သုခဝိပါကံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “စေတသိကော ဓမ္မော ဒါန”န္တိ။

† ဒါနံ ဣဋ္ဌဖလံ ဝတ္ထံ ဘဂဝတာ “စိဝရံ ဒါန”န္တိ ၊ အာမန္တာ။ စိဝရံ ဣဋ္ဌဖလံ ကန္တဖလံ မနုညဖလံ အသေဝနကဖလံ သုခုဒ္ဓိယံ သုခဝိပါကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဒါနံ ဣဋ္ဌဖလံ ဝတ္ထံ ဘဂဝတာ “ပိဏ္ဍုပါတော သေနာသနံ ဂိလာနပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရော ဒါန”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဂိလာနပစ္စယဘေသဇ္ဇ-ပရိက္ခာရော ဣဋ္ဌဖလော ကန္တဖလော မနုညဖလော အသေဝနကဖလော သုခုဒ္ဓိယော သုခဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၄၈၀။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “စေတသိကော ဓမ္မော ဒါန”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ ဘဂဝတာ—

“သဒ္ဓါ ဟိရိယံ ကုသလံ စ ဒါနံ၊  
ဓမ္မာ ဧတေ သပ္ပုရိသာနုယာတာ။  
ဧတံ ဟိ မဂ္ဂံ ဒိဝိယံ ဝဒန္တိ၊  
ဧတေန ဟိ ဂစ္ဆတိ ဒေဝလောက”န္တိ ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ စေတသိကော ဓမ္မော ဒါနန္တိ။

† န ဝတ္ထဗ္ဗံ “စေတသိကော ဓမ္မော ဒါန”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ ဘဂဝတာ “ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဒါနာနိ မဟာဒါနာနိ အဂ္ဂညာနိ ရတ္တညာနိ ဝံသညာနိ ပေါရာဏာနိ အသံကိဏ္ဍာနိ အသံကိဏ္ဍပုဗ္ဗာနိ န သံကိယန္တိ န သံကိယိဿန္တိ အပ္ပဋိကုဋ္ဌာနိ သမဏေဟိ ဗြာဟ္မဏေဟိ ဝိညူဟိ။ ဂတမာနိ ပဉ္စ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ပါဏာတိပါတံ ပဟာယ ပါဏာတိပါတာ ပဋိဝိရတော ဟောတိ။ ပါဏာတိပါတာ ပဋိဝိရတော ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော အပရိမာဏာနံ သတ္တာနံ အဘယံ ဒေတိ အဝေရံ ဒေတိ အဗျာပဇ္ဈံ ဒေတိ။ အပရိမာဏာနံ သတ္တာနံ အဘယံ ဒတွာ အဝေရံ ဒတွာ အဗျာပဇ္ဈံ ဒတွာ အပရိမာဏဿ အဘယဿ အဝေရဿ အဗျာပဇ္ဈဿ ဘာဂီ ဟောတိ။ ဣဒံ



ဘိက္ခဝေ ပဌမံ ဒါနံ မဟာဒါနံ အဂ္ဂညံ ရတ္တညံ ဝံသညံ ပေါရာဏံ အသံကိဏ္ဍံ  
 အသံကိဏ္ဍပုဗ္ဗံ န သံကိယတိ န သံကိယိဿတိ၊ အပ္ပဋိကုဋ္ဌံ သမဏေဟိ  
 မြာဟဗ္ဗဏေဟိ ဝိညူဟိ။ ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော အဒိန္နာဒါနံ  
 ပဟာယ။ပ။ ကာမေသုမိစ္ဆာစာရံ ပဟာယ။ပ။ မုသာဝါဒံ ဟောယ။ပ။  
 သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနံ ပဟာယ သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနာ ပဋိဝိရတော  
 ဟောတိ၊ သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနာ ပဋိဝိရတော ဘိက္ခဝေ အရိယ-  
 သာဝကော အပရိမာဏာနံ သတ္တာနံ အဘယံ ဒေတိ အဝေရံ ဒေတိ အဗျာပဇ္ဈံ  
 ဒေတိ။ အပရိမာဏာနံ သတ္တာနံ အဘယံ ဒေတော အဝေရံ ဒေတော အဗျာပဇ္ဈံ  
 ဒေတော အပရိမာဏဿ အဘယဿ အဝေရဿ အဗျာပဇ္ဈဿ ဘာဂီ ဟောတိ။  
 ဣဒံ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စမံ ဒါနံ မဟာဒါနံ အဂ္ဂညံ ရတ္တညံ ဝံသညံ ပေါရာဏံ  
 အသံကိဏ္ဍံ အသံကိဏ္ဍပုဗ္ဗံ န သံကိယတိ န သံကိယိဿတိ၊ အပ္ပဋိကုဋ္ဌံ  
 သမဏေဟိ မြာဟဗ္ဗဏေဟိ ဝိညူဟိ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ ဒါနာနိ မဟာ-  
 ဒါနာနိ အဂ္ဂညာနိ ရတ္တညာနိ ဝံသညာနိ ပေါရာဏာနိ အသံကိဏ္ဍာနိ  
 အသံကိဏ္ဍပုဗ္ဗာနိ န သံကိယန္တိ န သံကိယိဿန္တိ၊ အပ္ပဋိကုဋ္ဌာနိ သမဏေဟိ  
 မြာဟဗ္ဗဏေဟိ ဝိညူဟိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ  
 စေတသိကော ဓမ္မော ဒါနန္တိ။

၄၈၁။ \* န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဒေယျဓမ္မော ဒါန”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ  
 “ဣဓေကဇ္ဇော အန္တံ ဒေတိ၊ ပါနံ ဒေတိ၊ ဝတ္တံ ဒေတိ၊ ယာနံ ဒေတိ၊ မာလံ  
 ဒေတိ၊ ဂန္ဓံ ဒေတိ၊ ဝိလေပနံ ဒေတိ၊ သေယျံ ဒေတိ၊ အာဝသထံ ဒေတိ၊  
 ပဒီပေယျံ ဒေတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ  
 ဒေယျဓမ္မော ဒါနန္တိ။

၄၈၂။ † ဒေယျဓမ္မော ဒါနန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒေယျဓမ္မော ဣဋ္ဌဖလော  
 ကန္တဖလော မနုညဖလော အသေစနကဖလော သုခုဒ္ဓိယော သုခဝိပါကောတိ၊  
 န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒါနံ ဣဋ္ဌဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “စီဝရံ ဒါန”န္တိ၊ အာမန္တာ။  
 စီဝရံ ဣဋ္ဌဖလံ ကန္တဖလံ မနုညဖလံ အသေစနကဖလံ သုခုဒ္ဓိယံ သုခဝိပါကန္တိ၊  
 န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒါနံ ဣဋ္ဌဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဝိဇ္ဇာပါတော ဒါနံ။  
 သေနာသနံ ဒါနံ။ ဂိလာနပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရော ဒါန”န္တိ၊ အာမန္တာ။  
 ဂိလာနပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရော ဣဋ္ဌဖလော ကန္တဖလော မနုညဖလော



အသေစနကလော သုခုဒ္ဓိယော သုခဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဒေယျဓမ္မော ဒါနံ”န္တိ။

ဒါနကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၇-သတ္တမဝဂ္ဂ

### (၆၇) ၅-ပရိဘောဂမယပုညကထာ

၄၈၃။ \* ပရိဘောဂမယံ ပုညံ ဝေုတီတိ၊ အာမန္တာ။ ပရိဘောဂမယော  
ဗဿော ဝေုတိ၊ ဝေဒနာ ဝေုတိ၊ သညာ ဝေုတိ၊ စေတနာ ဝေုတိ၊ စိတ္တံ ဝေုတိ၊  
သဒ္ဓါ ဝေုတိ၊ ဝီရိယံ ဝေုတိ၊ သတိ ဝေုတိ၊ သမာဓိ ဝေုတိ၊ ပညာ ဝေုတီတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပရိဘောဂမယံ ပုညံ ဝေုတီတိ၊ အာမန္တာ။ လတာ ဝိယ ဝေုတိ၊ မာလုဝါ  
ဝိယ ဝေုတိ၊ ရုက္ခော ဝိယ ဝေုတိ၊ တိဏံ ဝိယ ဝေုတိ၊ မုဉ္ဇပုဉ္ဇော ဝိယ ဝေုတီတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၈၄။ \* ပရိဘောဂမယံ ပုညံ ဝေုတီတိ၊ အာမန္တာ။ ဒါယကော ဒါနံ ဒတွာ  
န သမန္တာဟရတိ ဟောတိ ပုညန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနာဝဇ္ဇေန္တဿ<sup>၁</sup> ဟောတိ။  
အနာဘောဂဿ ဟောတိ။ အသမန္တာဟရန္တဿ ဟောတိ။ အမနသိကရေန္တဿ  
ဟောတိ။ အစေတယန္တဿ ဟောတိ။ အပတ္တယန္တဿ ဟောတိ။ အပ္ပဏိ-  
ဒဟန္တဿ ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန အာဝဇ္ဇေန္တဿ ဟောတိ။  
အာဘောဂဿ ဟောတိ။ သမန္တာဟရန္တဿ ဟောတိ။ မနသိကရေန္တဿ  
ဟောတိ။ စေတယန္တဿ ဟောတိ။ ပတ္တယန္တဿ ဟောတိ။ ပဏိဒဟန္တဿ  
ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အာဝဇ္ဇေန္တဿ ဟောတိ။ အာဘောဂဿ ဟောတိ။  
သမန္တာဟရန္တဿ ဟောတိ။ မနသိကရေန္တဿ ဟောတိ။ စေတယန္တဿ  
ဟောတိ။ ပတ္တယန္တဿ ဟောတိ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဟောတိ၊ နော စ ဝတ ရေ  
ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဘောဂမယံ ပုညံ ဝေုတိ”တိ။

၄၈၅။ \* ပရိဘောဂမယံ ပုညံ ဝေုတီတိ၊ အာမန္တာ။ ဒါယကော ဒါနံ ဒတွာ  
ကာမဝိတက္ကံ ဝိတက္ကေတိ။ ဗျာပါဒဝိတက္ကံ ဝိတက္ကေတိ။ ဝိဟိံသာဝိတက္ကံ

၁-အနာဝဇ္ဇေန္တဿ (သီ၊ဇ္ဇ၊က)၊ အနာဝဇ္ဇေန္တဿ (သျှာ)



ဝိတက္ကေတိ ဟောတိ ပုညန္တိ၊ အာမန္တာ။ ခြိန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ခြိန္တံ စိတ္တာနံ သမော-  
 ဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ခြိန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ခြိန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ  
 ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ  
 ကဏှသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္မုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။  
 ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏှသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ  
 ဓမ္မာ သမ္မုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “စတ္တာရိမာနိ  
 ဘိက္ခဝေ သုရိဒ္ဓရိဒ္ဓရာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ နဘဇ္ဇ ဘိက္ခဝေ ပထဝီ စ ဣဒံ  
 ပဌမံ သုရိဒ္ဓရိဒ္ဓရံ။ ဩရိမဇ္ဇ ဘိက္ခဝေ တိရံ သမုဒ္ဒဿ ပါရိမဇ္ဇ တိရံ ဣဒံ ဒုတိယံ  
 သုရိဒ္ဓရိဒ္ဓရံ။ ယတော စ ဘိက္ခဝေ ဝေရောစနော အပ္ပုဒေတိ ယတ္ထ စ  
 အတ္ထမေတိ ဣဒံ တတိယံ သုရိဒ္ဓရိဒ္ဓရံ။ သတဇ္ဇ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မော အသတဇ္ဇ ဓမ္မော  
 ဣဒံ စတုတ္ထံ သုရိဒ္ဓရိဒ္ဓရံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရိ သုရိဒ္ဓရိဒ္ဓရာနိတိ။

နဘဇ္ဇ ဒုရေ ပထဝီ စ ဒုရေ၊  
 ပါရိ သမုဒ္ဒဿ တဒါဟု ဒုရေ။  
 ယတော စ ဝေရောစနော အပ္ပုဒေတိ၊  
 ပဘင်္ဂရော ယတ္ထ စ အတ္ထမေတိ။  
 တတော ဟဝေ ဒုရတရံ ဝဒန္တိ၊  
 သတဇ္ဇ ဓမ္မံ အသတဇ္ဇ ဓမ္မံ။  
 အဗျာယိကော ဟောတိ သတံ သမာဂမော၊  
 ယာဝမ္ပိ တိဋ္ဌေယျ တထေဝ ဟောတိ။  
 ခိပ္ပံ ဟိ ဝေတိ<sup>၁</sup> အသတံ သမာဂမော၊  
 တသ္မာ သတံ ဓမ္မော အသတ္တိ အာရကာ”တိ<sup>၂</sup>။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ကုသလာကုသလာ  
 သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏှသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္မုဒ္ဓိဘာဝံ  
 အာဂစ္ဆန္တိ”တိ။

၄၈၆။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပရိဘောဂမယံ ပုညံ ဝေတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန  
 ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“အာရာမရောပါ ဝနရောပါ၊ ယေ ဇနာ သေတုကာရကာ။  
 ပပဇ္ဇ ဥဒပါနဇ္ဇ၊ ယေ ဒဒန္တိ ဥပဿယံ။



တေသံ ဒိဝါ စ ရတ္တော စ၊ သဒါ ပုညံ ပဝေုတိ။  
ဓမ္မဌာ သီလသမ္ပန္နာ၊ တေ ဇနာ သဂ္ဂဂါမိနော”တိ။<sup>၁</sup>

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပရိဘောဂမယံ ပုညံ  
ဝေုတိတိ။

† န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပရိဘောဂမယံ ပုညံ ဝေုတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ  
“စတ္တာရေမေ ဘိက္ခဝေ ပုညာဘိသန္ဓာ ကုသလာဘိသန္ဓာ သုခဿာဟာရာ  
သောဝဂ္ဂိကာ သုခဝိပါကာ သဂ္ဂသံဝတ္တနိကာ ဣဋ္ဌာယ ကန္တာယ မနာပါယ  
ဟိတာယ သုခါယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ စတ္တာရေ၊ ယဿ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
စီဝရံ ပရိဘုဉ္ဇမာနော အပ္ပမာဏံ စေတောသမာဓိံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။  
အပ္ပမာဏော တဿ ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရာ  
သောဝဂ္ဂိကာ သုခဝိပါကာ သဂ္ဂသံဝတ္တနိကာ ဣဋ္ဌာယ ကန္တာယ မနာပါယ  
ဟိတာယ သုခါယ သံဝတ္တတိ။ ယဿ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပိဏ္ဍပါတံ ပရိဘုဉ္ဇ-  
မာနော။ပ။ သေနာသနံ ပရိဘုဉ္ဇမာနော။ပ။ ဂိလာနပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရံ  
ပရိဘုဉ္ဇမာနော အပ္ပမာဏံ စေတောသမာဓိံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ အပ္ပမာဏော  
တဿ ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရာ သောဝဂ္ဂိကာ  
သုခဝိပါကာ သဂ္ဂသံဝတ္တနိကာ ဣဋ္ဌာယ ကန္တာယ မနာပါယ ဟိတာယ  
သုခါယ သံဝတ္တတိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရေ ပုညာဘိသန္ဓာ  
ကုသလာဘိသန္ဓာ သုခဿာဟာရာ သောဝဂ္ဂိကာ သုခဝိပါကာ သဂ္ဂသံဝတ္တ-  
နိကာ ဣဋ္ဌာယ ကန္တာယ မနာပါယ ဟိတာယ သုခါယ သံဝတ္တန္တိ”တိ၊  
အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပရိဘောဂမယံ ပုညံ ဝေုတိတိ။

၄၈၇။ \* ပရိဘောဂမယံ ပုညံ ဝေုတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒါယကော ဒါနံ  
ဒေတိ၊ ပဋိဂ္ဂါဟကော ပဋိဂ္ဂဟေတွာ န ပရိဘုဉ္ဇတိ ဆဇ္ဇေတိ ဝိဿဇ္ဇေတိ၊  
ဟောတိ ပုညန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဒါယကော ဒါနံ ဒေတိ၊ ပဋိဂ္ဂါဟကော  
ပဋိဂ္ဂဟေတွာ န ပရိဘုဉ္ဇတိ ဆဇ္ဇေတိ ဝိဿဇ္ဇေတိ၊ ဟောတိ ပုညံ၊ နော  
စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပရိဘောဂမယံ ပုညံ ဝေုတိ”တိ။

\* ပရိဘောဂမယံ ပုညံ ဝေုတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒါယကော ဒါနံ ဒေတိ၊  
ပဋိဂ္ဂါဟကော ပဋိဂ္ဂဟိတေ ရာဇာနော ဝါ ဟရန္တိ၊ စောရာ ဝါ ဟရန္တိ၊ အဂ္ဂိ ဝါ  
ဒဟတိ၊ ဥဒကံ ဝါ ဝဟတိ၊ အပ္ပိယာ ဝါ ဒါယာဒါ ဟရန္တိ၊ ဟောတိ ပုညန္တိ၊



အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဒါယကော ဒါနံ ဒေတိ၊ ပဋိဂ္ဂါဟကေ ပဋိဂ္ဂဟိတေ ရာဇာနော ဝါ ဟရန္တိ၊ စောရာ ဝါ ဟရန္တိ၊ အဂ္ဂိ ဝါ ဒဟတိ၊ ဥဒကံ ဝါ ဝဟတိ၊ အပ္ပိယာ ဝါ ဒါယာဒါ ဟရန္တိ၊ ဟောတိ ပုညံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိဘောဂမယံ ပုညံ ဝေုတိ”တိ။

ပရိဘောဂမယပုညကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၇-သတ္တမဝဂ္ဂ

### (၆၈) ၆-ဣတောဒိန္နကထာ

၄၈၈။ \*ဣတော ဒိန္နေန တတ္ထ ယာပေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဣတော စီဝရံ ဒေန္တိ တံ စီဝရံ တတ္ထ ပရိဘုဉ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဣတော ပိဏ္ဍုပါတံ ဒေန္တိ၊ ဣတော သေနာသနံ ဒေန္တိ၊ ဣတော ဂိလာနပစ္စယဘောသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒေန္တိ၊ ဣတော ခါဒနိယံ ဒေန္တိ၊ ဣတော ဘောဇနိယံ ဒေန္တိ၊ ဣတော ပါနိယံ ဒေန္တိ၊ တံ ပါနိယံ တတ္ထ ပရိဘုဉ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*ဣတော ဒိန္နေန တတ္ထ ယာပေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အညော အညဿ ကာရကော၊ ပရကတံ သုခဒုက္ခံ၊ အညော ကရေတိ အညော ပဋိသံဝေဒေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၄၈၉။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဣတော ဒိန္နေန တတ္ထ ယာပေန္တိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ပေတာ အတ္တနော အတ္တာယ ဒါနံ ဒေန္တိ အနုမောဒေန္တိ စိတ္တံ ပဿာဒေန္တိ ဝီတိံ ဥပ္ပါဒေန္တိ သောမနဿံ ပဋိလဘန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပေတာ အတ္တနော အတ္တာယ ဒါနံ ဒေန္တိ အနုမောဒေန္တိ စိတ္တံ ပဿာဒေန္တိ ဝီတိံ ဥပ္ပါဒေန္တိ သောမနဿံ ပဋိလဘန္တိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဣတော ဒိန္နေန တတ္ထ ယာပေန္တိ”တိ။

၄၉၀။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဣတော ဒိန္နေန တတ္ထ ယာပေန္တိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“ဥန္နမေ ဥဒကံ ဝုဋ္ဌံ၊ ယထာနိန္ဒံ ပဝတ္တတိ။  
ဝေမေဝ ဣတော ဒိန္နံ၊ ပေတာနံ ဥပကပ္ပတိ။



ယထာ ဝါရိဝဟာ ပူရာ၊ ပရိပူရေန္တိ သာဂရံ။

ဝေမေဝ ဣတော ဒိန္နံ၊ ပေတာနံ ဥပကပ္ပတိ။

န ဟိ တတ္ထ ကသီ အတ္ထိ၊ ဂေါရက္ခေတ္ထ န ပိဇ္ဇတိ။

ဝဏိဇ္ဇာ တာဒိသီ နတ္ထိ၊ ဟိရညေန ကယာကယံ ။

ဣတော ဒိန္နေန ယာပေန္တိ၊ ပေတာ ကာလင်္ကတာ တဟိ” န္တိ ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဣတော ဒိန္နေန တတ္ထ ယာပေန္တိတိ။

၄၉၁။ † န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “ဣတော ဒိန္နေန တတ္ထ ယာပေန္တိ” တိ၊ အာမန္တာ။ နန ပုတ္တံ ဘဂဝတာ “ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဌာနာနိ သမ္ပဿန္တာ မာတာပိတရော ပုတ္တံ ဣစ္ဆန္တိ ကုလေ ဇာယမာနံ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ဘဠော ဝါ နော ဘရိဿတိ၊ ကိစ္စံ ဝါ နော ကရိဿတိ။ ကုလဝံသော စိရံ ဌဿတိ၊ ဒါယဇ္ဇံ ပဋိပဇ္ဇိဿတိ။ အထ ဝါ ပန ပေတာနံ ကာလင်္ကတာနံ ဒက္ခိဏံ အနုပ္ပဒဿတိ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ ဌာနာနိ သမ္ပဿန္တာ မာတာပိတရော ပုတ္တံ ဣစ္ဆန္တိ ကုလေ ဇာယမာနန္တိ။

ပဉ္စ ဌာနာနိ သမ္ပဿံ၊ ပုတ္တံ ဣစ္ဆန္တိ ပဏှိတာ။

ဘဠော ဝါ နော ဘရိဿတိ၊ ကိစ္စံ ဝါ နော ကရိဿတိ။

ကုလဝံသော စိရံ တိဌေ၊ ဒါယဇ္ဇံ ပဋိပဇ္ဇတိ။

အထ ဝါ ပန ပေတာနံ၊ ဒက္ခိဏံ အနုပ္ပဒဿတိ။

ဌာနာနေတာနိ သမ္ပဿံ၊ ပုတ္တံ ဣစ္ဆန္တိ ပဏှိတာ။

တသ္မာ သန္တော သပ္ပုရိသာ၊ ကတညူ ကတဝေဒိနော။

ဘရန္တိ မာတာပိတရော၊ ပုဗ္ဗေ ကတမနုဿရံ။

ကရေန္တိ တေသံ ကိစ္စာနိ၊ ယထာ တံ ပုဗ္ဗကာရိနံ။

ဩဝါဒကာရိ ဘဠပေါသိ၊ ကုလဝံသံ အဟာပယံ။

သဒ္ဓေါ သီလေန သမ္ပန္နော၊ ပုတ္တော ဟောတိ ပသံသိယော” တိ၊ ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဣတော ဒိန္နေန တတ္ထ ယာပေန္တိတိ။

ဣတော ဒိန္နကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၇-သတ္တမဝဂ္ဂ

## (၆၉) ၇-ပထဝီကမ္မဝိပါကောတိကထာ

၄၉၂။ \*ပထဝီ ကမ္မဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ သုခဝေဒနိယာ၊ ဒုက္ခဝေဒနိယာ၊ အဒုက္ခမသုခဝေဒနိယာ၊ သုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တာ၊ ဒုက္ခာယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တာ၊ အဒုက္ခမသုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တာ၊ ဖဿေန သမ္ပယုတ္တာ၊ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တာ၊ သညာယ သမ္ပယုတ္တာ၊ စေတနာယ သမ္ပယုတ္တာ၊ စိတ္တေန သမ္ပယုတ္တာ၊ သာရမ္ပဏာ၊ အတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ<sup>၁</sup> အာဘောဂေါ သမန္တာဟာရော မနသိကာရော စေတနာ ပတ္တနာ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန န သုခဝေဒနိယာ န ဒုက္ခဝေဒနိယာ န အဒုက္ခမသုခဝေဒနိယာ န သုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တာ န ဒုက္ခာယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တာ န အဒုက္ခမသုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တာ န ဖဿေန သမ္ပယုတ္တာ န ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တာ န သညာယ သမ္ပယုတ္တာ န စေတနာယ သမ္ပယုတ္တာ န စိတ္တေန သမ္ပယုတ္တာ အနာရမ္ပဏာ နတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ အာဘောဂေါ သမန္တာဟာရော မနသိကာရော စေတနာ ပတ္တနာ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ န သုခဝေဒနိယာ န ဒုက္ခဝေဒနိယာ။ပ။ အနာရမ္ပဏာ နတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပထဝီ ကမ္မဝိပါကော”တိ။

\*ဖဿော ကမ္မဝိပါကော ဖဿော သုခဝေဒနိယော ဒုက္ခဝေဒနိယော အဒုက္ခမသုခဝေဒနိယော သုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တော ဒုက္ခာယ။ပ။ အဒုက္ခမသုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တော ဖဿေန သမ္ပယုတ္တော ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တော သညာယ သမ္ပယုတ္တော စေတနာယ သမ္ပယုတ္တော စိတ္တေန သမ္ပယုတ္တော သာရမ္ပဏော အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ပထဝီ ကမ္မဝိပါကော ပထဝီ သုခဝေဒနိယာ ဒုက္ခဝေဒနိယာ အဒုက္ခမသုခဝေဒနိယာ သုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တာ ဒုက္ခာယ။ပ။ အဒုက္ခမသုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တာ ဖဿေန သမ္ပယုတ္တာ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တာ သညာယ သမ္ပယုတ္တာ စေတနာယ သမ္ပယုတ္တာ စိတ္တေန သမ္ပယုတ္တာ သာရမ္ပဏာ အတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ အာဘောဂေါ သမန္တာဟာရော မနသိကာရော စေတနာ ပတ္တနာ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပထဝီ ကမ္မဝိပါကော ပထဝီ န သုခဝေဒနိယာ န ဒုက္ခဝေဒနိယာ။ပ။ အနာရမ္ပဏာ နတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဖဿော ကမ္မဝိပါကော ဖဿော န သုခဝေဒနိယော န



ဒုက္ခဝေဒနိယော။ပ။ အနာရမ္မဏော နတ္ထိ တဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပထဝီ ကမ္မဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ ပထဝီ ပဂ္ဂဟနိဂ္ဂဟုပဂါ ဆေဒန-  
ဘေဒနပင်္ဂါတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မဝိပါကော ပဂ္ဂဟနိဂ္ဂဟုပဂေါ ဆေဒန-  
ဘေဒနပဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* လမ္ဘာ ပထဝီ ကေတုံ ဝိက္ခေတုံ အာဌပေတုံ ဩစိနိတုံ ဝိစိနိတုန္တိ၊ အာမန္တာ။  
လမ္ဘာ ကမ္မဝိပါကော ကေတုံ ဝိက္ခေတုံ အာဌပေတုံ ဩစိနိတုံ ဝိစိနိတုန္တိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၉၃။ \* ပထဝီ ပရေသံ သာဓာရဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မဝိပါကော  
ပရေသံ သာဓာရဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ကမ္မဝိပါကော ပရေသံ သာဓာရဏောတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တိ  
ဘဂဝတာ—

“အသာဓာရဏမညေသံ၊ အစောရဟရဏော နိဓိ။  
ကယိရာထ မစ္စော ပုညာနိ၊ သစေ သုစရိတံ စရေ”တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ကမ္မဝိပါကော  
ပရေသံ သာဓာရဏော”တိ။

\* ပထဝီ ကမ္မဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ ပဌမံ ပထဝီ သဏ္ဌာတိ ပစ္ဆာ သတ္တာ  
ဥပ္ပဇ္ဇန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ပဌမံ ဝိပါကော ဥပ္ပဇ္ဇတိ ပစ္ဆာ ဝိပါကပဋိလာဘာယ  
ကမ္မံ ကရေန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပထဝီ သဗ္ဗသတ္တာနံ ကမ္မဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေ သတ္တာ ပထဝီ  
ပရိဘုဉ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သဗ္ဗေ သတ္တာ ပထဝီ ပရိဘုဉ္ဇန္တိတိ၊  
အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကေဓိ ပထဝီ အပရိဘုဉ္ဇိတွာ ပရိနိဗ္ဗာယန္တိတိ၊ အာမန္တာ။  
အတ္ထိ ကေဓိ ကမ္မဝိပါကံ အခေပေတွာ ပရိနိဗ္ဗာယန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပထဝီ စက္ကဝတ္တိသတ္တဿ ကမ္မဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ အညေ သတ္တာ  
ပထဝီ ပရိဘုဉ္ဇန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ကဝတ္တိသတ္တဿ ကမ္မဝိပါကံ အညေ သတ္တာ  
ပရိဘုဉ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ စက္ကဝတ္တိသတ္တဿ ကမ္မဝိပါကံ အညေ  
သတ္တာ ပရိဘုဉ္ဇန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ကဝတ္တိသတ္တဿ ဖဿံ ဝေဒနံ သညံ



စေတနံ စိတ္တံ သဒ္ဓိံ ဝီရိယံ သတိံ သမာဓိံ ပညံ အညေ သတ္တာ ပရိဘုဉ္ဇန္တိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၉၄။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပထဝီ ကမ္မဝိပါကော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ  
ဣဿရိယသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ အဓိပစ္စသံဝတ္တနိယံ ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အတ္ထိ  
ဣဿရိယသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ အဓိပစ္စသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“ပထဝီ ကမ္မဝိပါကော”တိ။

ပထဝီ ကမ္မဝိပါကောတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၇-သတ္တမဝဂ္ဂ

### (၇၀) ဂ-ဇရာမရဏံဝိပါကောတိကထာ

၄၉၅။ \* ဇရာမရဏံ ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ သုခဝေဒနိယံ ဒုက္ခဝေဒနိယံ  
အဒုက္ခမသုခဝေဒနိယံ၊ သုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တံ၊ ဒုက္ခာယ ဝေဒနာယ သမ္ပ-  
ယုတ္တံ၊ အဒုက္ခမသုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တံ၊ ဖဿေန သမ္ပယုတ္တံ၊ ဝေဒနာယ  
သမ္ပယုတ္တံ၊ သညာယ သမ္ပယုတ္တံ၊ စေတနာယ သမ္ပယုတ္တံ၊ စိတ္တေန သမ္ပယုတ္တံ၊  
သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အာဘောဂေါ သမန္နာဟာရော မနသိ-  
ကာရော စေတနာ ပတ္တနာ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန န သုခဝေဒနိယံ  
န ဒုက္ခဝေဒနိယံ။ပ။ အနာရမ္ပဏံ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟန္တိ န သုခဝေဒနိယံ န ဒုက္ခဝေဒနိယံ။ပ။ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ  
အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဇရာမရဏံ ဝိပါကော”တိ။

\* ဖဿော ဝိပါကော ဖဿော သုခဝေဒနိယော ဒုက္ခဝေဒနိယော။ပ။  
သာရမ္ပဏော အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဇရာမရဏံ  
ဝိပါကော ဇရာမရဏံ သုခဝေဒနိယံ ဒုက္ခဝေဒနိယံ။ပ။ သာရမ္ပဏံ အတ္ထိ တဿ  
အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဇရာမရဏံ ဝိပါကော ဇရာမရဏံ န သုခဝေဒနိယံ န ဒုက္ခဝေဒနိယံ။ပ။  
အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဖဿော  
ဝိပါကော ဖဿော န သုခဝေဒနိယော န ဒုက္ခဝေဒနိယော။ပ။ အနာရမ္ပဏော၊  
နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၄၉၆။ \* အကုသလာနံ မ္မောနံ ဇရာမရဏံ၊ အကုသလာနံ မ္မောနံ ဝိပါ-  
ကောတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာနံ မ္မောနံ ဇရာမရဏံ၊ ကုသလာနံ မ္မောနံ  
ဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကုသလာနံ မ္မောနံ ဇရာမရဏံ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ကုသလာနံ မ္မောနံ ဝိပါ-  
ကော”တိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလာနံ မ္မောနံ ဇရာမရဏံ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အကုသလာနံ  
မ္မောနံ ဝိပါကော”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကုသလာနံ မ္မောနံ ဇရာမရဏံ၊ အကုသလာနံ မ္မောနံ ဝိပါကောတိ၊  
အာမန္တာ။ အကုသလာနံ မ္မောနံ ဇရာမရဏံ၊ ကုသလာနံ မ္မောနံ ဝိပါကောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အကုသလာနံ မ္မောနံ ဇရာမရဏံ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ကုသလာနံ မ္မောနံ ဝိပါ-  
ကော”တိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာနံ မ္မောနံ ဇရာမရဏံ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အကုသလာနံ  
မ္မောနံ ဝိပါကော”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကုသလာနန္တ အကုသလာနန္တ မ္မောနံ ဇရာမရဏံ၊ အကုသလာနံ မ္မောနံ  
ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာနန္တ အကုသလာနန္တ မ္မောနံ ဇရာမရဏံ၊  
ကုသလာနံ မ္မောနံ ဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကုသလာနန္တ အကုသလာနန္တ မ္မောနံ ဇရာမရဏံ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ကုသလာနံ  
မ္မောနံ ဝိပါကော”တိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာနန္တ အကုသလာနန္တ မ္မောနံ  
ဇရာမရဏံ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အကုသလာနံ မ္မောနံ ဝိပါကော”တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၉၇။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဇရာမရဏံ ဝိပါကော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ  
ဒုဗ္ဗဏ္ဍသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ အပ္ပါယုကသံဝတ္တနိယံ ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အတ္ထိ  
ဒုဗ္ဗဏ္ဍသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ အပ္ပါယုကသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“ဇရာမရဏံ ဝိပါကော”တိ။

ဇရာမရဏံ ဝိပါကောတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၇-သတ္တမဝဂ္ဂ

## (၇၁) ၉-အရိယဓမ္မဝိပါကကထာ

၄၉၈။ \* နတ္ထိ အရိယဓမ္မဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ နန မဟပ္ပလံ သာမညံ မဟပ္ပလံ မြဟ္မညန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ မဟပ္ပလံ သာမညံ မဟပ္ပလံ မြဟ္မညံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ အရိယဓမ္မဝိပါကော”တိ။

\* နတ္ထိ အရိယဓမ္မဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ သောတာပတ္တိဖလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ သောတာပတ္တိဖလံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ အရိယဓမ္မဝိပါကော”တိ၊ နန အတ္ထိ သကဒါဂါမိဖလံ။ပ။ အနာဂါမိဖလံ။ပ။ အရဟတ္တဖလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ အရဟတ္တဖလံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ အရိယဓမ္မဝိပါကော”တိ။

\* သောတာပတ္တိဖလံ န ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ ဒါနဖလံ န ဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သောတာပတ္တိဖလံ န ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ သီလဖလံ။ပ။ ဘာဝနာဖလံ န ဝိပါကောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သကဒါဂါမိဖလံ။ပ။ အနာဂါမိဖလံ။ပ။ အရဟတ္တဖလံ န ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ ဒါနဖလံ န ဝိပါကောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရဟတ္တဖလံ န ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ သီလဖလံ။ပ။ ဘာဝနာဖလံ န ဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒါနဖလံ ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပတ္တိဖလံ ဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဒါနဖလံ ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဖလံ။ပ။ အနာဂါမိဖလံ။ပ။ အရဟတ္တဖလံ ဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သီလဖလံ။ပ။ ဘာဝနာဖလံ ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပတ္တိဖလံ ဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဘာဝနာဖလံ ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိဖလံ။ပ။ အနာဂါမိဖလံ။ပ။ အရဟတ္တဖလံ ဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၄၉၉။ \* ကာမာဝစရံ ကုသလံ သဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရံ ကုသလံ သဝိပါကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပါဝစရံ ကုသလံ။ပ။ အရူပါဝစရံ ကုသလံ သဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရံ ကုသလံ သဝိပါကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* လောကုတ္တရံ ကုသလံ အဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကာမာဝစရံ ကုသလံ အဝိပါကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ လောကုတ္တရံ ကုသလံ အဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပါဝစရံ။ပ။ အရူပါဝစရံ ကုသလံ အဝိပါကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၀၀။ † ကာမာဝစရံ ကုသလံ သဝိပါကံ အာစယဂါမိတိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရံ ကုသလံ သဝိပါကံ အာစယဂါမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပါဝစရံ။ပ။ အရူပါဝစရံ ကုသလံ သဝိပါကံ အာစယဂါမိတိ၊ အာမန္တာ။ လောကုတ္တရံ ကုသလံ သဝိပါကံ အာစယဂါမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† လောကုတ္တရံ ကုသလံ သဝိပါကံ အပစယဂါမိတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမာဝစရံ ကုသလံ သဝိပါကံ အပစယဂါမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ လောကုတ္တရံ ကုသလံ သဝိပါကံ အပစယဂါမိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပါဝစရံ။ပ။ အရူပါဝစရံ ကုသလံ သဝိပါကံ အပစယဂါမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အရိယဓမ္မဝိပါကကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

## ၇-သတ္တမဝဂ္ဂ

### (၇၂) ၁၀-ဝိပါကောဝိပါကဓမ္မဓမ္မောတိကထာ

၅၀၁။ \* ဝိပါကော ဝိပါကဓမ္မဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ ဝိပါကော ဝိပါကဓမ္မဓမ္မောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တဿ ဝိပါကော ဝိပါကဓမ္မဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ တဿ တဿေဝ နတ္ထိ ဒုက္ခဿ အန္တကိရိယာ နတ္ထိ ဝဇ္ဇုပစ္ဆေဒေါ နတ္ထိ အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဝိပါကော ဝိပါကဓမ္မဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိပါကောတိ ဝါ ဝိပါကဓမ္မဓမ္မောတိ ဝါ၊ ဝိပါကဓမ္မဓမ္မောတိ ဝါ ဝိပါကောတိ ဝါ ဒေသေသေ ကေဋ္ဌေ သမေ သမဘာဂေ တဇ္ဇာတေတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဝိပါကော ဝိပါကဓမ္မဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိပါကော စ ဝိပါကဓမ္မဓမ္မော စ၊ ဝိပါကဓမ္မဓမ္မော စ ဝိပါကော စ သဟဂတာ သဟဇာတာ သံသဋ္ဌာ သမ္ပယုတ္တာ ကေပ္ပါဒါ ကေနိရောဓာ ကေဝတ္ထုကာ ကောရမ္မဏာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\*ဝိပါကော ဝိပါကဓမ္မဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ တညေဝ အကုသလံ သော အကုသလဿ ဝိပါကော၊ တညေဝ ကုသလံ သော ကုသလဿ ဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\*ဝိပါကော ဝိပါကဓမ္မဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ ယေနော စိတ္တေန ပါဏံ ဟနတိ၊ တေနော စိတ္တေန နိရယေ ပစ္စတိ၊ ယေနော စိတ္တေန ဒါနံ ဒေတိ၊ တေနော စိတ္တေန သဂ္ဂေ မောဒတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၀၂။ †န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ဝိပါကော ဝိပါကဓမ္မဓမ္မော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝိပါကာ စတ္တာရော ခန္ဓာ အရူပိနော အညမညပစ္စယာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဝိပါကာ စတ္တာရော ခန္ဓာ အရူပိနော အညမညပစ္စယာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဝိပါကော ဝိပါကဓမ္မဓမ္မော”တိ။

ဝိပါကော ဝိပါကဓမ္မဓမ္မောတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

သတ္တမော ဝဂ္ဂေါ။

### တသုဒ္ဓါနံ

သံဂဟော၊ သမ္ပယုတ္တော၊ စေတသိကော ဓမ္မော၊ စေတသိကံ ဒါနံ ပရိဘောဂမယံ ပုညံ ဝဗ္ဗတိ၊ ဣတော ဒိန္နေန တတ္ထ ယာပေန္တိ၊ ပထဝီ ကမ္မဝိပါကော၊ ဇရာမရဏံ ဝိပါကော၊ နတ္ထိ အရိယဓမ္မဝိပါကော၊ ဝိပါကော ဝိပါကဓမ္မဓမ္မောတိ။

### ဂ-အဋ္ဌမဝဂ္ဂ

#### (၇၃) ခ-ဆဂတိကထာ

၅၀၃။ \*ဆ ဂတိယောတိ၊ အာမန္တာ။ နန ပဉ္စ ဂတိယော ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ “နိရယော တိရစ္ဆာနယောနိ ပေတ္တိဝိသယော မနုဿာ ဒေဝါ”တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပဉ္စ ဂတိယော ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ နိရယော တိရစ္ဆာနယောနိ ပေတ္တိဝိသယော မနုဿာ ဒေဝါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဆ ဂတိယော”တိ။



\* ဆ ဂတိယောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ကာလကဋ္ဌိကာ<sup>၁</sup> အသုရာ ပေတာနံ သမာနဝဏ္ဏာ သမာနဘောဂါ သမာနာဟာရာ သမာနာယုကာ ပေတေဟိ သဟ အာဝါဟရိဝါဟံ ဂစ္ဆန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဋ္ဌိ ကာလကဋ္ဌိကာ အသုရာ ပေတာနံ သမာနဝဏ္ဏာ သမာနဘောဂါ သမာနာဟာရာ သမာနာယုကာ ပေတေဟိ သဟ အာဝါဟရိဝါဟံ ဂစ္ဆန္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဆ ဂတိယော”တိ။

\* ဆ ဂတိယောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝေပစိတ္တိပရိသာ ဒေဝါနံ သမာနဝဏ္ဏာ သမာနဘောဂါ သမာနာဟာရာ သမာနာယုကာ ဒေဝေဟိ သဟ အာဝါဟရိဝါဟံ ဂစ္ဆန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဋ္ဌိ ဝေပစိတ္တိပရိသာ ဒေဝါနံ သမာနဝဏ္ဏာ သမာနဘောဂါ သမာနာဟာရာ သမာနာယုကာ ဒေဝေဟိ သဟ အာဝါဟရိဝါဟံ ဂစ္ဆန္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဆ ဂတိယော”တိ။

\* ဆ ဂတိယောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝေပစိတ္တိပရိသာ ပုဗ္ဗဒေဝါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဋ္ဌိ ဝေပစိတ္တိပရိသာ ပုဗ္ဗဒေဝါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဆ ဂတိယော”တိ။

၅၀၄။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဆ ဂတိယော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု အတ္ထိ အသုရကာယောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဋ္ဌိ အတ္ထိ အသုရကာယော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဆ ဂတိယော”တိ။

ဆဂတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ဂ-အဋ္ဌမဝဂ္ဂ

### (၇၄) ၂-အန္တရာဘဝကထာ

၅၀၅။ \* အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ အရူပဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမဘဝဿ စ ရူပဘဝဿ စ အန္တရေ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပဘဝဿ စ အရူပဘဝဿ စ အန္တရေ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* ကာမဘဝဿ စ ရူပဘဝဿ စ အန္တရေ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကာမဘဝဿ စ ရူပဘဝဿ စ အန္တရေ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ”တိ။ ရူပဘဝဿ စ အရူပဘဝဿ စ အန္တရေ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ရူပဘဝဿ စ အရူပဘဝဿ စ အန္တရေ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ”တိ။

၅၀၆။ \* အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ပဉ္စမိ သာ ယောနိ၊ ဆဋ္ဌမိ သာ ဂတိ၊ အဋ္ဌမိ သာ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ၊ ဒသမော သော သတ္တာဝါသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ အန္တရာဘဝေါ ဘဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝပဂံ ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝပဂါ သတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အန္တရာဘဝေ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အန္တရာဘဝေ အတ္ထိ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အန္တရာဘဝေါ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၅၀၇။ \* အတ္ထိ ကာမဘဝေါ၊ ကာမဘဝေါ ဘဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ၊ အန္တရာဘဝေါ ဘဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အတ္ထိ ကာမဘဝပဂံ ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝပဂံ ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အတ္ထိ ကာမဘဝပဂါ သတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝပဂါ သတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ကာမဘဝေ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အန္တရာဘဝေ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ကာမဘဝေ အတ္ထိ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အန္တရာဘဝေ အတ္ထိ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ကာမဘဝေါ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ အန္တရာဘဝေါ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတ္ထိ ရူပဘဝေါ၊ ရူပဘဝေါ ဘဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ၊ အန္တရာဘဝေါ ဘဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ



ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ရူပဘဝူပဂံ ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝူပဂံ ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ရူပဘဝူပဂါ သတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝူပဂါ သတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပဘဝေ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အန္တရာဘဝေ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပဘဝေ အတ္ထိ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အန္တရာဘဝေ အတ္ထိ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပဘဝေါ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ အန္တရာဘဝေါ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ အရူပဘဝေါ၊ အရူပဘဝေါ ဘဝေါဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ၊ အန္တရာဘဝေါ ဘဝေါဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ အရူပဘဝူပဂံ ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝူပဂံ ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ အရူပဘဝူပဂါ သတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အန္တရာဘဝူပဂါ သတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရူပဘဝေ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အန္တရာဘဝေ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရူပဘဝေ အတ္ထိ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အန္တရာဘဝေ အတ္ထိ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရူပဘဝေါ စတုဝေါကာရဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ အန္တရာဘဝေါ စတုဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၀၈။ \* အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေသညေဝ သတ္တာနံ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သဗ္ဗေသညေဝ သတ္တာနံ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သဗ္ဗေသညေဝ သတ္တာနံ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ”တိ။

\* အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ အာနန္တရိယဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အာနန္တရိယဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အာနန္တရိယဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ”တိ။



\* န အာနန္တရိယဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ အာနန္တရိယဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အာနန္တရိယဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ န အာနန္တရိယဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နိရယူပဂဿ ပုဂ္ဂလဿ။ပ။ အသညသတ္တူပဂဿ ပုဂ္ဂလဿ။ပ။ အရူပူပဂဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရူပူပဂဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရူပူပဂဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ”တိ။

\* န အရူပူပဂဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ အရူပူပဂဿ ပုဂ္ဂလဿ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရူပူပဂဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ န အရူပူပဂဿ ပုဂ္ဂလဿ နတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၀၉။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ ပုဂ္ဂလော အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ ပုဂ္ဂလော အတ္ထိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါ”တိ။

\* အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ ပုဂ္ဂလော အတ္ထိတိ ကတွာ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ ပုဂ္ဂလော အတ္ထိတိ ကတွာ အတ္ထိ ဥပဟစ္စဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ ပုဂ္ဂလော အတ္ထိတိ ကတွာ အတ္ထိ အန္တရာဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ပုဂ္ဂလော။ပ။ သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ပုဂ္ဂလော အတ္ထိတိ ကတွာ အတ္ထိ သသင်္ခါရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အန္တရာဘဝကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ဂ-အဋ္ဌမဝဂ္ဂ

#### (၇၅) ၃-ကာမဂုဏကထာ

၅၁၀။ \* ပဉ္စေဝ ကာမဂုဏာ ကာမဓာတူတိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ တပ္ပုဋ်သညတ္တော ဆန္ဒောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ တပ္ပုဋ်သညတ္တော ဆန္ဒော၊ နော



စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပဉ္စေဝ ကာမဂုဏာ ကာမဓာတု”တိ။ နန အတ္ထိ တပုဋ္ဌိ-  
သညတ္တော ရာဂေါ တပုဋ္ဌိသညတ္တော ဆန္ဒော တပုဋ္ဌိသညတ္တော ဆန္ဒရာဂေါ  
တပုဋ္ဌိသညတ္တော သင်္ကပ္ပေါ တပုဋ္ဌိသညတ္တော ရာဂေါ တပုဋ္ဌိသညတ္တော သင်္ကပ္ပ-  
ရာဂေါ တပုဋ္ဌိသညတ္တော ဝီတိ တပုဋ္ဌိသညတ္တံ သောမနဿံ တပုဋ္ဌိသညတ္တံ ဝီတိ-  
သောမနဿန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ တပုဋ္ဌိသညတ္တံ ဝီတိသောမနဿံ၊ နော  
စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပဉ္စေဝ ကာမဂုဏာ ကာမဓာတု”တိ။

\* ပဉ္စေဝ ကာမဂုဏာ ကာမဓာတုတိ၊ အာမန္တာ။ မနုဿာနံ စက္ခု န  
ကာမဓာတုတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မနုဿာနံ သောတံ။ပ။ မနုဿာနံ  
ဃာနံ။ပ။ မနုဿာနံ ဇိဌိ။ပ။ မနုဿာနံ ကာယော။ပ။ မနုဿာနံ မနော န  
ကာမဓာတုတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မနုဿာနံ မနော န ကာမဓာတုတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဂုတ္တံ ဘဂဝတာ—

ပဉ္စ ကာမဂုဏာ လောကေ၊ မနောစ္ဆဋ္ဌာ ပဝေဒိတာ။  
တ္ထေ ဆန္ဒံ ဝိရာဇေတွာ၊ ဧဝံ ဒုက္ခာ ပမုစ္စတိတိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “မနုဿာနံ မနော  
န ကာမဓာတု”တိ။

၅၁၁။ \* ပဉ္စေဝ ကာမဂုဏာ ကာမဓာတုတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမဂုဏာ  
ဘဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝ-  
ပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ကာမဂုဏူပဂံ ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ကာမဂုဏူပဂါ သတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကာမဂုဏေ  
သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
ကာမဂုဏေ အတ္ထိ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကာမဂုဏာ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
ကာမဂုဏေ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ ပစ္စေကသမ္ဗုဒ္ဓါ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ သာဝကယုဂံ  
ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကာမဓာတု ဘဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ  
အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမဂုဏာ ဘဝေါ ဂတိ သတ္တာ-  
ဝါသော သံသာရော ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ကာမဓာတူပဂံ ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကာမဂုဏူပဂံ



ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ကာမဓာတူပဂါ သတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။  
အတ္ထိ ကာမဂုဏူပဂါ သတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကာမဓာတုယာ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊  
အာမန္တာ။ ကာမဂုဏေ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကာမဓာတုယာ အတ္ထိ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ  
ဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကာမဂုဏေ အတ္ထိ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ  
ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကာမဓာတု ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါတိ၊  
အာမန္တာ။ ကာမဂုဏာ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
ကာမဓာတုယာ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ ပစ္စေကသမ္ဗုဒ္ဓါ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ သာဝကယုဂံ  
ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမဂုဏေ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ ပစ္စေကသမ္ဗုဒ္ဓါ  
ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ သာဝကယုဂံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၁၂။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပဉ္စေဝ ကာမဂုဏာ ကာမဓာတူ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု  
ရုတ္တံ ဘဂဝတာ “ပဉ္စိမေ ဘိက္ခဝေ ကာမဂုဏာ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ စက္ခုဝိညေယျာ  
ရူပါဇ္ဈဋ္ဌာ ကန္တာ မနာပါ ပိယရူပါ ကာမူပသံဟိတာ ရဇနီယာ။ သောတ-  
ဝိညေယျာ သဒ္ဓါ။ပ။ ဃာနဝိညေယျာ ဂန္ဓာ။ပ။ ဇိဝှိဝိညေယျာ ရသာ။ပ။  
ကာယဝိညေယျာ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာ ဇ္ဈဋ္ဌာ ကန္တာ မနာပါ ပိယရူပါ ကာမူပသံဟိတာ  
ရဇနီယာ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ ကာမဂုဏာ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊  
အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပဉ္စေဝ ကာမဂုဏာ ကာမဓာတူတိ။

ကာမဂုဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ဂ-အဋ္ဌမဝဂ္ဂ

### (၇၆) ၄-ကာမကထာ

၅၁၃။ \* ပဉ္စေဝါယတနာ ကာမာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အတ္ထိ တပ္ပဋိသံယုတ္တော  
ဆန္ဒောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ တပ္ပဋိသံယုတ္တော ဆန္ဒော၊ နော စ ဝတ  
ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပဉ္စေဝါယတနာ ကာမာ”တိ၊ နနု အတ္ထိ တပ္ပဋိသံယုတ္တော ရာဂေါ  
တပ္ပဋိသံယုတ္တော ဆန္ဒော တပ္ပဋိသံယုတ္တော ဆန္ဒရာဂေါ တပ္ပဋိသံယုတ္တော  
သင်္ကပ္ပေါ တပ္ပဋိသံယုတ္တော ရာဂေါ တပ္ပဋိသံယုတ္တော သင်္ကပ္ပရာဂေါ တပ္ပဋိ-  
သံယုတ္တော ပီတိ တပ္ပဋိသံယုတ္တံ သောမနဿံ တပ္ပဋိသံယုတ္တံ ပီတိသောမနဿန္တိ၊



အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ တပ္ပဋိသံယုတ္တံ ပီတိသောမနဿံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပဉ္စေဝါယတနာ ကာမာ”တိ။

၅၁၄။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပဉ္စေဝါယတနာ ကာမာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္တံ ဘဂဝတာ “ပဉ္စိမေ ဘိက္ခဝေ ကာမဂုဏာ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ စက္ခုဝိညေယျာ ရူပါ။ပ။ ကာယဝိညေယျာ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာ ဣဋ္ဌာ ကန္တာ မနာပါ ပိယရူပါ ကာမူပ-သံဟိတာ ရဇနီယာ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ ကာမဂုဏာ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပဉ္စေဝါယတနာ ကာမာတိ။

\* ပဉ္စေဝါယတနာ ကာမာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္တံ ဘဂဝတာ “ပဉ္စိမေ ဘိက္ခဝေ ကာမဂုဏာ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ စက္ခုဝိညေယျာ ရူပါ။ပ။ ကာယ-ဝိညေယျာ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာ ဣဋ္ဌာ ကန္တာ မနာပါ ပိယရူပါ ကာမူပသံဟိတာ ရဇနီယာ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ ကာမဂုဏာ။ အပိ စ ဘိက္ခဝေ နေတေ ကာမာ၊ ကာမဂုဏာ နာမေတေ အရိယဿ ဝိနယေ ဝုစ္စန္တိ။

သင်္ကပ္ပရာဂေါ ပုရိသဿ ကာမော၊  
န တေ ကာမာ ယာနိ စိတြာနိ လောကေ။  
သင်္ကပ္ပရာဂေါ ပုရိသဿ ကာမော၊  
တိဋ္ဌန္တိ စိတြာနိ တထေဝ လောကေ။  
အထေတ္ထ ဓိရာ ဝိနယန္တိ ဆန္ဒ”န္တိ”။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပဉ္စေဝါယတနာ ကာမာ”တိ။

ကာမကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ဂ-အဋ္ဌမဝဂ္ဂ

#### (၇၇) ၅-ရူပဓာတုကထာ

၅၁၅။ \* ရူပိနော ဓမ္မာ ရူပဓာတုတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ဘဝေါ ဂတိ သတ္တာ-ဝါသော သံသာရာ ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န



ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ရူပပဂံ ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ရူပပဂါ သတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ရူပေ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ရူပေ အတ္ထိ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ရူပံ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပဓာတု ဘဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ဘဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ရူပဓာတုပဂံ ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ရူပပဂံ ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ရူပဓာတုပဂါ သတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ရူပပဂါ သတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပဓာတုယာ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပေ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ရူပဓာတုယာ အတ္ထိ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပေ အတ္ထိ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ရူပဓာတု ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၁၆။ \* ရူပိနော ဓမ္မာ ရူပဓာတု၊ ကာမဓာတုယာ အတ္ထိ ရူပန္တိ၊ အာမန္တာ။ သာဝ ကာမဓာတု၊ သာ ရူပဓာတုတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သာဝ ကာမဓာတု၊ သာ ရူပဓာတုတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမဘဝေန သမန္နာဂတော ပုဂ္ဂလော ဒွိဟိ ဘဝေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ ကာမဘဝေန စ ရူပဘဝေန စာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။

ရူပဓာတုကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၈-အဋ္ဌမဝဂ္ဂ

(၇၈) ၆-အရူပဓာတုကထာ

၅၁၇။ \* အရူပိနော ဓမ္မာ အရူပဓာတုတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာ ဘဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊



န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ဝေဒနူပဂံ ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ဝေဒနူပဂါ သတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဝေဒနာယ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဝေဒနာယ အတ္ထိ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဝေဒနာ စတု-  
ဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အရူပဓာတု ဘဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာ ဘဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ အရူပဓာတူပဂံ ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဝေဒနူပဂံ ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ အရူပဓာတူပဂါ သတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဝေဒနူပဂါ သတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*အရူပဓာတုယာ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာယ သတ္တာ ဇာယန္တိ ဇီယန္တိ မီယန္တိ စဝန္တိ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရူပဓာတုယာ အတ္ထိ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာယ အတ္ထိ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရူပဓာတု စတုဝေါကာရဘဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာ စတု-  
ဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၁၈။ \*အရူပိနော ဓမ္မာ အရူပဓာတု၊ ကာမဓာတုယာ အတ္ထိ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ သာဝ ကာမဓာတု၊ သာ အရူပဓာတူတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သာဝ ကာမဓာတု၊ သာ အရူပဓာတူတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမဘဝေန သမန္နာဂတော ပုဂ္ဂလော ဒွီဟိ ဘဝေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ ကာမဘဝေန စ အရူပဘဝေန စာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\*ရူပိနော ဓမ္မာ ရူပဓာတု၊ အရူပိနော ဓမ္မာ အရူပဓာတု၊ ကာမဓာတုယာ အတ္ထိ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ သာဝ ကာမဓာတု၊ သာ ရူပဓာတု၊ သာ အရူပဓာတူတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သာဝ ကာမဓာတု၊ သာ ရူပဓာတု၊ သာ အရူပဓာတူတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမဘဝေန သမန္နာဂတော ပုဂ္ဂလော တိဟိ ဘဝေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ ကာမဘဝေန စ ရူပဘဝေန စ အရူပဘဝေန စာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အရူပဓာတုကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ဂ-အဋ္ဌမဝဂ္ဂ

## (၇၉) ၇-ရူပဓာတုယာ အာယတနကထာ

၅၁၉။ \* အတ္ထိ သဠာယတနိကော အတ္တဘာဝေါ ရူပဓာတုယာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဃာနာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဂန္ဓာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဇိဝှိယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ရဿာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ ကာယာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နတ္ထိ တတ္ထ ဂန္ဓာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ တတ္ထ ဃာနာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နတ္ထိ တတ္ထ ရဿာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ တတ္ထ ဇိဝှိယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နတ္ထိ တတ္ထ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ တတ္ထ ကာယာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၂၀။ \* အတ္ထိ တတ္ထ စက္ခာယတနံ အတ္ထိ ရူပါယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဃာနာယတနံ အတ္ထိ ဂန္ဓာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ စက္ခာယတနံ အတ္ထိ ရူပါယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဇိဝှိယတနံ အတ္ထိ ရဿာယတနံ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ ကာယာယတနံ အတ္ထိ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ သောတာယတနံ အတ္ထိ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ မနာယတနံ အတ္ထိ ဓမ္မာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဃာနာယတနံ အတ္ထိ ဂန္ဓာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ မနာယတနံ အတ္ထိ ဓမ္မာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဇိဝှိယတနံ အတ္ထိ ရဿာယတနန္တိ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ ကာယာယတနံ အတ္ထိ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ တတ္ထ ဃာနာယတနံ နတ္ထိ ဂန္ဓာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ စက္ခာယတနံ နတ္ထိ ရူပါယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဃာနာယတနံ နတ္ထိ ဂန္ဓာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ သောတာယတနံ နတ္ထိ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ မနာယတနံ နတ္ထိ ဓမ္မာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဇိဝှိယတနံ နတ္ထိ ရဿာယတနံ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ ကာယာယတနံ နတ္ထိ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ စက္ခာယတနံ နတ္ထိ ရူပါယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ ကာယာယတနံ နတ္ထိ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ သောတာယတနံ နတ္ထိ



သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ မနာယတနံ နတ္ထိ ဓမ္မာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၂၁။ \* အတ္ထိ တတ္ထ စက္ခာယတနံ အတ္ထိ ရူပါယတနံ တေန စက္ခုနာ တံ ရူပံ ပဿတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဃာနာယတနံ အတ္ထိ ဂန္ဓာယတနံ တေန ဃာနေန တံ ဂန္ဓံ ဃာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ စက္ခာယတနံ အတ္ထိ ရူပါယတနံ တေန စက္ခုနာ တံ ရူပံ ပဿတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဇိဝှါယတနံ အတ္ထိ ရသာယတနံ တာယ ဇိဝှါယ တံ ရသံ သာယတိ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ ကာယာယတနံ အတ္ထိ ဖောဠဗ္ဗာယတနံ တေန ကာယေန တံ ဖောဠဗ္ဗံ ဖုသတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ တတ္ထ သောတာယတနံ အတ္ထိ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ မနာယတနံ အတ္ထိ ဓမ္မာယတနံ တေန မနေန တံ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဃာနာယတနံ အတ္ထိ ဂန္ဓာယတနံ တေန ဃာနေန တံ ဂန္ဓံ ဃာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ မနာယတနံ အတ္ထိ ဓမ္မာယတနံ တေန မနေန တံ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဇိဝှါယတနံ အတ္ထိ ရသာယတနံ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ ကာယာယတနံ အတ္ထိ ဖောဠဗ္ဗာယတနံ တေန ကာယေန တံ ဖောဠဗ္ဗံ ဖုသတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ တတ္ထ ဃာနာယတနံ အတ္ထိ ဂန္ဓာယတနံ၊ န စ တေန ဃာနေန တံ ဂန္ဓံ ဃာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ စက္ခာယတနံ အတ္ထိ ရူပါယတနံ န စ တေန စက္ခုနာ တံ ရူပံ ပဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ ဃာနာယတနံ အတ္ထိ ဂန္ဓာယတနံ န စ တေန ဃာနေန တံ ဂန္ဓံ ဃာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ သောတာယတနံ အတ္ထိ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ မနာယတနံ အတ္ထိ ဓမ္မာယတနံ န စ တေန မနေန တံ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ တတ္ထ ဇိဝှါယတနံ အတ္ထိ ရသာယတနံ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ ကာယာယတနံ အတ္ထိ ဖောဠဗ္ဗာယတနံ န စ တေန ကာယေန တံ ဖောဠဗ္ဗံ ဖုသတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ သောတာယတနံ၊ အတ္ထိ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ အတ္ထိ တတ္ထ မနာယတနံ အတ္ထိ ဓမ္မာယတနံ န စ တေန မနေန တံ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၅၂၂။ \* အတ္ထိ တတ္ထ ဃာနာယတနံ အတ္ထိ ဂန္ဓာယတနံ တေန ဃာနေန တံ ဂန္ဓံ ဃာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ မူလဂန္ဓော သာရဂန္ဓော တစဂန္ဓော ပတ္တဂန္ဓော ပုပ္ဖဂန္ဓော ဖလဂန္ဓော အာမဂန္ဓော ဝိဿဂန္ဓော သုဂန္ဓော ဒုဂန္ဓောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ တတ္ထ ဇိဝှိယတနံ အတ္ထိ ရသာယတနံ တာယ ဇိဝှိယ တံ ရသံ သာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ မူလရသော ခန္ဓရသော တစရသော ပတ္တရသော ပုပ္ဖရသော ဖလရသော အဓိလံ မဓုရံ တိတ္တကံ ကဋ္ဌကံ လောဏိယံ ခါရိယံ လမ္ဗိလံ ကသာဝေါ သာဒု အသာဒူတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ တတ္ထ ကာယာယတနံ အတ္ထိ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနံ တေန ကာယေန တံ ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုသတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ကက္ခဋံ မုဒုကံ သဏှံ ဖရသံ သုခသမ္ပဿံ ဒုက္ခသမ္ပဿံ ဂရုကံ လဟုကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၂၃။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သဋ္ဌာယတနိကော အတ္တဘာဝေါ ရူပဓာတုယာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု အတ္ထိ တတ္ထ ဃာနနိမိတ္တံ ဇိဝှိနိမိတ္တံ ကာယနိမိတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ တတ္ထ ဃာနနိမိတ္တံ ဇိဝှိနိမိတ္တံ ကာယနိမိတ္တံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဋ္ဌာယတနိကော အတ္တဘာဝေါ ရူပဓာတုယာ”တိ။

ရူပဓာတုယာ အာယတနကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ဂ-အဋ္ဌမဝဂ္ဂ

### (၈၀) ဂ-အရူပေ ရူပကထာ

၅၂၄။ \* အတ္ထိ ရူပံ အရူပေသုတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပဘဝေါ ရူပဂတိ ရူပသတ္တာဝါသော ရူပသံသာရော ရူပယောနိ ရူပတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နနု အရူပဘဝေါ အရူပဂတိ အရူပသတ္တာဝါသော အရူပသံသာရော အရူပယောနိ အရူပတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရူပဘဝေါ။ပ။ အရူပတ္တဘာဝပဋိလာဘော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ ရူပံ အရူပေသု”တိ။

\* အတ္ထိ ရူပံ အရူပေသုတိ၊ အာမန္တာ။ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါ ဂတိ သတ္တာဝါသော သံသာရော ယောနိ ဝိညာဏဋ္ဌိတိ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န



ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန စတုဝေါကာရဘဝေါ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ စတုဝေါကာရဘဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ရူပံ အရူပေသု”တိ။

၅၂၅။ \* အတ္ထိ ရူပံ ရူပဓာတုယာ၊ သော စ ရူပဘဝေါ ရူပဂတိ ရူပသတ္တဝါဝါသော ရူပသံသာရော ရူပယောနိ ရူပတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ရူပံ အရူပေသု၊ သော စ ရူပဘဝေါ ရူပဂတိ။ပ။ ရူပတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ရူပံ ရူပဓာတုယာ၊ သော စ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ရူပံ အရူပေသု၊ သော စ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ ရူပံ အရူပေသု၊ သော စ အရူပဘဝေါ အရူပဂတိ အရူပသတ္တဝါဝါသော အရူပသံသာရော အရူပယောနိ အရူပတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ရူပံ ရူပဓာတုယာ၊<sup>၁</sup> သော စ အရူပဘဝေါ အရူပဂတိ။ပ။ အရူပတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ရူပံ အရူပေသု၊ သော စ စတုဝေါကာရဘဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ရူပံ ရူပဓာတုယာ၊<sup>၂</sup> သော စ စတုဝေါကာရဘဝေါ ဂတိ။ပ။ အတ္တဘာဝပဋိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၂၆။ \* အတ္ထိ ရူပံ အရူပေသုတိ၊ အာမန္တာ။ နန ရူပါနံ နိဿရဏံ အရူပံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ရူပါနံ နိဿရဏံ အရူပံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ရူပံ အရူပေသု”တိ။

\* ရူပါနံ နိဿရဏံ အရူပံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထိ ရူပံ အရူပေသု”တိ၊ အာမန္တာ။ ကာမာနံ နိဿရဏံ နေက္ခမ္ပံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထိ နေက္ခမ္မေသု ကာမာ၊ အတ္ထိ အနာသဝေသု အာသဝါ၊ အတ္ထိ အပရိယာပန္နေသု ပရိယာပန္နာ”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အရူပေ ရူပကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၈-အဋ္ဌမဝဂ္ဂ

## (၈၁) ၉-ရူပံ ကမ္မန္တိကထာ

၅၂၇။ \* ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ ကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ သာရမ္ဗဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အဘောဂေါ သမန္တာဟာရော မနသိကာရော စေတနာ ပတ္တနာ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန အနာရမ္ဗဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အဘောဂေါ သမန္တာဟာရော မနသိကာရော စေတနာ ပတ္တနာ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာရမ္ဗဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ ကုသလ”န္တိ။

\* ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတော ဖဿော ကုသလော သာရမ္ဗဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ ကုသလံ သာရမ္ဗဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတာ ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ စေတနာ။ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။ သမာဓိ။ပ။ ပညာ ကုသလာ သာရမ္ဗဏာ၊ အတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ ကုသလံ သာရမ္ဗဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ ကုသလံ အနာရမ္ဗဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတော ဖဿော ကုသလော အနာရမ္ဗဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ ကုသလံ အနာရမ္ဗဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတာ ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ စေတနာ။ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။ သမာဓိ။ပ။ ပညာ ကုသလာ အနာရမ္ဗဏာ၊ နတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၂၈။ \* ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ ကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ယံ ကိဉ္စိ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပံ သဗ္ဗံ တံ ကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၅၃၀။ \* ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ ဖဿဝိပ္ပယုတ္တံ  
 ကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပါယတနံ ဖဿဝိပ္ပယုတ္တံ  
 ကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗျေ။ ပ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ



ဇဿဝိပ္ပယုတ္တံ ကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ သဒ္ဓါ-  
ယတနံ။ပ။ ဂန္ဓာယတနံ။ ရသာယတနံ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနံ။ပ။ ပထဝီဓာတု။  
အာပေါဓာတု။ တေဇောဓာတု။ပ။ ဝါယောဓာတု ဇဿဝိပ္ပယုတ္တာ ကုသလာတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပါယတနံ ဇဿဝိပ္ပယုတ္တံ အဗျာကတန္တိ၊  
အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ ဇဿဝိပ္ပယုတ္တံ  
အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ  
သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ ဂန္ဓာယတနံ။ ရသာယတနံ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနံ။ပ။ ပထဝီဓာတု။  
အာပေါဓာတု။ တေဇောဓာတု။ပ။ ဝါယောဓာတု ဇဿဝိပ္ပယုတ္တာ အဗျာ-  
ကတာတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ  
ဇဿဝိပ္ပယုတ္တံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၃၁။ \* ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ အနာရမ္မဏံ  
ဇဿဝိပ္ပယုတ္တံ ကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပါယတနံ  
အနာရမ္မဏံ ဇဿဝိပ္ပယုတ္တံ ကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကုသလေန စိတ္တေန  
သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ အနာရမ္မဏံ ဇဿဝိပ္ပယုတ္တံ ကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။  
ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ ဂန္ဓာယတနံ။ ရသာယတနံ  
ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနံ။ပ။ ပထဝီဓာတု။ အာပေါဓာတု။ တေဇောဓာတု။ပ။  
ဝါယောဓာတု အနာရမ္မဏာ ဇဿဝိပ္ပယုတ္တာ ကုသလာတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပါယတနံ အနာရမ္မဏံ ဇဿဝိပ္ပယုတ္တံ  
အဗျာကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ  
အနာရမ္မဏံ ဇဿဝိပ္ပယုတ္တံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကုသလေန  
စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ ဂန္ဓာယတနံ။ ရသာယတနံ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာ-  
ယတနံ။ပ။ ပထဝီဓာတု။ အာပေါဓာတု။ တေဇောဓာတု။ပ။ ဝါယောဓာတု  
အနာရမ္မဏာ ဇဿဝိပ္ပယုတ္တာ အဗျာကတာတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန  
သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ အနာရမ္မဏံ ဇဿဝိပ္ပယုတ္တံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၃၂။ \* ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္မံ ရူပံ ကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။  
သာရမ္မဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နနု



အနာရမ္မဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာရမ္မဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ပံ ရူပံ ကုသလ”န္တိ။

\* ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတော ဖဿော ကုသလော သာရမ္မဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ပံ ရူပံ ကုသလံ သာရမ္မဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတာ ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ စေတနာ။ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။ သမာဓိ။ပ။ ပညာ ကုသလာ သာရမ္မဏာ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ပံ ရူပံ ကုသလံ သာရမ္မဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ပံ ရူပံ ကုသလံ အနာရမ္မဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတော ဖဿော ကုသလော အနာရမ္မဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ပံ ရူပံ ကုသလံ အနာရမ္မဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတာ ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ စေတနာ။ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။ သမာဓိ။ပ။ ပညာ ကုသလာ အနာရမ္မဏာ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ပံ ရူပံ ကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ယံ ကိဉ္စိ ကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပံ သမ္ပံ တံ ကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ယထာ ကာယကမ္ပံ တထာ ဝစီကမ္မန္တိ။

၅၃၃။ \* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္ပံ ရူပံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ သာရမ္မဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အာဘောဂေါ သမန္တာဟာရော မနသိကာရော စေတနာ ပတ္တနာ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန အနာရမ္မဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အာဘောဂေါ သမန္တာဟာရော မနသိကာရော စေတနာ ပတ္တနာ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာရမ္မဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အာဘောဂေါ သမန္တာဟာရော မနသိကာရော စေတနာ ပတ္တနာ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္ပံ ရူပံ အကုသလ”န္တိ။



\* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတော ဖဿော အကုသလော သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ အကုသလံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတာ ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ စေတနာ။ ရာဂေါ။ ဒေါသော။ မောဟော။ မာနော။ ဒိဋ္ဌိ။ ဝိစိကိစ္ဆာ။ ထိနံ။ ဥဒ္ဓစ္စံ။ အဟိရိကံ။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ အကုသလံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ အကုသလံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ အကုသလံ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတော ဖဿော အကုသလော အနာရမ္ပဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ အကုသလံ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတာ ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ စေတနာ။ ရာဂေါ။ ဒေါသော။ မောဟော။ မာနော။ ဒိဋ္ဌိ။ ဝိစိကိစ္ဆာ။ ထိနံ။ ဥဒ္ဓစ္စံ။ အဟိရိကံ။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ အကုသလံ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ကာယကမ္မံ ရူပံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ယံ ကိဉ္စိ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပံ သဗ္ဗံ တံ အကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၃၄။ \* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္မံ ရူပံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နနု အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္မံ ရူပံ အကုသလ”န္တိ။

\* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတော ဖဿော အကုသလော သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္မံ ရူပံ အကုသလံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတာ ဝေဒနာ။ပ။



သညာ။ စေတနာ။ ရာဂေါ။ ဒေါသော။ မောဟော။ မာနော။ ဒိဋ္ဌိ။ ဝိစိကိစ္ဆာ။ ထိနံ။ ဥဒ္ဓစ္စံ။ အဟိရိကံ။ပ။ အနောတ္တပုံ အကုသလံ သာရမ္မဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္မံ ရူပံ အကုသလံ သာရမ္မဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္မံ ရူပံ အကုသလံ အနာရမ္မဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတော ဖဿော အကုသလော အနာရမ္မဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္မံ ရူပံ အကုသလံ အနာရမ္မဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတာ ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ စေတနာ။ ရာဂေါ။ ဒေါသော။ မောဟော။ မာနော။ ဒိဋ္ဌိ။ ဝိစိကိစ္ဆာ။ ထိနံ။ ဥဒ္ဓစ္စံ။ အဟိရိကံ။ပ။ အနောတ္တပုံ အကုသလံ အနာရမ္မဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္မံ ရူပံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ယံ ကိဉ္စိ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပံ သဗ္ဗံ တံ အကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၃၅။ \* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္မံ ရူပံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပါယတနံ အကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္မံ ရူပံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ ဂန္ဓာယတနံ။ ရသာယတနံ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနံ။ပ။ ပထဝီဓာတု။ အာပေါဓာတု။ တေဇောဓာတု။ပ။ ဝါယောဓာတု အသုစိ အဿု လောဟိတံ သေဒေါ အကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပါယတနံ အဗျာကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္မံ ရူပံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ ဂန္ဓာယတနံ။ ရသာယတနံ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနံ။ပ။ ပထဝီဓာတု။ အာပေါဓာတု။ တေဇောဓာတု။ပ။ ဝါယောဓာတု အသုစိ အဿု လောဟိတံ သေဒေါ အဗျာကတောတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္မံ ရူပံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပါယတနံ အနာရမ္မဏံ အဗျာကတန္တိ၊  
အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ပံ ရူပံ အနာရမ္မဏံ  
အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ  
သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ ဂန္ဓာယတနံ။ ရသာယတနံ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနံ။ပ။ ပထဝီဓာတု။  
အာပေါဓာတု။ တေဇောဓာတု။ပ။ ဝါယောဓာတု အသုစိ အဿု လောဟိတံ  
သေဒေါ အနာရမ္မဏော အဗျာကတောတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန  
သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ပံ ရူပံ အနာရမ္မဏံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၃၇။ \* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္မံ ရူပံ ဖဿဝိပ္ပယုတ္တံ  
အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပါယတနံ ဖဿ-  
ဝိပ္ပယုတ္တံ အကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ  
ဝစီကမ္မံ ရူပံ ဖဿဝိပ္ပယုတ္တံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန  
သမုဋ္ဌိတံ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ ဂန္ဓာယတနံ။ ရသာယတနံ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနံ။  
ပထဝီဓာတု။ အာပေါဓာတု။ တေဇောဓာတု။ပ။ ဝါယောဓာတု အသုစိ အဿု  
လောဟိတံ သေဒေါ ဖဿဝိပ္ပယုတ္တော အကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပါယတနံ ဖဿဝိပ္ပယုတ္တံ အဗျာကတန္တိ၊  
အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ဘံ ရူပံ အနာရမ္မဏံ  
ဖဿဝိပ္ပယုတ္တံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အကုသလေန စိတ္တေန  
သမုဋ္ဌိတံ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ ဂန္ဓာယတနံ။ ရသာယတနံ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနံ။ ပထဝီ-  
ဓာတု။ အာပေါဓာတု။ တေဇောဓာတု။ပ။ ဝါယောဓာတု အသုစိ အသု  
လောဟိတံ သေဒေါ အနာရမ္မဏော ဖဿဝိပ္ပယုတ္တော အဗျာကတောတိ၊  
အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ဘံ ရူပံ အနာရမ္မဏံ ဖဿ-  
ဝိပ္ပယုတ္တံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ပံ ရူပံ အနာရမ္မဏံ ဖဿဝိပ္ပယုတ္တံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပါယတနံ အနာရမ္မဏံ ဖဿဝိပ္ပယုတ္တံ အကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ပံ ရူပံ အနာရမ္မဏံ ဖဿဝိပ္ပယုတ္တံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ ဂန္ဓာယတနံ။ ရသာယတနံ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနံ။ ပထဝီဓာတု။ အာပေါဓာတု။ တေဇောဓာတု။ပ။ ဝါယောဓာတု အသုစိ အဿု လောဟိတံ သေဒေါ အနာရမ္မဏော ဖဿဝိပ္ပယုတ္တော အကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ရူပါယတနံ အနာရမ္မဏံ ဖဿဝိပ္ပယုတ္တံ အဗျာကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ပံ ရူပံ အနာရမ္မဏံ ဖဿဝိပ္ပယုတ္တံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ သဒ္ဓါယတနံ။ပ။ ဂန္ဓာယတနံ။ ရသာယတနံ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနံ။ ပထဝီဓာတု။ အာပေါဓာတု။ တေဇောဓာတု။ပ။ ဝါယောဓာတု အသုစိ အဿု လောဟိတံ သေဒေါ အနာရမ္မဏော ဖဿဝိပ္ပယုတ္တော အဗျာကတောတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဝစီကမ္ပံ ရူပံ အနာရမ္မဏံ ဖဿဝိပ္ပယုတ္တံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၃၈။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ကာယကမ္ပံ ဝစီကမ္ပံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကာယကမ္ပံ ဝစီကမ္ပံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိ”တိ။

\* ရူပံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခာယတနံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာယတနံ။ပ။ သာနာယတနံ။ ဇိဌါယတနံ။ ကာယာယတနံ။ ရူပါယတနံ။ သဒ္ဓါယတနံ။ ဂန္ဓာယတနံ။ ရသာယတနံ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနံ။ ပထဝီဓာတု။ အာပေါဓာတု။ တေဇောဓာတု။ပ။ ဝါယောဓာတု အသုစိ အဿု လောဟိတံ သေဒေါ ကုသလောပိ အကုသလောပီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကာယော ရူပံ ကာယကမ္ပံ ရူပန္တိ၊ အာမန္တာ။ မနော ရူပံ မနောကမ္ပံ ရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မနော အရူပံ မနောကမ္ပံ အရူပန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကာယော အရူပံ ကာယကမ္ပံ အရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* ကာယော ရူပန္တိ ကာယကမ္မံ ရူပန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခာယတနံ ရူပန္တိ စက္ခုရိညာဏံ ရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကာယော ရူပန္တိ ကာယကမ္မံ ရူပန္တိ၊ အာမန္တာ။ သောတာယတနံ ရူပန္တိ သောတဝိညာဏံ ရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကာယော ရူပန္တိ ကာယကမ္မံ ရူပန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဃာနာယတနံ ရူပန္တိ ဃာနဝိညာဏံ ရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကာယော ရူပန္တိ ကာယကမ္မံ ရူပန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဇိဝှိယတနံ ရူပန္တိ ဇိဝှိရိညာဏံ ရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကာယော ရူပန္တိ ကာယကမ္မံ ရူပန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကာယာယတနံ ရူပန္တိ ကာယဝိညာဏံ ရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၃၉။ \* ရူပံ ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “စေတနာဟံ ဘိက္ခဝေ ကမ္မံ ဝဒါမိ စေတယိတွာ ကမ္မံ ကရေတိ ကာယေန ဝါစာယ မနဿ”တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ရူပံ ကမ္မ”န္တိ။

\* ရူပံ ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ကာယေ ဝါအာနန္ဒ<sup>၂</sup> သတိ ကာယသဗ္ဗေတနာဟေတု ဥပ္ပဇ္ဇတိ အဇ္ဈတ္တံ သုခဒုက္ခံ၊ ဝါစာယ ဝါ အာနန္ဒ<sup>၂</sup> သတိ ဝစီသဗ္ဗေတနာဟေတု ဥပ္ပဇ္ဇတိ အဇ္ဈတ္တံ သုခဒုက္ခံ၊ မနေ ဝါ အာနန္ဒ<sup>၂</sup> သတိ မနောသဗ္ဗေတနာဟေတု ဥပ္ပဇ္ဇတိ အဇ္ဈတ္တံ သုခဒုက္ခံ”န္တိ<sup>၃</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ရူပံ ကမ္မ”န္တိ။

\* ရူပံ ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “တိဝိဓာ ဘိက္ခဝေ ကာယ-သဗ္ဗေတနာ အကုသလံ ကာယကမ္မံ ဒုက္ခုဒြိယံ ဒုက္ခဝိပါကံ၊ စတုဗ္ဗိဓာ ဘိက္ခဝေ ဝစီသဗ္ဗေတနာ အကုသလံ ဝစီကမ္မံ ဒုက္ခုဒြိယံ ဒုက္ခဝိပါကံ၊ တိဝိဓာ ဘိက္ခဝေ မနောသဗ္ဗေတနာ အကုသလံ မနောကမ္မံ ဒုက္ခုဒြိယံ ဒုက္ခဝိပါကံ၊ တိဝိဓာ ဘိက္ခဝေ ကာယသဗ္ဗေတနာ ကုသလံ ကာယကမ္မံ သုခဒြိယံ သုခဝိပါကံ၊ စတုဗ္ဗိဓာ ဘိက္ခဝေ ဝစီသဗ္ဗေတနာ ကုသလံ ဝစီကမ္မံ သုခဒြိယံ သုခဝိပါကံ၊ တိဝိဓာ ဘိက္ခဝေ မနောသဗ္ဗေတနာ ကုသလံ မနောကမ္မံ သုခဒြိယံ သုခဝိပါကံ”န္တိ<sup>၄</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ရူပံ ကမ္မ”န္တိ။

\* ရူပံ ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သစာယံ အာနန္ဒ သမိဒ္ဓိ မောဃပုရိသော ပါဠိလိပုတ္တဿ<sup>၅</sup> ပရိဗ္ဗာဇကဿ ဧဝံ ပုဋ္ဌော ဧဝံ ဗျာကရေယျ

၁-အံ ၂-၃၆၃-ပိဋေ နိဗ္ဗေမိကသုတ္တေ။

၃-သံ ၁-၂၇၅-ပိဋေ၊ အံ ၁-၄၇၆-ပိဋေပိ။

၅-ပေါတလိပုတ္တဿ (မ ၃-၂၅၁-ပိဋေ။)

၂-ဟာနန္ဒ (သံ ၁-၂၇၅-ပိဋေ။)

၄-အံ ၃-၄၉၇-ထောက် ပန ဝိသဒိသံ။



‘သဗ္ဗေတနိယံ အာရုဿော ပါဠိလိပုတ္တ ကမ္မံ ကတွာ ကာယေန ဝါစာယ မနဿာ သုခဝေဒနိယံ သုခံ သော ဝေဒယတိ။ သဗ္ဗေတနိယံ အာရုဿော ပါဠိလိပုတ္တ ကမ္မံ ကတွာ ကာယေန ဝါစာယ မနဿာ ဒုက္ခဝေဒနိယံ ဒုက္ခံ သော ဝေဒယတိ။ သဗ္ဗေတနိယံ အာရုဿော ပါဠိလိပုတ္တ ကမ္မံ ကတွာ ကာယေန ဝါစာယ မနဿာ အဒုက္ခမသုခဝေဒနိယံ အဒုက္ခမသုခံ သော ဝေဒယတိ’တိ။ ဧဝံ ဗျာကရမာနော ခေါ အာနန္ဒ သမိဒ္ဓိ မောဃပုရိသော ပါဠိလိပုတ္တဿ ပရိဗ္ဗာဇကဿ သမ္မာ ဗျာကရမာနော ဗျာကရေယျာ”တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပံ ကမ္မ”န္တိ။

ရူပံ ကမ္မန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ဂ-အဋ္ဌမဝဂ္ဂ

#### (၈၂) ၁၀-ဇိဝိတိန္ဒြိယကထာ

၅၄၀။ \* နတ္ထိ ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ ရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု ဌိတိ ယပနာ ယာပနာ ဣရိယနာ ဝတ္တနာ ပါလနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု ဌိတိ ယပနာ ယာပနာ ဣရိယနာ ဝတ္တနာ ပါလနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု ဌိတိ ယပနာ ယာပနာ ဣရိယနာ ဝတ္တနာ ပါလနာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယ”န္တိ။

\* အတ္ထိ အရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု ဌိတိ ယပနာ ယာပနာ ဣရိယနာ ဝတ္တနာ ပါလနာ၊ အတ္ထိ အရူပဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု ဌိတိ ယပနာ ယာပနာ ဣရိယနာ ဝတ္တနာ ပါလနာ၊ အတ္ထိ ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု ဌိတိ ယပနာ ယာပနာ ဣရိယနာ ဝတ္တနာ ပါလနာ၊ နတ္ထိ ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ အရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု ဌိတိ ယပနာ ယာပနာ ဣရိယနာ ဝတ္တနာ ပါလနာ၊ နတ္ထိ အရူပဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု အရူပဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ အရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရူပဇိဝိတိန္ဒြိယ”န္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၅၄၁။ \* ရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု အရူပဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပီနံ ဓမ္မာနံ အာယု န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အရူပဇိဝိတိန္ဒြိယ”န္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပီနဉ္စ အရူပီနဉ္စ ဓမ္မာနံ အာယု အရူပဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပီနဉ္စ အရူပီနဉ္စ ဓမ္မာနံ အာယု ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပီနဉ္စ အရူပီနဉ္စ ဓမ္မာနံ အာယု န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပီနဉ္စ အရူပီနဉ္စ ဓမ္�ာနံ အာယု န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အရူပဇိဝိတိန္ဒြိယ”န္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နတ္ထိ ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ နိရောဓံ သမာပန္နဿ နတ္ထိ ဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၄၂။ \* နိရောဓံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နိရောဓံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဇိဝိတိန္ဒြိယံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “နတ္ထိ ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယ”န္တိ။

\* နိရောဓံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကတမက္ခန္ဓပရိယာပန္နန္တိ၊ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နန္တိ။ နိရောဓံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ သင်္ခါရက္ခန္ဓောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* နိရောဓံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ သင်္ခါရက္ခန္ဓောတိ၊ အာမန္တာ။ နိရောဓံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝေဒနာက္ခန္ဓော။ပ။ သညာက္ခန္ဓော။ပ။ ဝိညာဏက္ခန္ဓောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* နိရောဓံ သမာပန္နဿ အတ္ထိ ဝေဒနာက္ခန္ဓော။ပ။ သညာက္ခန္ဓော။ပ။ ဝိညာဏက္ခန္ဓောတိ၊ အာမန္တာ။ န နိရောဓံ သမာပန္နောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၄၃။ \* နတ္ထိ ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အသညသတ္တာနံ နတ္ထိ ဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အသညသတ္တာနံ အတ္ထိ ဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အသညသတ္တာနံ အတ္ထိ ဇိဝိတိန္ဒြိယံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “နတ္ထိ ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယ”န္တိ။ အသညသတ္တာနံ အတ္ထိ ဇိဝိတိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကတမက္ခန္ဓပရိယာပန္နန္တိ၊ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နန္တိ။ အသညသတ္တာနံ အတ္ထိ သင်္ခါရက္ခန္ဓောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



\* အသညသတ္တာနံ အတ္ထိ သင်္ခါရက္ခန္ဓောတိ၊ အာမန္တာ။ အသညသတ္တာနံ အတ္ထိ ဝေဒနာက္ခန္ဓော။ပ။ သညာက္ခန္ဓော။ပ။ ဝိညာဏက္ခန္ဓောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အသညသတ္တာနံ အတ္ထိ ဝေဒနာက္ခန္ဓော။ပ။ သညာက္ခန္ဓော။ပ။ ဝိညာဏက္ခန္ဓောတိ၊ အာမန္တာ။ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၄၄။ \* ဥပပက္ခေသိယေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဇီဝိတိန္ဒြိယံ ဥပပက္ခေသိယေ စိတ္တေ ဘိဇ္ဇမာနေ ဧကဒေသံ ဘိဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပပက္ခေသိယေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတော ဖဿော ဥပပက္ခေသိယေ စိတ္တေ ဘိဇ္ဇမာနေ ဧကဒေသော ဘိဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဥပပက္ခေသိယေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတော ဖဿော ဥပပက္ခေသိယေ စိတ္တေ ဘိဇ္ဇမာနေ အနဝသေသော ဘိဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပပက္ခေသိယေန စိတ္တေန သမုဋ္ဌိတံ ဇီဝိတိန္ဒြိယံ ဥပပက္ခေသိယေ စိတ္တေ ဘိဇ္ဇမာနေ အနဝသေသံ ဘိဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၄၅။ † ဒွေ ဇီဝိတိန္ဒြိယာနိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွိဟိ ဇီဝိတေဟိ ဇီဝတိ၊ ဒွိဟိ မရဏေဟိ ဗီယတိတိ၊ အာမန္တာ။

ဇီဝိတိန္ဒြိယကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ဂ-အဋ္ဌမဝဂ္ဂ

#### (၈၃) ၁၁-ကမ္မဟေတုကထာ

၅၄၆။ \* ကမ္မဟေတု အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မဟေတု သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာ ပရိဟာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကမ္မဟေတု အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မဟေတု သကဒါဂါမီ။ပ။ အနာဂါမီ အနာဂါမိဖလာ ပရိဟာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကမ္မဟေတု သောတာပန္နော သောတာပတ္တိဖလာ န ပရိဟာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မဟေတု အရဟာ အရဟတ္တာ န ပရိဟာယတိတိ၊ န ဟေဝံ



ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကမ္မဟေတု သကဒါဂါမီ။ပ။ အနာဂါမီ အနာဂါမိဖလာ န ပရိဟာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မဟေတု အရဟာ အရဟတ္တာ န ပရိဟာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ကမ္မဟေတု အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပါဏာတိ-  
ပါတကမ္မဿ ဟေတူတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အဒိန္နာဒါနကမ္မဿ ဟေတူ။ပ။  
ကာမေသုမိစ္ဆာစာရကမ္မဿ ဟေတူ။ မုသာဝါဒကမ္မဿ ဟေတူ။ ပိသုဏဝါစာ-  
ကမ္မဿ ဟေတူ။ ဖရုသဝါစာကမ္မဿ ဟေတူ။ သမ္ပပ္ပလာပကမ္မဿ ဟေတူ။  
မာတုဃာတကမ္မဿ ဟေတူ။ ပိတုဃာတကမ္မဿ ဟေတူ။ အရဟန္တဃာတ-  
ကမ္မဿ ဟေတူ။ ရုဟိရုပ္ပါဒကမ္မဿ ဟေတူ။ပ။ သံဃဘေဒကမ္မဿ ဟေတူတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ကတမဿ ကမ္မဿ ဟေတူတိ၊ ဟန္တ ဟိ အရဟန္တာနံ အပ္ပာစိက္ခတိတိ။  
အရဟန္တာနံ အပ္ပာစိက္ခနကမ္မဿ ဟေတု အရဟာ အရဟတ္တာ ပရိဟာယတိတိ၊  
အာမန္တာ။ ယေ ကေစိ အရဟန္တာနံ အပ္ပာစိက္ခန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ အရဟတ္တံ သမ္ဘိ-  
ကရေန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

ကမ္မဟေတုကထာ နိဋ္ဌိတာ။

အဋ္ဌမော ဝဂ္ဂေါ။

### တသုဒ္ဓါနံ

ဆ ဂတိယော၊ အန္တရာဘဝေါ၊ ပဉ္စေဝ ကာမဂုဏာ ကာမဓာတု၊ ပဉ္စေဝ  
အာယတနာ ကာမာ၊ ရူပိနော ဓမ္မာ ရူပဓာတု၊ အရူပိနော ဓမ္မာ အရူပဓာတု၊  
သဠာယတနိကော အတ္တဘာဝေါ ရူပဓာတုယာ၊ အတ္ထိ ရူပံ အရူပေသု၊  
ရူပံ ကမ္မံ၊ ရူပံ ဇီဝိတံ၊ ကမ္မဟေတုကာ ပရိဟာယတိတိ။

၉-နဝမဝဂ္ဂ

### (၈၄) ၁-အာနိသံသဒဿာဝိကထာ

၅၄၇။ \* အာနိသံသဒဿာဝိဿ သံယောဇနာနံ ပဟာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု  
သင်္ခါရေ အနိစ္စတော မနသိကရောတော သံယောဇနာ ပဟိယန္တိတိ၊ အာမန္တာ။

၁-မာတုဃာတကကမ္မဿ (သျှာ)၊ မာတုဃာတိကမ္မဿ (က) တထာ ပိတုဃာတအရဟန္တဃာတ-  
ကမ္မဿာတိပဒေသု။



ဟဉ္စိ သင်္ခါရေ အနိစ္စတော မနသိကရောတော သံယောဇနာ ပဟိယန္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အာနိသံသဒဿාරိဿ သံယောဇနာနံ ပဟာန”န္တိ။

\* နနု သင်္ခါရေ ဒုက္ခတော။ပ။ ရောဂတော။ ဂဏ္ဍတော။ သလ္လတော။ အဿတော။ အာဗာဓတော။ ပရတော။ ပလောကတော။ ဤတိတော။ ဥပဒ္ဒဝတော။ ဘယတော။ ဥပသဂ္ဂတော။ စလတော။ ပဘင်္ဂတော။ အဒ္ဓါဝတော။ အတာဏတော။ အလေဏတော။ အသရဏတော။ အသရဏိဘူတတော။ ရိတ္တတော။ တုစ္ဆတော။ သုညတော။ အနတ္တတော။ အာဒိနဝတော။ပ။ ဝိပရိဏာမဓမ္မတော မနသိကရောတော သံယောဇနာ ပဟိယန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သင်္ခါရေ ဝိပရိဏာမဓမ္မတော မနသိကရောတော သံယောဇနာ ပဟိယန္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အာနိသံသဒဿාරိဿ သံယောဇနာနံ ပဟာန”န္တိ။

\* သင်္ခါရေ စ အနိစ္စတော မနသိ ကရောတိ နိဗ္ဗာနေ စ အာနိသံသဒဿාරိ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သင်္ခါရေ စ အနိစ္စတော မနသိ ကရောတိ နိဗ္ဗာနေ စ အာနိသံသဒဿාරိ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဦန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ဦန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သင်္ခါရေ စ ဒုက္ခတော။ပ။ ဝိပရိဏာမဓမ္မတော မနသိ ကရောတိ နိဗ္ဗာနေ စ အာနိသံသဒဿාරိ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သင်္ခါရေ စ ဝိပရိဏာမဓမ္မတော မနသိ ကရောတိ နိဗ္ဗာနေ စ အာနိသံသဒဿාරိ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဦန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ဦန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၄၈။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အာနိသံသဒဿාරိဿ သံယောဇနာနံ ပဟာန”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု နိဗ္ဗာနေ သုခါနုပဿိ ဝိဟရတိ၊ သုခသညိ သုခပဋိသံဝေဒိ သတတံ သမိတံ အဗ္ဗောကိဏ္ဍံ စေတသာ အဓိမုစ္စမာနော ပညာယ ပရိယောဂါဟမာနော”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အာနိသံသဒဿාරိဿ သံယောဇနာနံ ပဟာနန္တိ။

အာနိသံသဒဿාරိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၉-နဝမဝဂ္ဂ

(၈၅) ၂-အမတာရမ္မဏကထာ

၅၄၉။ \* အမတာရမ္မဏံ သံယောဇနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အမတံ သံယောဇနိယံ ဂန္ထနိယံ ဩဃနိယံ ယောဂနိယံ နိဝရဏိယံ ပရာမဋ္ဌံ ဥပါဒါနိယံ သံကိလေသိယန္တိ၊



န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန အမတံ အသံယောဇနိယံ အဂန္တနိယံ။ပ။ အသံ-  
ကိလေသိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အမတံ အသံယောဇနိယံ။ပ။ အသံကိလေသိယံ၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အမတာရမ္ပဏံ သံယောဇန”န္တိ။

\* အမတံ အာရပ္ပ ရာဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ အမတံ ရာဂဌာနိယံ ရဇနိယံ  
ကမနိယံ မဒနိယံ ဗန္ဓနိယံ မုစ္ဆနိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန အမတံ န ရာဂ-  
ဌာနိယံ န ရဇနိယံ န ကမနိယံ န မဒနိယံ န ဗန္ဓနိယံ န မုစ္ဆနိယန္တိ၊ အာမန္တာ။  
ဟဉ္စိ အမတံ န ရာဂဌာနိယံ န ရဇနိယံ န ကမနိယံ န မဒနိယံ န ဗန္ဓနိယံ န  
မုစ္ဆနိယံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အမတံ အာရပ္ပ ရာဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ”တိ။

\* အမတံ အာရပ္ပ ဒေါသော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ အမတံ ဒေါသဌာနိယံ  
ကောပဌာနိယံ ပဋိသဌာနိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန အမတံ န  
ဒေါသဌာနိယံ န ကောပဌာနိယံ န ပဋိသဌာနိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အမတံ  
န ဒေါသဌာနိယံ န ကောပဌာနိယံ န ပဋိသဌာနိယံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ  
“အမတံ အာရပ္ပ ဒေါသော ဥပ္ပဇ္ဇတိ”တိ။

\* အမတံ အာရပ္ပ မောဟော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ အမတံ မောဟဌာနိယံ  
အညာဏကရဏံ အစက္ခကရဏံ ပညာနိရောဓိယံ ဝိသုဒ္ဓိယံ အနိဗ္ဗာန-  
သံဝတ္တနိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန အမတံ န မောဟဌာနိယံ န  
အညာဏကရဏံ န အစက္ခကရဏံ ပညာဗုဒ္ဓိယံ အဝိသုဒ္ဓိယံ နိဗ္ဗာန-  
သံဝတ္တနိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အမတံ န မောဟဌာနိယံ န အညာဏ-  
ကရဏံ။ပ။ နိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိယံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အမတံ အာရပ္ပ  
မောဟော ဥပ္ပဇ္ဇတိ”တိ။

၅၅၀။ \* ရူပံ အာရပ္ပ သံယောဇနာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ ရူပံ သံယောဇနိယံ ဂန္တနိယံ။ပ။  
သံကိလေသိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အမတံ အာရပ္ပ သံယောဇနာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ အမတံ  
သံယောဇနိယံ။ပ။ သံကိလေသိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပံ အာရပ္ပ ရာဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ရူပံ ရာဂဌာနိယံ ရဇနိယံ ကမနိယံ မဒနိယံ  
ဗန္ဓနိယံ မုစ္ဆနိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အမတံ အာရပ္ပ ရာဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ အမတံ  
ရာဂဌာနိယံ။ပ။ မုစ္ဆနိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပံ အာရပ္ပ ဒေါသော ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ရူပံ ဒေါသဌာနိယံ ကောပဌာနိယံ  
ပဋိသဌာနိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အမတံ အာရပ္ပ ဒေါသော ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ အမတံ  
ဒေါသဌာနိယံ ကောပဌာနိယံ ပဋိသဌာနိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



\* ရူပံ အာရဟ္မ မောဟော ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ရူပံ မောဟဋ္ဌာနိယံ အညာဏကရဏံ။ ပ။ အနိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိယန္တိ။ အာမန္တာ။ အမတံ အာရဟ္မ မောဟော ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ အမတံ မောဟဋ္ဌာနိယံ အညာဏကရဏံ။ ပ။ အနိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိယန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အမတံ အာရဟ္မ သံယောဇနာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ အမတံ အသံယောဇနိယံ အဂန္တနိယံ အနောဃနိယံ အယောဂနိယံ အနီဝရဏိယံ အပရာမဋ္ဌံ အနုပါဒါနိယံ အသံကိလေသိယန္တိ။ အာမန္တာ။ ရူပံ အာရဟ္မ သံယောဇနာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ ရူပံ အသံယောဇနိယံ အဂန္တနိယံ။ ပ။ အသံကိလေသိယန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အမတံ အာရဟ္မ ရာဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ အမတံ န ရာဂဋ္ဌာနိယံ န ရဇနိယံ န ကမနိယံ န မဒနိယံ န ဗန္ဓနိယံ န မုစ္ဆနိယန္တိ။ အာမန္တာ။ ရူပံ အာရဟ္မ ရာဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ရူပံ န ရာဂဋ္ဌာနိယံ။ ပ။ န မုစ္ဆနိယန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အမတံ အာရဟ္မ ဒေါသော ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ အမတံ န ဒေါသဋ္ဌာနိယံ န ကောပဋ္ဌာနိယံ န ပဋိသဋ္ဌာနိယန္တိ။ အာမန္တာ။ ရူပံ အာရဟ္မ ဒေါသော ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ရူပံ န ဒေါသဋ္ဌာနိယံ န ကောပဋ္ဌာနိယံ န ပဋိသဋ္ဌာနိယန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အမတံ အာရဟ္မ မောဟော ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ အမတံ န မောဟဋ္ဌာနိယံ န အညာဏကရဏံ။ ပ။ နိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိယန္တိ။ အာမန္တာ။ ရူပံ အာရဟ္မ မောဟော ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ရူပံ န မောဟဋ္ဌာနိယံ န အညာဏကရဏံ။ ပ။ နိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိယန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၅၅၁။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အမတာရမ္မဏံ သံယောဇန”န္တိ။ အာမန္တာ။ နန ဝတ္တံ ဘဂဝတာ “နိဗ္ဗာနံ နိဗ္ဗာနတော သဉ္ဇာနာတိ၊ နိဗ္ဗာနံ နိဗ္ဗာနတော သဉ္ဇာနိတွာ နိဗ္ဗာနံ မညတိ၊ နိဗ္ဗာနသ္မိံ မညတိ၊ နိဗ္ဗာနတော မညတိ၊ နိဗ္ဗာနံ မေတိ မညတိ၊ နိဗ္ဗာနံ အဘိနန္တတိ”တိ။ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ။ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အမတာရမ္မဏံ သံယောဇနန္တိ။

အမတာရမ္မဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၉-နဝမဝဂ္ဂ

(၈၆) ၃-ရူပံသာရမ္ပဏန္တိကထာ

၅၅၂။ \* ရူပံသာရမ္ပဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အဘောဂေါ သမန္တာဟာရော မနသိကာရော စေတနာ ပတ္တနာ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ နန နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အဘောဂေါ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အဘောဂေါ။ ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ သာရမ္ပဏ”န္တိ။

\* ဖဿော သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အဘောဂေါ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ သာရမ္ပဏံ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အဘောဂေါ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဝေဒနာ။ ပ။ သညာ စေတနာ စိတ္တံ သဒ္ဓါ ဝီရိယံ သတိ သမာဓိ ပညာ။ ရာဂေါ ဒေါသော မောဟော မာနော ဒိဋ္ဌိ ဝိစိကိစ္ဆာ ထိနံ ဥဒ္ဓစ္စံ အဟိရိကံ။ ပ။ အနောတ္တပ္ပံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အဘောဂေါ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ သာရမ္ပဏံ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အဘောဂေါ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ရူပံ သာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အဘောဂေါ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဖဿော သာရမ္ပဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အဘောဂေါ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ရူပံ သာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အဘောဂေါ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာ။ ပ။ အနောတ္တပ္ပံ သာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အဘောဂေါ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၅၅၃။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ ရူပံ သာရမ္ပဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ရူပံ သပ္ပစ္စယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ရူပံ သပ္ပစ္စယံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ သာရမ္ပဏ”န္တိ။

ရူပံ သာရမ္ပဏန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၉-နဝမဝဂ္ဂ

(၈၇) ၄-အနုသယာအနာရမ္ပဏကထာ

၅၅၄။ အနုသယာ အနာရမ္ပဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ နိဗ္ဗာနံ စက္ခာယတနံ။ ပ။  
ဇောဠုပ္ပာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ကာမရာဂါနုသယော အနာရမ္ပဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမရာဂေါ  
ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ ကာမရာဂသံယောဇနံ ကာမောသော ကာမယောဂေါ  
ကာမစ္ဆန္တနိဝရဏံ အနာရမ္ပဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ကာမရာဂေါ  
ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ ကာမရာဂသံယောဇနံ ကာမောသော ကာမယောဂေါ  
ကာမစ္ဆန္တနိဝရဏံ သာရမ္ပဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကာမရာဂါနုသယော သာရမ္ပ-  
ဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ကာမရာဂါနုသယော အနာရမ္ပဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ကတမက္ခန္ဓပရိယာ-  
ပန္နောတိ? သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နောတိ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော အနာရမ္ပဏောတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော အနာရမ္ပဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာက္ခန္ဓော  
သညာက္ခန္ဓော ဝိညာဏက္ခန္ဓော အနာရမ္ပဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ကာမရာဂါနုသယော သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော အနာရမ္ပဏောတိ၊  
အာမန္တာ။ ကာမရာဂေါ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော အနာရမ္ပဏောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ကာမရာဂေါ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော သာရမ္ပဏောတိ၊ အာမန္တာ။  
ကာမရာဂါနုသယော သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော သာရမ္ပဏောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ကာမရာဂါနုသယော သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော အနာရမ္ပဏော၊ ကာမ-  
ရာဂေါ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော သာရမ္ပဏောတိ၊ အာမန္တာ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော  
ဧကဒေသော သာရမ္ပဏော ဧကဒေသော အနာရမ္ပဏောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော ဧကဒေသော သာရမ္ပဏော ဧကဒေသော အနာ-  
ရမ္ပဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာက္ခန္ဓော သညာက္ခန္ဓော ဝိညာဏက္ခန္ဓော  
ဧကဒေသော သာရမ္ပဏော ဧကဒေသော အနာရမ္ပဏောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၅၅၅။ \* ပဋိဿာနုသယော မာနာနုသယော ဒိဋ္ဌာနုသယော ဝိစိကိစ္ဆာ-  
နုသယော ဘဝရာဂါနုသယော အဝိဇ္ဇာနုသယော အနာရမ္ပဏောတိ၊ အာမန္တာ။  
အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇောသော အဝိဇ္ဇာယောဂေါ အဝိဇ္ဇာနုသယော အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနံ



အဝိဇ္ဇာသံယောဇနံ အဝိဇ္ဇာနီဝရဏံ အနာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
 အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇောသော။ပ။ အဝိဇ္ဇာနီဝရဏံ သာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဝိဇ္ဇာ-  
 နုသယော သာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဝိဇ္ဇာနုသယော အနာရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ကတမက္ခန္ဓပရိယာ-  
 ပန္နောတိ? သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နောတိ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော အနာရမ္မဏောတိ၊ န  
 ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော အနာရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာက္ခန္ဓော  
 သညာက္ခန္ဓော ဝိညာဏက္ခန္ဓော အနာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဝိဇ္ဇာနုသယော သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော အနာရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။  
 အဝိဇ္ဇာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော အနာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
 အဝိဇ္ဇာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော သာရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။ အဝိဇ္ဇာနုသယော  
 သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော သာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဝိဇ္ဇာနုသယော သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော အနာရမ္မဏော၊ အဝိဇ္ဇာ  
 သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော သာရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော ဧကဒေသော  
 သာရမ္မဏော ဧကဒေသော အနာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
 သင်္ခါရက္ခန္ဓော ဧကဒေသော သာရမ္မဏော ဧကဒေသော အနာရမ္မဏောတိ၊  
 အာမန္တာ။ ဝေဒနာက္ခန္ဓော သညာက္ခန္ဓော ဝိညာဏက္ခန္ဓော ဧကဒေသော  
 သာရမ္မဏော ဧကဒေသော အနာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၅၆။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အနုသယာ အနာရမ္မဏာ”တိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနော  
 ကုသလာဗျာကတေ စိတ္တေ ဝတ္တမာနေ သာနုသယောတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။  
 အတ္ထိ တေသံ အနုသယာနံ အာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန  
 ဟိ အနုသယာ အနာရမ္မဏောတိ။ ပုထုဇ္ဇနော ကုသလာဗျာကတေ စိတ္တေ  
 ဝတ္တမာနေ သရာဂေါတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တဿ ရာဂဿ  
 အာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ ရာဂေါ အနာရမ္မဏောတိ။

အနုသယာ အနာရမ္မဏောတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၉-နဝမဝဂ္ဂ

(၈၈) ၅-ဉာဏ်အနာရမ္မဏန္တိကထာ

၅၅၇။ \* ဉာဏ် အနာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ နိဗ္ဗာနံ စက္ခာယတနံ။ပ။  
 ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဉာဏ် အနာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။



ပညာ ပညိန္ဒြိယံ ပညာဗလံ သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဓမ္မဝိစယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ အနာရမ္မဏောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပညာ ပညိန္ဒြိယံ ပညာဗလံ သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဓမ္မဝိစယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ  
သာရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ဉာဏံ သာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဉာဏံ အနာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကတမက္ခန္ဓပရိယာပန္နန္တိ ? သင်္ခါရက္ခန္ဓ-  
ပရိယာပန္နန္တိ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော အနာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
သင်္ခါရက္ခန္ဓော အနာရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာက္ခန္ဓော သညာက္ခန္ဓော  
ဝိညာဏက္ခန္ဓော အနာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဉာဏံ သင်္ခါရက္ခန္ဓ-  
ပရိယာပန္နံ အနာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပညာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ  
အနာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပညာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ  
သာရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ဉာဏံ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နံ သာရမ္မဏန္တိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဉာဏံ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နံ အနာရမ္မဏံ၊ ပညာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ  
သာရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော ဧကဒေသော သာရမ္မဏော  
ဧကဒေသော အနာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော ဧက-  
ဒေသော သာရမ္မဏော ဧကဒေသော အနာရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာ-  
က္ခန္ဓော သညာက္ခန္ဓော ဝိညာဏက္ခန္ဓော ဧကဒေသော သာရမ္မဏော  
ဧကဒေသော အနာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၅၈။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဉာဏံ အနာရမ္မဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတာ  
စက္ခုဝိညာဏသမင်္ဂိ ဉာဏီတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တဿ ဉာဏဿ  
အာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ ဉာဏံ အနာရမ္မဏန္တိ။ အရဟတာ  
စက္ခုဝိညာဏသမင်္ဂိ ပညဝါတိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တာယ ပညာယ  
အာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ ပညာ အနာရမ္မဏောတိ။

ဉာဏံ အနာရမ္မဏန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၉-နဝမဝဂ္ဂ

(၈၉) ၆-အတိတာနာဂတာရမ္မဏကထာ

၅၅၉။ \* အတိတာရမ္မဏံ စိတ္တံ အနာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတိတာ-  
ရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတိတာရမ္မဏံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ



\* အတိတာရမ္မဏံ စိတ္တံ အနာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု အတိတံ အာရပ္ပ အတ္ထိ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတိတံ အာရပ္ပ အတ္ထိ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတိတာရမ္မဏံ စိတ္တံ အနာရမ္မဏ”န္တိ။

\* အနာဂတာရမ္မဏံ စိတ္တံ အနာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နရ အနာဂတံ အာရပ္ပ  
အတ္ထိ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အနာဂတံ အာရပ္ပ  
အတ္ထိ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနာဂတာရမ္မဏံ  
စိတ္တံ အနာရမ္မဏ”န္တိ။

\* အတီတံ အာရဗ္ဗ အတ္ထိ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ အတီတာရမ္မဏံ စိတ္တံ အနာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ အာရဗ္ဗ အတ္ထိ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ ပစ္စုပ္ပန္နာရမ္မဏံ စိတ္တံ အနာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂတံ အာရဗ္ဗ အတ္ထိ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ အနာဂတာရမ္ပဏံ စိတ္တံ အနာရမ္ပဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ အာရဗ္ဗ အတ္ထိ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ ပစ္စုပ္ပန္နာရမ္ပဏံ စိတ္တံ အနာရမ္ပဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၅၆၁။ † န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “အတိတာနာဂတာရမ္ပဏံ စိတ္တံ အနာရမ္ပဏ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတိတာနာဂတံ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အတိတာနာဂတံ နတ္ထိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထုဗ္ဗေ “အတိတာနာဂတာရမ္ပဏံ စိတ္တံ အနာရမ္ပဏ”န္တိ။ပ။

အတိတာနာဂတာရမ္ပဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၉-နဝမဝဂ္ဂ

#### (၉၀) ၇-ဝိတက္ကနပတိတကထာ

၅၆၂။ \* သဗ္ဗံ စိတ္တံ ဝိတက္ကနပတိတန္တိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗံ စိတ္တံ ဝိစာရာနပတိတံ ဝိတာနပတိတံ သုခါနပတိတံ ဒုက္ခာနပတိတံ သောမနဿာနပတိတံ ဒေါမနဿာနပတိတံ ဥပေက္ခာနပတိတံ သဒ္ဓါနပတိတံ ဝီရိယာနပတိတံ သတာနပတိတံ သမာဓာနပတိတံ ပညာနပတိတံ ရာဂါနပတိတံ ဒေါသာနပတိတံ။ပ။ အနောတ္တပ္ပါနပတိတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထုဗ္ဗေ။ပ။

\* သဗ္ဗံ စိတ္တံ ဝိတက္ကနပတိတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အတ္ထိ အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထုဗ္ဗေ “သဗ္ဗံ စိတ္တံ ဝိတက္ကနပတိတ”န္တိ။

\* သဗ္ဗံ စိတ္တံ ဝိတက္ကနပတိတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ အဝိတက္ကော အဝိစာရော သမာဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အတ္ထိ အဝိတက္ကော အဝိစာရော သမာဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထုဗ္ဗေ “သဗ္ဗံ စိတ္တံ ဝိတက္ကနပတိတ”န္တိ။ သဗ္ဗံ စိတ္တံ ဝိတက္ကနပတိတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန တယော သမာဓိ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ သဝိတက္ကော သဝိစာရော သမာဓိ အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ အဝိတက္ကော အဝိစာရော သမာဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ တယော သမာဓိ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ သဝိတက္ကော သဝိစာရော သမာဓိ အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ အဝိတက္ကော အဝိစာရော သမာဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထုဗ္ဗေ “သဗ္ဗံ စိတ္တံ ဝိတက္ကနပတိတ”န္တိ။

ဝိတက္ကနပတိတကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၉-နဝမဝဂ္ဂ

## (၉၁) ဂ-ဝိတက္ကဝိပ္ပါရသဒ္ဒကထာ

၅၆၃။ \*သဗ္ဗသော ဝိတက္ကယတော ဝိစာရယတော ဝိတက္ကဝိပ္ပါရော သဒ္ဓေါတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗသော ဖုဿယတော ဖဿဝိပ္ပါရော သဒ္ဓေါ။ သဗ္ဗသော ဝေဒယတော ဝေဒနာဝိပ္ပါရော သဒ္ဓေါ။ သဗ္ဗသော သဗ္ဗာနတော သညာဝိပ္ပါရော သဒ္ဓေါ။ သဗ္ဗသော စေတယတော စေတနာဝိပ္ပါရော သဒ္ဓေါ။ သဗ္ဗသော စိန္တယတော စိတ္တဝိပ္ပါရော သဒ္ဓေါ။ သဗ္ဗသော သရတော သတိဝိပ္ပါရော သဒ္ဓေါ။ သဗ္ဗသော ပဇာနတော ပညာဝိပ္ပါရော သဒ္ဓေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\*သဗ္ဗသော ဝိတက္ကယတော ဝိစာရယတော ဝိတက္ကဝိပ္ပါရော သဒ္ဓေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိတက္ကဝိပ္ပါရော သဒ္ဓေါ သောတဝိညေယျော သောတသ္မိံ ပဋိဟညတိ သောတဿ အာပါယံ အာဂစ္ဆတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ နန ဝိတက္ကဝိပ္ပါရော သဒ္ဓေါ န သောတဝိညေယျော န သောတသ္မိံ ပဋိဟညတိ န သောတဿ အာပါယံ အာဂစ္ဆတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဝိတက္ကဝိပ္ပါရော သဒ္ဓေါ န သောတဝိညေယျော န သောတသ္မိံ ပဋိဟညတိ န သောတဿ အာပါယံ အာဂစ္ဆတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဗ္ဗသော ဝိတက္ကယတော ဝိစာရယတော ဝိတက္ကဝိပ္ပါရော သဒ္ဓေါ”တိ။

ဝိတက္ကဝိပ္ပါရသဒ္ဒကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၉-နဝမဝဂ္ဂ

## (၉၂) ၉-နယထာစိတ္တဿ ဝါစာတိကထာ

၅၆၄။ န ယထာစိတ္တဿ ဝါစာတိ၊ အာမန္တာ။ အဗဿကဿ ဝါစာ အဝေဒနကဿ ဝါစာ အသညကဿ ဝါစာ အစေတနကဿ ဝါစာ အစိတ္တကဿ ဝါစာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ နန သဗဿကဿ ဝါစာ သဝေဒနကဿ ဝါစာ သသညကဿ ဝါစာ သစေတနကဿ ဝါစာ သစိတ္တကဿ ဝါစာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သဗဿကဿ ဝါစာ။ ပ။ သစိတ္တကဿ ဝါစာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “န ယထာစိတ္တဿ ဝါစာ”တိ။



\* န ယထာစိတ္တဿ ဝါစာတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဝဇ္ဇေန္တဿ<sup>၁</sup> ဝါစာ။ပ။ အနာဘောဂဿ ဝါစာ။ပ။ အပ္ပဏိဒဟန္တဿ ဝါစာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန အာဝဇ္ဇေန္တဿ ဝါစာ အာဘောဂဿ ဝါစာ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဝါစာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အာဝဇ္ဇေန္တဿ ဝါစာ အာဘောဂဿ ဝါစာ ပဏိဒဟန္တဿ ဝါစာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “န ယထာစိတ္တဿ ဝါစာ”တိ။

\* န ယထာစိတ္တဿ ဝါစာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝါစာ စိတ္တဿမုဋ္ဌာနာ စိတ္တေန သဟဇာတာ စိတ္တေန သဟ ကျေပ္ပါဒါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဝါစာ စိတ္တဿမုဋ္ဌာနာ စိတ္တေန သဟဇာတာ စိတ္တေန သဟ ကျေပ္ပါဒါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “န ယထာစိတ္တဿ ဝါစာ”တိ။

\* န ယထာစိတ္တဿ ဝါစာတိ၊ အာမန္တာ။ န ဘဏိတုကာမော ဘဏတိ၊ န ကထေတုကာမော ကထေတိ၊ န အာလပိတုကာမော အာလပတိ၊ န ဝေါဟရိတုကာမော ဝေါဟရတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန ဘဏိတုကာမော ဘဏတိ၊ ကထေတုကာမော ကထေတိ၊ အာလပိတုကာမော အာလပတိ၊ ဝေါဟရိတုကာမော ဝေါဟရတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဘဏိတုကာမော ဘဏတိ၊ ကထေတုကာမော ကထေတိ၊ အာလပိတုကာမော အာလပတိ၊ ဝေါဟရိတုကာမော ဝေါဟရတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “န ယထာစိတ္တဿ ဝါစာ”တိ။

၅၆၅။ † န ဝတ္ထဗ္ဗေ “န ယထာစိတ္တဿ ဝါစာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကောစိ “အညံ ဘဏိဿာမီ”တိ အညံ ဘဏတိ၊ “အညံ ကထေဿာမီ”တိ အညံ ကထေတိ၊ “အညံ အာလပိဿာမီ”တိ အညံ အာလပတိ၊ “အညံ ဝေါဟရိဿာမီ”တိ အညံ ဝေါဟရတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကောစိ “အညံ ဘဏိဿာမီ”တိ အညံ ဘဏတိ။ပ။ “အညံ ဝေါဟရိဿာမီ”တိ အညံ ဝေါဟရတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “န ယထာစိတ္တဿ ဝါစာ”တိ။

န ယထာစိတ္တဿ ဝါစာတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၁-အနာဝဇ္ဇေန္တဿ (ဣ)၊ အနာဝဇ္ဇေန္တဿ (သိ၊ သျာ၊ က) ၂၅၇-ပိဋ္ဌေပိ ဖဿိတဗ္ဗံ၊



## ၉-နဝမဝဂ္ဂ

## (၉၃) ၁၀-နယထာစိတ္တဿ ကာယကမ္မန္တိကထာ

၅၆၆။ \* န ယထာစိတ္တဿ ကာယကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဗ္ဗဿကဿ ကာယကမ္မံ။ပ။ အစိတ္တကဿ ကာယကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နနု သဗ္ဗဿကဿ ကာယကမ္မံ။ပ။ သစိတ္တကဿ ကာယကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သဗ္ဗဿကဿ ကာယကမ္မံ။ပ။ သစိတ္တကဿ ကာယကမ္မံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “န ယထာစိတ္တဿ ကာယကမ္မ”န္တိ။

\* န ယထာစိတ္တဿ ကာယကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ အနာဝဇ္ဇေန္တဿ ကာယကမ္မံ။ပ။ အပ္ပဏိဒဟန္တဿ ကာယကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နနု အာဝဇ္ဇေန္တဿ ကာယကမ္မံ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ကာယကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အာဝဇ္ဇေန္တဿ ကာယကမ္မံ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ကာယကမ္မံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “န ယထာစိတ္တဿ ကာယကမ္မ”န္တိ။

\* န ယထာစိတ္တဿ ကာယကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ကာယကမ္မံ စိတ္တသမုဋ္ဌာနံ စိတ္တေန သဟဇာတံ စိတ္တေန သဟ ကျေပ္ပိဒန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကာယကမ္မံ စိတ္တသမုဋ္ဌာနံ စိတ္တေန သဟဇာတံ စိတ္တေန သဟ ကျေပ္ပိဒံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “န ယထာစိတ္တဿ ကာယကမ္မ”န္တိ။

\* န ယထာစိတ္တဿ ကာယကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ န အဘိက္ကမိတုကာမော အဘိက္ကမတိ၊ န ပဋိက္ကမိတုကာမော ပဋိက္ကမတိ၊ န အာလောကေတုကာမော အာလောကေတိ၊ န ဝိလောကေတုကာမော ဝိလောကေတိ၊ န သမိဉ္စိတုကာမော သမိဉ္စေတိ၊ န ပဿာရေတုကာမော ပဿာရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နနု အဘိက္ကမိတုကာမော အဘိက္ကမတိ၊ ပဋိက္ကမိတုကာမော ပဋိက္ကမတိ၊ အာလောကေတုကာမော အာလောကေတိ၊ ဝိလောကေတုကာမော ဝိလောကေတိ၊ သမိဉ္စိတုကာမော သမိဉ္စေတိ၊ ပဿာရေတုကာမော ပဿာရေတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အဘိက္ကမိတုကာမော အဘိက္ကမတိ။ပ။ ပဿာရေတုကာမော ပဿာရေတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “န ယထာစိတ္တဿ ကာယကမ္မ”န္တိ။

၅၆၇။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “န ယထာစိတ္တဿ ကာယကမ္မ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု အတ္ထိ ကောစိ “အညတြ ဂစ္ဆိဿာမိ”တိ အညတြ ဂစ္ဆတိ။ပ။ “အညံ ပဿာရေဿာမိ”တိ အညံ ပဿာရေတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကောစိ



“အညတြ ဂစ္ဆိဿာမီ”တိ အညတြ ဂစ္ဆတိ။ပ။ “အညံ ပဿာရေဿာမီ”တိ  
အညံ ပဿာရေတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “န ယထာစိတ္တဿ ကာယကမ္မ”န္တိ။  
န ယထာစိတ္တဿ ကာယကမ္မန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၉-နဝမဝဂ္ဂ

(၉၄) ၁၁-အတိတာနာဂတပစ္စုပ္ပန်ကထာ

၅၆၈။ \* အတိတေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အတိတံ နိရုဒ္ဓံ ဝိဂတံ  
ဝိပရိဏတံ အတ္တင်္ဂတံ အပ္ပတ္တင်္ဂတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတိတံ နိရုဒ္ဓံ ဝိဂတံ  
ဝိပရိဏတံ အတ္တင်္ဂတံ အပ္ပတ္တင်္ဂတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတိတေန  
သမန္တာဂတော”တိ။

\* အနာဂတေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အနာဂတံ အဇာတံ  
အဘူတံ အသဉ္ဇာတံ အနိဗ္ဗတ္တံ အနဘိနိဗ္ဗတ္တံ အပါတုဘူတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
အနာဂတံ အဇာတံ အဘူတံ အသဉ္ဇာတံ အနိဗ္ဗတ္တံ အနဘိနိဗ္ဗတ္တံ အပါတုဘူတံ၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနာဂတေန သမန္တာဂတော”တိ။

၅၆၉။ \* အတိတေန ရူပက္ခန္ဓေန သမန္တာဂတော၊ အနာဂတေန ရူပက္ခန္ဓေန  
သမန္တာဂတော၊ ပစ္စုပ္ပန္ဓေန ရူပက္ခန္ဓေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ တိဟိ  
ရူပက္ခန္ဓေဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတေဟိ ပဉ္စဟိ  
ခန္ဓေဟိ သမန္တာဂတော၊ အနာဂတေဟိ ပဉ္စဟိ ခန္ဓေဟိ သမန္တာဂတော၊  
ပစ္စုပ္ပန္ဓေဟိ ပဉ္စဟိ ခန္ဓေဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ ပန္နရသဟိ ခန္ဓေဟိ  
သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတိတေန စက္ခာယတနေန သမန္တာဂတော၊ အနာဂတေန စက္ခာယတနေန  
သမန္တာဂတော၊ ပစ္စုပ္ပန္ဓေန စက္ခာယတနေန သမန္တာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။  
တိဟိ စက္ခာယတနေဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတိတေဟိ  
ဒွါဒသဟိ အာယတနေဟိ သမန္တာဂတော၊ အနာဂတေဟိ ဒွါဒသဟိ အာယတ-  
နေဟိ သမန္တာဂတော၊ ပစ္စုပ္ပန္ဓေဟိ ဒွါဒသဟိ အာယတနေဟိ သမန္တာဂတောတိ၊  
အာမန္တာ။ ဆတ္တိံသာယတနေဟိ သမန္တာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတိတာယ စက္ခုဓာတုယာ သမန္တာဂတော၊ အနာဂတာယ စက္ခု-  
ဓာတုယာ သမန္တာဂတော၊ ပစ္စုပ္ပန္နာယ စက္ခုဓာတုယာ သမန္တာဂတောတိ၊



အာမန္တာ။ တီဟိ စက္ခုဓာတုဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။  
 အတိတာဟိ အဋ္ဌာရသဟိ ဓာတုဟိ သမန္ဓာဂတော၊ အနာဂတာဟိ အဋ္ဌာရသဟိ  
 ဓာတုဟိ သမန္ဓာဂတော၊ ပစ္စုပ္ပန္နဟိ အဋ္ဌာရသဟိ ဓာတုဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊  
 အာမန္တာ။ စတုပညာသဓာတုဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\*အတိတေန စက္ခုဋ္ဌိယေန သမန္ဓာဂတော၊ အနာဂတေန စက္ခုဋ္ဌိယေန  
 သမန္ဓာဂတော၊ ပစ္စုပ္ပန္နေန စက္ခုဋ္ဌိယေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ တီဟိ  
 စက္ခုဋ္ဌိယဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတိတေဟိ ဗာဝိ-  
 သတိဋ္ဌိယဟိ သမန္ဓာဂတော၊ အနာဂတေဟိ ဗာဝိသတိဋ္ဌိယဟိ သမန္ဓာ-  
 ဂတော၊ ပစ္စုပ္ပန္နဟိ ဗာဝိသတိဋ္ဌိယဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။  
 ဆသဋ္ဌိဋ္ဌိယဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၇၀။ \*န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အတိတာနာဂတေဟိ သမန္ဓာဂတော”တိ၊ အာမန္တာ။  
 နန အတ္ထိ အဋ္ဌဝိမောက္ခဈာယိ စတုန္တံ ဈာနာနံ နိကာမလာဘိ နဝန္တံ  
 အနုပုဗ္ဗဝိဟာရသမာပတ္တိနံ လာဘိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ အဋ္ဌဝိမောက္ခ-  
 ဈာယိ စတုန္တံ ဈာနာနံ နိကာမလာဘိ နဝန္တံ အနုပုဗ္ဗဝိဟာရသမာပတ္တိနံ လာဘိ၊  
 တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတိတာနာဂတေဟိ သမန္ဓာဂတော”တိ။

အတိတာနာဂတပစ္စုပ္ပန္နကထာ နိဋ္ဌိတာ။

နဝမော ဝဂ္ဂေါ။

### တသုဒ္ဓါနံ

အာနိသံသဒဿာဝိဿသံယောဇနာနံ ပဟာနံ၊ အမတာရမ္ပဏံ သံယောဇနံ၊  
 ရူပံ သာရမ္ပဏံ၊ အနုသယာ အနာရမ္ပဏာ၊ ဧဝမေဝ ဉာဏံ၊ အတိတာ-  
 နာဂတာရမ္ပဏံ စိတ္တံ၊ သဗ္ဗံ စိတ္တံ ဝိတက္ကာနုပတိတံ၊ သဗ္ဗသော ဝိတက္ကယတော  
 ဝိစာရယတော ဝိတက္ကဝိပ္ပူရော သဒ္ဓေါ၊ န ယထာစိတ္တဿ ဝါစာ၊ တထေဝ  
 ကာယကမ္မံ၊ အတိတာနာဂတေဟိ သမန္ဓာဂတောတိ။

၁၀-ဒသမဝဂ္ဂ

### (၉၅) ၁-နိရောဓကထာ

၅၇၁။ \*ဥပပတ္တေသိယေ ပဉ္စက္ခန္ဓေ အနိရုဒ္ဓေ ကိရိယာ ပဉ္စက္ခန္ဓာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိတိ၊  
 အာမန္တာ။ ဒသန္တံ ခန္ဓာနံ သမောဓာနံ ဟောတိ။ ဒသ ခန္ဓာ သမ္ပုဒ္ဓိဘာဝံ



အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဒသန္တံ ခန္ဓာနံ သမောဓာနံ ဟောတိ။  
ဒသ ခန္ဓာ သမ္ပုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဦန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ဦန္တံ စိတ္တာနံ  
သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ဥပပတ္တေသိယေ ပဉ္စက္ခန္ဓေ အနိရုဒ္ဓေ ကိရိယာ စက္ကာရော ခန္ဓာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိတိ၊  
အာမန္တာ။ နဝန္တံ ခန္ဓာနံ သမောဓာနံ ဟောတိ။ နဝ ခန္ဓာ သမ္ပုဒ္ဓိဘာဝံ  
အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နဝန္တံ ခန္ဓာနံ သမောဓာနံ ဟောတိ။  
နဝ ခန္ဓာ သမ္ပုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဦန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ဦန္တံ  
စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ဥပပတ္တေသိယေ ပဉ္စက္ခန္ဓေ အနိရုဒ္ဓေ ကိရိယာဉာဏံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။  
ဆန္တံ ခန္ဓာနံ သမောဓာနံ ဟောတိ။ ဆ ခန္ဓာ သမ္ပုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဆန္တံ ခန္ဓာနံ သမောဓာနံ ဟောတိ။ ဆ ခန္ဓာ သမ္ပုဒ္ဓိဘာဝံ  
အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဦန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ဦန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ  
ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၇၂။ † ဥပပတ္တေသိယေ ပဉ္စက္ခန္ဓေ နိရုဒ္ဓေ မဂ္ဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။  
မတော မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ ကာလင်္ကတော မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

နိရောဓကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၁၀-ဒသမဝဂ္ဂ

### (၉၆) ၂-ရူပံမဂ္ဂေါတိကထာ

၅၇၃။ \* မဂ္ဂသမင်္ဂိဿ ရူပံ မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ  
အာဝဋ္ဋနာ အဘောဂေါ သမန္တာဟာရော မနသိကာရော စေတနာ ပတ္တနာ  
ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။  
ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “မဂ္ဂသမင်္ဂိဿ ရူပံ မဂ္ဂေါ”တိ။

\* သမ္မာဝါစာ မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ သာရမ္ပဏာ၊ အတ္ထိ တာယ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။  
ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန အနာရမ္ပဏာ၊ နတ္ထိ တာယ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။  
ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာရမ္ပဏာ၊ နတ္ထိ တာယ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။  
ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သမ္မာဝါစာ မဂ္ဂေါ”တိ။



\* သမ္မာကမ္မန္တော။ပ။ သမ္မာအာဇီဝေါ မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ သာရမ္မဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန အနာရမ္မဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္ဇိ အနာရမ္မဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမ္မာအာဇီဝေါ မဂ္ဂေါ”တိ။

၅၇၄။ \* သမ္မာဒိဋ္ဌိ မဂ္ဂေါ၊ သာ စ သာရမ္မဏာ၊ အတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဝါစာ မဂ္ဂေါ၊ သာ စ သာရမ္မဏာ၊ အတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ မဂ္ဂေါ၊ သာ စ သာရမ္မဏာ၊ အတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာကမ္မန္တော။ပ။ သမ္မာအာဇီဝေါ မဂ္ဂေါ၊ သော စ သာရမ္မဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ။ပ။ သမ္မာဝါယာမော။ပ။ သမ္မာသတိ။ပ။

\* သမ္မာသမာဓိ မဂ္ဂေါ၊ သော စ သာရမ္မဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဝါစာ မဂ္ဂေါ၊ သာ စ သာရမ္မဏာ၊ အတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ မဂ္ဂေါ၊ သော စ သာရမ္မဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာကမ္မန္တော။ပ။ သမ္မာအာဇီဝေါ မဂ္ဂေါ၊ သော စ သာရမ္မဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သမ္မာဝါစာ မဂ္ဂေါ၊ သာ စ အနာရမ္မဏာ၊ နတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ မဂ္ဂေါ၊ သာ စ အနာရမ္မဏာ၊ နတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာဝါစာ မဂ္ဂေါ၊ သာ စ အနာရမ္မဏာ၊ နတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ။ပ။ သမ္မာဝါယာမော သမ္မာသတိ သမ္မာသမာဓိ မဂ္ဂေါ၊ သော စ အနာရမ္မဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သမ္မာကမ္မန္တော။ပ။ သမ္မာအာဇီဝေါ မဂ္ဂေါ၊ သော စ အနာရမ္မဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ သမ္မာဝါယာမော သမ္မာသတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ မဂ္ဂေါ၊ သော စ အနာရမ္မဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၅၇၅။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “မဂ္ဂသမင်္ဂိယ ရူပံ မဂ္ဂေါ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန သမ္မာဝါစာ သမ္မာကမ္မန္တော သမ္မာအာဇီဝေါ မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ သမ္မာဝါစာ သမ္မာကမ္မန္တော သမ္မာအာဇီဝေါ မဂ္ဂေါ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “မဂ္ဂသမင်္ဂိယ ရူပံ မဂ္ဂေါ”တိ။

ရူပံ မဂ္ဂေါတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၁၀-ဒသမဝဂ္ဂ

(၉၇) ၃-ပဉ္စဝိညာဏသမင်္ဂိယမဂ္ဂကထာ

၅၇၆။ \* ပဉ္စဝိညာဏသမင်္ဂိယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ပဉ္စဝိညာဏာ ဥပ္ပန္နဝတ္ထုကာ ဥပ္ပန္နာရမ္မဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ပဉ္စဝိညာဏာ ဥပ္ပန္နဝတ္ထုကာ ဥပ္ပန္နာရမ္မဏာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပဉ္စဝိညာဏသမင်္ဂိယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာ”တိ။

\* နန ပဉ္စဝိညာဏာ ပုရေဇာတဝတ္ထုကာ ပုရေဇာတာရမ္မဏာ အဇ္ဈတ္တိက-  
ဝတ္ထုကာ ဗာဟိရာရမ္မဏာ အသမ္ဘိန္နဝတ္ထုကာ အသမ္ဘိန္နာရမ္မဏာ နာနာ-  
ဝတ္ထုကာ နာနာရမ္မဏာ န အညမညဿ ဂေါစရိယယံ ပစ္စနဘောန္တိ၊ န  
အသမန္တာဟာရာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ န အမနသိကာရာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ န အဗ္ဗောကိဏ္ဏာ  
ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ န အပုဗ္ဗံ အစရိမံ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ န အညမညဿ သမနန္တရာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ နန  
ပဉ္စဝိညာဏာ အနာဘောဂါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ပဉ္စဝိညာဏာ အနာဘောဂါ၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပဉ္စဝိညာဏသမင်္ဂိယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာ”တိ။

၅၇၇။ \* စက္ခုဝိညာဏသမင်္ဂိယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခု-  
ဝိညာဏံ သုညတံ အာရဗ္ဗ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ စက္ခုဝိညာဏံ  
သုညတံ အာရဗ္ဗ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခု ပဋိစ္စ သုညတဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခု-  
ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ စက္ခု ပဋိစ္စ သုညတဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခု-  
ဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ “စက္ခု ပဋိစ္စ သုညတဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏ”န္တိ  
အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။ စက္ခု ပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏန္တိ  
အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ စက္ခု ပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ  
စက္ခုဝိညာဏန္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “စက္ခု  
ပဋိစ္စ သုညတဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏ”န္တိ။



၅၇၈။ \* စက္ခုဝိညာဏသမင်္ဂီယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဝိညာဏံ အတိတာနာဂတံ အာရဗ္ဗ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ စက္ခုဝိညာဏသမင်္ဂီယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဝိညာဏံ ဖဿံ အာရဗ္ဗ။ ဝေဒနံ အာရဗ္ဗ။ သညံ အာရဗ္ဗ။ စေတနံ အာရဗ္ဗ။ စိတ္တံ အာရဗ္ဗ။ စက္ခု အာရဗ္ဗ။ပ။ ကာယံ အာရဗ္ဗ။ပ။ သဒ္ဓိ အာရဗ္ဗ။ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ အာရဗ္ဗ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* မနောဝိညာဏသမင်္ဂီယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာ၊ မနောဝိညာဏံ သုညတံ အာရဗ္ဗ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဝိညာဏသမင်္ဂီယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာ၊ စက္ခုဝိညာဏံ သုညတံ အာရဗ္ဗ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ မနောဝိညာဏသမင်္ဂီယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာ၊ မနောဝိညာဏံ အတိတာနာဂတံ အာရဗ္ဗ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဝိညာဏသမင်္ဂီယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာ၊ စက္ခုဝိညာဏံ အတိတာနာဂတံ အာရဗ္ဗ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ မနောဝိညာဏသမင်္ဂီယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာ၊ မနောဝိညာဏံ ဖဿံ အာရဗ္ဗ။ ဝေဒနံ အာရဗ္ဗ။ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ အာရဗ္ဗ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဝိညာဏသမင်္ဂီယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာ၊ စက္ခုဝိညာဏံ ဖဿံ အာရဗ္ဗ ဝေဒနံ အာရဗ္ဗ။ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ အာရဗ္ဗ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၇၉။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပဇ္ဇဝိညာဏသမင်္ဂီယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စက္ခုနာ ရူပံ ဒိသ္မာ န နိမိတ္တဂ္ဂါဟိ ဟောတိ နာနုဗျဉ္ဇနဂ္ဂါဟိ။ပ။ သောတေန သဒ္ဓိ သုတွာ။ပ။ ဃာနေန ဂန္ဓံ ဃာယိတွာ။ပ။ ဇိဝှါယ ရသံ သာယိတွာ။ပ။ ကာယေန ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုသိတွာ န နိမိတ္တဂ္ဂါဟိ ဟောတိ နာနုဗျဉ္ဇနဂ္ဂါဟိ”တိ။ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပဇ္ဇဝိညာဏသမင်္ဂီယ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာတိ။

ပဇ္ဇဝိညာဏသမင်္ဂီယ မဂ္ဂကထာ နိဋ္ဌိတာ။

#### ၁၀-သမမဝဂ္ဂ

(၉၈) ၄-ပဇ္ဇဝိညာဏာကုသလာပိအကုသလာပီတိကထာ

၅၈၀။ \* ပဇ္ဇဝိညာဏာ ကုသလာပိ အကုသလာပီတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ပဇ္ဇဝိညာဏာ ဥပ္ပန္နဝတ္ထုကာ ဥပ္ပန္နာရမ္မဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပဇ္ဇဝိညာဏာ



ဥပ္ပန္နဝတ္ထုကာ ဥပ္ပန္နာရမ္မဏာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပဉ္စဝိညာဏာ ကုသလာပိ အကုသလာပိ”တိ။ နနု ပဉ္စဝိညာဏာ ပုရေဇာတဝတ္ထုကာ ပုရေဇာတာရမ္မဏာ အဇ္ဈတ္တိကဝတ္ထုကာ ဗာဟိရာရမ္မဏာ။ အသမ္ဘိန္နဝတ္ထုကာ အသမ္ဘိန္နာရမ္မဏာ နာနာဝတ္ထုကာ နာနာရမ္မဏာ။ န အညမညဿ ဂေါစရိ-  
ဝိဿယံ ပစ္စနဘောန္တိ။ န အသမန္နာဟာရာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ န အမနသိကာရာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ  
န အဗ္ဗောကိဏ္ဏာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ။ န အပုဗ္ဗံ အစရိမံ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ။ န အညမညဿ  
သမနန္တရာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ။ နနု ပဉ္စဝိညာဏာ အနာဘောဂါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
ပဉ္စဝိညာဏာ အနာဘောဂါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပဉ္စဝိညာဏာ  
ကုသလာပိ အကုသလာပိ”တိ။

၅၈၁။ \* စက္ခုဝိညာဏံ ကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဝိညာဏံ သုညတံ  
အာရဟ္တ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ စက္ခုဝိညာဏံ သုညတံ အာရဟ္တ  
ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ သုညတဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏန္တိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ၊ စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ သုညတဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏန္တိ၊  
အာမန္တာ။ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ သုညတဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ  
သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ  
သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏန္တိ  
အတ္ထေဝ သုတ္တန္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ သုညတဉ္စ  
ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏ”န္တိ။

၅၈၂။ \* စက္ခုဝိညာဏံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဝိညာဏံ  
အတိတာနာဂတံ အာရဟ္တ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ စက္ခုဝိညာဏံ  
ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဝိညာဏံ ဖဿံ အာရဟ္တ။ပ။ စိတ္တံ  
အာရဟ္တ။စက္ခု အာရဟ္တ။ပ။ ကာယံ အာရဟ္တ။ သဒ္ဓိ အာရဟ္တ။ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ အာရဟ္တ  
ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မနောဝိညာဏံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိ၊ မနောဝိညာဏံ သုညတံ အာရဟ္တ  
ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဝိညာဏံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိ၊ စက္ခုဝိညာဏံ  
သုညတံ အာရဟ္တ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မနောဝိညာဏံ ကုသလမ္ပိ  
အကုသလမ္ပိ၊ မနောဝိညာဏံ အတိတာနာဂတံ အာရဟ္တ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။  
စက္ခုဝိညာဏံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိ စက္ခုဝိညာဏံ၊ အတိတာနာဂတံ အာရဟ္တ  
ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မနောဝိညာဏံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိ၊  
မနောဝိညာဏံ ဖဿံ အာရဟ္တ။ပ။ စိတ္တံ အာရဟ္တ။ပ။ ကာယံ အာရဟ္တ။ သဒ္ဓိ



အာရဟန္တံ။ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ အာရဟန္တံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဝိညာဏံ ကုသလဗ္ဗိ အကုသလဗ္ဗိ၊ စက္ခုဝိညာဏံ ဖဿံ အာရဟန္တံ။ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ အာရဟန္တံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၀၃။ †နဝတ္ထဗ္ဗံ “ပဇ္ဇဝိညာဏာ ကုသလာပိ အကုသလာပိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဇ္ဇမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စက္ခုနာ ရူပံ ဒိသ္မာ နိမိတ္တဂ္ဂါဟိ ဟောတိ။ပ။ န နိမိတ္တဂ္ဂါဟိ ဟောတိ။ပ။ သောတေန သဒ္ဓိံ သုတွာ။ပ။ ကာယေန ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုဿိတွာ နိမိတ္တဂ္ဂါဟိ ဟောတိ။ပ။ န နိမိတ္တဂ္ဂါဟိ ဟောတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပဇ္ဇဝိညာဏာ ကုသလာပိ အကုသလာပိတိ။

ပဇ္ဇဝိညာဏာ ကုသလာပိ အကုသလာပိတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၀-ဒသမဝဂ္ဂ

#### (၉၉) ၅-သာဘောဂါတိကထာ

၅၀၄။ \* ပဇ္ဇဝိညာဏာ သာဘောဂါတိ၊ အာမန္တာ။ နန ပဇ္ဇဝိညာဏာ ဥပ္ပန္နဝတ္ထုကာ ဥပ္ပန္နာရမ္မဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပဇ္ဇဝိညာဏာ ဥပ္ပန္နဝတ္ထုကာ ဥပ္ပန္နာရမ္မဏာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပဇ္ဇဝိညာဏာ သာဘောဂါ”တိ။ နန ပဇ္ဇဝိညာဏာ ပုရေဇာတဝတ္ထုကာ ပုရေဇာတာရမ္မဏာ အဇ္ဈတ္တိကဝတ္ထုကာ ဗာဟိရာရမ္မဏာ အသမ္ဘိန္နဝတ္ထုကာ အသမ္ဘိန္နာရမ္မဏာ နာနာဝတ္ထုကာ နာနာရမ္မဏာ န အညမညဿ ဂေါစရိသယံ ပစ္စနဘောန္တိ၊ န အသမန္တာဟာရာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ န အမနသိကာရာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ န အဗ္ဗောကိဏ္ဏာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ န အပုဗ္ဗံ အစရိမံ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ။ နန ပဇ္ဇဝိညာဏာ န အညမညဿ သမနန္တရာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပဇ္ဇဝိညာဏာ န အညမညဿ သမနန္တရာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပဇ္ဇဝိညာဏာ သာဘောဂါ”တိ။

၅၀၅။ \* စက္ခုဝိညာဏံ သာဘောဂန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဝိညာဏံ သုညတံ အာရဟန္တံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ စက္ခုဝိညာဏံ သုညတံ အာရဟန္တံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုပဋိစ္စ သုညတဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ စက္ခုပဋိစ္စ သုညတဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။



“စက္ခုပဋိစ္စ သုညတဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။ပ။ “စက္ခုပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ “စက္ခုပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စက္ခုပဋိစ္စ သုညတဉ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏ”န္တိ။

\* စက္ခုရိညာဏံ သာဘောဂန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုရိညာဏံ အတိတာနာဂတံ အာရဟ္တ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ စက္ခုရိညာဏံ သာဘောဂန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုရိညာဏံ ဖဿံ အာရဟ္တ။ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ အာရဟ္တ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မနောရိညာဏံ သာဘောဂံ မနောရိညာဏံ သုညတံ အာရဟ္တ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုရိညာဏံ သာဘောဂံ စက္ခုရိညာဏံ သုညတံ အာရဟ္တ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မနောရိညာဏံ သာဘောဂံ မနောရိညာဏံ အတိတာနာဂတံ အာရဟ္တ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုရိညာဏံ သာဘောဂံ စက္ခုရိညာဏံ အတိတာနာဂတံ အာရဟ္တ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မနောရိညာဏံ သာဘောဂံ မနောရိညာဏံ ဖဿံ အာရဟ္တ။ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ အာရဟ္တ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုရိညာဏံ သာဘောဂံ စက္ခုရိညာဏံ ဖဿံ အာရဟ္တ။ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ အာရဟ္တ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၀၆။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပဉ္စရိညာဏာ သာဘောဂါ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စက္ခုနာ ရူပံ ဒိသ္မာ နိမိတ္တဂ္ဂါဟိ ဟောတိ။ပ။ န နိမိတ္တဂ္ဂါဟိ ဟောတိ။ပ။ ကာယေန ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုဿိတွာ နိမိတ္တဂ္ဂါဟိ ဟောတိ။ပ။ န နိမိတ္တဂ္ဂါဟိ ဟောတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပဉ္စရိညာဏာ သာဘောဂါတိ။ပ။

သာဘောဂါတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

# ၁၀-ဒသမဝဂ္ဂ

## (၁၀၀) ၆-ဒွိဟိသီလေဟိကထာ

၅၀၇။ \* မဂ္ဂသမ္မာဒိ ဒွိဟိသီလေဟိ သမန္နာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂသမ္မာဒိ ဒွိဟိ ဖဿေဟိ ဒွိဟိ ဝေဒနာဟိ ဒွိဟိ သညာဟိ ဒွိဟိ စေတနာဟိ ဒွိဟိ



စိတ္တေဟိ ခြွဟိ သဒ္ဓါဟိ ခြွဟိ ဝီရိယေဟိ ခြွဟိ သတိဟိ ခြွဟိ သမာဓိဟိ ခြွဟိ  
ပညာဟိ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မဂ္ဂသမင်္ဂိ လောကိယေန သီလေန သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂသမင်္ဂိ  
လောကိယေန ဖဿေန လောကိယာယ ဝေဒနာယ လောကိယာယံ ပညာယ  
လောကိယာယ စေတနာယ လောကိယေန စိတ္တေန လောကိယာယ သဒ္ဓါယ  
လောကိယေန ဝီရိယေန လောကိယာယ သတိယာ လောကိယေန သမာဓိနာ  
လောကိယာယ ပညာယ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မဂ္ဂသမင်္ဂိ လောကိယေန စ လောကုတ္တရေန စ သီလေန သမန္ဓာ-  
ဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂသမင်္ဂိ လောကိယေန စ လောကုတ္တရေန စ ဖဿေန  
သမန္ဓာဂတော။ပ။ လောကိယာယ စ လောကုတ္တရာယ စ ပညာယ သမန္ဓာ-  
ဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မဂ္ဂသမင်္ဂိ လောကိယေန သီလေန သမန္ဓာ-  
ဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂသမင်္ဂိ ပုထုဇ္ဇနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၀၈။ \* မဂ္ဂသမင်္ဂိ လောကိယာယ သမ္မာဝါစာယ သမန္ဓာဂတောတိ၊  
အာမန္တာ။ မဂ္ဂသမင်္ဂိ လောကိယာယ သမ္မာဒိဋ္ဌိယာ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မဂ္ဂသမင်္ဂိ လောကိယာယ သမ္မာဝါစာယ သမန္ဓာဂတောတိ၊  
အာမန္တာ။ မဂ္ဂသမင်္ဂိ လောကိယေန သမ္မာသင်္ကပ္ပေန။ပ။ လောကိယေန  
သမ္မာဝါယာမေန။ပ။ လောကိယာယ သမ္မာသတိယာ။ပ။ လောကိယေန  
သမ္မာသမာဓိနာ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မဂ္ဂသမင်္ဂိ လောကိ-  
ယေန သမ္မာကမ္မဇ္ဇေန။ပ။ လောကိယေန သမ္မာအာဇီဝေန သမန္ဓာဂတောတိ၊  
အာမန္တာ။ မဂ္ဂသမင်္ဂိ လောကိယာယ သမ္မာဒိဋ္ဌိယာ။ပ။ လောကိယေန သမ္မာ-  
သမာဓိနာ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မဂ္ဂသမင်္ဂိ လောကိယာယ စ လောကုတ္တရာယ စ သမ္မာဝါစာယ သမန္ဓာ-  
ဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂသမင်္ဂိ လောကိယာယ စ လောကုတ္တရာယ စ  
သမ္မာဒိဋ္ဌိယာ သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မဂ္ဂသမင်္ဂိ လောကိယာယ  
စ လောကုတ္တရာယ စ သမ္မာဝါစာယ သမန္ဓာဂတောတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂသမင်္ဂိ  
လောကိယေန စ လောကုတ္တရေန စ သမ္မာသင်္ကပ္ပေန။ပ။ လောကိယေန စ  
လောကုတ္တရေန စ သမ္မာဝါယာမေန။ပ။ လောကိယာယ စ လောကုတ္တရာယ  
စ သမ္မာသတိယာ။ပ။ လောကိယေန စ လောကုတ္တရေန စ သမ္မာသမာဓိနာ  
သမန္ဓာဂတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* မဂ္ဂသမ္ပေါ လောကိယေန စ လောကုတ္တရေန စ သမ္မာကမ္မန္တေန။ ပ။ သမ္မာအာဇီဝေန သမန္တာဂတောတိ။ အာမန္တာ။ မဂ္ဂသမ္ပေါ လောကိယာယ စ လောကုတ္တရာယ စ သမ္မာဒိဋ္ဌိယာ သမန္တာဂတောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ မဂ္ဂသမ္ပေါ လောကိယေန စ လောကုတ္တရေန စ သမ္မာအာဇီဝေန သမန္တာဂတောတိ။ အာမန္တာ။ မဂ္ဂသမ္ပေါ လောကိယေန စ လောကုတ္တရေန စ သမ္မာသင်္ကပ္ပေန။ ပ။ လောကိယေန စ လောကုတ္တရေန စ သမ္မာသမာဓိနာ သမန္တာဂတောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၅၈၉။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “မဂ္ဂသမ္ပေါ ဒွိဟိ သီလေဟိ သမန္တာဂတော”တိ။ အာမန္တာ။ လောကိယေ သီလေ နိရုဒ္ဓေ မဂ္ဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ။ အာမန္တာ။ ဒုဿီလော ခဏ္ဍသီလော ဆိန္ဓသီလော မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ တေန ဟိ မဂ္ဂသမ္ပေါ ဒွိဟိ သီလေဟိ သမန္တာဂတောတိ။

ဒွိဟိသီလေဟိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၁၀-ဒသမဝဂ္ဂ

(၁၀၁) ၇-သီလံအစေတသိကန္တိကထာ

၅၉၀။ \* သီလံ အစေတသိကန္တိ။ အာမန္တာ။ ရူပံ။ နိဗ္ဗာနံ။ စက္ခာယတနံ။ ပ။ ကာယာယတနံ။ ရူပါယတနံ။ ပ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ သီလံ အစေတသိကန္တိ။ အာမန္တာ။ ဖဿော အစေတသိကောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ သီလံ အစေတသိကန္တိ။ အာမန္တာ။ ဝေဒနာ။ ပ။ သညာ။ ပ။ စေတနာ။ ပ။ သဒ္ဓါ။ ပ။ ဝီရိယံ။ ပ။ သတိ။ ပ။ သမာဓိ။ ပ။ ပညာ အစေတသိကာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဖဿော စေတသိကောတိ။ အာမန္တာ။ သီလံ စေတသိကန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ဝေဒနာ။ ပ။ သညာ။ ပ။ စေတနာ။ ပ။ သဒ္ဓါ။ ပ။ ဝီရိယံ။ ပ။ သတိ။ ပ။ သမာဓိ။ ပ။ ပညာ စေတသိကာတိ။ အာမန္တာ။ သီလံ စေတသိကန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၅၉၁။ \* သီလံ အစေတသိကန္တိ။ အာမန္တာ။ အနိဋ္ဌဗလန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ နနု ဣဋ္ဌဗလန္တိ။ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဣဋ္ဌဗလံ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သီလံ အစေတသိက”န္တိ။



\* သဒ္ဓါ ဣဋ္ဌဖလံ၊ သဒ္ဓါ စေတသိကာတိ၊ အာမန္တာ။ သီလံ ဣဋ္ဌဖလံ၊ သီလံ စေတသိကာန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဝီရိယံ။ပ။ သတိ။ပ။ သမာဓိ။ပ။ ပညာ ဣဋ္ဌဖလံ၊ ပညာ စေတသိကာတိ၊ အာမန္တာ။ သီလံ ဣဋ္ဌဖလံ၊ သီလံ စေတသိကာန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* သီလံ ဣဋ္ဌဖလံ၊ သီလံ အစေတသိကာန္တိ၊ အာမန္တာ။ သဒ္ဓါ ဣဋ္ဌဖလံ၊ သဒ္ဓါ အစေတသိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သီလံ ဣဋ္ဌဖလံ၊ သီလံ အစေတသိကာန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဝီရိယံ။ပ။ သတိ။ပ။ သမာဓိ။ပ။ ပညာ ဣဋ္ဌဖလံ၊ ပညာ အစေတသိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၉၂။ \* သီလံ အစေတသိကာန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဖလံ အဝိပါကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နနု သဖလံ သဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သဖလံ သဝိပါကံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သီလံ အစေတသိက”န္တိ။ပ။

\* စက္ခာယတနံ အစေတသိကံ အဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ သီလံ အစေတသိကံ အဝိပါကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သောတာယတနံ။ပ။ ကာယာယတနံ။ပ။ ရူပါယတနံ။ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနံ အစေတသိကံ အဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ သီလံ အစေတသိကံ အဝိပါကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* သီလံ အစေတသိကံ သဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခာယတနံ အစေတသိကံ သဝိပါကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သီလံ အစေတသိကံ သဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ သောတာယတနံ။ပ။ ကာယာယတနံ။ ရူပါယတနံ။ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနံ အစေတသိကံ သဝိပါကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၉၃။ \* သမ္မာဝါစာ အစေတသိကာတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ အစေတသိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာဝါစာ အစေတသိကာတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာသင်္ကပ္ပေ။ပ။ သမ္မာဝါယာမော။ပ။ သမ္မာသတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ အစေတသိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာကမ္မန္တော။ပ။ သမ္မာအာဇီဝေါ အစေတသိကာတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ အစေတသိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာအာဇီဝေါ အစေတသိကာတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာသင်္ကပ္ပေ။ပ။ သမ္မာဝါယာမော။ သမ္မာသတိ။ သမ္မာသမာဓိ အစေတသိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* သမ္မာဒိဋ္ဌိ စေတသိကာတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဝါစာ စေတသိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ စေတသိကာတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာကမ္မန္တော။ပ။



သမ္မာအာဇီဝေါ စေတသိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ သမ္မာဝါယာမော။ပ။ သမ္မာသတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ စေတသိကောတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဝါစာ စေတသိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ စေတသိကောတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာကမ္မန္တာ။ပ။ သမ္မာအာဇီဝေါ စေတသိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၉၄။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သီလံ အစေတသိက”န္တိ၊ အာမန္တာ။ သီလေ ဥပ္ပဇ္ဇိတွာ နိရုဒ္ဓေ ဒုဿီလော ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ သီလံ အစေတသိကန္တိ။

သီလံ အစေတသိကန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၁၀-ဒသမဝဂ္ဂ

(၁၀၂) ဂ-သီလံနစိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိကထာ

၅၉၅။ \* သီလံ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ။ နိဗ္ဗာနံ။ စက္ခာယတနံ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သီလံ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဖဿော န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သီလံ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ စေတနာ။ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။ သမာဓိ။ပ။ ပညာ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဖဿော စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သီလံ စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ စေတနာ။ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။ သမာဓိ။ပ။ ပညာ စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သီလံ စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၅၉၆။ \* သမ္မာဝါစာ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာဝါစာ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ။ပ။ သမ္မာဝါယာမော။ပ။ သမ္မာသတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သမ္မာကမ္မန္တာ။ပ။ သမ္မာအာဇီဝေါ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာအာဇီဝေါ န



စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ။ပ။ သမ္မာဝါယာမော။ပ။  
သမ္မာသတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* သမ္မာဒိဋ္ဌိ စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဝါစာ စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာကမ္မန္တာ။ပ။  
သမ္မာအာဇီဝေါ စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ။ပ။ သမ္မာဝါယာမော။ပ။ သမ္မာသတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ  
စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဝါစာ စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာကမ္မန္တာ။ပ။  
သမ္မာအာဇီဝေါ စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၉၇။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သီလံ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိ”တိ၊ အာမန္တာ။ သီလေ  
ဥပ္ပဇ္ဇိတွာ နိရုဒ္ဓေ ဒုဿီလော ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ တေန ဟိ သီလံ  
န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိ။

သီလံ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

#### ၁၀-ဒသမဝဂ္ဂ

#### (၁၀၃) ၉-သမာဒါနဟေတုကထာ

၅၉၈။ \* သမာဒါနဟေတုကံ သီလံ ဝေုတိတိ၊ အာမန္တာ။ သမာဒါန-  
ဟေတုကော ဖဿော ဝေုတိ ဝေဒနာ ဝေုတိ သညာ ဝေုတိ စေတနာ ဝေုတိ  
စိတ္တံ ဝေုတိ သဒ္ဓါ ဝေုတိ ဝီရိယံ ဝေုတိ သတိ ဝေုတိ သမာဓိ ဝေုတိ  
ပညာ ဝေုတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* သမာဒါနဟေတုကံ သီလံ ဝေုတိတိ၊ အာမန္တာ။ လတာ ဝိယ ဝေုတိ  
မာလုဝါ ဝိယ ဝေုတိ ရုက္ခော ဝိယ ဝေုတိ တိဏံ ဝိယ ဝေုတိ မုဉ္ဇပုဉ္ဇော ဝိယ  
ဝေုတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၅၉၉။ \* သမာဒါနဟေတုကံ သီလံ ဝေုတိတိ၊ အာမန္တာ။ သီလံ သမာဒိ-  
ယိတွာ ကာမဝိတက္ကံ ဝိတက္ကေန္တဿ ဗျာပါဒဝိတက္ကံ ဝိတက္ကေန္တဿ ဝိဟိံသာ-  
ဝိတက္ကံ ဝိတက္ကေန္တဿ သီလံ ဝေုတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဦန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ဦန္တံ စိတ္တာနံ



သမောဓာနံ ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ခြိန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ခြိန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏှသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္ဗုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏှသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္ဗုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ သုဝိဒ္ဓရဝိဒ္ဓရာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ နဘဉ္စ ဘိက္ခဝေ ပထဝီ စ ဣဒံ ပဌမံ သုဝိဒ္ဓရဝိဒ္ဓရံ။ပ။ တသ္မာ သတံ ဓမ္မော အသတ္တိ အာရကာ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာ-နဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏှသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္ဗုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိ”တိ။

၆၀၀။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သမာဒါနဟေတုကံ သီလံ ဝေုတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အာရာမရောပါ ဝနရောပါ။ပ။ ဓမ္မဋ္ဌာ သီလသမ္ပန္နာ၊ တေ ဇနာ သဂ္ဂဂါမိနော”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ သမာဒါနဟေတုကံ သီလံ ဝေုတိတိ။

သမာဒါနဟေတုကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၁၀-ဒသမဝဂ္ဂ

(၁၀၄) ၁၀-ဝိညတ္တိသီလန္တိကထာ

၆၀၁။ \* ဝိညတ္တိ သီလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပါဏာတိပါတာ ဝေရမဏီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဒိန္နာဒါနာ ဝေရမဏီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကာမေသု-မိစ္ဆာစာရာ ဝေရမဏီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မုသာဝါဒါ ဝေရမဏီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနာ ဝေရမဏီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဘိဝါဒနံ သီလံ၊ ပစ္စုပ္ပန် သီလံ၊ အဉ္စလိကမ္ပံ သီလံ၊ သာမီစိကမ္ပံ သီလံ၊ အာသနာဘိဟာရော သီလံ၊ သေယျာဘိဟာရော သီလံ၊ ပါဒေါဒကာ-ဘိဟာရော သီလံ၊ ပါဒကထလိကာဘိဟာရော သီလံ၊ နှာနေ ပိဋ္ဌိပရိကမ္ပံ သီလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပါဏာတိပါတာ ဝေရမဏီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သုရာမေရယမဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနာ ဝေရမဏီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၆၀၂။ † န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “ဝိညတ္တိ သီလ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒုဿိလျန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ ဝိညတ္တိ သီလန္တိ။

ဝိညတ္တိ သီလန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၀-ဒသမဝဂ္ဂ

#### (၁၀၅) ၁၁-အဝိညတ္တိဒုဿိလျန္တိကထာ

၆၀၃။ \* အဝိညတ္တိ ဒုဿိလျန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပါဏာတိပါတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အဒိန္နာဒါနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကာမေသုမိစ္ဆာစာရောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ မုသာဝါဒေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သုရာမေရယ-မဇ္ဇပမာဒဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ပါပကမ္မံ သမာဒိယိတွာ ဒါနံ ဒေန္တဿ ပုညဉ္စ အပုညဉ္စ ဥဘော ဝေုန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ပုညဉ္စ အပုညဉ္စ ဥဘော ဝေုန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ခြိန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ခြိန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ခြိန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ခြိန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏှသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္ပုဒိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏှသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္ပုဒိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ သုဝိဒုရဝိဒုရာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ နဘဉ္စ ဘိက္ခဝေ ပထဝီ စ ဣဒံ ပဌမံ သုဝိဒုရဝိဒုရံ။ပ။ တသ္မာ သတံ ဓမ္မော အသတ္တိ အာရကာ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာ-နဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏှသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္ပုဒိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိ”တိ။

၆၀၄။ † န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “အဝိညတ္တိ ဒုဿိလျ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ပါပကမ္မံ သမာဒိဏ္ဏော အာသိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပါပကမ္မံ သမာဒိဏ္ဏော အာသိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အဝိညတ္တိ ဒုဿိလျ”န္တိ။

အဝိညတ္တိ ဒုဿိလျန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

ဒသမော ဝဂ္ဂေါ။



တဿုဒ္ဓါနံ

ဥပ္ပတ္တေ သိယေ ပဉ္စက္ခန္ဓေ အနိရုဒ္ဓေ ကိရိယာ ပဉ္စက္ခန္ဓာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ မဂ္ဂသမင်္ဂိဿ ရူပံ မဂ္ဂေါ၊ ပဉ္စဝိညာဏသမင်္ဂိဿ အတ္ထိ မဂ္ဂဘာဝနာ၊ ပဉ္စဝိညာဏာ ကုသလာပိ အကုသလာပိ၊ ပဉ္စဝိညာဏာ သာဘောဂါ၊ မဂ္ဂသမင်္ဂိ ဒွိဟိ သီလေဟိ သမန္တာ-  
ဂတော၊ သီလံ အစေတသိကံ၊ သီလံ န စိတ္တာနုပရိဝတ္တိ၊ သမာဒါနဟေတုကံ သီလံ ဝနုတိတိ၊ ဝိညတ္တိသီလံ၊ အဝိညတ္တိ ဒုဿိလျန္တိ။

ဒုတိယော ပဏ္ဍာသကော။

တဿုဒ္ဓါနံ

နိယာမ သင်္ဂဟ ဂတာနိသံသတာ စ နိရောဓောတိ<sup>၁</sup>။

၁၁-ကောသမဝဂ္ဂ

(၁၀၆-၁၀၈) ၁-၃-တိဿောပိအနုသယကထာ

၆၀၅။ \* အနုသယာ အဗျာကတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိပါကာဗျာကတာ ကိရိယာဗျာကတာ ရူပံ နိဗ္ဗာနံ စက္ခာယတနံ။ ပ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ကာမရာဂါနုသယော အဗျာကတောတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမရာဂေါ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ ကာမရာဂသံယောဇနံ ကာမောသော ကာမယောဂေါ ကာမစ္ဆန္ဒနိဝရဏံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ကာမရာဂေါ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ။ ပ။ ကာမစ္ဆန္ဒနိဝရဏံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကာမရာဂါနုသယော အကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပဋိဃာနုသယော အဗျာကတောတိ၊ အာမန္တာ။ ပဋိဃံ ပဋိဃပရိယုဋ္ဌာနံ ပဋိဃသံယောဇနံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပဋိဃံ ပဋိဃပရိယုဋ္ဌာနံ ပဋိဃသံယောဇနံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပဋိဃာနုသယော အကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

---

၁-နိယာမ သင်္ဂဟဂတာနိသံသတာ အတ္ထိ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါ နိရောဓော မဂ္ဂသမင်္ဂိဿ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါတိ (သီ၊ သျာ၊ က)၊ နိယာမ သင်္ဂဟ ဂတာနိသံသတာ အတ္ထိ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါ မဂ္ဂသမင်္ဂိဿ နော ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါ (ဇု)



\* မာနာနုသယော အဗျာကတောတိ၊ အာမန္တာ။ မာနော မာနပရိယုဋ္ဌာနံ မာနသံယောဇနံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မာနော မာနပရိယုဋ္ဌာနံ မာနသံယောဇနံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ မာနာနုသယော အကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဒိဋ္ဌာနုသယော အဗျာကတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဋ္ဌိ ဒိဋ္ဌောသော ဒိဋ္ဌိယောဂေါ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ ဒိဋ္ဌိသံယောဇနံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒိဋ္ဌိ ဒိဋ္ဌောသော ဒိဋ္ဌိယောဂေါ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ ဒိဋ္ဌိသံယောဇနံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဋ္ဌာနုသယော အကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဝိစိကိစ္ဆာနုသယော အဗျာကတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိစိကိစ္ဆာ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ ဝိစိကိစ္ဆာသံယောဇနံ ဝိစိကိစ္ဆာနိဝရဏံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဝိစိကိစ္ဆာ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနံ ဝိစိကိစ္ဆာသံယောဇနံ ဝိစိကိစ္ဆာနိဝရဏံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဝိစိကိစ္ဆာနုသယော အကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဘဝရာဂါနုသယော အဗျာကတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဘဝရာဂေါ ဘဝရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ ဘဝရာဂသံယောဇနံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဘဝရာဂေါ ဘဝရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ ဘဝရာဂသံယောဇနံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဘဝရာဂါနုသယော အကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဝိဇ္ဇာနုသယော အဗျာကတောတိ၊ အာမန္တာ။ အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇောသော အဝိဇ္ဇာယောဂေါ အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနံ အဝိဇ္ဇာသံယောဇနံ အဝိဇ္ဇာနိဝရဏံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇောသော အဝိဇ္ဇာယောဂေါ အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနံ အဝိဇ္ဇာသံယောဇနံ အဝိဇ္ဇာနိဝရဏံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဝိဇ္ဇာနုသယော အကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၀၆။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အနုသယာ အဗျာကတာ”တိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇေနော ကုသလာဗျာကတေ စိတ္တေ ဝတ္တမာနေ “သနုသယော”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာကုသလာ ဓမ္မာ သမ္မုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ အနုသယာ အဗျာကတာတိ။ ပုထုဇ္ဇေနော ကုသလာဗျာကတေ စိတ္တေ ဝတ္တမာနေ “သရာဂေါ”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာကုသလာ ဓမ္မာ သမ္မုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ ရာဂေါ အဗျာကတာတိ။



၆၀၇။ \* အနုသယာ အဟေတုကောတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ နိဗ္ဗာနံ စက္ခာ-  
ယတနံ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကာမရာဂါနုသယော အဟေတုကောတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမရာဂေါ  
ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ ကာမရာဂသံယောဇနံ ကာမစ္ဆန္တနီဝရဏံ အဟေတုကန္တိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကာမရာဂေါ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ။ပ။ ကာမစ္ဆန္တနီဝရဏံ  
သဟေတုကန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကာမရာဂါနုသယော သဟေတုကောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပဋိသန္ဓနုသယော။ပ။ မာနာနုသယော။ ဒိဋ္ဌာနုသယော။ ဝိစိကိစ္ဆာ-  
နုသယော။ ဘဝရာဂါနုသယော။ အဝိဇ္ဇာနုသယော။ အဟေတုကောတိ၊  
အာမန္တာ။ အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇာသော အဝိဇ္ဇာယောဂေါ အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနံ  
အဝိဇ္ဇာသံယောဇနံ အဝိဇ္ဇာနီဝရဏံ အဟေတုကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဝိဇ္ဇာ  
အဝိဇ္ဇာသော။ပ။ အဝိဇ္ဇာနီဝရဏံ သဟေတုကန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဝိဇ္ဇာ-  
နုသယော သဟေတုကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၀၈။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အနုသယာ အဟေတုကာ”တိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇေနော  
ကုသလာဗျာကတေ စိတ္တေ ဝတ္တမာနေ “သန္ဓနုသယော”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊  
အာမန္တာ။ အနုသယာ တေန ဟေတုနာ သဟေတုကောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ အနုသယာ အဟေတုကောတိ။ ပုထုဇ္ဇေနော ကုသလာ-  
ဗျာကတေ စိတ္တေ ဝတ္တမာနေ “သရာဂေါ”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ ရာဂေါ  
တေန ဟေတုနာ သဟေတုကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ ရာဂေါ  
အဟေတုကောတိ။

၆၀၉။ \* အနုသယာ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ နိဗ္ဗာနံ စက္ခာ-  
ယတနံ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကာမရာဂါနုသယော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမရာဂေါ  
ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ ကာမရာဂသံယောဇနံ ကာမောသော ကာမယောဂေါ  
ကာမစ္ဆန္တနီဝရဏံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကာမရာဂေါ  
ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနံ။ပ။ ကာမစ္ဆန္တနီဝရဏံ စိတ္တသမ္ပယုတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။  
ကာမရာဂါနုသယော စိတ္တသမ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၁၀။ \* ကာမရာဂါနုသယော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ကတမက္ခန္ဓ-  
ပရိယာပနောတိ၊ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနောတိ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊



န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာက္ခန္ဓော  
သညာက္ခန္ဓော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* ကာမရာဂါနုသယော သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊  
အာမန္တာ။ ကာမရာဂေါ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ကာမရာဂေါ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော စိတ္တသမ္ပယုတ္တောတိ၊  
အာမန္တာ။ ကာမရာဂါနုသယော သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော စိတ္တသမ္ပယုတ္တောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* ကာမရာဂါနုသယော သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တော၊ ကာမ-  
ရာဂေါ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော စိတ္တသမ္ပယုတ္တောတိ။ အာမန္တာ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော  
ဧကဒေသော စိတ္တသမ္ပယုတ္တော ဧကဒေသော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ။ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ ။

\* သင်္ခါရက္ခန္ဓော ဧကဒေသော စိတ္တသမ္ပယုတ္တော ဧကဒေသော စိတ္တဝိပ္ပ-  
ယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာက္ခန္ဓော သညာက္ခန္ဓော ဧကဒေသော စိတ္တသမ္ပ-  
ယုတ္တော ဧကဒေသော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ ။

၆၁၁။ \* ပဋိဃာနုသယော မာနာနုသယော ဒိဋ္ဌာနုသယော ဝိစိကိစ္ဆာ-  
နုသယော ဘဝရာဂါနုသယော အဝိဇ္ဇာနုသယော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ။ အာမန္တာ။  
အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇောသော အဝိဇ္ဇာယောဂေါ အဝိဇ္ဇာနိဝရဏံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိ။ န  
ဟေဝံ ဝတ္ထုဗျေ။ ပ။ အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇောသော အဝိဇ္ဇာယောဂေါ အဝိဇ္ဇာနိဝရဏံ  
စိတ္တသမ္ပယုတ္တန္တိ။ အာမန္တာ။ အဝိဇ္ဇာနုသယော စိတ္တသမ္ပယုတ္တောတိ။ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထုဗျေ။ ပ။

၆၁၂။ \* အဝိဇ္ဇာနုသယော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ကတမက္ခန္ဓ-  
ပရိယာပန္နောတိ၊ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နောတိ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာက္ခန္ဓော  
သညာက္ခန္ဓော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* အဝိဇ္ဇာနုသယော သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။  
 အဝိဇ္ဇာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အဝိဇ္ဇာ  
 သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနော စိတ္တသမ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ အဝိဇ္ဇာနုသယော  
 သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနော စိတ္တသမ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



\* အဝိဇ္ဇာနုသယော သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တော၊ အဝိဇ္ဇာ-  
သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နော စိတ္တသမ္ပယုတ္တာတိ။ အာမန္တာ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော  
ဧကဒေသော စိတ္တသမ္ပယုတ္တော ဧကဒေသော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* သင်္ခါရက္ခန္ဓော ဧကဒေသော စိတ္တသမ္ပယုတ္တော ဧကဒေသော စိတ္တ-  
ဝိပ္ပယုတ္တာတိ။ အာမန္တာ။ ဝေဒနာက္ခန္ဓော သညာက္ခန္ဓော ဧကဒေသော  
စိတ္တသမ္ပယုတ္တော ဧကဒေသော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၆၁၃။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အနုသယာ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တာ”တိ။ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနော  
ကုသလာဗျာကတေ စိတ္တေ ဝတ္တမာနေ “သနုသယော”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ။  
အာမန္တာ။ အနုသယာ တေန စိတ္တေန သမ္ပယုတ္တာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန  
ဟိ အနုသယာ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တာတိ။ ပုထုဇ္ဇနော ကုသလာဗျာကတေ စိတ္တေ  
ဝတ္တမာနေ “သရာဂေါ”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ။ အာမန္တာ။ ရာဂေါ တေန စိတ္တေန  
သမ္ပယုတ္တာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ ရာဂေါ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တာတိ။

တိဿောပိ အနုသယကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၁-ကောသမဝဂ္ဂ

#### (၁၀၉) ၄-ဉာဏကထာ

၆၁၄။ \* အညာဏေ ဝိဂတေ ဉာဏဝိပ္ပယုတ္တေ စိတ္တေ ဝတ္တမာနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ  
“ဉာဏီ”တိ။ အာမန္တာ။ ရာဂေ ဝိဂတေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဝိတရာဂေါ”တိ။ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အညာဏေ ဝိဂတေ ဉာဏဝိပ္ပယုတ္တေ စိတ္တေ ဝတ္တမာနေ န ဝတ္တဗ္ဗံ  
“ဉာဏီ”တိ။ အာမန္တာ။ ဒေါသေ ဝိဂတေ မောဟေ ဝိဂတေ ကိလေသေ  
ဝိဂတေ န ဝတ္တဗ္ဗံ “နိက္ခိလေသော”တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ရာဂေ ဝိဂတေ ဝတ္တဗ္ဗံ “ဝိတရာဂေါ”တိ။ အာမန္တာ။ အညာဏေ ဝိဂတေ  
ဉာဏဝိပ္ပယုတ္တေ စိတ္တေ ဝတ္တမာနေ ဝတ္တဗ္ဗံ “ဉာဏီ”တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။  
ဒေါသေ ဝိဂတေ မောဟေ ဝိဂတေ ကိလေသေ ဝိဂတေ ဝတ္တဗ္ဗံ  
“နိက္ခိလေသော”တိ။ အာမန္တာ။ အညာဏေ ဝိဂတေ ဉာဏဝိပ္ပယုတ္တေ စိတ္တေ  
ဝတ္တမာနေ ဝတ္တဗ္ဗံ “ဉာဏီ”တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



၆၁၅။ † အညာဏေ ဝိဂတေ ဉာဏဝိပ္ပယုတ္တေ စိတ္တေ ဝတ္တမာနေ ဝတ္တဗ္ဗံ “ဉာဏီ”တိ၊ အာမန္တာ။ အတိတေန ဉာဏေန ဉာဏီ နိရုဒ္ဓေန ဝိဂတေန ပဋိပဿဒ္ဓေန ဉာဏေန ဉာဏီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

ဉာဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၁-ကောဒသမဝဂ္ဂ

#### (၁၁၀) ၅-ဉာဏံစိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိကထာ

၆၁၆။ \* ဉာဏံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ နိဗ္ဗာနံ စက္ခာယတနံ။ ပ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဉာဏံစိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပညာ ပညိန္ဒြိယံ ပညာဗလံ သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဓမ္မဝိစယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေ၊ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပညာ ပညိန္ဒြိယံ ပညာဗလံ သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဓမ္မဝိစယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေ၊ စိတ္တသမ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဉာဏံ စိတ္တသမ္ပယုတ္တန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဉာဏံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကတမက္ခန္ဓပရိယာပန္နန္တိ၊ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နန္တိ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာက္ခန္ဓော သညာက္ခန္ဓော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဉာဏံ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပညာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပညာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ စိတ္တသမ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဉာဏံ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နံ စိတ္တသမ္ပယုတ္တန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဉာဏံ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တံ ပညာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ စိတ္တသမ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော ဧကဒေသော စိတ္တသမ္ပယုတ္တော ဧကဒေသော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော ဧကဒေသော စိတ္တသမ္ပယုတ္တော ဧကဒေသော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝေဒနာက္ခန္ဓော သညာက္ခန္ဓော ဧကဒေသော စိတ္တသမ္ပယုတ္တော ဧကဒေသော စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၆၁၇။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဉာဏံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ စက္ခု-ဝိညာဏသမင်္ဂီ “ဉာဏီ”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ ဉာဏံ တေန စိတ္တေန သမ္ပယုတ္တန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ ဉာဏံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိ။



အရဟတ စက္ခုဝိညာဏသမင်္ဂိ “ပညဝါ”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ။ အာမန္တာ။ ပညာ တေန စိတ္တေန သမ္ပယုတ္တာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ ပညာ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တာတိ။

ဉာဏံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၁-ကောဒသမဝဂ္ဂ

#### (၁၁၁) ၆-ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခန္တိကထာ

၆၁၈။ \* “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ အာမန္တာ။ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ဝါစံ ဘာသတော “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ အာမန္တာ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ဝါစံ ဘာသတော “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ အာမန္တာ။ “အယံ မဂ္ဂေါ”တိ ဝါစံ ဘာသတော “အယံ မဂ္ဂေါ”တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* “အယံ သမုဒယော”တိ ဝါစံ ဘာသတော န စ “အယံ သမုဒယော”တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ အာမန္တာ။ “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော န စ “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ “အယံ နိရောဓော”တိ။ “အယံ မဂ္ဂေါ”တိ ဝါစံ ဘာသတော န စ “အယံ မဂ္ဂေါ”တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ အာမန္တာ။ “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော န စ “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၆၁၉။ \* “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ အာမန္တာ။ “ရူပံ အနိစ္စ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော “ရူပံ အနိစ္စ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော “ဣဒ္ဓိ ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ အာမန္တာ။ “ဝေဒနာ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏံ အနိစ္စ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော “ဝိညာဏံ အနိစ္စ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



\*“ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ အာမန္တာ။ “ရူပံ အနတ္တာ”တိ ဝါစံ ဘာသတော “ရူပံ အနတ္တာ”တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗျေ။ပ။ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ အာမန္တာ။ “ဝေဒနာ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏံ အနတ္တာ”တိ ဝါစံ ဘာသတော “ဝိညာဏံ အနတ္တာ”တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗျေ။ပ။

\*“ရူပံ အနိစ္စ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော န စ “ရူပံ အနိစ္စ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ အာမန္တာ။ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော “န စ ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗျေ။ပ။ “ဝေဒနာ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏံ အနိစ္စ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော န စ “ဝိညာဏံ အနိစ္စ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ အာမန္တာ။ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော န စ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗျေ။ပ။

\*“ရူပံ အနတ္တာ”တိ ဝါစံ ဘာသတော န စ “ရူပံ အနတ္တာ”တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ အာမန္တာ။ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော န စ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗျေ။ပ။ “ဝေဒနာ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏံ အနတ္တာ”တိ ဝါစံ ဘာသတော န စ “ဝိညာဏံ အနတ္တာ”တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ အာမန္တာ။ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော န စ “ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗျေ။ပ။

၆၂၀။ \* “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဝါစံ ဘာသတော “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ အာမန္တာ။ “ဣ”တိ ခ စ “ဒ”န္တိ စ “ဒု”တိ ၂ စ “ခ”န္တိ စ ဉာဏံ ပဝတ္တတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗျေ။ပ။

ဣဒံ ဒုက္ခန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၁-ကောဒသမဝဂ္ဂ

#### (၁၁၂) ၇-ဣဒ္ဓိဗလကထာ

၆၂၁။ ဣဒ္ဓိဗလေန သမန္နာဂတော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဣဒ္ဓိမယိကော သော အာယု၊ ဣဒ္ဓိမယိကာ သာ ဂတိ၊ ဣဒ္ဓိမယိကော သော အတ္တဘာဝပ္ပုဋ္ဌိလာဘောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗျေ။ပ။



\* ဣဒ္ဓိဗလေန သမန္တာဂတော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျ၊ အနာဂတံ ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဣဒ္ဓိဗလေန သမန္တာဂတော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ ကပ္ပေ တိဋ္ဌေယျ၊ တယော ကပ္ပေ တိဋ္ဌေယျ၊ စတ္တာရော ကပ္ပေ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဣဒ္ဓိဗလေန သမန္တာဂတော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ သတိ ဇီဝိတေ ဇီဝိတာဝသေသေ တိဋ္ဌေယျ၊ အသတိ ဇီဝိတေ ဇီဝိတာဝသေသေ တိဋ္ဌေယျာတိ? သတိ ဇီဝိတေ ဇီဝိတာဝသေသေ တိဋ္ဌေယျာတိ။ ဟဉ္စိ သတိ ဇီဝိတေ ဇီဝိတာဝသေသေ တိဋ္ဌေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဣဒ္ဓိဗလေန သမန္တာဂတော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာ”တိ။ အသတိ ဇီဝိတေ ဇီဝိတာဝသေသေ တိဋ္ဌေယျာတိ။ မတော တိဋ္ဌေယျ ကာလံကတော တိဋ္ဌေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၂၂။ \* ဣဒ္ဓိဗလေန သမန္တာဂတော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပ္ပန္နော ဖဿော မာ နိရုဇ္ဈိတိ လဗ္ဘာ ဣဒ္ဓိယာ ပဂ္ဂဟေတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဥပ္ပန္နော ဝေဒနာ။ပ။ ဥပ္ပန္နော သညာ။ပ။ ဥပ္ပန္နော စေတနာ။ပ။ ဥပ္ပန္နံ စိတ္တံ။ ဥပ္ပန္နော သဒ္ဓါ။ပ။ ဥပ္ပန္နံ ဝီရိယံ။ ဥပ္ပန္နော သတိ။ ဥပ္ပန္နော သမာဓိ။ပ။ ဥပ္ပန္နော ပညာ မာ နိရုဇ္ဈိတိ လဗ္ဘာ ဣဒ္ဓိယာ ပဂ္ဂဟေတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဣဒ္ဓိဗလေန သမန္တာဂတော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ နိစ္စံ ဟောတူတိ လဗ္ဘာ ဣဒ္ဓိယာ ပဂ္ဂဟေတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ သင်္ခါရာ ဝိညာဏံ နိစ္စံ ဟောတူတိ လဗ္ဘာ ဣဒ္ဓိယာ ပဂ္ဂဟေတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဣဒ္ဓိဗလေန သမန္တာဂတော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဇာတိဓမ္မာ သတ္တာ မာ ဇာယိံသုတိ လဗ္ဘာ ဣဒ္ဓိယာ ပဂ္ဂဟေတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဇရာဓမ္မာ သတ္တာ မာ ဇီရိံသုတိ။ပ။ ဗျာဓိဓမ္မာ သတ္တာ မာ ဗျာဓိယိံသုတိ။ပ။ မရဏဓမ္မာ သတ္တာ မာ မီယိံသုတိ လဗ္ဘာ ဣဒ္ဓိယာ ပဂ္ဂဟေတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၂၃။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဣဒ္ဓိဗလေန သမန္တာဂတော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ယဿ ကဿစိ အာနန္တ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ယာနိကတာ ဝတ္ထုကတာ အနုဋ္ဌိတာ ပရိစိတာ သုသမာရဋ္ဌါ၊ သော အာကင်္ခမာနော ကပ္ပံ ဝါ တိဋ္ဌေယျ ကပ္ပေါဝသေသံ ဝါ”တိ။



အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဣဒ္ဓိဗလေန သမန္တာဂတော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ။

၆၂၄။ \*ဣဒ္ဓိဗလေန သမန္တာဂတော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ“စတုန္တံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာနံ နတ္ထိ ကောစိ ပါဠိဘောဂေါ သမဏော ဝါ ပြာဟ္မဏော ဝါ ဒေဝေါ ဝါ မာရော ဝါ မြဟ္မာ ဝါ ကောစိ ဝါ လောကသ္မိ”။ ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဇရာဓမ္မော “မာ ဇိရိ”တိ နတ္ထိ ကောစိ ပါဠိဘောဂေါ သမဏော ဝါ ပြာဟ္မဏော ဝါ ဒေဝေါ ဝါ မာရော ဝါ မြဟ္မာ ဝါ ကောစိ ဝါ လောကသ္မိ”။ ဗျာဓိဓမ္မော “မာ ဗျာဓိယီ”တိ။ ပ။ မရဏဓမ္မော “မာ မီယီ”တိ ယာနိ ခေါ ပန တာနိ ပုဗ္ဗေ ကတာနိ ပါပကာနိ ကမ္မာနိ သံကိလေသိကာနိ ပေါနောဘ္ဓိကာနိ<sup>၁</sup> သဒရာနိ<sup>၂</sup> ဒုက္ခဝိပါကာနိ အာယတိံ<sup>၃</sup> ဇာတိဇရာ-မရဏိယာနိ တေသံ ဝိပါကော “မာ နိဗ္ဗတ္တိ”တိ နတ္ထိ ကောစိ ပါဠိဘောဂေါ သမဏော ဝါ ပြာဟ္မဏော ဝါ ဒေဝေါ ဝါ မာရော ဝါ မြဟ္မာ ဝါ ကောစိ ဝါ လောကသ္မိ”။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဓမ္မာနံ နတ္ထိ ကောစိ ပါဠိဘောဂေါ သမဏော ဝါ ပြာဟ္မဏော ဝါ ဒေဝေါ ဝါ မာရော ဝါ မြဟ္မာ ဝါ ကောစိ ဝါ လောကသ္မိ”န္တိ<sup>၃</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဣဒ္ဓိဗလေန သမန္တာဂတော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာ”တိ။

ဣဒ္ဓိဗလကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၁-ကောဒသမဝဂ္ဂ

#### (၁၁၃) ဂ-သမာဓိကထာ

၆၂၅။ \*စိတ္တသန္တတိ သမာဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အတီတာ စိတ္တသန္တတိ သမာ-ဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ စိတ္တသန္တတိ သမာဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတာ စိတ္တသန္တတိ သမာဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ စိတ္တသန္တတိ သမာဓိတိ၊ အာမန္တာ။ နန အတီတံ နိရုဋ္ဌံ အနာဂတံ အဇာတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတီတံ နိရုဋ္ဌံ အနာဂတံ အဇာတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စိတ္တသန္တတိ သမာဓိ”တိ။

၁-ပေါနောဘိကာနိ (သီ၊ ဣ)

၂-နိဿာရာနိ (သီ၊ ဣ၊ က)၊ ဒုက္ခဒြိယာနိ (သျှာ)

၃-အံ ၁-၄၉၁-ပိဋေ။



၆၂၆။ † ကေစိတ္တက္ခန္ဓာကော သမာဓိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဝိညာဏသမင်္ဂိ သမာပန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သောတဝိညာဏသမင်္ဂိ။ပ။ သာန-  
ဝိညာဏသမင်္ဂိ။ ဇိဝှိဝိညာဏသမင်္ဂိ။ ကာယဝိညာဏသမင်္ဂိ။ပ။ အကုသလ-  
စိတ္တသမင်္ဂိ။ပ။ ရာဂသဟဂတစိတ္တသမင်္ဂိ။ပ။ ဒေါသသဟဂတစိတ္တသမင်္ဂိ။ပ။  
မောဟသဟဂတစိတ္တသမင်္ဂိ။ပ။ အနောတ္တပ္ပသဟဂတစိတ္တသမင်္ဂိ သမာပန္နောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* စိတ္တသန္တတိ သမာဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလစိတ္တသန္တတိ သမာဓိတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရာဂသဟဂတာ။ပ။ ဒေါသသဟဂတာ။ပ။ မောဟ-  
သဟဂတာ။ပ။ အနောတ္တပ္ပသဟဂတာ စိတ္တသန္တတိ သမာဓိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† န ဝတ္တဗ္ဗံ “စိတ္တသန္တတိ သမာဓိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အဟံ  
ခေါ အာရုသော နိဂဏ္ဌာ ပဟောမိ အနိဉ္ဇမာနော ကာယေန အဘာသမာနော  
ဝါစံ သတ္တ ရတ္တိန္ဒြိယံ”<sup>၁</sup> ကေန္တသုခံ ပဋိသံဝေဒိ ဝိဟရိတု”န္တိ<sup>၂</sup> အတ္ထေဝ  
သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ စိတ္တသန္တတိ သမာဓိတိ။

သမာဓိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၁၁-ကောဒသမဝဂ္ဂ

(၁၁၄) ၉-ဓမ္မဋ္ဌိတတာကထာ

၆၂၇။ \* ဓမ္မဋ္ဌိတတာ ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။ တာယ ဌိတတာ  
ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တာယ ဌိတတာ ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။  
တာယ တာယေဝ နတ္ထိ ဒုက္ခဿန္တကိရိယာ၊ နတ္ထိ ဝဇ္ဇပစ္ဆေဒေါ၊ နတ္ထိ  
အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပဿ ဌိတတာ ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။ တာယ ဌိတတာ ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တာယ ဌိတတာ ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။ တာယ တာယေဝ  
နတ္ထိ ဒုက္ခဿန္တကိရိယာ၊ နတ္ထိ ဝဇ္ဇပစ္ဆေဒေါ၊ နတ္ထိ အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* ဝေဒနာယ ဌိတတာ။ပ။ သညာယ ဌိတတာ။ပ။ သင်္ခါရာနံ ဌိတတာ။ပ။  
ဝိညာဏဿ ဌိတတာ ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။ တာယ ဌိတတာ ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တာယ ဌိတတာ ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။ တာယ  
တာယေဝ နတ္ထိ ဒုက္ခဿန္တကိရိယာ၊ နတ္ထိ ဝဇ္ဇုပစ္ဆေဒေါ၊ နတ္ထိ အနုပါဒါ-  
ပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ဓမ္မဌိတတာကထာ နိဌိတာ။

### ၁၁-ကောဒသမဝဂ္ဂ

#### (၁၁၅) ၁၀-အနိစ္စတာကထာ

၆၂၈။ \* အနိစ္စတာ ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။ တာယ အနိစ္စတာယ အနိစ္စတာ  
ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တာယ အနိစ္စတာယ အနိစ္စတာ ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊  
အာမန္တာ။ တာယ တာယေဝ နတ္ထိ ဒုက္ခဿန္တကိရိယာ၊ နတ္ထိ ဝဇ္ဇုပစ္ဆေဒေါ၊  
နတ္ထိ အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။

\* ဇရာ ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။ တာယ ဇရာယ ဇရာ ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တာယ ဇရာယ ဇရာ ပရိနိပ္ပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။ တာယ တာယေဝ  
နတ္ထိ ဒုက္ခဿန္တကိရိယာ၊ နတ္ထိ ဝဇ္ဇုပစ္ဆေဒေါ၊ နတ္ထိ အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မရဏံ ပရိနိပ္ပန္နန္တိ၊ အာမန္တာ။ တဿ မရဏဿ မရဏံ ပရိနိပ္ပန္နန္တိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တဿ မရဏဿ မရဏံ ပရိနိပ္ပန္နန္တိ၊ အာမန္တာ။ တဿ  
တဿေဝ နတ္ထိ ဒုက္ခဿန္တကိရိယာ၊ နတ္ထိ ဝဇ္ဇုပစ္ဆေဒေါ၊ နတ္ထိ အနုပါဒါ-  
ပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၂၉။ \* ရူပံ ပရိနိပ္ပန္နံ ရူပဿ အနိစ္စတာ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အနိစ္စတာ  
ပရိနိပ္ပန္နာ အနိစ္စတာယ အနိစ္စတာ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပံ ပရိနိပ္ပန္နံ  
ရူပဿ ဇရာ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ဇရာ ပရိနိပ္ပန္နာ ဇရာယ ဇရာ အတ္ထိတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပံ ပရိနိပ္ပန္နံ ရူပဿ ဘေဒေါ အတ္ထိ၊ အန္တရဓာနံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။  
မရဏံ ပရိနိပ္ပန္နံ မရဏဿ ဘေဒေါ အတ္ထိ၊ အန္တရဓာနံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ပ။ ဝိညာဏံ ပရိနိပ္ပန္နံ ဝိညာဏဿ အနိစ္စတာ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ အနိစ္စတာ ပရိနိပ္ပန္နာ အနိစ္စတာယ အနိစ္စတာ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဝိညာဏံ ပရိနိပ္ပန္နံ ဝိညာဏဿ ဇရာ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ဇရာ ပရိနိပ္ပန္နာ ဇရာယ ဇရာ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဝိညာဏံ ပရိနိပ္ပန္နံ ဝိညာဏဿ ဘေဒေါ အတ္ထိ အန္တရဓာနံ အတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ မရဏံ ပရိနိပ္ပန္နံ မရဏဿ ဘေဒေါ အတ္ထိ၊ အန္တရဓာနံ အတ္ထိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အနိစ္စတာကထာ နိဋ္ဌိတာ။

ကောဒသမော ဝဂ္ဂေါ။

### တဿုဒ္ဓါနံ

အနုသယာ အဗျာကတာ၊ အဟေတုကာ၊ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တာ၊ အညာဏေ ဝိဂတေ ဉာဏီ၊ ဉာဏံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တံ၊ ယတ္ထ သဒ္ဓေ<sup>၁</sup> ဉာဏံ ပဝတ္တတိ၊ ဣဒ္ဓိဗလေန သမန္တာ-  
ဂတော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျ၊ စိတ္တသန္တတိ သမာဓိ၊ ဓမ္မဋ္ဌိတတာ၊ အနိစ္စတာတိ။

### ၁၂-ဒွါဒသမဝဂ္ဂ

#### (၁၁၆) ၁-သံဝရောကမ္မန္တိကထာ

၆၃၀။ \* သံဝရော ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဗြိယသံဝရော စက္ခုကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သောတိဗြိယသံဝရော။ပ။ သာနိဗြိယသံဝရော။ပ။ ဇိဝှိဗြိယသံဝရော။ပ။ ကာယိဗြိယသံဝရော ကာယကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကာယိဗြိယသံဝရော ကာယကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဗြိယသံဝရော စက္ခု-  
ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကာယိဗြိယသံဝရော ကာယကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။  
သောတိဗြိယသံဝရော။ပ။ သာနိဗြိယသံဝရော။ပ။ ဇိဝှိဗြိယသံဝရော ဇိဝှိကမ္မန္တိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မနိဗြိယသံဝရော မနောကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* မနိဗြိယသံဝရော မနောကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဗြိယသံဝရော စက္ခု-  
ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မနိဗြိယသံဝရော မနောကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။



သောတိန္ဒြိယသံဝရော။ပ။ သာနိန္ဒြိယသံဝရော။ပ။ ဇိဝှိန္ဒြိယသံဝရော။ပ။  
 ကာယိန္ဒြိယသံဝရော ကာယကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၆၃၁။ \* အသံဝရော ကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုန္ဒြိယအသံဝရော စက္ခုကမ္မန္တိ၊  
 န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သောတိန္ဒြိယအသံဝရော။ပ။ သာနိန္ဒြိယအသံဝရော။ပ။  
 ဇိဝှိန္ဒြိယအသံဝရော။ပ။ ကာယိန္ဒြိယအသံဝရော ကာယကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ  
 ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ကာယိန္ဒြိယအသံဝရော ကာယကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုန္ဒြိယအသံဝရော  
 စက္ခုကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကာယိန္ဒြိယအသံဝရော ကာယကမ္မန္တိ၊  
 အာမန္တာ။ သောတိန္ဒြိယအသံဝရော။ပ။ သာနိန္ဒြိယအသံဝရော။ပ။ ဇိဝှိန္ဒြိယ-  
 အသံဝရော ဇိဝှိကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ မနိန္ဒြိယအသံဝရော မနောကမ္မန္တိ၊  
 န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* မနိန္ဒြိယအသံဝရော မနောကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုန္ဒြိယအသံဝရော စက္ခု-  
 ကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ မနိန္ဒြိယအသံဝရော မနောကမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။  
 သောတိန္ဒြိယအသံဝရော။ပ။ သာနိန္ဒြိယအသံဝရော။ပ။ ဇိဝှိန္ဒြိယအသံဝရော။ပ။  
 ကာယိန္ဒြိယအသံဝရော ကာယကမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၆၃၂။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သံဝရောပိ အသံဝရောပိ ကမ္မ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ  
 ဘဂဝတာ “ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စက္ခုနာ ရူပံ ဒိသ္မာ နိမိတ္တဂ္ဂါဟီ ဟောတိ။ပ။  
 န နိမိတ္တဂ္ဂါဟီ ဟောတိ။ သောတေန သဒ္ဓံ သုတုာ။ပ။ မနဿ ဓမ္မံ ဝိညာယ  
 နိမိတ္တဂ္ဂါဟီ ဟောတိ။ပ။ န နိမိတ္တဂ္ဂါဟီ ဟောတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊  
 အာမန္တာ။ တေန ဟိ သံဝရောပိ အသံဝရောပိ ကမ္မန္တိ။

သံဝရော ကမ္မန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၁၂-ဒွါဒသမဝဂ္ဂ

### (၁၁၇) ၂-ကမ္မကထာ

၆၃၃။ \* သဗ္ဗံ ကမ္မံ သဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗာ စေတနာ သဝိပါကာတိ၊  
 န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သဗ္ဗာ စေတနာ သဝိပါကာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိပါကာ-  
 ဗျာကတာ စေတနာ သဝိပါကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သဗ္ဗာ စေတနာ



သဝိပါကာတိ၊ အာမန္တာ။ ကိရိယာဗျာကတာ စေတနာ သဝိပါကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဗ္ဗာ စေတနာ သဝိပါကာတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမာဝစရာ ဝိပါကာ-  
ဗျာကတာ စေတနာ သဝိပါကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သဗ္ဗာ စေတနာ  
သဝိပါကာတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပါဝစရာ အရူပါဝစရာ အပရိယာပန္နာ ဝိပါကာ-  
ဗျာကတာ စေတနာ သဝိပါကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဗ္ဗာ စေတနာ သဝိပါကာတိ၊ အာမန္တာ။ ကာမာဝစရာ ကိရိယာ-  
ဗျာကတာ စေတနာ သဝိပါကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သဗ္ဗာ စေတနာ  
သဝိပါကာတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပါဝစရာ အရူပါဝစရာ ကိရိယာဗျာကတာ စေတနာ  
သဝိပါကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၃၄။ \* ဝိပါကာဗျာကတာ စေတနာ အဝိပါကာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
ဝိပါကာဗျာကတာ စေတနာ အဝိပါကာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗာ  
စေတနာ သဝိပါကာ”တိ။

\* ကိရိယာဗျာကတာ စေတနာ အဝိပါကာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကိရိယာ-  
ဗျာကတာစေတနာ အဝိပါကာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗာ စေတနာ  
သဝိပါကာ”တိ။

\* ကာမာဝစရာ ရူပါဝစရာ အရူပါဝစရာ အပရိယာပန္နာ ဝိပါကာဗျာကတာ  
စေတနာ အဝိပါကာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အပရိယာပန္နာ ဝိပါကာဗျာကတာ  
စေတနာ အဝိပါကာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗာ စေတနာ သဝိပါကာ”တိ။

\* ကာမာဝစရာ ရူပါဝစရာ အရူပါဝစရာ ကိရိယာဗျာကတာ စေတနာ  
အဝိပါကာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရူပါဝစရာ ကိရိယာဗျာကတာ စေတနာ  
အဝိပါကာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗာ စေတနာ သဝိပါကာ”တိ။

၆၃၅။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သဗ္ဗံ ကမ္မံ သဝိပါကံ” န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ  
“နာဟံ ဘိက္ခဝေ သဗ္ဗေတနိကာနံ ကမ္မာနံ ကတာနံ ဥပစိတာနံ အပ္ပုဋ္ဌိသံဝိဒိတူာ  
ဗျန္တိဘာဝံ ဝဒါမိ၊ တဉ္စ ခေါဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေဥပပဇ္ဇေ’ ဝါ အပရေဝါပရိယာယေ”တိ၊  
အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ သဗ္ဗံ ကမ္မံ သဝိပါကန္တိ။

ကမ္မကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၁၂-ဒွါဒသမဝဂ္ဂ

## (၁၁၈) ၃-သဒ္ဓေါဝိပါကောတိကထာ

၆၃၆။ \* သဒ္ဓေါဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ သုခဝေဒနိယော ဒုက္ခပေဒနိယော အဒုက္ခမသုခဝေဒနိယော သုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တော၊ ဒုက္ခာယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တော၊ အဒုက္ခမသုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တော၊ ဖဿေန သမ္ပယုတ္တော၊ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တော၊ သညာယ သမ္ပယုတ္တော၊ စေတနာယ သမ္ပယုတ္တော၊ စိတ္တေန သမ္ပယုတ္တော သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ အာဘောဂေါ သမန္တာဟာရော မနဿိကာရော စေတနာ ပတ္တနာ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ နန န သုခဝေဒနိယော န ဒုက္ခဝေဒနိယော။ ပ။ အနာရမ္ပဏော နတ္ထိ တတ္ထ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ န သုခဝေဒနိယော။ ပ။ အနာရမ္ပဏော နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဒ္ဓေါ ဝိပါကော”တိ။

\* ဖဿော ဝိပါကော၊ ဖဿော သုခဝေဒနိယော။ ပ။ သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ သဒ္ဓေါ ဝိပါကော၊ သဒ္ဓေါ သုခဝေဒနိယော။ ပ။ သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သဒ္ဓေါ ဝိပါကော၊ သဒ္ဓေါ န သုခဝေဒနိယော။ ပ။ အနာရမ္ပဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဖဿော ဝိပါကော၊ ဖဿော န သုခဝေဒနိယော န ဒုက္ခဝေဒနိယော။ ပ။ အနာရမ္ပဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၆၃၇။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သဒ္ဓေါ ဝိပါကော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သော တဿ ကမ္မဿ ကတတ္တာ ဥပစိတတ္တာ ဥဿန္တတ္တာ ဝိပုလတ္တာ မြဟ္မဿရော ဟောတိ ကရိကဘာဏီ”တိ။ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ သဒ္ဓေါ ဝိပါကောတိ။

သဒ္ဓေါ ဝိပါကောတိ ကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၁၂-ဒွါဒသမဝဂ္ဂ

(၁၁၉) ၄-သဠာယတနကထာ

၆၃၈။ \* စက္ခာယတနံ ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ သုခဝေဒနိယံ၊ ဒုက္ခ-  
ဝေဒနိယံ။ပ။ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန န သုခဝေဒနိယံ။ပ။ အနာရမ္ပဏံ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။  
ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ န သုခဝေဒနိယံ။ပ။ အနာရမ္ပဏံ နတ္ထိ တဿ  
အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စက္ခာယတနံ ဝိပါကော”တိ။ပ။

\* ဖဿော ဝိပါကော၊ ဖဿော သုခဝေဒနိယော။ပ။ သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ  
တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခာယတနံ ဝိပါကော၊ စက္ခာ-  
ယတနံ သုခဝေဒနိယံ။ပ။ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* စက္ခာယတနံ ဝိပါကော၊ စက္ခာယတနံ န သုခဝေဒနိယံ။ပ။ အနာရမ္ပဏံ၊  
နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဖဿော ဝိပါကော၊ ဖဿော  
န သုခဝေဒနိယော။ပ။ အနာရမ္ပဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ။  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၃၉။ \* သောတာယတနံ။ပ။ သာနာယတနံ။ပ။ ဇိဝှိယတနံ။ပ။  
ကာယာယတနံ ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ သုခဝေဒနိယံ။ပ။ သာရမ္ပဏံ၊  
အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန န  
သုခဝေဒနိယံ။ပ။ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ န သုခဝေဒနိယံ။ပ။ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။  
ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ကာယာယတနံ ဝိပါကော”တိ။

\* ဖဿော ဝိပါကော၊ ဖဿော သုခဝေဒနိယော။ပ။ သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ  
တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ကာယာယတနံ ဝိပါကော၊  
ကာယာယတနံ သုခဝေဒနိယံ။ပ။ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။  
ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကာယာယတနံ ဝိပါကော၊ ကာယာယတနံ  
န သုခဝေဒနိယံ။ပ။ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊  
အာမန္တာ။ ဖဿော ဝိပါကော၊ ဖဿော န သုခဝေဒနိယော။ပ။ အနာရမ္ပ-  
ဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၆၄၀။ †န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သဠာယတနံ ဝိပါကော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု သဠာ-  
ယတနံ ကမ္မဿ ကတတ္တာ ဥပ္ပန္နန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သဠာယတနံ ကမ္မဿ  
ကတတ္တာ ဥပ္ပန္နန္တိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သဠာယတနံ ဝိပါကော”တိ။

သဠာယတနကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၁၂-ဒွါဒသမဝဂ္ဂ

### (၁၂၀) ၅-သတ္တက္ခတ္တုပရမကထာ

၆၄၁။ \*သတ္တက္ခတ္တုပရမော ပုဂ္ဂလော သတ္တက္ခတ္တုပရမတာနိယတောတိ၊  
အာမန္တာ။ မာတာ ဇီဝိတာ ဝေါရောပိတာ။ ပိတာ ဇီဝိတာ ဝေါရောပိတော။  
အရဟာ ဇီဝိတာ ဝေါရောပိတော။ ဒုဋ္ဌေန စိတ္တေန တထာဂတဿ လောဟိတံ  
ဥပ္ပါဒိတံ။ သံဃော ဘိန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\*သတ္တက္ခတ္တုပရမော ပုဂ္ဂလော သတ္တက္ခတ္တုပရမတာနိယတောတိ၊ အာမန္တာ။  
အာဗဗ္ဗော အန္တရာ ဓမ္မံ အဘိသမေတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အာဗဗ္ဗော  
အန္တရာ ဓမ္မံ အဘိသမေတုန္တိ၊ အာမန္တာ။ မာတာ ဇီဝိတာ ဝေါရောပိတာ။  
ပိတာ ဇီဝိတာ ဝေါရောပိတော။ အရဟာ ဇီဝိတာ ဝေါရောပိတော။ ဒုဋ္ဌေန  
စိတ္တေန တထာဂတဿ လောဟိတံ ဥပ္ပါဒိတံ။ သံဃော ဘိန္နောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၆၄၂။ \*သတ္တက္ခတ္တုပရမော ပုဂ္ဂလော သတ္တက္ခတ္တုပရမတာနိယတောတိ၊  
အာမန္တာ။ အတ္ထိ သော နိယမော ယေန နိယမေန သတ္တက္ခတ္တုပရမော ပုဂ္ဂလော  
သတ္တက္ခတ္တုပရမတာနိယတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အတ္ထိ တေ သတိပဋ္ဌာ-  
နာ။ ပ။ သမ္မပ္ပဓာနာ။ ဣဒ္ဓိပါဒါ၊ ဣန္ဒြိယာ။ ဗလာ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ယေဟိ ဗောဇ္ဈင်္ဂေဟိ။  
သတ္တက္ခတ္တုပရမော ပုဂ္ဂလော သတ္တက္ခတ္တုပရမတာနိယတောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၆၄၃။ \*နတ္ထိ သော နိယမော ယေန နိယမေန သတ္တက္ခတ္တုပရမော ပုဂ္ဂလော  
သတ္တက္ခတ္တုပရမတာနိယတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ သော နိယမော ယေန  
နိယမေန သတ္တက္ခတ္တုပရမော ပုဂ္ဂလော သတ္တက္ခတ္တုပရမတာနိယတော၊ နော  
စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သတ္တက္ခတ္တုပရမော ပုဂ္ဂလော သတ္တက္ခတ္တုပရမတာ-  
နိယတော”တိ။



\* နတ္ထိ တေ သတိပဋ္ဌာနာ။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂိ ယေဟိ ဗောဇ္ဈင်္ဂေဟိ သတ္တက္ခတ္တု-  
ပရမော ပုဂ္ဂလော သတ္တက္ခတ္တုပရမတာနိယတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ  
တေ ဗောဇ္ဈင်္ဂိ ယေဟိ ဗောဇ္ဈင်္ဂေဟိ သတ္တက္ခတ္တုပရမော ပုဂ္ဂလော သတ္တက္ခတ္တု-  
ပရမတာနိယတော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သတ္တက္ခတ္တုပရမော ပုဂ္ဂလော  
သတ္တက္ခတ္တုပရမတာနိယတော”တိ။

၆၄၄။ \* သတ္တက္ခတ္တုပရမော ပုဂ္ဂလော သတ္တက္ခတ္တုပရမတာနိယတောတိ၊  
အာမန္တာ။ သကဒါဂါမိနိယမေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အနာဂါမိ-  
နိယမေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရဟတ္တနိယမေနာတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကတမေန နိယမေနာတိ၊ သောတာပတ္တိနိယမေနာတိ။ သတ္တက္ခတ္တုပရမော  
ပုဂ္ဂလော သတ္တက္ခတ္တုပရမတာနိယတောတိ၊ အာမန္တာ။ ယေ ကေမိ သောတာ-  
ပတ္တိနိယာမံ ဩက္ကမန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ သတ္တက္ခတ္တုပရမတာနိယတောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၄၅။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သတ္တက္ခတ္တုပရမော ပုဂ္ဂလော သတ္တက္ခတ္တုပရမတာ-  
နိယတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု သော သတ္တက္ခတ္တုပရမောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
သော သတ္တက္ခတ္တုပရမော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သတ္တက္ခတ္တုပရမော  
ပုဂ္ဂလော သတ္တက္ခတ္တုပရမတာနိယတော”တိ။

သတ္တက္ခတ္တုပရမကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

## ၁၂-ဒွါဒသမဝဂ္ဂ

### (၁၂၁) ၆-ကောလံကောလကထာ

၆၄၆။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ကောလံကောလော ပုဂ္ဂလော ကောလံကောလတာ-  
နိယတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု သော ကောလံကောလောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
သော ကောလံကောလော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ကောလံကောလော  
ပုဂ္ဂလော ကောလံကောလတာနိယတော”တိ။

ကောလံကောလကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၁၂-ဒွါဒသမဝဂ္ဂ

## (၁၂၂) ၇-ဧကဗိဇိကထာ

၆၄၇။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ဧကဗိဇိ ပုဂ္ဂလော ဧကဗိဇိတာနိယတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု သော ဧကဗိဇိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သော ဧကဗိဇိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဧကဗိဇိ ပုဂ္ဂလော ဧကဗိဇိတာနိယတော”တိ။

ဧကဗိဇိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၁၂-ဒွါဒသမဝဂ္ဂ

## (၁၂၃) ၈-ဇိဝိတာဝေါရောပနကထာ

၆၄၈။ \* ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော သဉ္စိစ္စ ပါဏံ ဇိဝိတာ ဝေါရောပေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော သဉ္စိစ္စ မာတရံ ဇိဝိတာ ဝေါရောပေယျ။ပ။ ပိတရံ ဇိဝိတာ ဝေါရောပေယျ။ပ။ အရဟန္တံ ဇိဝိတာ ဝေါရောပေယျ။ပ။ ဒုဋ္ဌေန စိတ္တေန တထာဂတဿ လောဟိတံ ဥပ္ပါဒေယျ။ပ။ သံဃံ ဘိန္ဒေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော သဉ္စိစ္စ ပါဏံ ဇိဝိတာ ဝေါရောပေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော သတ္တရိ အဂါရဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ သိက္ခာယ အဂါရဝေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* နနု ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော သတ္တရိ သဂါရဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော သတ္တရိ သဂါရဝေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော သဉ္စိစ္စ ပါဏံ ဇိဝိတာ ဝေါရောပေယျာ”တိ။ နနု ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ သိက္ခာယ သဂါရဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော သိက္ခာယ သဂါရဝေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော သဉ္စိစ္စ ပါဏံ ဇိဝိတာ ဝေါရောပေယျာ”တိ။

၆၄၉။ \* ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော သတ္တရိ အဂါရဝေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော ဗုဒ္ဓထူပေ ဩဟဒေယျ ဩမုတ္တေယျ နိဋ္ဌဘောယျ ဗုဒ္ဓထူပေ အပဗျာမတော<sup>၁</sup> ကရေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



\* ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော သဗ္ဗိစ္စ ပါဏံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ပုတ္တံ ဘဂဝတာ “သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မဟာသမုဒ္ဒေါ ဌိတဓမ္မော ဝေလံ နာတိဝတ္တတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယံ မယာ သာဝကာနံ သိက္ခာပဒံ ပညတ္တံ၊ .တံ မမ သာဝကာ ဇီဝိတဟေတုပိ နာတိက္ကမန္တိ”တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော သဗ္ဗိစ္စ ပါဏံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေယျာ”တိ။

ဇီဝိတာ ဝေါရောပနကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၁၂-ဒွါဒသမဝဂ္ဂ

### (၁၂၄) ဇ-ဒုဂ္ဂတိကထာ

၆၅၀။ \* ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော အာပါယိကေ ရူပေ ရဇ္ဇေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော အာပါယိကေ ရူပေ ရဇ္ဇေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိ”တိ။

\* ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော အာပါယိကေ သဒ္ဓေ။ပ။ ဂန္ဓေ။ ရသေ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗေ။ပ။ အမနုဿိတ္ထိယာ တိရစ္ဆာနဂတိတ္ထိယာ နာဂကညာယ မေထုနံ ဓမ္မံ ပဋိသေဝေယျ။ အဇေဋ္ဌကံ ပဋိဂ္ဂဏှေယျ။ ကုက္ကုဋသုကရံ ပဋိဂ္ဂဏှေယျ။ ဟတ္ထိဂဝဿဝဋ္ဋဝံ ပဋိဂ္ဂဏှေယျ။ တိတ္ထိရဝဋ္ဋကမောရကပိဉ္ဇရံ<sup>၂</sup> ပဋိဂ္ဂဏှေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော တိတ္ထိရဝဋ္ဋကမောရကပိဉ္ဇရံ ပဋိဂ္ဂဏှေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိ”တိ။

၆၅၁။ \* ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိ၊ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော အာပါယိကေ ရူပေ ရဇ္ဇေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိ၊ အရဟာ အာပါယိကေ ရူပေ ရဇ္ဇေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိ၊ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော အာပါယိကေ သဒ္ဓေ။ ဂန္ဓေ။ ရသေ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗေ။ပ။ တိတ္ထိရဝဋ္ဋကမောရကပိဉ္ဇရံ ပဋိဂ္ဂဏှေယျာတိ၊ အာမန္တာ။



အရဟတော ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိ၊ အရဟာ တိတ္ထိရဝဋ္ဌကမောရကပိဉ္ဇရံ ပဋိဂ္ဂဏှေ-  
ယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတော ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိ၊ န စ အရဟာ အာပါယိကေ ရူပေ  
ရဇ္ဇေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိ၊ န စ  
ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော အာပါယိကေ ရူပေ ရဇ္ဇေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
အရဟတော ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိ၊ န စ အရဟာ အာပါယိကေ သဒ္ဓေ။ပ။ ဂန္ဓေ။ပ။  
ရသေ။ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗေ။ပ။ အမနုဿိတ္ထိယာ တိရစ္ဆာနဂတိတ္ထိယာ နာဂကညာယ  
မေထုနံ ဓမ္မံ ပဋိသေဝေယျ။ အဇေဋ္ဌကံ ပဋိဂ္ဂဏှေယျ။ ကုက္ကုဋသုကရံ ပဋိဂ္ဂဏှေယျ။  
ဟတ္ထိဂဝဿဝဋ္ဌံ ပဋိဂ္ဂဏှေယျ။ပ။ တိတ္ထိရဝဋ္ဌကမောရကပိဉ္ဇရံ ပဋိဂ္ဂဏှေ-  
ယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိ၊ န စ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော  
ပုဂ္ဂလော တိတ္ထိရဝဋ္ဌကမောရကပိဉ္ဇရံ ပဋိဂ္ဂဏှေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၅၂။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိ”တိ၊ အာမန္တာ။  
ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော နိရယံ ဥပပဇ္ဇေယျ။ပ။ တိရစ္ဆာနယောနိံ ဥပပဇ္ဇေယျ။  
ပေတ္တိဝိသယံ ဥပပဇ္ဇေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ  
ပုဂ္ဂလဿ ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိတိ။

ဒုဂ္ဂတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၁၂-ဒွါဒသမဝဂ္ဂ

### (၁၂၅) ၁၀-သတ္တမဘဝိကကထာ

၆၅၃။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သတ္တမဘဝိကဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိ”တိ၊  
အာမန္တာ။ သတ္တမဘဝိကော ပုဂ္ဂလော နိရယံ ဥပပဇ္ဇေယျ။ တိရစ္ဆာနယောနိံ  
ဥပပဇ္ဇေယျ။ ပေတ္တိဝိသယံ ဥပပဇ္ဇေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ  
သတ္တမဘဝိကဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိတိ။

သတ္တမဘဝိကကထာ နိဋ္ဌိတာ။

ဗာရသမော ဝဂ္ဂေါ။

† အဋ္ဌကထာနုလောမံ ပရဝါဒိပုစ္ဆာလက္ခဏံ။ တထာပါယံ ပုစ္ဆာ သကဝါဒိဿ၊ ပုရိမာယော စ  
ပရဝါဒိဿာတိ ဂဟေတဗ္ဗာဝိယ ဒိဿန္တိ။



## တသုဒ္ဓါနံ

သံဝရော ကမ္မံ တထေဝ အသံဝရော၊ သဗ္ဗကမ္မံ သဝိပါကံ၊ သဒ္ဓေါ ဝိပါကော၊ သဋ္ဌာယတနံ ဝိပါကော၊ သတ္တက္ခတ္တုပရမော ပုဂ္ဂလော သတ္တက္ခတ္တုပရမတာ နိယတော၊ ကောလံကောလပုဂ္ဂလော ကောလံကောလတာ နိယတော၊ ဧကမီဇိပုဂ္ဂလော ဧကမီဇိတာ နိယတော၊ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော သဋ္ဌိစ္စ ပါဏံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေယျ၊ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ ပဟိနာ ဒုဂ္ဂတိ၊ တထေဝ သတ္တမဘဝိကဿာတိ။

## ၁၃-တေရသမဝဂ္ဂ

## (၁၂၆) ၁-ကပ္ပဋ္ဌကထာ

၆၅၄။ \* ကပ္ပဋ္ဌော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ကပ္ပေါ စ သဏ္ဌာတိ ဗုဒ္ဓေါ စ လောကေ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ကပ္ပဋ္ဌော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ကပ္ပေါ စ သဏ္ဌာတိ သံဃော စ ဘိဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ကပ္ပဋ္ဌော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ကပ္ပေါ စ သဏ္ဌာတိ ကပ္ပဋ္ဌော စ ကပ္ပဋ္ဌိယံ ကမ္မံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ကပ္ပဋ္ဌော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ကပ္ပေါ စ သဏ္ဌာတိ ကပ္ပဋ္ဌော စ ပုဂ္ဂလော ကာလံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၆၅၅။ \* ကပ္ပဋ္ဌော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတံ ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျ။ အနာဂတံ ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ကပ္ပဋ္ဌော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ ကပ္ပေ တိဋ္ဌေယျ။ တယော ကပ္ပေ တိဋ္ဌေယျ။ စတ္တာရော ကပ္ပေ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၆၅၆။ \* ကပ္ပဋ္ဌော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ကပ္ပဋ္ဌော ကပ္ပေ ဒုယန္တေ ကတ္ထ ဂစ္ဆတိတိ? အညံ လောကဓာတုံ ဂစ္ဆတိတိ။ မတော ဂစ္ဆတိ၊ ဝေဟာသံ ဂစ္ဆတိတိ? မတော ဂစ္ဆတိတိ။ ကပ္ပဋ္ဌိယံ ကမ္မံ အပရာ-ပရိယဝေပက္ကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဝေဟာသံ ဂစ္ဆတိတိ၊ အာမန္တာ။ ကပ္ပဋ္ဌော ဣဒ္ဓိမာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ကပ္ပဋ္ဌော ဣဒ္ဓိမာတိ၊ အာမန္တာ။



ကပ္ပဋ္ဌေန ဆန္ဒိဒ္ဓိပါဒေါ ဘာဝိတော ဝီရိယိဒ္ဓိပါဒေါ ဘာဝိတော စိတ္တိဒ္ဓိပါဒေါ  
ဘာဝိတော ဝိမံသိဒ္ဓိပါဒေါ ဘာဝိတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၆၅၇။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ကပ္ပဋ္ဌော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ  
ဘဂဝတာ—

“အာပါယိကော နေရယိကော၊ ကပ္ပဋ္ဌော သံသဘောဒကော။  
ဝဂ္ဂရတော အဓမ္မဋ္ဌော၊ ယောဂက္ခေမာ ပဓိသတိ။  
သံသံ သမဂ္ဂံ ဘိဒ္ဓိတွာ<sup>၁</sup>၊ ကပ္ပံ နိရယမ္ပိ ပစ္စတိ”တိ ၂။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ကပ္ပဋ္ဌော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျာတိ။  
ကပ္ပဋ္ဌကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၃-တေရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၂၇) ၂-ကုသလပဋိလဘကထာ

၆၅၈။ \* ကပ္ပဋ္ဌော ကုသလံ စိတ္တံ န ပဋိလဘေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ကပ္ပဋ္ဌော  
ဒါနံ ဒဒေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကပ္ပဋ္ဌော ဒါနံ ဒဒေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ “ကပ္ပဋ္ဌော ကုသလံ စိတ္တံ န ပဋိလဘေယျာ”တိ။

\* ကပ္ပဋ္ဌော ကုသလံ စိတ္တံ န ပဋိလဘေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ကပ္ပဋ္ဌော စိဝရံ  
ဒဒေယျ။ပ။ ပိဏ္ဍုပါတံ ဒဒေယျ။ပ။ သေနာသနံ ဒဒေယျ။ပ။ ဂိလာနပစ္စယ-  
ဘောသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒဒေယျ။ ခါဒနီယံ ဒဒေယျ။ ဘောဇနီယံ ဒဒေယျ။ ပါနီယံ  
ဒဒေယျ။ စေတိယံ ဝန္ဓေယျ။ စေတိယေ မာလံ အာရောပေယျ။ ဂန္ဓံ အာရောပေယျ။  
ဝိလေပနံ အာရောပေယျ။ပ။ စေတိယံ အဘိဒက္ခိဏံ<sup>၂</sup> ကရေယျာတိ၊ အာမန္တာ။  
ဟဉ္စိ ကပ္ပဋ္ဌော စေတိယံ အဘိဒက္ခိဏံ ကရေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ  
“ကပ္ပဋ္ဌော ကုသလံ စိတ္တံ န ပဋိလဘေယျာ”တိ။ပ။

၁-ဘောတွာန(သျှာ၊ကံ၊ဇ္ဈ)

၂-ဝိ ၄-၃၆၉-ပိဋ္ဌေ၊ အံ ၃-၃၁၅-ပိဋ္ဌေပိ။  
၃-ပဒက္ခိဏံ(ဇ္ဈ)



၆၅၉။ † ကပ္ပဋ္ဌော ကုသလံ စိတ္တံ ပဋိလဘောယျာတိ၊ အာမန္တာ။ တတော  
ဝုဋ္ဌာနံ ကုသလံ စိတ္တံ ပဋိလဘောယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပါဝစရံ။ပ။ အရူပါဝစရံ။ပ။  
လောကုတ္တရံ ကုသလံ စိတ္တံ ပဋိလဘောယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
ကုသလပဋိလာဘကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၁၃-တေရသမဝဂ္ဂ

(၁၂၈) ၃-အနန္တရာပယုတ္တကထာ

၆၆၀။ † အနန္တရာပယုတ္တော ပုဂ္ဂလော သမ္မတ္တနိယာမံ ဩက္ကမေယျာတိ၊  
အာမန္တာ။ မိစ္ဆတ္တနိယာမဉ္စ သမ္မတ္တနိယာမဉ္စ ဥဘော ဩက္ကမေယျာတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

† အနန္တရာပယုတ္တော ပုဂ္ဂလော သမ္မတ္တနိယာမံ ဩက္ကမေယျာတိ၊ အာမန္တာ။  
နန တံ ကမ္မံ ပယုတ္တံ ကုက္ကုစ္စံ ဥပ္ပါဒိတံ ဝိပ္ပဋိသာရိယံ ဇနိတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
တံ ကမ္မံ ပယုတ္တံ ကုက္ကုစ္စံ ဥပ္ပါဒိတံ ဝိပ္ပဋိသာရိယံ ဇနိတံ၊ နော စ ဝတ ရေ  
ဝတ္တဗ္ဗေ “အနန္တရာပယုတ္တော ပုဂ္ဂလော သမ္မတ္တနိယာမံ ဩက္ကမေယျာ”တိ။

၆၆၁။ \* အနန္တရာပယုတ္တော ပုဂ္ဂလော အာဗ္ဗော သမ္မတ္တနိယာမံ  
ဩက္ကမိတုန္တိ၊ အာမန္တာ။ မာတာ ဇိဝိတာ ဝေါရောပိတာ။ ပိတာ ဇိဝိတာ  
ဝေါရောပိတော။ အရဟာ ဇိဝိတာ ဝေါရောပိတော။ ဒုဋ္ဌေန စိတ္တေန  
တထာဂတဿ လောဟိတံ ဥပ္ပါဒိတံ။ သံဃော ဘိဇ္ဇောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနန္တရာပယုတ္တော ပုဂ္ဂလော တံ ကမ္မံ ပဋိသံဟရိတွာ ကုက္ကုစ္စံ  
ပဋိဝိနောဒေတွာ ဝိပ္ပဋိသာရိယံ ပဋိဝိနောတွာ<sup>၁</sup> အာဗ္ဗော သမ္မတ္တနိယာမံ  
ဩက္ကမိတုန္တိ၊ အာမန္တာ။ မာတာ ဇိဝိတာ ဝေါရောပိတာ။ ပိတာ ဇိဝိတာ  
ဝေါရောပိတော။ပ။ သံဃော ဘိဇ္ဇောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အနန္တရာပယုတ္တော ပုဂ္ဂလော တံ ကမ္မံ ပဋိသံဟရိတွာ ကုက္ကုစ္စံ ပဋိ-  
ဝိနောဒေတွာ ဝိပ္ပဋိသာရိယံ ပဋိဝိနောတွာ အာဗ္ဗော သမ္မတ္တနိယာမံ ဩက္ကမိတုန္တိ၊  
အာမန္တာ။ နန တံ ကမ္မံ ပဋိသံဟဋံ ကုက္ကုစ္စံ ပဋိဝိနောဒိတံ ဝိပ္ပဋိသာရိယံ  
ပဋိဝိနိတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ တံ ကမ္မံ ပဋိသံဟဋံ ကုက္ကုစ္စံ ပဋိဝိနောဒိတံ



ဝိပုဋ္ဌိသာရိယံ ပဋိဝိနိတံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနန္တရာပယုတ္တော ပုဂ္ဂလော တံ ကမ္မံ ပဋိသံဟရိတွာ ကုက္ကုစ္စံ ပဋိဝိနောဒေတွာ ဝိပုဋ္ဌိသာရိယံ ပဋိဝိနေတွာ အဘဗ္ဗော သမ္မတ္တနိယာမံ ဩက္ကမိတု”န္တိ။

၆၆၂။ † အနန္တရာပယုတ္တော ပုဂ္ဂလော သမ္မတ္တနိယာမံ ဩက္ကမေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု တံ ကမ္မံ ပယုတ္တော အာသိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဋ္ဌိ တံ ကမ္မံ ပယုတ္တော အာသိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနန္တရာပယုတ္တော ပုဂ္ဂလော သမ္မတ္တနိယာမံ ဩက္ကမေယျာတိ။

အနန္တရာပယုတ္တကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၃-တေရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၂၉) ၄-နိယတသနိယာမကထာ

၆၆၃။ \* နိယတော နိယာမံ ဩက္ကမတိတိ၊ အာမန္တာ။ မိစ္ဆတ္တနိယတော သမ္မတ္တနိယာမံ ဩက္ကမတိ၊ သမ္မတ္တနိယတော မိစ္ဆတ္တနိယာမံ ဩက္ကမတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နိယတော နိယာမံ ဩက္ကမတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပုဗ္ဗေ မဂ္ဂံ ဘာဝေတွာ ပစ္ဆာ နိယာမံ ဩက္ကမတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပုဗ္ဗေ သောတာပတ္တိမဂ္ဂံ ဘာဝေတွာ ပစ္ဆာ သောတာပတ္တိနိယာမံ ဩက္ကမတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပုဗ္ဗေ သကဒါဂါမိ။ပ။ အနာဂါမိ။ပ။ အရဟတ္တမဂ္ဂံ ဘာဝေတွာ ပစ္ဆာ အရဟတ္တနိယာမံ ဩက္ကမတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပုဗ္ဗေ သတိပဋ္ဌာနံ။ပ။ သမ္မပ္ပဓာနံ။ ဣဒ္ဓိပါဒံ။ ဣန္ဒြိယံ။ ဗလံ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတွာ ပစ္ဆာ နိယာမံ ဩက္ကမတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၆၄။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “နိယတော နိယာမံ ဩက္ကမတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ ဘဗ္ဗော ဗောဓိသက္ကော တာယ ဇာတိယာ ဓမ္မံ နာဘိသမေတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ နိယတော နိယာမံ ဩက္ကမတိတိ။

နိယတသ နိယာမကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၁၃-တေရသမဝဂ္ဂ

## (၁၃၀) ၅-နိဂုတကထာ

၆၆၅။ \* နိဂုတော နိဝရဏံ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ ရက္ခော ရာဂံ ဇဟတိ။ ဒုဋ္ဌော ဒေါသံ ဇဟတိ။ မူဋ္ဌော မောဟံ ဇဟတိ။ ကိလိဋ္ဌော ကိလေသေ ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရာဂေန ရာဂံ ဇဟတိ။ ဒေါသေန ဒေါသံ ဇဟတိ။ မောဟေန မောဟံ ဇဟတိ။ ကိလေသေဟိ ကိလေသေ ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရာဂေါ စိတ္တသမ္ပယုတ္တော၊ မဂ္ဂေါ စိတ္တသမ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဌိန္နံ ဖဿာနံ။ပ။ ဌိန္နံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရာဂေါ အကုသလော၊ မဂ္ဂေါ ကုသလောတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏ္ဍသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္ပုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၆၆။ \* ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏ္ဍသုက္က-  
သပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္ပုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ  
“စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ သုဝိဒ္ဓရဝိဒ္ဓရာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ နဘဇ္ဇ ဘိက္ခဝေ  
ပထဝီ စ ဣဒံ ပဌမံ သုဝိဒ္ဓရဝိဒ္ဓရံ။ပ။ တသ္မာ သတံ ဓမ္မော အသမ္ဘိ အာရကာ”တိ  
အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ကုသလာကုသလာ။ပ။  
သမ္ပုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိ”တိ။

\* နိဂုတော နိဝရဏံ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သော ဧဝံ  
သမာဟိတေ စိတ္တေ ပရိသုဒ္ဓေ ပရိယောဒါတေ အနင်္ဂဏေ ဝိဂတူပတ္တိလေသေ  
မုဒုဘူတေ ကမ္မနိယေ ဌိတေ အာနေဉ္ဇပ္ပတ္တေ အာသဝါနံ ခယဉ္ဇဏာယ စိတ္တံ  
အဘိနိန္ဒာမေတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ  
“နိဂုတော နိဝရဏံ ဇဟတိ”တိ။ပ။

၆၆၇။ \* န ဝတ္တဗ္ဗံ “နိဂုတော နိဝရဏံ ဇဟတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ  
ဘဂဝတာ “တဿ ဧဝံ ဇာနတော ဧဝံ ပဿတော ကာမာသဝါပိ စိတ္တံ  
ဝိမုစ္စတိ။ပ။ အဝိဇ္ဇာသဝါပိ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။  
တေန ဟိ နိဂုတော နိဝရဏံ ဇဟတိတိ။

နိဂုတကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၁၃-တေရသမဝဂ္ဂ

## (၁၃၁) ၆-သမ္ဗုဒ္ဓိဘူတကထာ

၆၆၈။ \* သမ္ဗုဒ္ဓိဘူတော သံယောဇနံ ဇဟတီတိ၊ အာမန္တာ။ ရက္ခော ရာဂံ ဇဟတီ။ ဒုဋ္ဌော ဒေါသံ ဇဟတီ။ မူဋ္ဌော မောဟံ ဇဟတီ။ ကိလိဋ္ဌော ကိလေသေ ဇဟတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရာဂေန ရာဂံ ဇဟတီ။ ဒေါသေန ဒေါသံ ဇဟတီ။ မောဟေန မောဟံ ဇဟတီ။ ကိလေသေဟိ ကိလေသေ ဇဟတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရာဂေါ စိတ္တသမ္ပယုတ္တော၊ မဂ္ဂေါ စိတ္တသမ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဦန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ဦန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရာဂေါ အကုသလော၊ မဂ္ဂေါ ကုသလောတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏ္ဍသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္ဗုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၆၉။ \* ကုသလာကုသလာ။ပ။ သမ္ဗုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ သုဝိဒူရဝိဒူရာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ နဘဉ္စ ဘိက္ခဝေ ပထဝီ စ ဣဒံ ပဌမံ သုဝိဒူရဝိဒူရံ။ပ။ တသ္မာ သတံ ဓမ္မော အသမ္ဘိ အာရကာ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ကုသလာကုသလာ။ပ။ သမ္ဗုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိ”တိ။

\* သမ္ဗုဒ္ဓိဘူတော သံယောဇနံ ဇဟတီတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သော ဧဝံ သမာဟိတေ စိတ္တေ။ပ။ အာသဝါနံ ခယဉာဏာယ စိတ္တံ အဘိနိန္ဒာမေတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သမ္ဗုဒ္ဓိဘူတော သံယောဇနံ ဇဟတီ”တိ။

၆၇၀။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သမ္ဗုဒ္ဓိဘူတော သံယောဇနံ ဇဟတီ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “တဿ ဧဝံ ဇာနတော ဧဝံ ပဿတော ကာမာသဝါပိ စိတ္တံ ဝိမုစ္ဆတိ။ပ။ အဝိဇ္ဇာသဝါပိ စိတ္တံ ဝိမုစ္ဆတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ သမ္ဗုဒ္ဓိဘူတော သံယောဇနံ ဇဟတီတိ။

သမ္ဗုဒ္ဓိဘူတကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၁၃-တေရသမဝဂ္ဂ

(၁၃၂) ၇-သမာပန္နောအဿာဒေတိကထာ

၆၇၁။ \* သမာပန္နော အဿာဒေတိ၊ ဈာနနိကန္တိ ဈာနာရမ္ပဏာတိ၊ အာမန္တာ။ တံ ဈာနံ တဿ ဈာနဿ အာရမ္ပဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တံ ဈာနံ တဿ ဈာနဿ အာရမ္ပဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဖဿေန တံ ဖဿံ ဖုသတိ၊ တာယ ဝေဒနာယ တံ ဝေဒနံ ဝေဒေတိ၊ တာယ သညာယ တံ သညံ သညာနာတိ၊ တာယ စေတနာယ တံ စေတနံ စေတေတိ၊ တေန စိတ္တေန တံ စိတ္တံ စိန္တေတိ၊ တေန ဝိတက္ကေန တံ ဝိတက္ကံ ဝိတက္ကေတိ၊ တေန ဝိစာရေန တံ ဝိစာရံ ဝိစာရေတိ၊ တာယ ဝီတိယာ တံ ဝီတိံ ဝိယာယတိ၊ တာယ သတိယာ တံ သတိံ သရတိ၊ တာယ ပညာယ တံ ပညံ ပဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဈာနနိကန္တိ စိတ္တသမ္ပယုတ္တာ၊ ဈာနံ စိတ္တသမ္ပယုတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဦန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ဦန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဈာနနိကန္တိ အကုသလံ၊ ဈာနံ ကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏှသုက္ကသပ္ပုဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္ပုဒိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၇၂။ \* ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏှသုက္ကသပ္ပုဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္ပုဒိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ သုဝိဒ္ဓရဝိဒ္ဓရာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ နဘဉ္စ ဘိက္ခဝေ ပထဝီ စ ဣဒံ ပဌမံ သုဝိဒ္ဓရဝိဒ္ဓရံ။ပ။ တသ္မာ သတံ ဓမ္မော အသမ္ဘိ အာရကာ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တေတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏှသုက္ကသပ္ပုဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္ပုဒိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိ”တိ။

၆၇၃။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သမာပန္နော အဿာဒေတိ၊ ဈာနနိကန္တိ ဈာနာရမ္ပဏာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဝိဝိဇ္ဇေဝ ကာမေဟိ ဝိဝိဇ္ဇ အကုသလေဟိ ဓမ္မေဟိ ပဌမံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ၊ သော တံ အဿာဒေတိ တံ နိကာမေတိ တေန စ ဝိတ္တိံ” အာပဇ္ဇေတိ။ ဝိတက္ကဝိစာရာနံ ဝုပသမာ။ပ။ ဒုတိယံ ဈာနံ။ပ။ တတိယံ ဈာနံ။ပ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇ



ဝိဟရတိ၊ သော တံ အဿာဒေတိ တံ နိကာမေတိ တေန စ ဝိတ္တိံ အာပဇ္ဇတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ သမာပန္နော အဿာဒေတိ၊ ဈာနနိကန္တိ ဈာနာရမ္ဗဏာတိ။

သမာပန္နော အဿာဒေတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၃-တေရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၃၃) ဂ-အသာတရာဂကထာ

၆၇၄။ \* အတ္ထိ အသာတရာဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုက္ခဘိနန္ဒိနော သတ္တာ၊ အတ္ထိ ကေဓိ ဒုက္ခံ ပတ္ထေန္တိ ပိဟေန္တိ ဇေသန္တိ ဂဝေသန္တိ ပရိယေသန္တိ ဒုက္ခံ အဇ္ဈောသာယ တိဋ္ဌန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန သုခါဘိနန္ဒိနော သတ္တာ၊ အတ္ထိ ကေဓိ သုခံ ပတ္ထေန္တိ ပိဟေန္တိ ဇေသန္တိ ဂဝေသန္တိ ပရိယေသန္တိ သုခံ အဇ္ဈောသာယ တိဋ္ဌန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သုခါဘိနန္ဒိနော သတ္တာ၊ အတ္ထိ ကေဓိ သုခံ ပတ္ထေန္တိ ပိဟေန္တိ ဇေသန္တိ ဂဝေသန္တိ ပရိယေသန္တိ သုခံ အဇ္ဈောသာယ တိဋ္ဌန္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ အသာတရာဂေါ”တိ။

\* အတ္ထိ အသာတရာဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုက္ခာယ ဝေဒနာယ ရာဂါနုသယော အနုသေတိ၊ သုခါယ ဝေဒနာယ ပဋိဃာနုသယော အနုသေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန သုခါယ ဝေဒနာယ ရာဂါနုသယော အနုသေတိ၊ ဒုက္ခာယ ဝေဒနာယ ပဋိဃာနုသယော အနုသေတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သုခါယ ဝေဒနာယ ရာဂါနုသယော အနုသေတိ၊ ဒုက္ခာယ ဝေဒနာယ ပဋိဃာနုသယော အနုသေတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ အသာတရာဂေါ”တိ။

၆၇၅။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အတ္ထိ အသာတရာဂေါ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သော ဧဝံ အနုရောဓပိရောဓံ သမာပန္နော ယံ ကိဉ္စိ ဝေဒနံ ဝေဒယတိ သုခံ ဝါ ဒုက္ခံ ဝါ အဒုက္ခမသုခံ ဝါ၊ သော တံ ဝေဒနံ အဘိနန္တတိ အဘိဝေတိ အဇ္ဈောသာယ တိဋ္ဌတိ”တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အတ္ထိ အသာတရာဂေါတိ။

အသာတရာဂကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၁၃-တေရသမဝဂ္ဂ

(၁၃၄) ၉-ဓမ္မတဏှာအဗျာကတတိကထာ

၆၇၆။ \* ဓမ္မတဏှာ အဗျာကတတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိပါကာဗျာကတာ ကိရိယာဗျာကတာ ရူပံ နိဗ္ဗာနံ စက္ခာယတနံ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဓမ္မတဏှာ အဗျာကတတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပတဏှာ အဗျာကတတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဓမ္မတဏှာ အဗျာကတတိ၊ အာမန္တာ။ သဒ္ဓတဏှာ။ပ။ ဂန္ဓတဏှာ။ပ။ ရသတဏှာ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗတဏှာ အဗျာကတတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပတဏှာ အကုသလတိ၊ အာမန္တာ။ ဓမ္မတဏှာ အကုသလတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သဒ္ဓတဏှာ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗတဏှာ အကုသလတိ၊ အာမန္တာ။ ဓမ္မတဏှာ အကုသလတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၇၇။ \* ဓမ္မတဏှာ အဗျာကတတိ၊ အာမန္တာ။ နနု တဏှာ အကုသလာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ တဏှာ အကုသလာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဓမ္မတဏှာ အဗျာကတာ”တိ။

\* ဓမ္မတဏှာ အဗျာကတတိ၊ အာမန္တာ။ နနု လောဘော အကုသလော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ၊ ဓမ္မတဏှာ လောဘောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ လောဘော အကုသလော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ၊ ဓမ္မတဏှာ လောဘော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဓမ္မတဏှာ အဗျာကတာ”တိ။

၆၇၈။ \* ဓမ္မတဏှာ လောဘော အဗျာကတတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပတဏှာ လောဘော အဗျာကတတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဓမ္မတဏှာ လောဘော အဗျာကတတိ၊ အာမန္တာ။ သဒ္ဓတဏှာ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗတဏှာ လောဘော အဗျာကတတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပတဏှာ လောဘော အကုသလောတိ၊ အာမန္တာ။ ဓမ္မတဏှာ လောဘော အကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သဒ္ဓတဏှာ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗတဏှာ လောဘော အကုသလောတိ၊ အာမန္တာ။ ဓမ္မတဏှာ လောဘော အကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၆၇၉။ \* ဓမ္မတဏှာ အဗျာကတာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ယာယံ တဏှာ ပေါနောဗ္ဗဝိကာ နန္ဒိရာဂသဟဂတာ တတြတတြာဘိနန္ဒနိ။ သေယျထိဒံ၊ ကာမတဏှာ ဘဝတဏှာ ဝိဘဝတဏှာ”တိ။ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဓမ္မတဏှာ အဗျာကတာ”တိ။

၆၈၀။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဓမ္မတဏှာ အဗျာကတာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု သာ ဓမ္မတဏှာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သာ ဓမ္မတဏှာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဓမ္မတဏှာ အဗျာကတာ”တိ။

ဓမ္မတဏှာ အဗျာကတာတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၃-တေရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၃၅) ၁၀-ဓမ္မတဏှာနဒုက္ခသမုဒယောတိကထာ

၆၈၁။ \* ဓမ္မတဏှာ န ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပတဏှာ န ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဓမ္မတဏှာ န ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ အာမန္တာ။ သဒ္ဓတဏှာ။ပ။ ဂန္ဓတဏှာ။ပ။ ရသတဏှာ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗတဏှာ န ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပတဏှာ ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ အာမန္တာ။ ဓမ္မတဏှာ ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သဒ္ဓတဏှာ။ပ။ ဂန္ဓတဏှာ။ပ။ ရသတဏှာ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗတဏှာ ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ အာမန္တာ။ ဓမ္မတဏှာ ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၈၂။ \* ဓမ္မတဏှာ န ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု တဏှာ ဒုက္ခသမုဒယော ဝုတ္တော ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ တဏှာ ဒုက္ခသမုဒယော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဓမ္မတဏှာ န ဒုက္ခသမုဒယော”တိ။ ဓမ္မတဏှာ န ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု လောဘော ဒုက္ခသမုဒယော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ၊ ဓမ္မတဏှာ လောဘောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ လောဘော



၁၃-တေရသမဝဂ္ဂ (၁၃၅) ၁၀-ဓမ္မတဏှာနဒုက္ခသမုဒယောတိကထာ ၃၅၅

ဒုက္ခသမုဒယော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ၊ ဓမ္မတဏှာ လောဘော၊ နော စ ဝတ  
ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဓမ္မတဏှာ န ဒုက္ခသမုဒယော”တိ။

၆၈၃။ \* ဓမ္မတဏှာ လောဘော န ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ အာမန္တာ။  
ရူပတဏှာ လောဘော န ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဓမ္မတဏှာ  
လောဘော န ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ အာမန္တာ။ သဒ္ဓတဏှာ။ပ။ ဂန္ဓတဏှာ။ပ။  
ရသတဏှာ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗတဏှာ လောဘော န ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပတဏှာ လောဘော ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ အာမန္တာ။ ဓမ္မတဏှာ  
လောဘော ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သဒ္ဓတဏှာ။ပ။  
ဖောဠဗ္ဗတဏှာ လောဘော ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ အာမန္တာ။ ဓမ္မတဏှာ  
လောဘော ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၈၄။ \* ဓမ္မတဏှာ န ဒုက္ခသမုဒယောတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ  
“ယာယံ တဏှာ ပေါနောဗ္ဘဝိကာ နန္ဒိရာဂသဟဂတာ တတြတတြာဘိနန္ဒိနိ။  
ယေယျထိဒံ၊ ကာမတဏှာဘဝတဏှာ ဝိဘဝတဏှာ”တိ အတ္ထေဝသုတ္တန္တောတိ၊  
အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဓမ္မတဏှာ န ဒုက္ခသမုဒယော”တိ။

၈၆၅။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဓမ္မတဏှာ န ဒုက္ခသမုဒယော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန သာ  
ဓမ္မတဏှာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သာ ဓမ္မတဏှာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“ဓမ္မတဏှာ န ဒုက္ခသမုဒယော”တိ။

ဓမ္မတဏှာ န ဒုက္ခသမုဒယောတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

တေရသမော ဝဂ္ဂေါ။

### တသုဒ္ဓါနံ

ကပ္ပဋ္ဌော ကပ္ပံ တိဋ္ဌေယျ၊ ကပ္ပဋ္ဌော ကုသလံ စိတ္တံ န ပဋိလဘောယျ၊  
အနန္တရာပယုတ္တော ပုဂ္ဂလော သမ္ပတ္တနိယာမံ ဩက္ကမေယျ၊ နိယတော နိယာမံ  
ဩက္ကမတိ၊ နိဝုတော နိဝရဏံ ဇဟတိ၊ သမ္ပုဒိဘူတော သံယောဇနံ ဇဟတိ၊  
ဈာနနိကန္တိ၊ အသာတရာဂေါ၊ ဓမ္မတဏှာ အဗျာကတာ၊ ဓမ္မတဏှာ န ဒုက္ခ-  
သမုဒယောတိ။



## ၁၄-စုဒ္ဓသမဝဂ္ဂ

## (၁၃၆) ၁-ကုသလကုသလပဋိသန္ဓဟနကထာ

၆၈၆။ အကုသလမူလံ ပဋိသန္ဓဟတိ ကုသလမူလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ယာ အကုသလဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ သာဝ ကုသလဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အကုသလမူလံ ပဋိသန္ဓဟတိ ကုသလမူလံ၊ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ယာ အကုသလဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ သာဝ ကုသလဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ”တိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလံ အနာဝဇ္ဇန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ အပ္ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန ကုသလံ အာဝဇ္ဇန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကုသလံ အာဝဇ္ဇန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အကုသလမူလံ ပဋိသန္ဓဟတိ ကုသလမူလ”န္တိ။

၆၈၇။ \* အကုသလမူလံ ပဋိသန္ဓဟတိ ကုသလမူလန္တိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလမူလံ အယောနိသော မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလံ အယောနိသော မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန ကုသလံ ယောနိသော မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကုသလံ ယောနိသော မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အကုသလမူလံ ပဋိသန္ဓဟတိ ကုသလမူလ”န္တိ။

\* အကုသလမူလံ ပဋိသန္ဓဟတိ ကုသလမူလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကာမသညာယ အနန္တရာ နေက္ခမ္မသညာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဗျာပါဒသညာယ အနန္တရာ အဗျာပါဒသညာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဝိဟိံသာသညာယ အနန္တရာ အဝိဟိံသာသညာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဗျာပါဒဿ အနန္တရာ မေတ္တာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဝိဟိံသာယ အနန္တရာ ကရုဏာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ အရတိယာ အနန္တရာ မုဒိတာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ပဋိသန္ဓာ အနန္တရာ ဥပေက္ခာ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၆၈၈။ \* ကုသလမူလံ ပဋိသန္ဓဟတိ အကုသလမူလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ယာ ကုသလဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ သာဝ အကုသလဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



\* ကုသလမူလံ ပဋိသန္တဟတိ အကုသလမူလံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ယာ ကုသလဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ပဏိမိ၊ သာဝ အကုသလဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိမိ”တိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလံ အနာဝဋ္ဋန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ အပ္ပဏိ-  
ဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန အကုသလံ အာဝဋ္ဋန္တဿ  
ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အကုသလံ  
အာဝဋ္ဋန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ နော စ ဝတ ရေ  
ဝတ္တဗ္ဗေ “ကုသလမူလံ ပဋိသန္တဟတိ အကုသလမူလ”န္တိ။

၆၈၉။ \* ကုသလမူလံ ပဋိသန္တဟတိ အကုသလမူလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလံ  
ယောနိသော မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ အကုသလံ ယောနိသော  
မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန အကုသလံ အယော-  
နိသော မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အကုသလံ အယော-  
နိသော မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ကုသလမူလံ  
ပဋိသန္တဟတိ အကုသလမူလ”န္တိ။

\* ကုသလမူလံ ပဋိသန္တဟတိ အကုသလမူလန္တိ၊ အာမန္တာ။ နေက္ခမ္မသညာယ  
အနန္တရာ ကာမသညာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ အဗျာပါဒသညာယ အနန္တရာ ဗျာပါဒသညာ  
ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ အဝိဟိံသာသညာယ အနန္တရာ ဝိဟိံသာသညာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ မေတ္တာယ  
အနန္တရာ ဗျာပါဒေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ကရုဏာယ အနန္တရာ ဝိဟိံသာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊  
မုဒိတာယ အနန္တရာ အရတိ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပေက္ခာယ အနန္တရာ ပဋိသံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၉၀။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အကုသလမူလံ ပဋိသန္တဟတိ ကုသလမူလံ၊ ကုသလမူလံ  
ပဋိသန္တဟတိ အကုသလမူလ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ယသ္မိညေဝ ဝတ္ထုသ္မိံ ရဇ္ဇတိ၊  
တသ္မိညေဝ ဝတ္ထုသ္မိံ ဝိရဇ္ဇတိ။ ယသ္မိညေဝ ဝတ္ထုသ္မိံ ဝိရဇ္ဇတိ၊ တသ္မိညေဝ  
ဝတ္ထုသ္မိံ ရဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ယသ္မိညေဝ ဝတ္ထုသ္မိံ ရဇ္ဇတိ၊ တသ္မိညေဝ  
ဝတ္ထုသ္မိံ ဝိရဇ္ဇတိ။ ယသ္မိညေဝ ဝတ္ထုသ္မိံ ဝိရဇ္ဇတိ၊ တသ္မိညေဝ ဝတ္ထုသ္မိံ ရဇ္ဇတိ၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အကုသလမူလံ ပဋိသန္တဟတိ ကုသလမူလံ၊  
ကုသလမူလံ ပဋိသန္တဟတိ အကုသလမူလ”န္တိ။

ကုသလာကုသလပဋိသန္တဟနကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၁၄-စုဒ္ဓသမဝဂ္ဂ

## (၁၃၇) ၂-သဠာယတနုပ္ပတ္တိကထာ

၆၉၁။ \* သဠာယတနံ အပုဗ္ဗံ အစရိမံ မာတုကုစ္ဆိသ္မိံ သဏ္ဌာတိတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗင်္ဂပစ္စင်္ဂီ အဟိနိဋ္ဌိယော မာတုကုစ္ဆိသ္မိံ ဩက္ကမတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန စက္ခာယတနံ သဏ္ဌာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဟတ္တာ သဏ္ဌန္တိ၊ ပါဒါ သဏ္ဌန္တိ၊ သီသံ သဏ္ဌာတိ၊ ကဏ္ဍော သဏ္ဌာတိ၊ နာသိကာ သဏ္ဌာတိ၊ မုခံ သဏ္ဌာတိ၊ ဒန္တာ သဏ္ဌန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန သောတာယတနံ။ ပ။ ဃာနာယတနံ။ ပ။ ဇိဝှါယတနံ သဏ္ဌာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဟတ္တာ သဏ္ဌန္တိ၊ ပါဒါ သဏ္ဌန္တိ၊ သီသံ သဏ္ဌာတိ၊ ကဏ္ဍော သဏ္ဌာတိ၊ နာသိကာ သဏ္ဌာတိ၊ မုခံ သဏ္ဌာတိ၊ ဒန္တာ သဏ္ဌန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၆၉၂။ † မာတုကုစ္ဆိဂတဿ ပစ္ဆာ စက္ခာယတနံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ မာတုကုစ္ဆိသ္မိံ စက္ခုပဋိလာဘာယ ကမ္မံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ မာတုကုစ္ဆိဂတဿ ပစ္ဆာ သောတာယတနံ။ ပ။ ဃာနာယတနံ။ ပ။ ဇိဝှါယတနံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ မာတုကုစ္ဆိသ္မိံ ဇိဝှါပဋိလာဘာယ ကမ္မံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* မာတုကုစ္ဆိဂတဿ ပစ္ဆာ ကေသာ၊ လောမာ၊ နခါ၊ ဒန္တာ၊ အဋ္ဌိ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ မာတုကုစ္ဆိသ္မိံ အဋ္ဌိပဋိလာဘာယ ကမ္မံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “မာတုကုစ္ဆိဂတဿ ပစ္ဆာ ကေသာ၊ လောမာ၊ နခါ၊ ဒန္တာ၊ အဋ္ဌိ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“ပဌမံ ကလလံ ဟောတိ၊ ကလလာ ဟောတိ အဗ္ဗုဒ္ဓံ။  
အဗ္ဗုဒ္ဓါ ဇာယတေ ပေသိံ၊ ပေသိ နိဗ္ဗတ္တတေ ၂ ဃနော။  
ဃနာ ပသာခါ ဇာယန္တိ၊ ကေသာ လောမာ နခါပိ စ။



ယဉ္ဇဿ ဘုဉ္ဇတိ မာတာ၊ အန္တံ ပါနဉ္စ ဘောဇနံ။  
တေန သော တတ္ထ ယာပေတိ၊ မာတုကုစ္ဆိဂတော နရော”တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ မာတုကုစ္ဆိဂတဿ ပစ္ဆာ  
ကေသာ၊ လောမာ၊ နခါ၊ ဒန္တာ၊ အဋ္ဌိ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိတိ။  
သဋ္ဌာယတနုပ္ပတ္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၁၄-စုဒ္ဓသမဝဂ္ဂ

(၁၃၈) ၃-အနန္တရပစ္စယကထာ

၆၉၃။ \* စက္ခုရိညာဏဿ အနန္တရာ သောတရိညာဏံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊  
အာမန္တာ။ ယာ စက္ခုရိညာဏဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ သာဝ  
သောတရိညာဏဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* စက္ခုရိညာဏဿ အနန္တရာ သောတရိညာဏံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ယာ  
စက္ခုရိညာဏဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ သာဝ သောတရိညာဏဿ  
ဥပ္ပါဒါယ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိမိ”တိ၊ အာမန္တာ။ သောတရိညာဏံ အနာ-  
ဝဋ္ဋေန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ အပ္ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန  
သောတရိညာဏံ အာဝဋ္ဋေန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သောတရိညာဏံ အာဝဋ္ဋေန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ  
ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စက္ခုရိညာဏဿ အနန္တရာ သောတရိညာဏံ  
ဥပ္ပဇ္ဇတိ”တိ။

၆၉၄။ \* စက္ခုရိညာဏဿ အနန္တရာ သောတရိညာဏံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊  
အာမန္တာ။ စက္ခုရိညာဏံ ရူပနိမိတ္တံ မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။  
သောတရိညာဏံ ရူပနိမိတ္တံ မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* စက္ခုရိညာဏံ ရူပါရမ္မဏညေဝ န အညာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ သောတ-  
ရိညာဏံ ရူပါရမ္မဏညေဝ န အညာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုရိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခုဉ္စ ပဋိစ္စ  
ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ သောတရိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* စက္ခုပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ သောတဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ “စက္ခုပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ သောတဝိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။ “စက္ခုပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ “စက္ခုပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စက္ခုပဋိစ္စ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ သောတဝိညာဏ”န္တိ။

\* စက္ခုဝိညာဏဿ အနန္တရာ သောတဝိညာဏံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ တညေဝ စက္ခုဝိညာဏံ တံ သောတဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၉၅။ \* သောတဝိညာဏဿ အနန္တရာ သာနဝိညာဏံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ သာနဝိညာဏဿ အနန္တရာ ဇိဝှိဝိညာဏံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ဇိဝှိဝိညာဏဿ အနန္တရာ ကာယဝိညာဏံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ယာဇိဝှိဝိညာဏဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ သာဝ ကာယဝိညာဏဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဇိဝှိဝိညာဏဿ အနန္တရာ ကာယဝိညာဏံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ယာ ဇိဝှိဝိညာဏဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ သာဝ ကာယဝိညာဏဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိမိ”တိ၊ အာမန္တာ။ ကာယဝိညာဏံ အနာဝဋ္ဋေန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ အပ္ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန ကာယဝိညာဏံ အာဝဋ္ဋေန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကာယဝိညာဏံ အာဝဋ္ဋေန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဇိဝှိဝိညာဏဿ အနန္တရာ ကာယဝိညာဏံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ”တိ။

၆၉၆။ \* ဇိဝှိဝိညာဏဿ အနန္တရာ ကာယဝိညာဏံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဇိဝှိဝိညာဏံ ရသနိမိတ္တံ မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ကာယဝိညာဏံ ရသနိမိတ္တံ မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဇိဝှိဝိညာဏံ ရသာရမ္မဏညေဝ န အညာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ကာယဝိညာဏံ ရသာရမ္မဏညေဝ န အညာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဇိဝှဉ္စ ပဋိစ္စ ရသေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဇိဝှိဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဇိဝှဉ္စ ပဋိစ္စ ရသေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ကာယဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဇိဝှဉ္စ ပဋိစ္စ ရသေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ကာယဝိညာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ “ဇိဝှဉ္စ ပဋိစ္စ ရသေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ကာယဝိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။



“ဇိဝုဉ္ဇ ပဋိစ္စ ရသေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဇိဝုရိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ “ဇိဝုဉ္ဇ ပဋိစ္စ ရသေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဇိဝုရိညာဏ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဇိဝုဉ္ဇ ပဋိစ္စ ရသေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ကာယဝိညာဏ”န္တိ။

\* ဇိဝုရိညာဏဿ အနန္တရာ ကာယဝိညာဏံ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ တညေဝ ဇိဝုရိညာဏံ တံ ကာယဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၉၇။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပဉ္စဝိညာဏာ အညမညဿ သမနန္တရာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကောစိ နစ္စတိ၊ ဂါယတိ၊ ဝါဒေတိ၊ ရူပဉ္စ ပဿတိ၊ သဒ္ဓဉ္စ သုဏာတိ၊ ဂန္ဓဉ္စ ဃာယတိ၊ ရသဉ္စ သာယတိ၊ ဖောဠဗ္ဗဉ္စ ဖုသတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကောစိ နစ္စတိ၊ ဂါယတိ၊ ဝါဒေတိ၊ ရူပဉ္စ ပဿတိ၊ သဒ္ဓဉ္စ သုဏာတိ၊ ဂန္ဓဉ္စ ဃာယတိ၊ ရသဉ္စ သာယတိ၊ ဖောဠဗ္ဗဉ္စ ဖုသတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပဉ္စဝိညာဏာ အညမညဿ သမနန္တရာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ”တိ။

အနန္တရပစ္စယကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၁၄-စုဒ္ဒသမဝဂ္ဂ

### (၁၃၉) ၄-အရိယရူပကထာ

၆၉၈။ \* အရိယရူပံ မဟာဘူတာနံ ဥပါဒါယာတိ၊ အာမန္တာ။ အရိယရူပံ ကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ မဟာဘူတာ ကုသလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မဟာဘူတာ အဗျာကတာတိ၊ အာမန္တာ။ အရိယရူပံ အဗျာကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရိယရူပံ မဟာဘူတာနံ ဥပါဒါယာတိ၊ အာမန္တာ။ အရိယရူပံ အနာသဝံ အသံယောဇနိယံ အဂန္တနိယံ အနောသနိယံ အယောဂနိယံ အနိဝရဏိယံ အပရာမဋ္ဌံ အနုပါဒါနိယံ အသံကိလေသိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ မဟာဘူတာ အနာသဝါ။ပ။ အသံကိလေသိယာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ မဟာဘူတာ သာသဝါ သံယောဇနိယာ။ပ။ သံကိလေသိယာတိ၊ အာမန္တာ။ အရိယရူပံ သာသဝံ သံယောဇနိယံ သံကိလေသိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၆၉၉။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရိယရူပံ မဟာဘူတာနံ ဥပါဒါယာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္တံ ဘဂဝတာ “ယံ ကိဉ္စိ ဘိက္ခဝေ ရူပံ စတ္တာရိ မဟာဘူတာနိ စတုန္ဒရံ



မဟာဘူတာနံ ဥပါဒါယရူပ''န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန  
ဟိ အရိယရူပံ မဟာဘူတာနံ ဥပါဒါယာတိ။

အရိယရူပကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၄-စုဒ္ဓသမဝဂ္ဂ

#### (၁၄၀) ၅-အညောအနုသယောတိကထာ

၇၀၀။ \* အညော ကာမရာဂါနုသယော အညံ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊  
အာမန္တာ။ အညော ကာမရာဂေါ အညံ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သွေဝ ကာမရာဂေါ တံ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ  
ကာမရာဂါနုသယော တံ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အညော ပဋိဃာနုသယော အညံ ပဋိဃပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အညံ  
ပဋိဃံ အညံ ပဋိဃပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ တညေဝ ပဋိဃံ တံ  
ပဋိဃပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ ပဋိဃာနုသယော တံ ပဋိဃပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အညော မာနာနုသယော အညံ မာနပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အညော  
မာနော အညံ မာနပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သွေဝ မာနော တံ  
မာနပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ မာနာနုသယော တံ မာနပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အညော ဒိဋ္ဌာနုသယော အညံ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အညော ဒိဋ္ဌိ  
အညံ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သာဝ ဒိဋ္ဌိ တံ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊  
အာမန္တာ။ သွေဝ ဒိဋ္ဌာနုသယော တံ ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အညော ဝိစိကိစ္ဆာနုသယော အညံ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။  
အညော ဝိစိကိစ္ဆာ အညံ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။  
သာဝ ဝိစိကိစ္ဆာ တံ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ ဝိစိကိစ္ဆာ-  
နုသယော တံ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



\* အညော ဘဝရာဂါနုသယော အညံ ဘဝရာဂပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အညော ဘဝရာဂေါ အညံ ဘဝရာဂပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သွေဝ ဘဝရာဂေါ တံ ဘဝရာဂပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ ဘဝရာဂါနုသယော တံ ဘဝရာဂပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အညော အဝိဇ္ဇာနုသယော အညံ အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အညော အဝိဇ္ဇာ အညံ အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သာဝ အဝိဇ္ဇာ တံ အဝိဇ္ဇာပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ သွေဝ အဝိဇ္ဇာနုသယော တံ အဝိဇ္ဇာ-ပရိယုဋ္ဌာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၀၁။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အညော အနုသယော အညံ ပရိယုဋ္ဌာန”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇေနော ကုသလာဗျာကတေ စိတ္တေ ဝတ္တမာနေ “သနုသယော”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ “ပရိယုဋ္ဌိတော”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ အညော အနုသယော အညံ ပရိယုဋ္ဌာနန္တိ။ ပုထုဇ္ဇေနော ကုသလာဗျာကတေ စိတ္တေ ဝတ္တမာနေ “သရာဂေါ”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ “ပရိယုဋ္ဌိတော”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ အညော ရာဂေါ အညံ ပရိယုဋ္ဌာနန္တိ။

အညော အနုသယောတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

### ၁၄-စုဒ္ဓသမဝဂ္ဂ

#### (၁၄၁) ၆-ပရိယုဋ္ဌာနံစိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိကထာ

၇၀၂။ \* ပရိယုဋ္ဌာနံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ နိဗ္ဗာနံ စက္ခာယတနံ။ပ။ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပရိယုဋ္ဌာနံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ သရာဂံ စိတ္တံ။ သဒေါသံ စိတ္တံ။ သမောဟံ စိတ္တံ။ပ။ အကုသလံ စိတ္တံ သံကိလိဋ္ဌံ စိတ္တန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန အတ္ထိ သရာဂံ စိတ္တံ။ သဒေါသံ စိတ္တံ။ သမောဟံ စိတ္တံ။ပ။ အကုသလံ စိတ္တံ သံကိလိဋ္ဌံ စိတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ သရာဂံ စိတ္တံ။ သဒေါသံ စိတ္တံ။ သမောဟံ စိတ္တံ။ပ။ အကုသလံ စိတ္တံ သံကိလိဋ္ဌံ စိတ္တံ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရိယုဋ္ဌာနံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တ”န္တိ။

ပရိယုဋ္ဌာနံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၁၄-စုဒ္ဓသမဝဂ္ဂ

## (၁၄၂) ၇-ပရိယာပန္နကထာ

၇၀၃။ \* ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုံ အနုသေတိ ရူပဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊ အာမန္တာ။ သမာပတ္တေသိယော ဥပပတ္တေသိယော ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရေ၊ သမာပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရေန စိတ္တေန သဟဂတော သဟဇာတော သံသဋ္ဌော သမ္ပယုတ္တော ဧကုပ္ပါဒေါ ဧကနိရောဓော ဧကဝတ္ထုကော ဧကာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ နန န သမာပတ္တေသိယော န ဥပပတ္တေသိယော န ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရေ၊ န သမာပတ္တေသိယေန စိတ္တေန န ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန န ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရေန စိတ္တေန သဟဂတော သဟဇာတော သံသဋ္ဌော သမ္ပယုတ္တော ဧကုပ္ပါဒေါ ဧကနိရောဓော ဧကဝတ္ထုကော ဧကာရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဋ္ဌိ န သမာပတ္တေသိယော န ဥပပတ္တေသိယော န ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရေ။ ပ။ ဧကာရမ္မဏော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုံ အနုသေတိ ရူပဓာတုပရိယာပန္နော”တိ။ ပ။

\* ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုံ အနုသေတိ ရူပဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊ အာမန္တာ။ သဒ္ဓရာဂေါ သဒ္ဓဓာတုံ အနုသေတိ သဒ္ဓဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုံ အနုသေတိ ရူပဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊ အာမန္တာ။ ဂန္ဓရာဂေါ။ ပ။ ရသရာဂေါ။ ပ။ ဖောဠဗ္ဗရာဂေါ ဖောဠဗ္ဗဓာတုံ အနုသေတိ ဖောဠဗ္ဗဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သဒ္ဓရာဂေါ သဒ္ဓဓာတုံ အနုသေတိ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သဒ္ဓဓာတုပရိယာပန္နော”တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုံ အနုသေတိ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပဓာတုပရိယာပန္နော”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဂန္ဓရာဂေါ။ ပ။ ရသရာဂေါ။ ပ။ ဖောဠဗ္ဗရာဂေါ ဖောဠဗ္ဗဓာတုံ အနုသေတိ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဖောဠဗ္ဗဓာတုပရိယာပန္နော”တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုံ အနုသေတိ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပဓာတုပရိယာပန္နော”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၇၀၄။ \* အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုံ အနုသေတိ၊ အရူပဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊ အာမန္တာ။ သမာပတ္တေသိယော ဥပပတ္တေသိယော ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရေ၊ သမာပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရေန စိတ္တေန သဟဂတော သဟဇာတော သံသဋ္ဌော သမ္ပယုတ္တော ဧကုပ္ပါဒေါ ဧကနိရောဓော



ဧကဝတ္ထုကော ဧကာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန န သမာပတ္တေ-  
သိယော န ဥပပတ္တေသိယော န ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရော၊ န သမာပတ္တေသိယေန  
စိတ္တေန။ပ။ ဧကာရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ န သမာပတ္တေသိယော  
န ဥပပတ္တေသိယော။ပ။ ဧကာရမ္မဏော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုံ အနုသေတိ အရူပဓာတုပရိယာပန္နော”တိ။

\* အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုံ အနုသေတိ အရူပဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊  
အာမန္တာ။ သဒ္ဓရာဂေါ သဒ္ဓဓာတုံ အနုသေတိ သဒ္ဓဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုံ အနုသေတိ အရူပဓာတု-  
ပရိယာပန္နောတိ၊ အာမန္တာ။ ဂန္ဓရာဂေါ။ပ။ ရသရာဂေါ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗရာဂေါ  
ဖောဠဗ္ဗဓာတုံ အနုသေတိ ဖောဠဗ္ဗဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဒ္ဓရာဂေါ သဒ္ဓဓာတုံ အနုသေတိ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သဒ္ဓဓာတုပရိယာပန္နော”တိ၊  
အာမန္တာ။ အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုံ အနုသေတိ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရူပဓာတု-  
ပရိယာပန္နော”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဂန္ဓရာဂေါ။ပ။ ရသရာဂေါ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗ-  
ရာဂေါ ဖောဠဗ္ဗဓာတုံ အနုသေတိ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဖောဠဗ္ဗဓာတုပရိယာပန္နော”တိ၊  
အာမန္တာ။ အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုံ အနုသေတိ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရူပဓာတု-  
ပရိယာပန္နော”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၀၅။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုံ အနုသေတိ ရူပဓာတုပရိယာပန္နော၊  
အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုံ အနုသေတိ အရူပဓာတုပရိယာပန္နော”တိ၊ အာမန္တာ။  
နန ကာမရာဂေါ ကာမဓာတုံ အနုသေတိ ကာမဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကာမရာဂေါ ကာမဓာတုံ အနုသေတိ ကာမဓာတု-  
ပရိယာပန္နော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုံ အနုသေတိ  
ရူပဓာတုပရိယာပန္နော၊ အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုံ အနုသေတိ အရူပဓာတု-  
ပရိယာပန္နော”တိ။

ပရိယာပန္နကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၁၄-စုဒ္ဓသမဝဂ္ဂ

(၁၄၃) ဂ-အဗျာကတကထာ

၇၀၆။ \* ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဝိပါကာဗျာကတံ ကိရိယာ-  
ဗျာကတံ ရူပံ နိဗ္ဗာနံ စက္ခာယတနံ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗာယတနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဋ္ဌိဂတသမ္ပယုတ္တော ဖဿော အဗျာ-  
ကတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတန္တိ၊ အာမန္တာ။  
ဒိဋ္ဌိဂတသမ္ပယုတ္တော ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ပ။ စေတနာ။ပ။ စိတ္တံ အဗျာကတန္တိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ဒိဋ္ဌိဂတသမ္ပယုတ္တော ဖဿော အကုသလောတိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဋ္ဌိဂတံ  
အကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဒိဋ္ဌိဂတသမ္ပယုတ္တော ဝေဒနာ။ သညာ။  
စေတနာ။ စိတ္တံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒိဋ္ဌိဂတံ အကုသလန္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၇၀၇။ \* ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဖလံ အဝိပါကန္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန သဖလံ သဝိပါကန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သဖလံ သဝိပါကံ၊ နော စ  
ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတ”န္တိ။

\* ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိပရမာနိ ဝဇ္ဇာနိ ဝုတ္တာနိ  
ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိပရမာနိ ဝဇ္ဇာနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတ”န္တိ။

\* ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိ ခေါ  
ဝစ္ဆ အကုသလာ၊<sup>၂</sup> သမ္မာဒိဋ္ဌိ ကုသလာ<sup>၃</sup>တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊  
အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတ”န္တိ။

\* ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိဿ  
ခေါ အဟံ ပုဏ္ဏ ဒိန္နံ ဂတိနံ အညတရံ ဂတိ” ဝဒါမိ နိရယံ ဝါ တိရစ္ဆာနယောနိ  
ဝါ”တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဒိဋ္ဌိဂတံ  
အဗျာကတ”န္တိ။

၇၀၈။ † န ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ  
ဘဂဝတာ—“သဿတော လောကော”တိ ခေါ ဝစ္ဆ အဗျာကတမေတံ၊  
“အသဿတော လောကော”တိ ခေါ ဝစ္ဆ အဗျာကတမေတံ၊ “အန္တဝါ  
လောကော”တိ ခေါ ဝစ္ဆ အဗျာကတမေတံ၊ “အနန္တဝါ လောကော”တိ ခေါ  
ဝစ္ဆ။ပ။ “တံ ဇီဝံ တံ သရီရ”န္တိ ခေါ ဝစ္ဆ။ပ။ “အညံ ဇီဝံ အညံ သရီရ”န္တိ

၁-အံ ၁-၃၅-ပိဋ္ဌေ။

၂-အကုသလံ (မ ၂-၁၅၇-ပိဋ္ဌေ)

၃-ကုသလံ (မ ၂-၁၅၇-ပိဋ္ဌေ)

၄-မ ၂-၁၅၇-ပိဋ္ဌေ။

၅-မ ၂-၅၀-ပိဋ္ဌေ။



ခေါ်ဝတ္ထုပ။ “ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ခေါ်ဝတ္ထုပ။ “န ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ခေါ်ဝတ္ထုပ။ “ဟောတိ စ န စ ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ခေါ်ဝတ္ထုပ။ “နေဝ ဟောတိ န န ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ခေါ်ဝတ္ထု အဗျာကတမေတန္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတန္တိ။

\* ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိကဿ ဘိက္ခဝေ ပုရိသပုဂ္ဂလဿ ယဇ္ဇေဝ ကာယကမ္မံ ယထာဒိဋ္ဌိသမတ္တံ သမာဒိဏ္ဏံ၊ ယဇ္ဇ ဝစီကမ္မံပ။ ယဇ္ဇ မနောကမ္မံ ယာ စ စေတနာ ယာ စ ပတ္တနာ ယော စ ပဏိမိ ယေ စ သင်္ခါရာ၊ သဗ္ဗေ တေ ဓမ္မာ အနိဋ္ဌာယ အကန္တာယ အမနာပါယ အဟိတာယ ဒုက္ခာယ သံဝတ္တန္တိ”တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတ”န္တိ။

အဗျာကတကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၁၄-စုဒ္ဓသမဝဂ္ဂ

### (၁၄၄) ၉-အပရိယာပန္နကထာ

၇၀၉။ \* ဒိဋ္ဌိဂတံ အပရိယာပန္နန္တိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ ဖလံ နိဗ္ဗာနံ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ သောတာပတ္တိဖလံ၊ သကဒါဂါမိမဂ္ဂေါ သကဒါဂါမိဖလံ၊ အနာဂါမိမဂ္ဂေါ အနာဂါမိဖလံ၊ အရဟတ္တမဂ္ဂေါ အရဟတ္တဖလံ သတိပဋ္ဌာနံ သမ္ပပ္ပဓာနံ ဣဒ္ဓိပါဒေါ ဣန္ဒြိယံ ဗလံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေပ။

၇၁၀။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဒိဋ္ဌိဂတံ အပရိယာပန္န”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနော “ကာမေသု ဝိတရာဂေါ”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ “ဝိဂတဒိဋ္ဌိယော”တိ ဝတ္တဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ ဒိဋ္ဌိဂတံ အပရိယာပန္နန္တိ။

အပရိယာပန္နကထာ နိဋ္ဌိတာ။

စုဒ္ဓသမော ဝဂ္ဂေါ။



## တသုဒ္ဓါနံ

အကုသလမူလံ ပဋိသန္ဓဟတိ ကုသလမူလံ၊ ကုသလမူလံ ပဋိသန္ဓဟတိ  
 အကုသလမူလံ၊ သဠာယတနံ၊ ဆဝိညာဏကာယာ၊ အရိယရူပံ မဟာဘူတာနံ  
 ဥပါဒါယ၊ သွေဝ အနုသယော တံ ပရိယုဋ္ဌာနံ၊ ပရိယုဋ္ဌာနံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တံ၊  
 ယထာဓာတု တညေဝ အနုသေတိ၊ ဒိဋ္ဌိဂတံ အဗျာကတံ၊ ဒိဋ္ဌိဂတံ အပရိယာ-  
 ပန္နန္တိ။

## ၁၅-ပန္နရသမဝဂ္ဂ

## (၁၄၅) ၁-ပစ္စယတာကထာ

၇၁၁။ \* ပစ္စယတာ ဝဝတ္ထိတာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝိမံသာ ဟေတု၊ သော  
 စ အဓိပတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဝိမံသာ ဟေတု၊ သော စ အဓိပတိ၊  
 တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဟေတုပစ္စယေန ပစ္စယော၊ အဓိပတိပစ္စယေန  
 ပစ္စယော”တိ။

\* နနု ဆန္ဒာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
 ဆန္ဒာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
 “အဓိပတိပစ္စယေန ပစ္စယော၊ သဟဇာတပစ္စယေန ပစ္စယော”တိ။

၇၁၂။ \* နနု ဝိရိယာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိတိ၊ အာမန္တာ။  
 ဟဉ္စိ ဝိရိယာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
 “အဓိပတိပစ္စယေန ပစ္စယော၊ သဟဇာတပစ္စယေန ပစ္စယော”တိ။

\* နနု ဝိရိယာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တဉ္စ ဣန္ဒြိယန္တိ၊  
 အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဝိရိယာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တဉ္စ ဣန္ဒြိယံ၊  
 တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အဓိပတိပစ္စယေန ပစ္စယော၊ ဣန္ဒြိယပစ္စယေန  
 ပစ္စယော”တိ။

\* နနု ဝိရိယာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တဉ္စ မဂ္ဂင်္ဂန္တိ၊  
 အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဝိရိယာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တဉ္စ မဂ္ဂင်္ဂံ၊  
 တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အဓိပတိပစ္စယေန ပစ္စယော၊ မဂ္ဂပစ္စယေန  
 ပစ္စယော”တိ။



၇၁၃။ \* နနု စိတ္တာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိတိ၊ အာမန္တာ။  
ဟဉ္စိ စိတ္တာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“အဓိပတိပစ္စယေန ပစ္စယော၊ သဟဇာတပစ္စယေန ပစ္စယော”တိ။

\* နနုစိတ္တာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ သော စ အာဟာရောတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ စိတ္တာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ သော စ  
အာဟာရော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အဓိပတိပစ္စယေန ပစ္စယော၊  
အာဟာရပစ္စယေန ပစ္စယော”တိ။

\* နနု စိတ္တာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တဉ္စ ဣန္ဒြိယန္တိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ စိတ္တာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တဉ္စ ဣန္ဒြိယံ၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အဓိပတိပစ္စယေန ပစ္စယော၊ ဣန္ဒြိယပစ္စယေန  
ပစ္စယော”တိ။

၇၁၄။ \* နနု ဝိမံသာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိတိ၊ အာမန္တာ။  
ဟဉ္စိ ဝိမံသာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“အဓိပတိပစ္စယေန ပစ္စယော၊ သဟဇာတပစ္စယေန ပစ္စယော”တိ။

\* နနု ဝိမံသာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တဉ္စ ဣန္ဒြိယန္တိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဝိမံသာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တဉ္စ ဣန္ဒြိယံ၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အဓိပတိပစ္စယေန ပစ္စယော၊ ဣန္ဒြိယပစ္စယေန  
ပစ္စယော”တိ။

\* နနု ဝိမံသာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တဉ္စ မဂ္ဂင်္ဂန္တိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဝိမံသာဓိပတိ သဟဇာတာနံ ဓမ္မာနံ အဓိပတိ၊ တဉ္စ မဂ္ဂင်္ဂံ၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အဓိပတိပစ္စယေန ပစ္စယော၊ မဂ္ဂပစ္စယေန  
ပစ္စယော”တိ။

၇၁၅။ \* နနု အရိယံ ဓမ္မံ ဂရုံ ကတွာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ပစ္စဝေက္ခဏာ၊ တဉ္စာရဗ္ဗဏန္တိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရိယံ ဓမ္မံ ဂရုံ ကတွာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ပစ္စဝေက္ခဏာ၊ တဉ္စာရဗ္ဗဏံ၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အဓိပတိပစ္စယေန ပစ္စယော၊ အာရဗ္ဗဏပစ္စယေန  
ပစ္စယော”တိ။

၇၁၆။ \* နနု ပုရိမာ ပုရိမာ ကုသလာ ဓမ္မာ ပစ္စိမာနံ ပစ္စိမာနံ ကုသလာနံ  
ဓမ္မာနံ အနန္တရပစ္စယေန ပစ္စယော၊ သာ စ အာသေဝနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ



ပုရိမာ ပုရိမာ ကုသလာ ဓမ္မာ ပစ္ဆိမာနံ ပစ္ဆိမာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ အနန္တရ-  
ပစ္စယေန ပစ္စယော၊ သာ စ အာသေဝနာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“အနန္တရပစ္စယေန ပစ္စယော၊ အာသေဝနပစ္စယေန ပစ္စယော”တိ။

\* နန ပုရိမာ ပုရိမာ အကုသလာ ဓမ္မာ ပစ္ဆိမာနံ ပစ္ဆိမာနံ အကုသလာနံ  
ဓမ္မာနံ အနန္တရပစ္စယေန ပစ္စယော၊ သာ စ အာသေဝနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
ပုရိမာ ပုရိမာ အကုသလာ ဓမ္မာ ပစ္ဆိမာနံ ပစ္ဆိမာနံ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ  
အနန္တရပစ္စယေန ပစ္စယော၊ သာ စ အာသေဝနာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“အနန္တရပစ္စယေန ပစ္စယော၊ အာသေဝနပစ္စယေန ပစ္စယော”တိ။

\* နန ပုရိမာ ပုရိမာ ကိရိယာဗျာကတာ ဓမ္မာ ပစ္ဆိမာနံ ပစ္ဆိမာနံ ကိရိယာ-  
ဗျာကတာနံ ဓမ္မာနံ အနန္တရပစ္စယေန ပစ္စယော၊ သာ စ အာသေဝနာတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပုရိမာ ပုရိမာ ကိရိယာဗျာကတာ ဓမ္မာ ပစ္ဆိမာနံ ပစ္ဆိမာနံ  
ကိရိယာဗျာကတာနံ ဓမ္မာနံ အနန္တရပစ္စယေန ပစ္စယော၊ သာ စ အာသေဝနာ၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အနန္တရပစ္စယေန ပစ္စယော၊ အာသေဝနပစ္စယေန  
ပစ္စယော”တိ။

၇၁၇။† \* န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပစ္စယတာ ဝဝတ္ထိတာ”တိ၊ အာမန္တာ။ ဟေတုပစ္စယေန  
ပစ္စယော ဟောတိ၊ အာရမ္မဏပစ္စယေန ပစ္စယော ဟောတိ၊ အနန္တရပစ္စယေန  
ပစ္စယော ဟောတိ၊ သမနန္တရပစ္စယေန ပစ္စယော ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ “ပစ္စယတာ ဝဝတ္ထိတာ”တိ။

ပစ္စယတာကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၅-ပန္နရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၄၆) ၂-အညမညပစ္စယကထာ

၇၁၈။ \* အဝိဇ္ဇာပစ္စယာဝ သင်္ခါရာ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သင်္ခါရပစ္စယာပိ အဝိဇ္ဇာ”တိ၊  
အာမန္တာ။ နန အဝိဇ္ဇာ သင်္ခါရေန သဟဇာတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အဝိဇ္ဇာ  
သင်္ခါရေန သဟဇာတာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အဝိဇ္ဇာပစ္စယာပိ သင်္ခါရာ၊  
သင်္ခါရပစ္စယာပိ အဝိဇ္ဇာ”တိ။

\* တဏှာပစ္စယာဝ ဥပါဒါနံ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဥပါဒါနပစ္စယာပိ တဏှာ”တိ၊  
အာမန္တာ။ နန တဏှာ ဥပါဒါနေန သဟဇာတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ တဏှာ



ဥပါဒါနေန သဟဇာတာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “တဏှာပစ္စယာပိ ဥပါဒါနံ၊ ဥပါဒါနပစ္စယာပိ တဏှာ”တိ။

၇၁၉။ †“ဇရာမရဏပစ္စယာ ဘိက္ခဝေ ဇာတိ ဇာတိပစ္စယာ ဘဝေါ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။ တေန ဟိ အဝိဇ္ဇာပစ္စယာဝ သင်္ခါရာ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သင်္ခါရပစ္စယာပိ အဝိဇ္ဇာ”တိ၊ တဏှာပစ္စယာဝ ဥပါဒါနံ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဥပါဒါန- ပစ္စယာပိ တဏှာ”တိ။

\*“ဝိညာဏပစ္စယာ ဘိက္ခဝေ နာမရူပံ နာမရူပပစ္စယာပိ ဝိညာဏ”န္တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အဝိဇ္ဇာပစ္စယာပိ သင်္ခါရာ၊ သင်္ခါရပစ္စယာပိ အဝိဇ္ဇာ၊ တဏှာပစ္စယာပိ ဥပါဒါနံ၊ ဥပါဒါနပစ္စယာပိ တဏှာတိ။

အညမညပစ္စယကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၁၅-ပန္နရသမဝဂ္ဂ

### (၁၄၇) ၃-အဒ္ဓါကထာ

၇၂၀။ \* အဒ္ဓါ ပရိနိပ္ပန္နောတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဝေဒနာ။ ပ။ သညာ။ ပ။ သင်္ခါရာ။ ပ။ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အတိတော အဒ္ဓါ ပရိနိပ္ပန္နောတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဝေဒနာ။ ပ။ သညာ။ ပ။ သင်္ခါရာ။ ပ။ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အနာဂတော အဒ္ဓါ ပရိနိပ္ပန္နောတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဝေဒနာ။ ပ။ သညာ။ ပ။ သင်္ခါရာ။ ပ။ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန္နော အဒ္ဓါ ပရိနိပ္ပန္နောတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဝေဒနာ။ ပ။ သညာ။ ပ။ သင်္ခါရာ။ ပ။ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတိတံ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏံ အတိတော အဒ္ဓါတိ၊ အာမန္တာ။ အတိတာ ပဉ္စဒ္ဓါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အနာဂတံ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏံ အနာဂတော အဒ္ဓါတိ၊ အာမန္တာ။ အနာဂတာ ပဉ္စဒ္ဓါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန္နံ ရူပံ ဝေဒနာ သညာ သင်္ခါရာ ဝိညာဏံ ပစ္စုပ္ပန္နော အဒ္ဓါတိ၊ အာမန္တာ။ ပစ္စုပ္ပန္နာ ပဉ္စဒ္ဓါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



\* အတိတာ ပဉ္စက္ခန္ဓာ အတိတော အဋ္ဌါ၊ အနာဂတာ ပဉ္စက္ခန္ဓာ အနာဂတော အဋ္ဌါ၊ ပစ္စုပ္ပန္နာ ပဉ္စက္ခန္ဓာ ပစ္စုပ္ပန္နော အဋ္ဌါတိ၊ အာမန္တာ။ ပန္နရသဒ္ဓါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတိတာနိ ဒွါဒသာယတနာနိ အတိတော အဋ္ဌါ၊ အနာဂတာနိ ဒွါဒသာယတနာနိ အနာဂတော အဋ္ဌါ၊ ပစ္စုပ္ပန္နာနိ ဒွါဒသာယတနာနိ ပစ္စုပ္ပန္နော အဋ္ဌါတိ၊ အာမန္တာ။ ဆတ္တိံသ အဋ္ဌါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတိတာ အဋ္ဌာရသ ဓာတုယော အတိတော အဋ္ဌါ၊ အနာဂတာ အဋ္ဌာရသ ဓာတုယော အနာဂတော အဋ္ဌါ၊ ပစ္စုပ္ပန္နာ အဋ္ဌာရသ ဓာတုယော ပစ္စုပ္ပန္နော အဋ္ဌါတိ၊ အာမန္တာ။ စတုပညာသ အဋ္ဌါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတိတာနိ ဗာဝိသတိန္ဒြိယာနိ အတိတော အဋ္ဌါ၊ အနာဂတာနိ ဗာဝိသတိန္ဒြိယာနိ အနာဂတော အဋ္ဌါ၊ ပစ္စုပ္ပန္နာနိ ဗာဝိသတိန္ဒြိယာနိ ပစ္စုပ္ပန္နော အဋ္ဌါတိ၊ အာမန္တာ။ ဆသဋ္ဌိ အဋ္ဌါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၂၁။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အဋ္ဌါ ပရိနိပ္ပန္နော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “တိဏိမာနိ ဘိက္ခဝေ ကထာဝတ္ထုနိ။ ကတမာနိ တိဏိ၊ အတိတံ ဝါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌါနံ အာရဟ္မ ကထံ ကထေယျ ‘ဧဝံ အဟောသိ အတိတမဒ္ဓါန’န္တိ၊ အနာဂတံ ဝါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌါနံ အာရဟ္မ ကထံ ကထေယျ ‘ဧဝံ ဘဝိဿတိ အနာဂတမဒ္ဓါန’န္တိ၊ ဧတရဟိ ဝါ ဘိက္ခဝေ ပစ္စုပ္ပန္နံ အဋ္ဌါနံ အာရဟ္မ ကထံ ကထေယျ ‘ဧဝံ ဟောတိ ဧတရဟိ ပစ္စုပ္ပန္န’န္တိ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဏိ ကထာဝတ္ထုနိ”တိ။ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အဋ္ဌါ ပရိနိပ္ပန္နောတိ။

အဋ္ဌါကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၅-ပန္နရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၄၈) ၄-ခဏလယမုဟုတ္တကထာ

၇၂၂။ \* ခဏော ပရိနိပ္ပန္နော၊ လယော ပရိနိပ္ပန္နော၊ မုဟုတ္တံ ပရိနိပ္ပန္နန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဝေဒနာ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၇၂၃။ \*န ဝတ္တဗ္ဗံ “မုဟုတ္တံ ပရိနိပ္ပန္န”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “တိဏိမာနိ ဘိက္ခဝေ ကထာဝတ္ထုနိ။ ကတမာနိ တိဏိ၊ အတိတံ ဝါ ဘိက္ခဝေ အဒ္ဓါနံ အာရဟ္တ ကထံ ကထေယျ ‘ဧဝံ အဟောသိ အတိတမဒ္ဓါန’န္တိ။ အနာဂတံ ဝါ ဘိက္ခဝေ အဒ္ဓါနံ အာရဟ္တ ကထံ ကထေယျ ‘ဧဝံ ဘဝိဿတိ အနာဂတ-မဒ္ဓါန’န္တိ။ ဧတရဟိ ဝါ ဘိက္ခဝေ ပစ္စုပ္ပန္နံ အဒ္ဓါနံ အာရဟ္တ ကထံ ကထေယျ ‘ဧဝံ ဟောတိ ဧတရဟိ ပစ္စုပ္ပန္န’န္တိ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဏိ ကထာဝတ္ထုနိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ မုဟုတ္တံ ပရိနိပ္ပန္နန္တိ။

ခဏလယမုဟုတ္တကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၅-ပန္နရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၄၉) ၅-အာသဝကထာ

၇၂၄။ \*စတ္တာရော အာသဝါ အနာသဝါတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ ဖလံ နိဗ္ဗာနံ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ သောတာပတ္တိဖလံ။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၇၂၅။ †န ဝတ္တဗ္ဗံ “စတ္တာရော အာသဝါ အနာသဝါ”တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထညေဝ အာသဝါ ယေဟိ အာသဝေဟိ တေ အာသဝါ သာသဝါ ဟောန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ စတ္တာရော အာသဝါ အနာသဝါတိ။

အာသဝကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၅-ပန္နရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၅၀) ၆-ဇရာမရဏကထာ

၇၂၆။ \*လောကုတ္တရာနံ ဓမ္မာနံ ဇရာမရဏံ လောကုတ္တရန္တိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ ဖလံ နိဗ္ဗာနံ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ သောတာပတ္တိဖလံ။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သောတာပတ္တိမဂ္ဂဿ ဇရာမရဏံ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သောတာပတ္တိမဂ္ဂဿ ဇရာမရဏံ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပတ္တိဖလဿ ဇရာမရဏံ သောတာပတ္တိဖလန္တိ၊ န ဟေဝံ



ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သကဒါဂါမိမဂ္ဂဿ။ပ။ သကဒါဂါမိဖလဿ။ပ။ အနာဂါမိ-  
မဂ္ဂဿ။ပ။ အနာဂါမိဖလဿ။ပ။ အရဟတ္တမဂ္ဂဿ ဇရာမရဏံ အရဟတ္တ-  
မဂ္ဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အရဟတ္တမဂ္ဂဿ ဇရာမရဏံ အရဟတ္တမဂ္ဂေါတိ၊  
အာမန္တာ။ အရဟတ္တဖလဿ ဇရာမရဏံ အရဟတ္တဖလန္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သတိပဋ္ဌာနာနံ။ သမ္ပပ္ပဓာနာနံ။ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ။ ဣန္ဒြိယာနံ။ ဗလာနံ။  
ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ဇရာမရဏံ ဗောဇ္ဈင်္ဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၇၂၇။ † န ဝတ္ထဗ္ဗေ “လောကုတ္တရာနံ ဓမ္မာနံ ဇရာမရဏံ လောကုတ္တရ”န္တိ၊  
အာမန္တာ။ လောကီယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ တေန ဟိ လောကုတ္တရန္တိ။

ဇရာမရဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၅-ပန္နရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၅၁) ၇-သညာဝေဒယိတကထာ

၇၂၈။ \* သညာဝေဒယိတနိရောဓသမာပတ္တိ လောကုတ္တရာတိ၊ အာမန္တာ။  
မဂ္ဂေါ ဖလံ နိဗ္ဗာနံ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ သောတာပတ္တိဖလံ။ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂေါတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၇၂၉။ † န ဝတ္ထဗ္ဗေ “သညာဝေဒယိတနိရောဓသမာပတ္တိ လောကုတ္တရာ”တိ၊  
အာမန္တာ။ လောကီယာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ တေန ဟိ လောကုတ္တရာတိ။

သညာဝေဒယိတကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၅-ပန္နရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၅၂) ၈-ဒုတိယသညာဝေဒယိတကထာ

၇၃၀။ \* သညာဝေဒယိတနိရောဓသမာပတ္တိ လောကီယာတိ၊ အာမန္တာ။  
ရူပန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဝေဒနာ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကာမာဝစရာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ရူပါဝစရာတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အရူပါဝစရာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



၇၃၁။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သညာဝေဒယိတနိရောဓသမာပတ္တိ လောကိယာ”တိ၊  
အာမန္တာ။ လောကုတ္တရာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ တေန ဟိ လောကိယာတိ။

ဒုတိယသညာဝေဒယိတကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၁၅-ပန္နရသမဝဂ္ဂ

(၁၅၃) ၉-တတိယသညာဝေဒယိတကထာ

၇၃၂။ \* သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နော ကာလံ ကရေယျာတိ၊  
အာမန္တာ။ အတ္ထိ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ မာရဏန္တိယော  
ဗဿော၊ မာရဏန္တိယာ ဝေဒနာ၊ မာရဏန္တိယာ သညာ၊ မာရဏန္တိယာ  
စေတနာ၊ မာရဏန္တိယံ စိတ္တန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နတ္ထိ သညာဝေဒယိတ-  
နိရောဓံ သမာပန္နဿ မာရဏန္တိယော ဗဿော၊ မာရဏန္တိယာ ဝေဒနာ၊  
မာရဏန္တိယာ သညာ၊ မာရဏန္တိယာ စေတနာ၊ မာရဏန္တိယံ စိတ္တန္တိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ မာရဏန္တိယော  
ဗဿော၊ မာရဏန္တိယာ ဝေဒနာ၊ မာရဏန္တိယာ သညာ၊ မာရဏန္တိယာ  
စေတနာ၊ မာရဏန္တိယံ စိတ္တံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သညာဝေဒယိတ-  
နိရောဓံ သမာပန္နော ကာလံ ကရေယျာ”တိ။

\* သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နော ကာလံ ကရေယျာတိ၊ အာမန္တာ။  
အတ္ထိ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ ဗဿော ဝေဒနာ သညာ စေတနာ  
စိတ္တန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နတ္ထိ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ  
ဗဿော ဝေဒနာ သညာ စေတနာ စိတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဗဿကဿ ကာလံ  
ကိရိယာ အဝေဒနကဿ ကာလံ ကိရိယာ။ပ။ အစိတ္တကဿ ကာလံ ကိရိယာတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နနု သဗဿကဿ ကာလံ ကိရိယာ။ပ။ သစိတ္တကဿ  
ကာလံ ကိရိယာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သဗဿကဿ ကာလံ ကိရိယာ။ပ။  
သစိတ္တကဿ ကာလံ ကိရိယာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သညာဝေဒယိတ-  
နိရောဓံ သမာပန္နော ကာလံ ကရေယျာ”တိ။

\* သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နော ကာလံ ကရေယျာတိ၊ အာမန္တာ။  
သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ ကာယေ ဝိသံ ကမေယျ၊ သတ္တံ ကမေယျ၊  
အဂ္ဂိ ကမေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ  
ကာယေ ဝိသံ န ကမေယျ၊ သတ္တံ န ကမေယျ၊ အဂ္ဂိ န ကမေယျာတိ၊ အာမန္တာ။



ဟဉ္စိ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ ကာယေ ဝိသံ န ကမေယျ၊ သတ္တံ န ကမေယျ၊ အဂ္ဂိ န ကမေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သညာဝေဒယိတ-  
နိရောဓံ သမာပန္နော ကာလံ ကရေယျာ”တိ။

\* သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နော ကာလံ ကရေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ ကာယေ ဝိသံ ကမေယျ၊ သတ္တံ ကမေယျ၊ အဂ္ဂိ ကမေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ န နိရောဓံ သမာပန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၇၃၃။ † သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နော န ကာလံ ကရေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ သော နိယာမော ယေန နိယာမေန နိယတော သညာ-  
ဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နော န ကာလံ ကရေယျာတိ၊ နတ္ထိ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ သော  
နိယာမော ယေန နိယာမေန နိယတော သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နော  
န ကာလံ ကရေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သညာဝေဒယိတနိရောဓံ  
သမာပန္နော န ကာလံ ကရေယျာ”တိ။

၇၃၄။ \* စက္ခုဝိညာဏသမင်္ဂီ န ကာလံ ကရေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ  
သော နိယာမော ယေန နိယာမေန နိယတော စက္ခုဝိညာဏသမင်္ဂီ န ကာလံ  
ကရေယျာတိ၊ နတ္ထိ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ သော နိယာမော ယေန နိယာမေန နိယတော  
စက္ခုဝိညာဏသမင်္ဂီ န ကာလံ ကရေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “စက္ခု-  
ဝိညာဏသမင်္ဂီ န ကာလံ ကရေယျာ”တိ။

တတိယသညာဝေဒယိတကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၅-ပန္နရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၅၄) ၁၀-အသညသတ္တုပိကကထာ

၇၃၅။ \* သညာဝေဒယိတနိရောဓသမာပတ္တိ အသညသတ္တုပိကာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ အလောဘော ကုသလ-  
မူလံ အဒေါသော ကုသလမူလံ အမောဟော ကုသလမူလံ၊ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။  
သမာဓိ။ ပညာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ နတ္ထိ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာ-  
ပန္နဿ အလောဘော ကုသလမူလံ။ အဒေါသော ကုသလမူလံ။ ပ။ ပညာတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ အလောဘော



ကုသလမူလံ။ အဒေါသော ကုသလမူလံ။ အမောဟော ကုသလမူလံ။ သဒ္ဓါ။  
ဝီရိယံ။ သတိ။ သမာဓိ။ ပညာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သညာဝေဒယိတ-  
နိရောဓသမာပတ္တိ အသညသတ္တုပိကာ”တိ။

\* သညာဝေဒယိတနိရောဓသမာပတ္တိ အသညသတ္တုပိကာတိ။ အာမန္တာ။  
အတ္တိ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ ဖဿော ဝေဒနာ သညာ စေတနာ  
စိတ္တန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နတ္တိ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ  
ဖဿော ဝေဒနာ သညာ စေတနာ စိတ္တန္တိ၊ အာမန္တာ။ အဗဿကဿ  
မဂ္ဂဘာဝနာ။ပ။ အစိတ္တကဿ မဂ္ဂဘာဝနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန  
သဗဿကဿ မဂ္ဂဘာဝနာ။ပ။ သစိတ္တကဿ မဂ္ဂဘာဝနာတိ၊ အာမန္တာ။  
ဟဉ္စိ သဗဿကဿ မဂ္ဂဘာဝနာ။ပ။ သစိတ္တကဿ မဂ္ဂဘာဝနာ၊ နော စ ဝတ  
ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သညာဝေဒယိတနိရောဓသမာပတ္တိ အသညသတ္တုပိကာ”တိ။

\* သညာဝေဒယိတနိရောဓသမာပတ္တိ အသညသတ္တုပိကာတိ။ အာမန္တာ။  
ယေ ကေစိ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပဇ္ဇန္တိ သဗ္ဗေ တေ အသညသတ္တုပိ-  
ကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၃၆။ †န ဝတ္တဗ္ဗံ “သညာဝေဒယိတနိရောဓသမာပတ္တိ အသညသတ္တုပိ-  
ကာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဣဓာပိ အသညီ တတြာပိ အသညီတိ၊ အာမန္တာ။  
ဟဉ္စိ ဣဓာပိ အသညီ တတြာပိ အသညီ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သညာ-  
ဝေဒယိတနိရောဓသမာပတ္တိ အသညသတ္တုပိကာ”တိ။

အသညသတ္တုပိကာကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၁၅-ပန္နရသမဝဂ္ဂ

(၁၅၅) ၁၁-ကမ္မုပစယကထာ

၇၃၇။ \* အညံ ကမ္မံ အညော ကမ္မုပစယောတိ၊ အာမန္တာ။ အညော  
ဖဿော အညော ဖဿုပစယော။ အညာ ဝေဒနာ အညော ဝေဒနုပစယော။  
အညာ သညာ အညော သညုပစယော။ အညာ စေတနာ အညော စေတနု-  
ပစယော။ အညံ စိတ္တံ အညော စိတ္တုပစယော။ အညာ သဒ္ဓါ အညော  
သဒ္ဓုပစယော။ အညံ ဝီရိယံ အညော ဝီရိယုပစယော။ အညာ သတိ အညော



သတူပစယော။ အညော သမာဓိ အညော သမာရူပစယော။ အညာ ပညာ  
အညော ပညူပစယော။ အညော ရာဂေါ အညော ရာဂူပစယော။ပ။ အညံ  
အနောတ္တပ္ပံ အညော အနောတ္တပ္ပူပစယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၃၈။ \* အညံ ကမ္မံ အညော ကမ္မူပစယောတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မူပစယော  
ကမ္မေန သဟဇာတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကမ္မူပစယော ကမ္မေန သဟဇာတောတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလေန ကမ္မေန  
သဟဇာတော ကမ္မူပစယော ကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကုသလေန ကမ္မေန သဟဇာတော ကမ္မူပစယော ကုသလောတိ၊  
အာမန္တာ။ သုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တေန ကမ္မေန သဟဇာတော  
ကမ္မူပစယော သုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
ဒုက္ခာယ ဝေဒနာယ။ပ။ အဒုက္ခမသုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တေန ကမ္မေန  
သဟဇာတော ကမ္မူပစယော အဒုက္ခမသုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၃၉။ \* ကမ္မူပစယော ကမ္မေန သဟဇာတောတိ၊ အာမန္တာ။ အကု-  
သလေန ကမ္မေန သဟဇာတော ကမ္မူပစယော အကုသလောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အကုသလေန ကမ္မေန သဟဇာတော ကမ္မူပစယော အကုသလောတိ၊  
အာမန္တာ။ သုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တေန ကမ္မေန သဟဇာတော  
ကမ္မူပစယော သုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
ဒုက္ခာယ ဝေဒနာယ။ပ။ အဒုက္ခမသုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တေန ကမ္မေန  
သဟဇာတော ကမ္မူပစယော အဒုက္ခမသုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၄၀။ \* ကမ္မံ စိတ္တေန သဟဇာတံ၊ ကမ္မံ သာရမ္ပဏန္တိ၊ အာမန္တာ။  
ကမ္မူပစယော စိတ္တေန သဟဇာတော၊ ကမ္မူပစယော သာရမ္ပဏောတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကမ္မူပစယော စိတ္တေန သဟဇာတော၊ ကမ္မူပစယော  
အနာရမ္ပဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မံ စိတ္တေန သဟဇာတံ၊ ကမ္မံ အနာရမ္ပဏန္တိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* ကမ္မံ စိတ္တေန သဟဇာတံ, စိတ္တံ ဘိဇ္ဇမာနံ ကမ္မံ ဘိဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မူပစယော စိတ္တေန သဟဇာတော, စိတ္တံ ဘိဇ္ဇမာနံ ကမ္မူပစယော ဘိဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကမ္မူပစယော စိတ္တေန သဟဇာတော, စိတ္တံ ဘိဇ္ဇမာနံ ကမ္မူပစယော န ဘိဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မံ စိတ္တေန သဟဇာတံ, စိတ္တံ ဘိဇ္ဇမာနံ ကမ္မံ န ဘိဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၄၁။ \* ကမ္မမ္ပိ ကမ္မူပစယောတိ၊ အာမန္တာ။ တညေဝ ကမ္မံ သော ကမ္မူပစယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကမ္မမ္ပိ ကမ္မူပစယော, ကမ္မူပစယတော ဝိပါကော နိဗ္ဗတ္တတိတိ၊ အာမန္တာ။ တညေဝ ကမ္မံ, သော ကမ္မူပစယော, သော ကမ္မဝိပါကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကမ္မမ္ပိ ကမ္မူပစယော, ကမ္မူပစယတော ဝိပါကော နိဗ္ဗတ္တတိ, ဝိပါကော သာရမ္ပဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မူပစယော သာရမ္ပဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကမ္မူပစယော အနာရမ္ပဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ဝိပါကော အနာရမ္ပဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၄၂။ \* အညံ ကမ္မံ အညော ကမ္မူပစယောတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣမ ပုဏ္ဏ ဧကစ္စော သဗျာပဇ္ဈမ္ပိ အဗျာပဇ္ဈမ္ပိ” ကာယသင်္ခါရံ အဘိသင်္ခရေတိ၊ သဗျာပဇ္ဈမ္ပိ အဗျာပဇ္ဈမ္ပိ ဝစီသင်္ခါရံ။ပ။ မနောသင်္ခါရံ အဘိသင်္ခရေတိ၊ သော သဗျာပဇ္ဈမ္ပိ အဗျာပဇ္ဈမ္ပိ ကာယသင်္ခါရံ အဘိသင်္ခရိတွာ သဗျာပဇ္ဈမ္ပိ အဗျာပဇ္ဈမ္ပိ ဝစီသင်္ခါရံ။ပ။ မနောသင်္ခါရံ အဘိသင်္ခရိတွာ သဗျာပဇ္ဈမ္ပိ အဗျာပဇ္ဈမ္ပိ လောကံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တမေနံ သဗျာပဇ္ဈမ္ပိ အဗျာပဇ္ဈမ္ပိ လောကံ ဥပပန္နံ သမာနံ သဗျာပဇ္ဈာပိ အဗျာပဇ္ဈာပိ ဖဿာ ဖုသန္တိ၊ သော သဗျာပဇ္ဈေဟိပိ အဗျာပဇ္ဈေဟိပိ ဖဿေဟိ ဖုဋ္ဌော သမာနော သဗျာပဇ္ဈမ္ပိ အဗျာပဇ္ဈမ္ပိ ဝေဒနံ ဝေဒေတိ ဝေါက္ခိဏ္ဏသုခဒုက္ခံ၊ သေယျထာပိ မနဿာ ဧကစ္စေ စ ဒေဝါ ဧကစ္စေ စ ဝိနိပါတိကာ။ ဣတိ ခေါ ပုဏ္ဏ ဘူတာ ဘူတဿ ဥပပတ္တိ ဟောတိ၊ ယံ ကရေတိ တေန ဥပပဇ္ဇတိ ဥပပန္နမေတံ ဖဿာ ဖုသန္တိ၊ ဧဝံပါဟံ ပုဏ္ဏ



ကမ္မဒါယာဒါ သတ္တာတိ ဝဒါမိ”တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။  
တေန ဟိ န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “အညံ ကမ္မံ အညော ကမ္မုပစယော”တိ။

ကမ္မုပစယကထာ နိဋ္ဌိတာ။

ပန္နရသမော ဝဂ္ဂေါ။

### တသုဒ္ဓါနံ

ပစ္စယတာ ဝဝတ္ထိတာ၊ ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ၊ အဒ္ဓါ၊ ခဏော လယော မဟုတ္တံ၊  
စတ္တာရော အာသဝါ အနာသဝါ၊ လောကုတ္တရာနံ ဓမ္မာနံ ဇရာမရဏံ  
လောကုတ္တရာ၊ သညာဝေဒယိတနိရောဓသမာပတ္တိ လောကုတ္တရာ၊ သညာ-  
ဝေဒယိတနိရောဓသမာပတ္တိ လောကီယာ၊ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာ-  
ပန္နော ကာလင်္ဂရေယျ၊ သွေဝ မဂ္ဂေါ အသညသတ္တုပပတ္တိယာ၊ အညံ ကမ္မံ  
အညော ကမ္မုပစယောတိ။

တတိယော ပဏ္ဏာသကော။

### တသုဒ္ဓါနံ

အနုသယာ သံဝရော ကပ္ပေါ မူလံ စ ဝဝတ္ထိတာတိ။

### ၁၆-သောဠသမဝဂ္ဂ

#### (၁၅၆) ၁-နိဂ္ဂဟကထာ

၇၄၃။ ပရော ပရဿ စိတ္တံ နိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ စိတ္တံ  
မာရဇ္ဇိ၊ မာဒုဿိ၊ မာမုယိ၊ မာကိလိဿိတိ နိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။  
ပရော ပရဿ စိတ္တံ နိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ ဥပ္ပန္နော ဖဿော မာ  
နိရုဇ္ဈိတိ နိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ပရော ပရဿ ဥပ္ပန္နော ဝေဒနာ။ ပ။  
ဥပ္ပန္နော သညာ။ ဥပ္ပန္နော စေတနာ။ ဥပ္ပန္နံ စိတ္တံ။ ဥပ္ပန္နာ သဒ္ဓါ။ ဥပ္ပန္နံ ဝီရိယံ။ ဥပ္ပန္နာ  
သတိ။ ဥပ္ပန္နော သမာဓိ။ ပ။ ဥပ္ပန္နာ ပညာ မာ နိရုဇ္ဈိတိ နိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။



\* ပရော ပရဿ စိတ္တံ နိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ အတ္ထာယ ရာဂံ ပဇဟတိ။ ဒေါသံ ပဇဟတိ။ ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရော ပရဿ စိတ္တံ နိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ အတ္ထာယ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ။ သတိပဋ္ဌာနံ ဘာဝေတိ။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရော ပရဿ စိတ္တံ နိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ အတ္ထာယ ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ၊ သမုဒယံ ပဇဟတိ၊ နိရောဓံ သစ္စိကရေတိ၊ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရော ပရဿ စိတ္တံ နိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ အညော အညဿ ကာရကော၊ ပရိကတံ သုခံ ဒုက္ခံ၊ အညော ကရေတိ အညော ပဋိသံဝေဒေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရော ပရဿ စိတ္တံ နိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“အတ္တနာဝ ကတံ ပါပံ၊ အတ္တနာ သံကိလိဿတိ။

အတ္တနာ အကတံ ပါပံ၊ အတ္တနာဝ ဝိသုဇ္ဈတိ။

သုဒ္ဓိ အသုဒ္ဓိ ပစ္စတ္တံ၊ နာညော အညံ ဝိသောဓယေ”တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပရော ပရဿ စိတ္တံ နိဂ္ဂဏှာတိ”တိ။

၇၄၄။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပရော ပရဿ စိတ္တံ နိဂ္ဂဏှာတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ဗလပ္ပတ္တာ၊ အတ္ထိ ဝသီဘူတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အတ္ထိ ဗလပ္ပတ္တာ၊ အတ္ထိ ဝသီဘူတာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရော ပရဿ စိတ္တံ နိဂ္ဂဏှာတိ”တိ။

နိဂ္ဂဟကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၁၆-သောဠသမဝဂ္ဂ

(၁၅၇) ၂-ပဂ္ဂဟကထာ

၇၄၅။ \* ပရော ပရဿ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ စိတ္တံ မာ ရဇ္ဇိ၊ မာ ဒုဿိ၊ မာ မုယိ၊ မာ ကိလိဿိတိ ပဂ္ဂဏှာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



ပရော ပရဿ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ အလောဘံ ကုသလမူလံ ဇနေတိ။ အဒေါသံ ကုသလမူလံ ဇနေတိ၊ အမောဟံ ကုသလမူလံ ဇနေတိ။ သဒ္ဓိံ ဇနေတိ။ ဝီရိယံ ဇနေတိ။ သတိံ ဇနေတိ။ သမာဓိံ ဇနေတိ။ ပညံ ဇနေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပရော ပရဿ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ ဥပ္ပန္နော ဖဿော မာ နိရုဇ္ဈိတိ ပဂ္ဂဏှာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပရော ပရဿ ဥပ္ပန္နော ဝေဒနာ။ ပ။ ဥပ္ပန္နော ပညာ မာ နိရုဇ္ဈိတိ ပဂ္ဂဏှာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရော ပရဿ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ အတ္ထာယ ရာဂံ ပဇဟတိ။ ဒေါသံ ပဇဟတိ။ မောဟံ ပဇဟတိ။ ပ။ အနောတ္တပ္ပံ ပဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရော ပရဿ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ အတ္ထာယ မဂ္ဂ ဘာဝေတိ။ သတိပဋ္ဌာနံ ဘာဝေတိ။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရော ပရဿ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ အတ္ထာယ ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ။ ပ။ မဂ္ဂ ဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရော ပရဿ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ အညော အညဿ ကာရကော၊ ပရိကတံ သုခံ ဒုက္ခံ၊ အညော ကရေတိ အညော ပဋိသံဝေဒေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပရော ပရဿ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“အတ္တနာဝ ကတံ ပါပံ။ ပ။ နာညော အညံ ဝိသောဓယေ”တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပရော ပရဿ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ”တိ။

၇၄၆။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပရော ပရဿ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု အတ္ထိ ဗလပ္ပတ္တာ၊ အတ္ထိ ဝသီဘူတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ဗလပ္ပတ္တာ၊ အတ္ထိ ဝသီဘူတာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရော ပရဿ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ”တိ။

ပဂ္ဂဟကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၁၆-သောဠသမဝဂ္ဂ

(၁၅၈) ၃-သုခါနုပ္ပဒါနကထာ

၇၄၇။ \* ပရော ပရဿ သုခံ အနုပ္ပဒေတီတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ ဒုက္ခံ အနုပ္ပဒေတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပရော ပရဿ ဒုက္ခံ န အနုပ္ပဒေတီတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ သုခံ န အနုပ္ပဒေတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပရော ပရဿ သုခံ အနုပ္ပဒေတီတိ၊ အာမန္တာ။ ပရော ပရဿ အတ္တနော သုခံ အနုပ္ပဒေတိ၊ အညေသံ သုခံ အနုပ္ပဒေတိ တဿ သုခံ အနုပ္ပဒေတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပရော ပရဿ နေဝတ္တနော၊ န အညေသံ၊ န တဿ သုခံ အနုပ္ပဒေတီတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပရော ပရဿ နေဝတ္တနော၊ န အညေသံ၊ န တဿ သုခံ အနုပ္ပဒေတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပရော ပရဿ သုခံ အနုပ္ပဒေတိ”တိ။

\* ပရော ပရဿ သုခံ အနုပ္ပဒေတီတိ၊ အာမန္တာ။ အညော အညဿ ကာရကော၊ ပရိကတံ သုခံ ဒုက္ခံ၊ အညော ကရေတိ အညော ပဋိသံဝေဒေတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၄၈။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပရော ပရဿ သုခံ အနုပ္ပဒေတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အာယသ္မာ ဥဒါယီ တေဒဝေါစ “ဗဟူနံ ဝတ နော ဘဂဝါ ဒုက္ခဓမ္မာနံ အပဟတ္တာ၊ ဗဟူနံ ဝတ နော ဘဂဝါ သုခဓမ္မာနံ ဥပဟတ္တာ၊ ဗဟူနံ ဝတ နော ဘဂဝါ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ အပဟတ္တာ၊ ဗဟူနံ ဝတ နော ဘဂဝါ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဥပဟတ္တာ”တိ။ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပရော ပရဿ သုခံ အနုပ္ပဒေတီတိ။

သုခါနုပ္ပဒါနကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၁၆-သောဠသမဝဂ္ဂ

(၁၅၉) ၄-အဓိဂယုမနသိကာရကထာ

၇၄၉။ \* အဓိဂယု မနသိ ကရေတီတိ၊ အာမန္တာ။ တေန စိတ္တေန တံ စိတ္တံ ပဇာနာတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန စိတ္တေန တံ စိတ္တံ ပဇာနာတီတိ။



အာမန္တာ။ တေန စိတ္တေန တံ စိတ္တံ “စိတ္တ”န္တိ ပဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။  
 တေန စိတ္တေန တံ စိတ္တံ “စိတ္တ”န္တိ ပဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ တံ စိတ္တံ တဿ  
 စိတ္တဿ အာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* တံ စိတ္တံ တဿ စိတ္တဿ အာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဖဿေန  
 တံ ဖဿံ ဖုသတိ၊ တာယ ဝေဒနာယ။ပ။ တာယ သညာယ။ တာယ  
 စေတနာယ။ တေန စိတ္တေန။ တေန ဝိတက္ကေန။ တေန ဝိစာရေန။ တာယ  
 ဝီတိယာ။ တာယ သတိယာ။ တာယ ပညာယ တံ ပညံ ပဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ  
 ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၇၅၀။ \* အတိတံ “အတိတ”န္တိ မနသိကရောက္ခော အနာဂတံ  
 “အနာဂတ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတိတံ “အတိတ”န္တိ  
 မနသိကရောက္ခော အနာဂတံ “အနာဂတ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။  
 ခြိန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ခြိန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အတိတံ “အတိတ”န္တိ မနသိကရောက္ခော ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ မနသိ  
 ကရောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတိတံ “အတိတ”န္တိ မနသိကရောက္ခော  
 ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ခြိန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ခြိန္တံ  
 စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အတိတံ “အတိတ”န္တိ မနသိကရောက္ခော အနာဂတံ “အနာဂတ”န္တိ  
 မနသိ ကရောတိ၊ ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။  
 အတိတံ “အတိတ”န္တိ မနသိကရောက္ခော အနာဂတံ “အနာဂတ”န္တိ မနသိ  
 ကရောတိ၊ ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။ တိဏ္ဍိ  
 ဖဿာနံ။ပ။ တိဏ္ဍိ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၇၅၁။ \* အနာဂတံ “အနာဂတ”န္တိ မနသိကရောက္ခော အတိတံ  
 “အတိတ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အနာဂတံ “အနာဂတ”န္တိ  
 မနသိကရောက္ခော၊ အတိတံ “အတိတ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ခြိန္တံ  
 ဖဿာနံ။ပ။ ခြိန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အနာဂတံ “အနာဂတ”န္တိ မနသိကရောက္ခော ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ  
 မနသိ ကရောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အနာဂတံ “အနာဂတ”န္တိ မနသိ-  
 ကရောက္ခော ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ၊ အာမန္တာ။ ခြိန္တံ  
 ဖဿာနံ။ပ။ ခြိန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



\* အနာဂတံ “အနာဂတ”န္တိ မနသိကရောန္တော အတိတံ “အတိတ”န္တိ မနသိ ကရောတိ။ ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အနာဂတံ “အနာဂတ”န္တိ မနသိကရောန္တော အတိတံ “အတိတ”န္တိ မနသိ ကရောတိ။ ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ။ အာမန္တာ။ တိဏ္ဍိ ဖဿာနံ။ ပ။ တိဏ္ဍိ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၇၅၂။ \* ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ မနသိကရောန္တော အတိတံ “အတိတ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ မနသိ- ကရောန္တော အတိတံ “အတိတ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ။ အာမန္တာ။ ဦန္တံ ဖဿာနံ။ ပ။ ဦန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ မနသိကရောန္တော အနာဂတံ “အနာဂတ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ မနသိကရောန္တော အနာဂတံ “အနာဂတ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ။ အာမန္တာ။ ဦန္တံ ဖဿာနံ။ ပ။ ဦန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ မနသိကရောန္တော အတိတံ “အတိတ”န္တိ မနသိ ကရောတိ။ အနာဂတံ “အနာဂတ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန္တံ “ပစ္စုပ္ပန္တ”န္တိ မနသိကရောန္တော အတိတံ “အတိတ”န္တိ မနသိ ကရောတိ။ အနာဂတံ “အနာဂတ”န္တိ မနသိ ကရောတိတိ။ အာမန္တာ။ တိဏ္ဍိ ဖဿာနံ။ ပ။ တိဏ္ဍိ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၇၅၃။ † န ဝတ္ထဗ္ဗေ “အဓိဂယ မနသိ ကရောတိ”တိ။ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထိ ဘဂဝတာ—

“သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနိစ္စာတိ။ ယဒါ ပညာယ ပဿတိ။

အထ နိဗ္ဗိန္ဒတိ ဒုက္ခေ။ ဒေသ မဂ္ဂေါ ဝိသုဒ္ဓိယာ။

သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ ဒုက္ခာတိ။ ယဒါ ပညာယ ပဿတိ။

အထ နိဗ္ဗိန္ဒတိ ဒုက္ခေ။ ဒေသ မဂ္ဂေါ ဝိသုဒ္ဓိယာ။

သဗ္ဗေ ဓမ္မာ အနတ္တာတိ။ ယဒါ ပညာယ ပဿတိ။

အထ နိဗ္ဗိန္ဒတိ ဒုက္ခေ။ ဒေသ မဂ္ဂေါ ဝိသုဒ္ဓိယာ”တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ။ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အဓိဂယ မနသိ ကရောတိတိ။

အဓိဂယမနသိကာရကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၁၆-သောဠသမဝဂ္ဂ

## (၁၆၀) ၅-ရူပံဟေတုတိကထာ

၇၅၄။ \* ရူပံ ဟေတုတိ၊ အာမန္တာ။ အလောဘော ဟေတုတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အဒေါသော ဟေတု။ ပ။ အမောဟော ဟေတု။ လောဘော ဟေတု။ ဒေါသော ဟေတု။ မောဟော ဟေတုတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ရူပံ ဟေတုတိ၊ အာမန္တာ။ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ နနု အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ ဟေတု”တိ။

၇၅၅။ \* အလောဘော ဟေတု သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ဟေတု သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အဒေါသော ဟေတု။ အမောဟော ဟေတု။ လောဘော ဟေတု။ ဒေါသော ဟေတု။ မောဟော ဟေတု သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ဟေတု သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ရူပံ ဟေတု အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အလောဘော ဟေတု အနာရမ္ပဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ရူပံ ဟေတု အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အဒေါသော ဟေတု။ အမောဟော ဟေတု။ လောဘော ဟေတု။ ဒေါသော ဟေတု။ မောဟော ဟေတု အနာရမ္ပဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၇၅၆။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပံ ဟေတု”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု မဟာဘူတာ ဥပါဒါယရူပါနံ ဥပါဒါယဟေတုတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ မဟာဘူတာ ဥပါဒါယ-  
ရူပါနံ ဥပါဒါယဟေတု။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ ဟေတု”တိ။

ရူပံဟေတုတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၁၆-သောဠသမဝဂ္ဂ

(၁၆၁) ၆-ရူပံသဟေတုကန္တိကထာ

၇၅၇။ \* ရူပံ သဟေတုကန္တိ၊ အာမန္တာ။ အလောဘဟေတုနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဒေါသဟေတုနာတိ။ပ။ အမောဟဟေတုနာတိ။ပ။ လောဘဟေတုနာ။ပ။ ဒေါသဟေတုနာ။ပ။ မောဟဟေတုနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပံ သဟေတုကန္တိ၊ အာမန္တာ။ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ သဟေတုက”န္တိ။

၇၅၈။ \* အလောဘော သဟေတုကော သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ သဟေတုကံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဒေါသော သဟေတုကော။ပ။ အမောဟော။ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။ သမာဓိ။ ပညာ။ လောဘော။ ဒေါသော။ မောဟော။ မာနော။ ဒိဋ္ဌိ။ ဝိစိကိစ္ဆာ။ ထိနံ။ ဥဒ္ဓစ္စံ။ အဟိရိကံ။ အနောတ္တပ္ပံ သဟေတုကံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ သဟေတုကံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပံ သဟေတုကံ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အလောဘော သဟေတုကော အနာရမ္ပဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပံ သဟေတုကံ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အဒေါသော သဟေတုကော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ သဟေတုကံ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၅၉။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပံ သဟေတုက”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ရူပံ သပ္ပစ္စယန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ရူပံ သပ္ပစ္စယံ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ သဟေတုက”န္တိ။

ရူပံ သဟေတုကန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၁၆-သောဠသမဝဂ္ဂ

## (၁၆၂) ၇-ရူပံကုသလကုသလန္တိကထာ

၇၆၀။ \* ရူပံကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နနု အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္ဇိ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ ကုသလ”န္တိ။

၇၆၁။ \* အလောဘော ကုသလော သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ကုသလံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အဒေါသော ကုသလော။ပ။ အမောဟော ကုသလော။ပ။ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။ သမာဓိ။ပ။ ပညာ ကုသလာ သာရမ္ပဏာ၊ အတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ကုသလံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပံ ကုသလံ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အလောဘော ကုသလော အနာရမ္ပဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပံ ကုသလံ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အဒေါသော ကုသလော။ပ။ ပညာ ကုသလာ အနာရမ္ပဏာ၊ နတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၆၂။ \* ရူပံ အကုသလန္တိ၊ အာမန္တာ။ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နနု အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္ဇိ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ အကုသလ”န္တိ။ပ။

၇၆၃။ \* လောဘော အကုသလော သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ အကုသလံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒေါသော။ မောဟော။ မာနော။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ အကုသလံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။



ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ အကုသလံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။  
ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပံ အကုသလံ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊  
အာမန္တာ။ လောဘော အကုသလော အနာရမ္ပဏော၊ နတ္ထိ တဿ  
အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပံ အကုသလံ အနာရမ္ပဏံ၊  
နတ္ထိ တဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒေါသော။ မောဟော။ပ။  
အနောတ္တပ္ပံ အကုသလံ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၆၄။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန  
ကာယကမ္မံ ဝစီကမ္မံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကာယကမ္မံ  
ဝစီကမ္မံ ကုသလမ္ပိ အကုသလမ္ပိ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ ကုသလမ္ပိ  
အကုသလမ္ပိ”တိ။

ရူပံ ကုသလာကုသလန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၁၆-သောဠသမဝဂ္ဂ

(၁၆၃) ဂ-ရူပံဝိပါကောတိကထာ

၇၆၅။ \* ရူပံ ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ သုခဝေဒနိယံ ဒုက္ခဝေဒနိယံ  
အဒုက္ခမသုခဝေဒနိယံ၊ သုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တံ ဒုက္ခာယ ဝေဒနာယ  
သမ္ပယုတ္တံ အဒုက္ခမသုခါယ ဝေဒနာယ သမ္ပယုတ္တံ၊ ဖဿေန သမ္ပယုတ္တံ။ပ။  
စိတ္တေန သမ္ပယုတ္တံ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန န သုခဝေဒနိယံ။ န ဒုက္ခဝေဒနိယံ။ပ။ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ  
တဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ န သုခဝေဒနိယံ။ န  
ဒုက္ခဝေဒနိယံ။ပ။ အနာရမ္ပဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ  
ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ ဝိပါကော”တိ။

၇၆၆။ \* ဖဿော ဝိပါကော။ ဖဿော သုခဝေဒနိယော။ ဒုက္ခဝေဒနိ-  
ယော။ပ။ သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။  
ရူပံ ဝိပါကော ရူပံ သုခဝေဒနိယံ။ ဒုက္ခဝေဒနိယံ။ပ။ သာရမ္ပဏံ၊ အတ္ထိ တဿ  
အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* ရူပံ ဝိပါကော၊ ရူပံ န သုခဝေဒနိယံ။ န ဒုက္ခဝေဒနိယံ။ ပ။ အနာရမ္မဏံ၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဖဿော ဝိပါကော၊ ဖဿော န သုခဝေဒနိယော။ န ဒုက္ခဝေဒနိယော။ ပ။ အနာရမ္မဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၇၆၇။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ရူပံ ဝိပါကော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ကမ္မဿ ကတတ္တာ ဥပ္ပန္နာ စိတ္တစေတသိကာ ဓမ္မာ ဝိပါကောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကမ္မဿ ကတတ္တာ ဥပ္ပန္နာ စိတ္တစေတသိကာ ဓမ္မာ ဝိပါကော။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ကမ္မဿ ကတတ္တာ ဥပ္ပန္နံ ရူပံ ဝိပါကော”တိ။

ရူပံ ဝိပါကောတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၆-သောဋ္ဌသမဝဂ္ဂ

#### (၁၆၄) ၉-ရူပံရူပါဝစရာရူပါဝစရန္တိကထာ

၇၆၈။ \* အတ္ထိ ရူပံ ရူပါဝစရန္တိ၊ အာမန္တာ။ သမာပတ္တေသိယံ ဥပပတ္တေသိယံ ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရံ၊ သမာပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရေန စိတ္တေန သဟဂတံ သဟဇာတံ သံသဋ္ဌံ သမ္ပယုတ္တံ ဧကုပ္ပါဒံ ဧကနိရောဓံ ဧကဝတ္ထုကံ ဧကာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ နနု န သမာပတ္တေသိယံ န ဥပပတ္တေသိယံ န ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရံ၊ န သမာပတ္တေသိယေန စိတ္တေန န ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန န ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရေန စိတ္တေန သဟဂတံ သဟဇာတံ သံသဋ္ဌံ သမ္ပယုတ္တံ ဧကုပ္ပါဒံ ဧကနိရောဓံ ဧကဝတ္ထုကံ ဧကာရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ န သမာပတ္တေသိယံ န ဥပပတ္တေသိယံ န ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရံ၊ န သမာပတ္တေသိယေန စိတ္တေန။ ပ။ ဧကာရမ္မဏံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ အတ္ထိ “ရူပံ ရူပါဝစရ”န္တိ။

၇၆၉။ \* အတ္ထိ ရူပံ အရူပါဝစရန္တိ၊ အာမန္တာ။ သမာပတ္တေသိယံ ဥပပတ္တေသိယံ ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရံ၊ သမာပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရေန စိတ္တေန သဟဂတံ သဟဇာတံ သံသဋ္ဌံ သမ္ပယုတ္တံ ဧကုပ္ပါဒံ ဧကနိရောဓံ ဧကဝတ္ထုကံ ဧကာရမ္မဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ နနု န သမာပတ္တေသိယံ န ဥပပတ္တေသိယံ န ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရံ၊ န သမာပတ္တေသိယေန



၁၆-သောဠသမဝဂ္ဂ (၁၆၅) ၁၀-ရူပါရူပဓာတုပရိယာပန္နကထာ ၃၉၁

စိတ္တေန။ပ။ ကောရမ္မဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ န သမာပတ္တေသိယံ န ဥပပတ္တေသိယံ။ပ။ ကေဝတ္ထုကံ ကောရမ္မဏံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ရူပံ အရူပါဝစရ”န္တိ။

၇၇၀။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ ရူပံ ရူပါဝစရံ၊ အတ္ထိ ရူပံ အရူပါဝစရ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ကာမာဝစရကမ္မဿ ကတတ္တာ ရူပံ ကာမာဝစရန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကာမာဝစရကမ္မဿ ကတတ္တာ ရူပံ ကာမာဝစရံ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပါဝစရကမ္မဿ ကတတ္တာ ရူပံ ရူပါဝစရံ၊ အရူပါဝစရကမ္မဿ ကတတ္တာ ရူပံ အရူပါဝစရ”န္တိ။

ရူပံ ရူပါဝစရာရူပါဝစရန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

### ၁၆-သောဠသမဝဂ္ဂ

#### (၁၆၅) ၁၀-ရူပါရူပဓာတုပရိယာပန္နကထာ

၇၇၁။ \* ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊ အာမန္တာ။ သမာပတ္တေသိယော ဥပပတ္တေသိယော ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရော၊ သမာပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရေန စိတ္တေန သဟဂတော သဟဇာတော သံသဠော သမ္ပယုတ္တော ကေုပ္ပါဒေါ ကေနိရောဓော ကေဝတ္ထုကော ကောရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နနု န သမာပတ္တေသိယော န ဥပပတ္တေသိယော န ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရော၊ န သမာပတ္တေသိယေန စိတ္တေန။ပ။ ကေဝတ္ထုကော ကောရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ န သမာပတ္တေသိယော န ဥပပတ္တေသိယော န ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရော၊ န သမာပတ္တေသိယေန စိတ္တေန။ပ။ ကေဝတ္ထုကော ကောရမ္မဏော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုပရိယာပန္နော”တိ။

၇၇၂။ \* ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊ အာမန္တာ။ သဒ္ဓရာဂေါ သဒ္ဓဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊ အာမန္တာ။ ဂန္ဓရာဂေါ။ပ။ ရသရာဂေါ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗရာဂေါ ဖောဠဗ္ဗဓာတုပရိယာပန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* သဒ္ဓရာဂေါ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သဒ္ဓဓာတုပရိယာပနော”တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပရာဂေါ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပဓာတုပရိယာပနော”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဂန္ဓရာဂေါ။ပ။ ရသရာဂေါ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗရာဂေါ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဖောဠဗ္ဗဓာတုပရိယာပနော”တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပရာဂေါ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပဓာတုပရိယာပနော”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၇၃။ \* အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုပရိယာပနောတိ၊ အာမန္တာ။ အရူပရာဂေါ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရူပဓာတုပရိယာပနော”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုပရိယာပနောတိ၊ အာမန္တာ။ သမာပတ္တေသိယော ဥပပတ္တေသိယော ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရော၊ သမာပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရေန စိတ္တေန သဟဂတော သဟဇာတော သံသဋ္ဌော သမ္ပယုတ္တော ဧကုပ္ပါဒေါ ဧကနိရောဓော ဧကဝတ္ထုကော ဧကာရမ္မဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန န သမာပတ္တေသိယော န ဥပပတ္တေသိယော န ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရော၊ န သမာပတ္တေသိယေန စိတ္တေန။ပ။ ဧကဝတ္ထုကော ဧကာရမ္မဏောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ န သမာပတ္တေသိယော န ဥပပတ္တေသိယော န ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရော၊ န သမာပတ္တေသိယေန စိတ္တေန န ဥပပတ္တေသိယေန စိတ္တေန န ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရေန စိတ္တေန သဟဂတော သဟဇာတော သံသဋ္ဌော သမ္ပယုတ္တော ဧကုပ္ပါဒေါ ဧကနိရောဓော ဧကဝတ္ထုကော ဧကာရမ္မဏော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုပရိယာပနော”တိ။

၇၇၄။ \* အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုပရိယာပနောတိ၊ အာမန္တာ။ သဒ္ဓရာဂေါ သဒ္ဓဓာတုပရိယာပနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုပရိယာပနောတိ၊ အာမန္တာ။ ဂန္ဓရာဂေါ။ပ။ ရသရာဂေါ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗရာဂေါ ဖောဠဗ္ဗဓာတုပရိယာပနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သဒ္ဓရာဂေါ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သဒ္ဓဓာတုပရိယာပနော”တိ၊ အာမန္တာ။ အရူပရာဂေါ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရူပဓာတုပရိယာပနော”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဂန္ဓရာဂေါ။ပ။ ရသရာဂေါ။ပ။ ဖောဠဗ္ဗရာဂေါ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဖောဠဗ္ဗဓာတုပရိယာပနော”တိ၊ အာမန္တာ။ အရူပရာဂေါ န ဝတ္တဗ္ဗံ “အရူပဓာတုပရိယာပနော”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၇၅။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုပရိယာပနော၊ အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုပရိယာပနော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ကာမရာဂေါ ကာမဓာတု-



ပရိယာပန္နောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ကာမရာဂေါ ကာမဓာတုပရိယာပန္နော၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုပရိယာပန္နော၊ အရူပရာဂေါ  
အရူပဓာတုပရိယာပန္နော”တိ။

ရူပရာဂေါ ရူပဓာတုပရိယာပန္နော အရူပရာဂေါ အရူပဓာတုပရိယာ-  
ပန္နောတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

သောဠသမော ဝဂ္ဂေါ။

### တဿုဒ္ဓါနံ

စိတ္တနိဂ္ဂဟော၊ စိတ္တပဂ္ဂဟော၊ သုခါနုပ္ပဒါနံ၊ အဓိဂယ မနသိကာရော၊ ရူပံ  
ဟေတု၊ ရူပံ သဟေတုကံ၊ ရူပံ ကုသလဗ္ဗိ အကုသလဗ္ဗိ၊ ရူပံ ဝိပါကော၊ အတ္ထိ  
ရူပံ ရူပါဝစရံ အတ္ထိ ရူပံ အရူပါဝစရံ၊ သဗ္ဗေ ကိလေသာ ကာမဓာတု-  
ပရိယာပန္နောတိ။

### ၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၆၆) ၁-အရဟတောပုညပစ္စယကထာ

၇၇၆။ \* အတ္ထိ အရဟတော ပုညပစ္စယောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ  
အရဟတော အပုညပစ္စယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နတ္ထိ အရဟတော  
အပုညပစ္စယောတိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ အရဟတော ပုညပစ္စယောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၇၇။ \* အတ္ထိ အရဟတော ပုညပစ္စယောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ ပုညာဘိ-  
သင်္ခါရံ အဘိသင်္ခရေတိ။ အာနေဉ္ဇာဘိသင်္ခါရံ အဘိသင်္ခရေတိ။ ဂတိသံဝတ္တနိယံ  
ကမ္မံ ကရေတိ။ ဘဝသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ ကရေတိ။ ဣဿရိယသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ  
ကရေတိ။ အဓိပစ္စသံဝတ္တနိယံ<sup>၁</sup> ကမ္မံ ကရေတိ။ မဟာဘောဂသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ  
ကရေတိ။ မဟာပရိဝါရသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ ကရေတိ။ ဒေဝသောဘဂ္ဂသံဝတ္တနိယံ  
ကမ္မံ ကရေတိ။ မနုဿသောဘဂ္ဂသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၇၈။ \* အတ္ထိ အရဟတော ပုညပစ္စယောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ  
အာစိနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရဟာ အပစိနာတိတိ၊ န ဟေဝံ



ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အရဟာ ပဇဟတိတိ။ပ။ အရဟာ ဥပါဒိယတိတိ။ပ။ အရဟာ  
ဝိသိနေတိတိ။ပ။ အရဟာ ဥဿိနေတိတိ။ပ။ အရဟာ ဝိရူပေတိတိ။ပ။ အရဟာ  
သန္တုပေတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန အရဟာ နေဝါစိနာတိ န အပစိနာတိ  
အပစိနိတွာ ဌိတောတိ။ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အရဟာ နေဝါစိနာတိ နာပစိနာတိ  
အပစိနိတွာ ဌိတော။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော  
ပုညပစယော”တိ။

\* နန အရဟာ နေဝ ပဇဟတိ န ဥပါဒိယတိ ပဇဟိတွာ ဌိတော၊ နေဝ  
ဝိသိနေတိ န ဥဿိနေတိ ဝိသိနေတွာ ဌိတော၊ နေဝ ဝိရူပေတိ န သန္တုပေတိ  
ဝိရူပေတွာ ဌိတောတိ။ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အရဟာ နေဝ ဝိရူပေတိ န သန္တုပေတိ  
ဝိရူပေတွာ ဌိတော။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ အရဟတော  
ပုညပစယော”တိ။

၇၇၉။ † နတ္ထိ အရဟတော ပုညပစယောတိ။ အာမန္တာ။ အရဟာ ဒါနံ  
ဒဒေယျာတိ။ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အရဟာ ဒါနံ ဒဒေယျ။ နော စ ဝတ ရေ  
ဝတ္ထဗ္ဗေ “နတ္ထိ အရဟတော ပုညပစယော”တိ။

† အရဟာ စိဝရံ ဒဒေယျ။ပ။ ပိဏ္ဍပါတံ ဒဒေယျ။ သေနာသနံ ဒဒေယျ။  
ဂိလာနပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒဒေယျ။ ခါဒနီယံ ဒဒေယျ။ ဘောဇနီယံ  
ဒဒေယျ။ ပါနီယံ ဒဒေယျ။ စေတိယံ ဝန္ဓေယျ။ စေတိယေ မာလံ အာရောပေယျ။  
ဂန္ဓံ အာရောပေယျ။ ဝိလေပနံ အာရောပေယျ။ပ။ စေတိယံ အဘိဒက္ခိဏံ<sup>၁</sup>  
ကရေယျာတိ။ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အရဟာ စေတိယံ အဘိဒက္ခိဏံ ကရေယျ။  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “နတ္ထိ အရဟတော ပုညပစယော”တိ။

အတ္ထိ အရဟတော ပုညပစယောတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၆၇) ၂-နတ္ထိအရဟတောအကာလမစ္စူတိကထာ

၇၈၀။ \* နတ္ထိ အရဟတော အကာလမစ္စူတိ။ အာမန္တာ။ နတ္ထိ အရဟန္တ-  
ဃာတကောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ အရဟန္တဃာတကောတိ။ အာမန္တာ။



အတ္ထိ အရဟတော အကာလမစ္စုတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နတ္ထိ အရဟတော အကာလမစ္စုတိ၊ အာမန္တာ။ ယော အရဟန္တံ ဇိဝိတာ ဝေါရောပေတိ၊ သတိ ဇိဝိတေ ဇိဝိတာဝသေသေ ဇိဝိတာ ဝေါရောပေတိ၊ အသတိ ဇိဝိတေ ဇိဝိတာဝသေသေ ဇိဝိတာ ဝေါရောပေတိတိ? သတိ ဇိဝိတေ ဇိဝိတာဝသေသေ ဇိဝိတာ ဝေါရောပေတိတိ။ ဟဉ္စိ သတိ ဇိဝိတေ ဇိဝိတာဝသေသေ ဇိဝိတာ ဝေါရောပေတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ အရဟတော အကာလမစ္စုတိ”တိ။ အသတိ ဇိဝိတေ ဇိဝိတာဝသေသေ ဇိဝိတာ ဝေါရောပေတိတိ။ နတ္ထိ အရဟန္တဿာတကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၈၁။ \* နတ္ထိ အရဟတော အကာလမစ္စုတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတော ကာယေ ဝိသံ န ကမေယျ၊ သတ္တံ န ကမေယျ၊ အဂ္ဂိ န ကမေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန အရဟတော ကာယေ ဝိသံ ကမေယျ၊ သတ္တံ ကမေယျ၊ အဂ္ဂိ ကမေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတော ကာယေ ဝိသံ ကမေယျ၊ သတ္တံ ကမေယျ၊ အဂ္ဂိ ကမေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ အရဟတော အကာလမစ္စုတိ”တိ။

\* အရဟတော ကာယေ ဝိသံ န ကမေယျ၊ သတ္တံ န ကမေယျ၊ အဂ္ဂိ န ကမေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ အရဟန္တဿာတကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၇၈၂။ † အတ္ထိ အရဟတော အကာလမစ္စုတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “နာဟံ ဘိက္ခဝေ သဉ္ဇေတနိကာနံ ကမ္မာနံ ကတာနံ ဥပစိတာနံ အပ္ပုဋ်သံဝေဒိတွာ ဗျန္တိဘာဝံ ဝဒါမိ။ တဉ္စ ခေါ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ ဥပပဇ္ဇံ ဝါ အပရေ ဝါ ပရိယာယေ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ နတ္ထိ အရဟတော အကာလမစ္စုတိ။

နတ္ထိ အရဟတော အကာလမစ္စုတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

## ၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ

### (၁၆၈) ၃-သဗ္ဗမိဒ်ကမ္မတောတိကထာ

၇၈၃။ \* သဗ္ဗမိဒ် ကမ္မတောတိ၊ အာမန္တာ၊ ကမ္မမ္ပိ ကမ္မတောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သဗ္ဗမိဒ် ကမ္မတောတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗမိဒ် ပုဗ္ဗေကတဟေတူတိ၊ န



ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။ သဗ္ဗမိဒံ ကမ္မတောတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗမိဒံ ကမ္မဝိပါကတောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။

၇၀၄။ \* သဗ္ဗမိဒံ ကမ္မဝိပါကတောတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မဝိပါကေန ပါဏံ  
ဟနေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ပါဏာတိပါတော သဖလောတိ၊ အာမန္တာ။  
ကမ္မဝိပါကော သဖလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။ ကမ္မဝိပါကော အဖလောတိ၊  
အာမန္တာ။ ပါဏာတိပါတော အဖလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။

\* ကမ္မဝိပါကေန အဒိန္နံ အာဒိယေယျ။ ပ။ မုဿာ ဘဏေယျ။ ပိသုဏံ  
ဘဏေယျ။ ဖရသံ ဘဏေယျ။ သမ္ပံ ပလပေယျ။ သန္နိံ ဆိန္ဒေယျ။ နိလ္လောပံ  
ဟရေယျ။ ကောဂါရိကံ ကရေယျ။ ပရိပန္နေ တိဋ္ဌေယျ။ ပရဒါရံ ဂစ္ဆေယျ။  
ဂါမဿာတကံ ကရေယျ။ နိဂမဿာတကံ ကရေယျ။ ကမ္မဝိပါကေန ဒါနံ  
ဒဒေယျ။ စီဝရံ ဒဒေယျ။ ပိဏ္ဍပါတံ ဒဒေယျ။ သေနာသနံ ဒဒေယျ။  
ဂိလာနပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒဒေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဂိလာနပစ္စယ-  
ဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရော သဖလောတိ၊ အာမန္တာ။ ကမ္မဝိပါကော သဖလောတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။ ကမ္မဝိပါကော အဖလောတိ၊ အာမန္တာ။ ဂိလာနပစ္စယ-  
ဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရော အဖလောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗျေ။ ပ။

၇၀၅။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သဗ္ဗမိဒံ ကမ္မတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ  
ဘဂဝတာ—

“ကမ္မုနာ ဝတ္တတိ” လောကော၊ ကမ္မုနာ ဝတ္တတိ” ပဇာ။  
ကမ္မုနိဗန္ဓနာ သတ္တာ၊ ရထဿာဏီဝ ယာယတော”။

ကမ္မေန ကိတ္တိံ လဘတေ ပသံသံ၊  
ကမ္မေန ဇာနိံ စ ဝဓဉ္စ ဗန္ဓံ။  
တံ ကမ္မံ နာနာကရဏံ ဝိဒိတွာ၊  
ကဿာ ဝဒေ နတ္ထိ ကမ္မန္တိ လောကေ”တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ သဗ္ဗမိဒံ ကမ္မတောတိ။  
သဗ္ဗမိဒံ ကမ္မတောတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၁-ဝတ္တတိ (ဣ၊က၊မ ၂-၄၁၂)၊ ဝတ္တတေ(?)

၂-မ ၂-၄၁၂-ဝိဇ္ဇေ၊ သုတ္တနိပါတေ ဝါသေဋ္ဌသုတ္တေပိ။



## ၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ

## (၁၆၉) ၄-ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓကထာ

၇၀၆။ \* ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓညေဝ ဒုက္ခန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓညေဝ အနိစ္စံ သင်္ခတံ ပဋိစ္စသမုပ္ပန္တံ ခယဓမ္မံ ဝယဓမ္မံ ဝိရာဂဓမ္မံ နိရောဓဓမ္မံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ နန အနိန္ဒြိယဗဒ္ဓံ အနိစ္စံ သင်္ခတံ ပဋိစ္စသမုပ္ပန္တံ ခယဓမ္မံ ဝယဓမ္မံ ဝိရာဂဓမ္မံ နိရောဓဓမ္မံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အနိန္ဒြိယဗဒ္ဓံ အနိစ္စံ သင်္ခတံ ပဋိစ္စသမုပ္ပန္တံ ခယဓမ္မံ ဝယဓမ္မံ ဝိရာဂဓမ္မံ နိရောဓဓမ္မံ ဝိပရိဏာမဓမ္မံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓညေဝ ဒုက္ခ”န္တိ။

\* အနိန္ဒြိယဗဒ္ဓံ အနိစ္စံ သင်္ခတံ ပဋိစ္စသမုပ္ပန္တံ။ ပ။ ဝိပရိဏာမဓမ္မံ တဉ္စ န ဒုက္ခန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓံ အနိစ္စံ သင်္ခတံ။ ပ။ ဝိပရိဏာမဓမ္မံ တဉ္စ န ဒုက္ခန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓံ အနိစ္စံ သင်္ခတံ။ ပ။ ဝိပရိဏာမဓမ္မံ တဉ္စ ဒုက္ခန္တိ<sup>၁</sup>၊ အာမန္တာ။ အနိန္ဒြိယဗဒ္ဓံ အနိစ္စံ သင်္ခတံ။ ပ။ ဝိပရိဏာမဓမ္မံ တဉ္စ ဒုက္ခန္တိ<sup>၂</sup>၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၇၀၇။ \* ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓညေဝ ဒုက္ခန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ယဒနိစ္စံ တံ ဒုက္ခံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ “အနိန္ဒြိယဗဒ္ဓံ အနိစ္စ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ယဒနိစ္စံ တံ ဒုက္ခံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ အနိန္ဒြိယဗဒ္ဓံ အနိစ္စံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓညေဝ ဒုက္ခ”န္တိ။

၇၀၈။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓညေဝ ဒုက္ခ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ယထာ ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓဿ ဒုက္ခဿ ပရိညာယ ဘဂဝတိ ဗြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ၊ ဧဝမေဝံ အနိန္ဒြိယဗဒ္ဓဿ ဒုက္ခဿ ပရိညာယ ဘဂဝတိ ဗြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ယထာ ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓံ ဒုက္ခံ ပရိညာတံ န ပုန ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဧဝမေဝံ အနိန္ဒြိယဗဒ္ဓံ ဒုက္ခံ ပရိညာတံ န ပုန ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓညေဝ ဒုက္ခန္တိ။

ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ

## (၁၇၀) ၅-ဌပေတွာအရိယမဂ္ဂန္တိကထာ

၇၈၉။ \* ဌပေတွာ အရိယမဂ္ဂံ အဝသေသာ သင်္ခါရာ ဒုက္ခာတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုက္ခသမုဒယောပိ ဒုက္ခောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ဒုက္ခသမုဒယောပိ ဒုက္ခောတိ၊ အာမန္တာ။ တိဏှေဝ အရိယသစ္စာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ တိဏှေဝ အရိယသစ္စာနီတိ၊ အာမန္တာ။ နန စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ “ဒုက္ခံ၊ ဒုက္ခသမုဒယော၊ ဒုက္ခနိရောဓော၊ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ ဒုက္ခံ၊ ဒုက္ခသမုဒယော၊ ဒုက္ခနိရောဓော၊ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “တိဏှေဝ အရိယသစ္စာနိ”တိ။

\* ဒုက္ခသမုဒယောပိ ဒုက္ခောတိ၊ အာမန္တာ။ ကေနဌေနာတိ အနိစ္စဌေန။ အရိယမဂ္ဂေါ အနိစ္စောတိ၊ အာမန္တာ။ အရိယမဂ္ဂေါ ဒုက္ခောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* အရိယမဂ္ဂေါ အနိစ္စော သော စ န ဒုက္ခောတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုက္ခသမုဒယော အနိစ္စော သော စ န ဒုက္ခောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ ဒုက္ခသမုဒယော အနိစ္စော သော စ ဒုက္ခောတိ၊ အာမန္တာ။ အရိယမဂ္ဂေါ အနိစ္စော သော စ ဒုက္ခောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၇၉၀။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ဌပေတွာ အရိယမဂ္ဂံ အဝသေသာ သင်္ခါရာ ဒုက္ခာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန သာ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သာ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဌပေတွာ အရိယမဂ္ဂံ အဝသေသာ သင်္ခါရာ ဒုက္ခာ”တိ။

ဌပေတွာ အရိယမဂ္ဂန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ

## (၁၇၁) ၆-နဝတ္ထဗ္ဗံသံသောဒက္ခိဏံပဋိဂ္ဂဏှာတိကထာ

၇၉၁။ \* န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သံသော ဒက္ခိဏံ ပဋိဂ္ဂဏှာတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန သံသော အာဟုနေယျော ပါဟုနေယျော ဒက္ခိဏေယျော အဗ္ဘလိကရဏီယော အနုတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သံသော အာဟုနေယျော



၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ (၁၇၂) ၇-နဝတ္ထဗ္ဗသံဃောဒက္ခိဏံ။ပ။ကထာ ၃၉၉

ပါဟုနေယျော ဒက္ခိဏေယျော အဗ္ဗလိကရဏီယော အနတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ  
လောကဿ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သံဃော ဒက္ခိဏံ ပဋိဂ္ဂဏှာတိ”တိ။

\* န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သံဃော ဒက္ခိဏံ ပဋိဂ္ဂဏှာတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန စတ္တာရော  
ပုရိသယုဂါ အဋ္ဌပုရိသပုဂ္ဂလာ ဒက္ခိဏေယျော ဝတ္ထာ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။  
ဟဉ္စိ စတ္တာရော ပုရိသယုဂါ အဋ္ဌ ပုရိသပုဂ္ဂလာ ဒက္ခိဏေယျော ဝတ္ထာ ဘဂဝတာ။  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သံဃော ဒက္ခိဏံ ပဋိဂ္ဂဏှာတိ”တိ။

\* န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သံဃော ဒက္ခိဏံ ပဋိဂ္ဂဏှာတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကေဓိ  
သံဃဿ ဒါနံ ဒေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကေဓိ သံဃဿ ဒါနံ  
ဒေန္တိ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သံဃော ဒက္ခိဏံ ပဋိဂ္ဂဏှာတိ”တိ။ နန  
အတ္ထိ ကေဓိ သံဃဿ စိဝရံ ဒေန္တိ။ပ။ ပိဏ္ဍပါတံ ဒေန္တိ။ သေနာသနံ ဒေန္တိ။  
ဂိလာနပစ္စယဘောသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒေန္တိ။ ခါဒနီယံ ဒေန္တိ။ ဘောဇနီယံ ဒေန္တိ။ပ။  
ပါနီယံ ဒေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကေဓိ သံဃဿ ပါနီယံ ဒေန္တိ။  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သံဃော ဒက္ခိဏံ ပဋိဂ္ဂဏှာတိ”တိ။

\* န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သံဃော ဒက္ခိဏံ ပဋိဂ္ဂဏှာတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ  
ဘဂဝတာ—

“အာဟုတိံ ဇာတဝေဒေါဝ၊ မဟာမေဃံဝ မေဒနီ။  
သံဃော သမာဓိသမ္ပန္နော၊ ပဋိဂ္ဂဏှာတိ ဒက္ခိဏ”န္တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ သံဃော ဒက္ခိဏံ ပဋိဂ္ဂဏှာ-  
တိတိ။

၇၉၂။ † သံဃော ဒက္ခိဏံ ပဋိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ ပဋိဂ္ဂဏှာတိ  
ဖလံ ပဋိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

န ဝတ္ထဗ္ဗံ သံဃော ဒက္ခိဏံ ပဋိဂ္ဂဏှာတိတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ

(၁၇၂) ၇-နဝတ္ထဗ္ဗသံဃောဒက္ခိဏံ။ပ။ ကထာ

၇၉၃။ \* န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သံဃော ဒက္ခိဏံ ဝိသောဓေတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန  
သံဃော အာဟုနေယျော ပါဟုနေယျော ဒက္ခိဏေယျော အဗ္ဗလိကရဏီယော



အနုတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သံဃော အာဟု-  
နေယျော။ပ။ အနုတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“သံဃော ဒက္ခိဏံ ဝိသောဓေတိ”တိ။

\* န ဝတ္တဗ္ဗံ “သံဃော ဒက္ခိဏံ ဝိသောဓေတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု၊ စတ္တာရော  
ပုရိသယုဂါ အဋ္ဌ ပုရိသပုဂ္ဂလာ ဒက္ခိဏေယျာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။  
ဟဉ္စိ စတ္တာရော ပုရိသယုဂါ အဋ္ဌ ပုရိသပုဂ္ဂလာ ဒက္ခိဏေယျာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ။  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သံဃော ဒက္ခိဏံ ဝိသောဓေတိ”တိ။

\* န ဝတ္တဗ္ဗံ “သံဃော ဒက္ခိဏံ ဝိသောဓေတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု အတ္ထိ ကေဓိ  
သံဃဿ ဒါနံ ဒတွာ ဒက္ခိဏံ အာရာဓေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကေဓိ  
သံဃဿ ဒါနံ ဒတွာ ဒက္ခိဏံ အာရာဓေန္တိ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သံဃော  
ဒက္ခိဏံ ဝိသောဓေတိ”တိ။

\* နနု အတ္ထိ ကေဓိ သံဃဿ စိဝရံ ဒတွာ။ပ။ ပိဏ္ဍပပါတံ ဒတွာ။ပ။ သေနာသနံ  
ဒတွာ ဂိလာနပစ္စယဘောသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒတွာ၊ ခါဒနီယံ ဒတွာ၊ ဘောဇနီယံ  
ဒတွာ။ပ။ ပါနီယံ ဒတွာ ဒက္ခိဏံ အာရာဓေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကေဓိ  
သံဃဿ ပါနီယံ ဒတွာ ဒက္ခိဏံ အာရာဓေန္တိ။ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“သံဃော ဒက္ခိဏံ ဝိသောဓေတိ”တိ။

၇၉၄။ † သံဃော ဒက္ခိဏံ ဝိသောဓေတိတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ  
ဝိသောဓေတိ ဖသံ ဝိသောဓေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

န ဝတ္တဗ္ဗံ သံဃော ဒက္ခိဏံ ဝိသောဓေတိတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၇၃) ၈-နဝတ္တဗ္ဗံသံဃောဘုဉ္ဇတိတိကထာ

၇၉၅။ \* န ဝတ္တဗ္ဗံ “သံဃော ဘုဉ္ဇတိ ပိဝတိ ခါဒတိ သာယတိ”တိ၊  
အာမန္တာ။ နနု အတ္ထိ ကေဓိ သံဃဘတ္တာနိ ကရေန္တိ ဥဒ္ဓေသဘတ္တာနိ ကရေန္တိ  
ယာဂုပါနာနိ ကရေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကေဓိ သံဃဘတ္တာနိ  
ကရေန္တိ ဥဒ္ဓေသဘတ္တာနိ ကရေန္တိ ယာဂုပါနာနိ ကရေန္တိ။ တေန ဝတ ရေ  
ဝတ္တဗ္ဗေ “သံဃော ဘုဉ္ဇတိ ပိဝတိ ခါဒတိ သာယတိ”တိ။



၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ (၁၇၄) ၉-နဝတ္ထဗ္ဗံ။ပ။ မဟပ္ပလန္တိကထာ ၄၀၁

\* န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သံဃော ဘုဇ္ဇတိ ပိဝတိ ခါဒတိ သာယတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဂဏဘောဇနံ ပရမ္ပရဘောဇနံ အတိရိတ္တဘောဇနံ အနတိရိတ္တဘောဇနံ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ ဂဏဘောဇနံ ပရမ္ပရဘောဇနံ အတိရိတ္တဘောဇနံ အနတိရိတ္တဘောဇနံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သံဃော ဘုဇ္ဇတိ ပိဝတိ ခါဒတိ သာယတိ”တိ။

\* န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သံဃော ဘုဇ္ဇတိ ပိဝတိ ခါဒတိ သာယတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု အဋ္ဌ ပါနာနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ “အဗ္ဗပါနံ ဇမ္ဗုပါနံ စောစပါနံ မောစပါနံ မရုကပါနံ” မုဒ္ဒိကပါနံ သာလုကပါနံ ဖာရသကပါနံ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အဋ္ဌ ပါနာနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ အဗ္ဗပါနံ ဇမ္ဗုပါနံ စောစပါနံ မောစပါနံ မရုကပါနံ မုဒ္ဒိကပါနံ သာလုကပါနံ ဖာရသကပါနံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သံဃော ဘုဇ္ဇတိ ပိဝတိ ခါဒတိ သာယတိ”တိ။

၇၉၆။ † သံဃော ဘုဇ္ဇတိ ပိဝတိ ခါဒတိ သာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ မဂ္ဂေါ ဘုဇ္ဇတိ ပိဝတိ ခါဒတိ သာယတိ၊ ဖလံ ဘုဇ္ဇတိ ပိဝတိ ခါဒတိ သာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

န ဝတ္ထဗ္ဗံ သံဃော ဘုဇ္ဇတိတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ

(၁၇၄) ၉-နဝတ္ထဗ္ဗံ။ပ။ မဟပ္ပလန္တိကထာ

၇၉၇။ \* န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သံဃဿ ဒိန္နံ မဟပ္ပလ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု သံဃော အာဟုနေယျော ပါဟုနေယျော ဒက္ခိဏေယျော အဉ္စလိကရဏီယော အနတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သံဃော အာဟုနေယျော။ပ။ အနတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သံဃဿ ဒိန္နံ မဟပ္ပလ”န္တိ။

\* န ဝတ္ထဗ္ဗံ “သံဃဿ ဒိန္နံ မဟပ္ပလ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု စတ္တာရော ပုရိသယုဂါ အဋ္ဌ ပုရိသပုဂ္ဂလာ ဒက္ခိဏေယျော ဝုတ္တာ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ စတ္တာရော ပုရိသယုဂါ အဋ္ဌ ပုရိသပုဂ္ဂလာ ဒက္ခိဏေယျော ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “သံဃဿ ဒိန္နံ မဟပ္ပလ”န္တိ။

၁-မရပါနံ (သီ၊ သျာ၊ ကံ၊ ဣ)



၇၉၈။ \* န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “သံဃဿ ဒိန္နံ မဟပ္ပလ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ  
ဘဂဝတာ “သံဃေ ဂေါတမိ ဒေဟိ၊ သံဃေ တေ ဒိန္နေ အဟဉ္ဇေဝ ပူဇိတော  
ဘဝိဿာမိ သံဃော စာ”တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ  
“သံဃဿ ဒိန္နံ မဟပ္ပလ”န္တိ။

\* န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “သံဃဿ ဒိန္နံ မဟပ္ပလ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန သက္ကော  
ဒေဝါနမိန္ဒော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—

“ယဇမာနံ မနုဿာနံ၊ ပုညပေက္ခာန ပါဏိနံ။  
ကရောတံ ဩပဓိကံ ပုညံ၊ ကတ္ထ ဒိန္နံ မဟပ္ပလ”န္တိ။

“စတ္တာရော စ ပဋိပန္နာ၊ စတ္တာရော စ ဖလေ ဌိတာ။  
ဧသ သံဃော ဥဇုဘူတော၊ ပညာသီလသမာဟိတော။

ယဇမာနံ မနုဿာနံ၊ ပုညပေက္ခာန ပါဏိနံ။  
ကရောတံ ဩပဓိကံ ပုညံ၊ သံဃေ ဒိန္နံ မဟပ္ပလ”န္တိ<sup>၂</sup>။

“ဧသော ဟိ သံဃော ဝိပုလော မဟဂ္ဂတော၊  
ဧသပ္ပမေယျော ဥဒဓိဝ သာဂရော။  
ဧတေဟိ သေဋ္ဌာ နရဝီရသာဝကာ<sup>၃</sup>၊  
ပဘင်္ဂရာ ဓမ္မမုဒီရယန္တိ။

တေသံ သုဒိန္နံ သုဟုတံ သုယိဋ္ဌံ၊  
ယေ သံဃမုဒ္ဓိဿ ဒေန္တိ ဒါနံ။  
သာ ဒက္ခိဏာ သံဃဂတာ ပတိဋ္ဌိတာ၊  
မဟပ္ပလာ လောကဝိဒူန ဝဏ္ဏိတာ။

တောဒိသံ ယညမနုဿရန္တာ၊  
ယေ ဝေဒဇာတာ ဝိဟရန္တိ<sup>၄</sup> လောကေ။  
ဝိနေယျ မစ္ဆေရမလံ သမူလံ၊  
အနိန္ဒိတာ သဂ္ဂမုပေန္တိ ဌာန”န္တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ သံဃဿ ဒိန္နံ မဟပ္ပလန္တိ။

န ဝတ္ထုဗ္ဗံ သံဃဿ ဒိန္နံ မဟပ္ပလန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ

(၁၇၅) ၁၀-နဝတ္ထဗ္ဗဗုဒ္ဓဿဒိန္နမဟပ္ပလန္တိကထာ

၇၉၉။ \*န ဝတ္ထဗ္ဗ “ဗုဒ္ဓဿ ဒိန္န မဟပ္ပလ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါဒ္ဓိပဒါနံ အဂ္ဂေါ ဒ္ဓိပဒါနံ သေဋ္ဌော ဒ္ဓိပဒါနံ ပမောက္ခော ဒ္ဓိပဒါနံ ဥတ္တမော ဒ္ဓိပဒါနံ ပဝရော အသမော အသမသမော အပ္ပုဋ္ဌသမော အပ္ပုဋ္ဌဘာဂေါ အပ္ပုဋ္ဌ-ပုဂ္ဂလောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဘဂဝါ ဒ္ဓိပဒါနံ အဂ္ဂေါ ဒ္ဓိပဒါနံ သေဋ္ဌော ဒ္ဓိပဒါနံ ပမောက္ခော ဒ္ဓိပဒါနံ ဥတ္တမော ဒ္ဓိပဒါနံ ပဝရော အသမော အသမသမော အပ္ပုဋ္ဌသမော အပ္ပုဋ္ဌဘာဂေါ အပ္ပုဋ္ဌပုဂ္ဂလော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဗုဒ္ဓဿ ဒိန္န မဟပ္ပလ”န္တိ။

\*န ဝတ္ထဗ္ဗ “ဗုဒ္ဓဿ ဒိန္န မဟပ္ပလ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ ဗုဒ္ဓေန သမသမော သီလေန သမာဓိနာ ပညာယာတိ၊ နတ္ထိ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ ကောစိ ဗုဒ္ဓေန သမသမော သီလေန သမာဓိနာ ပညာယ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဗုဒ္ဓဿ ဒိန္န မဟပ္ပလ”န္တိ။

\*န ဝတ္ထဗ္ဗ “ဗုဒ္ဓဿ ဒိန္န မဟပ္ပလ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“နယိမသ္မိံ ဝါ လောကေ ပရသ္မိံ ဝါ ပန၊  
ဗုဒ္ဓေန သေဋ္ဌော စ သမော စ ဝိဇ္ဇတိ။  
ယမာဟုနေယျာနံ အဂ္ဂတံ ဂတော၊  
ပုညတ္ထိကာနံ ဝိပုလပ္ပလေသိန”န္တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဗုဒ္ဓဿ ဒိန္န မဟပ္ပလန္တိ။

န ဝတ္ထဗ္ဗ ဗုဒ္ဓဿ ဒိန္န မဟပ္ပလန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၁၇-သတ္တရသမဝဂ္ဂ

(၁၇၆) ၁၁-ဒက္ခိဏာဝိသုဒ္ဓိကထာ

၈၀၀။ \*ဒါယကတောဝ ဒါနံ ဝိသုဇ္ဈတိ နော ပဋိဂ္ဂါဟကတောတိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ ကေစိ ပဋိဂ္ဂါဟကာ အာဟုနေယျာ ပါဟုနေယျာ ဒက္ခိဏေယျာ အဗ္ဗလိကရဏီယာ အနတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿာတိ၊



အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကေဓိ ပဋိဂ္ဂါဟကော အာဟုနေယျာ ပါဟုနေယျာ ဒက္ခိဏေယျာ အဗ္ဗလိကရဏီယာ အနုတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဒါယကတောဝ ဒါနံ ဝိသုဇ္ဈတိ နော ပဋိဂ္ဂါဟကတော”တိ။

\* ဒါယကတောဝ ဒါနံ ဝိသုဇ္ဈတိ နော ပဋိဂ္ဂါဟကတောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု စတ္တာရော ပုရိသယုဂါ အဋ္ဌ ပုရိသပုဂ္ဂလာ ဒက္ခိဏေယျာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ စတ္တာရော ပုရိသယုဂါ အဋ္ဌ ပုရိသပုဂ္ဂလာ ဒက္ခိဏေယျာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဒါယကတောဝ ဒါနံ ဝိသုဇ္ဈတိ နော ပဋိဂ္ဂါဟကတော”တိ။

\* ဒါယကတောဝ ဒါနံ ဝိသုဇ္ဈတိ နော ပဋိဂ္ဂါဟကတောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အတ္ထိ ကေဓိ သောတာပန္နေ ဒါနံ ဒတွာ ဒက္ခိဏံ အာရာဓေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကေဓိ သောတာပန္နေ ဒါနံ ဒတွာ ဒက္ခိဏံ အာရာဓေန္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဒါယကတောဝ ဒါနံ ဝိသုဇ္ဈတိ နော ပဋိဂ္ဂါဟကတော”တိ။

\* နနု အတ္ထိ ကေဓိ သကဒါဂါမိဿ။ပ။ အနာဂါမိဿ။ပ။ အရဟတော ဒါနံ ဒတွာ ဒက္ခိဏံ အာရာဓေန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ကေဓိ အရဟတော ဒါနံ ဒတွာ ဒက္ခိဏံ အာရာဓေန္တိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဒါယကတောဝ ဒါနံ ဝိသုဇ္ဈတိ နော ပဋိဂ္ဂါဟကတော”တိ။

၈၀၁။ † ပဋိဂ္ဂါဟကတော ဒါနံ ဝိသုဇ္ဈတိတိ၊ အာမန္တာ။ အညော အညဿ ကာရကော၊ ပရကတံ သုခဒုက္ခံ၊ အညော ကရောတိ အညော ပဋိသံဝေဒေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဒါယကတောဝ ဒါနံ ဝိသုဇ္ဈတိ နော ပဋိဂ္ဂါဟကတောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “စတဿော ခေါ ဣမာ အာနန္ဒ ဒက္ခိဏာ ဝိသုဒ္ဓိယော။ ကတမာ စတဿော၊ အတ္တာနန္ဒ ဒက္ခိဏာ ဒါယကတော ဝိသုဇ္ဈတိ နော ပဋိဂ္ဂါဟကတော၊ အတ္တာနန္ဒ ဒက္ခိဏာ ပဋိဂ္ဂါဟကတော ဝိသုဇ္ဈတိ နော ဒါယကတော၊ အတ္တာနန္ဒ ဒက္ခိဏာ ဒါယကတော စေဝ ဝိသုဇ္ဈတိ ပဋိဂ္ဂါဟကတော စ၊ အတ္တာနန္ဒ ဒက္ခိဏာ နေဝ ဒါယကတော ဝိသုဇ္ဈတိ နော ပဋိဂ္ဂါဟကတော၊ ဣမာ ခေါ အာနန္ဒ စတဿော ဒက္ခိဏာ ဝိသုဒ္ဓိယော”တိ။



အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဒါယကတောဝ ဒါနံ  
ဝိသုဇ္ဈတိ နော ပဋိဂ္ဂဟကတော”တိ။

ဒက္ခိဏာဝိသုဒ္ဓိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

သတ္တရသမော ဝဂ္ဂေါ။

### တသုဒ္ဓါနံ

အတ္ထိ အရဟတော ပုညပစ္စယော၊ နတ္ထိ အရဟတော အကာလမစ္စ၊ သဗ္ဗမိဒံ  
ကမ္မတော၊ ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓညေဝ ဒုက္ခံ၊ ဌပေတွာ အရိယမဂ္ဂံ အဝသေသာ သင်္ခါရာ  
ဒုက္ခာ၊ သံဃော ဒက္ခိဏံ ပဋိဂ္ဂဏှာတိ၊ သံဃော ဒက္ခိဏံ ဝိသောဓေတိ၊ သံဃော  
ဘုဇ္ဇတိ ပိဝတိ ခါဒတိ သာယတိ၊ သံဃဿ ဒိန္နံ မဟပ္ပလံ၊ အတ္ထိ ဒါနံ  
ဝိသုဒ္ဓိယာတိ။

### ၁၈-အဋ္ဌာရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၇၇) ၁-မနုဿလောကကထာ

၈၀၂။ \* န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ မနုဿလောကေ အဋ္ဌာသီ”တိ၊  
အာမန္တာ။ နနု အတ္ထိ ဗုဒ္ဓဝုတ္တာနိ စေတိယာနိ အာရာမဝိဟာရဂါမနိဂမနဂရာနိ  
ရဋ္ဌာနိ ဇနပဒါနိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ဗုဒ္ဓဝုတ္တာနိ စေတိယာနိ အာရာမ-  
ဝိဟာရဂါမနိဂမနဂရာနိ ရဋ္ဌာနိ ဇနပဒါနိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗုဒ္ဓေါ  
ဘဂဝါ မနုဿလောကေ အဋ္ဌာသီ”တိ။

\* န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ မနုဿလောကေ အဋ္ဌာသီ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု  
ဘဂဝါ လုမ္ဗိနိယာ ဇာတော၊ ဗောဓိယာ မူလေ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါ၊ ဗာရာဏသီယံ  
ဘဂဝတာ ဓမ္မစက္ကံ ပဝတ္တိတံ၊ စာပါလေ စေတိယေ အာယုသင်္ခါရော ဩဿဋ္ဌော၊  
ကုသိနာရာယံ ဘဂဝါ ပရိနိဗ္ဗုတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဘဂဝါ လုမ္ဗိနိယာ  
ဇာတော။ ပ။ ကုသိနာရာယံ ဘဂဝါ ပရိနိဗ္ဗုတော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ မနုဿလောကေ အဋ္ဌာသီ”တိ။

\* န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ မနုဿလောကေ အဋ္ဌာသီ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု  
ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဧကမိဒါဟံ ဘိက္ခဝေ သမယံ ဥက္ကဋ္ဌာယံ ဝိဟရာမိ သုဘဂဝနေ



သာလရာဇမူလေ”တိ။ “ဧကမိဒါဟံ ဘိက္ခဝေ သမယံ ဥရုဝေလာယံ ဝိဟရာမိ အဇပါလနိဂြောဓေ ပဌမာဘိသမ္ပုဒ္ဓေါ”တိ။ “ဧကမိဒါဟံ ဘိက္ခဝေ သမယံ ရာဇဂဟေ ဝိဟရာမိ ဝေဠုဝနေ ကလန္တကနိဝါပေ”တိ။ “ဧကမိဒါဟံ ဘိက္ခဝေ သမယံ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရာမိ ဇေတဝနေ အနာထပိဏ္ဍိကဿ အာရာမေ”တိ။ “ဧကမိဒါဟံ ဘိက္ခဝေ သမယံ ဝေသာလိယံ ဝိဟရာမိ မဟာဝနေ ကုဋ္ဌာဂါရ-သာလာယ”န္တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ မနုဿလောကေ အဋ္ဌာသီတိ။

၈၀၃။ †ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ မနုဿလောကေ အဋ္ဌာသီတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါ လောကေ ဇာတော၊ လောကေ သံဝဇော၊ လောကံ အဘိဘုယျ ဝိဟရတိ အနုပလိတ္တော လောကေနာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ဘဂဝါ လောကေ ဇာတော၊ လောကေ သံဝဇော၊ လောကံ အဘိဘုယျ ဝိဟရတိ အနုပလိတ္တော လောကေန၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ မနုဿလောကေ အဋ္ဌာသီ”တိ။

မနုဿလောကကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၈-အဋ္ဌာရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၇၈) ၂-ဓမ္မဒေသနာကထာ

၈၀၄။ \* န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဗုဒ္ဓေန ဘဂဝတာ ဓမ္မော ဒေသိတော”တိ၊ အာမန္တာ။ ကေန ဒေသိတောတိ၊ အဘိနိဗ္ဗိတေန ဒေသိတောတိ။ အဘိနိဗ္ဗိတော ဇိနော သတ္တာ သမ္မာသမ္ပုဒ္ဓေါ သဗ္ဗညူ သဗ္ဗဒဿာဝိ ဓမ္မဿာမီ ဓမ္မပ္ပဋိသရဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဗုဒ္ဓေန ဘဂဝတာ ဓမ္မော ဒေသိတော”တိ၊ အာမန္တာ။ ကေန ဒေသိတောတိ၊ အာယသ္မတာ အာနန္ဒေန ဒေသိတောတိ။ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဇိနော သတ္တာ သမ္မာသမ္ပုဒ္ဓေါ သဗ္ဗညူ သဗ္ဗဒဿာဝိ ဓမ္မဿာမီ ဓမ္မပ္ပဋိသရဏောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၈၀၅။ \* န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဗုဒ္ဓေန ဘဂဝတာ ဓမ္မော ဒေသိတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္တံ ဘဂဝတာ “သိခိတ္တေနပိ ခေါ အဟံ သာရိပုတ္တ ဓမ္မံ ဒေသေယံ။



ဝိတ္တာရေနပိ ခေါ် အဟံ သာရိပုတ္တ ဓမ္မံ ဒေသေယံ၊ သံဝိတ္တဝိတ္တာရေနပိ ခေါ် အဟံ သာရိပုတ္တ ဓမ္မံ ဒေသေယံ၊ အညာတာရော စ ဒုလ္လဘာ”တိ” အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဗုဒ္ဓေန ဘဂဝတာ ဓမ္မော ဒေသိတောတိ။

၈၀၆။ \* န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဗုဒ္ဓေန ဘဂဝတာ ဓမ္မော ဒေသိတော”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အဘိညာယာဟံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မံ ဒေသေမိ နော အနဘိညာယ၊ သနိဒါနာဟံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မံ ဒေသေမိ နော အနိဒါနံ၊ သပ္ပာဋိဟာရိယာဟံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မံ ဒေသေမိ နော အပ္ပာဋိဟာရိယံ။ တဿ ၂ မယံ ဘိက္ခဝေ အဘိညာယ ဓမ္မံ ဒေသယတော နော အနဘိညာယ သနိဒါနံ ဓမ္မံ ဒေသယတော နော အနိဒါနံ သပ္ပာဋိဟာရိယံ ဓမ္မံ ဒေသယတော နော အပ္ပာဋိဟာရိယံ ကရဏီယော ဩဝါဒေါ ကရဏီယာ အနုသာသနီ၊ အလဉ္စ ပန ဝေါ ဘိက္ခဝေ တုဋ္ဌိယာ အလံ အတ္တမနတာယ အလံ သောမနဿာယ ‘သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ သွာက္ခာတော ဓမ္မော သုပ္ပုဋ္ဌိပန္နော သံဃော’တိ။ ဣမသ္မိ” စ ပန ဝေယျာ-ကရဏသ္မိ” ဘညမာနေ ဒသသဟဿိလောကဓာတု အကမ္ပိတ္တာ”တိ” အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဗုဒ္ဓေန ဘဂဝတာ ဓမ္မော ဒေသိတောတိ။

ဓမ္မဒေသနာကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၈-အဋ္ဌာရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၇၉) ၃-ကရုဏာကထာ

၈၀၇။ \* နတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ကရုဏာတိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော မေတ္တာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ကရုဏာတိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော မုဒိတာ။ပ။ ဥပေက္ခာတိ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော မေတ္တာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ကရုဏာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော မုဒိတာ။ပ။ ဥပေက္ခာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ကရုဏာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\* နတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ကရုဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ဘဂဝါ အကာရုဏိ-  
ကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန ဘဂဝါ ကာရုဏိကော လောကဟိတော  
လောကာနုကမ္ပကော လောကတ္ထစရောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဘဂဝါ  
ကာရုဏိကော လောကဟိတော လောကာနုကမ္ပကော လောကတ္ထစရော၊ နော  
စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ကရုဏာ”တိ။ပ။

\* နတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ကရုဏာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဘဂဝါ မဟာ-  
ကရုဏာသမာပတ္တိံ သမာပဇ္ဇိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဘဂဝါ မဟာကရုဏာ-  
သမာပတ္တိံ သမာပဇ္ဇိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော  
ကရုဏာ”တိ။

၈၀၈။ † အတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ကရုဏာတိ၊ အာမန္တာ။ ဘဂဝါ  
သရာဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ နတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော  
ကရုဏာတိ။

ကရုဏာကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၈-အဋ္ဌာရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၈၀) ၄-ဂန္ဓဇာတိကထာ

၈၀၉။ \* ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဥစ္စာရပဿာဝေါ အတိဝိယ အညေ  
ဂန္ဓဇာတေ အဓိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဘဂဝါ ဂန္ဓဘောဇိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန ဘဂဝါ ဩဒနကုမ္မာသံ ဘုဉ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဘဂဝါ  
ဩဒနကုမ္မာသံ ဘုဉ္ဇတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော  
ဥစ္စာရပဿာဝေါ အတိဝိယ အညေ ဂန္ဓဇာတေ အဓိဂ္ဂဏှာတိ”တိ။

\* ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဥစ္စာရပဿာဝေါ အတိဝိယ အညေ ဂန္ဓဇာတေ  
အဓိဂ္ဂဏှာတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကေဝိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ဥစ္စာရပဿာဝံ  
နာယန္တိ ဝိလိမ္ပန္တိ ဥစ္ဆာဒေန္တိ ပေဋ္ဌာယ ပဋိသာမေန္တိ ကရုဏာယ နိက္ခိပန္တိ  
အာပဏေ ပဿာရေန္တိ၊ တေန စ ဂန္ဓေန ဂန္ဓကရုဏီယံ ကရောန္တိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ဂန္ဓဇာတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၁၈-အဋ္ဌာရသမဝဂ္ဂ

(၁၈၁) ၅-ဧကမဂ္ဂကထာ

၈၁၀။ \* ဧကေန အရိယမဂ္ဂေန စတ္တာရိ သာမညဖလာနိ သန္တိကရေတိတိ အာမန္တာ။ စတုန္တံ ဖဿာနံ။ ပ။ စတုန္တံ သညာနံ သမောဓာနံ ဟေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဧကေန အရိယမဂ္ဂေန စတ္တာရိ သာမညဖလာနိ သန္တိကရေတိတိ အာမန္တာ။ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သကဒါဂါမိ။ ပ။ အနာဂါမိမဂ္ဂေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ကတမေန မဂ္ဂေနာတိ၊ အရဟတ္တမဂ္ဂေနာတိ။ အရဟတ္တမဂ္ဂေန သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ ဝိစိကိန္တံ သီလဗ္ဗတပရာမာသံ ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အရဟတ္တမဂ္ဂေန သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ ဝိစိကိန္တံ သီလဗ္ဗတပရာမာသံ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု တိဏ္ဍံ သံယောဇနာနံ ပဟာနံ သောတာပတ္တိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ တိဏ္ဍံ သံယောဇနာနံ ပဟာနံ သောတာပတ္တိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတ္တမဂ္ဂေန သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ ဝိစိကိန္တံ သီလဗ္ဗတပရာမာသံ ဇဟတိ”တိ။

\* အရဟတ္တမဂ္ဂေန ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အရဟတ္တမဂ္ဂေန ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ကာမရာဂဗျာပါဒါနံ တနုဘာဝံ သကဒါဂါမိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ကာမရာဂဗျာပါဒါနံ တနုဘာဝံ သကဒါဂါမိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတ္တမဂ္ဂေန ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ ဩဋ္ဌာရိကံ ဗျာပါဒံ ဇဟတိ”တိ။

\* အရဟတ္တမဂ္ဂေန အဏုသဟဂတံ ကာမရာဂံ အဏုသဟဂတံ ဗျာပါဒံ ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အရဟတ္တမဂ္ဂေန အဏုသဟဂတံ ကာမရာဂံ အဏုသဟဂတံ ဗျာပါဒံ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ကာမရာဂဗျာပါဒါနံ အနဝသေသပ္ပဟာနံ အနာဂါမိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ကာမရာဂဗျာပါဒါနံ အနဝသေသပ္ပဟာနံ အနာဂါမိဖလံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတ္တမဂ္ဂေန အဏုသဟဂတံ ကာမရာဂံ အဏုသဟဂတံ ဗျာပါဒံ ဇဟတိ”တိ။

၈၁၁။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဧကေန အရိယမဂ္ဂေန စတ္တာရိ သာမညဖလာနိ သန္တိကရေတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ ဘဂဝတာ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ ဘာဝိတောတိ၊



အာမန္တာ။ ဘဂဝါ သောတာပန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဘဂဝတာ သကဒါဂါမိ။ပ။ အနာဂါမိမဂ္ဂေါ ဘာဝိတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဘဂဝါ အနာဂါမီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၈၁၂။ \* ဘဂဝါ ဧကေန အရိယမဂ္ဂေန စတ္တာရိ သာမညဗလင်္ခနိ သစ္စိကရောတိ၊ သာဝကာ စတူဟိ အရိယမဂ္ဂဟိ စတ္တာရိ သာမညဗလင်္ခနိ သစ္စိကရောန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သာဝကာ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော အဒိဋ္ဌံ ဒက္ခန္တိ အနဓိဂတံ အဓိဂစ္ဆန္တိ အသစ္စိကတံ သစ္စိကရောန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

ဧကမဂ္ဂကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၈-အဋ္ဌာရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၈၂) ၆-ဈာနသင်္ကန္တိကထာ

၈၁၃။ \* ဈာနာ ဈာနံ သင်္ကမတီတိ၊ အာမန္တာ။ ပဌမာ ဈာနာ တတိယံ ဈာနံ သင်္ကမတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ဈာနာ ဈာနံ သင်္ကမတီတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုတိယာ ဈာနာ စတုတ္ထံ ဈာနံ သင်္ကမတီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ပဌမာ ဈာနာ ဒုတိယံ ဈာနံ သင်္ကမတီတိ၊ အာမန္တာ။ ယာ ပဌမဿ ဈာနဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ သာဝ ဒုတိယဿ ဈာနဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ပဌမာ ဈာနာ ဒုတိယံ ဈာနံ သင်္ကမတိ၊ န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ယာ ပဌမဿ ဈာနဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ သာဝ ဒုတိယဿ ဈာနဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ”တိ၊ အာမန္တာ။ ဒုတိယံ ဈာနံ အာဝဇ္ဇန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ အပ္ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နနု ဒုတိယံ ဈာနံ အာဝဇ္ဇန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဒုတိယံ ဈာနံ အာဝဇ္ဇန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပဌမာ ဈာနာ ဒုတိယံ ဈာနံ သင်္ကမတိ”တိ။ပ။

\* ပဌမာ ဈာနာ ဒုတိယံ ဈာနံ သင်္ကမတီတိ၊ အာမန္တာ။ ပဌမံ ဈာနံ ကာမေ အာဒိနဝတော မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုတိယံ ဈာနံ ကာမေ အာဒိနဝတော မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



\* ပဌမံ ဈာနံ သဝိတက္ကံ သဝိစာရန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒုတိယံ ဈာနံ သဝိတက္ကံ သဝိစာရန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပဌမာ ဈာနာ ဒုတိယံ ဈာနံ သင်္ကမတိတိ၊ အာမန္တာ။ တညေဝ ပဌမံ ဈာနံ တံ ဒုတိယံ ဈာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၁၄။ \* ဒုတိယာ ဈာနာ တတိယံ ဈာနံ သင်္ကမတိတိ၊ အာမန္တာ။ ယာ ဒုတိယဿ ဈာနဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ သာဝ တတိယဿ ဈာနဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဒုတိယာ ဈာနာ တတိယံ ဈာနံ သင်္ကမတိ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ယာ ဒုတိယဿ ဈာနဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ သာဝ တတိယဿ ဈာနဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ”တိ၊ အာမန္တာ။ တတိယံ ဈာနံ အနာဝဇ္ဇန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ အပ္ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန တတိယံ ဈာနံ အာဝဇ္ဇန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ တတိယံ ဈာနံ အာဝဇ္ဇန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဒုတိယာ ဈာနာ တတိယံ ဈာနံ သင်္ကမတိ”တိ။

\* ဒုတိယာ ဈာနာ တတိယံ ဈာနံ သင်္ကမတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုတိယံ ဈာနံ ဝိတက္ကဝိစာရေ အာဒိနဝတော မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။ တတိယံ ဈာနံ ဝိတက္ကဝိစာရေ အာဒိနဝတော မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဒုတိယံ ဈာနံ သပ္ပိတိကန္တိ၊ အာမန္တာ။ တတိယံ ဈာနံ သပ္ပိတိကန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒုတိယာ ဈာနာ တတိယံ ဈာနံ သင်္ကမတိတိ၊ အာမန္တာ။ တညေဝ ဒုတိယံ ဈာနံ တံ တတိယံ ဈာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၁၅။ \* တတိယာ ဈာနာ စတုတ္ထံ ဈာနံ သင်္ကမတိတိ၊ အာမန္တာ။ ယာ တတိယဿ ဈာနဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ သာဝ စတုတ္ထဿ ဈာနဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

တတိယာ ဈာနာ စတုတ္ထံ ဈာနံ သင်္ကမတိ၊ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ယာ တတိယဿ ဈာနဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ၊ သာဝ စတုတ္ထဿ ဈာနဿ ဥပ္ပါဒါယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိမိ”တိ၊ အာမန္တာ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ အနာဝဇ္ဇန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ အပ္ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန စတုတ္ထံ ဈာနံ အာဝဇ္ဇန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ၊ အာမန္တာ။



ဟဉ္စိ စတုတ္ထံ ဈာနံ အာဝဇ္ဇန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ပ။ ပဏိဒဟန္တဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “တတိယာ ဈာနာ စတုတ္ထံ ဈာနံ သင်္ကမတိ”တိ။

\* တတိယာ ဈာနာ စတုတ္ထံ ဈာနံ သင်္ကမတိတိ။ အာမန္တာ။ တတိယံ ဈာနံ ပီတိံ အာဒိနဝတော မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ။ အာမန္တာ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ ပီတိံ အာဒိနဝတော မနသိကရောတော ဥပ္ပဇ္ဇတိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* တတိယံ ဈာနံ သုခသဟဂတန္တိ။ အာမန္တာ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ သုခသဟဂတန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တတိယာ ဈာနာ စတုတ္ထံ ဈာနံ သင်္ကမတိတိ။ အာမန္တာ။ တညေဝ တတိယံ ဈာနံ တံ စတုတ္ထံ ဈာနန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၁၆။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဈာနာ ဈာနံ သင်္ကမတိ”တိ။ အာမန္တာ။ နန ဝတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပိဝိစ္စေဝ ကာမေဟိ။ပ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ပိဟရတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ။ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဈာနာ ဈာနံ သင်္ကမတိတိ။

ဈာနသင်္ကန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၈-အဋ္ဌာရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၈၃) ၇-ဈာနန္တရိကကထာ

၈၁၇။ အတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ။ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဖဿန္တရိကာ။ပ။ အတ္ထိ သညန္တရိကာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ။ အာမန္တာ။ ဒုတိယဿ စ ဈာနဿ တတိယဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ အတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ။ အာမန္တာ။ တတိယဿ စ ဈာနဿ စတုတ္ထဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ အတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဒုတိယဿ စ ဈာနဿ တတိယဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ နတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ။ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဒုတိယဿ စ ဈာနဿ တတိယဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ နတ္ထိ ဈာနန္တရိကာ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ဈာနန္တရိကာ”တိ။



\* တတိယဿ စ ဈာနဿ စတုတ္ထဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ နတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ တတိယဿ စ ဈာနဿ စတုတ္ထဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ နတ္ထိ ဈာနန္တရိကာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ဈာနန္တရိကာ”တိ။

၈၁၈။ \* ပဌမဿ စ ဈာနဿ ဒုတိယဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ အတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုတိယဿ စ ဈာနဿ တတိယဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ အတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ပဌမဿ စ ဈာနဿ ဒုတိယဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ အတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ အာမန္တာ။ တတိယဿ စ ဈာနဿ စတုတ္ထဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ အတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဒုတိယဿ စ ဈာနဿ တတိယဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ နတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ အာမန္တာ။ ပဌမဿ စ ဈာနဿ ဒုတိယဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ နတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* တတိယဿ စ ဈာနဿ စတုတ္ထဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ နတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ အာမန္တာ။ ပဌမဿ စ ဈာနဿ ဒုတိယဿ စ ဈာနဿ အန္တရေ နတ္ထိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၈၁၉။ အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ အာမန္တာ။ သဝိတက္ကော သဝိစာရေ သမာဓိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ အာမန္တာ။ အဝိတက္ကော အဝိစာရေ သမာဓိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သဝိတက္ကော သဝိစာရေ သမာဓိ န ဈာနန္တရိကာတိ၊ အာမန္တာ။ အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ န ဈာနန္တရိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အဝိတက္ကော အဝိစာရေ သမာဓိ န ဈာနန္တရိကာတိ၊ အာမန္တာ။ အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ န ဈာနန္တရိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၈၂၀။ \* ဦး၌ ဈာနာနံ ပဋုပ္ပန္နာနမန္တရေ အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အဝိတက္ကေ ဝိစာရမတ္တေ သမာဓိမ္ပိ ဝတ္တမာနေ ပဌမံ ဈာနံ နိရုဉ္စိ ဒုတိယံ ဈာနံ ပဋုပ္ပန္နန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အဝိတက္ကေ



ဝိစာရမတ္တော သမာဓိမိ ဝတ္တမာနေ ပဌမံ ဈာနံ နိရုဒ္ဓံ ဒုတိယံ ဈာနံ ပဋုပ္ပန္နံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဒိန္နံ ဈာနာနံ ပဋုပ္ပန္နာနမန္တရေ အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ ဈာနန္တရိကာ”တိ။

၈၂၁။ † အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ န ဈာနန္တရိကာတိ၊ အာမန္တာ။ အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ ပဌမံ ဈာနံ။ ပ။ ဒုတိယံ ဈာနံ။ ပ။ တတိယံ ဈာနံ။ ပ။ စတုတ္ထံ ဈာနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ ဈာနန္တရိကာတိ။

၈၂၂။ \* အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ ဈာနန္တရိကာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု တယော သမာဓိ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ “သဝိတက္ကော သဝိစာရော သမာဓိ၊ အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ၊ အဝိတက္ကော အဝိစာရော သမာဓိ”တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ တယော သမာဓိ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ “သဝိတက္ကော။ ပ။ အဝိစာရော သမာဓိ”၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အဝိတက္ကော ဝိစာရမတ္တော သမာဓိ ဈာနန္တရိကာ”တိ။

ဈာနန္တရိကာကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၈-အဋ္ဌာရသမဝဂ္ဂ

#### (၁၈၄) ၈-သဒ္ဓိသုဏာတိတိကထာ

၈၂၃။ \* သမာပန္နော သဒ္ဓိ သုဏာတိတိ၊ အာမန္တာ။ သမာပန္နော စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ။ ပ။ သောတေန။ ပ။ သာနေန။ ပ။ ဇိဝှါယ။ ပ။ ကာယေန ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သမာပန္နော သဒ္ဓိ သုဏာတိတိ၊ အာမန္တာ။ သောတဝိညာဏသမင်္ဂိ သမာပန္နောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ နနု သမာဓိ မနောဝိညာဏသမင်္ဂိဿာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သမာဓိ မနောဝိညာဏသမင်္ဂိဿ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမာပန္နော သဒ္ဓိ သုဏာတိ”တိ။

\* သမာဓိ မနောဝိညာဏသမင်္ဂိဿ၊ သောတဝိညာဏသမင်္ဂိ သဒ္ဓိ သုဏာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သမာဓိ မနောဝိညာဏသမင်္ဂိဿ၊ သောတဝိညာဏသမင်္ဂိ သဒ္ဓိ သုဏာတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမာပန္နော သဒ္ဓိ



သုဏာတိ”တိ။ သမာဓိ မနောဝိညာဏသမင်္ဂိယ၊ သောတဝိညာဏသမင်္ဂိ သဒ္ဓိ သုဏာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ခြိန္တံ ဖဿာနံ။ပ။ ခြိန္တံ စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၂၄။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သမာပန္နော သဒ္ဓိ သုဏာတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ပဌမဿ ဈာနဿ သဒ္ဓေါ ကဏ္ဍကော ဝုတ္တော ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပဌမဿ ဈာနဿ သဒ္ဓေါ ကဏ္ဍကော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သမာပန္နော သဒ္ဓိ သုဏာတိ”တိ။

၈၂၅။ \* ပဌမဿ ဈာနဿ သဒ္ဓေါ ကဏ္ဍကော ဝုတ္တော ဘဂဝတာတိ သမာပန္နော သဒ္ဓိ သုဏာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဒုတိယဿ ဈာနဿ ဝိတက္ကော ဝိစာရေ ကဏ္ဍကော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ အတ္ထိ တဿ ဝိတက္ကဝိစာရတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ပဌမဿ ဈာနဿ သဒ္ဓေါ ကဏ္ဍကော ဝုတ္တော ဘဂဝတာတိ သမာပန္နော သဒ္ဓိ သုဏာတိတိ၊ အာမန္တာ။ တတိယဿ ဈာနဿ ဝီတိ ကဏ္ဍကော။ပ။ စတုတ္ထဿ ဈာနဿ အဿာသပဿာသော ကဏ္ဍကော။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ သမာပန္နဿ ရူပသညာ ကဏ္ဍကော။ ဝိညာဏဉ္စာယတနံ သမာပန္နဿ အာကာသာနဉ္စာယတနသညာ ကဏ္ဍကော။ အာကိဉ္စညာယတနံ သမာပန္နဿ ဝိညာဏဉ္စာယတနသညာ ကဏ္ဍကော။ နေဝသညာနာသညာယတနံ သမာပန္နဿ အာကိဉ္စညာယတနသညာ ကဏ္ဍကော။ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ သမာပန္နဿ သညာ စ ဝေဒနာ စ ကဏ္ဍကော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ အတ္ထိ တဿ သညာ စ ဝေဒနာ စာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

သဒ္ဓိ သုဏာတိတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၁၈-အဋ္ဌာရသမဝဂ္ဂ

(၁၈၅) ၉-စက္ခုနာ ရူပံပဿတိတိကထာ

၈၂၆။ \* စက္ခုနာ ရူပံပဿတိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပေန ရူပံ ပဿတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပေန ရူပံ ပဿတိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပေန ရူပံ ပဋိဝိဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပေန ရူပံ ပဋိဝိဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ



မနောဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိတိ၊ အာမန္တာ။  
 အတ္ထိ စက္ခုဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန နတ္ထိ  
 စက္ခုဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ စက္ခုဿ  
 အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ”တိ။

\*သောတေန သဒ္ဓိ သုဏာတိတိ။ပ။ သာနေန ဂန္ဓံ သာယတိတိ။ပ။  
 ဇိဌါယ ရသံ သာယတိတိ။ပ။ ကာယေန ဖောဠဗ္ဗံ ဖုသတိတိ၊ အာမန္တာ။  
 ရူပေန ရူပံ ဖုသတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\*ရူပေန ရူပံ ဖုသတိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပေန ရူပံ ပဋိဝိဇာနာတိတိ၊ န  
 ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ရူပေန ရူပံ ပဋိဝိဇာနာတိတိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ မနော-  
 ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ကာယေန ဖောဠဗ္ဗံ ဖုသတိတိ၊ အာမန္တာ။  
 အတ္ထိ ကာယဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန နတ္ထိ  
 ကာယဿ အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နတ္ထိ ကာယဿ  
 အာဝဋ္ဋနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ကာယေန ဖောဠဗ္ဗံ  
 ဖုသတိ”တိ။ပ။

၇၂၇။ †န ဝတ္ထဗ္ဗံ “စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ”တိ။ပ။ “ကာယေန ဖောဠဗ္ဗံ  
 ဖုသတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္ထံ ဘဂဝတာ “ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စက္ခုနာ ရူပံ  
 ပဿတိ။ပ။ ကာယေန ဖောဠဗ္ဗံ ဖုသတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။  
 တေန ဟိ စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ။ပ။ ကာယေန ဖောဠဗ္ဗံ ဖုသတိတိ။

စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိတိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

အဋ္ဌာရသမော ဝဂ္ဂေါ။

### တသုဒ္ဓါနံ

ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ မနုဿလောကေ အဋ္ဌာသိ၊ ဗုဒ္ဓေန ဘဂဝတာ ဓမ္မော  
 ဒေသိတော၊ နတ္ထိ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော ကရုဏာ၊ ဗုဒ္ဓဿ ဘဂဝတော  
 ဥစ္စာရပဿာဝေါ အတိဝိယ အညေ ဂန္ဓဇာတေ အဓိဂ္ဂဏှာတိ၊ ဧကေန  
 အရိယမဂ္ဂေန စတ္တာရိ သာမညဖလာနိ သစ္စိကရောတိ၊ ဈာနာ ဈာနံ သင်္ကမတိ၊  
 အတ္ထိ ဈာနန္တရိကာ၊ သမာပန္နော သဒ္ဓိ သုဏာတိ၊ စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ  
 ကာယေန ဖောဠဗ္ဗံ ဖုသတိ။



၁၉-ဧကုနဝိသတိမဝဂ္ဂ

(၁၈၆) ၁-ကိလေသဇဟနကထာ

၈၂၈။ \* အတိတေ ကိလေသေ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ နိရုဒ္ဓံ နိရောဓေတိ  
ဝိဂတံ ဝိဂမေတိ ဒီဏံ ခေပေတိ အတ္တင်္ဂတံ အတ္တင်္ဂမေတိ အပ္ပတ္တင်္ဂတံ  
အပ္ပတ္တင်္ဂမေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အတိတေ ကိလေသေ ဇဟတိတိ၊  
အာမန္တာ။ နနု အတိတံ နိရုဒ္ဓန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတိတံ နိရုဒ္ဓံ၊ နော  
စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတိတေ ကိလေသေ ဇဟတိ”တိ။ အတိတေ ကိလေသေ  
ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အတိတံ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတိတံ နတ္ထိ၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတိတေ ကိလေသေ ဇဟတိ”တိ။

၈၂၉။ \* အနာဂတေ ကိလေသေ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ အဇာတံ  
အဇနေတိ အသဉ္ဇာတံ အသဉ္ဇနေတိ အနိဗ္ဗတ္တံ အနိဗ္ဗတ္တေတိ အပါတုဘူတံ  
အပါတုဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အနာဂတေ ကိလေသေ ဇဟတိတိ၊  
အာမန္တာ။ နနု အနာဂတံ အဇာတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာဂတံ အဇာတံ၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အနာဂတေ ကိလေသေ ဇဟတိ”တိ။ အနာဂတေ  
ကိလေသေ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အနာဂတံ နတ္ထိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ  
အနာဂတံ နတ္ထိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အနာဂတေ ကိလေသေ  
ဇဟတိ”တိ။

၈၃၀။ \* ပစ္စုပ္ပန္နေ ကိလေသေ ဇဟတိတိ၊ အာမန္တာ။ ရတ္တော ရာဂံ  
ဇဟတိ၊ ဒုဋ္ဌော ဒေါသံ ဇဟတိ၊ မူဋ္ဌော မောဟံ ဇဟတိ၊ ကိလိဋ္ဌော ကိလေသေ  
ဇဟတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ ရာဂေန ရာဂံ ဇဟတိ၊ ဒေါသေန ဒေါသံ  
ဇဟတိ၊ မောဟေန မောဟံ ဇဟတိ၊ ကိလေသေဟိ ကိလေသေ ဇဟတိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ရာဂေါ စိတ္တသမ္ပယုတ္တော၊ မဂ္ဂေါ စိတ္တသမ္ပယုတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ခြိန္တံ  
စိတ္တာနံ သမောဓာနံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* ရာဂေါ အကုသလော မဂ္ဂေါ ကုသလောတိ၊ အာမန္တာ။ ကုသလာ-  
ကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏ္ဍသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ  
သမ္ပုဒ္ဓိဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။



\* ကုသလာကုသလာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဟိနပဏီတာ ကဏ္ဍသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ သမ္ပုဒ်ဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ သုဝိဒူရဝိဒူရာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ နဘဉ္စ ဘိက္ခဝေ ပထဝီ စ ဣဒံ ပဌမံ သုဝိဒူရဝိဒူရံ။ ပ။ တသ္မာ သတံ ဓမ္မော အသတ္တိ အာရကာ”တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ကုသလာကုသလာ။ ပ။ သမ္ပုဒ်ဘာဝံ အာဂစ္ဆန္တိ”တိ။

၈၃၁။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတိတေ ကိလေသေ ဇဟတိ အနာဂတေ ကိလေသေ ဇဟတိ ပစ္စုပ္ပန္နေ ကိလေသေ ဇဟတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ ကိလေသေ ဇဟတိ”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ တေန ဟိ အတိတေ ကိလေသေ ဇဟတိ၊ အနာဂတေ ကိလေသေ ဇဟတိ၊ ပစ္စုပ္ပန္နေ ကိလေသေ ဇဟတိတိ။

ကိလေသဇဟနကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၉-ကျေနဗိသတိမဝဂ္ဂ

#### (၁၈၇) ၂-သုညတာကထာ

၈၃၂။ \* သုညတာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနာတိ၊ အာမန္တာ။ အနိမိတ္တံ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သုညတာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနာတိ၊ အာမန္တာ။ အပ္ပဏိဟိတော သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အနိမိတ္တံ န ဝတ္တဗ္ဗံ “သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန”န္တိ၊ အာမန္တာ။ သုညတာ န ဝတ္တဗ္ဗာ “သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနာ”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အပ္ပဏိဟိတော န ဝတ္တဗ္ဗာ “သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနော”တိ၊ အာမန္တာ။ သုညတာ န ဝတ္တဗ္ဗာ “သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနာ”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သုညတာ “သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနာ”တိ၊ အာမန္တာ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓော န အနိစ္စော န သင်္ခတော န ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နော န ခယဓမ္မော န ဝယဓမ္မော န ဝိရာဂဓမ္မော န နိရောဓဓမ္မော န ဝိပရိဏာမဓမ္မောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ နနု သင်္ခါရက္ခန္ဓော အနိစ္စော သင်္ခတော ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နော ခယဓမ္မော ဝယဓမ္မော ဝိရာဂဓမ္မော နိရောဓဓမ္မော ဝိပရိဏာမဓမ္မောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သင်္ခါရက္ခန္ဓော အနိစ္စော။ ပ။ ဝိပရိဏာမဓမ္မော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သုညတာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပနာ”တိ။



၈၃၃။ \* ရူပက္ခန္ဓဿ သုညတာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓဿ သုညတာ ရူပက္ခန္ဓပရိယာပန္နာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဝေဒနာက္ခန္ဓဿ။ ပ။ သညာက္ခန္ဓဿ။ ဝိညာဏက္ခန္ဓဿ သုညတာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နာတိ၊ အာမန္တာ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓဿ သုညတာ ဝိညာဏက္ခန္ဓပရိယာပန္နာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သင်္ခါရက္ခန္ဓဿ သုညတာ န ဝတ္တဗ္ဗာ “ရူပက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ”တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပက္ခန္ဓဿ သုညတာ န ဝတ္တဗ္ဗာ “သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သင်္ခါရက္ခန္ဓဿ သုညတာ န ဝတ္တဗ္ဗာ “ဝေဒနာက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ”။ ပ။ သညာက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ။ ဝိညာဏက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ”တိ၊ အာမန္တာ။ ဝိညာဏက္ခန္ဓဿ သုညတာ န ဝတ္တဗ္ဗာ “သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ”တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၈၃၄။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သုညတာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝတ္တံ ဘဂဝတာ “သုညမိဒံ ဘိက္ခဝေ သင်္ခါရာ အတ္တေန ဝါ အတ္တနိယေန ဝါ”တိ၊ အတ္တေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ သုညတာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နာတိ။

သုညတာကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၁၉-ကျေနပ်သတိမဝဂ္ဂ

(၁၈၈) ၃-သာမညဗလကထာ

၈၃၅။ \* သာမညဗလံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ တာဏံ လေဏံ သရဏံ ပရာယဏံ အစ္စုတံ အမတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သာမညဗလံ အသင်္ခတံ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ခွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ တာဏာနိ။ ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၈၃၆။ \* သာမညဗလံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ သာမညံ အသင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သာမညံ သင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ သာမညဗလံ သင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။



\* သောတာပတ္တိဖလံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ အသင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါ သင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပတ္တိဖလံ သင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သကဒါဂါမိဖလံ။ပ။ အနာဂါမိဖလံ။ပ။ အရဟတ္တဖလံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တမဂ္ဂေါ အသင်္ခတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရဟတ္တမဂ္ဂေါ သင်္ခတောတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတ္တဖလံ သင်္ခတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* သောတာပတ္တိဖလံ အသင်္ခတံ သကဒါဂါမိဖလံ။ပ။ အနာဂါမိဖလံ။ပ။ အရဟတ္တဖလံ အသင်္ခတံ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပဉ္စ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပဉ္စ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ပဉ္စ တာဏာနိ။ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

သာမညုဖလကထာ နိဋ္ဌိတာ။

### ၁၉-ကျေနဝိသတိမဝဂ္ဂ

#### (၁၈၉) ၄-ပတ္တိကထာ

၈၃၇။ \* ပတ္တိ အသင်္ခတာတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ တာဏံ လေဏံ သရဏံ ပရာယဏံ အစူတံ အမတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပတ္တိ အသင်္ခတာ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ခွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ တာဏာနိ။ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၃၈။ \* စိဝရဿ ပတ္တိ အသင်္ခတာတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ။ပ။ အမတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ စိဝရဿ ပတ္တိ အသင်္ခတာ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ခွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ တာဏာနိ။ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပိဏ္ဍပါတဿ။ပ။ သေနာသနဿ။ပ။ ဂိလာနပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရဿ ပတ္တိ အသင်္ခတာတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ။ပ။ အစူတံ အမတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဂိလာနပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရဿ ပတ္တိ အသင်္ခတာ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ခွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ တာဏာနိ။ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



\*စိဝရဿ ပတ္တိ အသင်္ခတာ။ပ။ ပိဏ္ဏပါတဿ။ပ။ သေနာသနဿ။ပ။  
ဂိလာနပစ္စယဘောသဇ္ဇပရိက္ခာရဿ ပတ္တိ အသင်္ခတာ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊  
အာမန္တာ။ ပဉ္စ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပဉ္စ အသင်္ခတာနီတိ၊  
အာမန္တာ။ ပဉ္စ တာဏာနိ။ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၃၉။ \*ပဌမဿ ဈာနဿ ပတ္တိ အသင်္ခတာ။ (ဧဝံ သဗ္ဗံ ပိတ္တာရေတဗ္ဗံ။)  
ဒုတိယဿ ဈာနဿ။ တတိယဿ ဈာနဿ။ စတုတ္ထဿ ဈာနဿ။  
အာကာသာနဉ္စာယတနဿ။ ဝိညာဏဉ္စာယတနဿ။ အာကိဉ္စညာယတနဿ။  
နေဝသညာနာသညာယတနဿ။ သောတာပတ္တိမဂ္ဂဿ။ သောတာပတ္တိဖလဿ။  
သကဒါဂါမိမဂ္ဂဿ။ သကဒါဂါမိဖလဿ။ အနာဂါမိမဂ္ဂဿ။ အနာဂါမိဖလဿ။  
အရဟတ္တမဂ္ဂဿ။ အရဟတ္တဖလဿ ပတ္တိ အသင်္ခတာတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ။ပ။  
အစ္စုတံ အမတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အရဟတ္တဖလဿ ပတ္တိ အသင်္ခတာ၊  
နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
ခွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ခွေ တာဏာနိ။ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

. \*သောတာပတ္တိမဂ္ဂဿ ပတ္တိ အသင်္ခတာ။ သောတာပတ္တိဖလဿ ပတ္တိ  
အသင်္ခတာ။ပ။ အရဟတ္တမဂ္ဂဿ ပတ္တိ အသင်္ခတာ။ အရဟတ္တဖလဿ ပတ္တိ  
အသင်္ခတာ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နဝ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နဝ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ နဝ တာဏာနိ။ပ။ အန္တရိကာ  
ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၄၀။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပတ္တိ အသင်္ခတာ”တိ၊ အာမန္တာ။ ပတ္တိ ရူပံ။ ဝေဒနာ။  
သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ ပတ္တိ အသင်္ခတာတိ။  
ပတ္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၁၉-ကျေနပ်သတိမဝဂ္ဂ

(၁၉၀) ၅-တထတာကထာ

၈၄၁။ \*သဗ္ဗဓမ္မာနံ တထတာ အသင်္ခတာတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ။ပ။  
အမတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သဗ္ဗဓမ္မာနံ တထတာ အသင်္ခတာ၊ နိဗ္ဗာနံ



အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒွေ  
အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ တာဏာနိ။ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၄၂။ \* ရူပဿ ရူပတာ၊ နန ရူပတာ အသင်္ခတာတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ။ပ။  
အမတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ရူပဿ ရူပတာ၊ နန ရူပတာ အသင်္ခတာ  
နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
ဒွေ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွေ တာဏာနိ။ပ။ အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဝေဒနာယ ဝေဒနတာ၊ နန ဝေဒနတာ။ပ။ သညာယ သညတာ၊ နန  
သညတာ။ပ။ သင်္ခါရာနံ သင်္ခါရတာ၊ နန သင်္ခါရတာ။ပ။ ဝိညာဏဿ  
ဝိညာဏတာ၊ နန ဝိညာဏတာ အသင်္ခတာတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနံ။ပ။  
အမတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ရူပဿ ရူပတာ၊ နန ရူပတာ။ပ။ ဝိညာဏဿ ဝိညာဏတာ၊ နန  
ဝိညာဏတာ အသင်္ခတာ၊ နိဗ္ဗာနံ အသင်္ခတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဆ အသင်္ခတာနီတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဆ အသင်္ခတာနီတိ၊ အာမန္တာ။ ဆ တာဏာနိ။ပ။  
အန္တရိကာ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၄၃။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “သဗ္ဗဓမ္မာနံ တထတာ အသင်္ခတာ”တိ၊ အာမန္တာ။  
သဗ္ဗဓမ္မာနံ တထတာ ရူပံ။ ဝေဒနာ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏန္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ သဗ္ဗဓမ္မာနံ တထတာ အသင်္ခတာတိ။

တထတာကထာ နိဋ္ဌိတာ။

၁၉-ကျေနဗိသတိမဝဂ္ဂ

(၁၉၁) ၆-ကုသလကထာ

၈၄၄။ \* နိဗ္ဗာနဓာတု ကုသလာတိ၊ အာမန္တာ။ သာရမ္ပဏာ၊ အတ္ထိ တာယ  
အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန အနာရမ္ပဏာ၊ နတ္ထိ  
တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အနာရမ္ပဏာ၊ နတ္ထိ



တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နိဗ္ဗာနဓာတု ကုသလာ”တိ။

၈၄၅။ \* အလောဘော ကုသလော သာရမ္ပဏော၊ အတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနဓာတု ကုသလာ သာရမ္ပဏာ၊ အတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အဒေါသော ကုသလော။ပ။ အမောဟော ကုသလော။ပ။ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။ သမာဓိ။ပ။ ပညာ ကုသလာ သာရမ္ပဏာ၊ အတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ နိဗ္ဗာနဓာတု ကုသလာ သာရမ္ပဏာ၊ အတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* နိဗ္ဗာနဓာတု ကုသလာ အနာရမ္ပဏာ၊ နတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အလောဘော ကုသလော အနာရမ္ပဏော၊ နတ္ထိ တဿ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နိဗ္ဗာနဓာတု ကုသလာ အနာရမ္ပဏာ၊ နတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ အာမန္တာ။ အဒေါသော ကုသလော။ပ။ အမောဟော ကုသလော။ပ။ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။ သမာဓိ။ပ။ ပညာ ကုသလာ အနာရမ္ပဏာ၊ နတ္ထိ တာယ အာဝဇ္ဇနာ။ပ။ ပဏိဓိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၄၆။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “နိဗ္ဗာနဓာတု ကုသလာ”တိ၊ အာမန္တာ။ နန နိဗ္ဗာနဓာတု အနဝဇ္ဇာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ နိဗ္ဗာနဓာတု အနဝဇ္ဇာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နိဗ္ဗာနဓာတု ကုသလာ”တိ။

ကုသလကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၁၉-ကျေနပ်သတိမဝဂ္ဂ

(၁၉၂) ၇-အစ္စန္ဒနိယာမကထာ

၈၄၇။ \* အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အစ္စန္ဒနိယာမတာတိ၊ အာမန္တာ။ မာတုဃာ-  
တကော အစ္စန္ဒနိယတော။ ပိတုဃာတကော။ပ။ အရဟန္တဃာတကော။ပ။  
ရဟိရပ္ပါဒကော။ပ။ သံဃဘေဒကော အစ္စန္ဒနိယတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။



၈၄၈။ \* အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အစ္စန္တနိယာမတာတိ၊ အာမန္တာ။ အစ္စန္တ-  
နိယတဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိန္တာ ဥပ္ပဇ္ဇေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အစ္စန္တ-  
နိယတဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိန္တာ ဥပ္ပဇ္ဇေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ  
“အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အစ္စန္တနိယာမတာ”တိ။

\* အစ္စန္တနိယတဿ ပုဂ္ဂလဿ ဝိစိကိန္တာ နုပ္ပဇ္ဇေယျာတိ၊ အာမန္တာ။  
ပဟိနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပဟိနာတိ၊ အာမန္တာ။ သောတာပတ္တိ-  
မဂ္ဂေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သကဒါဂါမိမဂ္ဂေန။ပ။ အနာဂါမိမဂ္ဂေန။ပ။  
အရဟတ္တမဂ္ဂေနာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကတမေန မဂ္ဂေနာတိ၊ အကုသလေန မဂ္ဂေနာတိ။ အကုသလော  
မဂ္ဂေါ နိယျာနိကော ခယဂါမိ ဗောဂေါမိ အနာသဝေါ။ပ။ အသံကိလေသိ-  
ကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန အကုသလော မဂ္ဂေါ အနိယျာနိကော။ပ။  
သံကိလေသိကောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အကုသလော မဂ္ဂေါ အနိယျာနိကော။ပ။  
သံကိလေသိကော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အစ္စန္တနိယတဿ ပုဂ္ဂလဿ  
ဝိစိကိန္တာ အကုသလေန မဂ္ဂေန ပဟိနာ”တိ။

၈၄၉။ \* သဿတဒိဋ္ဌိယာ နိယတဿ ပုဂ္ဂလဿ ဥစ္ဆေဒဒိဋ္ဌိ ဥပ္ပဇ္ဇေယျာတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ သဿတဒိဋ္ဌိယာ နိယတဿ ပုဂ္ဂလဿ ဥစ္ဆေဒဒိဋ္ဌိ ဥပ္ပဇ္ဇေယျ၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အစ္စန္တနိယာမတာ”တိ။

\* သဿတဒိဋ္ဌိယာ နိယတဿ ပုဂ္ဂလဿ ဥစ္ဆေဒဒိဋ္ဌိ နုပ္ပဇ္ဇေယျာတိ၊  
အာမန္တာ။ ပဟိနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပဟိနာတိ၊ အာမန္တာ။  
သောတာပတ္တိမဂ္ဂေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သကဒါဂါမိမဂ္ဂေန။ပ။  
အနာဂါမိမဂ္ဂေန။ပ။ အရဟတ္တမဂ္ဂေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကတမေန မဂ္ဂေနာတိ၊ အကုသလေန မဂ္ဂေန။ အကုသလော မဂ္ဂေါ။ပ။  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဿတဒိဋ္ဌိယာ နိယတဿ ပုဂ္ဂလဿ ဥစ္ဆေဒဒိဋ္ဌိ  
အကုသလေန မဂ္ဂေန ပဟိနာ”တိ။

၈၅၀။ \* ဥစ္ဆေဒဒိဋ္ဌိယာ နိယတဿ ပုဂ္ဂလဿ သဿတဒိဋ္ဌိ ဥပ္ပဇ္ဇေယျာတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဥစ္ဆေဒဒိဋ္ဌိယာ နိယတဿ ပုဂ္ဂလဿ သဿတဒိဋ္ဌိ ဥပ္ပဇ္ဇေယျ၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အစ္စန္တနိယာမတာ”တိ။

\* ဥစ္ဆေဒဒိဋ္ဌိယာ နိယတဿ ပုဂ္ဂလဿ သဿတဒိဋ္ဌိ နုပ္ပဇ္ဇေယျာတိ၊  
အာမန္တာ။ ပဟိနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပဟိနာတိ၊ အာမန္တာ။



သောတာပတ္တိမဂ္ဂေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သကဒါဂါမိမဂ္ဂေန။ပ။  
အနာဂါမိမဂ္ဂေန။ပ။ အရဟတ္တမဂ္ဂေနာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ကုတမေန မဂ္ဂေနာတိ၊ အကုသလေန မဂ္ဂေနာတိ။ အကုသလော မဂ္ဂေါ။ပ။  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဥစ္ဆေဒဒိဋ္ဌိယာ နိယတဿ ပုဂ္ဂလဿ သဿတဒိဋ္ဌိ  
အကုသလေန မဂ္ဂေန ပဟိနာ”တိ။

၈၅၁။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အစ္စန္ဒနိယာမတာ”တိ၊ အာမန္တာ။  
နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော သမန္နာဂတော ဟောတိ  
ဧကန္တကာဠကေဟိ အကုသလေဟိ ဓမ္မေဟိ၊ သော သင်္ကိ နိမုဂ္ဂေါ နိမုဂ္ဂေါဝ  
ဟောတိ”တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ  
အစ္စန္ဒနိယာမတာတိ။

၈၅၂။ \* ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော သမန္နာဂတော  
ဟောတိ ဧကန္တကာဠကေဟိ အကုသလေဟိ ဓမ္မေဟိ၊ သော သင်္ကိ နိမုဂ္ဂေါ  
နိမုဂ္ဂေါဝ ဟောတိ”တိ ကတွာ တေန စ ကာရဏေန အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ အစ္စန္ဒ-  
နိယာမတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော  
ဥမ္ပုဇ္ဈိတွာ နိမုဇ္ဈတိ”တိ၊ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗကာလံ  
ဥမ္ပုဇ္ဈိတွာ နိမုဇ္ဈတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော သမန္နာဂတော  
ဟောတိ ဧကန္တကာဠကေဟိ အကုသလေဟိ ဓမ္မေဟိ၊ သော သင်္ကိ နိမုဂ္ဂေါ  
နိမုဂ္ဂေါဝ ဟောတိ”တိ ကတွာ တေန စ ကာရဏေန အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ  
အစ္စန္ဒနိယာမတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဧကစ္စော  
ပုဂ္ဂလော ဥမ္ပုဇ္ဈိတွာ ဌိတော ဟောတိ၊ ဥမ္ပုဇ္ဈိတွာ ဝိပဿတိ ဝိလောကေတိ၊  
ဥမ္ပုဇ္ဈိတွာ ပတရတိ၊ ဥမ္ပုဇ္ဈိတွာ ပတိဂါဓပ္ပတ္တော ဟောတိ”တိ၊ အတ္ထေဝ  
သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗကာလံ ဥမ္ပုဇ္ဈိတွာ ပတိဂါဓပ္ပတ္တော ဟောတိတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အစ္စန္ဒနိယာမကထာ ဝိဋ္ဌိတာ။



(၁၉၃) ဂ-ဒုဗ္ဗိယကထာ

\* အတ္ထိ လောကိယာ သဒ္ဓါ, နတ္ထိ လောကိယံ သဒ္ဓိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ လောကိယံ သောမနဿံ, နတ္ထိ လောကိယံ သောမနဿိန္ဒြိယန္တိ၊ အတ္ထိ လောကိယံ ဇီရိတံ နတ္ထိ လောကိယံ ဇီရိတိန္ဒြိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ အတ္ထိ လောကိယာ ပညာ, နတ္ထိ လောကိယံ ပညိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ လောကိယော မနော, နတ္ထိ လောကိယံ မနိန္ဒြိယန္တိ။ ပ။ အတ္ထိ လောကိယံ ဇီရိတံ, နတ္ထိ လောကိယံ ဇီရိတိန္ဒြိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။



၈၅၅။ \* အတ္ထိ လောကုတ္တရာ သဒ္ဓါ၊ အတ္ထိ လောကုတ္တရံ သဒ္ဓိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ လောကိယာ သဒ္ဓါ၊ အတ္ထိ လောကိယံ သဒ္ဓိန္ဒြိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ လောကုတ္တရံ ဝီရိယံ။ပ။ အတ္ထိ လောကုတ္တရာ ပညာ၊ အတ္ထိ လောကုတ္တရံ ပညိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ လောကိယာ ပညာ၊ အတ္ထိ လောကိယံ ပညိန္ဒြိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ လောကိယာ သဒ္ဓါ၊ နတ္ထိ လောကိယံ သဒ္ဓိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ လောကုတ္တရာ သဒ္ဓါ၊ နတ္ထိ လောကုတ္တရံ သဒ္ဓိန္ဒြိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ လောကိယံ ဝီရိယံ။ပ။ အတ္ထိ လောကိယာ ပညာ၊ နတ္ထိ လောကိယံ ပညိန္ဒြိယန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ လောကုတ္တရာ ပညာ၊ နတ္ထိ လောကုတ္တရံ ပညိန္ဒြိယန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၅၆။ \* နတ္ထိ လောကိယာနိ ပဉ္စိန္ဒြိယာနီတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အဒ္ဓသံ ခေါ အဟံ ဘိက္ခဝေ ဗုဒ္ဓစက္ခုနာ လောကံ ဝေါလောကေန္တော သတ္တေ အပ္ပရဇက္ခေ မဟာရဇက္ခေ တိက္ခိန္ဒြိယေ မုဒိန္ဒြိယေ သွာကာရေ သုဝိညာပယေ အပ္ပေကစ္စေ ပရလောကဝဇ္ဇဘယဒဿာဝိနော ဝိဟရန္တေ”တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အတ္ထိ လောကိယာနိ ပဉ္စိန္ဒြိယာနီတိ။

ဣန္ဒြိယကထာ နိဋ္ဌိတာ။

ဧကေနဝိသုဒ္ဓိမော ဝဂ္ဂေါ။

### တသုဒ္ဓါနံ

အတိတေ ကိလေသေ ဇဟတိ၊ အနာဂတေ ကိလေသေ ဇဟတိ၊ ပစ္စုပ္ပန္တေ ကိလေသေ ဇဟတိ၊ သုညတာ သင်္ခါရက္ခန္ဓပရိယာပန္နာ၊ သာမညဖလံ အသင်္ခတံ၊ ပတ္တိ အသင်္ခတာ၊ သဗ္ဗဓမ္မာနံ တထတာ အသင်္ခတာ၊ နိဗ္ဗာနဓာတု ကုသလာ၊ အတ္ထိ ပုထုဇနဿ အစ္စန္တနိယာမတာ၊ နတ္ထိ လောကိယာနိ ပဉ္စိန္ဒြိယာနီတိ။

### ၂၀-ဝိသုဒ္ဓိမဂ္ဂ

#### (၁၉၄) ၁-အသင်္ခါနိကာယ

၈၅၇။ \* အသင်္ခါ မာတရံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေတွာ အာနန္တရိကော ဟောတီတိ၊ အာမန္တာ။ အသင်္ခါ ပါဏံ ဟန္တာ ပါဏာတိပါတိ ဟောတီတိ၊ န

၁-မ ၁-၂၂၅-ဝိဇ္ဇေ၊ တတ္ထ “ဒွါကာရေ ဒုဝိညာပယေ” ဣစ္ဆာဒိနိဝိ ပဒါနိ ဝိဿန္တိ။



ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အသဉ္စိစ္စ မာတရံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေတွာ အာနန္တရိကော ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ အသဉ္စိစ္စ အဒိန္နံ အာဒိယိတွာ။ပ။ မုဿာ ဘဏိတွာ မုဿာဝါဒိ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အသဉ္စိစ္စ ပါဏံ ဟန္တာ ပါဏာတိပါတိ န ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ အသဉ္စိစ္စ မာတရံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေတွာ အာနန္တရိကော န ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ အသဉ္စိစ္စ အဒိန္နံ အာဒိယိတွာ။ပ။ မုဿာ ဘဏိတွာ မုဿာဝါဒိ န ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ အသဉ္စိစ္စ မာတရံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေတွာ အာနန္တရိကော န ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

၈၅၈။ \* အသဉ္စိစ္စ မာတရံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေတွာ အာနန္တရိကော ဟောတိတိ၊ အာမန္တာ။ “အသဉ္စိစ္စ မာတရံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေတွာ အာနန္တရိကော ဟောတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။ “သဉ္စိစ္စ မာတရံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေတွာ အာနန္တရိကော ဟောတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ “သဉ္စိစ္စ မာတရံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေတွာ အာနန္တရိကော ဟောတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အသဉ္စိစ္စ မာတရံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေတွာ အာနန္တရိကော ဟောတိ”တိ။

၈၅၉။ † န ဝတ္ထဗ္ဗံ “မာတုဃာတကော အာနန္တရိကော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု မာတာ ဇီဝိတာ ဝေါရောပိတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ မာတာ ဇီဝိတာ ဝေါရောပိတာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “မာတုဃာတကော အာနန္တရိကော”တိ။

† န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ပိတုဃာတကော အာနန္တရိကော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ပိတာ ဇီဝိတာ ဝေါရောပိတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပိတာ ဇီဝိတာ ဝေါရောပိတော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ပိတုဃာတကော အာနန္တရိကော”တိ။

† န ဝတ္ထဗ္ဗံ “အရဟန္တဃာတကော အာနန္တရိကော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု အရဟာ ဇီဝိတာ ဝေါရောပိတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ ဇီဝိတာ ဝေါရောပိတော၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အရဟန္တဃာတကော အာနန္တရိကော”တိ။

† န ဝတ္ထဗ္ဗံ “ရူဟိရုပ္ပါဒကော အာနန္တရိကော”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု တထာဂတဿ လောဟိတံ ဥပ္ပါဒိတန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ တထာဂတဿ လောဟိတံ ဥပ္ပါဒိတံ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ရူဟိရုပ္ပါဒကော အာနန္တရိကော”တိ။



၈၆၀။ \* သံဃဘောဒကော အာနန္တရိကောတိ၊ အာမန္တာ။ သဗ္ဗေ သံဃ-  
ဘောဒကာ အာနန္တရိကောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သဗ္ဗေ သံဃဘောဒကာ  
အာနန္တရိကောတိ၊ အာမန္တာ။ ဓမ္မသညိ သံဃဘောဒကော အာနန္တရိကောတိ၊ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၈၆၁။ \* ဓမ္မသညိ သံဃဘောဒကော အာနန္တရိကောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု  
ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “အတ္ထုပ္ပါလိ သံဃဘောဒကော အာပါယိကော နေရယိကော  
ကပ္ပဋ္ဌော အတေကိန္နော။ အတ္ထုပ္ပါလိ သံဃဘောဒကော န အာပါယိကော န  
နေရယိကော န ကပ္ပဋ္ဌော န အတေကိန္နော”တိ အတ္ထေဝံ သုတ္တန္တောတိ၊  
အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဓမ္မသညိ သံဃဘောဒကော အာနန္တရိကော”တိ။

၈၆၂။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဓမ္မသညိ သံဃဘောဒကော အာနန္တရိကော”တိ၊  
အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“အာပါယိကော နေရယိကော၊ ကပ္ပဋ္ဌော သံဃဘောဒကော။  
ဝဂ္ဂရတော အဓမ္မဋ္ဌော၊ ယောဂက္ခေမာ ပဓိသတိ။  
သံဃံ သမဂ္ဂံ ဘေတွာန ၊ ကပ္ပံ နိရယမိ ပစ္စတိ”တိ။

အတ္ထေဝံ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ သံဃဘောဒကော အာနန္တရိ-  
ကောတိ။

အသဉ္စိစ္စကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂၀-ဝိသတိမဝဂ္ဂ

### (၁၉၅) ၂-ဉာဏကထာ

၈၆၃။ \* နတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ပညာ  
ပဇာနနာ ဝိစယော ပဝိစယော ဓမ္မဝိစယော သလ္လက္ခဏာ ဥပလက္ခဏာ  
ပစ္စုပ္ပန်ကဏ္ဍာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ နနု အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ပညာ ပဇာနနာ  
ဝိစယော။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန်ကဏ္ဍာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ပညာ  
ပဇာနနာ ဝိစယော။ ပ။ ပစ္စုပ္ပန်ကဏ္ဍာ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ  
ပုထုဇ္ဇနဿ ဉာဏ”န္တိ။



၈၆၄။ \* နတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနော ပဌမံ ဈာနံ သမာပဇ္ဇေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပုထုဇ္ဇနော ပဌမံ ဈာနံ သမာပဇ္ဇေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ဉာဏ”န္တိ။

\* ပုထုဇ္ဇနော ဒုတိယံ ဈာနံ။ပ။ တတိယံ ဈာနံ။ပ။ စတုတ္ထံ ‘ဈာနံ။ပ။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ သမာပဇ္ဇေယျ။ ဝိညာဏဉ္စာယတနံ။ အာကိဉ္စညာယတနံ။ နေဝသညာနာသညာယတနံ သမာပဇ္ဇေယျ။ ပုထုဇ္ဇနော ဒါနံ ဒဒေယျ။ပ။ စီဝရံ ဒဒေယျ။ ဝိဣာပါတံ ဒဒေယျ။ သေနာသနံ ဒဒေယျ။ ဂိလာနပစ္စယဘောသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒဒေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ပုထုဇ္ဇနော ဂိလာနပစ္စယဘောသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒဒေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “နတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ဉာဏ”န္တိ။

၈၆၅။ † အတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ဉာဏန္တိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနော တေန ဉာဏေန ဒုက္ခံ ပရိဇာနာတိ၊ သမုဒယံ ပဇဟတိ၊ နိရောဓံ သစ္စိကရောတိ၊ မဂ္ဂဘာဝေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ဉာဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂၀-ဝိသတိမဝဂ္ဂ

### (၁၉၆) ၃-နိရယပါလကထာ

၈၆၆။ \* နတ္ထိ နိရယေသု နိရယပါလာတိ၊ အာမန္တာ။ နတ္ထိ နိရယေသု ကမ္မကာရဏာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ နိရယေသု ကမ္မကာရဏာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ နိရယေသု နိရယပါလာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ မနုဿေသု ကမ္မကာရဏာ၊ အတ္ထိ စ ကာရဏိကာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ နိရယေသု ကမ္မကာရဏာ၊ အတ္ထိ စ ကာရဏိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ နိရယေသု ကမ္မကာရဏာ၊ နတ္ထိ စ ကာရဏိကာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ မနုဿေသု ကမ္မကာရဏာ၊ နတ္ထိ စ ကာရဏိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၆၇။ † အတ္ထိ နိရယေသု နိရယပါလာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—



“န ဝေဿဘူ နောပိ စ ပေတ္တိရာဇာ၊  
 သောမော ယမော ဝေဿဝဏော စ ရာဇာ။  
 သကာနိ ကမ္မာနိ ဟနန္တိ တတ္ထ၊  
 ဣတော ပဏုန္တိ<sup>၁</sup> ပရလောကပတ္တ”န္တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ နတ္ထိ နိရယေသု  
 နိရယပါလာတိ။

၈၆၈။ \* နတ္ထိ နိရယေသု နိရယပါလာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ  
 “တမေနံ ဘိက္ခဝေ နိရယပါလာ ပဉ္စဝိဗေဒန္တံ နာမ ကာရဏံ ကာရေန္တိ<sup>၂</sup>၊ တတ္ထံ  
 အယောဒီလံ ဟတ္ထေ ဂမေန္တိ၊ တတ္ထံ အယောဒီလံ ဒုတိယေ ဟတ္ထေ ဂမေန္တိ၊  
 တတ္ထံ အယောဒီလံ ပါဒေ ဂမေန္တိ၊ တတ္ထံ အယောဒီလံ ဒုတိယေ ပါဒေ ဂမေန္တိ၊  
 တတ္ထံ အယောဒီလံ မဇ္ဈေဥရသ္မိံ<sup>၃</sup> ဂမေန္တိ၊ သော တတ္ထ ဒုက္ခာ တိဗ္ဗာ ကဋ္ဌကာ  
 ဝေဒနာ ဝေဒေတိ၊ န စ တာဝ ကာလံ ကရေတိ၊ ယာဝ န တံ ပါပကမ္မံ  
 ဗျန္တိဟောတိ”တိ<sup>၄</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အတ္ထိ နိရယေသု  
 နိရယပါလာတိ။

\* နတ္ထိ နိရယေသု နိရယပါလာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ  
 “တမေနံ ဘိက္ခဝေ နိရယပါလာ သံဝေသေတွာ ကုဋ္ဌာရီဟိ<sup>၄</sup> တစ္ဆန္တိ။ပ။  
 တမေနံ ဘိက္ခဝေ နိရယပါလာ ဥဒ္ဓံပါဒံ အဓောသိရံ ဌပေတွာ ဝါသီဟိ  
 တစ္ဆန္တိ။ပ။ တမေနံ ဘိက္ခဝေ နိရယပါလာ ရထေ ယောဇေတွာ အာဒိတ္တာယ  
 ပထဝိယာ သမ္ပဇ္ဇလိတာယ သဇောတိဘူတာယ<sup>၅</sup> သာရေန္တိပိ ပစ္စာသာ-  
 ရေန္တိပိ။ပ။ တမေနံ ဘိက္ခဝေ နိရယပါလာ မဟန္တံ အင်္ဂါရပဗ္ဗတံ အာဒိတ္တံ  
 သမ္ပဇ္ဇလိတံ သဇောတိဘူတံ အာရောပေန္တိပိ ဩရောပေန္တိပိ။ပ။ တမေနံ  
 ဘိက္ခဝေ နိရယပါလာ ဥဒ္ဓံပါဒံ အဓောသိရံ ဂဟေတွာ တတ္တာယ လောဟ-  
 ကုမ္ဘိယာ ပက္ခိပန္တိ အာဒိတ္တာယ သမ္ပဇ္ဇလိတာယ သဇောတိဘူတာယ။ သော  
 တတ္ထ ဖေဏုဒ္ဓေဟကံ ပစ္စတိ၊ သော တတ္ထ ဖေဏုဒ္ဓေဟကံ ပစ္စမာနော သင်္ကပ္ပိ  
 ဥဒ္ဓံ ဂစ္ဆတိ၊ သင်္ကပ္ပိ အဓော ဂစ္ဆတိ၊ သင်္ကပ္ပိ တိရိယံ ဂစ္ဆတိ။ သော တတ္ထ ဒုက္ခာ  
 တိဗ္ဗာ ကဋ္ဌကာ ဝေဒနာ ဝေဒယတိ၊ န စ တာဝ ကာလံ ကရေတိ၊ ယာဝ

၁-ပဏုဏ္ဍိ (သျှာ၊က)၊ ပနန္တံ (သီ)

၂-ကရေန္တိ (မ ၃-၂၀၄၊ အံ ၁-၁၃၉-ပိဋေ။)

၃-မ ၃-၂၀၄-ပိဋေ၊ အံ ၁-၁၃၉-ပိဋေ စ။

၄-ကုဋ္ဌာရီဟိ (သဗ္ဗတ္ထ)

၅-သဇောတိဘူတာယ (သျှာ)



န တံ ပါပကမ္မံ ဗျန္တိဟေတိ။ တမေနံ ဘိက္ခဝေ နိရယပါလာ မဟာနိရယေ ပက္ခိပန္တိ။ သော ခေါ ပန ဘိက္ခဝေ မဟာနိရယော။

စတုက္ကဏ္ဍော စတုဒ္ဒါရော၊ ဝိဘတ္တော ဘာဂသော မိတော။  
အယောပါကာရပရိယန္တော၊ အယဿ ပဋိကုဇ္ဇိတော။

တဿ အယောမယာ ဘူမိ၊ ဇလိတာ တေဇသာ ယုတာ။  
သမန္တာ ယောဇနသတံ၊ ဖရိတွာ တိဋ္ဌတိ သဗ္ဗဒါ”တိ”။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အတ္ထိ နိရယေသု နိရယပါလာတိ။

နိရယပါလကထာ နိဋ္ဌိတော။

## ၂၀-ဝိသတိမဝဂ္ဂ

### (၁၉၇) ၄-တိရစ္ဆာနကထာ

၈၆၉။ \* အတ္ထိ ဒေဝေသု တိရစ္ဆာနဂတာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တိရစ္ဆာန-  
ဂတေသု ဒေဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ ဒေဝေသု တိရစ္ဆာနဂတာတိ၊  
အာမန္တာ။ ဒေဝလောကော တိရစ္ဆာနယောနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ အတ္ထိ  
ဒေဝေသု တိရစ္ဆာနဂတာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ ကီဋ္ဌာ ပဋိဂါ မကဿာ  
မက္ခိကာ အဟိ ဝိစ္ဆိကာ သတပဒီ ဂဏ္ဍုပ္ပါဒါတိ ၂။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၇၀။ † နတ္ထိ ဒေဝေသု တိရစ္ဆာနဂတာတိ၊ အာမန္တာ။ နန အတ္ထိ တတ္ထ  
ဧရာဝဏော နာမ ဟတ္ထိနာဂေါ၊ သဟဿယုတ္တံ ဒိဗ္ဗံ ယာနန္တိ၊ အာမန္တာ။  
ဟန္တိ အတ္ထိ တတ္ထ ဧရာဝဏော နာမ ဟတ္ထိနာဂေါ၊ သဟဿယုတ္တံ ဒိဗ္ဗံ ယာနံ၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ဒေဝေသု တိရစ္ဆာနဂတာ”တိ။

၈၇၁။ \* အတ္ထိ ဒေဝေသု တိရစ္ဆာနဂတာတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ တတ္ထ  
ဟတ္ထိဗန္ဓာ အဿဗန္ဓာ<sup>၃</sup> ယာဝသိကာ ကာရဏိကာ ဘတ္တကာရကာတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ နတ္ထိ ဒေဝေသု တိရစ္ဆာနဂတာတိ။

တိရစ္ဆာနကထာ နိဋ္ဌိတော။



## ၂၀-ဝိသုတ္တိမဂ္ဂ

## (၁၉၈) ၅-မဂ္ဂကထာ

၈၇၂။ \* ပဉ္စဂီကော မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ ဝုတ္တော ဘဂဝတာ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ ဝုတ္တော ဘဂဝတာ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ပဉ္စဂီကော မဂ္ဂေါ”တိ။

\* ပဉ္စဂီကော မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ—

“မဂ္ဂါနံ အဋ္ဌဂီကော သေဋ္ဌော၊ သစ္စာနံ စတုရော ပဒါ။

ဝိရာဂေါ သေဋ္ဌော ဓမ္မာနံ၊ ဒွိပဒါနဉ္စ စက္ခုမာ”တိ။

အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါတိ။

၈၇၃။ \* သမ္မာဝါစာ မဂ္ဂံ၊ သာ စ န မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ မဂ္ဂံ၊ သာ စ န မဂ္ဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သမ္မာဝါစာ မဂ္ဂံ၊ သာ စ န မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ။ ပ။ သမ္မာဝါယာမော။ ပ။ သမ္မာသတိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ မဂ္ဂံ၊ သော စ န မဂ္ဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သမ္မာကမ္မန္တော။ ပ။ သမ္မာအာဇီဝေါ မဂ္ဂံ၊ သော စ န မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ မဂ္ဂံ၊ သော စ န မဂ္ဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သမ္မာဒိဋ္ဌိ မဂ္ဂံ၊ သာ စ မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဝါစာ မဂ္ဂံ၊ သာ စ မဂ္ဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ မဂ္ဂံ၊ သာ စ မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာကမ္မန္တော။ ပ။ သမ္မာအာဇီဝေါ မဂ္ဂံ၊ သော စ မဂ္ဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ။ ပ။ သမ္မာဝါယာမော။ ပ။ သမ္မာသတိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ မဂ္ဂံ၊ သော စ မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ သမ္မာဝါစာ။ ပ။ သမ္မာကမ္မန္တော။ ပ။ သမ္မာအာဇီဝေါ မဂ္ဂံ၊ သော စ မဂ္ဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၈၇၄။ † အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ပုဗ္ဗေဝ ခေါ ပနဿ ကာယကမ္မံ ဝစီကမ္မံ အာဇီဝေါ သုပရိသုဒ္ဓေါ ဟောတိ။



ဝေမဿာယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝနာပါရိပုရိံ ဂစ္ဆတိ”တိ  
အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ပဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါတိ။

၈၇၅။ \*ပဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ယသ္မိံ  
ခေါ သုဘဒ္ဒ ဓမ္မဝိနယေ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ န ဥပလဗ္ဗတိ၊  
သမဏောပိ တတ္ထ န ဥပလဗ္ဗတိ၊ ဒုတိယောပိ တတ္ထ သမဏော န ဥပလဗ္ဗတိ၊  
တတိယောပိ တတ္ထ သမဏော န ဥပလဗ္ဗတိ၊ စတုတ္ထောပိ တတ္ထ သမဏော န  
ဥပလဗ္ဗတိ။ ယသ္မိံ စ ခေါ သုဘဒ္ဒ ဓမ္မဝိနယေ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ  
ဥပလဗ္ဗတိ၊ သမဏောပိ တတ္ထ ဥပလဗ္ဗတိ၊ ဒုတိယောပိ။ပ။ တတိယောပိ။ပ။  
စတုတ္ထောပိ တတ္ထ သမဏော ဥပလဗ္ဗတိ။ ဣမသ္မိံ ခေါ သုဘဒ္ဒ ဓမ္မဝိနယေ  
အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဥပလဗ္ဗတိ၊ ဣဓေဝ သုဘဒ္ဒ သမဏော၊ ဣဓ  
ဒုတိယော သမဏော၊ ဣဓ တတိယော သမဏော၊ ဣဓ စတုတ္ထော သမဏော၊  
သုညာ ပရပ္ပဝါဒါ သမဏောတိ အညေဟိ”တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊  
အာမန္တာ။ တေန ဟိ အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါတိ။

မဂ္ဂကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂၀-ဝိသတိမဂ္ဂ

### (၁၉၉) ၆-ဉာဏကထာ

၈၇၆။ \*ဒွါဒသဝတ္ထုကံ ဉာဏံ လောကုတ္တရန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဒွါဒသ  
လောကုတ္တရဉာဏာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒွါဒသ လောကုတ္တရဉာဏာနီတိ၊  
အာမန္တာ။ ဒွါဒသ သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒွါဒသ  
သောတာပတ္တိမဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွါဒသ သောတာပတ္တိဖလာနီတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒွါဒသ သကဒါဂါမိမဂ္ဂေါ။ပ။ အနာဂါမိမဂ္ဂေါ။ပ။ အရဟတ္တမဂ္ဂေါတိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဒွါဒသ အရဟတ္တမဂ္ဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဒွါဒသ အရဟတ္တ-  
ဖလာနီတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၇၇။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဒွါဒသဝတ္ထုကံ ဉာဏံ လောကုတ္တရ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန  
ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ဣဒံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿုတေသု



ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ ပညာ ဥဒပါဒိ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ပရိညေယျ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ပ။ ပရိညာတ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ပ။ “ဣဒံ ဒုက္ခသမုဒယံ<sup>၁</sup> အရိယသစ္စံ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ပ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ပဟာတဗ္ဗ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ပ။ ပဟိန”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ပ။ “ဣဒံ ဒုက္ခနိရောဓံ<sup>၂</sup> အရိယသစ္စံ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ပ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ သစ္စိကာတဗ္ဗ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ပ။ သစ္စိကတ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ပ။ “ဣဒံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ပ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ ဘာဝေတဗ္ဗ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ပ။ ဘာဝိတ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ။ပ။ အာလောကော ဥဒပါဒိ”တိ<sup>၃</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ ဒွါဒသဝတ္ထုကံ ဉာဏံ လောကုတ္တရန္တိ။

ဉာဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

ဝိသတိမော ဝဂ္ဂေါ။

### တဿုဒ္ဓါနံ

မာတုဃာတကော အာနန္တရိကော၊ ပိတုဃာတကော အာနန္တရိကော၊ အရဟန္တဃာတကော အာနန္တရိကော၊ ရဟိရုပ္ပါဒကော အာနန္တရိကော၊ သံဃဘေဒကော အာနန္တရိကော၊ နတ္ထိ ပုထုဇ္ဇနဿ ဉာဏံ၊ နတ္ထိ နိရယေသု နိရယပါလာ၊ အတ္ထိ ဒေဝေသု တိရစ္ဆာနဂတာ၊ ပဇ္ဇင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ၊ ဒွါဒသ-ဝတ္ထုကံ ဉာဏံ လောကုတ္တရန္တိ။

စတုတ္ထော ပဏ္ဏာသကော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

နိဂ္ဂဟော၊ ပုညသမ္ဘယော၊ အဋ္ဌာသိ၊ အတိတေန စ၊ မာတုဃာတကော။

၁-ဒုက္ခသမုဒယော (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)

၂-ဒုက္ခနိရောဓော (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)

၃-မိ ၃-၁၅-ပိဋေ၊ သံ ၃-၃၆၉-ပိဋေ စ၊



## ၂၁-ကေဝိသတိမဝဂ္ဂ

## (၂၀၀) ၁-သာသနကထာ

၈၇၈။ \* သာသနံ နဝံ ကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ သတိပဋ္ဌာနာ နဝံ ကတတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သာသနံ နဝံ ကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ သမ္ပပ္ပဓာနာ။ ပ။ ဣဒ္ဓိပါဒါ။ ပ။ ဣန္ဒြိယာ။ ပ။ ဗလာ။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ နဝံ ကတတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပုဗ္ဗေ အကုသလံ ပစ္စာ ကုသလံ ကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပုဗ္ဗေ သာသဝံ။ ပ။ သံယောဇနိယံ။ ဂန္ထနိယံ။ ဩဃနိယံ။ ယောဂနိယံ။ နိဝရဏိယံ။ ပရာမဋ္ဌံ။ ဥပါဒါနိယံ။ ပ။ သံကိလေသိယံ ပစ္စာ အသံကိလေသိယံ ကတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတ္ထိ ကောစိ တထာဂတဿ သာသနံ နဝံ ကရေတိတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကောစိ သတိပဋ္ဌာနေ နဝံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အတ္ထိ ကောစိ သမ္ပပ္ပဓာနေ။ ပ။ ဣဒ္ဓိပါဒေ။ ပ။ ဣန္ဒြိယေ။ ပ။ ဗလေ။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ နဝံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အတ္ထိ ကောစိ ပုဗ္ဗေ အကုသလံ ပစ္စာ ကုသလံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ အတ္ထိ ကောစိ ပုဗ္ဗေ သာသဝံ။ ပ။ သံကိလေသိယံ ပစ္စာ အသံကိလေသိယံ ကရေတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ‘

\* လဟ္တာ တထာဂတဿ သာသနံ ပုန နဝံ ကာတုန္တိ၊ အာမန္တာ။ လဟ္တာ သတိပဋ္ဌာနာ ပုန နဝံ ကာတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ လဟ္တာ သမ္ပပ္ပဓာနာ။ ပ။ ဣဒ္ဓိပါဒါ။ ပ။ ဣန္ဒြိယာ။ ပ။ ဗလာ။ ပ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ပုန နဝံ ကာတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ လဟ္တာ ပုဗ္ဗေ အကုသလံ ပစ္စာ ကုသလံ ကာတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ လဟ္တာ ပုဗ္ဗေ သာသဝံ။ ပ။ သံကိလေသိယံ ပစ္စာ အသံကိလေသိယံ ကာတုန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

သာသနကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂၁-ကေဝိသတိမဝဂ္ဂ

## (၂၀၁) ၂-အဝိဝိတ္တကထာ

၈၇၉။ \* ပုထုဇ္ဇေနော တေဓာတုကေဟိ ဓမ္မေဟိ အဝိဝိတ္တောတိ၊ အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇေနော တေဓာတုကေဟိ ဖဿေဟိ။ ပ။ တေဓာတုကာဟိ ဝေဒနာဟိ။



သညာဟိ။ စေတနာဟိ။ စိတ္တေဟိ။ သဒ္ဓါဟိ။ ဝီရိယေဟိ။ သတီဟိ။ သမာဓိဟိ။ ပ။  
တေဓာတုကာဟိ ပညာဟိ အဝိဝိတ္တောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ပုထုဇ္ဇေနာ  
တေဓာတုကေဟိ ကမ္မေဟိ အဝိဝိတ္တောတိ။ အာမန္တာ။

\* ယသ္မိံ ခဏေ ပုထုဇ္ဇေနာ စိဝရံ ဒေတိ။ တသ္မိံ ခဏေ ပဌမံ ဈာနံ  
ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ပ။ အာကာသာနဉ္စာယတနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိတိ။ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ယသ္မိံ ခဏေ ပုထုဇ္ဇေနာ ပိဏ္ဍပါတံ ဒေတိ။ ပ။ သေနာသနံ  
ဒေတိ။ ပ။ ဂိလ္လာနပစ္စယဘေသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒေတိ။ တသ္မိံ ခဏေ စတုတ္ထံ ဈာနံ  
ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ နေဝသညာနာသညာယတနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိတိ။ န  
ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၈၈၀။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ပုထုဇ္ဇေနာ တေဓာတုကေဟိ ကမ္မေဟိ အဝိဝိတ္တော”တိ။  
အာမန္တာ။ ပုထုဇ္ဇနဿ ရူပဓာတုအရူပဓာတူပဂံ ကမ္မံ ပရိညာတန္တိ။ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ ပုထုဇ္ဇေနာ တေဓာတုကေဟိ ကမ္မေဟိ အဝိဝိတ္တောတိ။ ပ။

အဝိဝိတ္တကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂၁-ဧကဝိသတိမဝဂ္ဂ

### (၂၀၂) ၃-သံယောဇနကထာ

၈၈၁။ \* အတ္ထိ ကိဉ္စိ သံယောဇနံ အပ္ပဟာယ အရဟတ္တပ္ပတ္တိတိ။  
အာမန္တာ။ အတ္ထိ ကိဉ္စိ သက္ကာယဒိဋ္ဌိံ အပ္ပဟာယ။ ပ။ ဝိစိကိစ္ဆံ အပ္ပဟာယ။ ပ။  
သီလဗ္ဗတပရာမာသံ အပ္ပဟာယ။ ရာဂံ အပ္ပဟာယ။ ဒေါသံ အပ္ပဟာယ။ မောဟံ  
အပ္ပဟာယ။ အနောတ္တပ္ပံ အပ္ပဟာယ အရဟတ္တပ္ပတ္တိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတ္ထိ ကိဉ္စိ သံယောဇနံ အပ္ပဟာယ အရဟတ္တပ္ပတ္တိတိ။ အာမန္တာ။ အရဟာ  
သရာဂေါ သဒေါသော သမောဟော သမာနော သမက္ခော သပဋ္ဌာသော  
သဥပါယာသော သကိလေသောတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ နန အရဟာ  
နိရာဂေါ နိဒ္ဒေါသော နိဗ္ဗောဟော နိဗ္ဗာနော နိဗ္ဗက္ခော နိပ္ပဋ္ဌာသော နိရူပါ-  
ယာသော နိက္ခိလေသောတိ။ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ နိရာဂေါ။ ပ။  
နိက္ခိလေသော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ကိဉ္စိ သံယောဇနံ အပ္ပဟာယ  
အရဟတ္တပ္ပတ္တိ”တိ။



၈၈၂။ † န ဝတ္ထုဗ္ဗံ “ကိဉ္စိ သံယောဇနံ အပ္ပဟာယ အရဟတ္တပ္ပတ္တိ”တိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ သဗ္ဗံ ဗုဒ္ဓဝိသယံ ဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ တေန ဟိ အတ္ထိ ကိဉ္စိ သံယောဇနံ အပ္ပဟာယ အရဟတ္တပ္ပတ္တိတိ။

သံယောဇနကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂၁-ကေဝိသတိမဝဂ္ဂ

### (၂၀၃) ၄-ဣန္ဒြိယကထာ

၈၈၃။ \* အတ္ထိ အဓိပ္ပါယဣန္ဒြိယ ဗုဒ္ဓါနံ ဝါ သာဝကာနံ ဝါတိ၊ အာမန္တာ။ “နိစ္စပဏ္ဏာ ရုက္ခာ ဟောန္တု”တိ အတ္ထိ အဓိပ္ပါယဣန္ဒြိယ ဗုဒ္ဓါနံ ဝါ သာဝကာနံ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။ “နိစ္စပုပ္ဖါ ရုက္ခာ ဟောန္တု”ပ။ နိစ္စဖလိကာ ရုက္ခာ ဟောန္တု။ နိစ္စံ ဇုဏှံ ဟောတု။ နိစ္စံ ခေမံ ဟောတု။ နိစ္စံ သုဘိက္ခံ ဟောတု။ နိစ္စံ သုဝတ္ထိံ ဟောတု”တိ အတ္ထိ အဓိပ္ပါယဣန္ဒြိယ ဗုဒ္ဓါနံ ဝါ သာဝကာနံ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတ္ထိ အဓိပ္ပါယဣန္ဒြိယ ဗုဒ္ဓါနံ ဝါ သာဝကာနံ ဝါတိ၊ အာမန္တာ။ ဥပ္ပန္နော ဖဿော “မာ နိရုဇ္ဈိ”တိ အတ္ထိ အဓိပ္ပါယဣန္ဒြိယ ဗုဒ္ဓါနံ ဝါ သာဝကာနံ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဥပ္ပန္နော ဝေဒနာ။ ပ။ သညာ။ စေတနာ။ စိတ္တံ။ သဒ္ဓါ။ ဝီရိယံ။ သတိ။ သမာဓိ။ ပ။ ပညာ “မာ နိရုဇ္ဈိ”တိ အတ္ထိ အဓိပ္ပါယဣန္ဒြိယ ဗုဒ္ဓါနံ ဝါ သာဝကာနံ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတ္ထိ အဓိပ္ပါယဣန္ဒြိယ ဗုဒ္ဓါနံ ဝါ သာဝကာနံ ဝါတိ၊ အာမန္တာ။ “ရူပံ နိစ္စံ ဟောတု”တိ အတ္ထိ အဓိပ္ပါယဣန္ဒြိယ ဝေဒနာ။ ပ။ သညာ။ ပ။ သင်္ခါရာ။ ပ။ “ဝိညာဏံ နိစ္စံ ဟောတု”တိ အတ္ထိ အဓိပ္ပါယဣန္ဒြိယ ဗုဒ္ဓါနံ ဝါ သာဝကာနံ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* အတ္ထိ အဓိပ္ပါယဣန္ဒြိယ ဗုဒ္ဓါနံ ဝါ သာဝကာနံ ဝါတိ၊ အာမန္တာ။ ဇာတိဓမ္မာ သတ္တာ “မာ ဇာယိံသု”တိ အတ္ထိ။ ပ။ ဇရာဓမ္မာ သတ္တာ “မာ ဇီရိံသု”တိ။ ပ။ ဗျာဓိဓမ္မာ သတ္တာ “မာ ဗျာဓိယိံသု”တိ။ ပ။ မရဏဓမ္မာ သတ္တာ “မာ မိယိံသု”တိ အတ္ထိ အဓိပ္ပါယဣန္ဒြိယ ဗုဒ္ဓါနံ ဝါ သာဝကာနံ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။



၈၈၄။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “အတ္ထိ အဓိပ္ပါယဇ္ဈန္တိ ဗုဒ္ဓါနံ ဝါ သာဝကာနံ ဝါ”တိ၊  
အာမန္တာ။ နန အာယသ္မာ ပိလိန္ဒဝန္တော ရညော မာဂဓဿ သေနိယဿ  
ဗိမ္ဗိသာရဿ ပါသာဒံ “သုဝဏ္ဏ”န္တေဝ အဓိမုတ္တိ၊ သုဝဏ္ဏော စ ပန အာသီတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အာယသ္မာ ပိလိန္ဒဝန္တော ရညော မာဂဓဿ သေနိယဿ  
ဗိမ္ဗိသာရဿ ပါသာဒံ သုဝဏ္ဏန္တေဝ အဓိမုတ္တိ၊ သုဝဏ္ဏော စ ပန အာသီ၊  
တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ အဓိပ္ပါယဇ္ဈန္တိ ဗုဒ္ဓါနံ ဝါ သာဝကာနံ ဝါ”တိ။  
ဇ္ဈန္တိကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၂၁-ဧကဝိသတိမဝဂ္ဂ

(၂၀၄) ၅-ဗုဒ္ဓကထာ

၈၈၅။ \* အတ္ထိ ဗုဒ္ဓါနံ ဗုဒ္ဓေဟိ ဟိနာတိရေကတာတိ၊ အာမန္တာ။  
သတိပဋ္ဌာနတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မပ္ပဓာနတော။ပ။ ဇ္ဈန္တိပါဒတော။  
ဇ္ဈန္တိယတော။ ဗလတော။ ဗောဇ္ဈင်္ဂဟော။ ဝသိဘာဝတော။ပ။ သဗ္ဗညုတ-  
ဉာဏဒဿနတောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
ဗုဒ္ဓကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

၂၁-ဧကဝိသတိမဝဂ္ဂ

(၂၀၅) ၆-သဗ္ဗဒိသာကထာ

၈၈၆။ \* သဗ္ဗာ ဒိသာ ဗုဒ္ဓါ တိဋ္ဌန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ ပုရတ္ထိမာယ ဒိသာယ  
ဗုဒ္ဓေါ တိဋ္ဌတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ပုရတ္ထိမာယ ဒိသာယ ဗုဒ္ဓေါ တိဋ္ဌတိတိ၊  
အာမန္တာ။ ကိန္နာမော သော ဘဂဝါ၊ ကိဇ္ဇေဝော၊ ကိဂေါတ္တော၊ ကိန္နာမာ  
တဿ ဘဂဝတော မာတာပိတရော၊ ကိန္နာမံ တဿ ဘဂဝတော သာဝကယုဂံ၊  
ကောနာမော တဿ ဘဂဝတော ဥပဋ္ဌာကော၊ ကိဒိသံ စိဝရံ ဓာရေတိ၊  
ကိဒိသံ ပတ္တံ ဓာရေတိ၊ ကတရသ္မိံ ဂါမေ ဝါ နိဂမေ ဝါ နဂရေ ဝါ ရဋ္ဌေ ဝါ  
ဇနပဒေ ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဒက္ခိဏာယ ဒိသာယ။ပ။ ပစ္ဆိမာယ ဒိသာယ။ပ။ ဥတ္တရာယ ဒိသာယ။ပ။  
ဟေဋ္ဌိမာယ ဒိသာယ ဗုဒ္ဓေါ တိဋ္ဌတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဟေဋ္ဌိမာယ



ဒိဿာယ ဗုဒ္ဓေါ တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ ကိန္နာမော သော ဘဂဝါ။ပ။ ဇနပဒေ  
ဝါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* ဥပရိမာယ ဒိဿာယ ဗုဒ္ဓေါ တိဋ္ဌတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဥပရိမာယ  
ဒိဿာယ ဗုဒ္ဓေါ တိဋ္ဌတိတိ၊ အာမန္တာ။ စာတုမဟာရာဇိကေ တိဋ္ဌတိ။ပ။  
တာဝတိံသေ တိဋ္ဌတိ။ပ။ ယာမေ တိဋ္ဌတိ။ပ။ တုသိတေ တိဋ္ဌတိ။ပ။  
နိမ္မာနရတိယာ တိဋ္ဌတိ။ပ။ ပရနိမ္မိတဝသဝတ္တိယာ တိဋ္ဌတိ။ပ။ မြဟ္မလောကေ  
တိဋ္ဌတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

သဗ္ဗဒိဿာကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂၁-ကေဝိသတိမဝဂ္ဂ

### (၂၀၆) ၇-ဓမ္မကထာ

၈၈၇။ \* သဗ္ဗေ ဓမ္မာ နိယတာတိ၊ အာမန္တာ။ မိစ္ဆတ္တနိယတာတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မတ္တနိယတာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နတ္ထိ အနိယတော  
ရာသိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နနု အတ္ထိ အနိယတော ရာသိတိ၊ အာမန္တာ။  
ဟန္တိ အတ္ထိ အနိယတော ရာသိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗေ ဓမ္မာ  
နိယတာ”တိ။

\* သဗ္ဗေ ဓမ္မာ နိယတာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု တယော ရာသိ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ—  
မိစ္ဆတ္တနိယတော ရာသိ၊ သမ္မတ္တနိယတော ရာသိ၊ အနိယတော ရာသိတိ၊  
အာမန္တာ။ ဟန္တိ တယော ရာသိ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ—မိစ္ဆတ္တနိယတော ရာသိ၊  
သမ္မတ္တနိယတော ရာသိ၊ အနိယတော ရာသိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗေ  
ဓမ္မာ နိယတာ”တိ။

\* ရူပံ ရူပဋ္ဌေန နိယတန္တိ၊ အာမန္တာ။ မိစ္ဆတ္တနိယတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။  
သမ္မတ္တနိယတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ပ။ သင်္ခါရာ။ပ။  
ဝိညာဏံ ဝိညာဏဋ္ဌေန နိယတန္တိ၊ အာမန္တာ။ မိစ္ဆတ္တနိယတန္တိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ သမ္မတ္တနိယတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၈၈။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ရူပံ ရူပဋ္ဌေန နိယတံ။ပ။ ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ပ။  
သင်္ခါရာ။ပ။ ဝိညာဏံ ဝိညာဏဋ္ဌေန နိယတံ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ ဝေဒနာ



ဟောတိ။ ပ။ သညာ ဟောတိ။ သင်္ခါရာ ဟောန္တိ။ ဝိညာဏံ ဟောတိ။ ဝေဒနာ။ ပ။ သညာ။ ပ။ သင်္ခါရာ။ ပ။ ဝိညာဏံ ရူပံ ဟောတိ။ ပ။ ဝေဒနာ ဟောတိ။ သညာ ဟောတိ။ သင်္ခါရာ ဟောန္တိတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ ရူပံ ရူပဋ္ဌေန နိယတံ။ ဝေဒနာ။ ပ။ သညာ။ ပ။ သင်္ခါရာ။ ပ။ ဝိညာဏံ ဝိညာဏဋ္ဌေန နိယတန္တိ။

ဓမ္မကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂၁-ဧကဝိသတိမဝဂ္ဂ

### (၂၀၇) ဂ-ကမ္မကထာ

၈၈၉။ \* သဗ္ဗေ ကမ္မာ နိယတာတိ။ အာမန္တာ။ မိစ္ဆတ္တနိယတာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သမ္မတ္တနိယတာတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ နတ္ထိ အနိယတော ရာသီတိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ နနု အတ္ထိ အနိယတော ရာသီတိ။ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အတ္ထိ အနိယတော ရာသီ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗေ ကမ္မာ နိယတာ”တိ။

\* သဗ္ဗေ ကမ္မာ နိယတာတိ။ အာမန္တာ။ နနု တယော ရာသီ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ— မိစ္ဆတ္တနိယတော ရာသီ၊ သမ္မတ္တနိယတော ရာသီ၊ အနိယတော ရာသီတိ။ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ တယော ရာသီ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ— မိစ္ဆတ္တနိယတော ရာသီ၊ သမ္မတ္တနိယတော ရာသီ၊ အနိယတော ရာသီ။ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗေ ကမ္မာ နိယတာ”တိ။

၈၉၀။ \* ဒိဋ္ဌဓမ္မဝေဒနီယံ ကမ္မံ ဒိဋ္ဌဓမ္မဝေဒနီယဋ္ဌေန နိယတန္တိ။ အာမန္တာ။ မိစ္ဆတ္တနိယတန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သမ္မတ္တနိယတန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဥပပဇ္ဇဝေဒနီယံ ကမ္မံ။ ပ။ အပရာပရိယဝေဒနီယံ ကမ္မံ အပရာပရိယဝေဒနီယဋ္ဌေန နိယတန္တိ။ အာမန္တာ။ မိစ္ဆတ္တနိယတန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ သမ္မတ္တနိယတန္တိ။ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

၈၉၁။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဒိဋ္ဌဓမ္မဝေဒနီယံ ကမ္မံ ဒိဋ္ဌဓမ္မဝေဒနီယဋ္ဌေန နိယတံ။ ဥပပဇ္ဇဝေဒနီယံ ကမ္မံ။ ပ။ အပရာပရိယဝေဒနီယံ ကမ္မံ အပရာပရိယဝေဒနီယဋ္ဌေန နိယတ”န္တိ။ အာမန္တာ။ ဒိဋ္ဌဓမ္မဝေဒနီယံ ကမ္မံ ဥပပဇ္ဇဝေဒနီယံ ဟောတိ။ အပရာပရိယဝေဒနီယံ ဟောတိ။ ပ။ ဥပပဇ္ဇဝေဒနီယံ ကမ္မံ ဒိဋ္ဌဓမ္မဝေဒနီယံ ဟောတိ။



အပရာပရိယဝေဒနီယံ ဟောတိ။ပ။အပရာပရိယဝေဒနီယံ ကမ္မံ ဒိဋ္ဌဓမ္မဝေဒနီယံ ဟောတိ၊ ဥပပဇ္ဇဝေဒနီယံ ဟောတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ တေန ဟိ ဒိဋ္ဌဓမ္မ-  
ဝေဒနီယံ ကမ္မံ ဒိဋ္ဌဓမ္မဝေဒနီယဋ္ဌေန နိယတံ။ ဥပပဇ္ဇဝေဒနီယံ ကမ္မံ။ပ။ အပရာ-  
ပရိယဝေဒနီယံ ကမ္မံ အပရာပရိယဝေဒနီယဋ္ဌေန နိယတန္တိ။

ကမ္မကထာ နိဋ္ဌိတာ။

ဧကဝိသတိမော ဝဂ္ဂေါ။

### တသုဒ္ဓါနံ

သာသနံ နဝံ ကတံ၊ အတ္ထိ ကောစိ တထာဂတဿ သာသနံ နဝံ  
ကရောတိ၊ လဗ္ဘာ တထာဂတဿ သာသနံ ပုန နဝံ ကာတုံ၊ ပုထုဇ္ဇနော  
တေဓာတုကေဟိ ကမ္မေဟိ အဝိဝိတ္တော၊ အတ္ထိ ကိဉ္စိ သံယောဇနံ အပ္ပဟာယ  
အရဟတ္တပ္ပတ္တိ၊ အတ္ထိ အဓိပ္ပါယ်ဒွိ ဗုဒ္ဓါနံ ဝါ သာဝကာနံ ဝါ၊ အတ္ထိ ဗုဒ္ဓါနံ  
ဗုဒ္ဓေဟိ ဟိနာတိရေကတာ၊ သဗ္ဗာ ဒိသာ ဗုဒ္ဓါ တိဋ္ဌန္တိ၊ သဗ္ဗေ ဓမ္မာ နိယတာ၊  
သဗ္ဗေ ကမ္မာ နိယတာတိ။

### ၂၂-ဗာဝိသတိမဝဂ္ဂ

#### (၂၀၈) ၁-ပရိနိဗ္ဗာနကထာ

၈၉၂။ \* အတ္ထိ ကိဉ္စိ သံယောဇနံ အပ္ပဟာယ ပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ  
ကိဉ္စိ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ အပ္ပဟာယ။ပ။ အနောတ္တပ္ပံ အပ္ပဟာယ ပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊  
န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။

\* အတ္ထိ ကိဉ္စိ သံယောဇနံ အပ္ပဟာယ ပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ  
သရာဂေါ။ပ။ သကိလေသောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ပ။ နန အရဟာ  
နိရာဂေါ။ပ။ နိက္ခိလေသောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ အရဟာ နိရာဂေါ။ပ။  
နိက္ခိလေသော၊ နော စ ဝဟ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ ကိဉ္စိ သံယောဇနံ  
အပ္ပဟာယ ပရိနိဗ္ဗာန”န္တိ။

၈၉၃။ † န ဝတ္ထဗ္ဗေ “အတ္ထိ ကိဉ္စိ သံယောဇနံ အပ္ပဟာယ ပရိနိဗ္ဗာနန္တိ၊  
အာမန္တာ။ အရဟာ သဗ္ဗံ ဗုဒ္ဓဝိသယံ ဇာနာတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ တေန  
ဟိ အတ္ထိ ကိဉ္စိ သံယောဇနံ အပ္ပဟာယ ပရိနိဗ္ဗာနန္တိ။

ပရိနိဗ္ဗာနကထာ နိဋ္ဌိတာ။



၂၂-ဗာဇီသတိမဝဂ္ဂ

(၂၀၉) ၂-ကုသလစိတ္တကထာ

၈၉၄။ \* အရဟတာ ကုသလစိတ္တော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတာ ပုညာဘိသင်္ခါရံ အဘိသင်္ခရောန္တော။ အာနေဉ္ဇာဘိသင်္ခါရံ အဘိသင်္ခရောန္တော။ ဂတိသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ ကရောန္တော။ ဘဝသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ ကရောန္တော။ ဣဿရိယသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ ကရောန္တော။ အဓိပစ္စသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ ကရောန္တော။ မဟာဘောဂသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ ကရောန္တော။ မဟာပရိဝါရသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ ကရောန္တော။ ဒေဝသောဘဂျသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ ကရောန္တော။ မနုဿသောဘဂျသံဝတ္တနိယံ ကမ္မံ ကရောန္တော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

\* အရဟတာ ကုသလစိတ္တော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟတာ အာစိန္တော အပစိန္တော။ ပဇဟန္တော ဥပါဒိယန္တော။ ဝိသိနေန္တော ဥဿိနေန္တော။ ဝိရူပေန္တော သန္တူပေန္တော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နနု အရဟတာ နေဝါစိနာတိ န အပစိနာတိ အပစိနိတွာ ဌိတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတာ နေဝါစိနာတိ၊ န အပစိနာတိ၊ အပစိနိတွာ ဌိတော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတာ ကုသလစိတ္တော ပရိနိဗ္ဗာယတိ”တိ။ နနု အရဟတာ နေဝ ပဇဟတိ န ဥပါဒိယတိ၊ ပဇဟိတွာ ဌိတော။ နေဝ ဝိသိနေတိ န ဥဿိနေတိ၊ ဝိသိနေတွာ ဌိတော။ နနု အရဟတာ နေဝ ဝိရူပေတိ န သန္တူပေတိ၊ ဝိရူပေတွာ ဌိတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတာ နေဝ ဝိရူပေတိ န သန္တူပေတိ၊ ဝိရူပေတွာ ဌိတော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတာ ကုသလစိတ္တော ပရိနိဗ္ဗာယတိ”တိ။

၈၉၅။ † နံ ဝတ္တဗ္ဗံ “အရဟတာ ကုသလစိတ္တော ပရိနိဗ္ဗာယတိ”တိ၊ အာမန္တာ။ နနု အရဟတာ ဥပဋ္ဌိတဿတိ သတော သမ္ပဇာနော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟတာ ဥပဋ္ဌိတဿတိ သတော သမ္ပဇာနော ပရိနိဗ္ဗာယတိ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟတာ ကုသလစိတ္တော ပရိနိဗ္ဗာယတိ”တိ။

ကုသလစိတ္တကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၂၂-ဗာဓိသတိမဝဂ္ဂ

## (၂၁၀) ၃-အာနေဉ္ဇကထာ

၈၉၆။ \* အရဟာ အာနေဉ္ဇေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု အရဟာ ပကတိစိတ္တေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ ပကတိစိတ္တေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟာ အာနေဉ္ဇေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိ”တိ။

\* အရဟာ အာနေဉ္ဇေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ ကိရိယမယေ စိတ္တေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ နနု အရဟာ၊ ဝိပါကစိတ္တေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ ဝိပါကစိတ္တေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟာ အာနေဉ္ဇေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိ”တိ။

\* အရဟာ အာနေဉ္ဇေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟာ ကိရိယာဗျာကတေ စိတ္တေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ နနု အရဟာ ဝိပါကာဗျာကတေ စိတ္တေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အရဟာ ဝိပါကာဗျာကတေ စိတ္တေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟာ အာနေဉ္ဇေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိ”တိ။

\* အရဟာ အာနေဉ္ဇေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဘဂဝါ စတုတ္ထဇ္ဈာနာ ဝုဠဟိတွာ သမနန္တရာ ပရိနိဗ္ဗုတောတိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ဘဂဝါ စတုတ္ထဇ္ဈာနာ ဝုဠဟိတွာ သမနန္တရာ ပရိနိဗ္ဗုတော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အရဟာ အာနေဉ္ဇေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိ”တိ။

အာနေဉ္ဇကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂၂-ဗာဓိသတိမဝဂ္ဂ

## (၂၁၁) ၄-ဓမ္မာဘိသမယကထာ

၈၉၇။ \* အတ္ထိ ဂဟ္တသေယျာယ ဓမ္မာဘိသမယောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ ဂဟ္တသေယျာယ ဓမ္မဒေသနာ၊ ဓမ္မဿဝနံ၊ ဓမ္မသာကစ္ဆာ၊ ပရိပုစ္ဆာ၊ သီလသမာဒါနံ၊ ဣန္ဒြိယေသု ဂုတ္တဒ္ဓါရတာ၊ ဘောဇနေ မတ္တညုတာ၊ ပုဗ္ဗရတ္တာပရရတ္တံ



ဇာဂရိယာနုယောဂေါတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နတ္ထိ ဂဟ္တသေယျာယ ဓမ္မဒေသနာ၊ ဓမ္မဿဝနံ။ပ။ ပုဗ္ဗရတ္တာပရရတ္တံ ဇာဂရိယာနုယောဂေါတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ နတ္ထိ ဂဟ္တသေယျာယ ဓမ္မဒေသနာ၊ ဓမ္မဿဝနံ။ပ။ ပုဗ္ဗရတ္တာပရရတ္တံ ဇာဂရိယာနုယောဂေါ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ဂဟ္တသေယျာယ ဓမ္မာဘိသမယော”တိ။

\* အတ္ထိ ဂဟ္တသေယျာယ ဓမ္မာဘိသမယောတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ခွေ ပစ္စယာ သမ္မာဒိဋ္ဌိယာ ဥပ္ပါဒါယ ပရတော စ ယောသော၊ ယောနိသော စ မနသိကာရေတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ ခွေ ပစ္စယာ သမ္မာဒိဋ္ဌိယာ ဥပ္ပါဒါယ ပရတော စ ယောသော၊ ယောနိသော စ မနသိကာရေ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အတ္ထိ ဂဟ္တသေယျာယ ဓမ္မာဘိသမယော”တိ။

\* အတ္ထိ ဂဟ္တသေယျာယ ဓမ္မာဘိသမယောတိ၊ အာမန္တာ။ သုတ္တဿ ပမတ္တဿ မုဋ္ဌဿတိဿ အသမ္ပဇာနဿ ဓမ္မာဘိသမယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ဓမ္မာဘိသမယကထာ နိဋ္ဌိတာ။

---

## ၂၂-ဗာဝိသတိမဝဂ္ဂ

### (၂၁၂-၄) ၅-၇-တိဿောပိကထာ

၈၉၈။ \* အတ္ထိ ဂဟ္တသေယျာယ အရဟတ္တပ္ပတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သုတ္တဿ ပမတ္တဿ မုဋ္ဌဿတိဿ အသမ္ပဇာနဿ အရဟတ္တပ္ပတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၈၉၉။ \* အတ္ထိ သုပိနဂတဿ ဓမ္မာဘိသမယောတိ၊ အာမန္တာ။ သုတ္တဿ ပမတ္တဿ မုဋ္ဌဿတိဿ အသမ္ပဇာနဿ ဓမ္မာဘိသမယောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၉၀၀။ \* အတ္ထိ သုပိနဂတဿ အရဟတ္တပ္ပတ္တိတိ၊ အာမန္တာ။ သုတ္တဿ ပမတ္တဿ မုဋ္ဌဿတိဿ အသမ္ပဇာနဿ အရဟတ္တပ္ပတ္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

တိဿောပိကထာ နိဋ္ဌိတာ။



## ၂၂-ဗာဓိသတိမဝဂ္ဂ

## (၂၁၅) ၈-အဗျာကတကထာ

၉၀၁။ \*သဗ္ဗံ သုပ္ပိနဂတဿ စိတ္တံ အဗျာကတန္တိ၊ အာမန္တာ။ သုပ္ပိနန္တေန ပါဏံ ဟနေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ သုပ္ပိနန္တေန ပါဏံ ဟနေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗံ သုပ္ပိနဂတဿ စိတ္တံ အဗျာကတ”န္တိ။

\* သုပ္ပိနန္တေန အဒိန္နံ အာဒိယေယျ။ ပ။ မုဿာ ဘဏေယျ။ ပိသုဏံ ဘဏေယျ။ ဖရသံ ဘဏေယျ။ သမ္ဘိ ပလပေယျ။ သန္တိ ဆိန္တေယျ။ နိလ္လောပံ ဟရေယျ။ ကောဂါရိကံ ကရေယျ။ ပရိပန္နေ တိဋ္ဌေယျ။ ပရဒါရံ ဂစ္ဆေယျ။ ဂါမဿာတဏံ ကရေယျ။ နိဂမဿာတကံ ကရေယျ။ သုပ္ပိနန္တေန မေထုနံ ဓမ္မံ ပဋိသေဝေယျ။ သုပ္ပိနဂတဿ အသုစိ မုစ္ဆေယျ။ သုပ္ပိနန္တေန ဒါနံ ဒဒေယျ။ စီဝရံ ဒဒေယျ။ ပိဏ္ဍုပါတံ ဒဒေယျ။ သေနာသနံ ဒဒေယျ။ ဂိလာနပစ္စယဘောသဇ္ဇပရိက္ခာရံ ဒဒေယျ။ ခါဒနီယံ ဒဒေယျ။ ဘောဇနီယံ ဒဒေယျ။ ပါနီယံ ဒဒေယျ။ စေတိယံ ဝန္တေယျ။ စေတိယေ မာလံ အာရောပေယျ။ ဂန္ဓံ အာရောပေယျ။ ဝိလေပနံ အာရောပေယျ။ ပ။ စေတိယံ အဘိဒက္ခိဏံ ကရေယျာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ သုပ္ပိနန္တေန စေတိယံ အဘိဒက္ခိဏံ ကရေယျ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗံ သုပ္ပိနဂတဿ စိတ္တံ အဗျာကတ”န္တိ။

၉၀၂။ †နံ ဝတ္တဗ္ဗံ “သဗ္ဗံ သုပ္ပိနဂတဿ စိတ္တံ အဗျာကတ”န္တိ၊ အာမန္တာ။ နန သုပ္ပိနဂတဿ စိတ္တံ အဗ္ဗောဟာရိယံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာတိ၊ အာမန္တာ။ ဟန္တိ သုပ္ပိနဂတဿ စိတ္တံ အဗ္ဗောဟာရိယံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ၊ တေန ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “သဗ္ဗံ သုပ္ပိနဂတဿ စိတ္တံ အဗျာကတ”န္တိ။

အဗျာကတကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂၂-ဗာဓိသတိမဝဂ္ဂ

## (၂၁၆) ၉-အာသေဝနပစ္စယကထာ

၉၀၃။ \*နတ္ထိ ကာစိ အာသေဝနပစ္စယတာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “ပါဏာတိပါတော ဘိက္ခဝေ အာသေဝိတော ဘာဝိတော



ဗဟုလီကတော နိရယသံဝတ္တနိကော တိရစ္ဆာနယောနိသံဝတ္တနိကော ပေတ္တိ-  
ဝိသယသံဝတ္တနိကော၊ ယော သဗ္ဗလဟုသော ပါဏာတိပါတဿ ဝိပါကော  
မနုဿဘူတဿ အပ္ပါယုကသံဝတ္တနိကော ဟောတိ”တိ<sup>၁</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊  
အာမန္တာ။ တေန ဟိ အတ္ထိ ကာစိ အာသေဝနပစ္စယတာတိ။

\* နတ္ထိ ကာစိ အာသေဝနပစ္စယတာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ  
“အဒိန္နာဒါနံ ဘိက္ခဝေ အာသေဝိတံ ဘာဝိတံ ဗဟုလီကတံ နိရယသံဝတ္တနိကံ  
တိရစ္ဆာနယောနိသံဝတ္တနိကံ ပေတ္တိဝိသယသံဝတ္တနိကံ၊ ယော သဗ္ဗလဟုသော  
အဒိန္နာဒါနဿ ဝိပါကော မနုဿဘူတဿ ဘောဂဗျသနသံဝတ္တနိကော  
ဟောတိ။ပ။ ယော သဗ္ဗလဟုသော ကာမေသုမိစ္ဆာစာရဿ ဝိပါကော  
မနုဿဘူတဿ သပတ္တဝေရသံဝတ္တနိကော ဟောတိ။ပ။ ယော သဗ္ဗလဟုသော  
မုသာဝါဒဿ ဝိပါကော မနုဿဘူတဿ အပ္ပူတပ္ပူက္ခာနသံဝတ္တနိကော  
ဟောတိ။ပ။ ယော သဗ္ဗလဟုသော ဝိသုဏာယ ဝါစာယ ဝိပါကော မနုဿ-  
ဘူတဿ မိတ္တေဟိ ဘေဒနသံဝတ္တနိကော ဟောတိ။ပ။ ယော သဗ္ဗလဟုသော  
ဖရဿာယ ဝါစာယ ဝိပါကော မနုဿဘူတဿ အမနာပသဒ္ဓသံဝတ္တနိကော  
ဟောတိ။ပ။ ယော သဗ္ဗလဟုသော သမ္ဗုပ္ပလာပဿ ဝိပါကော မနုဿ-  
ဘူတဿ အနာဒေယျဝါစာသံဝတ္တနိကော ဟောတိ။ သုရာမေရယပါနံ ဘိက္ခဝေ  
အာသေဝိတံ။ပ။ ယော သဗ္ဗလဟုသော သုရာမေရယပါနဿ ဝိပါကော  
မနုဿဘူတဿ ဥဗ္ဗတ္တကသံဝတ္တနိကော ဟောတိ”တိ<sup>၂</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊  
အာမန္တာ။ တေန ဟိ အတ္ထိ ကာစိ အာသေဝနပစ္စယတာတိ။

၉၀၄။ \* နတ္ထိ ကာစိ အာသေဝနပစ္စယတာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ  
ဘဂဝတာ “မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိ ဘိက္ခဝေ အာသေဝိတာ ဘာဝိတာ ဗဟုလီကတာ  
နိရယသံဝတ္တနိကာ တိရစ္ဆာနယောနိသံဝတ္တနိကာ ပေတ္တိဝိသယသံဝတ္တနိကာ”တိ  
အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အတ္ထိ ကာစိ အာသေဝန-  
ပစ္စယတာတိ။

\* နတ္ထိ ကာစိ အာသေဝနပစ္စယတာတိ၊ အာမန္တာ။ နနု ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ  
“မိစ္ဆာသင်္ကပ္ပေ။ပ။ မိစ္ဆာသမာဓိ ဘိက္ခဝေ အာသေဝိတော ဘာဝိတော။ပ။  
ပေတ္တိဝိသယသံဝတ္တနိကော”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ  
အတ္ထိ ကာစိ အာသေဝနပစ္စယတာတိ။



၉၀၅။ \*နတ္ထိ ကာစိ အာသေဝနပစ္စယတာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဘိက္ခဝေ အာသေဝိတော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတာ အမတောဂဓော ဟောတိ အမတပရာယနာ အမတပရိယောသာနာ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အတ္ထိ ကာစိ အာသေဝနပစ္စယတာတိ။

\*နတ္ထိ ကာစိ အာသေဝနပစ္စယတာတိ၊ အာမန္တာ။ နန ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ “သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ ဘိက္ခဝေ အာသေဝိတော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ ဘိက္ခဝေ အာသေဝိတော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော အမတောဂဓော ဟောတိ အမတပရာယနော အမတပရိယောသာနော”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ အတ္ထိ ကာစိ အာသေဝနပစ္စယတာတိ။

အာသေဝနပစ္စယကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂၂-ဗာဓိသတိမဝဂ္ဂ

### (၂၁၇) ၁၀-ခဏိကကထာ

၉၀၆။ \*ဧကစိတ္တက္ခဏိကာ သဗ္ဗေ ဓမ္မာတိ၊ အာမန္တာ။ စိတ္တေ မဟာပထဝီ သဏ္ဌာတိ။ မဟာသမုဒ္ဒေါ သဏ္ဌာတိ။ သိနေရုပဗ္ဗတရာဇော သဏ္ဌာတိ။ အာပေါ သဏ္ဌာတိ။ တေဇော သဏ္ဌာတိ။ ဝါယော သဏ္ဌာတိ။ တိဏကဋ္ဌဝနပ္ပတိယော သဏ္ဌဟန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\*ဧကစိတ္တက္ခဏိကာ သဗ္ဗေ ဓမ္မာတိ၊ အာမန္တာ။ စက္ခာယတနံ စက္ခု-  
ဝိညာဏေန သဟဇာတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ စက္ခာယတနံ စက္ခုဝိညာဏေန  
သဟဇာတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော တေဒဝေါစ “အဇ္ဈတ္တိ-  
ကဉ္စေ အာဝုသော စက္ခု အပရိဘိန္တံ ဟောတိ၊ ဗာဟိရာ စ ရူပါ န အာပါယံ  
အာဂစ္ဆန္တိ၊ နော စ တဇ္ဇော သမန္နာဟာရော ဟောတိ၊ နေဝ တာဝ တဇ္ဇဿ  
ဝိညာဏဘာဂဿ” ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ။ အဇ္ဈတ္တိကဉ္စေ အာဝုသော စက္ခု  
အပရိဘိန္တံ ဟောတိ၊ ဗာဟိရာ စ ရူပါ အာပါယံ အာဂစ္ဆန္တိ၊ နော စ တဇ္ဇော  
သမန္နာဟာရော ဟောတိ၊ နေဝ တာဝ တဇ္ဇဿ ဝိညာဏဘာဂဿ ပါတု-  
ဘာဝေါ ဟောတိ။ ယတော စ ခေါ အာဝုသော အဇ္ဈတ္တိကဉ္စေ စက္ခု အပရိဘိန္တံ



ဟောတိ၊ ဗာဟိရာ စ ရူပါ အာပါယံ အာဂစ္ဆန္တိ၊ တဇ္ဇော စ သမန္နာဟာရော  
ဟောတိ၊ ဧဝံ တဇ္ဇဿ ဝိညာဏဘာဂဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ”တိ<sup>၁</sup>  
အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ “စက္ခာယတနံ  
စက္ခဝိညာဏေန သဟဇာတ”န္တိ။

\* သောတာယတနံ။ပ။ သာနာယတနံ။ပ။ ဇိဝှိယတနံ။ပ။ ကာယာယတနံ  
ကာယဝိညာဏေန သဟဇာတန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကာယာယတနံ  
ကာယဝိညာဏေန သဟဇာတန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော  
တေဒဝေါစ“အဇ္ဈတ္တိကော စေဝ အာဝုသော ကာယော အပရိဘိန္နော ဟောတိ၊  
ဗာဟိရာ စ ဖောဠဗ္ဗာ န အာပါယံ အာဂစ္ဆန္တိ၊ နော စ။ပ။ အဇ္ဈတ္တိကော စေဝ  
အာဝုသော ကာယော အပရိဘိန္နော ဟောတိ၊ ဗာဟိရာ စ ဖောဠဗ္ဗာ အာပါယံ  
အာဂစ္ဆန္တိ၊ နော စ။ပ။ ယတော စ ခေါ အာဝုသော အဇ္ဈတ္တိကော စေဝ  
ကာယော အပရိဘိန္နော ဟောတိ၊ ဗာဟိရာ စ ဖောဠဗ္ဗာ အာပါယံ အာဂစ္ဆန္တိ၊  
တဇ္ဇော စ သမန္နာဟာရော ဟောတိ၊ ဧဝံ တဇ္ဇဿ ဝိညာဏဘာဂဿ  
ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ”တိ<sup>၂</sup> အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ အာမန္တာ။ တေန ဟိ န  
ဝတ္တဗ္ဗံ “ကာယာယတနံ ကာယဝိညာဏေန သဟဇာတ”န္တိ။

၉၀၇။ † န ဝတ္တဗ္ဗံ “ဧကစိတ္တက္ခဏိကာ သဗ္ဗေ ဓမ္မာ”တိ၊ အာမန္တာ။  
သဗ္ဗေ ဓမ္မာ နိစ္စာ ဓုဝါ သဿတာ အဝိပရိဏာမဓမ္မာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။  
တေန ဟိ ဧကစိတ္တက္ခဏိကာ သဗ္ဗေ ဓမ္မာတိ။

ခဏိကကထာ နိဋ္ဌိတာ။

ဗာဝိသတိမော ဝဂ္ဂေါ။

### တသုဒ္ဓါနံ

အတ္ထိ ကိဉ္စိ သံယောဇနံ အပ္ပဟာယ ပရိနိဗ္ဗာနံ၊ အရဟာ ကုသလစိတ္တော  
ပရိနိဗ္ဗာယတိ၊ အရဟာ အာနေဉ္ဇေ ဌိတော ပရိနိဗ္ဗာယတိ၊ အတ္ထိ ဂဟ္တသေယျာယ  
ဓမ္မာဘိသမယော၊ အတ္ထိ ဂဟ္တသေယျာယ အရဟတ္တပ္ပတ္တိ၊ အတ္ထိ သုပိနဂတဿ  
ဓမ္မာဘိသမယော၊ အတ္ထိ သုပိနဂတဿ အရဟတ္တပ္ပတ္တိ၊ သဗ္ဗံ သုပိနဂတဿ  
စိတ္တံ အဗျာကတံ၊ နတ္ထိ ကာမိ အာသေဝနပစ္စယတာ၊ ဧကစိတ္တက္ခဏိကာ  
သဗ္ဗေ ဓမ္မာတိ။



**၂၃-တေဝိသတိမဝဂ္ဂ****(၂၁၈) ၁-ကောဓိပ္ပါယကထာ**

၉၀၈။ \*ကောဓိပ္ပါယေန မေထုနော ဓမ္မော ပဋိသေဝိတဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ ကောဓိပ္ပါယေန အဿမဏေန ဟောတဗ္ဗံ အဘိက္ခုနာ ဟောတဗ္ဗံ ဆိန္ဒမူလေန ဟောတဗ္ဗံ ပါရာဇိကေန ဟောတဗ္ဗန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ ကောဓိပ္ပါယေန မေထုနော ဓမ္မော ပဋိသေဝိတဗ္ဗောတိ၊ အာမန္တာ။ ကောဓိပ္ပါယေန ပါဏော ဟန္တဗ္ဗော။ အဒိန္နံ အာဒိယိတဗ္ဗံ။ မုဿာ ဘဏိတဗ္ဗော။ ပိသုဏံ ဘဏိတဗ္ဗံ။ ဖရသံ ဘဏိတဗ္ဗံ။ သမ္ပံ ပလပိတဗ္ဗံ။ သန္တိ ဆေဒိတဗ္ဗော။ နိလ္လောပံ ဟာတဗ္ဗံ။ ကောဂါရိကံ ကာတဗ္ဗံ။ ပရိပန္နော ဌာတဗ္ဗံ။ ပရဒါရော ဂန္တဗ္ဗော။ ဂါမဿာတကော ကာတဗ္ဗော။ နိဂမဿာတကော ကာတဗ္ဗောတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ကောဓိပ္ပါယကထာ နိဋ္ဌိတာ။

**၂၃-တေဝိသတိမဝဂ္ဂ****(၂၁၉) ၂-အရဟန္တဝဏ္ဏကထာ**

၉၀၉။ \*အရဟန္တာနံ ဝဏ္ဏေန အမနုဿာ မေထုနံ ဓမ္မံ ပဋိသေဝန္တိတိ၊ အာမန္တာ။ အရဟန္တာနံ ဝဏ္ဏေန အမနုဿာ ပါဏံ ဟနန္တိ။ပ။ အဒိန္နံ အာဒိယန္တိ။ မုဿာ ဘဏန္တိ။ ပိသုဏံ ဘဏန္တိ။ ဖရသံ ဘဏန္တိ။ သမ္ပံ ပလပန္တိ။ သန္တိ ဆိန္ဒန္တိ။ နိလ္လောပံ ဟရန္တိ။ ကောဂါရိကံ ကရေန္တိ။ ပရိပန္နော တိဋ္ဌန္တိ။ ပရဒါရံ ဂစ္ဆန္တိ။ ဂါမဿာတကံ ကရေန္တိ။ပ။ နိဂမဿာတကံ ကရေန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

အရဟန္တဝဏ္ဏကထာ နိဋ္ဌိတာ။

**၂၃-တေဝိသတိမဝဂ္ဂ****(၂၂၀-၄) ၃-၇-ဣဿရိယကာမကာရိကာကထာ**

၉၁၀။ \*ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု ဝိနိပါတံ ဂစ္ဆတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု နိရယံ



၂၃-တေဝိသတိမဝဂ္ဂ (၂၂၀-၄) ၃-၇-ဣဿရိယကာမကာရိကာကထာ ၄၅၁

ဂစ္ဆတိ။ သဗ္ဗိဝံ ဂစ္ဆတိ။ ကာလသုတ္တံ ဂစ္ဆတိ။ တာပနံ ဂစ္ဆတိ။ မဟာတာပနံ<sup>၁</sup>  
ဂစ္ဆတိ။ သံဃာတကံ ဂစ္ဆတိ။ ရောရဝံ ဂစ္ဆတိ။ ပ။ အဝိစိ<sup>၂</sup> ဂစ္ဆတိတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု ဝိနိပါတံ ဂစ္ဆတိတိ၊  
အာမန္တာ။ “ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု ဝိနိပါတံ  
ဂစ္ဆတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။ ဟဉ္စိ “ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယ-  
ကာမကာရိကာဟေတု ဝိနိပါတံ ဂစ္ဆတိ”တိ နတ္ထေဝ သုတ္တန္တော၊ နော စ ဝတ  
ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု ဝိနိပါတံ  
ဂစ္ဆတိ”တိ။

၉၁၁။ \* ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု ဂပ္ပသေယျံ  
ဩက္ကမတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု  
နိရယံ ဥပပဇ္ဇေယျ။ တိရစ္ဆာနယောနိ<sup>၃</sup> ဥပပဇ္ဇေယျာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု ဂပ္ပသေယျံ ဩက္က-  
မတိတိ၊ အာမန္တာ။ ဗောဓိသတ္တော ဣဒ္ဓိမာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။ ဗောဓိ-  
သတ္တော ဣဒ္ဓိမာတိ၊ အာမန္တာ။ ဗောဓိသတ္တေန ဆန္ဒိဒ္ဓိပါဒေါ ဘာဝိတော။ ပ။  
ဝိရိယိဒ္ဓိပါဒေါ။ ပ။ စိတ္တိဒ္ဓိပါဒေါ။ ပ။ ဝိမံသိဒ္ဓိပါဒေါ ဘာဝိတောတိ၊ န ဟေဝံ  
ဝတ္တဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု ဂပ္ပသေယျံ ဩက္က-  
မတိတိ၊ အာမန္တာ။ “ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု  
ဂပ္ပသေယျံ ဩက္ကမတိ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။ ဟဉ္စိ “ဗောဓိသတ္တော  
ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု ဂပ္ပသေယျံ ဩက္ကမတိ”တိ နတ္ထေဝ သုတ္တန္တော၊  
နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု  
ဂပ္ပသေယျံ ဩက္ကမတိ”တိ။

၉၁၂။ \* ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု ဒုက္ကရကာရိကံ  
အကာသိတိ၊ အာမန္တာ။ ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု  
“သဿတော လောကော”တိ ပစ္စာဂစ္ဆိ။ “အသဿတော လောကော”တိ။ ပ။  
“အန္တဝါ လောကော”တိ။ ပ။ “အနန္တဝါ လောကော”တိ၊ “တံ ဇီဝံ တံ



သရီရ”န္တိ၊ “အညံ ဇီဝံ အညံ သရီရ”န္တိ၊ “ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ။ “န ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ၊ “ဟောတိ စ န စ ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ။ ပ။ “နေဝ ဟောတိ န န ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ပစ္စာဂန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

\* ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု ဒုက္ခရကာရိကံ အကာသီတိ၊ အာမန္တာ။ “ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု ဒုက္ခရကာရိကံ အကာသီ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။ ဟဉ္စိ “ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု ဒုက္ခရကာရိကံ အကာသီ”တိ နတ္ထေဝ သုတ္တန္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု ဒုက္ခရကာရိကံ အကာသီ”တိ။

၉၁၃။ \* ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု အပရန္တပံ အကာသီ၊ အညံ သတ္တာရံ ဥဒ္ဓိသီတိ၊ အာမန္တာ။ ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု “သဿတော လောကော”တိ ပစ္စာဂန္တိ။ ပ။ “နေဝ ဟောတိ န န ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ပစ္စာဂန္တိတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္ထဗ္ဗေ။ ပ။

၉၁၄။ \* ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု အညံ သတ္တာရံ ဥဒ္ဓိသီတိ၊ အာမန္တာ။ “ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု အညံ သတ္တာရံ ဥဒ္ဓိသီ”တိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ၊ နတ္ထိ။ ဟဉ္စိ “ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု အညံ သတ္တာရံ ဥဒ္ဓိသီ”တိ နတ္ထေဝ သုတ္တန္တော၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္ထဗ္ဗေ “ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယကာမကာရိကာဟေတု အညံ သတ္တာရံ ဥဒ္ဓိသီ”တိ။

ဣဿရိယကာမကာရိကာကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂၃-ဧဝိသတိမဝဂ္ဂ

### (၂၂၅) ဂ-ပတိရူပကထာ

၉၁၅။ \* အတ္ထိ န ရာဂေါ ရာဂပတိရူပကောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ န ဖဿော ဖဿပတိရူပကော။ အတ္ထိ န ဝေဒနာ ဝေဒနာပတိရူပိကာ။ အတ္ထိ န သညာ



သညာပတိရူပိကာ။ အတ္ထိ န စေတနာ စေတနာပတိရူပိကာ။ အတ္ထိ န စိတ္တံ စိတ္တပတိရူပကံ။ အတ္ထိ န သဒ္ဓါ သဒ္ဓါပတိရူပိကာ။ အတ္ထိ န ဝီရိယံ ဝီရိယပတိရူပကံ။ အတ္ထိ န သတိ သတိပတိရူပိကာ။ အတ္ထိ န သမာဓိ သမာဓိပတိရူပကော။ အတ္ထိ န ပညာ ပညာပတိရူပိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

၉၁၆။ \* အတ္ထိ န ဒေါသော ဒေါသပတိရူပကော။ အတ္ထိ န မောဟော မောဟပတိရူပကော။ အတ္ထိ န ကိလေသော ကိလေသပတိရူပကောတိ၊ အာမန္တာ။ အတ္ထိ န ဖဿော ဖဿပတိရူပကော။ပ။ အတ္ထိ န ပညာ ပညာပတိရူပိကာတိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။

ပတိရူပကထာ နိဋ္ဌိတာ။

## ၂၃-တေဝိသတိမဝဂ္ဂ

### (၂၂၆) ၉-အပရိနိပ္ပန္နကထာ

၉၁၇။ \* ရူပံ အပရိနိပ္ပန္နန္တိ၊ အာမန္တာ။ ရူပံ န အနိစ္စံ န သင်္ခတံ န ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နံ န ခယဓမ္မံ န ဝယဓမ္မံ န ဝိရာဂဓမ္မံ န နိရောဓဓမ္မံ န ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန ရူပံ အနိစ္စံ သင်္ခတံ ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နံ ခယဓမ္မံ ဝယဓမ္မံ ဝိရာဂဓမ္မံ နိရောဓဓမ္မံ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ရူပံ အနိစ္စံ သင်္ခတံ။ပ။ ဝိပရိဏာမဓမ္မံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ရူပံ အပရိနိပ္ပန္န”န္တိ။

\* ဒုက္ခညေဝ ပရိနိပ္ပန္နန္တိ၊ အာမန္တာ။ နန ယဒနိစ္စံ တံ ဒုက္ခံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ ရူပံ အနိစ္စန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ယဒနိစ္စံ တံ ဒုက္ခံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ ရူပံ အနိစ္စံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဒုက္ခညေဝ ပရိနိပ္ပန္န”န္တိ။ပ။

၉၁၈။ \* ဝေဒနာ။ပ။ သညာ။ သင်္ခါရာ။ ဝိညာဏံ။ စက္ခာယတနံ။ပ။ ဓမ္မာယတနံ။ စက္ခုဓာတု။ပ။ ဓမ္မဓာတု။ စက္ခုဗြိယံ။ပ။ အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အပရိနိပ္ပန္နန္တိ၊ အာမန္တာ။ အညာတာဝိဇ္ဇိယံ န အနိစ္စံ။ပ။ န ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ န ဟေဝံ ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ နန အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အနိစ္စံ သင်္ခတံ။ပ။ ဝိပရိဏာမဓမ္မန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အနိစ္စံ သင်္ခတံ ပဋိစ္စသမုပ္ပန္နံ ခယဓမ္မံ ဝယဓမ္မံ ဝိရာဂဓမ္မံ နိရောဓဓမ္မံ ဝိပရိဏာမဓမ္မံ၊ နော စ ဝတ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “အညာတာဝိဇ္ဇိယံ အပရိနိပ္ပန္န”န္တိ။



\* ဒုက္ခဥေဝ ပရိနိပ္ပန္နန္တိ၊ အာမန္တာ။ နနု ယဒနိစ္စံ တံ ဒုက္ခံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ အညာတာဝိန္ဒြိယံ အနိစ္စန္တိ၊ အာမန္တာ။ ဟဉ္စိ ယဒနိစ္စံ တံ ဒုက္ခံ ဝုတ္တံ ဘဂဝတာ အညာတာဝိန္ဒြိယံ အနိစ္စံ၊ နော စ ဝဘ ရေ ဝတ္တဗ္ဗေ “ဒုက္ခဥေဝ ပရိနိပ္ပန္နန္တိ” ဟိ။

အပရိနိပ္ပန္နကထာ နိဋ္ဌိတာ။

တေဝိသတိမော ဝဂ္ဂေါ။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဧကောဓိပ္ပါယေန မေထုနော ဓမ္မော ပဋိသေဝိတဗ္ဗော၊ အရဟန္တာနံ ဝဏ္ဏေန အမနုဿာ မေထုနံ ဓမ္မံ ပဋိသေဝန္တိ၊ ဗောဓိသတ္တော ဣဿရိယာ ကာမကာရိကာဟေတု ဝိနိပါတံ ဂစ္ဆတိ၊ ဂဗ္ဘသေယျံ ဩက္ကမတိ၊ ဒုက္ခရ-  
ကာရိကံ အကာသိ၊ အပရန္တပံ အကာသိ၊ အညံ သတ္တာရံ ဥဒ္ဓိသိ၊ အတ္ထိ န ရာဂေါ ရာဂပတိရူပကော၊ အတ္ထိ န ဒေါသော ဒေါသပတိရူပကော၊ အတ္ထိ န မောဟော မောဟပတိရူပကော၊ အတ္ထိ န ကိလေသော ကိလေသပတိ-  
ရူပကော၊ ရူပံ အပရိနိပ္ပန္နံ အညာတာဝိန္ဒြိယံ အပရိနိပ္ပန္နန္တိ။

ခုဒ္ဒကော အဗုပဏ္ဏာသကော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

နဝံ၊ နိဗ္ဗုတိ၊ ဧကောဓိပ္ပါယောတိ။

### ပဏ္ဏာသကုဒ္ဓါနံ

မဟာနိယာမော၊ အနုသယာ၊ နိဂ္ဂဟော ခုဒ္ဒကပဉ္စမော။  
ပရပ္ပဝါဒမဒ္ဒနာ၊ သုတ္တမူလသမာဟိတာ။  
ဥဇ္ဇောတနာ သတ္ထုသမယေ၊ ကထာဝတ္ထုပကရဏေတိ။

### ပဉ္စတ္ထိသဘာဏဝါရံ

ကထာဝတ္ထုပကရဏံ နိဋ္ဌိတံ။



# ကထာဝတ္ထုပါဠိယာ

## လက္ခိတဗ္ဗပဒါနံ အနုတ္တမဏိကာ

| ပဒါနုတ္တမော       | ပိဋကော် | ပဒါနုတ္တမော     | ပိဋကော် |
|-------------------|---------|-----------------|---------|
| [ အ ]             |         | [ အ ]           |         |
| အကာလမစ္စ၊         | ၃၉၄     | အရဟတ္တပ္ပတ္တော  | ၉၀      |
| အဇဠာ              | ၈၀      | အရဟတာ           | ၆၅      |
| အညာဏံ             | ၁၃၄     | အရဟတ္တာ         | ၆၁      |
| အန္တရာဘဝေါ        | ၂၆၉     | အရဟတော          | ၁၀၆     |
| အတိတာရမ္မဏံ       | ၃၀၁     | အရဟန္တာ         | ၆၁      |
| အတိတံ             | ၉၆      | အရိယဓမ္မဝိပါကော | ၂၆၆     |
| အတိတံ စက္ခု       | ၁၀၂     | အရူပဓာတု        | ၂၇၆     |
| အတိတံ ဉာဏံ        | ၁၀၄     | အဝိပက္ခဝိပါကာ   | ၁၁၉     |
| အဓိပ္ပါယဇ္ဇဒ္ဓိ   | ၄၃၈     | အသညဂတိ          | ၁၉၈     |
| အနန္တရာပယုတ္တော   | ၃၄၇     | အသညဘဝေါ         | ၁၉၆     |
| အနာဂတေ ဉာဏံ       | ၂၃၅     | အသမယဝိမုတ္တော   | ၇၄      |
| အနာဂတံ            | ၉၆      | အသာတရာဂေါ       | ၃၅၂     |
| အနာဂတံ စက္ခု      | ၁၀၃     | အသေခံ ဉာဏံ      | ၂၂၈     |
| အနာဂတံ ဉာဏံ       | ၁၀၅     | [ အာ ]          |         |
| အနာဂါမိဖလပ္ပတ္တော | ၈၉      | အာကာသော         | ၂၄၆     |
| အနာဂါမိဖလာ        | ၆၂      | အာပါယိကံ        | ၄၅      |
| အနာဂါမိမဂ္ဂေန     | ၉၄      | အာပေါ           | ၁၀၉     |
| အနာဂါမိဿ          | ၁၀၆     | အာပေါကသိဏံ      | ၁၅၂     |
| အနာသဝါ            | ၂၀၅     | အာယုပ္ပမာဏံ     | ၁၅၉     |
| အနိစ္စတာ          | ၃၃၄     | အာရဟ္မထ         | ၁၅၆     |
| အနုပုဗ္ဗာဘိသမယော  | ၁၆၃     | [ အု ]          |         |
| အနုပုဗ္ဗေန မေဓာဝီ | ၁၆၈     | ဣဒံ ဒုက္ခံ      | ၃၂၉     |
| အနုသယာ            | ၂၉၉-၃၂၃ | ဣဒ္ဓိဗလေန       | ၃၃၀     |
| အမတာရမ္မဏံ        | ၂၉၅     | ဣန္ဒြိယဗဒ္ဓိ    | ၃၉၇     |



| ပဒါနုတ္တမော          | ပိဋကော် | ပဒါနုတ္တမော        | ပိဋကော် |
|----------------------|---------|--------------------|---------|
| [ ဥ ]                |         | [ က ]              |         |
| ဥစ္စာရပဿာဝေါ         | ၁၃၀     | ကမ္မူပစယော         | ၃၇၇     |
| ဥပ္ပါဒေါ             | ၅၄      | ကလျာဏပါပကာနိ       | ၄၁      |
| ဥပေက္ခာဟိ သမန္နာဂတော | ၂၁၁     | ကာမဂုဏာ            | ၂၇၂     |
| ဥပေါသထော             | ၁၆၂     | ကာမရာဂါနုသယော      | ၃၆၂     |
|                      |         | ကာမာ               | ၂၇၄     |
| [ ဇ ]                |         | ကာယကမ္မံ           | ၂၄၉     |
| ဧကစိတ္တက္ခဏိကာ       | ၄၄၀     | ကာယကမ္မံ ရူပံ      | ၂၀၂     |
| ဧကဒေသံ               | ၁၀၃     | ကာယဘေဒေါ           | ၁၅၄     |
| ဧကဗ္ဗိ               | ၀၇-၃၄၂  | ကာယသဉ္ဇေတနာ        | ၂၉၀     |
| ဧကဝေါကာရဘဝေါ         | ၁၉၉     | ကာယော              | ၁၀၉     |
| ဧကဝေါကာရဘဝံ          | ၃၀      | ကာသာဝဓာရဏာ         | ၀၁      |
| ဧကောယနမဂ္ဂေါ         | ၁၂၁     | ကုက္ကုဋ္ဌာ         | ၁၆၀     |
|                      |         | ကုသလာကုသလာ         | ၃၄၉     |
|                      |         | ကောလံကောလော        | ၂၀၇-၃၄၁ |
| [ ဩ ]                |         | [ ခ ]              |         |
| ဩက္ကန္တနိယာမော       | ၂၁၆     | ခဏော ပရိနိပ္ပန္နော | ၃၇၂     |
| ဩဒနကုမ္မာသံ          | ၄၀၀     | ခတ္တိယော           | ၃၁      |
| ဩဒါတံ                | ၉၀      | ခန္ဓာ              | ၁၁၅     |
| ဩဒါတံ ရူပံ           | ၃၅      | ဒိဏာ               | ၁၇၆     |
| ဩမိသောမိသော          | ၀၇      |                    |         |
| ဩဋ္ဌာရိကံ ကာမရာဂံ    | ၉၄-၄၀၉  | [ ဝ ]              |         |
| [ က ]                |         | ဂိဟိသံယောဇနံ       | ၂၀၂     |
| ကင်္ခါ               | ၁၄၀     | [ ဝ ]              |         |
| ကပ္ပဋ္ဌော            | ၃၄၅     | စက္ကဝတ္တိသတ္တော    | ၂၁၄ .   |
| ကပ္ပသဟဿာနိ           | ၁၅၉     | စက္ကဝတ္တိ          | ၁၁၀     |
| ကမ္မကာရကော           | ၄၀      | စက္ခုမာ ပုဂ္ဂလော   | ၃၆      |
| ကမ္မတော              | ၃၉၅     | စက္ခုသမ္ပဿဇာ       | ၂၅၁     |
| ကမ္မဝိပါကော          | ၂၆၂     | စတ္တာရိ သစ္စာနိ    | ၂၄၂     |
| ကမ္မဟေတု             | ၂၉၃     |                    |         |



| ပဒါနုတ္တမော           | ပိဋကော် | ပဒါနုတ္တမော       | ပိဋကော် |
|-----------------------|---------|-------------------|---------|
| [ ဝ ]                 |         | [ ခ ]             |         |
| စတုဝေါကာရဘဝေါ         | ၁၉၉     | ဒါနံ ဣဋ္ဌဗလံ      | ၁၆၂-၂၅၅ |
| စိတ္တသန္တတိ           | ၃၃၂     | ဒါယကတောဝ          | ၄၀၃     |
| စိတ္တာနုပရိဝတ္တိ      | ၃၁၉     | ဒိဋ္ဌိပရိယုဋ္ဌာနံ | ၁၈၅     |
| စိတ္တာရမ္မဏံ          | ၂၃၄     | ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော   | ၃၄၂     |
| စိတ္တံ နိဂ္ဂဏှာတိ     | ၃၈၀     | ဒိန္နံ မဟပ္ပလံ    | ၄၀၁     |
| စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ      | ၃၈၁     | ဒိဗ္ဗသောတံ        | ၁၉၁     |
| စိဝရံ                 | ၂၀၆     | ဒိဗ္ဗံ သုခံ       | ၄၄      |
| စေတသိကော              | ၂၅၃     | ဒုက္ခာဟာရော       | ၁၅၆     |
| စေတောပရိယာယေ ဉာဏံ     | ၂၃၅     | ဒုဂ္ဂတိ           | ၃၄၃     |
| [ ဆ ]                 |         | ဒုဿိလျံ           | ၃၂၂     |
| ဆ ဂတိယော              | ၂၆၈     | ဒေါသဋ္ဌာနိယော     | ၁၇၀     |
| [ ဇ ]                 |         | [ ဝ ]             |         |
| ဇရာမရဏံ               | ၂၆၄-၃၇၃ | ဓမ္မဋ္ဌိတတာ       | ၃၃၃     |
| ဇာနန္ဒော              | ၁၅၀     | ဓမ္မတဏှာ          | ၃၅၃     |
| [ ဈ ]                 |         | [ န ]             |         |
| ဈာနန္တရိကာ            | ၄၁၂     | နိဂဋ္ဌော          | ၃၈      |
| ဈာနာ ဈာနံ             | ၄၁၀     | နိဗ္ဗာနံ          | ၂၄၄     |
| [ ည ]                 |         | နိယတော            | ၃၄၈     |
| ဉာဏီ                  | ၃၂၇     | နိယာမဂမနာယ        | ၂၃၁     |
| ဉာဏံ အနာရမ္မဏံ        | ၃၀၀     | နိယာမော           | ၂၃၉     |
| ဉာဏံ စိတ္တဝိပ္ပယုတ္တံ | ၃၂၈     | နိရယပါလာ          | ၄၃၀     |
| [ ဋ ]                 |         | နိရုတ္တိပထာ       | ၁၁၂     |
| ဋ္ဌာနာဋ္ဌာနဉ္စ        | ၁၇၈     | နိရောဓသမာပတ္တိ    | ၂၄၅     |
| [ တ ]                 |         | နိရောဓာ           | ၁၇၃     |
| တထတာ                  | ၄၂၁     | နိဝုဟော           | ၃၄၉     |
| တထာဂတဗလံ              | ၁၇၄     | နေရယိကံ           | ၄၆      |
| တိရစ္ဆာနဂတာ           | ၄၃၂     | [ ပ ]             |         |
| တိဏိ စက္ခုနိ          | ၁၉၁     | ပဉ္စ ဌာနာနိ       | ၂၆၁     |
|                       |         | ပဉ္စဝိညာဏာ        | ၃၁၂     |



ပဒါနုက္ကမော

[ ဝ ]

ပိဋကော

ပဋိန္ဒြိယာနိ

၁၈၉

ပစ္စုပ္ပန်

၉၆

ပစ္စုပ္ပန် စက္ခု

၁၀၃

ပစ္စုပ္ပန် ဉာဏ်

၁၀၅

ပစ္စေကသမ္ပုဒ္ဓါ

၈၂

ပဉ္စောရတ္တဂိယာနိ

၈၄

ပဋိဂ္ဂါဟကတော

၄၀၄

ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ

၂၄၀

ပဋိသန္တိဒါ

၂၃၃

ပဋုပ္ပန္န ဉာဏ်

၂၃၆

ပဌမံ ကလလံ

၃၅၈

ပဏ္ဍကော

၁၂၉

ပတ္တမာရဏာ

၈၁

ပထဝီကသိဏံ

၁၅၁-၂၃၀

ပဗ္ဗဇ္ဇာ

၈၁

ပရဓမ္မကုသလော

၁၃၃

ပရဝိတာရဏာ

၁၄၅

ပရိနိဗ္ဗာယိပုဂ္ဂလော

၈၅

ပရိနိဗ္ဗုတော

၅၄

ပရိဘောဂမယံ

၂၅၇

ပရိယုဋ္ဌာနံ

၃၆၃

ပရူပဟာရော

၁၃၄

ပိဏ္ဍပါတံ

၂၀၆

ပုညပစ္စယော

၃၉၃

ပုထုဇ္ဇနဿ

၁၀၇

ပုထုဇ္ဇနာ

၁၃၃

ပုထုဇ္ဇနော

၉၂

ပုဗ္ဗကောဋိ

၃၀

ပုရိသယုဂါ

၅၂

ပဒါနုက္ကမော

[ ဖ ]

ပိဋကော

ဖလေ ဉာဏ်

၂၃၇

ဖဿဝိပ္ပယုတ္တံ

၂၈၈

ဖဿော ဝိပါကော

၃၃၉-၃၈၉

[ ဖ ]

ဗာလပုထုဇ္ဇနာ

၁၅၆-၁၇၁

ဗုဒ္ဓပါတုဘာဝါ

၅၃

ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ

၄၀၅

ဗောဇ္ဈင်္ဂရတနာနံ

၁၂၄

ဗောဇ္ဈင်္ဂါ

၁၇၈

ဗောဓိပဋိလာဘာ

၂၁၃

ဗောဓိသတ္တော

၂၁၆

ဗြဟ္မစရိယဝါသော

၈၀

ဗြာဟ္မဏော

၃၁

[ ဘ ]

ဘဂဝတာ

၄၀၆

ဘဂဝတော ဥစ္စာရပဿာဝေါ

၄၀၈

ဘဂဝတော ကရုဏာ

၄၀၇

ဘဂဝတော မေတ္တာ

၄၀၇

[ မ ]

မဂ္ဂဘာဝနာ

၃၁၁

မဂ္ဂသမင်္ဂ

၃၁၅

မဟပ္ပလံ

၄၀၃

မာတာ အတ္ထိ

၅၁

မာတုဿာတကော

၄၂၆

မာဒိသာ ဝေ ဇိနာ

၂၁၈

မာနုသကံ သုခံ

၄၄

မာရကာယိကာ

၁၂၈

မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိယော

၃၆



လက္ခိတဗ္ဗပဒါနံ အနုက္ကမဏိကာ ၄၅၉

ပဒါနုက္ကမော [ မ ] ပိဋကော်

မုဏ္ဍိယံ ၈၁  
မေထုနံ ၁၃၀  
မောဟဋ္ဌာနိယော ၁၇၁  
မံသစက္ခါ ၁၉၀

[ ဃ ]  
ယထာကမ္မူပဂတံ ဉာဏံ ၁၉၃  
ယဒါ ဟဝေ ၁၄၃  
ယံဝတာယုကံ ၁၅၉  
ယောနိ ၂၇၅  
ယံ ကိဋ္ဌိ ၁၁၂

[ ခ ]  
ရတနာနံ ပါတုဘာဝေါ ၁၂၃  
ရာဂဋ္ဌာနိယော ၁၇၀  
ရူပဇိဝိတိန္ဒြိယံ ၂၉၁  
ရူပတဏှာ ၃၅၃  
ရူပဓာတုပရိယာပဇ္ဇော ၃၆၄-၃၉၁  
ရူပိနော ဓမ္မာ ၂၇၅  
ရူပံ မဂ္ဂေါ ၃၀၉  
ရူပံ သာရမ္ပဏံ ၂၉၈

[ လ ]  
လက္ခဏသမန္နာဂတော ၂၁၄  
လဟုပရိဝတ္တာ ၁၅၇  
လောကိယော ၁၇၂  
လောကိယံ ၁၅၂  
လောကုတ္တရံ ၁၅၂

[ ဝ ]  
ဝစီဘေဒေါ ၁၅၀  
ဝဇီရာ ဘိက္ခုနီ ၅၈

ပဒါနုက္ကမော [ ဝ ] ပိဋကော်

ဝိစိကိစ္ဆာ ၁၄၀  
ဝိညတ္တိ သီလံ ၃၂၁  
ဝိတက္ကဝိစာရာ ၁၅၃  
ဝိတက္ကဝိပ္ပါရော ၃၀၄  
ဝိတက္ကသမုဋ္ဌာနာ ၁၅၄  
ဝိပါကော ၄၉-၂၆၇  
ဝိမတိ ၁၂၉  
ဝိမုစ္စမာနံ ၁၈၃  
ဝိမုတ္တိဉာဏံ ၂၂၇  
ဝိတရာဂေါ ၁၃၈  
ဝေဿော ၃၂  
ဝေါဟာရော ၁၆၉

[ သ ]  
သကဒါဂါမိဖလာ ၆၂  
သကဒါဂါမိဖလပ္ပတ္တော ၈၈  
သကဒါဂါမိနာ ၆၇  
သကဒါဂါမိဿ ၁၀၆  
သင်္ဂဟိတာ ၂၅၀  
သညာဘဝေါ ၁၉၆  
သတ္တက္ခတ္တုပရမော ၈၈-၃၄၀  
သတ္တ ရတနာနိ ၂၁၅  
သတိပဋ္ဌာနာ ၁၂၁-၁၇၈  
သဒ္ဓေါ ဝိပါကော ၃၃၈  
သဓမ္မကုသလော ၁၃၂  
သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ၁၈၇  
သမ္ပတိဇာတော ၂၁၅  
သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ ၃၈၅  
သဗ္ဗေ သံယောဇနာ ၂၂၅  
သဗ္ဗံ ကမ္မံ ၃၃၆



| ပဒါနုတ္တမော    | ပိဋကော် | ပဒါနုတ္တမော          | ပိဋကော် |
|----------------|---------|----------------------|---------|
| [ သ ]          |         | [ သ ]                |         |
| သမာဒါနဟေတုကံ   | ၃၂၀     | သုခေါ ဝိဝေကော        | ၁၆၃     |
| သမာပဇ္ဇော      | ၃၅၁     | သုဒ္ဓေါ              | ၃၂      |
| သမ္မာဒိဋ္ဌိယော | ၃၇      | သီလံ အစေတသိကံ        | ၃၁၇     |
| သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ | ၈၂-၁၁၀  | သောတာပတ္တိဖလပ္ပတ္တော | ၈၇      |
| သမ္မုဒ္ဓိဘူတော | ၃၅၀     | သောတာပတ္တိဖလာ        | ၆၂      |
| သမ္မုတိဉာဏံ    | ၂၃၃     | သောတာပန္နဿ           | ၁၀၇     |
| သဠာယတနိကော     | ၂၇၈     | သောတာပဇ္ဇေန          | ၆၇      |
| သာဘောဂါ        | ၃၁၄     | သောတာပဇ္ဇော          | ၃၂-၅၂   |
| သာရိပုတ္တော    | ၂၀၄     | သံဝရော               | ၁၉၄     |
| သာဝကယုဂံ       | ၈၂      | [ ဟ ]                |         |
| သာဝကော         | ၁၇၅     | ဟတ္ထာ                | ၁၀၉     |
| သုက္ကမိဿဋ္ဌိ   | ၁၂၇     | ဟိနာတိရေကတာ          | ၄၃၉     |



# ကထာဝတ္ထုပါဠိယာ

## နာနာပါဌာ

ပဌမော မူလပါဌော၊ သီ...သီဟဋ္ဌပေါတ္တကံ၊ သျှာ...သျှာမပေါတ္တကံ၊  
ကံ...ကမ္မောဇပေါတ္တကံ၊ ဣ...ဣရ်လိသပေါတ္တကံ၊ က...ကေသုစိ မရဗ္ဗ-  
ပေါတ္တကေသု ဒိဿမာနပါဌော၊ က-သီ...ကေသုစိ သီဟဋ္ဌပေါတ္တကေသု  
ဒိဿမာနပါဌော၊ ဌ...အဋ္ဌကထာ။

## ကထာဝတ္ထုပါဠိယာ

နာနာပါဌာ

ပိဋကံ

[ အ ]

|                                                             |     |
|-------------------------------------------------------------|-----|
| အကုသလာ = အကုသလံ (မ ၂-၁၅၇-ပိဋေ)                              | ၃၆၆ |
| အညိန္ဒြိယဉ္စ = အညာတာဝိန္ဒြိယဉ္စ (ဗဟူသု)                     | ၁၄  |
| အတိတာ။ပ။ အတ္ထိတိ = အတိတာ။ပ။ နတ္ထိတိ (က)                     | ၁၁၉ |
| အတိတာနာဂတော သုဘင်္ဂါ = အတိတာနာဂတေသု<br>ဘာဂေါ (သျှာ)         | ၁၂၇ |
| အတ္ထိ ဝိတက္ကဝိစာရာတိ = အတ္ထိ ဝိတက္ကဝိစာရာ (သျှာ) ဧဝမုပရိပိ။ | ၁၅၃ |
| အတ္ထေဝ = အတ္ထိ ( ? )                                        | ၂၄၇ |
| အဒုက္ခမသုခါယ ဝေဒနာယ = အဒုက္ခမသုခါ ဝေဒနာ (သီ၊က)              | ၂၀၁ |
| အဓိပစ္စသံဝတ္တနိယံ = အာဓိပစ္စသံဝတ္တနိကံ ( ? )                | ၃၉၃ |
| အန္ဓိဘူတသ္မိံ = အန္ဓိဘူတသ္မိံ (သီ၊သျှာ၊ကံ၊ဣ)                | ၂၁၈ |
| အနညာ = န အညာ (က)                                            | ၂၁၅ |
| အနဘာဝံကတော = အနဘာဝကတော (သီ)                                 | ၇၂  |
| အနမတဂ္ဂေါယံ = အနမတဂ္ဂါယံ (က)                                | ၃၀  |
| အနာဂါမိဖလပ္ပတ္တော = အနာဂါမိဖလံ ပတ္တော ( ? )                 | ၈၉  |
| အနာဝဇ္ဇန္တဿ = အနာဝဇ္ဇန္တဿ (ဣ)                               |     |
| အနာဝဇ္ဇန္တဿ (သီ၊သျှာ၊က)                                     | ၃၀၅ |
| အနုပလဟ္တိယမာနေ = အနုပလဟ္တမာနေ (မ ၁-၁၉၁-ပိဋေ)                | ၅၉  |
| အနောတ္တပ္ပါသိကာတိ = အနောတ္တပ္ပိကာတိ ( ? )                   | ၂၅၄ |
| အပဗျာမတော = အသဗျာကတော (သီ၊က)                                | ၃၄၂ |



နာနာပါဌာ

ပိဋကံ

## [ အ ]

|                                                   |         |
|---------------------------------------------------|---------|
| အပရန္တပံ = အမရံ တပံ (သံ ၁-၁၀၄-ပိဋေ)               | ၂၁၇     |
| အဘဗ္ဗ = အဘဗ္ဗော (သီ၊ သျှာ)                        | ၉၁      |
| အဘိဒက္ခိဏံ = ပဒက္ခိဏံ (ဣ)                         | ၃၄၆-၃၉၄ |
| အမတဒုန္နုတ္တိန္ဒြိယန္တိ = ဒုတြိတိန္ဒြိယန္တိ (က)   | ၂၁၀     |
| အရဟတ္တပ္ပတ္တော = အရဟတ္တံ ပတ္တော (?)               | ၉၀      |
| အဝိပက္ခိဝိပါကာ = အဝိပါကာ (သျှာ)                   | ၁၁၉-၁၂၀ |
| အဝိပါကာ = ဝိပက္ခိဝိပါကာ (သျှာ) အဝိပက္ခိဝိပါကာ (က) | ၁၁၉-၁၂၀ |
| အဝိပါကာ = အဝိပက္ခိဝိပါကာ (သီ၊ က)                  | ၁၂၀     |
| အဟေသံ တေ = အဟိံသကာ (အံ ၂-၃၂၇-ပိဋေ)                | ၉၅      |

## [ အာ ]

|                                       |     |
|---------------------------------------|-----|
| အာနန္ဒ = ဟာနန္ဒ (သံ ၁-၂၇၅-ပိဋေ)       | ၂၉၀ |
| အာမန္တာ = နဟေဝံဝတ္ထဗ္ဗေ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ) | ၂၉၃ |
| အာဘောဂဿ = သာဘောဂဿ (?)                 | ၂၅၃ |
| အာဝဇ္ဇနာ = အာဝဇ္ဇနာ (သျှာ၊ ကံ)        | ၂၆၂ |
| အာဟဉ္ဇိ = အာဟဉ္ဇိ (က)                 | ၂၁၀ |

## [ ဣ ]

|                                            |     |
|--------------------------------------------|-----|
| “ဣ”တိ = ဤတိ (သျှာ၊ ဣ)                      | ၃၃၀ |
| ဣဓ ပရိနိဗ္ဗာယိပုဂ္ဂလော = ဣဓပရိနိဗ္ဗာယီ (?) | ၈၅  |

## [ ဥ ]

|                                       |     |
|---------------------------------------|-----|
| ဥစ္ဆာဒေန္တိ = ဥစ္ဆာရေန္တိ (သီ၊ ဣ၊ က)  | ၄၀၀ |
| ဥပပဇ္ဇေ = ဥပပဇ္ဇံ (အံ ၃-၄၉၇-ပိဋေ)     | ၃၃၇ |
| ဥပါဒိဏ္ဏံ = ဥပါဒိန္နံ (သျှာ၊ ကံ)      | ၁၉၀ |
| ဥပါဒါယရူပါနံ = ဥပါဒါရူပါနံ (သီ၊ ဣ၊ က) | ၃၀၆ |

## [ ဦ ]

|                                |    |
|--------------------------------|----|
| ဦဟစ္စ = ဩဟစ္စ (သျှာ) ဥဟစ္စ (က) | ၅၆ |
|--------------------------------|----|



နာနာပါဌာ

ပိဋကံ

[ က ]

|                                              |         |
|----------------------------------------------|---------|
| ကဉ္စိ = ကိဉ္စိ (က)                           | ၁၄၉     |
| ကဏ္ဍကော = ကဏ္ဍကော (သျှာ) အံ ၃-၃၆၃-ပိဋေပိ။    | ၁၅၅     |
| ကတမက္ခန္ဓဂဏနံ = ကတမံ ခန္ဓဂဏနံ (သီ၊ ဣ၊ က)     | ၂၅၁     |
| ကပိဉ္စရံ = ကပိဉ္စလံ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)            | ၂၀၂-၃၄၃ |
| ကယာကယံ = ကယက္ကယံ (သီ၊ ဣ)                     | ၂၆၁     |
| ကရုဏေမိမုတ္တာ = ကရုဏာမိမုတ္တာ (သီ၊ က)        | ၉၅      |
| ကာရေန္တိ = ကရောန္တိ (မ ၃-၂၀၄၊ အံ ၁-၁၃၉-ပိဋေ) | ၄၃၁     |
| ကာလကဉ္စိကာ = ကာလကဉ္စိကာ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)       |         |
| ကာလကဉ္စကာ (ဣ)                                | ၂၆၉     |
| ကိဉ္စိ = ကဉ္စိ (သျှာ)                        | ၁၉၈     |
| ကုဌာရိဟိ = ကုဓာရိဟိ (သဗ္ဗတ္ထ)                | ၄၃၁     |
| ကုသလာ = ကုသလံ (မ ၂-၁၅၇-ပိဋေ)                 | ၃၆၆     |

[ ခ ]

|                                                 |     |
|-------------------------------------------------|-----|
| ခန္ဓာ ဓာတု အာယတနန္တိ = ခန္ဓဓာတုအာယတနန္တိ (သျှာ) | ၁၁၅ |
| ခိပ္ပံ ဟိ ဝေတိ = ခိပ္ပံ ဟဝေတိ (ဗဟူသု)           | ၂၅၈ |

[ ဂ ]

|                                             |     |
|---------------------------------------------|-----|
| ဂဏ္ဍုပ္ပါဒါတိ = ဂဏ္ဍုပ္ပါဒါတိ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ) | ၄၃၂ |
|---------------------------------------------|-----|

[ ဝ ]

|                                                     |     |
|-----------------------------------------------------|-----|
| စတ္တာရောဝ = စတ္တာရော (?)                            | ၃၈  |
| စိတ္တဝဏ္ဏဝါလမောဠိ = ပီတဝဏ္ဏဝါလမောဠိကံ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ) | ၂၀၂ |

[ ဇ ]

|                                                |     |
|------------------------------------------------|-----|
| ဇဟတိတိ = န ဇဟတိတိ (ဗဟူသု) အဋ္ဌကထာ ဩလောကေတဗ္ဗာ။ | ၉၉  |
| “ဇာနတောဟံ = ဇာနတာဟံ (သီ) ဇာနတွာဟံ (သျှာ၊ ဣ၊ က) | ၁၃၈ |

[ ဖျ ]

|                                 |     |
|---------------------------------|-----|
| ဖျာယိနော = ယေ ဖျာယိနော (ဥဒါနော) | ၁၄၄ |
|---------------------------------|-----|

[ တ ]

|                                  |     |
|----------------------------------|-----|
| တဝ = တံ (သျှာ) ဋီကာ ဩလောကေတဗ္ဗာ။ | ၂   |
| တဿ = ယဗ္ဗဿ (သီ၊ ဣ၊ က)            | ၄၀၇ |



နာနာပါဌာ

ပိဋကံ

[ တ ]

|                                                               |     |
|---------------------------------------------------------------|-----|
| တေန ဝတ ရေ = နော စ ဝတ ရေ (သီ၊ က) နော ဝတ ရေ (သျှာ)              | ၂၇၂ |
| တေန ဟိ ဝတ္တဗ္ဗံ = တေန ဟိ (သီ၊ သျှာ) တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ။ (က)    | ၁၆၁ |
| တေန ဟိ ဝတ္တဗ္ဗံ = တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ (သျှာ၊ က)                 | ၁၆၁ |
| တေန ဟိ ဝတ္တဗ္ဗံ = တေန ဟိ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ) တေန ဟိ န ဝတ္တဗ္ဗံ (က) | ၁၈၄ |

[ ထ ]

|                               |    |
|-------------------------------|----|
| ထိနံ = ထိနံ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ) | ၆၈ |
|-------------------------------|----|

[ ဒ ]

|                                                               |     |
|---------------------------------------------------------------|-----|
| ဒုက္ခနိရောဓံ = ဒုက္ခနိရောဓော (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)                    | ၄၃၅ |
| ဒုက္ခနိရောဓံ = ဒုက္ခနိရောဓော (သျှာ၊ ကံ)                       | ၂၁၉ |
| ဒုက္ခန္တိ = ဣဒမ္ပန္နာဒ္ဓယေန ပုရိမပုစ္ဆာဒ္ဓယဿ ပုရတော ဘဝိတဗ္ဗံ။ | ၃၉၇ |
| ဒုက္ခမေဝ = ဒုက္ခံ (သံ ၁-၂၅၈-ပိဋေ)                             | ၅၇  |
| ဒုက္ခသမုဒယံ = ဒုက္ခသမုဒယော (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)                      | ၄၃၅ |
| ဒုက္ခသမုဒယံ = ဒုက္ခသမုဒယော (သျှာ၊ ကံ)                         | ၂၁၉ |
| “ဒု”တိ = ဒူတိ (သျှာ၊ ဣ)                                       | ၃၃၀ |
| ဒုန္တိဂ္ဂဟိတာ စ = ဒုန္တိဂ္ဂဟိတာဝ (သျှာ)                       | ၃   |

[ ဓ ]

|                                        |     |
|----------------------------------------|-----|
| ဓမ္မာ တေ = ဓမ္မာ နိရုဒ္ဓါ တေ (သျှာ၊ က) | ၁၁၉ |
| ဓမ္မာနံ = ကတမာနိ တိဏိ (အံ ၁-၁၅၀-ပိဋေ)  | ၅၄  |

[ န ]

|                                                           |      |
|-----------------------------------------------------------|------|
| န ဇဟတိတိ = န ဇဟတိ (သီ၊ က)                                 | ၉၉   |
| နရဝိရသာဝကာ = နရသီဟသာဝကာ (က)                               | ၄၀၂  |
| နာနုဗျန္တနဂ္ဂါဟိ”တိ = မ ၁-၂၈၅၊ အံ ၁-၃၄၈-ပိဋေ။             | ၃၁၂  |
| နိတ္တိဏ္ဍဩဃံ = နိတိဏ္ဍဩဃံ (သီ၊ က) နိတ္တိဏ္ဍဩဃံ (သျှာ၊ ကံ) | ၁၄၄  |
| နိဗ္ဗတ္တတေ = နိဗ္ဗတ္တတိ (သီ၊ သျှာ) သံ ၁-၂၀၈-ပိဋေ၊         |      |
| နိဗ္ဗတ္တတိ (ဣ၊ က)                                         | ၃၅၈  |
| နိယာမ။ပ။ နိရောဓောတိ = နိယာမ။ပ။ ပဉ္စဝေါကာရဘဝေါ (ဣ)         | ၃၂၃  |
| နေဝသညာ။ပ။ န ဝတ္တဗ္ဗံ = နေဝသညာ။ပ။ ဝတ္တဗ္ဗံ (?)             | ၂၀၁  |
| နော စ ဝတ ရေ = နော ဝတ ရေ (သျှာ၊ ဣ)                         | ၁-၇၃ |



နာနာပါဌာ

ပိဋကံ

[ ဝ ]

|                                                 |     |
|-------------------------------------------------|-----|
| ပဋိပဒါ = ပဋိပါဒါ (ဌ)                            | ၇၇  |
| ပဋိလဒ္ဓေါ = ပဋိဝိဒ္ဓေါ (ဗဟုသု)                  | ၁၆၁ |
| ပဋိဝိနေတွာ = ပဋိဝိနောဒေတွာ (သီ၊ ဣ၊ က)           | ၃၄၇ |
| ပဋိသင်္ခါနိရုဒ္ဓါပိ = ပဋိသင်္ခါနိရုဒ္ဓါ (?)     | ၁၇၃ |
| ပဋုပ္ပန္နဉာဏကထာ = ပစ္စုပ္ပန္နကထာ (သီ)           | ၂၃၇ |
| ပဋုပ္ပန္နော = ပစ္စုပ္ပန္နော (သီ၊ သျှာ)          | ၂၃၆ |
| ပဏုန္တံ = ပဏုဏ္ဍံ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ) ပနုန္တံ (သီ)   | ၄၃၁ |
| ပထဝီကသိဏံ သမာပတ္တိံ = ပထဝီကသိဏသမာပတ္တိံ (သီ၊ က) | ၂၂၉ |
| ပဿတိ = ပဿသိ (သီ၊ သျှာ၊ က) ဧဝမုပရိပိ။            | ၂၄၈ |
| ပါဠိလိပုတ္တဿ = ပေါတလိပုတ္တဿ (မ ၃-၂၅၁-ပိဋေ)      | ၂၉၀ |
| ပေသိ = ပေသီ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)                       | ၃၅၈ |
| ပေါနောဗ္ဘဝိကာ = ပေါနောဘဝိကာ (သီ၊ ဣ)             | ၃၃၂ |

[ ဖ ]

|                           |     |
|---------------------------|-----|
| ဖဿသိကာတိ = ဖဿိကာတိ (ဣ၊ ဌ) | ၂၅၃ |
|---------------------------|-----|

[ ဗ ]

|                           |    |
|---------------------------|----|
| ဗာဝိသတိနံ = ဗာဝိသတိယာ (?) | ၃၇ |
|---------------------------|----|

[ ဘ ]

|                                    |     |
|------------------------------------|-----|
| ဘိန္နိတွာ = ဘေတွာန (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)   | ၃၄၆ |
| ဘေတွာန = ဘိန္နိတွာ ဣတိပိ အညဋ္ဌာနေ။ | ၄၂၉ |

[ မ ]

|                                                      |     |
|------------------------------------------------------|-----|
| မရုကပါနံ = မရုပါနံ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)                 | ၄၀၁ |
| မဟာကစ္စာယနော = မဟာကစ္စာနော (မ ၁-၁၅၆-ပိဋာဒီသု)        | ၇၆  |
| မဟာကောဠိကော = မဟာကောဠိတော (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)          | ၇၆  |
| မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော = မဟာမောဂ္ဂလာနော (က)                | ၇၆  |
| မဟိံသော = မဟိသော (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)                   | ၃၁  |
| မာတုဃာတကမ္မဿ = မာတုဃာတကကမ္မဿ (သျှာ)                  | ၂၉၄ |
| မိလက္ခေသု = မိလက္ခသု (သျှာ၊ က)                       | ၈၃  |
| မေထုနံ ဥပ္ပါဒေယျ = မေထုနံ ဓမ္မံ ဥပ္ပါဒေယျ (သီ၊ သျှာ) | ၁၃၀ |



နာနာပါဌာ

ပိဋကံ

## [ ယ ]

ယထာကမ္မူပဂတံ ဉာဏံ = ယထာကမ္မူပဂတဉာဏံ (သျှာ၊ ကံ)

၁၉၃

ယထာဟိ = ယထာပိ (ဗဟူသု)

၅၈

ယတ္ထ သဒ္ဓေ = ယတ္ထ သဒ္ဓေါ (သီ) ယထာသဒ္ဓံ (?)

၃၃၅

ယမ္ဗိဒံ = ယမိဒံ (သျှာ) ယမ္ဗိ တံ (မ ၁-၁၉၁-ပိဋေ)

၅၉

ယမိဒံ = ယဒိဒံ (ဗဟူသု)

၁၅၈

ယမိဒံ = ယမ္ဗိဒံ (သီ၊ သျှာ) သံ ၂-၂၅၁-ပိဋေ။

၁၆၀

ယေ တေ = ယေနေမိ (သီ)

၁၃၃

## [ ရ ]

ရတ္တိန္ဒြိယံ = ရတ္တိဒိန္ဒြိယံ (က)

၃၃၃

ရဟိရုပ္ပါဒကော = လောဟိတုပ္ပါဒကော (သီ၊ က) အညဋ္ဌာနေသု

ပန ရဟိရုပ္ပါဒကောတွေဝ ဒိဿတိ။

၁၅၆

ရူပဓာတုယာ = အရူပဓာတုယာ (သဗ္ဗတ္ထ)

၂၈၁

## [ ဝ ]

ဝတ္တတိ = ဝတ္တတိ (ဣ၊ က) မ ၂-၄၁၂-ပိဋေ၊ ဝတ္တတေ (?)

၃၉၆

ဝိညာဏဘာဂဿ = ဝိညာဏဘာဂဿ (ဗဟူသု)

၄၄၈

ဝိသုဒ္ဓိယာတိ = ဝိသုဇ္ဈတိတိ (သျှာ)

၄၀၅

ဝိဟရန္တိ = ဝိစရန္တိ (သျှာ)

၄၀၂

ဝိဟဿတိ = ဝိဟေဿတိ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ) ဝိဟရိဿတိ (က)

၁၅၆

ဝေဟာသံ ဂစ္ဆတိတိ၊ အာမန္တာ = ဝေဟာဂစ္ဆတိတိ (?)

၃၄၅

## [ သ ]

သကဒါဂါမိဖလပ္ပတ္တော = သကဒါဂါမိဖလံ ပတ္တော (?)

၈၈

သင်္ဂဟိတာတိ = သင်္ဂဟိတာတိ (ဣ)

၂၅၀

သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ = သစ္စိကဋ္ဌပရမတ္ထေနာတိ (သျှာ၊ ဣ၊ က-သီ)

၁

သစ္စိကရောတိတိ = သစ္စိကရောတိ (ဗဟူသု)

၈၅

သဇောတိဘူတာယ = သဇ္ဇောတိဘူတာယ (သျှာ)

၄၃၁

သညသတ္တေသု = အသညသတ္တေသု (က)

၈၃

သဒရာနိ = နိဿာရာနိ (သီ၊ ဣ၊ က) ဒုက္ခုဒြိယာနိ (သျှာ)

၃၃၂



နာနာပါဌာ

ပိဋကံ

[ သ ]

|                                                                     |     |
|---------------------------------------------------------------------|-----|
| သပညံ = သသညံ (သီ၊ က)                                                 | ၁၈၁ |
| သဗျာပဇ္ဈမ္ပိ အဗျာပဇ္ဈမ္ပိ = သဗျာဗဇ္ဈမ္ပိ အဗျာဗဇ္ဈမ္ပိ (မ ၂-၅၂-ပိဋေ) | ၃၇၉ |
| သမ္ပုတိ = သမ္ပုတိ (သျှ၊ က)                                          | ၅၈  |
| သမောဟိတော = သမာဟိတော (သျှ၊)                                         | ၂၁၁ |
| သရဇံ = သဒရံ (သံ ၁-၃၂၅-ပိဋေ) တဒေဝ ယုတ္တတရံ။                          | ၁၁၄ |
| သဟိဿာမိ = ဂမိဿာမိ (သီ၊ သျှ၊ က) သမိဟာမိ (ဇု)                         | ၁၄၉ |
| သုနိဂ္ဂဟိတော စ = သုနိဂ္ဂဟိတောဝံ (သျှ၊)                              | ၂   |
| သုဝတ္ထိ = သုဝုဋ္ဌိကံ (သျှ၊)                                         | ၄၃၈ |
| သုရိယောဝံ = သုရိယောဝံ (သီ၊ သျှ၊ ကံ၊ ဇု)                             | ၁၄၄ |
| သော = ဧဝံ ခေါ် ဘိက္ခဝေ ပုဂ္ဂလော (အံ ၂-၄၀၃-ပိဋေ)                     | ၄၂၅ |
| သောတာပတ္တိဖလပ္ပတ္တော = သောတာပတ္တိဖလံ ပတ္တော (?)                     | ၈၇  |

[ ဟ ]

|                                             |     |
|---------------------------------------------|-----|
| ဟတ္ထိဗန္ဓာ အဿဗန္ဓာ = ဟတ္ထိဘဏ္ဍာ အဿဘဏ္ဍာ (?) | ၄၃၂ |
| ဟေဝမေဝံ = ဟေဝမေဝံ (သျှ၊)                    | ၃   |



# ကထာဝတ္ထုပါဠိယံ

## အာဟဋ္ဌာနိ သာဓကသုတ္တာနိ

| သုတ္တာနိ                                            |      | ပိဋကံ |
|-----------------------------------------------------|------|-------|
| [ အ ]                                               |      |       |
| အဇ္ဈတ္တိကဉ္စေဝ အာရုဿော စက္ခု အပရိဘိန္ဒူ။ပ။          |      |       |
| ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ (မ ၁-၂၄၈)                           | .... | ၄၄၈   |
| အဇ္ဈတ္တိကော စေဝ အာရုဿော ကာယော အပရိဘိန္ဒော။ပ။        |      |       |
| ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ (မ ၁-၂၄၉)                           | .... | ၄၄၉   |
| အဋ္ဌ ပါနာနိ အဗ္ဗပါနံ။ပ။ ဖာရသကပါနံ (ဝိ ၃-၃၄၄)        | .... | ၄၀၁   |
| အတ္တနာဝ ကတံ ပါပံ။ပ။ အညံ ဝိသောဓယေ (ဓမ္မပဒေ)          | .... | ၃၈၁   |
| အတ္တနိ ဝါ ဘိက္ခဝေ သတိ။ပ။ ပရိပူရော ဗာလဓမ္မော         |      |       |
| (မ ၁-၁၉၁)                                           | .... | ၅၉    |
| အတ္တိ န ခေါ တံ ဘန္တေ စက္ခု ယေန စက္ခုနာ အတိတေ ဗုဒ္ဓေ |      |       |
| ပညာပေယျ (သံ ၂-၂၇၈)                                  | .... | ၁၁၃   |
| အတ္တိ န ခေါ ဘော ဂေါတမ ကောစိ ဂိဟိ။ပ။                 |      |       |
| ဒုက္ခဿန္တကရော (မ ၂-၁၄၉)                             | .... | ၂၀၂   |
| အတ္တိ ပုဂ္ဂလော အတ္တဟိတာယ ပဋိပန္နော (ပုဂ္ဂလပညတ္တိယံ  |      |       |
| ၁၀၉၊ အံ ၁-၄၀၈)                                      | .... | ၁၃    |
| အတ္ထုပါလိ သံဃဘေဒကော။ပ။ န အတေကိစ္ဆော                 |      |       |
| (ဝိ ၄-၃၇၀)                                          | .... | ၄၂၉   |
| အဒိန္နာဒါနံ ဘိက္ခဝေ အာသေဝိတံ။ပ။ ဟောတိ               |      |       |
| (အံ ၃-၇၇)                                           | .... | ၄၄၇   |
| အဒ္ဓသံ ခေါ အဟံ ဘိက္ခဝေ ဗုဒ္ဓစက္ခုနာ။ပ။ ဝိဟရန္တေ     |      |       |
| (မ ၁-၂၂၅)                                           | .... | ၄၂၇   |
| အနမတဂ္ဂေါယံ ဘိက္ခဝေ သံသာရော။ပ။ သံသရတံ               |      |       |
| (သံ ၁-၃၈၇)                                          | .... | ၃၀    |
| အနုပုဗ္ဗေန မေဓာဝီ။ပ။ မလမတ္တနော (ဓမ္မပဒေ)            | .... | ၉၁    |
| အဘိညာယာဟံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မံ ဒေသေမိ။ပ။ အကမ္ပိတ္တ         |      |       |
| (အံ ၁-၂၈၀)                                          | .... | ၄၀၇   |



သုတ္တန်

ပိဋက

## [ အ ]

|                                                               |      |     |
|---------------------------------------------------------------|------|-----|
| အမတံ တေ ဘိက္ခဝေ။ပ။ ကာယဂတာသတိ° ပရိဘုဉ္ဇန္တိ<br>(အံ ၁-၄၇)       | .... | ၁၂၃ |
| အသာဓာရဏမညေသံ။ပ။ သစေ သုစရိတံ စရေ<br>(နိမိကဏ္ဍေ၊ ထောက် ဝိသဒိသံ) | .... | ၂၆၃ |
| အဟု ပုဗ္ဗေ လောဘော။ပ။ ဣစ္ဆေတံ ကုသလန္တိ<br>(သံ ၂-၁၉၇)           | .... | ၁၁၄ |
| အဟေသုံ တေ အတိတံသေ။ပ။ မြဟ္မလောကူပဂါ အဟုံ<br>(အံ ၂-၃၂၇)         | .... | ၉၅  |
| အဟံ အာဝုသော နိဂဏ္ဌာ ပဟောမိ။ပ။ ဝိဟရိတုံ<br>(မ ၁-၁၃၂)           | .... | ၃၃၃ |

## [ အာ ]

|                                                             |      |     |
|-------------------------------------------------------------|------|-----|
| အာပါယိကော နေရယိကော။ပ။ နိရယမိ ပစ္စတိ<br>(ဝိ ၄-၃၆၉၊ အံ ၃-၃၁၅) | .... | ၃၄၆ |
| အာရာမရောပါ ဝနရောပါ။ပ။ သဂ္ဂဂါမိနော (သံ ၁-၃၀)                 | .... | ၂၅၈ |
| အာဟုတိ° ဇာတဝေဒေါဝ။ပ။ ပဋိဂ္ဂဏှာတိ ဒက္ခိဏံ                    | .... | ၃၉၉ |

## [ ဣ ]

|                                                                                  |      |     |
|----------------------------------------------------------------------------------|------|-----|
| ဣဒံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စန္တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ပ။ ဥဒပါဒိ<br>(ဝိ ၃-၁၅၊ သံ ၃-၃၆၉)              | .... | ၂၁၈ |
| ဣမ ကေဝဇ္ဇ ဘိက္ခု။ပ။ ဣတိပိ တေ စိတ္တန္တိ (ဒိ ၁-၂၀၇)                                | .... | ၂၅၄ |
| ဣမ ပုဏ္ဏ ဧကစ္စော သဗျာပဇ္ဈမ္ပိ။ပ။ ဝဒါမိ (မ ၂-၅၂)                                  | .... | ၃၇၉ |
| ဣမ ဘိက္ခဝေ ဧကစ္စော။ပ။ နိမုဂ္ဂေါ ဟောတိ (အံ ၂-၄၀၃)                                 | .... | ၄၂၅ |
| ဣမ ဘိက္ခဝေ ဧကစ္စော။ပ။ နိမုဇ္ဇတိ (အံ ၂-၄၀၃)                                       | .... | ၄၂၅ |
| ဣမ ဘိက္ခဝေ ဧကစ္စော။ပ။ ပတိဂါဓပ္ပတ္တော ဟောတိ<br>(အံ ၂-၄၀၃)                         | .... | ၄၂၅ |
| ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စက္ခုနာ ရူပံ ဒိသ္မာ။ပ။ နာနုဗျဉ္ဇနဂ္ဂါဟိ<br>(မ ၁-၂၈၅၊ အံ ၁-၃၄၈) | .... | ၃၁၂ |
| ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ။ပ။<br>ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုသတိ                       | .... | ၄၁၆ |



သုတ္တန်

ပိဋက

[ ဣ ]

|                                                       |          |
|-------------------------------------------------------|----------|
| ဣဓ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခု နိဗ္ဗာနေ သုခါနုပဿီ။ ပ။             |          |
| ပရိယောဂါဟမာနော                                        | .... ၂၉၅ |
| ဣဓ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခု ပဌမံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ၊ သော တံ |          |
| အဿာဒေတိ။ ပ။ ဝိတ္တိံ အာပဇ္ဇတိ (အံ ၁-၄၄၁)               | .... ၃၅၁ |
| ဣဓ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခု ဝိဝိဇ္ဇေဝ ကာမေဟိ။ ပ။               |          |
| ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ။                                     | .... ၄၁၂ |
| ဣဓေကစ္စော အန္တံ ဒေတိ။ ပ။ ပဒီပေယျံ ဒေတိ။               | .... ၂၅၆ |

[ ဥ ]

|                                           |          |
|-------------------------------------------|----------|
| ဥစ္စာဝစာ ဟိ ပဋိပဒါ။ ပ။ နယိဒံ ဧကဂုဏံ မုတံ။ |          |
| (သုတ္တနိပါတေ နာဠကသုတ္တေ)                  | .... ၇၇  |
| ဥန္တမေ ဥဒကံ ဝုဠံ။ ပ။ ပေတာ ကာလင်္ကတာ တဟိံ။ |          |
| (တိရောကုဇေ)                               | .... ၂၆၀ |

[ ဇ ]

|                                                        |          |
|--------------------------------------------------------|----------|
| ဧကပုဂ္ဂလော ဘိက္ခုဝေ လောကေ ဥပ္ပဇ္ဇမာနော။ ပ။ ဒေဝမနုဿာနံ။ |          |
| (အံ ၁-၂၁)                                              | .... ၅၇  |
| ဧကမိဒါဟံ ဘိက္ခုဝေ။ ပ။ သာလရာဇမူလေ (ဒီ ၂-၄၂)             | .... ၄၀၅ |
| ဧကမိဒါဟံ ဘိက္ခုဝေ။ ပ။ ပဌမာဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါ။ (အံ-၁ ၃၂၈)     | .... ၄၀၆ |
| ဧကမိဒါဟံ။ ပ။ ကလန္တကနိဝါပေ။ ပ။ ကုဋ္ဌာဂါရသာလာယံ။         | .... ၄၀၆ |
| ဧကာယနော အယံ ဘိက္ခုဝေ မဂ္ဂေါ။ ပ။ သတိပဋ္ဌာနာတိ။          |          |
| (ဒီ ၂-၂၃၁၊ မ ၁-၇၀၊ သံ ၃-၁၂၃)                           | .... ၁၂၃ |
| ဧတာဒိသိ ဓမ္မပကာသနေတ္ထ။ ပ။ ဗုဒ္ဓံ နမဿာမ ဇိနံ ဇနိန္ဒ။    |          |
| (ဒီ ၂-၂၁၉)                                             | .... ၁၄၄ |
| ဧသော ဟိ သံဃော ဝိပုလော မဟဂ္ဂတော။ ပ။                     |          |
| အနိန္ဒိတာ သဂ္ဂမုပေန္တိ ဌာနံ။                           | .... ၄၀၂ |

[ က ]

|                                             |          |
|---------------------------------------------|----------|
| ကဗဠိကာရေ စေ ဘိက္ခုဝေ အာဟာရေ အတ္ထိ ရာဂေါ။ ပ။ |          |
| ဝဒါမိ။ (သံ ၁-၃၂၅)                           | .... ၁၁၄ |
| ကဗဠိကာရေ စေ ဘိက္ခုဝေ အာဟာရေ နတ္ထိ ရာဂေါ။ ပ။ |          |
| ဝဒါမိ။ (သံ ၁-၃၂၆)                           | .... ၁၁၄ |



သုတ္တန်

ပိဋကံ

[ က ]

ကမ္မုနာ ဝတ္တတိ လောကော။ ပ။ ရထဿာဏီဝ ယာယတော။

(မ ၂-၄၁၂)

....

၃၉၆

ကမ္မေန ကိတ္တိံ လဘတေ ပသံသံ။ ပ။ ကဿာ ဝဒေ နတ္ထိ

ကမ္မန္တိ လောကေ။

....

၃၉၆

ကဿပေ အဟံ အာနန္ဒ ဘဂဝတိ ဗြဟ္မစရိယံ အစရိံ။

....

၂၁၀

ကာယေ ဝါ အာနန္ဒ သတိ။ ပ။ သုခဒုက္ခံ။

(သံ ၁-၂၇၅၊ အံ ၁-၄၇၆)

....

၂၉၀

ကိန္နု သတ္တောတိ ပစ္စေတိ။ ပ။ နာညံ ဒုက္ခာ နိရုဇ္ဈတိ။

(သံ ၁-၁၃၇)

....

၅၀

[ ဝ ]

စက္ခုပ ဝဋ္ဋိစ ရူပေ စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ စက္ခုဝိညာဏံ။

(မ ၁-၃၂၆၊ မ ၃-၃၂၀)

....

၂၄၀

စတဿော ခေါ ဣမာ အာနန္ဒ။ ပ။ ဒက္ခိဏာဝိသုဒ္ဓိယော။

(မ ၃-၂၉၉)

....

၄၀၄

စတုန္တံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာနံ နတ္ထိ ကောစိ ပါဠိဘောဂေါ။ ပ။

လောကသ္မိံ။ (အံ ၁-၄၉၁)

....

၃၃၂

စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ တထာနိ။ ပ။ အနညထာနိ။

(သံ ၃-၃၇၇)

....

၂၄၃

စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ သုဝိဒုရိဒုရောနိ။ ပ။ အသတ္တိ အာရကာ။

(အံ ၁-၃၅၉)

....

၂၅၀

စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ပုညာဘိသန္တာ။ ပ။ သုခါယ သံဝတ္တန္တိ။

(အံ ၁-၃၆၅)

....

၂၅၉

စိတ္တဉ္စိံ စေတသိကာ စ ဓမ္မာ။ ပ။ သမ္ပဒ္ဓဿော

ဝေဒိ ပလောကဓမ္မံ။

....

၂၅၄

စေတနာဟံ ဘိက္ခဝေ ကမ္မံ ဝဒါမိ။ ပ။ မနဿာ။ (အံ ၂-၃၆၃)

....

၂၉၀

[ ဇ ]

ဇာတိပစ္စယာ ဘိက္ခဝေ ဇရာမရဏံ ဥပ္ပါဒါ ဝါ။ ပ။

ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒေါ။ (သံ ၁-၂၆၄)

....

၂၄၁



သုတ္တန်

ပိဋက

[ ၆ ]

ဇာနတောဟံ ဘိက္ခဝေ ပဿံတော အာသဝါနိ ခယံ။ ပ။  
ခယော ဟောတိ။ (သံ ၂-၁၂၄၊ သံ ၃-၃၈၀)

.... ၁၃၈

[ ၈ ]

တတိယံ ဈာနံ သမာပန္နဿ ပီတိ နိရုဒ္ဓါ။ ပ။ ဝေဒနာ စ  
နိရုဒ္ဓါ ဟောန္တိ။ (အံ ၃-၂၀၈)

.... ၁၅၄-၅

တမေနံ ဘိက္ခဝေ နိရယပါလာ ပဉ္စဝိဗေဒန္တနံ နာမ။ ပ။ ဗျန္တိ  
ဟောတိ။ (မ ၃-၂၀၄၊ အံ ၁-၁၃၉)

.... ၄၃၁

တမေနံ ဘိက္ခဝေ နိရယပါလာ သံဝေသေတွာ။ ပ။ ဗျန္တိ  
ဟောတိ။ (မ ၃-၂၀၄၊ အံ ၁-၁၄၀)

.... ၄၃၁

တယောမေ ဘိက္ခဝေ နိရုတ္တိပထာ။ ပ။ နိန္ဒာဗျာရောသ-  
ဥပါရမ္ဘဘယာ။ (သံ ၂-၅၉)

.... ၁၁၂

တယောမေ သေနိယ သတ္တာရော။ ပ။ လောကသ္မိံ။

(ပုဂ္ဂလပညတ္တိယံ ၁၄၃-ပိဋေ အတ္ထတော ဧကံ)

.... ၅၉

တဿ ဧဝံ ဇာနတော။ ပ။ အဝိဇ္ဇာသဝါပိ စိတ္တံ ဝိမုစ္ဆတိ။  
(ဒီ ၁-၇၉-ပိဋာဒီသု)

.... ၁၈၄

တဿ သမ္မာ ဝိမုတ္တဿ။ ပ။ ဝယံ စဿာနုပဿတိ။

(ဝိ ၃-၂၇၂၊ အံ ၂-၃၃၃)

.... ၇၇

တိဝိဓာ ဘိက္ခဝေ ကာယသဉ္ဇေတနာ။ ပ။ သုခဝိပါကံ။

(အံ ၃-၄၉၇၊ ထောက် ဝိသဒိသံ)

.... ၂၉၀

တိဏိမာနိ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ကထာဝတ္ထုနိ။ (အံ ၁-၁၉၇)

.... ၃၇၂

တိဏိမာနိ ဘိက္ခဝေ စက္ခုနိ။ ပ။ သဗ္ဗဒုက္ခာ ပမုစ္ဆတိ။

(ဣတိဝုတ္တကေ တိကနိပါတေ)

.... ၁၉၁

တိဏိမာနိ ဘိက္ခဝေ သင်္ခတဿ သင်္ခတလက္ခဏာနိ။ ပ။

ပညာယတိ။ (အံ ၁-၁၅၀)

.... ၅၄

တိဏိမာနိ ဘိက္ခဝေ အသင်္ခတဿ အသင်္ခတလက္ခဏာနိ။ ပ။

ပညာယတိ။ (အံ ၁-၁၅၀)

.... ၅၄

တိဟိ ဘိက္ခဝေ ဌာနေဟိ ဇမ္ဗုဒီပကာ။ ပ။ ဣဓ မြဟ္မစရိယ

ဝါသော။ (အံ ၃-၁၉၈)

.... ၈၄

တံ သုခေန သုခံ ပတ္တိ။ ပ။ ဧတံ ဝေ ပရမံ သုခံ။

.... ၁၆၃



သုတ္တန်

ပိဋကံ

## [ ခ ]

|                                                                                   |      |     |
|-----------------------------------------------------------------------------------|------|-----|
| ဒုက္ခမေဝ ဥပ္ပဇ္ဇမာနံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ ပ။ သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဟောတိ။<br>(သံ ၁-၂၅၇)               | .... | ၅၇  |
| ဒုတိယဿ ဈာနဿ ဝိတက္ကဝိစာရာ ကဏ္ဍကော။ ပ။<br>ဘဂဝတာ။ (အံ ၃-၃၆၃)                         | .... | ၁၅၅ |
| ဒုတိယံ ဈာနံ သမာပန္နဿ ဝိတက္ကဝိစာရာ နိရုဒ္ဓါ ဟောန္တိ။<br>(အံ ၃-၂၀၈)                 | .... | ၁၅၄ |
| ဒုတ္တိံ သိမာနိ ဘိက္ခဝေ မဟာပုရိသဿ မဟာပုရိသလက္ခဏာနိ။ ပ။<br>ဝိဝဇ္ဇန္တဒေါ။ (ဒီ ၃-၁၁၇) | .... | ၂၁၅ |
| ဒွေမာ ဘိက္ခဝေ ဓာတုယော၊ ကတမာ ဒွေ၊ သင်္ခတာ စ ။ ပ။<br>ဒွေ ဓာတုယော။                   | .... | ၅၃  |

## [ န ]

|                                                                 |      |     |
|-----------------------------------------------------------------|------|-----|
| နယိမသ္မိံ ဝါ လောကေ။ ပ။ ဝိပုလပ္ပလေသိနံ။                          | .... | ၄၀၃ |
| န ဝေဿဘူနောပိ စ ပေတ္တိရာဇာ။ ပ။ ပရလောကပတ္တိံ။                     | .... | ၄၃၁ |
| နာဟံ ဘိက္ခဝေ အညံ ဧကဓမ္မဗ္ဗိ။ ပ။ လဟုပရိဝတ္တံ စိတ္တံ။<br>(အံ ၁-၉) | .... | ၁၅၇ |
| နာဟံ ဘိက္ခဝေ သဗ္ဗေတနိကာနံ။ ပ။ ပရိယာယေ။<br>(အံ ၃-၄၉၇)            | .... | ၃၃၇ |
| နာဟံ သဟိဿာမိ။ ပ။ ဩဃမိမံ တရေသိ။ (ပါရာယနေ<br>ဓောတကပုစ္ဆာယံ)       | .... | ၁၄၉ |
| နိဗ္ဗာနံ နိဗ္ဗာနတော သဗ္ဗာနာတိ။ ပ။ အဘိနန္ဒတိ။ (မ ၁-၄)            | .... | ၂၉၇ |
| နေဝ ပုဗ္ဗေနိဝါသာယ။ ပ။ ပဏိမိ မေ န ဝိဇ္ဇတိ။                       | .... | ၁၉၄ |

## [ ပ ]

|                                                                                       |      |     |
|---------------------------------------------------------------------------------------|------|-----|
| ပဉ္စ ကာမဂုဏာ လောကေ။ ပ။ ပမုစ္ဆတိ။ (သုတ္တနိပါတေ<br>ဟေမဝတေ)                              | .... | ၂၇၃ |
| ပဉ္စမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ပ။ ဌိတောတိ ဝဒါမိ။<br>(သံ ၃-၁၇၈)                          | .... | ၁၈၉ |
| ပဉ္စမာနိ ဘိက္ခဝေ ဌာနာနိ သမ္ပဿန္တာ မာတာပိတရော။ ပ။<br>ပုတ္တော ဟောတိ ပသံသိယော။ (အံ ၂-၃၇) | .... | ၂၆၁ |



သုတ္တန်

ပိဋက

[ ပ ]

ပဉ္စမာနိ ဘိက္ခဝေ ဒါနာနိ မဟာဒါနာနိ။ ပ။ ဝိညူဟိတိ။

(အံ ၃-၇၆)

.... ၂၅၅

ပဉ္စမေ ဘိက္ခဝေ ကာမဂုဏာ။ ပ။ ပဉ္စ ကာမဂုဏာ။

(မ ၁-၁၁၉၊ သံ ၂-၄၂၇)

.... ၁၆၁

ပဉ္စမေ ဘိက္ခဝေ ကာမဂုဏာ။ ပ။ အထေတ္ထ မိရာ ဝိနယန္တိ ဆန္တိ။

(အံ ၂-၃၅၉)

.... ၂၇၅

ပဉ္စမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ သမယဝိမုတ္တဿ။ ပ။ ပရိဟာနာယ

သံဝတ္တန္တိ (အံ ၂-၁၅၃)

.... ၇၈

ပဌမံ ကလလံ ဟောတိ။ ပ။ မာတုကုစ္ဆိဂတော နရော။

(သံ ၁-၂၀၈)

.... ၃၅၈

ပဌမံ ဈာနံ သမာပန္နဿ ဝါစာ နိရုဒ္ဓါ ဟောတိ။

.... ၁၅၄

ပဌမဿ ဈာနဿ သဒ္ဓေါ ကဏ္ဍကော ဝုတ္တော ဘဂဝတာ။

(အံ ၃-၃၆၃)

.... ၁၅၅

ပဿာမဟံ ဘိက္ခဝေ ဒိဗ္ဗေန စက္ခုနာ။ ပ။ ပဇာနာမိ။

.... ၄၀

ပါဠိလိပုတ္တဿ ခေါ အာနန္ဒ တယော အန္တရာယာ။ ပ။

မိထုဘေဒါဝါ။ (ဝိ ၃-၃၂၃၊ ဒီ ၂-၇၄)

.... ၂၃၆

ပါဏာတိပါတော ဘိက္ခဝေ အာသေဝိတော။ ပ။

အပ္ပါယုကသံဝတ္တနိကော ဟောတိ (အံ ၃-၇၇)

.... ၄၄၆

ပုဗ္ဗေဝ ခေါ ပနဿ ကာယကမ္မံ။ ပ။ ဘာဝနာပါရိပူရိ ဂစ္ဆတိ။

(မ ၃-၃၃၈)

.... ၄၃၃

[ ဗ ]

ဗဟူနံ ဝတ နော ဘဂဝါ။ ပ။ ဓမ္မာနံ ဥပဟတ္တာ။ (မ ၂-၁၁၁)

.... ၃၈၃

[ ဘ ]

ဘဂဝါ လောကေ ဇာတော။ ပ။ အနုပလိတ္တော လောကေန။

(အံ ၁-၃၄၇)

.... ၄၀၆

[ မ ]

မဂ္ဂါနံ အဋ္ဌဂီကော သေဋ္ဌော။ ပ။ စက္ခုမာ။ (ဓမ္မပဒေ)

.... ၄၃၃

မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိကဿ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ဒုက္ခာယ သံဝတ္တန္တိ။ (အံ ၁-၃၃)

.... ၃၆၇



သုတ္တန်

ပိဋကံ

[ ဗ ]

မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိ ခေါ် ဝစ္ဆ အကုသလာ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ ကုသလာ။

(မ ၂-၁၅၇)

.... ၃၆၆

မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိပရမာန် ဝဇ္ဇာန်။ (အံ ၁-၃၅)

.... ၃၆၆

မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိ ဘိက္ခဝေ အာသေဝိတာ။ ပ။ ပေတ္တိဝိသယသံဝတ္တနိကာ။

.... ၄၄၇

မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိသံ ခေါ် အဟံ ပုဏ္ဏ။ ပ။ တိရစ္ဆာနယောနိ ဝါ။

(မ ၂-၅၀)

.... ၃၆၆

မိစ္ဆာသင်္ကပ္ပေါ။ ပ။ မိစ္ဆာသမာဓိ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ပေတ္တိဝိသယ

သံဝတ္တနိကော။

.... ၄၄၇

[ ဃ ]

ယဇမာနာနံ မနုဿာနံ။ ပ။ သံဃေ ဒိန္နံ မဟပ္ပလံ။

(သံ ၁-၂၃၅)

.... ၄၀၂

ယဒါ ဟဝေ ပါတုဘဝန္တိ ဓမ္မာ။ ပ။ ဩဘာသယမန္တလိက္ခံ။

(ဝိ ၃-၂၊ ဥဒါနေပိ)

.... ၁၄၃

ယသ္မိ ခေါ် သုဘဒ္ဒ ဓမ္မဝိနယေ အရိယော။ ပ။ သမဏေဘိ

အညေဟိ။ (ဒီ ၂-၁၂၅)

.... ၄၃၄

ယသ္မိ ဘိက္ခဝေ သမယေ အရိယသာဝကဿ ဝိရဇံ။ ပ။

သီလဗ္ဗတပရာမာသော။

.... ၉၁

ယဿကဿစိ အာနန္တ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ။ ပ။ ကပ္ပေါဝသေသံ ဝါ။

(ဒီ ၂-၈၆၊ သံ ၃-၂၂၇၊ ဥဒါနေပိ)

.... ၃၃၁

ယံ ကိဉ္စိ ဘိက္ခဝေ ရူပံ အတိတာနာဂတပစ္စုပ္ပန်။ ပ။ ဝုစ္စတိ

ဝိညာဏက္ခန္ဓော။ (သံ ၂-၃၉)

.... ၁၁၂

ယံ ကိဉ္စိ ဘိက္ခဝေ ရူပံ စတ္တာရိ။ ပ။ ဥပါဒါယ ရူပံ။

(မ ၁-၂၈၂၊ အံ ၃-၅၄၃)

.... ၃၆၁

ယာ ကာစိ ကင်္ခါ။ ပ။ မြဟ္မစရိယံ စရန္တာ။

(ဥဒါနေ သောဏတ္ထေရဝဂ္ဂေ)

.... ၁၄၄

ယာယံ တဏှာ။ ပ။ ဝိဘဝတဏှာ။

(ဝိ ၃-၁၅၊ ဒီ ၂-၂၄၆-ပိဋ္ဌာဒိသု)

.... ၃၅၄

ယေ ကင်္ခါသမတိက္ကန္တာ။ ပ။ တေသု ဒိန္နံ မဟပ္ပလံ။

.... ၁၄၄



သုတ္တန်

ပိဋက

[ ယ ]

ယေ တေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပုထုဇ္ဇနာ။ ပ။ အနဝကာသော၊  
ယံ အရဟတော အသုဝိ မုစ္ဆေယျ။  
(ဝိ ၃-၄၀၉၊ အံ ၂-၂၁၉)

.... ၁၃၃

[ ၇ ]

ရညော ဘိက္ခဝေ စက္ကဝတ္တိဿ ပါတုဘာဝါ။ ပ။ ပါတုဘာဝေါ  
ဟောတိ။ (သံ ၃-၈၇)

.... ၁၂၃

[ လ ]

လာဘာ ဝေါ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ နော မနာပရူပံ။ (သံ ၂-၃၄၁)  
လာဘာ ဝေါ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ နော အမနာပရူပံ။ (သံ ၂-၃၄၁)

.... ၁၆၁

.... ၁၆၂

[ ဝ ]

ဝိညာဏပစ္စယာ ဘိက္ခဝေ နာမရူပံ၊ နာမရူပပစ္စယာပိ ဝိညာဏံ။  
(ဒီ ၂-၂၈)

.... ၃၇၁

ဝိတတဏှော အနာဒါနော။ ပ။ ဩဃပါသော သမူဟတော။

.... ၇၇

[ သ ]

သစာယံ အာနန္တ သမိဋ္ဌိ။ ပ။ ဗျာကရေယျ။ (မ ၃-၂၅၁)

.... ၂၉၀

သဇ္ဈိစ္စ မာတရံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေတွာ အာနန္တရိကော  
ဟောတိ။

.... ၄၂၈

သန္တိ ဘိက္ခဝေ အသညသတ္တာ နာမ ဒေဝါ။ ပ။ စဝန္တိ။  
(ဒီ ၁-၂၇)

.... ၁၉၈

သဒ္ဓါ ဟိရိယံ။ ပ။ ဂစ္ဆတိ ဒေဝလောကံ။ (အံ ၃-၆၈)

.... ၂၅၅

သဗ္ဗံ ဘိက္ခဝေ အနဘိဇာနံ။ ပ။ ဒုက္ခက္ခယာယ။  
(သံ ၂-၂၄၉၊ ဣတိဝုတ္တကေပိ)

.... ၁၃၉

သဗ္ဗံ ဘိက္ခဝေ အာဒိတ္တံ။ ပ။ အာဒိတ္တန္တိ ဝဒါမိ။ (ဝိ ၃-၄၄၊ သံ ၂-၂၅၁)

.... ၁၆၀

သဗ္ဗာဘိဘူ သဗ္ဗဝိဒူဟမသ္မိ။ ပ။ ဥပက ဇိနော။  
(ဝိ ၃-၁၂၊ မ ၁-၂၂၇)

.... ၂၁၈



သုတ္တန်

ပိဋကံ

[ သ ]

|                                                      |      |     |
|------------------------------------------------------|------|-----|
| သဗ္ဗေ ဓမ္မာ အနတ္တာ။ (မ ၁-၂၉၂၊ ဓမ္မပဒေပိ)             | .... | ၅၇  |
| သဗ္ဗေ သင်္ခါရာ အနိစ္စာတိ။ ပ။ ဝိသုဒ္ဓိယာ။ (ဓမ္မပဒေ)   | .... | ၃၅၈ |
| သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဘိက္ခဝေ အာသေဝိတာ။ ပ။ အမတပရိယောသာနာ။      | .... | ၄၄၈ |
| သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ ဘိက္ခဝေ။ ပ။           |      |     |
| အမတပရိယောသာနော။                                      | .... | ၄၄၈ |
| သမ္မုခါ မေတံ အာရုသော ဘဂဝတော သုတံ။ ပ။ ဒုက္ခနိရောဓမ္မိ |      |     |
| ပဿတိ။ (သံ ၃-၃၈၂)                                     | .... | ၁၆၈ |
| သ သတ္တက္ခတ္တုပရမံ။ ပ။ သဗ္ဗသံယောဇနက္ခယာ။              |      |     |
| (သံ ၁-၃၉၃၊ ဣတိဝုတ္တကေပိ)                             | .... | ၃၀  |
| သဿတော လောကောတိ ခေါ ဝစ္ဆ။ ပ။ အဗျာကတမေတံ။              |      |     |
| (သံ ၂-၅၅၉)                                           | .... | ၃၆၆ |
| သဟာဝဿ ဒဿနသမ္ပဒါယ။ ပ။ အဘဗ္ဗကာတုံ။                     |      |     |
| (ခု ၁-ရတနသုတ္တေ)                                     | .... | ၉၁  |
| သံခိတ္တေနပိ ခေါ။ ပ။ ဒေသေယျံ၊ အညာတာရော စ ဒုလ္လဘာ။     |      |     |
| (သံ ၁-၁၃၂)                                           | .... | ၄၀၆ |
| သံဃေ ဂေါတမိ ဒေဟိ။ ပ။ ဘဝိဿံသမိသံဃော စ (မ ၃-၂၉၆)       | .... | ၄၀၂ |
| သိခိဿ အာနန္ဒ ဘဂဝတော။ ပ။ ဒုက္ခဿန္တံ ကရိဿတိတိ။         |      |     |
| (အံ ၁-၂၂၈၊ သံ ၁-၁၅၈)                                 | .... | ၁၅၅ |
| သုခေါ ဝိဝေကော တုဋ္ဌဿ။ ပ။ ဧတံ ဝေ ပရမံ သုခံ။           |      |     |
| (ဝိ ၃-၄၊ ဥဒါနေ စ)                                    | .... | ၁၆၃ |
| သုညတော လောကံ အဝေက္ခဿု။ ပ။ န ပဿတိ။ (ပါရာယနေ           |      |     |
| မောဃရာဇပုစ္ဆာယံ)                                     | .... | ၅၆  |
| သုညမိဒံ ဘိက္ခဝေ သင်္ခါရာ အတ္တေန ဝါ အတ္တနိယေန ဝါ။     |      |     |
| (မ ၃-၅၀)                                             | .... | ၄၁၉ |
| သုညော လောကော။ ပ။ သုညော လောကောတိ ဝုစ္ဆတိ။             |      |     |
| (သံ ၂-၂၈၀)                                           | .... | ၅၈  |
| သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မက္ခဋ္ဌော။ ပ။ အညံ နိရုဇ္ဈတိ။        |      |     |
| (သံ ၁-၃၂၀)                                           | .... | ၁၅၈ |
| သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မဟာသမုဒ္ဒေါ အနုပုဗ္ဗနိန္ဒော။ ပ။     |      |     |
| အညာပဋိဝေဓော (ဝိ ၄-၄၂၁၊ အံ ၃-၄၆၊ ဥဒါနေ စ)             | .... | ၁၆၈ |



သုတ္တန်

ပိဋက

[ သ ]

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မဟာသမုဒ္ဒေါ ဌိတဓမ္မော။ ပ။ နာတိက္ကမန္တိ  
(ဝိ ၄၊ အံ ၃၊ ဥဒါနေ စ) .... ၃၄၃

သော ဧဝံ အနုရောဓဝိရောဓံ သမာပန္နော။ ပ။

အဇ္ဈောသာယ တိဋ္ဌတိ။ (မ ၁-၃၃၃) .... ၃၅၂

သော ဧဝံ သမာဟိတေ စိတ္တေ။ ပ။ အဘိနိန္ဒာမေတိ။

(ဒိ ၁-၇၉-ပိဋ္ဌာဒီသု) .... ၁၈၄

သော တဿ ကမ္မဿ ကတတ္တာ။ ပ။ ကရိကဘာဏီ။

(ဒိ ၃-၁၄၈) .... ၃၃၈

သော ဟိ နာမ ဘိက္ခဝေ သုနေတ္ထော သတ္တာ။ ပ။ ပရိနိဗ္ဗုတော။

(အံ ၂-၄၇၇) .... ၉၅



# ကထာဝတ္ထုပါဠိယာ

## သောဓနပတ္တိ

| ပိဋေ | ပဋိပတ္တိ | အသုဒ္ဓပါဌော                      | သုဒ္ဓပါဌော                                               |
|------|----------|----------------------------------|----------------------------------------------------------|
| ၅၉   | ၉        | ကိဉ္စိ                           | ကိဉ္စိ                                                   |
| ၁၅၇  | ၁၄       | စတုသဋ္ဌိကပ္ပါနိ                  | စတုသဋ္ဌိကပ္ပေ                                            |
| ၃၂၃  | ၁        | ဥပ္ပတ္တေသိယေ                     | ဥပ္ပတ္တေသိယေ                                             |
| ၃၄၄  | ၁၈       | ဝတ္တဗ္ဗေ။ပ။ တေန ဟိ               | ဝတ္တဗ္ဗေ။ တေန ဟိ                                         |
| ၃၄၅  | ၂၃       | ၁-၁-ဝေဟာဂစ္ဆတိတိ( ? )            | ၁-၁-ဝေဟာသံ ဂစ္ဆတိတိ( ? )အယံ<br>ဟိ ဝိဿဇ္ဇနာယေဝ၊ န ပုစ္ဆာ။ |
| ၃၅၂  | ၂        | အာပဇ္ဇတိတိ အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ ° | အာပဇ္ဇတိတိ° အတ္ထေဝ သုတ္တန္တောတိ                          |
| ၃၅၅  | ၁၇       | နော စ ဝတ ရေ                      | တေန ဝတ ရေ                                                |
| ၃၉၇  | ၂၁       | ၁-၂-ဣဒံ ပုစ္ဆာဒ္ဓယံ              | ၁-၂-ဣဒံ-ပုစ္ဆာဒ္ဓယေန                                     |
| ၄၃၉  | ၂၁-၂၂    | ကိ° ဒိသံ                         | ကိဒိသံ                                                   |
| ၄၄၉  | ၂၅       | ၂-မ ၁-၂၄၅-ပိဋေ                   | ၂-မ ၁-၂၄၉-ပိဋေ                                           |



